



वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2023-2024



तथागत धर्मचक्र वाटिका

Tathagat Dharma Chakra Garden

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान
Central Institute of Higher Tibetan Studies
(Deemed to be University)
Sarnath, Varanasi-221007, U.P., India
www.cihts.ac.in

विषय-सूची

<u>परिच्छेद</u>	पृष्ठ संख्या
1. संस्थान का संक्षिप्त परिचय	3
2. संकाय	10
3. शोध विभाग	76
4. शान्तरक्षित ग्रन्थालय	112
5. प्रशासन	129
6. गतिविधियाँ	139
 <u>परिशिष्ट</u>	
1. संस्थान द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोह और उनमें उपाधि से सम्मानित विशिष्ट विद्वानों की सूची	179
2. सोसायटी के सदस्यों की सूची	181
3. प्रबन्ध परिषद् के सदस्यों की सूची	183
4. विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची	185
5. वित्त समिति के सदस्यों की सूची	188
6. योजना एवं प्रबोधक परिषद् के सदस्यों की सूची	189
7. प्रकाशन समिति के सदस्यों की सूची	190

सम्पादन समिति

अध्यक्ष :

डॉ. दोर्जे डमडुल, डीन
सोवा रिग्पा एवं भोट ज्योतिष एवं
शिल्प विद्या संकाय

सदस्य :

डॉ. ल्हक्पा छेरिंग
सहायक प्रोफेसर (तिब्बती)

डॉ. महेश शर्मा
समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी.

डॉ. अनुराग त्रिपाठी
सहायक प्रोफेसर (हिन्दी)

डॉ. ज्योति सिंह
सहायक प्रोफेसर (हिन्दी)

गेशे नवाङ तेनफेल
सहायक प्रोफेसर (गेलुग)

डॉ. जस्मित गिल
अतिथि प्राध्यापक (अंग्रेजी)

डॉ. तेनजिन जिमा
अतिथि प्राध्यापक (गेलुग)

डॉ. जिमा छेरिंग
अतिथि प्राध्यापक (फाइन आर्ट्स)

डॉ. पी. सुस्मिता वात्स्यायन
अतिथि प्राध्यापक (अंग्रेजी)

श्री लोब्संग वाङ्दू
व्यावसायिक सहायक, ग्रन्थालय

सदस्य सचिव :

श्री दीपंकर
वरिष्ठ सहायक (कुलपति कार्यालय)

1. संस्थान का संक्षिप्त परिचय

तिब्बती तथा सीमान्त हिमालय क्षेत्र के विद्यार्थियों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण के उद्देश्य से, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू तथा परम पावन 14वें दलाई लामा के पवित्र प्रयासों से सन् 1967 में स्थापित केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान एक अद्वितीय सुप्रतिष्ठित संस्थान है।

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के संघटक विभाग के रूप में शुभारम्भ करके सन् 1977 में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान नाम के साथ, संस्थान ने भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के अधीन स्वायत्त संस्थान का दर्जा प्राप्त किया।

दिनांक 5 अप्रैल, 1988 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा धारा 3 के अन्तर्गत की गई अनुशंसा के आधार पर भारत सरकार ने केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान की अद्वितीय कार्यपद्धति तथा उपलब्धियों के आधार पर संस्थान को मान्य विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया।

प्रो. समदोंग रिनपोछे, पूर्व निदेशक एवं भूतपूर्व कालोन ट्रिपा, केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन के कुशल नेतृत्व में सन् 2000 तक संस्थान प्रगति पथ पर अग्रसर रहा।

इस समय यह संस्थान, प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी, कुलपति के कुशल नेतृत्व तथा संकायों के विद्वान् सदस्यों के समर्पित सहयोग से, पूर्ण कुशलता के साथ, भारतीय बौद्ध एवं भोट बौद्ध दर्शन के क्षेत्र में अपने उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सतत अग्रसर है।

निर्धारित विषयों के अध्ययन-अध्यापन के साथ यह संस्थान अपने शोध विद्यार्थियों एवं देश-विदेश से आने वाले शोध विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहा है। इस सन्दर्भ में यह संस्थान बौद्ध एवं बौद्धेतर भारतीय दार्शनिक विचारधाराओं, बौद्ध एवं पाश्चात्य दार्शनिक विचारधाराओं तथा बौद्ध दार्शनिकों एवं वैज्ञानिकों के मध्य विचार विनिमय एवं संवाद के लिए एक सशक्त मंच प्रदान कर रहा है।

इसे मान्यता देते हुए संस्थान कई शैक्षणिक संस्थानों के साथ-साथ पूरे विश्व के संगठनों के साथ सहयोग और विनिमय कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है।

परिकल्पना एवं उद्देश्य

भारत सरकार तथा परम पावन दलाई लामा जी द्वारा स्थापित संस्थान की परिकल्पना एवं लक्ष्य को संस्थान के निम्नलिखित उद्देश्यों में समाहित किया गया है, जिनकी सतत पूर्ति हेतु संस्थान पिछले चार दशकों से प्रयासरत है।

- तिब्बती संस्कृति एवं परम्पराओं का संरक्षण।
- ऐसे भारतीय ज्ञान-विज्ञान एवं साहित्य का पुनरुद्धार, जो मूल भाषा में समाप्त हो चुके हैं, परन्तु तिब्बती भाषा में उपलब्ध हैं।
- ऐसे सीमान्त भारतीय क्षेत्रों के विद्यार्थियों को वैकल्पिक शिक्षा की सुविधा प्रदान करना, जो पूर्व में इस तरह की उच्च शिक्षा तिब्बत जाकर प्राप्त करते थे।
- आधुनिक संस्थान शिक्षा-प्रणाली के अन्तर्गत पारम्परिक विषयों की शिक्षा एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था प्रदान करना तथा तिब्बती अध्ययन के क्षेत्र में उपाधियाँ प्रदान करना है।

- बौद्ध दर्शन और तिब्बती अध्ययन की शिक्षा प्रदान करना एवं इसके माध्यम से व्यक्तित्व में नैतिक मूल्यों का विकास करना।

संस्थान के उपर्युक्त उद्देश्यों के आधार पर संस्थान की शैक्षणिक व्यवस्था को निम्नानुसार संगठित किया गया है।

(1) शैक्षणिक

(क) हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय

- (i) मूलशास्त्र विभाग
- (ii) सम्प्रदायशास्त्र विभाग
- (iii) बोन सम्प्रदायशास्त्र विभाग

(ख) शब्द विद्या संकाय

- (i) संस्कृत विभाग
- (ii) तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग
- (iii) प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग
- (iv) शिक्षाशास्त्र विभाग

(ग) आधुनिक विद्या संकाय

- (i) समाजशास्त्र विभाग

(घ) शिल्प विद्या संकाय

- (i) तिब्बती काष्ठकला विभाग
- (ii) तिब्बती चित्रकला विभाग

(ङ) सोवा रिग्-पा एवं भोट ज्योतिष संकाय

- (i) सोवा रिग्-पा विभाग
- (ii) भोट ज्योतिष विभाग

(2) शोध विभाग

- (क) पुनरुद्धार विभाग
- (ख) अनुवाद विभाग
- (ग) दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग

(घ) कोश विभाग

(ङ) तिब्बती साहित्य केन्द्र

(3) शान्तरक्षित ग्रन्थालय

(क) अवाप्ति एवं तकनीकी अनुभाग

(ख) सामयिकी, पत्र-पत्रिका, इनफ्लिबनेट एवं सन्दर्भ अनुभाग

(ग) तिब्बती अनुभाग

(घ) आदान-प्रदान अनुभाग

(ङ) संचयागार अनुभाग

(च) मल्टीमीडिया अनुभाग

(छ) कम्प्यूटर अनुभाग

(ज) भण्डार एवं अनुरक्षण अनुभाग

(4) प्रशासन

(क) प्रशासन अनुभाग-1

(ख) प्रशासन अनुभाग-2

(ग) परीक्षा अनुभाग

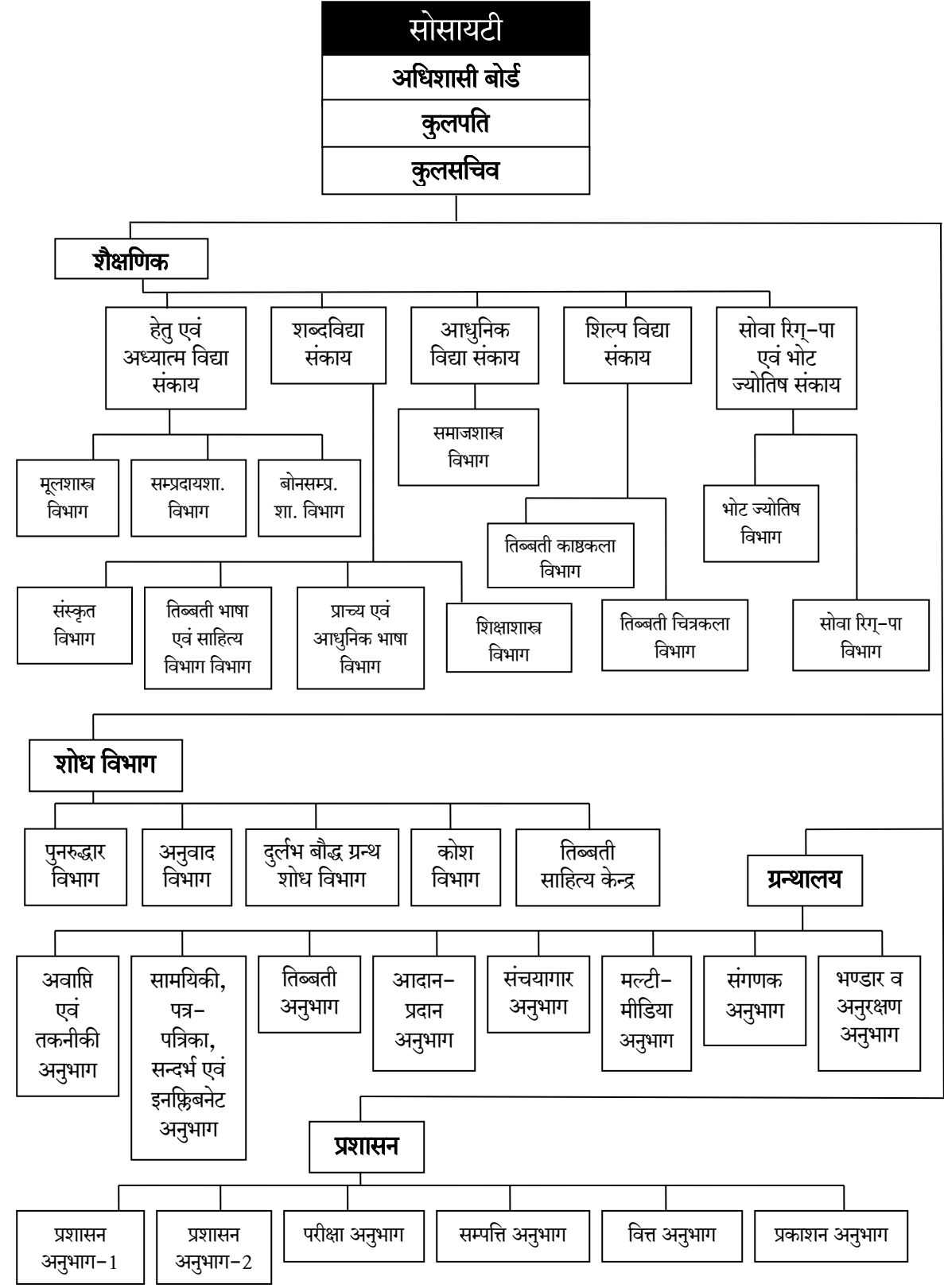
(घ) सम्पत्ति अनुभाग

(ङ) वित्त अनुभाग

(च) प्रकाशन अनुभाग

उपर्युक्त शैक्षणिक एवं शोध गतिविधियों की संगठनात्मक रूपरेखा निम्नलिखित प्रकार से की गयी है—

संस्थान की संगठनात्मक रूपरेखा



शैक्षणिक : पंजीकरण/नामांकन एवं परीक्षा 2023-24

संस्थान में विभिन्न पाठ्यक्रमों में छात्र नामाङ्कित किए जाते हैं। वर्ष 2023-24 का परीक्षाफल निम्नाङ्कित तालिका में प्रस्तुत किया जा रहा है।

विषम अधिसत्र परीक्षा (सत्र 2023-2024)

परीक्षा का नाम	कुल नामांकित छात्र	अनुपस्थित छात्रों की संख्या	उपस्थित छात्रों की संख्या	अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
पू.म. प्रथम अधिसत्र	44	01	43	02	41
पू.म. तृतीय अधिसत्र	41	00	41	00	41
उ.म. प्रथम अधिसत्र	31	01	30	02	28
उ.म. तृतीय अधिसत्र	29	00	29	00	29
शास्त्री प्रथम अधिसत्र	25	01	24	02	22
शास्त्री तृतीय अधिसत्र	20	00	20	00	20
शास्त्री पंचम अधिसत्र	19	01	18	00	18
आचार्य प्रथम अधिसत्र (बी.पी.)	16	0	16	00	16
आचार्य प्रथम अधिसत्र (टी.एल.)	06	0	06	01	05
आचार्य तृतीय अधिसत्र (बी.पी.)	10	01	09	00	09
आचार्य तृतीय अधिसत्र (टी.एल.)	04	00	04	00	04
आचार्य तृतीय अधिसत्र (टी.एच.)	02	00	02	00	02
फाइन आर्ट्स उ.म. प्रथम अधिसत्र	11	01	10	00	10
फाइन आर्ट्स उ.म. तृतीय अधिसत्र	04	01	03	00	03
बी.एफ.ए. प्रथम अधिसत्र	03	00	03	00	03
बी.एफ.ए. तृतीय अधिसत्र	01	00	01	00	01
बी.एफ.ए. पंचम अधिसत्र	03	00	03	00	03
एम.एफ.ए. प्रथम अधिसत्र	07	00	07	00	07
एम.एफ.ए. द्वितीय अधिसत्र	01	00	01	00	01
भोट ज्योतिष उ.म. प्रथम अधिसत्र	01	00	01	00	01
भोट ज्योतिष उ.म. तृतीय अधिसत्र	03	00	03	01	02
बी.एस.आर.एम.एस. द्वितीय वर्ष	13	00	13	00	13
बी.एस.आर.एम.एस. चतुर्थ वर्ष	13	00	13	00	13
बी.एड. प्रथम अधिसत्र	18	01	17	00	17
बी.एड. तृतीय अधिसत्र	22	00	22	00	22
बी.ए. बी.एड. प्रथम अधिसत्र	14	00	14	00	14

वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

बी.ए. बी.एड. तृतीय अधिसत्र	11	00	11	00	11
बी.ए. बी.एड. पंचम अधिसत्र	19	00	19	00	19
बी.ए. बी.एड. सप्तम अधिसत्र	08	00	08	00	08
कम्प्यूटर प्रथम अधिसत्र	21	00	21	02	19
कम्प्यूटर तृतीय अधिसत्र	05	00	05	00	05
कम्प्यूटर प्रथम अधिसत्र	04	00	04	00	04
कम्प्यूटर तृतीय अधिसत्र	06	00	06	00	06
कुल योग	435	08	427	10	417

सम अधिसत्र परीक्षा (सत्र 2023-2024)

परीक्षा का नाम	कुल नामांकित छात्र	अनुपस्थित छात्रों की संख्या	उपस्थित छात्रों की संख्या	अनुत्तीर्ण छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण छात्रों की संख्या
पू.म. द्वितीय अधिसत्र	42	00	42	00	42
पू.म. चतुर्थ अधिसत्र	41	00	41	00	41
उ.म. द्वितीय अधिसत्र	28	00	28	00	28
उ.म. चतुर्थ अधिसत्र	31	00	31	00	31
शास्त्री द्वितीय अधिसत्र	22	00	22	00	22
शास्त्री चतुर्थ अधिसत्र	21	00	21	00	21
शास्त्री षष्ठ अधिसत्र	18	00	18	00	18
आचार्य (बी.पी.) द्वितीय अधिसत्र	16	00	16	00	16
आचार्य (टी.एल.) द्वितीय अधिसत्र	05	00	05	00	05
आचार्य (बी.पी.) चतुर्थ अधिसत्र	09	00	09	00	09
आचार्य (टी.एल.) चतुर्थ अधिसत्र	04	00	04	00	04
आचार्य (टी.एच.) चतुर्थ अधिसत्र	02	00	02	00	02
फाइन आर्ट्स उ.म. द्वितीय अधिसत्र	11	00	11	00	11
फाइन आर्ट्स उ.म. चतुर्थ अधिसत्र	03	00	03	00	03
बी.एफ.ए. द्वितीय अधिसत्र	03	00	03	00	03
बी.एफ.ए. चतुर्थ अधिसत्र	01	00	01	00	01
बी.एफ.ए. षष्ठ अधिसत्र	03	00	03	00	03
एम.एफ.ए. द्वितीय अधिसत्र	06	00	06	00	06
एम.एफ.ए. चतुर्थ अधिसत्र	01	00	01	00	01
भोट ज्योतिष उ.म. द्वितीय अधिसत्र	01	00	01	00	01
भोट ज्योतिष उ.म. चतुर्थ अधिसत्र	02	00	02	00	02

संस्थान का संक्षिप्त परिचय

भोट ज्योतिष शास्त्री षष्ठ अधिसत्र	01	00	01	00	01
बी.एड. द्वितीय अधिसत्र	15	00	15	00	15
बी.एड. चतुर्थ अधिसत्र	22	00	22	00	22
बी.ए. बी.एड. द्वितीय अधिसत्र	13	00	13	00	13
बी.ए. बी.एड. चतुर्थ अधिसत्र	11	00	11	00	11
बी.ए. बी.एड. षष्ठ अधिसत्र	19	00	19	00	19
बी.ए. बी.एड. अष्टम अधिसत्र	08	00	08	00	08
कम्प्यूटर द्वितीय अधिसत्र	19	01	18	00	18
कम्प्यूटर चतुर्थ अधिसत्र	05	00	05	00	05
कम्प्यूटर द्वितीय अधिसत्र	04	00	04	00	04
कम्प्यूटर चतुर्थ अधिसत्र	08	00	08	02	06
कुल योग	395	01	394	02	392

2. संकाय

संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियाँ मुख्यतः अध्ययन-अध्यापन एवं शोध-कार्य है। परीक्षाओं के प्रमाण-पत्र संस्थान स्वयं जारी करता है।

संस्थान बौद्ध अध्ययन, तिब्बती आयुर्विज्ञान (सोवा रिग्-पा) एवं ज्योतिष में शास्त्री, आचार्य, एम. फिल., पी-एच्. डी. एवं एम.डी./एम.एस. पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। इसमें विद्यार्थियों को पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष (नौवीं कक्षा) से ही प्रवेश दिया जाता है और उन्हें पूर्व स्नातक तक के चार वर्षीय पाठ्यक्रम को पूरा करना होता है, जो उन्हें आधुनिक संस्थान शिक्षा-प्रणाली में दी जा रही परम्परागत शिक्षा के निमित्त तैयार करता है। पूर्वमध्यमा से लेकर आचार्य तक, नौ वर्षीय बौद्ध अध्ययन के पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को तिब्बती, संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी भाषाओं का तथा भारतीय बौद्ध शास्त्रों एवं उनकी तिब्बती टीकाओं का अध्ययन कराया जाता है। इसके साथ-साथ सम्प्रदाय शास्त्र, बोन परम्परा, इतिहास, अर्थशास्त्र एवं राजनीतिशास्त्र का भी अध्ययन कराया जाता है।

सोवा रिग्-पा संकाय में परम्परागत तिब्बती चिकित्सा शिक्षा पद्धति के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक अध्ययन के साथ आधुनिक चिकित्सा-विज्ञान के विकृति-विज्ञान, शरीर-रचना-विज्ञान एवं शरीर-क्रिया-विज्ञान का अध्ययन कराया जाता है। विद्यार्थियों को तिब्बती चिकित्सा पद्धति में निपुण बनाने हेतु उन्हें नैदानिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

तिब्बती ललित कला के विद्यार्थियों को थंका चित्रपट के निर्माण की विधि तथा तिब्बती काष्ठकला के विद्यार्थियों को काष्ठ-तक्षण-कला सिखाई जाती है। इसके साथ ही बौद्ध दर्शन, तिब्बती भाषा एवं साहित्य, अंग्रेजी या हिन्दी एवं कला का इतिहास का भी ज्ञान कराया जाता है।

शिक्षण प्रविधि एवं अधिगम

संस्थान के उद्देश्यों के अनुरूप विभिन्न पाठ्यक्रमों की संरचना की गयी है। अध्यापकों के सुझावों तथा उन पर अध्ययन परिषद् के विषय-विशेषज्ञों की सहमति के आधार पर पाठ्यक्रमों की संरचना एवं उनमें परिवर्तन-परिवर्द्धन किया जाता है तथा इन्हें अन्तिम रूप में विद्वत् परिषद एवं अधिशासी बोर्ड द्वारा पारित किया जाता है।

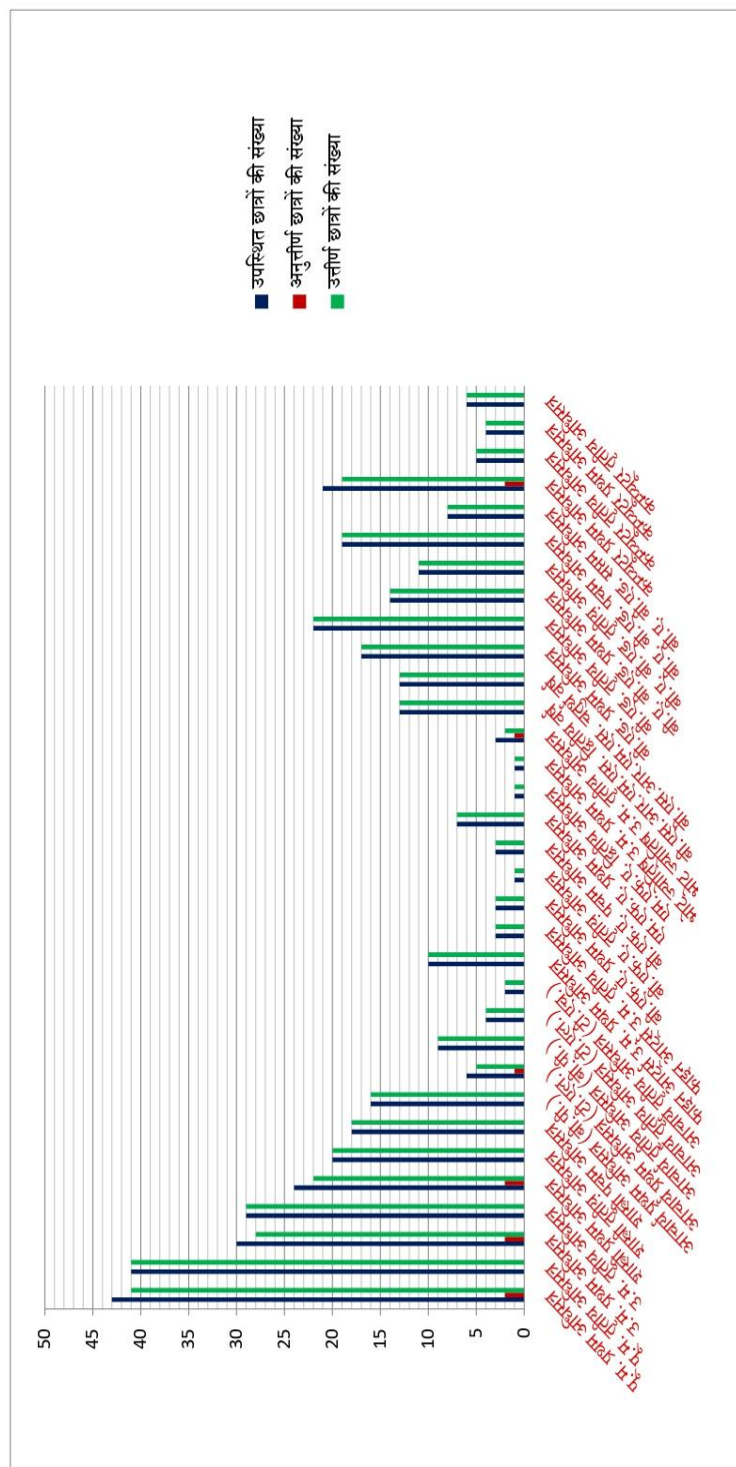
इनके अतिरिक्त विद्यार्थियों के व्यक्तित्व के विकास के लिए संस्थान परिसर में सामूहिक एवं वैयक्तिक स्तर पर और भी अनेक गतिविधियाँ होती रहती हैं, जिनमें सामूहिक परिचर्चा, व्याख्यान, खेल-कूद, शैक्षणिक विनिमय कार्यक्रम एवं समाज सेवा सम्मिलित हैं। यह संस्थान पूर्णरूप से आवासीय है। सभी पाठ्यक्रम परिसर में ही चलाये जाते हैं।

परीक्षा एवं मूल्यांकन

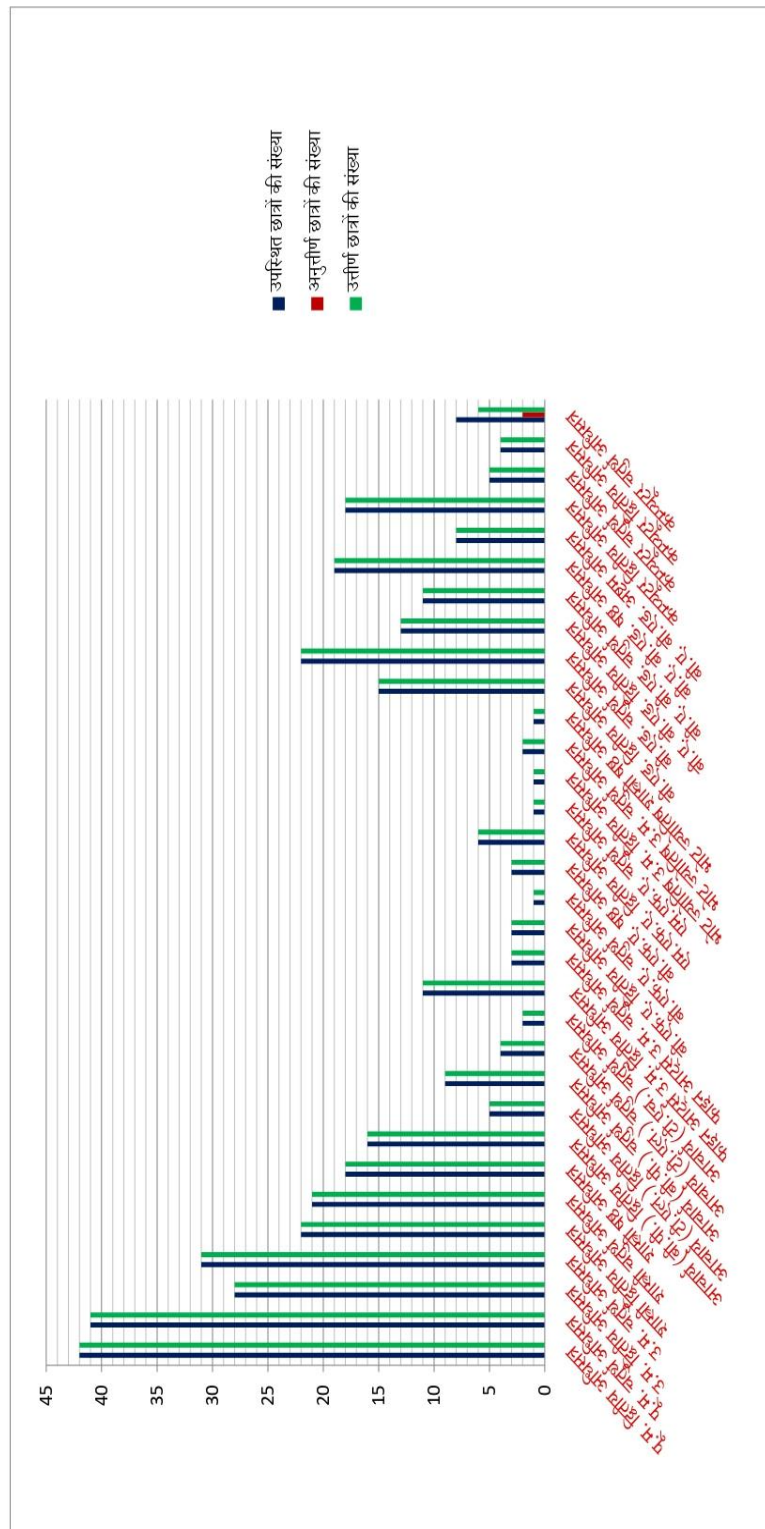
पंजीकृत विद्यार्थियों को परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कम से कम 85% उपस्थिति अनिवार्य है। परीक्षा अधिसूत्रों में संचालित होती हैं।

आलोच्य वर्ष में आयोजित विभिन्न पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं के परिणाम निम्नलिखित तालिका में प्रदर्शित किए गए हैं-

शैक्षणिक सत्र 2023-24 के विषम अधिसत्र का परीक्षा-परिणाम



शैक्षणिक सत्र 2023-24 के सम अधिसत्र का परीक्षा-परिणाम



शैक्षणिक विभागों का परिचय

(क) हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय

डॉ. डम्पा सेंगे - संकायाध्यक्ष (20.2.2024 से)

(I) मूलशास्त्र विभाग

मानव-जीवन की वास्तविकता एवं उसके उद्देश्य को समझने तथा सक्षम बनाने के निमित्त बौद्ध दर्शन एवं संस्कृति का संरक्षण एवं विकास करना, इस विभाग का उद्देश्य है। इस विभाग में बौद्ध-दर्शन, न्याय, मनोविज्ञान आदि विषय, बुद्धवचन तथा भारतीय आचार्यों द्वारा रचित शास्त्रों का अध्यापन होता है। मानव एवं अन्य प्राणियों के लिये इस जगत् को बेहतर बनाने में सहायता करना भी इस विभाग का उद्देश्य है। मात्र अपने कल्याण की बात न सोचकर करुणा एवं शान्ति का आश्रय लेकर वर्तमान जगत् की आवश्यकतानुसार इन गुणों का प्रसार करना भी इसके उद्देश्यों में शामिल है। यह विभाग बौद्ध दर्शन के अध्यापन के साथ-साथ शोध-कार्य भी कर रहा है। वैश्वीकरण के इस युग में तथागत बुद्ध के वचनों और नागार्जुन आदि भारतीय आचार्यों तथा महासिद्धों के विचारों के पुनरुद्धार एवं उनके युगानुकूल समायोजन पर उपर्युक्त विभाग शोधरत है।

(1) प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी	-	प्रोफेसर
(2) गेशे तेनज़िन नोरबू	-	असिस्टेंट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष
(3) गेशे लोसंग वांगड्रग	-	असिस्टेंट प्रोफेसर
(4) भिक्षु छुलठिम ग्युरमेद	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(5) गेशे थरख्ये	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

गेशे तेनज़िन नोरबू

समिति सदस्य के लिए मनोनीत:

1. 2023-24 - मूलशास्त्र के विभागाध्यक्ष
2. शांतिरक्षित ग्रन्थालय में तिब्बती पुस्तकों के लिए मूल्य सत्यापन समिति के अध्यक्ष
3. वर्ष 2023-24 के लिए मूलशास्त्र विभाग के डी.आर.सी. अध्यक्ष
4. महाशास्त्रार्थ 2023-24 के आयोजक।
5. वर्ष 2023-24 - गेलुक छात्र कल्याण प्रमुख।
6. वर्ष 2023-24 - मूलशास्त्र विषय के दोनों अधिसत्रों में मॉडरेशन बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया।
7. मूल शास्त्र विषयों के आचार्य प्रथम अधिसत्र की मौखिक परीक्षा के लिए परीक्षक।
8. वर्ष 2023-24 के मौखिक परीक्षा समिति के सदस्य के रूप में पी-एच.डी. की मौखिक परीक्षा में भाग लिया।
9. वर्ष 2024 - कार्यालय सहायकों (संविदा) के चयन के लिए निरीक्षक।
10. 'सांख्य और नैयायिक स्कूल के विचार' पर दो सप्ताह की कार्यशाला के आयोजक।
11. पी-एच.डी. छात्रों की छमाही प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुतियों में भाग लिया।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. छा.क.स. द्वारा आयोजित वरिष्ठ शिविर में अवलोकन की वस्तु पर मन को स्थिर करने के तरीके पर व्याख्यान दिया।

2. वर्ष 2023-24 के सोवा रिग्पा के नए छात्रों के लिए कार्यशाला की।
3. 29 दिसंबर से 21 जनवरी, 2024 - अकादमिक एक्सचेंज प्रोग्राम में मध्यमकावतार पाठ पर अनेक व्याख्यान दिया।
4. 51वें छा.क.स., के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित वरिष्ठ छात्रों के शीतकालीन अभियान के दौरान 'मेथड्स ऑफ एबाइडिंग माइंड ऑन द फोकल प्वाइंट एण्ड मेडिटेशन एकोर्डिंग टू बुद्धिस्ट टीचिंग्स' पर व्याख्यान दिया।
5. वर्ष 2023-24 - जी.एस.डब्ल्यू. द्वारा प्रकाशित 'कमेन्ट्री टू द प्रीसियस गारलैण्ड बाई नागार्जुन' का संपादन किया।

गेशे लोसंग वांगडूग

1. 2023-2024 - बौद्ध दर्शन के व्यापक विश्लेषण पर दो सप्ताह का पी-एच.डी. पाठ्यक्रम तैयार किया।
2. एस.डब्ल्यू.ए. द्वारा आयोजित वार्षिक शीतकालीन शिविर में व्याख्यान दिया।
3. 28 सितंबर - 1 अक्टूबर 2023 : संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह, लद्दाख में 'मध्यमिका प्रणाली के विकास में मध्यमिकालंकार का महत्व' पर एक व्याख्यान दिया।
4. 27 नवंबर से 11 दिसंबर 2023 : मूल शास्त्र, पी-एच.डी. पाठ्यक्रम कार्य (पांच पी-एच.डी. छात्रों के लिए) के लिए 'सभी बौद्ध यानों का आधार, मार्ग और फल' विषय पर व्याख्यान दिया।
5. 29 दिसंबर 2023 से 21 जनवरी 2024 : अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम, यूएसए के पांच कॉलेजों के लिए एक व्याख्यान दिया।

प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ

पद्मसंभव बालक छात्रावास वार्डन

2023-2024 - वार्षिक द्विद्वैतमकता महाशास्त्रार्थ के सदस्य

शोध मार्गदर्शक:

1. सोनम दोरजय
2. कोंचोक लहुंडुप

भिक्षु छुलठिम ग्युरमेद

संगोष्ठी में सहभागिता एवं शोधपत्र प्रस्तुति:

1. 28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 - भारतीय शोध महापरिषद के साथ केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह लद्दाख द्वारा आयोजित 'मध्यमक विद्यालय के विकास में मध्यमक अलंकार की भूमिका' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
2. 28 सितंबर से 1 अक्टूबर 2023 - भारतीय शोध महापरिषद के साथ लेह लद्दाख के केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित 'माध्यमिक विद्यालय के विकास में मध्यमक अलंकार की भूमिका' विषयक संगोष्ठी में "माध्यमिक अलंकार ग्रंथ के अनुसार अर्ध-अंडवादी दृष्टिकोण का विश्लेषण" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
3. 4-16 अक्टूबर, 2023 - शिक्षक शिक्षण केन्द्र, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी में आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित "शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा पर सामाजिक विज्ञान संकायों के लिए दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम" में भाग लिया।
4. 29-31 अक्टूबर 2023 - दक्षिण भारत में नामद्रोलिंग मठवासी संस्थान द्वारा नाग्युर जिडमा के विशिष्ट दृष्टिकोण और दर्शन पर 9वीं संगोष्ठी के दौरान 'शांतरक्षित के अनुसार आल्यविज्ञान की स्वीकृति या अस्वीकृति' विषय पर एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।

5. 29 दिसंबर, 2023 - 21 जनवरी, 2024 - अकादमिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में धर्मकीर्ति के ग्रंथ मध्यमकावतार और शांतरक्षित के ग्रंथ बोधिचर्यावतार पर व्याख्यान दिया।
6. 6 मार्च, 2024 - देहरादून उत्तराखंड के साक्या मोनलम फाउंडेशन और साक्या मठ द्वारा आयोजित गैर-सांप्रदायिक विद्वानों की संगोष्ठी के दौरान 'जिडमा परंपरा के अनुसार सूत्र और तंत्र के विचारों के बीच संबंध' पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
7. 27 फरवरी - 5 मार्च 2024 - मूलशास्त्र विभाग, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित वेदांत और सांख्य दर्शन पर आठ दिवसीय व्याख्यान शृंखला में भाग लिया।

समिति सदस्य के लिए नामित:

1. 2023-24 - छात्र वाद-विवाद सत्रों के जांच सदस्य के रूप में नियुक्त।
2. 2023-24 - महाशास्त्रार्थ के आयोजन सदस्य।

पुरस्कार और उपलब्धियाँ:

1. 5 सितंबर, 2023 - शिक्षक दिवस के अवसर पर मूलशास्त्र विभाग में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में सम्मानित किया गया।

गेशे थरख्ये

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. 9 दिसम्बर, 2023 : विदेश से आए विनिमय कार्यक्रम के तहत छात्रों को बौद्ध धर्म के चार सिद्धांतों पर व्याख्यान दिया।
2. 20-23 दिसम्बर, 2023 : आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संघ सेमिनार में भाग लिया।

(II) सम्प्रदायशास्त्र विभाग

इस विभाग में तिब्बती विद्वानों द्वारा बुद्धवचन एवं भारतीय आचार्यों के ग्रन्थों पर रचित टीका तथा स्वतन्त्र ग्रन्थों पर अध्यापन-कार्य होता है। भिक्षु एवं सामान्य विद्यार्थियों को तिब्बती बौद्ध परम्परा के चारों सम्प्रदायों की शिक्षा एक ही परिसर में देना, इस संस्थान की स्थापना के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। यद्यपि भिक्षु, बौद्ध-विहारों में रहकर बौद्ध धर्म एवं दर्शन का अध्ययन कर सकते हैं, परन्तु उनमें चारों सम्प्रदायों की एक साथ शिक्षण की व्यवस्था नहीं है। इसके अतिरिक्त भिक्षुओं एवं सामान्य विद्यार्थियों के लिए तिब्बती बौद्ध विहारों में अध्ययन की कोई व्यवस्था नहीं है।

उक्त सिद्धान्त एवं तथ्यों के आधार पर यह विभाग तिब्बती बौद्ध परम्परा के निम्नलिखित चार सम्प्रदायों की परम्पराओं के अध्ययन एवं शोध में कार्यरत है—

(क) कर्ग्युद सम्प्रदाय

(1) डॉ. टशी सम्फेल	- एसोसिएट प्रोफेसर
(2) डॉ. रमेशचन्द्र नेगी	- एसोसिएट प्रोफेसर, प्रभारी- कोश विभाग
(3) डॉ. मेहर सिंह नेगी	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

भिक्षु मेहर सिंह नेगी

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 'सुत्तपिटक खुद्दकनिकाय उदानपालि' का पालि से तिब्बती में अनुवाद।

2. के.आर.पी.सी. प्रकाशन के लिए क्योबपा जिगटेन सुमगन द्वारा लिखित पाठ गोंगचिंग का सम्पादन।

संगोष्ठी और कार्यशाला:

1. 4-16 अक्टूबर, 2023 - शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा पर सामाजिक विज्ञान संकायों के लिए दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।
2. 29 अक्टूबर, 2023 - शांतिरक्षित पुस्तकालय में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के निर्देश पर 13 देशों के बौद्ध विद्वानों के एक समूह के साथ विचार-विमर्श किया।
3. 27 फरवरी - 5 मार्च 2024 - वेदांत और सांख्य दर्शन की आठ दिवसीय व्याख्यान शृंखला में अनुवादक के रूप में भाग लिया।
4. 2 मार्च, 2024 - डॉ. जान रोनिस द्वारा बी.डी.आर.सी. और इसकी शिक्षाओं का परिचय विषय पर आयोजित एक व्याख्यान में भाग लिया।

अन्य गतिविधियाँ:

1. प्रथम अधिसूत्र परीक्षा 2023 की जांच समिति के सदस्य।
2. 21 जुलाई, 2023 - दो दिवसीय बुद्ध के शास्त्रों (कांग्यूर) के पाठ में भाग लिया।
3. 24 जुलाई 2023 - आचार्य द्वितीय वर्ष कर्गुद के मौखिक परीक्षक के रूप में भाग लिया।
4. दिसंबर, 2023 में परम पावन की शिक्षाओं में भाग लेने के लिए बोधगया में छात्रों के आवास की व्यवस्था के लिए काम किया।
5. 1 जनवरी, 2024 - बोधगया में परम पावन को दीर्घायु अर्पण पूजा अर्पित करते समय दीर्घायु अर्पण प्रबंधन समिति के सदस्य के रूप में काम किया।

(ख) साक्या सम्प्रदाय

(1) प्रो. टशी छेरिङ् (एस.)	-	प्रोफेसर तथा अध्यक्ष, सम्प्रदाय शास्त्र
(2) भिक्षु डक्पा सेङ्गे	-	एसोसिएट प्रोफेसर
(3) भिक्षु नवांग जोद्पा	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(4) श्री छेरिंग समडुप	-	सहायक शिक्षक
(5) लोपन नवांग थोकमे	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(6) देछेन वांगमो	-	सहायक शिक्षक

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

भिक्षु डक्पा सेङ्गे

साक्या संप्रदाय शास्त्र की नियमित कक्षाओं के अलावा निम्नलिखित कार्य:

1. 1 जुलाई 2023 से 20 फरवरी 2024 - सभी पाँच संप्रदायों के विभागाध्यक्ष के रूप में नियुक्त।
2. 20 फरवरी 2024 - तीन वर्ष के लिए हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय के संकायाध्यक्ष के रूप में नियुक्त।
3. 7 जुलाई 2023 - शैक्षणिक सत्र 2023-24 के लिए प्रवेश समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त।
4. 3 जुलाई 2023 - संप्रदाय शास्त्र में अतिथि संकाय के पदों की भर्ती के लिए चयन समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।

5. एंटी रैगिंग समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
6. बोधगया में 2023 दिसंबर को आयोजित परम पावन दलाई लामा दीर्घायु समारोह के संबंध में दीर्घायु अर्पण प्रबंधन समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।
7. 13 मार्च 2024 - आयोजित सदस्य के रूप में विद्वत् परिषद की बैठक में भाग लिया।
8. परीक्षा समिति के सदस्य।
9. छात्रों की कक्षा उपस्थिति के लिए उपस्थिति जाँच समिति में सहायता की।
10. संप्रदाय शास्त्र विभाग का प्रतिनिधित्व करने के लिए शोध समिति के अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया गया।
11. तिब्बती बौद्ध दर्शन, भाषा, तिब्बत-विज्ञान में के.उ.ति.शि.सं. के संकाय सदस्यों और छात्रों दोनों के लिए तिब्बती पत्रिकाओं के प्रकाशन में सदस्य।
12. शास्त्री तृतीय वर्ष के लिए वार्षिक कंठस्थ वाक् परीक्षा (मूल शास्त्र पाठ मौखिक परीक्षण) के लिए परीक्षक।
13. सोवा रिग्पा में बीएसआरएमएस फ्रेशर्स के लिए 15 दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम के दौरान व्याख्याता के रूप में आमंत्रित किया गया।
14. जनवरी 2024 में के.उ.ति.शि.सं. के साथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत यू.एस.ए. के छात्रों को साक्या परंपरा और इसकी प्रमुख विशेषताओं पर व्याख्यान दिया।
15. 5 जनवरी 2024 - एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत यू.एस.ए. के छात्रों को 'बोधिसत्वाचार्यावतार' पर व्याख्यान दिया।
16. 8 जनवरी 24 - एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत यू.एस.ए. के छात्रों को 'बोधिसत्वाचार्यावतार' पर व्याख्यान दिया।
17. 27 फरवरी से 5 मार्च 2024 - मूलशास्त्र विभाग, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित 'वेदांत और सांख्य दर्शन' पर आठ दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला में भाग लिया।
18. 20 से 23 दिसंबर 2023 - परम पावन दलाई लामा के कार्यकारी समिति के दक्षिण पूर्व एशिया कार्यालय द्वारा बोधगया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संघ फोरम 2023 में भाग लिया।
19. 16 अक्टूबर 2023 - पी-एच.डी. छात्रों को "बौद्ध दर्शन का विश्लेषण" (4 क्रेडिट) पर एक सप्ताह का व्याख्यान दिया।
20. पी-एच.डी. छात्र भिक्षुणी देछेन वांगमो को उनके शोध विषय के लिए मार्गदर्शन दिया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में शोधपत्र प्रस्तुति

1-3 जून 2023 - बुद्ध प्रकृति सम्मेलन में शेचेन मठ, काठमांडू नेपाल में आयोजित "तिब्बती बौद्ध परंपरा में बुद्ध प्रकृति सिद्धांत और अभ्यास" पर चर्चा की गई, जिसका आयोजन त्रसद्रा फाउंडेशन काठमांडू नेपाल buddhanature.tsadra.org द्वारा किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रकाशित शोधपत्र

"लॉर्ड रोटोंग, एट अल द्वारा बुद्ध प्रकृति पर विचार" पर एक लेख जून 2023 को सह-लेखक के रूप में पृष्ठ संख्या: 30-35 ए त्सद्रा फाउंडेशन इनिशिएटिव काठमांडू नेपाल द्वारा प्रकाशित किया गया।

भिक्षु नवांग जोद्पा

वर्ष 2023-2024 के शैक्षणिक सत्र के दौरान किए गए शैक्षणिक कार्य

1. 'डिपेन्डेन्स ओरिजिनेशन' विषय पर एक लेख लिखा और के.उ.ति.शि.सं. में अकादमिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत आने वाले छात्रों के लिए वितरित किया।

लोपन नवांग थोकमे

1. मई, 2023 : नेपाल के शेचेन मठ में त्सादा फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'तथागत गर्व' पर व्याख्यान दिया।
2. 4-6 अक्टूबर, 2023 : "दो-साप्ताहिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम" में भाग लिया।
3. नवंबर, 2023 : शाक्य लोम्युलिंग छात्र समूह को 'शोंगटन लोत्सावा का इतिहास' पर एक ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
4. नवंबर, 2023 : शाक्य लोम्युलिंग छात्र समूह को 'पंग लोत्सावा का इतिहास' पर एक व्याख्यान दिया।
5. 20-22 दिसंबर, 2023 : अंतरराष्ट्रीय संघ मंच बोधगया में भाग लिया।
6. मार्च, 2024 : शाक्य लोम्युलिंग छात्र समूह को 'सचेन कुंगा निंगपो लोत्सावा का इतिहास' पर एक व्याख्यान दिया।

देछेन वांगमो

1. 4-16 अक्टूबर, 2023 - भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर.) द्वारा प्रायोजित "शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा में सामाजिक विज्ञान अनुशासन में संकायों के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम" शिक्षक शिक्षा केंद्र, केंद्रीय उच्च तिब्बती संस्थान संस्थान सारनाथ, वाराणसी में सीटीई, के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ वाराणसी द्वारा आयोजित किया गया।
2. नवंबर 2023 - नवंबर, 2025 - दो साल के लिए मायादेवी गर्ल्स हॉस्टल की वार्डन नियुक्त की गई।
3. 20-23 दिसंबर, 2023 - परम पावन दलाई लामा की कार्यकारी समिति के दक्षिण पूर्व एशिया कार्यालय द्वारा बोधगया में आयोजित अंतराष्ट्रीय संघ फोरम 2023 में भाग लिया।
4. 12-14 जनवरी, 2024 - बोधगया-राजगीर-नालंदा बिहार में बौद्ध स्थलों की शैक्षिक यात्रा के संबंध में 31वें एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत यूएसए के छात्रों की सहायता की।
5. 15 जनवरी, 2024 - के.उ.ति.शि.सं. के साथ एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत यूएसए के छात्रों को साक्या परंपरा और इसकी प्रमुख विशेषताओं पर अनुवादित व्याख्यान।
6. 2-17 जनवरी, 2024 - के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ में 31वें एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत प्रोफेसर विलियम एडेलग्लास द्वारा 10 दिवसीय शोध पद्धति और अकादमिक लेखन व्याख्यान श्रृंखला में भाग लिया।
7. 27 फरवरी - 5 मार्च 2024 - के.उ.ति.शि.सं. के मूल शास्त्र विभाग द्वारा आयोजित वेदांत और सांख्य दर्शन पर आठ दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला में भाग लिया।
8. 31 मार्च, 2024 - पी.एम. प्रथम वर्ष के लिए कंठस्थ वाक् परीक्षा के लिए परीक्षक।

(ग) जिङमा सम्प्रदाय

(1) खेनपो सङ्गा तेनज़िन	- एसोसिएट प्रोफेसर
(2) भिक्षु सोनम दोर्जे	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(3) खेनपो ओग्येन जम्पा	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(4) खेनपो पल्जङ्ग दरगे गुरुंग	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)

खेनपो सङ्गा तेनज़िन

समितियों के सदस्य के रूप में नामित:

1. 9 अक्टूबर, 2023 - जिङमा सम्प्रदाय विषय के लिए मॉडरेशन बोर्ड के सदस्य के रूप में कार्य किया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 4-16 अक्टूबर, 2023 - आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित 'इण्टर्डिसप्लिनेरी फ्रेमवर्क फॉर फाउण्डेशन ऑफ एजुकेशन' पर सामाजिक विज्ञान संकायों के लिए दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसे सी.टी.ई., के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित किया गया।
2. 20-22 दिसंबर 2023 - बोधगया में अंतर्राष्ट्रीय संघ फोरम में भाग लिया।
3. 29 दिसंबर, 2023 से 21 जनवरी, 2024 - अकादमिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के दौरान व्याख्यान दिए।

खेनपो ओग्येन जम्पा

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला

1. 15 जुलाई, 2023 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में आयोजित जी20 के अन्तर्गत "भारतीय सभ्यता में बौद्ध मूल्य प्रणाली और पारस्परिक सौहार्द" विषयक संगोष्ठी में प्रतिभाग किया।
2. 4-16 अक्टूबर, 2023 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में आयोजित युवा संकायों के लिए 'शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा' पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम प्रतिभाग किया।
3. 9-23 अक्टूबर, 2023 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम के दौरान विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रतिभाग किया।

खेनपो पलजङ्ग दरगे गुरुंग

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशाला:

1. 15 जुलाई, 2023 - के.उ.ति.शि.सं. में जी20 के अन्तर्गत 'भारतीय सभ्यता में बौद्ध मूल्य प्रणाली और पारस्परिक सौहार्द' विषयक संगोष्ठी में प्रतिभाग किया।
2. 28-29 अक्टूबर, 2023 - गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में 'टेनेट्स ऑफ द बुद्ध धम्म एण्ड ग्लोबल वेल्-बींग नेचर, सिगनीफिकेन्स एण्ड एप्लीकेबिलिटी' विषयक अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की।
3. 4-16 अक्टूबर, 2023 - के.उ.ति.शि.सं. में युवा संकायों के लिए 'इण्टर्डिसप्लिनेरी फ्रेमवर्क फॉर फाउण्डेशन ऑफ एजुकेशन' विषय पर आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

(घ) गेलुक् सम्प्रदाय

(1) भिक्षु लोब्संग ज़लछेन	- प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (सम्प्रदाय शास्त्र)
(2) डॉ. नवांग तेनफेल	- असिस्टेंट प्रोफेसर
(3) गेशे थर्ख्ये	- असिस्टेंट प्रोफेसर
(4) डॉ. तेनजिन नीमा	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(5) गेशे रिग्जिन दोर्जे	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(6) गेशे तेनजिन डिमेद	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

डॉ. नवांग तेनफेल

समिति सदस्य के लिए नामित:

1. 4 अप्रैल, 2023 : कार्यालय नोटिस CIHTS/परीक्षा/RDC/103 के अनुसार विभागीय शोध समिति (डीआरसी) के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया और मूल शास्त्र, संप्रदाय शास्त्र और संस्कृत में पुनरुद्धार में पी-एच.डी. कार्यक्रम 2022-23 में प्रवेश के लिए साक्षात्कार लिया।
2. 27 जुलाई, 2023 : कार्यालय आदेश CIHTS/Adm- I/ Campaign/ 2023 के अनुसार छात्र कल्याण के डीन होने के नाते, 'मेरी माटी मेरे देश' अभियान की आयोजन समिति के अध्यक्ष बने।
3. 07 अक्टूबर, 2023 : परीक्षा कार्यालय पत्र CUTS/परीक्षा/मो/104/2023-24 के अनुसार गेलुंग संप्रदाय विषय के लिए मॉडरेशन बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित।
4. 17 अक्टूबर, 2023 : कार्यालय ज्ञापन CIHTS/परीक्षा/H2/2023 के अनुसार रजिस्ट्रार की अध्यक्षता में समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया, जो मौजूदा परीक्षा मैनुअल में प्रासंगिक अद्यतन/संशोधन की समीक्षा और सुझाव देगा।
5. 17 अक्टूबर, 2023 : कार्यालय ज्ञापन CIHTS/परीक्षा/H1/2023 के अनुसार छात्रों के विभिन्न प्रमाण पत्र जारी करने के लिए दिशा-निर्देशों और तौर-तरीकों का मसौदा तैयार करने और शुल्क की समीक्षा करने के लिए रजिस्ट्रार की अध्यक्षता में समिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया।
6. 13 दिसंबर, 2023 : कार्यालय नोटिस TU/SA/71/2023 के अनुसार परम पावन दलाई लामा के प्रवचन के दौरान बोधगया में छात्रों के लिए आवास की उचित व्यवस्था की जिम्मेदारी लेने और देखभाल करने के लिए नियुक्त किया गया।
7. 29 दिसंबर, 2023 से 1 जनवरी, 2024 : कार्यालय आदेश CIHTS/ADMN-I/बोधगया समारोह/2023 के अनुसार बोधगया में परम पावन दलाई लामा के दीर्घायु अर्पण समारोह के संबंध में दीर्घायु अर्पण प्रबंधन समिति के समिति सदस्य के रूप में कार्य किया।
8. 50वें छात्र कल्याण संघ द्वारा 2023 में छात्र कल्याण समिति की स्वर्ण जयंती के अवसर पर असाधारण योगदान के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।
9. 27-29 फरवरी, 2024 : 51वें छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित वरिष्ठ छात्र शीतकालीन अभियान, 2024 के उद्घाटन समारोह और समापन समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया।
10. 22 मार्च, 2024 : कार्यालय के आदेश के अनुसार नई खरीदी गई भूमि पर और बास्केटबॉल कोर्ट के पीछे चारदीवारी की मरम्मत/निर्माण के लिए एक समिति के अध्यक्ष के रूप में नामित।
11. 30 और 31 मार्च, 2024 : आध्यात्मिक गतिविधियों के लिए हमारे संस्थान में महामहिम प्रो. समदोंग रिनपोछे की यात्रा के दौरान सूचीबद्ध सभी कार्यक्रमों का समन्वय और प्रबंधन किया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 5 अप्रैल, 2023 : नालंदा भवन के समिति कक्ष में 2022-23 के पी-एच.डी. उम्मीदवारों का सफलतापूर्वक साक्षात्कार लिया।
2. 15 जुलाई, 2023 : अतिश सभागार में “भारतीय सभ्यता में बौद्ध मूल्य प्रणाली और पारस्परिक सौहार्द” विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सफलतापूर्वक भाग लिया।

3. 2 अगस्त, 2023 : “इंटरक्लास एल.एम. जोशी मेमोरियल फुटबॉल टूर्नामेंट” के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुआ और उद्घाटन समारोह में भाषण दिया।
4. 28 अगस्त - 02 सितंबर, 2023 : कार्यालय आदेश सीआईएचटीएस/एडम-1/फेस-टू-फेस ट्रेनिंग/2023 के दौरान यूजीसी के मानव संसाधन विकास केंद्र, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा ऑफलाइन मोड में आयोजित “शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली के आईकेएस प्रभाग के सहयोग से भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम” में भाग लिया।
5. 11 सितंबर, 2023 : ए.पी. गेस्ट हाउस में “5वें राष्ट्रीय सोवा-रिग्पा दिवस समारोह” में भाग लिया। जिसमें सोवा-रिग्पा छात्र परिषद और सोवा-रिग्पा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आमंत्रित किया गया था।
6. 7 अक्टूबर, 2023 : पीजीआरएच हॉल में बीएसआरएमएस प्रेशर्स के लिए 15 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम के दौरान “गेलुग परंपरा का इतिहास” और “संस्थान के पांच विभागों का परिचय” पर व्याख्यान दिया। यह सोवा-रिग्पा विभाग द्वारा कार्यालय आदेश टीआई/सोरिग/आईपी/2023 के अनुसार आयोजित किया गया था।
7. 4-16 अक्टूबर, 2023 : शिक्षक शिक्षण केन्द्र, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित “शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा” पर युवा संकायों के लिए आईसीएसएसआर प्रायोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में 3 अलग-अलग विषयों पर सफलतापूर्वक व्याख्यान दिया।
8. 18 अक्टूबर, 2023 : अतीशा हॉल में स्टूडेंट एसोसिएशन ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट द्वारा आयोजित “इंटर-क्लास कल्चर शो प्रतियोगिता” में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया और इस अवसर पर व्याख्यान दिया।
9. 10 नवंबर, 2023 : 51वें एस.डब्ल्यू.ए. द्वारा आयोजित अतीशा हॉल में वरिष्ठ छात्रों की शिक्षा यात्रा के अनुभव साझा करने के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।
10. 29 दिसंबर 2023 - 01 जनवरी 2024 : कार्यालय आदेश CIHTS/ADMN/1/बोधगया समारोह/2023 दिनांक 16 दिसंबर, 2023 के अनुसार बोधगया में “दीर्घायु प्रार्थना” में शामिल हुए।

लघु परियोजना

1. मैंने गेशे ल्हारम्पा थुप्तेन ग्यात्सो द्वारा शोधित 'ए बुके ऑफ लोटस: ए हिस्टोरिकल अकाउंट ऑफ महायान एंड मध्यमक ट्रेडिंज्स, विद अ क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ सम डिफिकल्ट कॉन्सेप्ट्स' के शोध पत्र की पूरी पुस्तक का पर्यवेक्षक के रूप में मार्गदर्शन किया, जिसे 2023 में गेलुग्पा विश्वविद्यालय में प्रस्तुत किया गया।
2. के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी, 2024 में छात्र कल्याण संघ की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में "विद्वानों के शोध लेखों के संग्रह" का सलाहकार और लेखक के रूप में कार्य किया। सत्तनाम प्रिंटर्स, पांडेयपुर, वाराणसी में मुद्रित।
आईएसबीएन: 978-1-948203-23-4

गेशे थरख्ये

1. 20-23 दिसम्बर, 2023 : अन्तर्राष्ट्रीय संघ सेमिनार में सहभागिता।
2. 9 दिसम्बर, 2023 : विदेश से आए विनिमय छात्रों को बौद्ध धर्म के चार सिद्धांतों पर व्याख्यान दिया।

डॉ. तेनजिन नीमा

1. 4-16 अक्टूबर, 2023 : सामाजिक विज्ञान विषय के संकायों को शिक्षा के आधार हेतु अन्तःविषयक ढांचा पर दो साप्ताहिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया जिसका आयोजन शिक्षक शिक्षण केन्द्र, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा किया गया।

2. 18-19 अक्टूबर, 2023 : हिमाचल प्रदेश के लाहुल स्पीति में लाहुल संस्कृति, शिक्षा और कल्याण संघ द्वारा आयोजित परम श्रद्धेय 13वें ताछाक कुनदेलिङ रिन्पोछे के उपदेशों का हिन्दी अनुवाद किया।
3. 28-30 अक्टूबर, 2023 : संस्कृति मंत्रालय, अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महासंघ, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय और केंद्रीय हिमालयन संस्कृति अध्ययन संस्थान द्वारा गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ग्रेटर नोएडा में "बौद्धधर्म के सिद्धान्त एवं वैश्विक कल्याण : प्रकृति, महत्व और उपादेयता" पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
4. 30 अक्टूबर - 5 नवंबर, 2023 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में मुख्य सतर्कता अधिकारी एवं उनके सहकर्मियों के सहयोग से सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान भ्रष्टाचार के दुष्परिणामों पर पोस्टर प्रतियोगिता, क्विज़ प्रतियोगिता और वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया।
5. 20-23 दिसंबर, 2023 : अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महासंघ और दलाई लामा ट्रस्ट द्वारा बोधगया, बिहार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ फॉरम 2023 में "वैश्विक समग्र दृष्टिकोण और वैश्विक कल्याण के प्रसार में आर्य अष्टांगिक मार्ग की प्रयोज्यता" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
6. 20-23 दिसंबर, 2023 : अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महासंघ द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ फॉरम 2023 में विद्वानों के प्रवचनों का हिंदी अनुवाद किया।
7. 29 दिसंबर, 2023 - 1 जनवरी, 2024 : बोधगया, बिहार में परमपावन दलाई लामा जी के लिए अर्पित दीर्घायु कार्यक्रम के प्रबंधन समिति के संयोजक का कार्य किया।
8. 2 जनवरी, 2024 : शैक्षिक विनिमय कार्यक्रम के तहत पश्चिमी प्रतिभागियों को "चार आर्यसत्य और आर्य अष्टांगिक मार्ग" पर व्याख्यान दिया।
9. 3-17 जनवरी, 2024 : शैक्षिक विनिमय कार्यक्रम के तहत संस्थान में आए पश्चिमी प्रतिभागियों के लिए विद्वानों के व्याख्यानों का अंग्रेजी में अनुवाद किया।
10. 21 जनवरी, 2024 : धर्म संस्कृति संगम, काशी द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "इमोशनल हेल्थ इन बिल्डिंग नेशन" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
11. 27 फरवरी - 5 मार्च, 2024 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के मूलशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित वेदान्त और सांख्य दर्शन पर आठ दिनों की व्याख्यान शृंखला में भाग लिया।
12. 27 फरवरी - 5 मार्च, 2024 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के मूलशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित वेदान्त और सांख्य दर्शन पर आठ दिनों की व्याख्यान शृंखला में समन्वयक का कार्य किया।
13. 31 मार्च, 2024 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में हिमाचल बौद्ध छात्रों संघ द्वारा प्रकाशित हिमालयीय ज्योति पत्रिका का संपादन किया।

समितियाँ:

सदस्य – सतर्कता अनुभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।

सदस्य – 'सहयोग और समुदाय' शोध और विकास प्रकोष्ठ (आर.डी.सी.), केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।

समन्वयक – केन्द्रीय नोडल एजेंसी, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी।

गेशे रिगिज़न दोर्जे

1. 4-16 अक्टूबर, 2023 : सामाजिक विज्ञान विषय के संकायों को शिक्षा के आधार हेतु अन्तःविषयक ढांचा पर दो साप्ताहिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका आयोजन शिक्षक शिक्षण केन्द्र, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ने किया।
2. 20-23 दिसंबर, 2023 : अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महासंघ और दलाई लामा ट्रस्ट द्वारा बोधगया, बिहार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ फॉरम 2023 में भाग लिया।
3. 21 जनवरी, 2024 : धर्म संस्कृति संगम, काशी द्वारा धर्मों का समग्र दृष्टिकोण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बौद्ध दर्शनानुसार न्याय का अवबोधन" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
4. 27 फरवरी - 5 मार्च, 2024 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के मूलशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित वेदान्त और सांख्य दर्शन पर आठ दिनों की व्याख्यान शृंखला में भाग लिया।

प्रकाशित ग्रन्थः

2024 : महाशास्त्रों की जटिलताओं की प्रवेश कुंजी।

गेशे तेनज़िन डिमेद

1. 4-16 अक्टूबर, 2023 : सामाजिक विज्ञान विषय के संकायों को शिक्षा के आधार हेतु अन्तःविषयक ढांचा पर दो साप्ताहिक क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया, जिसका आयोजन शिक्षक शिक्षण केन्द्र, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ने किया।
2. 20-23 दिसंबर, 2023 : अंतरराष्ट्रीय बौद्ध महासंघ और दलाई लामा ट्रस्ट द्वारा बोधगया, बिहार में आयोजित अंतरराष्ट्रीय बौद्ध संघ फॉरम 2023 में भाग लिया। "वैश्विक समग्र दृष्टिकोण और वैश्विक कल्याण के प्रसार में आर्य अष्टांगिक मार्ग की प्रयोज्यता" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
3. 21 जनवरी, 2024 : धर्म संस्कृति संगम, काशी द्वारा धर्मों का समग्र दृष्टिकोण विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "बौद्धधर्म की नैतिकता के विचार से राष्ट्र की सुदृढीकरण" पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
4. 27 फरवरी - 5 मार्च, 2024 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के मूलशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित वेदान्त और सांख्य दर्शन पर आठ दिनों की व्याख्यान शृंखला में भाग लिया।

प्रकाशित ग्रन्थः

2024 : बौद्ध दर्शन एवं साधना का सार

2024 : तंत्र में क्रमद्वय की जटिलता एवं इसकी समालोचना

(III) बोन सम्प्रदायशास्त्र विभाग

बोन सम्प्रदाय तिब्बत का एक प्राचीन धर्म है। इसकी हजारों वर्षों से अविच्छिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक एवं दार्शनिक परम्परा चली आ रही है। इस सम्प्रदाय में प्रचुर मात्रा में दर्शन, तर्क-शास्त्र आदि विषयों के साहित्य उपलब्ध हैं।

इस संस्थान में बोन सम्प्रदाय के साहित्य को दो भागों में विभाजित कर सुयोग्य अध्यापकों द्वारा अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था की गयी है। प्रथम भाग में बोन सम्प्रदाय के शास्ता शेनरब द्वारा उपदिष्ट वचनों और पूर्व के आचार्यों के ग्रन्थों को तथा द्वितीय भाग में 8वीं शताब्दी के पश्चाद्वर्ती आचार्यों के ग्रन्थों को रखा गया है।

संकाय सदस्य-

(1) भिक्षु गोरिग तेन्जिन छोगदेन	- एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (अवकाश पर)
(2) भिक्षु गोरिग लुडरिग लोदेन वांगछुक	- एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, छात्र कल्याण सङ्काय
(3) भिक्षु सी.जी.एस. फुन्छोक जिमा	- असिस्टेंट प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष)
(4) भिक्षु नमदक छुकफुद	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(5) गेशे युंगडुंग छेवांग	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(6) नोर्बू छेयांग लामा	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(7) गेशे फुन्छोक छोजिन	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

भिक्षु सी.जी.एस. फुन्छोक जिमा

समिति के सदस्य

1. डी.आर.सी. के अध्यक्ष
2. महाशास्त्रार्थ के सदस्य
3. विद्वत् परिषद के सदस्य
4. बोन सम्प्रदाय के विभागाध्यक्ष
5. परम पावन दलाई लामा के दीर्घायु अर्पण समारोह के प्रबंधन समिति के सदस्य
6. युंगडुंग बोन समिति के अध्यक्ष
7. उपस्थिति संवीक्षा समिति के सदस्य

शोधपत्र प्रस्तुति

1. ཨུ་གཞན་ལེན་དང་གཞན་སྤྱོད་ཤེས་རབ་དེ་མེ་གཞིས་ལ་དབྱུང་བ། विषयक शेरब रिनपोछे और परम पावन दलाई लामा ट्राइटेन नोर्बुत्से इंस्टीट्यूट, नेपाल ट्राइटेन नोर्बुत्से इंस्टीट्यूट में शोधपत्र प्रस्तुति ।
2. सं.रा.अ. तथा के.उ.ति.शि.सं. के बीच एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत छात्रों की कक्षा ली गई ।

शोध आलेख/पुस्तकें

1. ཨུ་གཞན་ལེན་དང་གཞན་སྤྱོད་ཤེས་རབ་དེ་མེ་གཞིས་ལ་དབྱུང་བ། 24वाँ ड्रेपोई बेल्टम (जर्नल) काठमांडू, नेपाल, आईएसबीएन 9789937192024 अंतर्राष्ट्रीय जर्नल ।
2. बोन परंपरा में किलय तंत्र का एक अध्ययन, परिचय (अध्याय लिखा), आईएसबीएन 9788196981686
3. ལྷ་བཙུན་དུས་འཁོར་གྱི་མཁས་པའི་དབྱུང་ཆོས་སྤྱོད་ཤེས་རབ་སྤྱི་གས།, आईएसबीएन 978-1-948203-23-4, एस.डब्ल्यू.ए., के.उ.ति.शि.सं. ।

भिक्षु नमदक छुकफुद

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. 4-16 अक्टूबर, 2023 - शिक्षक शिक्षण केन्द्र, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित आई.सी. एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित “शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा पर सामाजिक विज्ञान संकायों के लिए दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम” में भाग लिया ।

2. 22 नवंबर, 2023 - सत्र 2023-24 के लिए उपस्थिति जांच समिति की सहायता की।
3. 20-22 दिसंबर, 2023 - बोधगया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संघ फोरम में भाग लिया।

गेशे युंगडुंग छेवांग

संगोष्ठी एवं कार्यशाला में सहभागिता

1. 4-16 अक्टूबर, 2023 - शिक्षक शिक्षण केन्द्र, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित संकायों के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम में सहभागिता की।
2. 27 फरवरी - 5 मार्च, 2024 - मूलशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित वेदांत और सांख्य दर्शन पर आठ दिवसीय व्याख्यान शृंखला में भाग लिया।

नोर्बू छेयांग लामा

संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुति

6 सितंबर, 2023 : ट्रिटेन नोरबुत्से मठ, काठमांडू, नेपाल में ड्रेपोई बेल्टम द्वारा बोन अध्ययन पर आयोजित दो दिवसीय संगोष्ठी में 'उत्तर पश्चिमी नेपाल में हुमला का इतिहास और बोनपोस' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

जनवरी 2024 : "नेपाल का उत्तरी गोलार्ध" विषयक लेख जर्नल ऑफ बोन स्टडी (आईएसएसएन 9789937192024) ट्राइटेन नोरबुत्से मठ द्वारा 'ड्रेपोई बेल्टम के 24वें संस्करण' में प्रकाशित।

गेशे फुन्छोक छोजिन

1. 21-24 जून, 2023 - मुंडगोड दक्षिण भारत में केंद्रीय तिब्बती प्रशासन, धर्म और संस्कृति विभाग और गदेन शरजंग अकादमिक एसोसिएशन द्वारा आयोजित 6वीं निष्पक्षता संगोष्ठी में "मध्यमक दर्शन" विषय पर व्याख्यान।
2. 26 नवंबर 2023 - 16वें खम्पा लेखक समूह के संगठन के सदस्य के रूप में "भारत में द्वंद्वात्मक बहस की उत्पत्ति और तिब्बत में द्वंद्वात्मक बहस का विकास" विषय पर एक ऑनलाइन वेबिनार की मेजबानी की।
3. 20 दिसंबर 2023 - बोधगया में अंतर्राष्ट्रीय संघ फोरम ISF 2023 में "परंपरा को जोड़ना, आधुनिकता को अपनाना : आज की दुनिया में बुद्ध की शिक्षाओं पर एक संवाद" में भाग लिया।
4. 4-16 अक्टूबर 2023 - भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICSSR) द्वारा प्रायोजित "शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा पर सामाजिक विज्ञान विषय में संकायों के लिए दो सप्ताह की क्षमता निर्माण कार्यक्रम" में भाग लिया, जो कि शिक्षक शिक्षण केंद्र, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी में आयोजित किया गया।
5. सितंबर 2023 से सितंबर 2024 - एक वर्ष के लिए "खम्पा लेखक समूह संगठन" के कोषाध्यक्ष के रूप में कार्य किया।
6. 28 जनवरी 2024 - खम्पा राइटर संगठन द्वारा आयोजित "अंतर्राष्ट्रीय पालि और संस्कृत" विषयक वार्ता पर एक ऑनलाइन वेबिनार की मेजबानी की।

(ख) शब्द विद्या संकाय

प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी - संकायाध्यक्ष (दिनांक 1.4.2023 - 29.02.3034)

इस संकाय में भारतीय प्राचीन एवं अर्वाचीन भाषाओं तथा तिब्बती भाषा के स्वरूप का परिचय तथा उनके साहित्य की शिक्षा प्रदान की जाती है। बौद्धधर्म व विशेषतः महायान दर्शन साहित्य की मूल भाषा संस्कृत के व्याकरण, गद्य, पद्य,

महाकाव्य, नाटक, छन्द आदि की शिक्षा अनिवार्य संस्कृत के अन्तर्गत तथा खवर्ग वैकल्पिक संस्कृत पाठ्यक्रम के तहत बौद्ध जातक, अवदान, नीतिशास्त्र, काव्यशास्त्र, सांख्य वेदान्त तथा प्रमाण आदि का अध्ययन किया जाता है। स्नातकोत्तर के बाद पी-एच.डी. उपाधि हेतु संस्कृत पुनरुद्धार भी विभागीय आचार्यों के शोध निर्देशन में छात्र-छात्रायें करते हैं। इस दिशा में अनेक वरिष्ठ ऐसे शोधछात्रों का शोध पुनरुद्धार भी सम्पन्न कराया है, जो उच्च पदों पर आसीन हैं। इसके लिए इस संकाय में संस्कृत विभाग की स्वतन्त्र स्थापना की गई है। तिब्बती भाषा व उसके साहित्य के अध्ययन हेतु स्वतन्त्र तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग कार्यरत हैं। इस भाषा का अध्ययन छात्रों के लिए अनिवार्य रूप में करना पड़ता है।

इसके अतिरिक्त हिन्दी, अंग्रेजी तथा पालि का अध्ययन प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग के अन्तर्गत किया जाता है। इसमें हिन्दी या अंग्रेजी दोनों भाषाओं में किसी एक का अनिवार्य रूप से अध्ययन होता है। वहीं पालि भाषा व उसके वाङ्मय की शिक्षा वैकल्पिक खवर्ग पाठ्यक्रम के अन्तर्गत दी जाती है।

(I) संस्कृत विभाग

(1) प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी	- प्रोफेसर, शब्दविद्यासङ्कायाध्यक्ष, शैक्षणिक संकाय प्रमुख व संस्कृत विभागाध्यक्ष (29.02.2024 तक)
(2) डॉ. अनिर्वाण दाश	- एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष (नवम्बर 2022 से डिपुटेशन अवकाश पर)
(3) डॉ. शैलेश कुमार पाठक	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(4) दो पद रिक्त	- प्रोफेसर-1, सहायक प्रोफेसर-1

विभागीय गतिविधियाँ

अतिरिक्त विभागीय आचार्यों के द्वारा शिक्षण

- (1) प्रो. पेमा तेनजिन, अध्यक्ष- अनुवाद विभाग द्वारा उत्तर मध्यमा प्रथम वर्ष, अनिवार्य संस्कृत कक्षा में अध्यापन।
- (2) डॉ. रामजी सिंह, सहायक आचार्य, अनुवाद विभाग द्वारा पूर्वमध्यमा तथा उत्तरमध्यमा के दोनों खण्डों में चार संस्कृत कक्षाओं में शिक्षण।
- (3) डॉ. दावा शेर्पा - असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा), सोवा-रिग्पा विभाग द्वारा पूर्वमध्यमा प्रथम, शास्त्री प्रथम, अनिवार्य संस्कृत तथा सोवा-रिग्पा विभाग की उत्तरमध्यमा प्रथम व द्वितीय वर्षीय कक्षाओं में अध्यापन।
- (4) डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी, शोध सहायक (संविदा), कोश विभाग द्वारा पूर्वमध्यमा द्वितीय अनिवार्य संस्कृत, शास्त्री तृतीय खवर्ग संस्कृत कक्षा में शिक्षण।
- (5) डॉ. उमाशंकर शर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा), भोट ज्योतिष विभाग द्वारा उत्तरमध्यमा द्वितीय, शास्त्री द्वितीय अनिवार्य संस्कृत व शास्त्री, प्रथम खवर्ग संस्कृत कक्षाओं में शिक्षण।
- (6) डॉ. शैलेश कुमार पाठक, असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा), संस्कृत विभाग, शास्त्री द्वितीय (वैकल्पिक) और यूएम द्वितीय (अनिवार्य) कक्षाओं में शिक्षण।

विभागीय गतिविधियाँ-

1. 11-18 सितम्बर, 2023 - संस्कृत विभाग के द्वारा साप्ताहिक संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें अपराह्न 2-4 बजे तक संस्कृत संभाषण व वाक्य प्रयोग का संस्थानीय छात्र-छात्राओं को अभ्यास कराया गया।
2. 13 सितम्बर, 2023 - संस्थानीय छात्र-छात्राओं की श्लोक पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई।

3. 16 सितम्बर, 2023 - सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के माननीय कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा के मुख्यातिथित्व तथा के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ के माननीय कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी जी की अध्यक्षता में विभाग द्वारा संस्कृत कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।

प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी

शोध निबन्ध प्रकाशन-

1. 'आचार्यहरिदत्तशर्मशतकम्' शीर्षकीय संस्कृत रचना 'अमृतायनम्' नामक ग्रन्थ में 114 पद्य प्रकाशित। ISBN 978-93-90964-58-1, प्रकाशक- राका प्रकाशन, 40A मोतीलाल नेहरू रोड, प्रयागराज, सन् 2023।
2. 'श्रीनाथशास्त्रीशतकम्' - रचना 'श्रीश' स्मृतिप्रभा ग्रन्थ में प्रकाशित भागवत सेवा संस्थान, श्रीनाथ शास्त्री पथ वृन्दावन-2024।
3. 'धात्वर्थ-दर्शन' - शोध निबन्ध 'भाषादर्शन' ग्रन्थ में प्रकाशित- ISBN 978-93-5825-04-80, प्रकाशक- प्रलेक प्रकाशन 702, जे. 50, ग्लोबल सिटी मुम्बई। सन् 2024, सम्पादक- सर्वेश तिवारी, आशीष कुमार तिवारी।
4. 'अयोध्यापतिश्रीरामराज्यशतकम्' - काव्य रचना, श्रीरामजन्मभूमिन्यास, अयोध्या से प्रकाशित।
5. 'सभी दुःखों के अन्त का मुहूर्त है प्रभु श्रीराम का मन्दिर' शीर्षकीय निबन्ध योगवाणी पत्रिका, गोरक्षपीठ गोरखपुर से प्रकाशित। वर्ष-49, आर.एन.आई. 297576, सन् 2023।
6. 'बौद्ध आर्यसत्य की अवधारणा' शीर्षकीय शोध निबन्ध योगवाणी पत्रिका गोरक्षपीठ गोरखपुर से प्रकाशित। वर्ष-49, आर.एन.आई. 297576, सन् 2024।
7. 'शिक्षापत्र्यां नारीधर्मविमर्शः' विषयक लेख 'शिक्षापत्री-व्याख्यानकौस्तुभम्' नामक ग्रन्थ में प्रकाशित। प्रकाशक- श्री स्वामिनारायण मन्दिर, भुज, जिला- कच्छ, गुजरात से प्रकाशित। ISBN- 978-93-80694-52-8, सन् 2023।

ग्रन्थ प्रकाशन

1. "शिक्षापत्री - व्याख्यानकौस्तुभम्" ग्रन्थ का संपादन कर प्रकाशित किया गया। प्रकाशक- श्री स्वामिनारायण मन्दिर, भुज, जिला- कच्छ, गुजरात से प्रकाशित। ISBN- 978-93-80694-52-8, सन् 2023।
2. 'सर्वदेवपूजादर्पणः' शारदा संस्कृत संस्थान कमच्छा, वाराणसी से प्रकाशित।

सम्मान-

1. 5 अक्टूबर, 2023 - 'श्रीश' सम्मान 2023 से श्रीनाथ शास्त्री जन्मशताब्दी समारोह वृन्दावन द्वारा सम्मानित किया गया।
2. 27 नवम्बर, 2023 - 'निम्बार्कदर्शनोत्कृष्टविद्वद्भूषण' सम्मान से 2023 श्री रामदास काठियाबाबा आश्रम ट्रस्ट समिति शिवाला, वाराणसी द्वारा सम्मानित किया गया।

आमन्त्रित व्याख्यान-

1. 4 अप्रैल, 2023 - बद्रीनाथ ज्योतिषीठाधीश्वर शंकराचार्य श्री स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द सरस्वती जी महाराज के जन्म जयन्ती के अवसर पर आयोजित विद्वत्सभा-सम्मेलन में रुद्राक्ष कन्वेसन सेन्टर सिगरा, वाराणसी में व्याख्यान दिया।

2. 12 अप्रैल, 2023 - प्रो. एन. समतेन कुलपति के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ की सेवा सम्पूर्ति के अवसर पर आयोजित विदाई समारोह का संयोजन व संचालन किया।
3. 23 अप्रैल, 2023 - श्रीचन्द्रमौलि चेरिटेबल ट्रस्ट नीची ब्रह्मपुरी, वाराणसी के वार्षिकोत्सव समारोह के अन्तर्गत आयोजित विद्वत्संगोष्ठी में 'एकत्वमनुपश्यतः' विषय पर व्याख्यान दिया।
4. 26 मई, 2023 - 'पं. वासुदेव द्विवेदी शास्त्री पुण्य स्मृति' समारोह के अन्तर्गत वैदिक विज्ञान केन्द्र, बी.एच.यू. में संस्कृत व्याख्यान दिया।
5. 22 अगस्त, 2023 - 'सनातनसाहित्यसम्मानपत्रम्' की रचना कर प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी की स्मृतिसभा - संस्कृतविद्या धर्मविज्ञान संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में उसका वाचन कर समर्पित किया।
6. 27 अगस्त, 2023 - श्रीस्वामिनारायणमन्दिर बड़ताल गुजरात द्वारा का.हि.वि.वि. में आयोजित अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठी में विद्वत्सम्मान के अवसर पर स्वामी माधवप्रियदास के 'सम्मानपत्रम्' की रचना कर मंच पर प्रस्तुति दी गयी।
7. 20 सितम्बर, 2023 - उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान लखनऊ द्वारा आयोजित संस्कृत प्रबोधन प्रशिक्षण में विशिष्ट वक्ता के रूप में संस्कृत व्याख्यान दिया।
8. 21 सितम्बर, 2023 - मध्य प्रदेशीय मुख्यमन्त्री श्री शिवराज सिंह चौहान के आमन्त्रण पर इन्दौर, म.प्र.-ओंकारेश्वर धाम में आदि शंकराचार्य की विशाल प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम सभा में सहभाग किया।
9. 25 सितम्बर, 2023 - श्री दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित रिक्रेशर कोर्स में सहाचार्य व सहायक आचार्यों के लिये संस्कृत बौद्धकाव्य विमर्श पर आनलाईन व्याख्यान दिया।
10. 24 अक्टूबर, 2023 - 'मम संस्कृतम्' नामक फेसबुक पटल समूह द्वारा आयोजित छन्दः प्रशिक्षण कार्यशाला में आनलाईन जूम लिंक से शिखरिणी नामक छन्द का अध्यापन किया।
11. 9 नवम्बर, 2023 - चातुर्वेदसंस्कृतप्रचारसंस्थानम्, वाराणसी द्वारा आयोजित एकादशी गीता व्याख्यानमाला के तहत केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, वाराणसी के संयोजक के तौर पर स्वागत वक्तव्य दिया।
12. 26 नवम्बर, 2023 - श्री स्वामी लक्ष्मी प्रपन्नाचार्य जी जियर स्वामी द्वारा विश्वसुन्दरी पुल गंगाघाट, वाराणसी में आयोजित श्रीलक्ष्मीनारायण यज्ञ में विद्वत्सम्मेलन के अन्तर्गत 'भक्तिस्वरूपम्' विषय पर व्याख्यान दिया।
13. 10 दिसम्बर, 2023 - गीता समिति का.हि.वि.वि. मालवीय भवन में रविवासरीय गीता व्याख्यान दिया।
14. 13 दिसम्बर, 2023 - विश्वनाथ मन्दिर कोरिडोर समिति द्वारा आयोजित विद्वत् गोष्ठी में व्याख्यान दिया।
15. 15 जनवरी, 2024 - सार्वभौम संस्कृत प्रचार संस्थान, वाराणसी द्वारा आयोजित शीतकालीन संस्कृत प्रशिक्षण शिविर में 'संस्कृतप्रशिक्षणपद्धतेः' वैशिष्ट्यम् विषय पर संस्कृत भाषा में आनलाईन व्याख्यान दिया।
16. 17 जनवरी, 2024 - सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में उत्तर प्रदेश संस्कृत महाविद्यालय शिक्षक समिति द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत संगोष्ठी में 'संस्कृतशिक्षणपरम्परायाः संरक्षणं विकासश्च' विषय पर सारस्वत अतिथि के रूप में व्याख्यान दिया तथा संस्कृत कवि सम्मेलन की अध्यक्षता का दायित्व निभाया।
17. 31 जनवरी, 2024 - रामानन्दाचार्य जयन्ती पर श्रीराम मन्दिर खोजवाँ, वाराणसी द्वारा आयोजित विद्वत्संगोष्ठी में 'श्रीरामानन्दाचार्यस्य विश्वसन्देशः' विषय पर व्याख्यान दिया।
18. 6 फरवरी, 2024 - श्रीस्वामिनारायण विश्रान्ति भुवन विले पार्ले, मुम्बई के रजतमहोत्सव में आमन्त्रित व्याख्यान दिया।

19. 19-20 फरवरी, 2024 - केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा सार्वभौम संस्कृत विद्यालय अयोध्या में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रस्पर्धा कार्यक्रम में काव्यशलाका तथा बौद्ध-जैन दर्शन शास्त्र-शलाका प्रतियोगिता में निर्णायक का दायित्व निभाया।
20. 22 फरवरी, 2024 - काशी हिन्दू विश्वविद्यालयीय संस्कृतविद्याधर्मविज्ञान संकाय के व्याकरण विभाग द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठी में सारस्वत अतिथि के रूप में 'शब्दशक्तिविमर्शः' पर व्याख्यान दिया।
21. 23 फरवरी, 2024 - स्वतन्त्रता भवन बी.एच.यू. में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की सभा में भाग लिया तथा काशी के विद्वानों के प्रतिनिधि के तौर पर विद्वानों के अनुरोध पर स्वागत वक्तव्य दिया।
22. 29 फरवरी, 2024 - अपनी संस्थानीय सेवा सम्पूर्ति के अवसर पर आयोजित सौप्रस्थानिक समारोह में कुलपति प्रो. वङ्कड्ग दोर्जे जी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में स्वागत-अभिनन्दन के प्रत्युत्तर में कृतज्ञता वक्तव्य दिया।

संस्कृत कविसम्मेलनों में कविता प्रस्तुति

14 फरवरी, 2024 - पद्मभूषण प्रो. विद्यानिवास मिश्र की पुण्यतिथि पर सं.सं.वि.वि., वाराणसी में आयोजित संस्कृत कवि सम्मेलन में काव्यपाठ किया।

शोध सम्पादन, मूल्यांकन व परीक्षण

1. 5 अप्रैल, 2023 - के. उ. ति. शि. सं., सारनाथ के पी-एच.डी. उपाधि के पञ्जीकरण हेतु संस्कृत पुनरुद्धार के शोध छात्रों का साक्षात्कार लिया।
2. 11 अप्रैल, 2023 - महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन में असिस्टेंट प्रोफेसर संस्कृत की नियुक्ति में विषय विशेषज्ञ के तौर पर साक्षात्कार लिया।
3. 10-14 जून, 2023 - श्रीस्वामिनारायण मन्दिर चेरिटेबल ट्रस्ट विश्रन्ति भुवन काल्हूपुर अहमदाबाद में "शिक्षापत्री व्याख्यान कौस्तुभम्" ग्रन्थ का संपादन किया।
4. 13 जनवरी, 2024 - संस्थानीय सघन संस्कृत प्रशिक्षण (रिग्रिस ट्रेनिंग कोर्स) के अभिनव पाठ्यक्रम के अध्ययन बोर्ड बैठक की अध्यक्षता की तथा पाठ्यक्रम का परिष्कार किया।
5. 25 जनवरी, 2024 - संस्थानीय एकेडमिक काउन्सिल में सघन संस्कृत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की स्वीकृति हेतु प्रस्तुति दी।
6. 3 फरवरी, 2024 - सं.सं.वि.वि., वाराणसी के बौद्ध दर्शन विभाग में शोधछात्र की थीसिस का वायवा लिया।

सेमिनार

1. 27 मई, 2023 - तिब्बत मुक्ति समन्वयक संघ द्वारा शिक्षा संकाय कमच्छा, वाराणसी में आयोजित संगोष्ठी में पेनल डिस्कशन के तौर पर के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ के प्रतिनिधि के रूप में व्याख्यान दिया।
2. 26 अगस्त, 2023 - का.हि.वि.वि. में श्रीस्वामीनारायण मन्दिर ट्रस्ट, बड़ताल, गुजरात द्वारा आयोजित अन्तर्राष्ट्रिय संगोष्ठी में "श्रीस्वामिनारायणमते ब्रह्मणः परमोपास्यताविमर्शः" विषयक शोधपत्र की प्रस्तुति की गई।

शोध निर्देशन (पी-एच.डी.) के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ

1. पासंग तेनजिन के शोधकार्य का मुख्य निर्देशन
2. डवड् जलछेन नेगी के शोधकार्य का सहनिर्देशन
3. लोप्सड् छोटक शोधछात्र का सहनिर्देशन

4. बुद्धा लामा शोधछात्र के शोधकार्य का मुख्य निर्देशन
5. विमल मित्र के शोधकार्य का मुख्य निर्देशन
6. वीरेन्द्र कुमार के शोधकार्य का मुख्य निर्देशन

डॉ. अनिर्वाण दाश

राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन केन्द्र, नई दिल्ली के निदेशक पद पर डिपुटेशन अवकाश लेकर नवम्बर, 2022 को कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. शैलेश कुमार पाठक

11-18 सितंबर 2023 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के संस्कृत विभाग द्वारा आयोजित "संस्कृत सप्ताह समारोह" में, संस्कृत व्याकरण और अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत संस्कृत प्रशिक्षक के रूप में विद्यार्थियों को एक सप्ताह अध्यापन का कार्य किया।

(II) तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग

(1) डॉ. ल्हक्पा छेरिंग	-	असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
(2) श्री लोब्सङ् तोन्देन	-	असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)
(3) भिक्षु लोब्सङ् छोडक	-	सहायक शिक्षक
(4) जम्पा ल्हुन्डुप	-	सहायक शिक्षक

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

डॉ. ल्हक्पा छेरिंग

I. शैक्षणिक गतिविधियाँ:

केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन के शिक्षा विभाग की शिक्षा परिषद और सलाहकार समिति के सदस्य के रूप में, मुझे शिक्षा परिषद के कार्यालय द्वारा मेरी गर्मी की छुट्टियों के दौरान सभी ग्यारह तिब्बती स्कूलों का दौरा करने का अनुरोध किया गया था। मैंने इन स्कूलों में निरीक्षण और पर्यवेक्षण किया, जिसका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है:

1. i. 19 मई, 2023 : हिमाचल प्रदेश के मनाली में संभोट तिब्बती स्कूल के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों को तीन अलग-अलग व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल हॉल किया गया था, जहाँ मैंने कक्षाओं, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया।
- ii. 16-17 जून, 2023 : मैसूर के बायलाकोपा में टीसीवी स्कूल के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों को अलग-अलग तीन अलग-अलग व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल में किया गया था, जहाँ मैंने कक्षाओं, पुस्तकालय एवं विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया।
- iii. 19 जून, 2023 : मैसूर के बायलाकोपा में सीवीपी स्कूल के स्कूल प्रशासन द्वारा अभिभावकों के लिए स्कूल हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में व्याख्यान दिया।
- iv. 20 जून, 2023 : अर्लीकुमारी में संभोता तिब्बती स्कूल के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों को तीन अलग-अलग व्याख्यान दिए। यह कार्यक्रम स्कूल द्वारा स्कूल हॉल में आयोजित किया गया था, जहाँ मैंने कक्षाओं, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया।

- v. 21 जून, 2023 : कैलाशपुरा में संभोता तिब्बती स्कूल के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों को तीन अलग-अलग व्याख्यान दिए। यह कार्यक्रम स्कूल द्वारा स्कूल हॉल में आयोजित किया गया था, जहाँ मैंने कक्षाओं, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया।
- vi. 22 जून, 2023 : एसटीएस गुलेधल में संभोता तिब्बती स्कूल के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों को तीन अलग-अलग व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल द्वारा स्कूल हॉल में किया गया था, जहाँ मैंने कक्षाओं, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया।
- vii. 23 जून, 2023 : एसटीएस बायलाकुप्ते में संभोता तिब्बती स्कूल के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों को तीन अलग-अलग व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल द्वारा स्कूल हॉल में किया गया था, जहाँ मैंने कक्षाओं, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया।
- viii. 24 जून, 2023 : सीवीपी में संभोता तिब्बती स्कूल के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों को तीन अलग-अलग व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल द्वारा स्कूल हॉल में किया गया था, जहाँ मैंने कक्षाओं, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया।
- ix. 26 जून, 2023 : एसटीएस गुरुपुरा में संभोता तिब्बती स्कूल के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों को तीन अलग-अलग व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल द्वारा स्कूल हॉल में किया गया था, जहाँ मैंने कक्षाओं, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया।
- x. 27 जून, 2023 : स्कूल प्रशासन द्वारा आयोजित स्कूल लाइब्रेरी हॉल में ज़ोनखाचेडे के छात्रों और शिक्षकों को भाषा सिखाने के महत्व और इसे कैसे संरक्षित किया जाए, विषय पर व्याख्यान दिया।
- xi. 30 जून, 2023 : एसटीएस कोलेगल में संभोट तिब्बती स्कूल के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों को तीन अलग-अलग व्याख्यान दिए। कार्यक्रम का आयोजन स्कूल द्वारा स्कूल हॉल में किया गया था, जहाँ मैंने कक्षाओं, पुस्तकालय और विज्ञान प्रयोगशाला का भी निरीक्षण किया।
- xii. 29 जून, 2023 : एसटीएस कोलेगल में संभोट तिब्बती स्कूल के छात्रों, शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों और अभिभावकों को तीन अलग-अलग व्याख्यान दिए।
- xiii. 2 जुलाई, 2023 : मुंडगोड में संभोट तिब्बती स्कूल के अभिभावकों को "आज के बच्चों की परवरिश कैसे करें" विषय पर व्याख्यान दिया।
- xiv. 3 जुलाई, 2023 : A) सुबह की सभा के दौरान छात्रों को व्याख्यान दिया और सुबह की गतिविधियों का अवलोकन किया। B) स्कूल की सभी इकाइयों और कक्षा शिक्षण का निरीक्षण किया। C) लड़कियों और लड़कों के छात्रावासों के साथ-साथ पुस्तकालय और कक्षाओं का निरीक्षण किया। D) मध्याह्न भोजन के बाद, स्कूल के सभी गैर-शिक्षण और शिक्षण कर्मचारियों को व्याख्यान दिया।
- xv. 4 जुलाई, 2023 : मुंडगोड संभोट में प्राथमिक विद्यालय की सुबह की सभा का अवलोकन किया और सभा के दौरान व्याख्यान दिया। मध्याह्न भोजन के बाद, मैंने शिक्षकों से मुलाकात की और स्कूल की इकाइयों का दौरा करते हुए विभिन्न विषयों पर चर्चा की।
- xvi. 5 जुलाई, 2023 : मुंडगोड में एक शाखा स्कूल और चार प्राथमिक स्कूलों का दौरा किया।
- xvii. 6 जुलाई, 2023 : गादेन मठ विश्वविद्यालय में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया, जहाँ मैंने छात्रों को विश्व शिक्षा में परम पावन दलाई लामा के योगदान के विषय पर एक व्याख्यान दिया।

- xviii. 15 जुलाई, 2023 : के.उ.ति.शि.सं. और आई.सी.सी.एस. द्वारा आयोजित "भारतीय सभ्यता में बौद्ध मूल्य प्रणाली और पारस्परिक सम्मान" पर G20 सेमिनार में भाग लिया।
- xix. 4-16 अक्टूबर, 2023 : शिक्षक शिक्षण केन्द्र, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा युवा संकाय के लिए आयोजित दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।
2. 5 अगस्त, 2023 : मोनपाड संभोट तिब्बती स्कूल ने मुझे धर्मनिरपेक्ष नैतिकता के विषय पर शिक्षकों को एक व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किया। मैंने जूम के माध्यम से ऑनलाइन व्याख्यान दिया।
3. अक्टूबर 2023 : के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी के सोवा-रिग्पा विभाग द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2023-2025 के लिए सोवा-रिग्पा व्यावसायिक प्रथम वर्ष के लिए 15-दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम के दौरान "तिब्बती भाषा और साहित्य का अध्ययन कैसे करें" विषय पर बी.एस.आर.एम.एस. के प्रथम वर्ष के छात्रों को पाँच अलग-अलग व्याख्यान दिए।
4. 27 नवंबर से 1 दिसंबर, 2023 : मुझे दलाई लामा कॉलेज द्वारा पी-एच.डी. थीसिस की जाँच करने में एक विशेषज्ञ और पी-एच.डी. उम्मीदवार के लिए सह-मार्गदर्शक के रूप में, पी-एच.डी. मौखिक परीक्षा और अंतिम समारोह के लिए बाहरी परीक्षक के रूप में आमंत्रित किया गया था।
5. 12 दिसंबर, 2023 : मुझे 140 सदस्यों के अभिभावकों के समूह के समक्ष "बच्चों की मातृभाषा उनके अभिभावकों पर निर्भर करती है" विषय पर बोलने के लिए आमंत्रित किया गया था। इस वार्ता का आयोजन समूह के अध्यक्ष आचार्य कलसांग फुंटसोक ने किया था।
6. 24 जनवरी, 2024 : सी.टी.ए. के लोक सेवा आयोग ने मुझे लोक सेवा अभ्यर्थी परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम, पाठ्यपुस्तकें और प्रश्नपत्र पैटर्न निर्धारित करने के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया।
7. 19 से 27 फरवरी, 2024 : के.उ.ति.शि.सं. के छात्रों के लिए तिब्बती भाषा में नई कविता सिद्धांत पर एक कार्यशाला का आयोजन किया।
8. फरवरी 2024 : मुझे पी-एच.डी. पाठ्यक्रम कार्य परीक्षा के लिए तिब्बती भाषा के प्रश्नपत्र सेट करने के लिए बाहरी विशेषज्ञ के रूप में नियुक्त किया गया।
9. 8 मार्च से 15 अप्रैल, 2024 : मैंने जूनियर छात्रों को ट्यूशन प्रदान किया और "स्टैग्ज जुग कासल मेलोंग" पूरा किया, जिसमें तिब्बती भाषा के मौखिक व्याकरण को शामिल किया गया है। यह ट्यूशन के.उ.ति.शि.सं. छात्रों के अनुरोध पर तिब्बती भाषा विभाग द्वारा आयोजित किया गया था।
10. 11-12 मार्च, 2024 : मैंने धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में सी.टी.ए. के शिक्षा विभाग के कार्यालय द्वारा आयोजित शिक्षा परिषद और सलाहकार समिति के बाहरी विशेषज्ञ सदस्य के रूप में समिति की ग्यारहवीं बैठक में भाग लिया।
11. 17 मार्च, 2024 : के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित के.उ.ति.शि.सं. की अकादमिक परिषद की समिति कक्ष में आयोजित बैठक में भाग लिया।
12. के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्र संघ के 5वें कार्यकारी सदस्यों के महासचिव के रूप में, परम पावन दलाई लामा की दीर्घायु पूजा और ए.ए.सी. से संबंधित अन्य गतिविधियों के बारे में दस से अधिक बैठकें आयोजित कीं।

II. शैक्षणिक और गैर-शैक्षणिक सदस्य:

1. संस्थान के शब्द विद्या संकाय के संकायाध्यक्ष।
2. तिब्बती भाषा और साहित्य के विभागाध्यक्ष।
3. संस्कृत भाषा के विभागाध्यक्ष।

4. पी-एच.डी. पाठ्यक्रम कार्य 2022-2023 का समन्वय ।
5. के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ वाराणसी की शैक्षणिक परिषद के सदस्य ।
6. के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्र संघ के 5वें कार्यकारी सदस्यों के महासचिव ।
7. तिब्बती भाषा और साहित्य के डीआरसी अध्यक्ष ।
8. सी.टी.ए., धर्मशाला हि.प्र., शिक्षा विभाग के शिक्षा परिषद और सलाहकार समिति के सदस्य ।
9. सोवा-रिग्पा की यूजी पाठ्यक्रम निर्धारण समिति के सदस्य ।
10. के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी, उत्तर प्रदेश के पी-एच.डी. छात्रों (पांच) के मार्गदर्शक ।
11. दलाई लामा संस्थान के एक पीएचडी छात्र के सह-मार्गदर्शक ।
12. 10 अगस्त, 2023 - के.उ.ति.शि.सं. के शांतिरक्षित पुस्तकालय की तिब्बती पुस्तक के मूल्य सत्यापन समिति के सदस्य ।
13. के.उ.ति.शि.सं. के तिब्बती जर्नल आदि की विस्तृत सूची तैयार करने वाली समिति के सदस्य ।
14. संस्थान की मानकीकृत तिब्बती शोध स्टाइलशीट डिजाइन करने वाली समिति के सदस्य ।
15. के.उ.ति.शि.सं. आदि की नई वेबसाइट समिति के तिब्बती अनुवाद के लिए सदस्य और समीक्षक ।

भिक्षु लोब्सङ् छोडक

1. 17-26 अप्रैल, 2023 : के.उ.ति.शि.सं. के संभोट भवन में शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए तिब्बती भाषा एवं साहित्य पर दस दिवसीय कार्यशाला का आयोजन ।
2. 22-24 अगस्त, 2023 : तिब्बत नीति संस्थान, धर्मशाला द्वारा आयोजित 9वां युवा तिब्बती शोध विद्वान् सम्मेलन में आर्यसूर के 'संस्कृति जातक' और तिब्बती शास्त्रीय साहित्य पर इसके प्रभाव पर शोध पत्र प्रस्तुत किया ।
3. 25-27 अक्टूबर, 2023 : ल्हानमपुनसुम समिति, धर्मशाला, टीपा द्वारा आयोजित 'भारत की सभ्यतागत विरासत को पुनर्जीवित करना : परम पावन 14वें दलाई लामा की चार प्रमुख प्रतिबद्धताओं में से एक' पर व्याख्यान दिया ।
4. 11 नवंबर, 2023 : के.उ.ति.शि.सं. के संभोट भवन में शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्रों के बीच 'दंडी का काव्यादर्श' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन ।
5. 15 नवंबर, 2023 : आचार्य प्रथम एवं शास्त्री छात्रों के बीच 'क्लासिक एवं आधुनिक तिब्बती साहित्य' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन ।
6. 27-29 फरवरी, 2024 - 51वीं छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित 'कलात्मक साहित्य की संरचना एवं विशेषताएँ' विषय पर व्याख्यान दिया ।

जम्पा ल्हुन्दुप

1. शिक्षण और प्रकाशन उद्देश्यों के लिए तिब्बती भाषा में “भाषा विज्ञान की कुंजी” नामक पुस्तक का मसौदा तैयार किया ।
2. डॉ. अम्बेडकर की आत्मकथा “वेटिंग फॉर ए वीजा” का तिब्बती भाषा में अनुवाद किया ।

(III) प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग

(1) प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी	- विभागाध्यक्ष
(2) डॉ. अनुराग त्रिपाठी	- असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)
(3) डॉ. ज्योति सिंह	- असिस्टेंट प्रोफेसर (हिन्दी)

- (4) डॉ. अनिमेष प्रकाश - असिस्टेंट प्रोफेसर (पालि)
(5) डॉ. महेश शर्मा - असिस्टेंट प्रोफेसर (अंग्रेजी)
(6) डॉ. रविरञ्जन द्विवेदी - असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा) (पालि)
(7) डॉ. जसमीत गिल - असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा) (अंग्रेजी)

विभागीय गतिविधियाँ-

4-12 मार्च, 2024 : प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग, हिन्दी भाषा द्वारा 'हिन्दी व्याकरण एवं साहित्य' विषय पर सात दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ. रामसुधार सिंह, डॉ. अविनाश कुमार सिंह, प्रो. श्रद्धा सिंह, प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. सत्यपाल शर्मा, प्रो. श्रद्धानन्द एवं प्रो. बाबूराम त्रिपाठी ने हिन्दी साहित्य का इतिहास, भक्ति काव्य और मानुष प्रेम, शब्द एवं वाक्य विचार, हिन्दी उपन्यास और बौद्ध धर्म, आधुनिक हिन्दी कविता, विराम चिह्न और लिंग एवं वचन विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. अनुराग त्रिपाठी

कार्यशाला, संगोष्ठी एवं शोधपत्र प्रस्तुति-

1. 16 अगस्त - 18 सितम्बर, 2023 : काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया।
2. 25-30 सितम्बर, 2023 : के.उ.ति.शि.सं. में राजभाषा सप्ताह समारोह का आयोजन किया।
3. 4-16 अक्टूबर, 2023 : के.उ.ति.शि.सं. में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परिषद् नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित दो सप्ताह का 'क्षमता निर्माण कार्यक्रम' (कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम) का आयोजन किया।
4. 10 जनवरी, 2024 : के.उ.ति.शि.सं. में विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर 'हिन्दी को जनमत की भाषा बनाना, बगैर उनकी मातृभाषा के महत्व को भूले' विषयक एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया।
5. 14-16 जनवरी, 2024 : विद्याश्री न्यास एवं हिन्दुस्तानी एकेडेमी (उ.प्र.) प्रयागराज, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली तथा लाल बहादुर शास्त्री स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चन्दौली के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "हिन्दी साहित्य का उदयकाल : विन्यास और संवेदनाएँ" विषयक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की।
6. 22 जनवरी - 3 फरवरी, 2024 : काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया।
7. 4-12 मार्च, 2024 : 'हिन्दी साहित्य एवं व्याकरण' पर सात दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया।

आमन्त्रित व्याख्यान-

1. 27 मई, 2023 : शिक्षा संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'वैश्विक परिदृश्य के सन्दर्भ में भारत-तिब्बत समाज की शिक्षा एवं संस्कृति' विषयक संगोष्ठी में को-चेयरपर्सन के रूप में सहभाग किया।
2. 7 दिसम्बर, 2023 : राज्य हिन्दी संस्थान, उ.प्र., वाराणसी द्वारा आयोजित हिन्दी साहित्य के प्रमुख कवि/लेखकों के व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी में 'अज्ञेय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व' पर वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।
3. 17 फरवरी, 2024 : जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित शिक्षण अधिगम में मूल्यांकन व नवाचार (राष्ट्रीय शिक्षानीति) विषयक संगोष्ठी में वक्ता के रूप में व्याख्यान दिया।

समिति के सदस्य-

(क) सदस्य सचिव, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।

- (ख) सदस्य, वार्षिक रिपोर्ट समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी ।
- (ग) सदस्य, नई वेबसाइट समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी ।
- (घ) सदस्य-सचिव, आई.पी.आर. कानूनी और नैतिक समिति, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी ।
- (ङ) सदस्य, विद्वत परिषद, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी ।

डॉ. ज्योति सिंह

कार्यशाला/संगोष्ठी में सहभागिता एवं शोध-पत्र प्रस्तुति-

1. 4-12 मार्च, 2024 – ‘हिन्दी साहित्य एवं व्याकरण’ विषय पर सात दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया ।

संस्थानीय अन्य जिम्मेदारियां-

1. यौन उत्पीड़न प्रकोष्ठ के अध्यक्ष
2. सदस्य अनुसूचित जाति/जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग अनुपालन
3. सदस्य वार्षिक रिपोर्ट समिति
4. संपादन समिति ‘बोधिप्रभ’ पत्रिका के सदस्य, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी ।

डॉ. अनिमेष प्रकाश

शोध कार्य:

पोस्ट-डॉक्टरल-शोधकर्ता के रूप में 2-वर्षीय प्रोजेक्ट पर शान स्टेट बुद्धिस्ट यूनिवर्सिटी, ताऊंजी, म्यांमार में कार्यरत ।

प्रकाशन:

प्रकाश, अनिमेष, 2023, बोधिपाक्खिय धम्मः द सेवन सेट्स ऑफ़ पालि लिटरेचर, द महा बोधि, 132:22-36

आमन्त्रित व्याख्यान:

1. 15 अगस्त, 2023 : थेरवाद बुद्धिस्ट स्टडीज़: रेट्रोस्पेक्ट एण्ड प्रॉस्पेक्ट विषय पर सितगू केतुमति विश्वविद्यालय, ताऊंगू, म्यांमार में व्याख्यान दिया ।
2. 27 सितम्बर, 2023 : “आइडेंटिफाइंग डिफरेंट प्राकृतस” विषय पर शान स्टेट बुद्धिस्ट विश्वविद्यालय में व्याख्यान दिया ।
3. 4 फरवरी - 4 मार्च, 2024 : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अगरतला द्वारा आयोजित 30-दिवसीय पालिशिक्षा और साहित्य कार्यशाला में दस आमन्त्रित व्याख्यान ।

संगोष्ठी में शोध-पत्र वाचन:

1. 15 जुलाई, 2023 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में आयोजित “द बुद्धिस्ट वैल्यू सिस्टम इन द इण्डियन सिविलाइजेशन एण्ड म्यूच्यूअल कॉर्डियलिटी” विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में “सम रिफ्लेक्शन ऑन बुद्धिस्ट एंजुकेशनल वैल्यूज़” विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया ।
2. 8 दिसम्बर, 2023 : भारतीय दूतावास, काठमांडू और लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में “एक्सप्लोरिंग इम्पैक्ट ऑफ़ बुद्धिस्ट टीचिंग्स ऑन कम्युनिटी डेवलपमेंट एंड ग्लोबल वेल-बिंग” विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में “टीचिंग्स ऑफ़ द बुद्ध फॉर ग्लोबल वेल-बिंग” विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया ।

अन्य शैक्षणिक सहभागिता:

20-29 मार्च 2024 : राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, आंध्र प्रदेश द्वारा आयोजित एन.इ.पी. 2020 ओरिएंटेशन एंड सेंसिटिजेशन प्रोग्राम में सहभागिता।

डॉ. महेश शर्मा

प्रकाशन -

पुस्तक अध्याय

1. महेश शर्मा और कविता-"नैरेटिंग मेडिसिन एंड होलिस्टिक हीलिंग: एन एथिक्स ऑफ क्योर" इन नैरेटिव मेडिसिन-ट्रॉमा एंड एथिक्स, एंडर्स जुहल रासमुसेन और मॉर्टन सोडरमैन द्वारा संपादित, 155-165, ISBN: 978-1-64889-845-7, वर्नोन प्रेस, USA, 2024
2. एनईपी 2020 में "एनईपी 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणाली का पुनरीक्षण: भारतीय शिक्षा का उपनिवेशवाद का उन्मूलन" (178-186): 21वीं सदी की शिक्षा शास्त्रों का रूपांतरण, मीनाक्षी बिस्वाल, जय सिंह और योगिता बेरी द्वारा संपादित। नई दिल्ली: भारती प्रकाशन, 2023। आईएसबीएन: 978-81-19757-01-5

पत्रिकाएँ

1. "ध्वनि और साहित्य की पुस्तक समीक्षा। कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, 2020, 442 पीपी। अन्ना स्निथ (एड।) "में अंतरराष्ट्रीय ओपन पीयर-रिव्यू जर्नल पल्स: द जर्नल ऑफ साइंस एंड कल्चर, वॉल्यूम 9, 2022 मध्य यूरोपीय विश्वविद्यालय, हंगरी। आईएसएसएन 2416-111 एक्स

संकाय विकास कार्यक्रम

1. 13-21 अप्रैल 2023 - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, स्टाफ ट्रेनिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ डिस्टेंस एजुकेशन ऑनर्स और अन्य गतिविधियों द्वारा आयोजित 'ए + ' ग्रेड के साथ 'विश्वविद्यालय और कॉलेज शिक्षकों के लिए एनईपी 2020 के कार्यान्वयन' पर यूजीसी द्वारा अनुमोदित अल्पकालिक व्यावसायिक विकास कार्यक्रम पूरा किया।
2. 19-23 जून 2023 - स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज एंड लैंग्वेज, वीआईटी, चेन्नई द्वारा आयोजित "समकालीन साहित्यिक विषयों और तकनीकों" पर एक सप्ताह तक चलने वाली एफडीपी पूरी की गई।

पुरस्कार

1. सितंबर 2023 - शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए शिक्षक दिवस के अवसर पर 'सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार' से सम्मानित।
2. अक्टूबर 2023 - विश्व शिक्षक दिवस के अवसर पर वसंत कॉलेज फॉर वुमन, राजघाट, वाराणसी द्वारा सम्मान।
3. नवंबर 2023 - के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित 'सतर्कता जागरूकता' पर बहस के दौरान प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

आमंत्रित व्याख्यान

1. 20 अप्रैल 2023 - IQAC, वसंत कॉलेज, वाराणसी में तैयारी के लिए प्रशिक्षण व्याख्यान दिए गए।
2. 15-16 मई 2023 - आईक्यूएसी, नव नालंदा महाविहार विश्वविद्यालय, बिहार में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण व्याख्यान दिए।

3. 24 जुलाई 2023 - के.उ.ति.शि.सं. में डब्ल्यूओएसवाई, वाराणसी द्वारा आयोजित "लोकतंत्र और शासन में युवाओं की भूमिका" पर एक सेमिनार में "द परफोमेटिव डेमोक्रेसी एंड द रोल ऑफ यूथ" पर व्याख्यान दिया।
4. 29 जुलाई 2023 - एसडब्ल्यूए द्वारा आयोजित के.उ.ति.शि.सं. में फ्रेशर्स समर कैम्पेन में "के.उ.ति.शि.सं. और आईक्यूएसी के विभिन्न विभागों का परिचय" पर व्याख्यान दिया।
5. 19 सितंबर 2023 - बीएचयू वाराणसी द्वारा आयोजित मानविकी में (डी) कोडिंग एआई पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "एआई का असुर कारक और मानव (i) संबंधों की जिम्मेदारी" पर एक पूर्ण व्याख्यान दिया।
6. 20 सितंबर 2023 - एमएमवी, बीएचयू वाराणसी द्वारा आयोजित स्वास्थ्य, साहित्य और कला: एक चिकित्सा मानविकी परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "मानसिक स्वास्थ्य और चिकित्सा मानविकी" पर एक सत्र की अध्यक्षता और संचालन किया।
7. 20 सितंबर 2023 - बीएचयू वाराणसी द्वारा आयोजित "(डी) कोडिंग एआई इन द ह्यूमैनिटीज" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "साइकोसोशल एआई" पर एक सत्र की अध्यक्षता और संचालन किया।
8. 12 अक्टूबर 2023 - डीएवी पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, बीएचयू द्वारा आयोजित सांस्कृतिक अध्ययन: भाषा, साहित्य और मीडिया पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "शर्लक होम्स के मंडला में तिब्बती पहचान को पुनः प्राप्त करना" पर एक व्याख्यान दिया।
9. 13 अक्टूबर 2023 - सोवा-रिग्पा विभाग, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान 'टीम बिल्डिंग' पर व्याख्यान दिया।
10. 19 अक्टूबर 2023 - सोवा-रिग्पा विभाग, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित इंडक्शन कार्यक्रम के दौरान 'कम्युनिगेटिव स्किल्स एंड मेंटरशिप' पर व्याख्यान दिया।
11. 4 जनवरी 2024 - अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम, के.उ.ति.शि.सं. के दौरान "आई. के. एस. का महत्व: रस थोरी और भारतीय कविताओं का विश्लेषण" पर व्याख्यान दिया।
12. 19 फरवरी 2024 - एमएमवी, बीएचयू वाराणसी द्वारा आयोजित स्वास्थ्य, साहित्य और कला: एक चिकित्सा मानविकी परिप्रेक्ष्य पर राष्ट्रीय सम्मेलन में "तिब्बती चिकित्सा और साहित्य में सन्निहित स्पर्श का तत्व" पर एक पूर्ण भाषण दिया।
13. 24 फरवरी 2024 - गह्वी परिसर, वाराणसी में शीट कॉलेज ऑफ फार्मसी के लिए स्वास्थ्य विश्वविद्यालयों और कॉलेजों के लिए एनएएसी प्रत्यायन पर एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया।
14. 5 मार्च 2024 - वसंत कॉलेज, बीएचयू वाराणसी द्वारा आयोजित पर्यावरण मानविकी पर अंग्रेजी विभाग के वार्षिक बोलचाल में "धरती माता को एक प्रेम पत्र: पर्यावरण मानविकी तिब्बती बौद्ध धर्म से क्या सीख सकती है" पर एक पूर्ण भाषण दिया।

आयोजित वार्ता/संगोष्ठी/अतिथि व्याख्यान/सम्मेलन/सेमिनार

1. 4 जुलाई 2023 - श्री हृषिकेश शरण जी द्वारा "अतिरिक्त करने से, लोग असाधारण बनने लगते हैं" पर एक प्रेरक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
2. 5 सितंबर 2023 - आयोजित शिक्षक दिवस समारोह और शिक्षक पुरस्कार समारोह।
3. 5 सितंबर 2023 - शिक्षक दिवस समारोह के दौरान प्रोफेसर राठौर द्वारा "टीचर्स एज लीडर्स" पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

- 14-16 दिसंबर 2023 - के.उ.ति.शि.सं. में शोध विद्वानों द्वारा एक सप्ताह तक चलने वाले छह-मासिक खुली प्रस्तुति सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- 2-17 जनवरी 2024 - प्रोफेसर विलियम एडलग्लास द्वारा "अनुसंधान तकनीक और अकादमिक लेखन" पर शोध विद्वानों के लिए दो सप्ताह लंबी कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- 16 जनवरी 2024 - अतिशा हॉल में एनएसई अकादमी द्वारा 'वित्तीय जागरूकता' पर संकाय सदस्यों, गैर-शिक्षण कर्मचारियों और छात्रों के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण/अभिविन्यास सत्र का आयोजन किया गया।
- 2 मार्च 2024 - अतिशा हॉल, के.उ.ति.शि.सं. में बौद्ध डिजिटल संसाधन केंद्र (बी. डी. आर. सी.) के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर जान रोनिंस द्वारा डिजिटल मानविकी पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
- 29 मार्च 2024 - अतिशा हॉल, के.उ.ति.शि.सं. में प्रोफेसर समधोंग रिनपोचे द्वारा एक सम्मान समारोह और भाषण के साथ संस्थान की नई त्रिभाषी वेबसाइट के शुभारंभ के कार्यक्रम का समन्वय किया।

पेपर प्रस्तुतियाँ-राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

- 3-4 नवंबर 2023 - वसंत कॉलेज फॉर वुमन और आईसीएसएसआर दिल्ली द्वारा आयोजित एनईपी 2020: ट्रांसफॉर्मिंग पेडागोगीज ऑफ 21st सेंचुरी पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार में "एनईपी 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणाली की समीक्षा: भारतीय शिक्षा को उपनिवेशवाद मुक्त करना" पर एक पेपर प्रस्तुत किया गया।

अन्य संस्थागत गतिविधियाँ

- 6-7 अप्रैल 2023 - नोएडा के दीनदयाल उपाध्याय पुरातत्व संस्थान में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित दो दिवसीय चिंतन शिविर में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया।
- 2 फरवरी 2024 - विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन, मध्य प्रदेश में "एनईपी 2020 के कार्यान्वयन" पर मध्य क्षेत्र के कुलपति के सम्मेलन में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया।

अन्य जिम्मेदारियाँ

- समन्वयक-आईक्यूएसी, के.उ.ति.शि.सं.
- समन्वयक-अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ
- समन्वयक-के.उ.ति.शि.सं. इंग्लिश लर्निंग एंड डॉक्यूमेंट्री क्लब
- एनईपी के.उ.ति.शि.सं. के नोडल अधिकारी
- सदस्य-नई वेबसाइट समिति
- सदस्य-समाचार और मीडिया प्रकोष्ठ
- सदस्य-वार्षिक रिपोर्ट
- सदस्य-वसंत कॉलेज, आईक्यूएसी
- सदस्य-शीट कॉलेज, आईक्यूएसी
- सदस्य-राजभाषा क्रियान्वयन समिति
- सदस्य-विश्वविद्यालय खरीद समिति
- सदस्य सचिव-शिक्षक और छात्र प्रतिक्रिया समिति
- सदस्य-निष्पादन मूल्यांकन समिति
- सदस्य-शिकायत निवारण प्रकोष्ठ

15. सदस्य-विश्वविद्यालय वार्षिक रिपोर्ट
16. सदस्य-पुस्तकालय पुस्तक चयन समिति

डॉ. रविरञ्जन द्विवेदी

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं, अन्य विश्वविद्यालय गतिविधियों का आयोजन

1. 15 जुलाई, 2023 : राष्ट्रीय संगोष्ठी “भारतीय सभ्यता में बौद्ध मूल्य प्रणाली और पारस्परिक सौहार्द” की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।
2. 04-16 अक्टूबर, 2023 : आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो-सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।
3. 22 फरवरी, 2024 – 04 मार्च, 2024 : पारंपरिक तिब्बती काष्ठकला पर कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।
4. 04-12 मार्च, 2024 : हिंदी कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।

डॉ. जसमीत गिल

1. जून, 2023 : जर्नल ऑफ लिटरेचर एंड एस्थेटिक्स (ISSN 2278-523X), वॉल्यूम 23, नंबर 1 में "इन एंड अराउंड 1922, टुवर्ड्स सिचुएटिंग वर्ल्ड लिटरेचर : ए रीकॉन्सेप्चुअलाइजेशन ऑफ कैथरीन मैन्सफील्ड्स 'द फ्लाई'" लेख प्रकाशित किया।
2. 16 अक्टूबर 2023 : पीजीआरएच हॉल, सोवा रिग्पा अस्पताल, के.उ.ति.शि.सं. में बीएसआरएमएस के फ्रेजरस इंडक्शन प्रोग्राम में 'मनोरंजक गतिविधियाँ' विषय पर व्याख्यान दिया।
3. 19-20 सितंबर 2023 : काशी हिंदू विश्वविद्यालय में 'मानविकी में एआई कोडिंग : भारतीय, जर्मन और विश्व साहित्य और संस्कृतियों में संभावनाएँ और चुनौतियाँ' विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और 'एआई और कलात्मक दृष्टि : कला में सौंदर्यशास्त्र को इंगित करने की दिशा में' विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
4. 30 अक्टूबर से 5 नवंबर 2023 : भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए के.उ.ति.शि.सं. में सतर्कता जागरूकता सप्ताह के आयोजक के रूप में भाग लिया।
5. 27-29 फरवरी, 2024 : 51वें छात्र कल्याण संघ द्वारा आयोजित 'वरिष्ठ छात्र शीतकालीन अभियान' के दौरान 'साहित्य में उत्तर आधुनिकता का संकेत : एक परिचय' विषय पर व्याख्यान दिया।
6. लद्दाखी छात्र कल्याण संघ, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा प्रकाशित 'लद्दाखी सांस्कृतिक पत्रिका', 2024 का संपादन किया और संपादक मंडल में कार्य किया।

समितियाँ:

सदस्य सचिव – आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, के.उ.ति.शि.सं.
सदस्य सचिव – छात्र प्लेसमेंट और इनक्यूबेशन सेल
सह-समन्वयक – अंग्रेजी शिक्षण और वृत्तचित्र क्लब, के.उ.ति.शि.सं.
सदस्य – वार्षिक रिपोर्ट समिति, के.उ.ति.शि.सं.
सदस्य – सतर्कता अनुभाग, के.उ.ति.शि.सं.

(IV) शिक्षाशास्त्र विभाग

किसी भी राष्ट्र और समाज के विकास के लिए शिक्षा आधार स्तंभ होती है। शिक्षा के महत्व को संदर्भित करते हुए केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान ने योग्य शिक्षकों के निर्माण हेतु एनसीटीई से अनुमोदन लेकर शिक्षक शिक्षा पाठ्यक्रम का संचालन प्रारंभ किया। एनसीटीई ने संस्थान के महत्व को देखते हुए 2014-15 में बीए.बीएड/बीएससी.बीएड तथा बीएड पाठ्यक्रम को संचालित करने हेतु अनुमोदन प्रदान किया। इसके साथ ही एनसीटीई ने एम.एड कोर्स को संचालित करने हेतु 2018 में अनुमोदित किया है। के.उ.ति.शि.सं. ने उपर्युक्त कार्यक्रमों के लिए अपना खुद का पाठ्यक्रम तैयार किया है जिसे एनसीटीई द्वारा अनुमोदित किया गया है और के.उ.ति.शि.सं. के तहत शिक्षक शिक्षा केंद्र (सीटीई) के रूप में चल रहा है।

शिक्षक शिक्षण केंद्र के पाठ्यक्रम की विशिष्टता यह है कि यहां अध्ययन और अनुशासन के अलावा, तिब्बती भाषा और साहित्य का अनिवार्य ज्ञान तथा बौद्ध दर्शन (नालंदा परंपरा), मन के विज्ञान, ज्ञानमीमांसा, तर्क, मनोविज्ञान, तत्त्वमीमांसा, तथा आधुनिक शिक्षा, कौशल पर विशेष जोर दिया जाता है। पाठ्यक्रम को समृद्ध बनाने और कार्यक्रम के उद्देश्यों को साकार करने के लिए विज्ञान को भी ध्यान में रखा जाता है।

शिक्षक शिक्षण केंद्र द्वारा संचालित कार्यक्रम-

1. दो वर्षीय बी.एड. कार्यक्रम
2. चार वर्षीय इनोवेटिव इंटीग्रेटेड बी.ए.बी.एड. कार्यक्रम

शिक्षक शिक्षण केंद्र के सदस्य:

1. डॉ. हिमांशु पांडेय	- निदेशक (प्रभारी)
2. डॉ. हुमा कयूम	- शैक्षणिक समन्वयक और सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र
3. डॉ जम्पा थुपटेन	- सहायक प्रोफेसर, भूगोल (संविदा)
4. वेन ताशी धोंडुप	- सहायक प्रोफेसर, तिब्बती भाषा और साहित्य (संविदा)
5. गेसे लोबसंग ग्यात्सो	- सहायक प्रोफेसर, बौद्ध दर्शन/तर्क (संविदा)
6. डॉ. कृष्णा पांडेय	- सहायक प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान (संविदा)
7. डॉ. सुशील कुमार सिंह	- सहायक प्रोफेसर, हिंदी (संविदा)
8. डॉ. पी. सुष्मिता वात्स्यायन	- सहायक प्रोफेसर, अंग्रेजी (संविदा)
9. डॉ. तेनजिन नामगांग	- सहायक प्रोफेसर, तिब्बती इतिहास (संविदा)
10. अनिल कुमार गुप्ता	- सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र (संविदा)
11. डॉ. शिखा शर्मा	- सहायक प्रोफेसर, अर्थशास्त्र (संविदा)
12. डॉ. भावना बहल	- सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र (संविदा)

प्रशासनिक कर्मचारी:

1. श्रीमती रीना पांडेय	- कार्यालय सहायक
2. श्री तेनजिन छेतन	- कार्यालय सहायक
3. सुश्री यांगचेन संगमो	- लाइब्रेरियन (सीटीई लाइब्रेरी)
4. श्री राजू भारद्वाज	- एमटीएस

शैक्षणिक गतिविधियां:

शिक्षक शिक्षण केंद्र ने शैक्षणिक सत्र 2023-24 के दौरान विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन किया था। गतिविधियों का विवरण इस प्रकार है:

1. 12 और 15 अप्रैल 2023 : शिक्षक शिक्षण केंद्र के बी.ए.बी.एड- चौथे और बी.एड आठवें सेमेस्टर के छात्रों द्वारा संकाय सदस्य डॉ. हुमा कयूम और डॉ. अनिल कुमार गुप्ता के नेतृत्व में जीवन ज्योति इनक्लूसिव स्कूल का दौरा किया गया।
2. 18 अप्रैल 2023 : अप्रैल माह में बी.एड. (चतुर्थ सेमेस्टर) और बी.ए. बी.एड. (आठवें सेमेस्टर) के छात्रों ने जल संकट और पर्यावरण पर इसके प्रतिकूल प्रभाव के बारे में लोगों को जागरूक करने से संबंधित एक फ्लैश मॉब और जागरूकता अभियान चलाया गया। छात्रों ने पोस्टर प्रदर्शित किये और 'जल संकट' विषय पर एक लघु नाटिका भी प्रस्तुत की। टीम का नेतृत्व शैक्षणिक समन्वयक डॉ. हुमा कयूम ने किया।
3. 22 अप्रैल 2023 : प्रत्येक वर्ष 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है। इस दिन से जुड़े महत्व को देखते हुए 19 अप्रैल 2023 को शिक्षक शिक्षण केंद्र, सारनाथ वाराणसी ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी के विज्ञान संस्थान भूगोल विभाग के प्रोफेसर सरफराज आलम को आमंत्रित करके **'पेयजल की उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और इसके उपाय'** शीर्षक पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। अतिथि वक्ता का सम्मान कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा और उप-कुलसचिव तथा शिक्षक शिक्षण केंद्र के निदेशक डॉ. हिमांशु पांडेय द्वारा किया गया। व्याख्यान में केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के 70 छात्र-शिक्षकों, 12 शिक्षण कर्मचारियों और मल्टीमीडिया अनुभाग के 2 कर्मचारियों ने भाग लिया।
4. 4 से 16 अक्टूबर 2023 : शिक्षक शिक्षण केंद्र ने शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा के व्यापक विषय पर सामाजिक विज्ञान संकायों के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद को प्रस्ताव प्रस्तुत किया। दो सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम के संचालन के लिए शिक्षक शिक्षण केन्द्र को 8 लाख रुपये रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम 4 से 16 अक्टूबर 2023 तक चला।
5. 4 अक्टूबर 2023 : शिक्षक शिक्षण केंद्र ने 4 अक्टूबर 2023 को **"भावी शिक्षकों के लिए समकालीन शिक्षा प्रणाली में रुझान"** विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह व्याख्यान दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के डीन प्रोफेसर बलराम पाणि द्वारा दिया गया।
6. 17-28 फरवरी 2024 : परमपावन दलाई लामा के शुभ आशीर्वाद और कुलपति प्रो. डब्ल्यू.डी. नेगी और कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा, डॉ. हिमांशु पांडेय, निदेशक सीटीई की सम्मानित उपस्थिति और समर्थन में शिक्षक शिक्षण केंद्र, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित 11 दिवसीय शैक्षणिक यात्रा शुरू हुई। डॉ. अनिल कुमार गुप्ता और डॉ. पी. शुष्मिता वात्स्यायन ने दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की समृद्ध यात्रा पर तीन एस.डब्ल्यू.ए. सदस्यों के साथ 30 बी.एड. और बी.ए.बी.एड. के छात्र समूह का सफलतापूर्वक नेतृत्व किया।
7. 17-29 फरवरी 2024 : केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में "छात्रों के द्वंद्वात्मक वाद-विवाद कौशल" पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का आयोजन केंद्रीय तिब्बती प्रशासन, धर्मशाला (हि.प्र.) और शिक्षक शिक्षण केंद्र, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा गेशे लोबसांग ग्यात्सो, सी.टी.ई., के सहायक प्रोफेसर के नेतृत्व में संयुक्त रूप से किया गया। इस कार्यशाला में 2 अलग-अलग स्कूलों टी.सी.वी. सेलाकुई (उत्तराखण्ड) और एस.टी.एस. पेटोएन (धर्मशाला) से 46 छात्रों ने भाग

लिया। निदेशक सी.टी.ई., डॉ. हिमांशु पांडेय ने कार्यशाला का उद्देश्य प्रस्तुत किया और गणमान्य व्यक्तियों को पारंपरिक खतक और स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया।

8. 8 मार्च 2024 : केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के शिक्षक शिक्षण केंद्र में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में महिलाओं की उपलब्धियों और उनके योगदान का सम्मान करना है। संयोजक, डॉ. हिमांशु पांडेय, निदेशक सी.टी.ई., के मार्गदर्शन एवं डॉ. अनिल कुमार गुप्ता, सहायक प्रोफेसर के नेतृत्व में लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाने, महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने और महिलाओं के अधिकारों के बारे में जानने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन में सी.टी.ई. के शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ-साथ अन्य विभागों के छात्र-छात्राएं भी मौजूद थे।
9. 11 मार्च 2024 : स्वतंत्रता, समानता और न्याय की तलाश में तिब्बती महिलाओं की साहसी भावना और उनके अदम्य लचीलेपन का सम्मान करने के लिए शिक्षक शिक्षण केंद्र, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में डॉ. अनिल कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में तिब्बती महिला क्रान्ति दिवस का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, प्रतिभागियों को सशक्त बनाना और तिब्बती महिलाओं और उनके समर्थकों के बीच एकजुटता को बढ़ावा देना था।

शैक्षणिक गतिविधियां:

डॉ. हुमा कयूम

गतिविधियाँ – आयोजक और समन्वयक:

1. 12 और 15 अप्रैल 2023 : “बी.ए.बी.एड. चतुर्थ वर्ष और बी.एड. द्वितीय वर्ष के लिए जीवन ज्योति स्कूल, सारनाथ, वाराणसी में दो दिवसीय “इनक्लूसिव स्कूल के दौरा” का आयोजन किया गया।
2. 18 अप्रैल 2023 : जल संकट विषय पर लघु नाटिका का आयोजन।
3. 4-16 अक्टूबर 2023 : शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा के व्यापक विषय पर सामाजिक विज्ञान संकायों के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
4. 4 अक्टूबर 2023 : “भावी शिक्षकों के लिए समकालीन शिक्षा प्रणाली में रुझान” विषय पर एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया।

डॉ. जम्पा थुपटेन

गतिविधियाँ - आयोजक और समन्वयक:

1. 22 अप्रैल 2023 : “पेयजल की उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और इसके उपाय” शीर्षक से एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया।

श्री अनिल कुमार गुप्ता

गतिविधियाँ - आयोजक और समन्वयक:

1. 17-28 फरवरी 2023 : दिल्ली, राजस्थान और उत्तर प्रदेश की 11 दिवसीय समृद्ध शैक्षणिक यात्रा का आयोजन किया गया।
2. 8 मार्च 2024 : लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाने, महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने और महिलाओं के अधिकारों के बारे में जानने के लिए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया।

3. 11 मार्च 2024 : डॉ. अनिल कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में तिब्बती महिला क्रान्ति दिवस मनाया गया।

गेशे लोबसांग ग्यात्सो

गतिविधियाँ - आयोजक और समन्वयक:

1. 23-30 अगस्त 2023 : सी.टी.ए. (एजुकेशन) शेरिंग मसूरी में आधुनिक विषय के माध्यम से द्वंद्वत्मकता शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया। जिसमें कक्षा 6 से 8 तक के 15 सम्भोट विद्यालयों के कुल 135 छात्रों ने भाग लिया, प्रत्येक विद्यालय से 9 छात्र थे।
2. 18-23 मार्च 2024 : सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन कल्चर स्टडीज, दाहुंग, अरुणाचल प्रदेश में श्री ग्यात्सो संस्थान के 10 छात्रों को इंटर डिबेट और बैडमिंटन प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए ले गए, जहां लदाख, वाराणसी, दाहुंग और नालंदा के छात्रों ने भाग लिया।
3. 17-29 फरवरी 2024 : छात्रों के द्वंद्वत्मक वाद-विवाद कौशल पर 13 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

भिक्षु ताशी धोंडुप

1. 9 अप्रैल, 2023 - पेयजल की उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और इसके उपाय (आज़ादी का अमृत महोत्सव) में भाग लिया।
2. 3 अक्टूबर, 2023 - युवा संकायों के लिए शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषयक रूपरेखा क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।
3. 27-29 फरवरी, 2024 - 51वें एसडब्लूए द्वारा आयोजित "विशेष कथा उपन्यास पर आधारित तिब्बती कहानी लेखन की विशिष्ट विशेषताएं" विषय पर विशेषज्ञ वार्ता।

डॉ. तेनज़िन नामगांग

1. 9 अप्रैल, 2023 - पेयजल की उपलब्धता पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और इसके उपाय (आज़ादी का अमृत महोत्सव) में भाग लिया।
2. 3 अक्टूबर, 2023 - युवा संकायों के लिए शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषयक रूपरेखा क्षमता निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।
3. 9-23 अक्टूबर, 2023 – बी.एस.आर.एम.एस., के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित "सादा जीवन, उच्च विचार" विषय पर विशेषज्ञ वार्ता।

डॉ. सुशील कुमार सिंह

आमंत्रित व्याख्यान –

1. 30 नवम्बर, 2023 - डी.ए.वी. पोस्ट ग्रेजुएट कालेज में “हिंदी साहित्य : अध्ययन की आवश्यकता और संभावनाएं” विषय पर व्याख्यान दिया।
2. 16 फरवरी, 2024 - काशी हिंदू विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक।
3. 21 फरवरी, 2024 - काशी हिंदू विश्वविद्यालय के भारत अध्ययन केंद्र द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी “भारत का सांस्कृतिक नवोत्थान : छायावाद और जयशंकर प्रसाद” का सत्र संयोजन सह व्याख्यान।
4. 12 मार्च, 2024 - काशी हिंदू विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय के छात्र-छात्राओं के एजुकेशनल टूर का संस्थान द्वारा नेतृत्व कर्ता के रूप में नामित सदस्य।

समिति-

- 1- संस्थान मीडिया कमेटी – सदस्य सचिव
- 2- पब्लिकेशन एंड मीडिया सेल – सदस्य
- 3- गेस्ट हाउस कमेटी – सदस्य
- 4- राजभाषा कार्यान्वयन समिति – सदस्य
- 5- सीटीई,आईटिप कमेटी 2024 – सदस्य सचिव
- 6- राजभाषा पत्रिका “बोधिप्रभ” संपादक मंडल – सदस्य
- 7- राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2023-24 के अनुसार राजभाषा के प्रयोग-प्रसार हेतु विभिन्न विभागों के निरीक्षण हेतु नामित सदस्य –
 - 1- प्रकाशन विभाग
 - 2- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ
 - 3- दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध विभाग
 - 4- कोश अनुभाग

डॉ. पी. सुष्मिता वात्स्यायन

1. 04-16 अक्टूबर 2023 : शि.शि.के., के.उ.ति.शि.सं. के द्वारा आयोजित "शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा पर सामाजिक विज्ञान विषय में संकायों के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम" में भाग लिया।
2. 24-25 नवंबर 2023 : बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग में "रीइमेजिनिंग प्लेनेटरी, प्लेनेटैरिटी एंड द अर्थ फैमिली" नामक सेमिनार में भाग लिया और शोधपत्र भी प्रस्तुत किया।
3. वार्षिक रिपोर्ट समिति के सदस्य।

डॉ. कृष्णा पाण्डेय

04-16 अक्टूबर 2023 : शि.शि.के., के.उ.ति.शि.सं. के द्वारा आयोजित "शिक्षा की नींव के लिए अंतःविषय रूपरेखा पर सामाजिक विज्ञान विषय में संकायों के लिए दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम" में भाग लिया।

डॉ. शिखा शर्मा

1. अप्रैल 2023 - "पोस्ट क्योटो प्रोटोकॉल युग में भारत का जीएचजी उत्सर्जन प्रदर्शन", शीर्षक से शोध पत्र यूपीयूईए इकोनॉमिक जर्नल, पृष्ठ संख्या 264-272, आई एसएसएन संख्या 0975-2382 में प्रकाशित हुआ।
2. 4-16 अक्टूबर, 2023 - आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित और शिक्षक शिक्षा केंद्र, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित दो सप्ताह के क्षमता-निर्माण कार्यक्रम में भाग लिया।

डॉ. भावना बहल

29 फरवरी 2024 : 51वें छात्र कल्याण समिति (एस.डब्ल्यू.ए.) द्वारा आयोजित “द रोल ऑफ सोशल एण्ड कॉगनिटिव कन्स्ट्रक्शन इन द फेल्ड ऑफ टीचिंग- लर्निंग प्रोसेस” विषय पर व्याख्यान दिया।

(ग) आधुनिक विद्या संकाय

प्रो. उमेश चन्द्र सिंह - प्रोफेसर एवं संकायाध्यक्ष

(I) समाजशास्त्र विभाग

(1) प्रो. जम्पा समतेन	- पुनर्नियुक्त, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष (तिब्बती इतिहास)
(2) प्रो. उमेश चन्द्र सिंह	- प्रोफेसर (एशिया-इतिहास)
(3) डॉ. अमित मिश्रा	- असिस्टेंट प्रोफेसर (राजनीति विज्ञान)
(4) डॉ. उर्गेन	- असिस्टेंट प्रोफेसर (तिब्बती इतिहास)
(5) डॉ. प्रशांत कुमार मौर्य	- असिस्टेंट प्रोफेसर (अर्थशास्त्र)
(6) डॉ. सौरभ दुबे	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा) (अर्थशास्त्र)
(7) श्री टशी	- सहायक शिक्षक
(8) श्री शाहो तामडिंग	- सहायक शिक्षक
(9) श्री धोन्डुप	- सहायक शिक्षक

तिब्बती इतिहास और संस्कृति में आचार्य (मास्टर डिग्री) पाठ्यक्रम जुलाई, 2017 से सामाजिक विज्ञान विभाग के पाठ्यक्रम में जोड़ा गया सबसे नया विषय है। यह पाठ्यक्रम तिब्बती प्रवासी में अपनी तरह का पहला है, और चूंकि कोई पाठ्यपुस्तक नहीं थी। मौजूदा मॉडल को आधार बनाने के लिए, संकाय को इसे शुरू से ही डिजाइन करना पड़ा। इस व्यापक पाठ्यक्रम में तिब्बत और उसके पड़ोसी एशियाई देशों के सांस्कृतिक और राजनीतिक इतिहास दोनों को शामिल किया गया है। इस पाठ्यक्रम में पुरातत्व, नृविज्ञान, इतिहासलेखन और मुद्राशास्त्र पर परिचयात्मक पाठ भी शामिल हैं जो ऐतिहासिक अध्ययन का अनिवार्य हिस्सा है।

प्रो. जम्पा समतेन

संगोष्ठी/सम्मेलन में सहभागिता एवं शोधपत्र प्रस्तुति

1. 15 जुलाई, 2023 - टोक्यो, जापान में दक्षिणी मंगोलियन कांग्रेस और तिब्बत हाउस, परम पावन दलाई लामा, जापान के संपर्क कार्यालय के सांस्कृतिक अनुभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित “मंगोल-तिब्बत ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध पर संगोष्ठी” में भाग लिया तथा तिब्बत-मंगोल पुजारी-संरक्षक (मचोद योन) संबंध के रूप में मंगोलिया और तिब्बत के बीच अद्वितीय ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध के आधार शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया। बैठक की कार्यवाही में यह शोधपत्र अंग्रेजी और जापानी में प्रकाशित किया गया।
2. 1-2 अप्रैल, 2023 - भारतीय विद्या अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा आयोजित "भारतीय सभ्यता की वैश्विक उपस्थिति पर संगोष्ठी" में भाग लिया।

भारतीय विद्या अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली के अनुरोध पर “*तिब्बत और आस-पास के क्षेत्रों में भारतीय ज्ञान परंपरा का प्रसारण*” शीर्षक से शोधपत्र प्रस्तुत किया। शीघ्र ही यह भारतीय विद्या अध्ययन संस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तक के अध्याय के रूप में दिखाई देगा।

3. 27 फरवरी, 2024 - के.उ.ति.शि.सं. छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित वरिष्ठ छात्र वाइंडर संगोष्ठी में "सुख-दुख-सु-बेद" १३ चक्रे-बेदि-कु-हान (१९१३) सुग-दख-ड-केग-द-द/ कु-हो (१९३३) बय-गदख-स-ग-हो-गो-व-दे-व-द-ग-स-ग-व-द-हो-स-बे-व/ विषय पर व्याख्यान दिया।

शोध पत्र एवं संपादन कार्य

1. “केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के 1967 में स्थापना से 2023 तक के संक्षिप्त इतिहास और उपलब्धियों की रिपोर्ट” का सम्पादन, के.उ.ति.शि.सं. परातन छात्र समिति द्वारा संकलित, 2024।

2. “केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पुरातन छात्रों द्वारा लिखित, संपादित, पुनर्स्थापित और अनुवादित पुस्तकों और शोध पत्रों की सूची” का सम्पादन, के.उ.ति.शि.सं. पुरातन छात्र समिति द्वारा संकलित, 2024।
3. “प्रो. एस. रिनपोछे की शिक्षाओं की एक व्यापक सूची सैमसंग एसएसडी 10 टीबी. ऑडियो और वीडियो में संरक्षित है का सम्पादन, के.उ.ति.शि.सं. पुरातन छात्र समिति द्वारा संकलित, 2024.

शोध मार्गदर्शक:

1. केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में तीन पीएच.डी. शोधछात्रों के लिए पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करना।
2. केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में तीन पीएच.डी. शोधछात्रों के लिए सह-पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करना।
3. दलाई लामा इंस्टीट्यूट फॉर हायर एजुकेशन की रिसर्च डॉक्टर समिति सदस्य, जिसे कर्नाटक राज्य के बैंगलोर विश्वविद्यालय द्वारा विशिष्ट अध्ययन केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।
4. दलाई लामा इंस्टीट्यूट फॉर हायर एजुकेशन के एक पी-एच.डी. शोधछात्र के लिए सह-मार्गदर्शक के रूप में कार्य करना, जिसे कर्नाटक राज्य के बैंगलोर विश्वविद्यालय द्वारा विशिष्ट अध्ययन केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त है।

अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडियन स्टडीज, नई दिल्ली के माध्यम से के.उ.ति.शि.सं. से जुड़े विदेशी शोधछात्रों को स्थानीय भारतीय शोध मार्गदर्शक की सेवा प्रदान करना

1. श्री जैक पी. हैम्बलिन, शोधछात्र, ए.आई.आई.एस. के शोध मार्गदर्शक के रूप में कार्य करना
2. सुश्री एडी मैकनाइट, शोधछात्र, ए.आई.आई.एस. के शोध मार्गदर्शक के रूप में कार्य करना

के.उ.ति.शि.सं. की समितियों के अध्यक्ष और सदस्य

1. कार्यालय आदेश दिनांक 01.09.2023 के अनुसार 4 क्रेडिट वाले एक प्रमुख विभागीय पाठ्यक्रम और 4 क्रेडिट वाले एक लघु विभागीय/अंतरविभागीय पाठ्यक्रम के लिए सामान्य प्रारूप तैयार करने हेतु गठित समिति का अध्यक्ष।
2. कार्यालय आदेश दिनांक 01.09.2023 के अनुसार तिब्बती बौद्ध दर्शन, धर्म, इतिहास, संस्कृति, साहित्य और भाषा विज्ञान, ललित कला आदि पारंपरिक विषयों जैसे विभिन्न क्षेत्रों में पत्रिकाओं की एक विस्तृत सूची तैयार करने के लिए गठित समिति का अध्यक्ष।
3. कार्यालय आदेश दिनांक 01.09.2023 के अनुसार पी-एच.डी. थीसिस के लिए एक मानकीकृत स्टाइलशीट तैयार करने के लिए समिति का गठन किया गया है, जिसमें थीसिस बाइंडिंग, मार्जिन, फ्रॉन्ट प्रकार और आकार, पेपर आकार और गुणवत्ता, पाठ में उद्धरण, ग्रंथ सूची, उद्धरण और ब्लॉक उद्धरण, फुट नोट्स, अंतिम नोट आदि के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं का सदस्य।
4. सोवा-रिग्पा विभाग की विभागीय शोध समिति के सदस्य।
5. सामाजिक विज्ञान विभाग की विभागीय शोध समिति के सदस्य।
6. ललित कला विभाग की विभागीय शोध समिति के सदस्य।

के.उ.ति.शि.सं. में आधिकारिक दायित्व

1. यू.जी.सी. छात्र शिकायत निवारण विनियमन, 2023 के तहत, कार्यालय आदेश दिनांक 28.08.2023 के अनुसार इस संस्थान के छात्रों की शिकायतों के निवारण के लिए लोकपाल के रूप में कार्य करना।

2. दिनांक 01.11.2023 के कार्यालय आदेश के अनुसार 1 नवंबर, 2023 से शोध संकायाध्यक्ष के रूप में कार्य करना।

डॉ. अमित मिश्रा

1. 21-23 फरवरी, 2024 - बांडुंग स्पिरिट द राइज ऑफ एशिया एण्ड यूनिवर्सिटी ऑफ लेहावरे, फ्रांस 2024 द्वारा पेरिस, फ्रांस में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया एवं "श्रीलंका में वन अग्नि के प्रभाव" शीर्षक से शोध पत्र प्रस्तुत किया।
2. 9-10 सितम्बर, 2023 - महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र में भारतीय राजनीति विज्ञान संघ द्वारा आयोजित 60वें अखिल भारतीय राजनीति विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "वैश्विक जलवायु कूटनीति में भारत की भूमिका" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया, जो 'वसुधैव कुटुम्बकम्' एक विश्व, एक परिवार पर आधारित था।
3. 5-6 जुलाई, 2023 - ताइपेई, ताइवान के फू जेन कैथोलिक विश्वविद्यालय के शैक्षिक दर्शन संस्थान में 21वीं सदी में मानव समुदाय और साझा मूल्यों पर आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सांस्कृतिक वैश्वीकरण के माध्यम से पूरे देश और दुनिया में विविध सांस्कृतिक समुदायों के बीच एक मजबूत सौहार्द बनाने के लिए भारत द्वारा किए गए प्रयास" शीर्षक से एक शोध पत्र प्रस्तुत किया।
4. भारत और विदेशों में सम्मेलनों में भाग लेने के लिए संस्थान के संकाय सदस्यों को वित्त पोषण प्रदान करने वाली समिति का सदस्य।

डॉ. उर्गेन

1. 5 अप्रैल, 2023 - नालंदा भवन के समिति कक्ष में आयोजित विभागीय शोध समिति (डीआरसी) की बैठक में भाग लिया।
2. 15 जुलाई, 2023 - केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान और अन्तर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक अध्ययन केन्द्र, भारत के सहयोग से भारतीय सभ्यता में बौद्ध मूल्य प्रणाली और पारस्परिक सौहार्द पर आयोजित जी-20 संगोष्ठी में भाग लिया।
3. 29 जुलाई, 2023 - नव प्रवेशित छात्रों के लिए छात्र कल्याण समिति के अभियान के हिस्से के रूप में, मैंने सारनाथ में छात्रों का निर्देशन किया और सारनाथ की ऐतिहासिक घटनाओं की जानकारी दी।
4. 5 सितंबर, 2023 - शिक्षक दिवस समारोह के अवसर पर शिक्षण में उत्कृष्टता के लिए संस्थान पुरस्कार प्राप्त हुआ है।
5. 14-16 दिसंबर, 2023 - अतिशा हॉल में आयोजित तिब्बती इतिहास और संस्कृति के पी-एच.डी. शोधार्थियों के छमाही प्रगति रपट संगोष्ठी में मूल्यांकन किया।
6. 18 जनवरी, 2024 - शोध एवं विकास प्रकोष्ठ की छठी बैठक में भाग लिया जो माननीय कुलपति की अध्यक्षता में हुई, जिसमें विभागीय पाठ्यक्रमों की समीक्षा, गाइड और सह-गाइड के आवंटन आदि एजेंडे पर चर्चा की गई।
7. अन्तर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान कार्यक्रम में छात्रों को सारनाथ के ऐतिहासिक स्थलों पर सारनाथ की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के बारे में बताया।
8. केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान-लेह-लद्दाख के शैक्षिक भ्रमण के लिए यहां आए छात्रों को सारनाथ की महत्वपूर्ण ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराया।

शोध-मार्गदर्शक (पी-एच.डी.)

1. श्री नोर्बू

2. श्री टशी
3. श्री ल्हामो क्यब ।

समिति-

1. स्टूडेंट फीडबैक कमेटी
2. विभागीय शोध समिति

डॉ. प्रशान्त कुमार मौर्य

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं, अन्य विश्वविद्यालय गतिविधियों का आयोजन

1. 19 अप्रैल, 203 : संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में जी-20 के अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया ।
2. 15 जुलाई, 2023 : राष्ट्रीय संगोष्ठी “भारतीय सभ्यता में बौद्ध मूल्य प्रणाली और पारस्परिक सौहार्द” की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया ।
3. 4-16 अक्टूबर, 2023 : आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा प्रायोजित दो-सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया ।
4. सांसद खेलकूद प्रतियोगिता, काशी-2023 के अंतर्गत नोडल अधिकारी के रूप में विभिन्न खेलों का आयोजन किया ।
5. सांसद सांस्कृतिक महोत्सव, काशी-2023 के अंतर्गत समिति सदस्य के रूप में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया ।
6. सांसद ज्ञान प्रतियोगिता, काशी-2024 के अंतर्गत समिति सदस्य के रूप में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया ।
7. 22 फरवरी, 2024 - 4 मार्च, 2024 : पारंपरिक तिब्बती काष्ठकला पर कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया ।
8. 4-12 मार्च, 2024 : हिंदी कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया ।
9. 11-16 मार्च, 2024 : संयोजक के रूप में “वित्तीय साक्षरता और वित्तीय समावेशन” पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया ।

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं, अन्य विश्वविद्यालय गतिविधियों में भाग लिया

1. 15-17 फरवरी, 2024 - राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में मध्य डाइट सारनाथ वाराणसी में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी “विद्यालय शिक्षा में मूल्यांकन एवं मूल्यांकन तथा नवीन शिक्षण-अधिगम तकनीक” में संसाधन व्यक्ति के रूप में व्याख्यान दिया ।
2. 30-31 मार्च, 2024 - सावित्री बाई फुले स्नातकोत्तर महाविद्यालय, चकिया, चंदौली, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित भारतीय ज्ञान प्रणाली: विज्ञान, समाज एवं संस्कृति के पोषक तत्व विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सदस्य शोध समिति/संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया ।

शोध पत्र/लेख प्रकाशित

1. करंट जर्नल, एक अंतर्राष्ट्रीय पीयर्ड रिवाइज्ड जर्नल (ISSN नंबर 2348-6228, जनवरी-मार्च, 2024) में “भारत में मानव विकास सूचकांक का अवलोकन, 2013-2023” शीर्षक से शोध पत्र सह-लेखक के रूप में प्रकाशित हुआ ।

डॉ. सौरभ दुबे

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं, अन्य विश्वविद्यालय गतिविधियों का आयोजन

1. 15 जुलाई, 2023 : राष्ट्रीय संगोष्ठी “भारतीय सभ्यता में बौद्ध मूल्य प्रणाली और पारस्परिक सौहार्द” की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।
2. 04-16 अक्टूबर, 2023 : आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो-सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।
3. सांसद खेलकूद प्रतियोगिता, काशी-2023 के अंतर्गत सदस्य के रूप में विभिन्न खेलों का आयोजन किया।
4. 22 फरवरी, 2024 - 04 मार्च, 2024 : पारंपरिक तिब्बती काष्ठकला पर कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।
5. 4-12 मार्च, 2024 : हिंदी कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।
6. 11-16 मार्च, 2024 : सह संयोजक के रूप में “वित्तीय साक्षरता और वित्तीय समावेशन” पर एक सप्ताह की कार्यशाला का आयोजन किया।

शोध पत्र/लेख प्रकाशित

1. करंट जर्नल, एक अंतर्राष्ट्रीय पीयर्ड रिवाइज्ड जर्नल (ISSN नंबर 2348-6228, जनवरी-मार्च, 2024) में “भारत में मानव विकास सूचकांक का अवलोकन, 2013-2023” शीर्षक से शोध पत्र प्रकाशित हुआ।

श्री टशी

1. 27 जुलाई, 2023 – छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित समर कैम्प में "तिब्बती बौद्ध धर्म के चार संप्रदायों" पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
2. 23 अगस्त, 2023 – सी.टी.ए. धर्मशाला के तिब्बत नीति संस्थान द्वारा आयोजित 9वें युवा तिब्बती शोध विद्वानों के सम्मेलन के दौरान 'शाक्य शासन के दौरान दक्षिणी लास्टोड नेता पर एक आलोचनात्मक विश्लेषण' विषय पर शोध पत्र प्रस्तुत किया।
3. अक्टूबर 2023 - शेखर न्याशाब की बैठक में भाग लिया और "1253 के बाद से दक्षिणी लाटो के पिछले राजनीतिक घटनाक्रम" पर प्रस्तुति दी।
4. नवंबर 2023 - लाटो फासा में आमंत्रित किया गया और वहां उत्तरी तिब्बत की संस्कृति और राजनीतिक मुद्दों पर वार्ता हुई।

शाहो तामडिंग

तिब्बती भाषा में संपादित पुस्तक:

तिब्बत के सम्राटों से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेजों का एक व्यापक संकलन, खंड-III, लेखक: के.उ.ति.शि.सं. (आगामी)

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

1. 3 जून, 2023 - तिब्बत के सम्राटों से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेजों के एक व्यापक संकलन के बारे में साक्षात्कार, खंड I और II, तिब्बत टीवी, धर्मशाला, भारत।
2. 10 जून, 2023 - प्राचीन शहर दुनहुआंग के इतिहास के बारे में साक्षात्कार, तिब्बत की आवाज़, धर्मशाला, भारत।
3. 11 जून, 2023 - "पेलोक- डोंग हंग के इतिहास की समीक्षा" पर साक्षात्कार, वी.ओ.ए. तिब्बत, धर्मशाला, भारत।
4. 12 जून, 2023 - तिब्बती साम्राज्य से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेजों पर एक साक्षात्कार, तिब्बत संग्रहालय, धर्मशाला, भारत।

5. 22-24 अगस्त, 2023 - सारा कॉलेज, धर्मशाला, कांगड़ा, भारत में 9वां युवा शोध सम्मेलन में भाग लिया।
6. 24 अगस्त, 2023 - तिब्बत के सम्राटों से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेजों का एक व्यापक संकलन पर एक साक्षात्कार, खंड I और II, सारा कॉलेज, धर्मशाला, भारत मा।
7. 14 अक्टूबर, 2023 - रिम्स पाई ग्नास इंगा (तिब्बती के पांच प्रमुख विज्ञान) के महत्व पर एक साक्षात्कार, सोवा-रिम्पा विभाग, के.उ.ति.शि.सं., भारत।
8. 11 मार्च, 2024 - तिब्बत के सम्राटों से संबंधित ऐतिहासिक दस्तावेजों के व्यापक संकलन के बारे में एक साक्षात्कार, खंड I और II, वर्ना-रिगलैब, के.उ.ति.शि.सं., भारत।

श्री धोन्डुप

- (1) 22 से 24 अगस्त, 2023 : धर्मशाला में केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के तिब्बत नीति संस्थान द्वारा आयोजित 9वें युवा तिब्बती शोध विद्वानों के सम्मेलन में “तिब्बत में 1928 में शारपा ग्यालपो की घटना की खोज” शीर्षक से एक शोधपत्र प्रस्तुत किया।
- (2) 16 सितम्बर, 2023 : सेंटर फॉर मिडिल-वे इनिशिएटिव द्वारा आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता में भाग लिया तथा अखिल भारतीय तिब्बती निबंध प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया।
- (3) 18 से 23 मार्च, 2024 : केंद्रीय हिमालयी संस्कृति अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित बीटीआई, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत आने वाले संस्थानों के बीच “प्रथम अंतर-वाद-विवाद प्रतियोगिता 2024” में भाग लिया।
- (4) 18 से 23 मार्च, 2024 : केंद्रीय हिमालयी संस्कृति अध्ययन संस्थान द्वारा आयोजित बीटीआई, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत संस्थानों के बीच “एक दिवसीय संगोष्ठी” में भाग लिया।
- (5) तिब्बत नीति संस्थान, सीटीए, धर्मशाला द्वारा प्रकाशित तिब्बत नीति जर्नल में “तिब्बत में 1928 में शारपा ग्यालपो की घटना की खोज” शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया। (आईएसएसएन 2394-2983) 2023।
- (6) तिब्बतोलॉजी संपादकीय बोर्ड द्वारा प्रकाशित तिब्बतोलॉजी में “नेपाल के जंग बहादुर की जीवनी तथा 19वीं शताब्दी में तीसरे तिब्बत-नेपाल युद्ध पर एक विश्लेषण” शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया। (आईएसबीएन 9789393661708) 2023।
- (7) सेंटर फॉर मिडिल-वे इनिशिएटिव द्वारा प्रकाशित मध्यम मार्ग (मिडिल-वे) में “तिब्बत के मध्यम मार्ग (मिडिल-वे) दृष्टिकोण की नीति और तिब्बती इतिहास की स्थिति पर विश्लेषण” शीर्षक से एक लेख प्रकाशित किया। (आईएसबीएन 9789380369464) 2023।

घ) शिल्प-विद्या संकाय

डॉ. दोर्जे दमडुल - संकायाध्यक्ष

(I) तिब्बती चित्रकला विभाग

(II) तिब्बती काष्ठकला विभाग

- (1) डॉ. शुचिता शर्मा - सहायक आचार्य (इतिहास एवं सौन्दर्यशास्त्र)
- (2) श्री कुंगा जिङपो - सहायक शिक्षक (चित्रकला)
- (3) लोप्सङ् शेरब - सहायक शिक्षक (चित्रकला)
- (4) तेनजिन छोम्यल - सहायक शिक्षक (चित्रकला)

- (5) छेरिंग सम्दुप - सहायक शिक्षक (काष्ठकला)
(6) दोर्जे छोफेल - सहायक आचार्य (काष्ठकला)

क. तिब्बती चित्रकला विभाग

इस विभाग का उद्देश्य है- महत्वाकांक्षी विद्यार्थियों को तिब्बती पटचित्र निर्माण के साथ बौद्ध दर्शन, चित्रकला-इतिहास, हस्तकला-दर्शन एवं इतिहास, भारतीय एवं पाश्चात्य कला, इतिहास और सौन्दर्यशास्त्र, तिब्बती भाषा एवं साहित्य, हिन्दी व अंग्रेजी का ज्ञान देना। विद्यार्थियों को हमें अपने पूर्वजों से प्राप्त चित्रलेखन कला की धरोहर तथा उसकी तकनीक सिखायी जाती है। रंग-मिश्रण, चित्रलेखन में प्रयुक्त उपकरण आदि सभी विषयों को बारीकी से सिखाया जाता है। शिक्षण के अतिरिक्त विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियाँ - ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण, कार्यशाला आदि का आयोजन भी किया जाता है।

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

डॉ. शुचिता शर्मा

नोडल अधिकारी

1. 16 अगस्त - 18 सितंबर 2023 - काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव
2. 23 जनवरी 2024 - 3 फरवरी 2024 - काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता

संयोजक

1. 22 फरवरी, 2024 से 04 मार्च, 2024 - पारंपरिक तिब्बती चित्रकला विभाग, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित 'थंका (मंडल) पेंटिंग' विषयक कार्यशाला में भिक्षु लोबसांग लोदुप, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश ने विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण दिया।
2. 22 फरवरी, 2024 - 04 मार्च, 2024 - पारंपरिक तिब्बती काष्ठकला विभाग, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित 'तिब्बती काष्ठकला' विषयक कार्यशाला में श्री कर्मा येशी, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश ने विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण दिया।
3. 23 अक्टूबर, 2023 - 1 नवम्बर, 2023 - शैक्षणिक यात्रा।

आमंत्रित व्याख्यान

17 फरवरी, 2024 : जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान, सारनाथ, वाराणसी आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी में "राष्ट्रीय शिक्षानीति में कला एकीकृत शिक्षा" विषय पर व्याख्यान दिया।

शोधपत्र प्रस्तुति

1. दिसंबर, 2023 - सामाजिक विज्ञान विभाग, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित "गांधी के सौंदर्यशास्त्र दर्शन में सरलता की भूमिका" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।
2. मार्च, 2024 - सावित्री बाई फुले गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, चंदौली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "भारतीय ज्ञान परंपरा और भारतीय शिल्प शास्त्र" विषय पर शोधपत्र प्रस्तुत किया।

प्रकाशन

1. "भारतीय ज्ञान परम्परा और भारतीय शिल्प शास्त्र : प्राचीन और अमूल्य सम्पत्ति" द इटर्निटी एण्ड इन्टरनेशनल पीयर रिव्यूड एण्ड रेफरीड रिसर्च जर्नल आईएसएसएन 0975-8690 यूजीसी लिस्ट नं. 44958 पीआईएफ : 4.875 वॉल्यूम XIV नं. 3 जुलाई-सितंबर 2023 में प्रकाशित।

वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

2. "तिब्बती तोरमा की पवित्र कला : प्रतीकवाद और आध्यात्मिकता की यात्रा" शोधपत्र रिसर्च टुडे : एन इंटरनेशनल पीयर रिव्यूड एंड रेफरीड रिसर्च जर्नल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंसेज वॉल्यूम XV नं. 1 जनवरी-जून 2024 में प्रकाशित।

समिति-सदस्य

1. विद्वत् परिषद, के.उ.ति.शि.सं.
2. सदस्य, डी.आर.सी., सोवा रिग्पा विभाग, के.उ.ति.शि.सं.
3. काशी सांसद खेल-कूद प्रतियोगिता, 2023
4. दो सप्ताह का क्षमता निर्माण कार्यक्रम, 4-16 अक्टूबर 2023
5. अतिश सभागार नवीनीकरण समिति

प्रदर्शनी

1. जनवरी, 2024 - इन्स्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, वाराणसी द्वारा आयोजित "रामोत्सव में चित्रकला" राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया।
2. अप्रैल, 2024 - इन्स्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, वाराणसी द्वारा आयोजित "नव वर्षोत्सव में चित्रकला" राष्ट्रीय चित्रकला प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया।

प्रश्रपत्र परीक्षक

1. हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला
2. लोक सेवा आयोग, मध्य प्रदेश
3. साँची विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश

श्री कुंगा त्रिडपो

समन्वयक

1. 22 फरवरी, 2024 - 04 मार्च, 2024 - पारंपरिक तिब्बती चित्रकला विभाग, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित 'थंका (मंडल) पेंटिंग' विषयक कार्यशाला में भिक्षु लोबसांग लोदुप, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश ने विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण दिया।
2. 22 फरवरी, 2024 - 04 मार्च, 2024 - पारंपरिक तिब्बती काष्ठकला विभाग, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा आयोजित 'तिब्बती काष्ठकला' विषयक कार्यशाला में श्री कर्मा येशी, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश ने विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रशिक्षण दिया।

आमंत्रित व्याख्यान

1. 9-23 अक्टूबर, 2023 - एन.सी.आई.एस.एम., आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए बी.एस.आर.एम.एस. प्रोफेशनल प्रथम वर्ष के लिए आयोजित प्रेरण कार्यक्रम में विषय-विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान दिया।
2. 29 दिसंबर, 2023 - 21 जनवरी, 2024 - अकादमिक एक्सचेंज कार्यक्रम पर व्याख्यान दिया।

सहभागिता

1. 1-8 जुलाई, 2023 - विरासत संरक्षण एवं परीक्षण पर एक सप्ताह की कार्यशाला में भाग लिया, जिसका आयोजन तिब्बती कार्य एवं पुरालेख पुस्तकालय धर्मशाला द्वारा किया गया था।

2. 30 अक्टूबर, - 5 नवंबर, 2023 - भ्रष्टाचार विरोधी जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह पोस्टर प्रतियोगिता 2023 के निर्णायक।

सदस्य

1. काशी सांसद खेल-कूद प्रतियोगिता-2023
2. श्री वैष्णव मूर्ति और श्री प्रवाकर क्रिएटिव आर्ट्स एंड क्राफ्ट्स की क्षमता, प्रदर्शन और अनुभव की जांच करने के लिए विशेषज्ञ सदस्य के रूप में जयपुर और भुवनेश्वर स्थलों का दौरा किया।

लोप्सड शेरब

1. 1-15 फरवरी, 2024 – विद्यार्थियों को व्यक्तिगत कौशल विकसित करने और कलात्मक कार्यों की समझ बढ़ाने में मदद करने के लिए समकालीन आधुनिक कला के स्कैचिंग एण्ड ड्राइंग सहित 15 दिवसीय पाठ्यचर्या गतिविधियों का आयोजन किया।
2. 22 फरवरी, 2024 से 04 मार्च, 2024 - पारंपरिक तिब्बती चित्रकला विभाग, के.उ.ति.शि.सं. में आयोजित भिक्षु लोबसांग लोदुप द्वारा प्रशिक्षित 'थंका (मंडल) पेंटिंग' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

तेनजिन छोग्यल

1. मीरा एजुकेशनल सोसाइटी (एनजीओ), वाराणसी द्वारा 'बौद्ध मुखौटा निर्माण' पर आयोजित पाँच दिवसीय कार्यशाला में सहायक प्रशिक्षक के रूप में भाग लिया।
2. 22 फरवरी - 4 मार्च, 2024 - पारम्परिक तिब्बती चित्रकला विभाग, के.उ.ति.शि.सं., वाराणसी द्वारा आयोजित थंका (मण्डल) कार्यशाला में भाग लिया।

ख. तिब्बती काष्ठकला विभाग

तिब्बती पारम्परिक काष्ठकला के साथ बौद्ध दर्शन आदि का ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से यह विभाग स्थापित है। विद्यार्थियों को विशेषकर तिब्बती परम्परा की काष्ठ कला, उसका इतिहास तथा अवधारणा की शिक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त भारतीय एवं पाश्चात्य कला का इतिहास, सौन्दर्य शास्त्र तथा भाषाएँ सिखायी जाती हैं। वर्ष 2018-19 में शिक्षण के अतिरिक्त - शैक्षणिक भ्रमण तथा अनेक काष्ठकला कार्यशालाओं के आयोजन आदि विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों में विभागीय सदस्यों तथा छात्रों ने भाग लिया।

(ड) सोवा रिग्-पा एवं भोट ज्योतिष संकाय

डॉ. दोर्जे दमडुल - संकायाध्यक्ष

(I) सोवा रिग्-पा विभाग

शैक्षणिक गतिविधियां :-

1. भारत में सोवा रिग्पा की स्थिति

- वर्ष 2010 में भारत सरकार ने इस चिकित्सा प्रणाली को मान्यता दी तथा जिसकी पहली आधिकारिक अधिसूचना 2017 में राजपत्र द्वारा अधिसूचित की गई।
- वर्तमान में भारत में यह प्रणाली भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है।
- भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग (एनसीआईएसएम) ने फरवरी में पहली बार शैक्षणिक सत्र 2021-2022 के लिए सोवा-रिग्पा एनसीआईएसएम-एनईईटी (राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता) परीक्षा शुरू की है, जिसे हमारे विश्वविद्यालय द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया। उन्होंने हमारे विश्वविद्यालय को शैक्षणिक वर्ष 2022-2023,

2023-2024, 2024-2025 के लिए निरंतर दूसरी, तीसरी, चौथी बार एनईईटी (राष्ट्रीय प्रवेश पात्रता) परीक्षा आयोजित करने के लिए नामित किया।

- सोवा रिग्पा विभाग, भारत सरकार की राजपत्र अधिसूचना अर्थात् सोवा-रिग्पा एमएसई और एमएसआर के अनुसार पाठ्यक्रम सहित अन्य सभी गतिविधियों को संचालित कर रहा है।

2. सोवा रिग्पा विभाग- सीआईएचटीएस

1. सीआईएचटीएस के सोवा रिग्पा विभाग को शैक्षणिक वर्ष 1993-1994 में स्थापित किया गया था।
2. विभाग का मुख्य उद्देश्य और लक्ष्य है:
 - 2.1. सोवा रिग्पा की पारंपरिक पद्धति को संरक्षित और संवर्धित करना।
 - 2.2. सोवा रिग्पा के छात्रों को अनुभवजन्य शिक्षण के साथ-साथ विषय को तार्किक ढंग से विश्लेषित करने का ज्ञान प्रदान किया जाता है।
 - 2.3. जनसामान्य हेतु स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना।
 - 2.4. सोवा-रिग्पा के शोधकर्ताओं को अनुसंधान कार्य में मार्गदर्शन की सुविधाएं प्रदान करना।
 - 2.5. लुप्तप्राय औषधीय जड़ी-बूटियों एवं उससे निर्मित औषधि की निर्माण प्रक्रिया को संरक्षित करना।
 - 2.6. संवाद एवं समन्वय के माध्यम से अन्य चिकित्सा प्रणालियों के साथ अनुसंधान कर पद्धति को समृद्ध करना।
3. विश्वविद्यालय का सोवा रिग्पा में स्नातक एवं परास्नातक दोनों कार्यक्रम प्रदान करता है।

3. सोवा रिग्पा का यूजी/पीजी कार्यक्रम

- कार्यक्रम : सोवा रिग्पा में स्नातक/परास्नातक/विद्यावारिध कार्यक्रम
- पात्रता : विज्ञान के साथ 12वीं (यूएम II सोवा रिग्पा/ +2, बीएसआरएमएस) और एमडी/एमएस
- प्रवेश का माध्यम : एनसीआईएसएम एनईईटी-एसआर-यूजी / प्रवेश परीक्षा/साक्षात्कार
- कार्यक्रम की अवधि : साढ़े चार वर्ष छ माह के साथ एक वर्ष प्रशिक्ष-प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न करना/तीन साल

सोवा-रिग्पा कार्यक्रम का मूल्यांकन-

- “सोवा रिग्पा” जो तिब्बत की सबसे प्राचीन चिकित्सा विज्ञान है की विभिन्न शाखाओं में छात्रों को प्रशिक्षित किया जाता है।
- तिब्बती चिकित्सा प्रणाली में, सोवा रिग्पा की उत्पत्ति, विकास और इसके विभिन्न आयामों के बारे में गहन ज्ञान प्रदान किया जाता है।
- यहाँ छात्रों को शरीर विज्ञान, शरीर रचना, संकलन, औषध विज्ञान, चिकित्सकीय औषधि, पदार्थ विज्ञान एवं परिचय, विष विज्ञान, प्रसूति, शल्य, नैदानिक मनोविज्ञान, निदान, महामारी विज्ञान और सामान्य चिकित्सा जैसे चिकित्सकीय आयामों के विभिन्न पहलुओं का अच्छा ज्ञान प्रदान कर उन्हें सक्षम भी बनाता है।
- गहन निर्देशित प्रशिक्षण और अन्य चिकित्सकीय यात्राएं छात्रों को निदान और उपचार का प्रत्यक्ष ज्ञान देती हैं। सोवा रिग्पा के विभिन्न उभरते क्षेत्र में छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए अत्यधिक विशिष्ट कार्यक्रम की संरचना की गयी है।
- विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाएँ छात्रों को संबंधित क्षेत्रों में कक्षा में प्राप्त ज्ञान का उपयोग करने का अवसर प्रदान करती हैं।
- जिससे छात्रों को सोवा-रिग्पा में परास्नातक करने, सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवा करने, शोध करने चिकित्सा व्यवसायी के तौर पर तथा चिकित्सक आदि कार्य के लिए सक्षम बनाता है।

4. सोवा- रिग्पा विभाग के संकाय सदस्य एवं कर्मचारी संविदा/निश्चित मानदेय/ दैनिक वेतन भोगी सहित

क्रम संख्या	नाम	पद
1	प्रो. लोबसांग तेनजिंग	पुनः नियुक्त आचार्य
2	डाक्टर दोर्जे दमदुल	सह आचार्य, संकायाध्यक्ष, चिकित्सा अधीक्षक
3	डाक्टर ताशी दावा	सहायक आचार्य विभागाध्यक्ष
4	डाक्टर ऐ.के. राय	अतिथि संकाय
5	डाक्टर छिमी डोलकर	अतिथि संकाय सह-प्रभारी वाईएसआरएच
6	डाक्टर दावा छेरिंग	अतिथि संकाय सह-प्रभारी फार्मसी
7	डाक्टर लोडे मुन्सेल	अतिथि संकाय सह-प्रभारी चिकित्सा
8	डाक्टर तेनजिन डोलेक	अतिथि संकाय सह चिकित्सा सलाहकार
9	डाक्टर पेनपा छेरिंग	अतिथि संकाय सह-प्रभारी वीबी पुस्तकालय
10	डाक्टर कर्मा थर्चिन	फार्मसी सहायक संविदा
11	डाक्टर सांगे खंडो	चिकित्सा सहायक दैनिक वेतन भोगी
12	डाक्टर छेवांग संगमो	आर. एंड डी. सहायक, संविदा
13	डाक्टर वानोयल दोरजी ठकुरी	भेषज संहिता सहायक, संविदा
14	डाक्टर दावा डोलोमा	जोंग सहायक, संविदा
15	डाक्टर नगवांग कुंछेन	भेषज संहिता सहायक, संविदा
16	श्री वी. के. पाटिल	प्रयोगशाला तकनिशियन, संविदा
17	श्रीमती केलसंग वांगमो	तकनीकी एवं व्यक्तिगत सहायक संविदा
18	श्री नीमा छोगेल	इ डी एम जी परियोजना सहयोगी संविदा
19	श्रीमान तेनजिन संग्पो	औषधि वितरक संविदा
20	श्री मस्त राम	कोषपाल संविदा
21	कुमारी सोनम डोल्मा	औषधि वितरक, संविदा
22	कुमारी यून्ड्रुंग वांगमो	औषधि वितरक, संविदा
23	श्री सेंगे वांगचुक	इ डी एम जी परियोजना पर्यवेक्षक, संविदा
24	श्री सोनम फुन्चोक	इ डी एम जी परियोजना चौकीदार, संविदा
25	श्रीमती रिचिन लह्लो	इ डी एम जी परियोजना एम टी एस, संविदा
26	श्री तेनजिन छुन्डे	इ डी एम जी परियोजना एम टी एस, संविदा
27	श्री काशीनाथ प्रजापती	अस्पताल चौकीदार, संविदा
28	श्री लव कुमार	कार्यालय चपरासी, संविदा
29	श्री बृज मोहन भरद्वाज	फार्मसी एम टी एस, संविदा
30	श्री शिव शंकर यादव	फार्मसी एम टी एस, संविदा
31	श्री अनिल कुमार	फार्मसी एम टी एस, दैनिक वेतन भोगी
32	श्री अशोक कुमार	फार्मसी एम टी एस, दैनिक वेतन भोगी
33	श्री रजनीश कुमार	फार्मसी एम टी एस, दैनिक वेतन भोगी

34	श्री संजय कुमार भादवाज	फार्मसी एम टी एस, दैनिक वेतन भोगी
35	श्रीमती सुधा देवी	फार्मसी एम टी एस, दैनिक वेतन भोगी
36	श्री रोहित कुमा राजभर	फार्मसी एम टी एस, दैनिक वेतन भोगी
37	श्री सुनील कुमार राजभर	फार्मसी एम टी एस, दैनिक वेतन भोगी
38	श्री बृज कुमार कनौजिया	आर एंड डी चपरासी संविदा
39	श्री वसीम	अस्पताल एम टी एस, संविदा
40	श्रीमती धन्वन्तरी देवी	अस्पताल एम टी एस, संविदा
41	श्रीमती माला देवी	अस्पताल एम टी एस, संविदा
42	श्रीमती स्वाति कुमारी गोड	अस्पताल एम टी एस, संविदा

5. परिसंवाद, सम्मेलन, विमर्श-गोष्ठी एवं कार्यशाला

- 1 अप्रैल 2023 : व्योवसायिक प्रथम बीएसआरएमएस (18 महीने) के लिए एनसीआईएसएम के अधिनियम के अनुपालन हेतु यथा नए कैलेंडर की तैयारी, महीने के अंत में उपस्थिति की समीक्षा और उसके मूल्यांकन आदि के लिए सोवा-रिग्पा संकाय के संकायाध्यक्ष की अध्यक्षता में संकाय परिषद की बैठक आयोजित की गई।
- 9 अप्रैल 2023 : अनंत कन्वेंशन केंद्र, सारनाथ वाराणसी में भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग के नैतिकता और पंजीकरण परिषद् द्वारा आयोजित (बेरिजम) हील इन इंडिया, हील बाय इंडिया के एक दिवसीय संगोष्ठी में संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, संकाय सदस्य और चिकित्सको ने भाग लिया।
- 22 अप्रैल 2023 : संकाय के संकायाध्यक्ष की अध्यक्षता में संकाय परिषद की बैठक आयोजित की गई जिसमें अस्पताल और शिक्षण कर्मचारियों से सम्बंधित 16 प्रस्तावों की समीक्षा की गई।
- 15-16 मई 2023 : मैन-त्सी-कांग (सोवा रिग्पा) कॉलेज बैंगलोर, कर्नाटक में डॉ. दोरजी दमदुल ने हाइब्रिड के माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए आईएमसीसी 1970 के अधिनियम की धारा 13सी/ एनसीआईएसएम 2020 के अधिनियम, की धारा 28 तथा उससे संबंधित नियमों के अंतर्गत वर्तमान में संचालित ए.एस.यू.एस महाविद्यालयों के निरीक्षण में भाग लिया।
- 22-26 मई 2023 : डॉ. ताशी दावा ने लेह, लद्दाख एवं यूटी में हाइब्रिड माध्यम से शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए आईएमसीसी 1970 के अधिनियम, की धारा 13 सी/ एनसीआईएसएम, 2020 के अधिनियम की धारा 28 और उससे संबंधित नियमों के अंतर्गत मौजूदा महाविद्यालयों के निरीक्षण में भाग लिया।
- 19 अगस्त 2023 : सोवा-रिग्पा के विकास हेतु तथा नवाचार/आविष्कार और उसके लिए (चिकित्सा/ उपकरण) आदि की प्रक्रियाओं के संबंध में सोवा-रिग्पा अनुसंधान एवं विकास समिति की बैठक संकायाध्यक्ष कार्यालय में आयोजित की गई।
- 28 अगस्त से 02 सितंबर 2023 : छह दिवसीय भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) के अल्पकालिक प्रत्यक्ष प्रशिक्षण कार्यक्रम नई दिल्ली में डॉ. ताशी दावा ने सीआईएचटीएस की तरफ से भाग लिया।
- 10 से 16 अगस्त 2023 : डॉ. पेनपा छेरिंग ने धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में एनसीआईएसएम-नीट-एसआर-यूजी परीक्षा पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।
- 4 सितंबर 2023 : शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए सोवा रिग्पा छात्रों की प्रवेशित सूची की तैयारी और उसके आवंटन प्रक्रिया के सन्दर्भ में, संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष ने सोवा-रिग्पा केंद्रीय परामर्श समिति की बैठक, नई दिल्ली में भाग लिया।

- 9 सितंबर 2023 : कर्गुद आदि पर अनुसंधान कैसे करे तथा उसके प्रारूप पर चर्चा के लिए संकायाध्यक्ष कार्यालय में सोवा-रिग्पा अनुसंधान एवं विकास समिति की बैठक आयोजित की गई।
- 20-22 सितंबर 2023 : तीन दिवसीय संगोष्ठी धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश में डॉ. दोर्जे दमदुल और डॉ. जिग्मे मिग्युरे ने भाग लिया।
- 30 सितंबर 2023 : सोवा-रिग्पा अनुसंधान एवं विकास समिति की बैठक संकायाध्यक्ष के कार्यालय में गोरो श्रैचो आदि पर सोवा-रिग्पा में अनुसंधान करने के प्रारूप एवं ढंग पर विचार करने के लिए आयोजित की गई थी।
- 10 अक्टूबर 2023 : संकायाध्यक्ष कार्यालय में सोवा-रिग्पा अनुसंधान एवं विकास समिति की बैठक में दवाओं के विकास तथा उसके प्रभाव/लाभ एवं उसमें अनुसंधान करने तथा उसे अंतिम स्वरूप देने हेतु बैठक आयोजित की गई।
- 16 अक्टूबर 2023 : सोवा-रिग्पा पीएचडी थीसिस (शोध-प्रबंध) की पूर्व प्रस्तुति पर विचार करने के लिए विभाग की विभागीय अनुसंधान समिति (डीआरसी) की बैठक आयोजित की गई।
- 10 नवंबर 2023 : डॉ. दोर्जे दमदुल ने बीएचयू में आयुर्वेद दिवस समारोह के कार्यक्रम में भाग लिया तथा स्वास्थ्य के लिए आयुर्वेद विषय पर व्याख्यान दिया।
- 1-3 फरवरी 2024 तक दिरांग, अरुणाचल प्रदेश में डॉ. दोर्जे दमदुल ने उत्तर पूर्व के क्षेत्रीय कार्यशाला सोवा-रिग्पा में भाग लिया तथा सोवा-रिग्पा के सिद्धांत और अभ्यास तथा चिकित्सकों के लिए आवश्यक गुणों पर व्याख्यान दिया।
- 1-3 फरवरी 2024 : डॉ. न्यिमा सैमडुप प्रशिक्षु छात्रों के साथ दिरांग, अरुणाचल प्रदेश में सोवा-रिग्पा और उत्तर पूर्व के औषधीय पौधों के क्षेत्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- 9 फरवरी 2024 : डॉ. ताशी दावा ने नई दिल्ली में "भारतीय चिकित्सा पद्धति की राष्ट्रीय स्तर परीक्षा के लिए तकनीकी समिति के गठन" की संगोष्ठी में भाग लिया।
- 13 फरवरी 2024 : पुनः डॉ. ताशी दावा ने एनसीआईएसएम कार्यालय, नई दिल्ली में "एनटीईटी के लिए दूसरी तकनीकी संगोष्ठी" में भाग लिया।

6. प्रशिक्षण कार्यक्रम, व्याख्यान शृंखला एवं संवाद

- 10 मई से 10 जून 2023 : प्रशिक्षण-प्रशिक्षु समिति ने प्रशिक्षु छात्रों के लिए आईपीडी हॉल में एक महीने के लिए प्रतिदिन शाम 4:00 बजे से 05:30 बजे तक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम (जीवन रक्षा प्रशिक्षण/प्राथमिक उपचार का आयोजन डॉ. विष्णु, निदेशक/प्रिंसिपल, शिव सर्जिकल नर्सिंग स्कूल, पहड़िया, वाराणसी के निर्देशन में किया गया।
- 25 जुलाई 2023 : कनिष्ठ प्रशिक्षु छात्रों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम पीजीआरएच/वाईएसआरसीएच के स्मार्ट कक्ष में आयोजित किया गया।
- 11 से 31 अगस्त 2023 : डॉ. नगावांग कुंचेन के नेतृत्व में, बीएसआरएमएस चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने हिमालय क्षेत्र, तवांग, अरुणाचल प्रदेश में वार्षिक चिकित्सा भ्रमण का सफलतापूर्वक किया। जिसमें उन्होंने जड़ी-बूटियों की पहचान, मूल्यांकन के साथ उनका परीक्षण भी किया और परिसर में लौटने के उपरांत उसे मूल्यांकन पत्रक पर परीक्षा इकाई को प्रस्तुत किया एवं इसके साथ ही समस्त छात्रों द्वारा सोवा-रिग्पा संकाय सदस्यों और छात्रों के समक्ष छात्रों द्वारा अर्जित ज्ञान की समूह प्रस्तुति भी की गई।
- 8 सितंबर 2023 : बीएसआरएमएस चतुर्थ वर्ष के छात्रों ने तवांग अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रों में अपने चिकित्सकीय भ्रमण के संपन्न होने के बाद सभी संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ अपना ज्ञान और अनुभव साझा किया।



योग दिवस समारोह



राष्ट्रीय सोवा-रिग्वा दिवस महोत्सव

7. अभिविन्यास कार्यक्रम

9 से 23 अक्टूबर 2023 : एनसीआईएसएम, नई दिल्ली द्वारा आवश्यकता अनुसार निर्धारित पाठ्यक्रम के अंतर्गत, सोवा रिग्वा विभाग, केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ने शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के 15 दिनों के लिए संक्रमणकालीन पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया था। इस कार्यक्रम में प्री टेस्ट, पोस्ट टेस्ट, फीडबैक, प्रदर्शन, ओरिएंटेशन व्याख्यान, प्रेरक व्याख्यान, ध्यान, कंप्यूटर कौशल, जीवन की मूलभूत आवश्यकता, व्यक्तित्व विकास, लक्ष्य निर्धारण, भाषा एवं साहित्य आदि विषयों को शामिल किया गया।

8. एनसीआईएसएम नीट एसआर-यूजी परीक्षा

एनसीआईएसएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली ने सीआईएचटीएस को शीघ्रतापूर्वक सफल परीक्षा संचालन करने वाली एक संस्थान के रूप में नामित किया है। भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग ने सोवा-रिग्वा स्नातक के लिए राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा शैक्षणिक सत्र 2023-2024 (एनसीआईएसएम एनईईटी एसआर-यूजी-2023-2024) परीक्षा जिसे विभाग द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न किया।

9. निरीक्षण

- 2 मई 2023 : मेडिकल असेसमेंट एंड रेटिंग बोर्ड ऑफ इंडियन सिस्टम ऑफ मेडिसिन, मर्बिजम एनसीआईएसएम नई दिल्ली की निरीक्षण टीम ने विभाग का दौरा/निरीक्षण किया।
- 1 और 2 जून 2023 : एनसीआईएसएम के निर्देशन में राष्ट्रीय शैक्षिक योजना और प्रशासन संस्थान (एनआईपीए) के विशेषज्ञों ने विभाग का निरीक्षण किया।

10. संकाय सदस्यों द्वारा प्रकाशन:

1. चरकसंहिता, खंड-चतुर्थ, आईएसबीएन 9789395086-06-6(एचबी)
2. चरकसंहिता, खंड-पंचम, आईएसबीएन 9789395086-09-7(एचबी)
3. चरकसंहिता, खंड-षष्ठम, आईएसबीएन 9789395086-15-8(एचबी)
4. चरकसंहिता, खंड-सप्त, आईएसबीएन 9789395086-22-6(पीबी)
5. चरकसंहिता, खंड-अष्ट, आईएसबीएन 9789395086-26-4(एचबी)
6. चरकसंहिता, खंड-नवम, आईएसबीएन 9789395086-23-3(एचबी)
7. सोवा-रिग्वा शरीर रचना पुस्तक आईएसबीएन 9789391092894

11. पाठ्यक्रम/पाठ्यक्रम रूपरेखा

- 19 से 20 फरवरी 2024 : भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग द्वारा सीआईएचटीएस सोवा-रिग्वा, विभाग सारनाथ के सहयोग से पेशेवर बीएसआरएमएस द्वितीय के पाठ्यक्रम को ढाचागत स्वरूप देने हेतु एक प्रत्यक्ष कार्यशाला सीआईएचटीएस के एपी गेस्ट हाउस आयोजित की गई थी।

- बीएसआरएमएस मौखिक परीक्षण पाठ्यक्रम को एनसीआईएसएम आयुष मंत्रालय भारत सरकार के राजपत्र अधिसूचना एमएसई के अनुसार संशोधित कर तैयार किया गया।

12. स्वास्थ्य सम्बंधित कार्यक्रम

- 07 अप्रैल 2023 : प्रोफेसर लोबसांग तेनजिन रगदो ने विश्व स्वास्थ्य दिवस पर व्याख्यान दिया।
- 10 मई से 10 जून 2023 : एक माह का प्रशिक्षु छात्रों के लिए प्राथमिक उपचार हेतु चिकित्सा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।
- अगस्त 2023 : एक माह का योग प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया।
- 11 अक्टूबर 2023 : डॉ. कर्मा वांगडक पालपुंग विश्वविद्यालय बीर, हिमाचल प्रदेश वांगडक ने विभाग के सदस्यों के लिए स्वास्थ्य पर व्याख्यान दिया।
- 16 नवंबर 2023 : युथोक अस्पताल में निःशुल्क नेत्र चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन।
- 25 दिसंबर से 25 जनवरी 2024 : बोधगया में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन।



निःशुल्क चिकित्सा शिविर



निःशुल्क नेत्र चिकित्सा परीक्षण शिविर

13. लुडूब औषध विज्ञान एवं प्रशिक्षणशाला -

ए : लक्ष्य और उद्देश्य:

- सोवा-रिग्पा औषध विज्ञान की प्रक्रियाओं पर व्यावहारिक प्रशिक्षण देना।
- युथोक सोवा-रिग्पा अस्पताल में उपचार हेतु आने वाले रोगियों के लिए नियमित सोवा-रिग्पा उत्पादों और आपूर्ति को सुनिश्चित करना।
- सोवा-रिग्पा उत्पादों के सूत्रीकरण की गुणवत्ता को मानकीकृत और सुनिश्चित करना।
- छात्रों में नए उत्पादों पर शोध और नवाचार की गतिविधियों में रुचि बढ़ाना।

बी : वर्तमान समय में इकाई में जनशक्ति

क्रम संख्या	पद /श्रेणी	स्थायी	अतिथि संकाय	संविदा (निश्चित मानदेय)	दैनिक वेतन भोगी
1	प्रबंधक/कार्य-प्रभारी	-	1	-	-
2	सहायक प्रबंधक/कार्य-प्रभारी	-	1	-	-
3	बहुविध कार्य कर्मचारी	2	-	1	6
	कुल		11		

सी : कच्ची औषधि / सामग्रियों का विवरण

कच्ची औषधि श्रोत		मात्रा (किग्रा)	मात्रा (ली)	मात्रा (पैकेट/सं)
1	हिमालयन क्षेत्र (एचआर)	433.580	0	0
2	क्षेत्रीय किसान /बाजार (एलफम)	3708.770	1798.000	400
3	वनौषधि उद्यान (केएचजी)	734.715	0	0
4	इडीएमजी, तवांग परियोजना (इडीएमजी)	73.155	0	0
5	संकलित एवं दान (सी एण्ड डी)	37.689	0	0
कुल		4987.909	1798.000	400

डी : कच्ची सामग्रियों का वार्षिक उपयोग

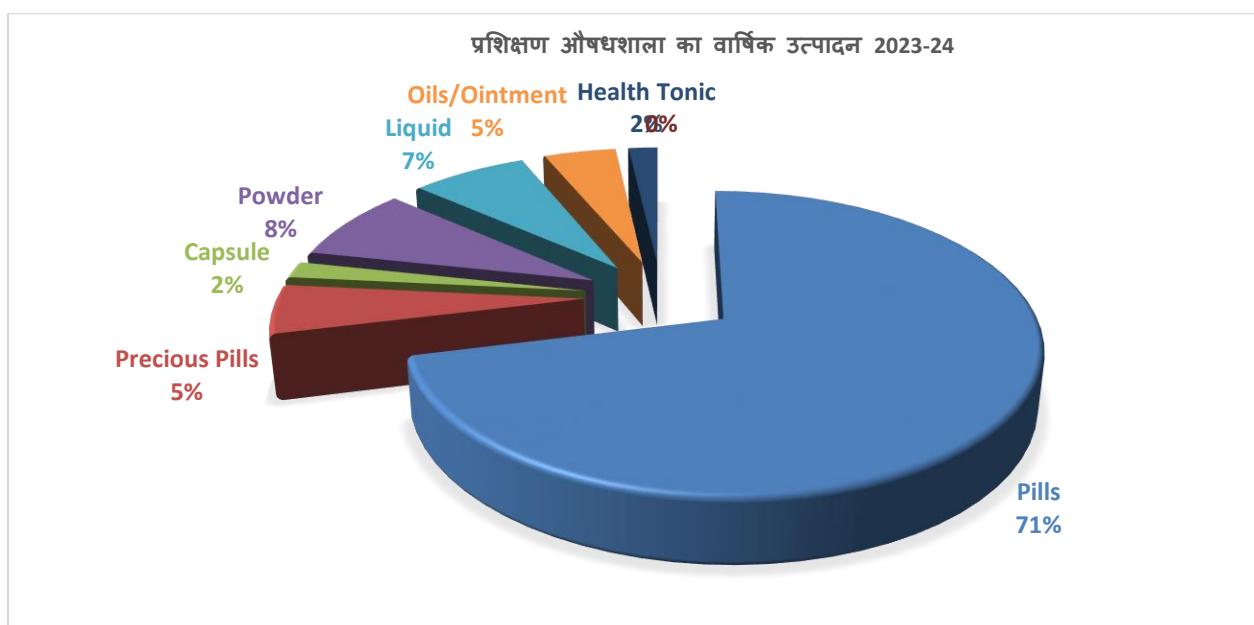
क्रमांक	प्रयुक्त औषधि	उपयोग (किलोग्राम में)
1	गोली	1354.808
2	पवित्र गोली	33.339
3	कैप्सूल	16.400
4	चूर्ण	310.360
5	पेय	963.002
6	तेल/मलहम	1559.055
7	शक्तिवर्धक पेय	1116.765
8	सुगंध	0
9	शोध/प्रयोग	197.335
10	शोधन/विषहरण	128.898
11	प्रतिदर्श/प्रदर्शनी	1.123
कुल		5681.085

इ : तैयार उत्पादों का विवरण

क्रम	उत्पाद	उत्पादों के प्रकार	प्रारम्भिक शेष	वार्षिक उत्पादन	वार्षिक निर्गत	वार्षिक क्षरण	वास्तविक शेष
1	गोली	105	130120	2189800	2288420	0	31500
2	पवित्र गोली (प्रति इकाई की मात्रा)	9	593	5813	5898	0	508
3	कैप्सूल (प्रति इकाई की मात्रा)	3	9000	31800	31800	0	9000
4	चूर्ण (प्रति इकाई की मात्रा)	18	384	12902	11196	0	2090

संकाय

5	पेय (प्रति इकाई की मात्रा)	9	660	10542	11147	0	55
6	तेल/मलहम (प्रति इकाई की मात्रा)	7	140	11220	10877		483
7	शक्तिवर्धक पेय (प्रति इकाई की मात्रा)	8	0	1431	1431	0	0
8	सुगंध (प्रति इकाई की मात्रा)	6	0	0	0	0	0



14. यूथोक सोवा-रिंग्पा अस्पताल

क्रम सं.	माह	मानार्थ	रोगी	बाह्य रोगी		विद्यार्थी	विद्यार्थी रोगी		कुल रोगी	कार्य दिवस
				पुरुष	महिला		पुरुष	महिला		
1	अप्रैल	7	1400	649	751	110	45	65	1517	24
2	मई	1	1580	730	850	122	52	70	1703	25
3	जून	4	1375	640	735	29	9	20	1408	26
4	जुलाई	8	1593	761	832	110	36	74	1711	25
5	अगस्त	2	1691	851	840	109	39	70	1802	26
6	सितम्बर	0	1725	815	910	109	32	77	1834	26
7	अक्टुबर	2	1666	811	855	108	37	71	1776	24
8	नवम्बर	1	1620	722	898	81	34	47	1702	24
9	दिसंबर	0	1805	838	967	71	30	41	1876	23

10	जनवरी	0	1893	926	967	93	36	57	1986	25
11	फरवरी	0	1467	664	803	85	34	51	1552	20
12	मार्च	14	1833	890	943	104	40	64	1951	23
महायोग		39	19648	9297	10351	1131	424	707	20818	291

15. उपचार इकाई

सोवा-रिग्पा उपचार इकाई युथोग सोवा-रिग्पा अस्पताल की एक इकाई के रूप में 2017 से अर्थात् स्थापना के साथ ही पारंपरिक पद्धति से स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान कर रहा है। जिसका प्रारम्भिक उद्देश्य रोगियों का उपचार करना एवं कचुपा (बीएसआरएमएस) के छात्रों के लिए प्रशिक्षण-शिक्षण की व्यवस्था करना। बीएसआरएमएस कार्यक्रम प्रशासित उपचार सोवा-रिग्पा मेनपास के 4 अलग-अलग ओपीडी से रेफरल पर आधारित हैं। सोवा-रिग्पा अस्पताल में कुल 4 अलग-अलग बहिरंग विभाग हैं जहाँ निर्देशित या भेजे गए मरीजों को देखा जाता है।

संबंधित बीमारियों के रोगी उपचार इकाई के चिकित्सा अधिकारियों, सहायक चिकित्सक आदि के देख-रेख में व्यक्तिगत उपचार प्रदान करते हैं जिसका मरीजों को चिकित्सीय प्रभावों और प्रक्रियाओं का वास्तविक समय पर अनुभव प्रदान मिलता है।

• एसआर-उपचार इकाई में उपलब्ध सेवाएँ:

उपचार इकाई विभिन्न प्रकार सेवा प्रदान करता है, जिसमें एसनस मेन, शेल, जमत्से, जुग्पा, जंगबम, शेल बम, आरलैंगलम्स, काम खाप, जीटीआर और संक्रमण विहीन उपचार शामिल हैं।

बीएसआरएमएस छात्रों को व्यावहारिक ज्ञान और कौशल विकास की दृष्टि नसे उन्हें इन उपचारों से अवगत कराया जाता है। विशेष रूप से प्रशिक्षु छात्रों को चिकित्सकीय अनुभव प्राप्त करने के लिए उन्हें मरीजों को हर दृष्टि में चिकित्सक को सहयोग करने दिया जाता है।

• एसआर-चिकित्सा की वार्षिक यात्रा की स्थिति (2023-2024):

1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 - सोवा-रिग्पा पद्धति द्वारा उपचारित रोगियों की कुल संख्या इस प्रकार है:

क्रमांक	माह / वर्ष	पुरुष रोगी	महिला रोगी	कुल रोगी	कार्य दिवस
1	अप्रैल 2023	119	153	272	23
2	मई 2023	154	205	359	25
3	जून 2023	124	176	300	26
4	जुलाई 2023	147	185	332	25
5	अगस्त 2023	182	166	348	26
6	सितम्बर 2023	203	240	443	25
7	अक्टूबर 2023	175	194	369	20
8	नवम्बर 2023	134	170	304	20
9	दिसंबर 2023	123	137	260	20
10	जनवरी 2024	106	153	259	21
11	फरवरी 2024	88	116	204	19
12	मार्च 2024	153	200	353	22
	कुल	1708	2095	3803	272

सोवा-रिग्पा उपचार इकाई ने मरीजों को पारंपरिक स्वास्थ्य सेवाएं निरंतर गतिमान है। कोविड महामारी के उपरांत में उपचार प्राप्त करने वाले रोगियों की संख्या में काफी वृद्धि हुई है। एसआर उपचार इकाई न केवल रोगियों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों को पूरा करती है, बल्कि साथ ही साथ बीएसआरएमएस कार्यक्रम के कचुपा छात्रों को शिक्षित-प्रशिक्षित भी करती है। एक अकादमिक विनिमय कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, एसआर विभाग, एनआईटी, गंगटोक, सिक्किम के प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया।

उपचार इकाई छात्रों को गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवा-प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, इसके अतिरिक्त पारंपरिक पद्धति से स्वास्थ्य सेवा के संरक्षण एवं परम्पराओं के प्रचार प्रसार में योगदान देना है।

16. फार्माकोपिया इकाई

आज विश्व स्तर पर सोवा-रिग्पा चिकित्सा पद्धति के प्रति लोगो का रुझान-रुचि एवं जागरूकता बढ़ रही है परिणाम स्वरूप सोवा-रिग्पा दवाओं एवं औषध उत्पादों की मांग में निरंतर वृद्धि हो रही है, विशेषतः अपने देश भारत में सोवा-रिग्पा उपचार लेने वाले रोगियों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। किसी भी औषध उत्पाद/दवा की सामान्य वैज्ञानिक स्वीकार्यता के लिए आवश्यक है कि उसके निर्माण प्रक्रिया की गुणवत्ता को नियंत्रित कर मानकों का अनुपालन किया जाये। आज के परिवेश में वैज्ञानिक मानकों पर सोवा-रिग्पा की शुद्धता क्रियाशीलता प्रभावकारिता को प्रमाणित करना अनिवार्य रूप से आवश्यक है। इसलिए, सोवा-रिग्पा विभाग ने औषध कोश इकाई को स्थापित किया है जिसका कार्य औषध कोश मानकों के अनुसार साहित्य को प्रकाशित करना तथा दुर्लभ पाठ्य पुस्तक को सुरक्षित और संरक्षित करना, चारों तरफ बिखरे पड़े साहित्य को संकलित करना तथा उसको प्रसारित एवं प्रकाशित करना तथा अन्य समतुल्य संस्करण को पुनः संकलित कर प्रकाशित करना ताकि तिब्बती चिकित्सा के विद्यार्थियों को पूरक पाठ्य पुस्तक के रूप में उपलब्ध कराया जा सके।

ए: परियोजना का लक्ष्य एवं उद्देश्य:-

- सोवा-रिग्पा उत्पाद का क्यू.सी. (गुणवत्ता नियंत्रण) और क्यू.ए. (गुणवत्ता आश्वासन) प्रदान करना।
- एक प्रामाणिक भैषज्य कोश ग्रन्थ प्रकाशित करना।
- सोवा-रिग्पा औषधि निर्माण सामग्री विधि के बारे में जानकारी प्रदान करना।

बी: पूर्ण कार्य एवं प्रगतिशील कार्य:

- सोरिग विभाग के विभागाध्यक्ष के निर्देशानुसार "सोवा-रिग्पा एनाटॉमी पुस्तक" का संकलन किया गया।
- को-बायी 13 फॉर्मूलेशन का विवरण पूरा हो गया है।
- "अगार-8" और "क्यूंग-नगा" का विस्तृत सूत्रीकरण का कार्य प्रगति में है।

17. विभागाधीन अनुसंधान इकाई:

ए: पूर्ण कार्य :

- लगभग 300 पृष्ठों के भारत सरकार के राजपत्र का हिंदी में अनुवाद (एसआर यूजी एमएसई, एमईएस और एमएसआर)। (प्रकाशित)
- प्रारम्भिक अध्ययन पूर्ण - विषय- निद्रा विकार (अनिद्रा) पर योगनिद्रा का प्रभाव।
- प्रारम्भिक अध्ययन पूर्ण विषय- विषय- चिंता (न्यूरोसिस) पर प्राणायाम का प्रभाव।
- प्रारम्भिक अध्ययन पूर्ण विषय- उच्च रक्तचाप पर गहन विश्राम का प्रभाव।

बी: अन्य कार्य:

- मनोचिकित्सा पद्धति से रोगियों की सहायता ।
- योग तकनीक से मनोदैहिक की सहायता किया ।
- नैदानिक मनोविज्ञान विषय के अंतर्गत व्यवहार विकार और मनोचिकित्सा पर (बीएसआरएमएस द्वितीय और तृतीय वर्ष) कक्षाएं ।
- समन्वयक के रूप में बीएसआरएमएस के प्रशिक्षु छात्रों का मार्गदर्शन एवं सहायता ।
- संकाय के पीएचडी कार्यक्रम का समन्वयक ।
- एनसीआईएसएम की कार्यशाला में सहभागिता ।
- वर्ष 2022-2023 के वार्षिक प्रतिवेदन का हिंदी में अनुवाद करें ।
- संस्थान की वेबसाइट के लिए हिंदी में अनुवाद ।
- राजभाषा समिति सदस्य के रूप में राजभाषा के कार्य सहयोग ।
- सोवा-रिग्पा अभिविन्यास कार्यक्रम में व्यक्तित्व विकास और योग पर व्याख्यान ।
- आएक्यूसी के कार्य में सहयोग ।

सी: भविष्य के शोध कार्य:

- जड़ी-बूटियों की खेती के लिए (अरुणाचल प्रदेश) हेतु एक परियोजना तैयार करना ।
- छात्रों एवं अन्तरंग एवं बहिरंग रोगियों के तनाव एवं दबाव का प्रबंधन ।
- प्रोफेसर एल तेनज़िन (तिब्बती-मनोविज्ञान या मनोचिकित्सा) की सहायता से हिंदी में चित्त-विज्ञान पुस्तक लेखन का कार्य ।
- पी-एच.डी. छात्रों को शोध कार्य पूर्ण करने में सहयोग करना ।
- मधुमेह और कुछ अन्य जीर्ण व्याधियों का शास्त्रीय उपचार (हवनचिकित्सा) के प्रभाव पर शोध ।

18. (संरक्षित पौध) हर्बेरियम इकाई

ए: उद्देश्य एवं लक्ष्य:-

- सोवा-रिग्पा आधारित औषधीय जड़ी-बूटियों की सही पहचान, उपयोग तथा अध्ययन की सुविधा प्रदान करना ।
- सोवा-रिग्पा में उपयोग के उपयोग में आने वाली जड़ी-बूटियों और खनिजों के बारे में छात्रों के ज्ञान को सहज एवं सरल बनाना ।
- हर्बेरिया शीट के माध्यम से पौधों के नमूनों को विलुप्त होने या लुप्तप्राय होने से बचाना ।
- प्रत्येक जड़ी-बूटी के गुणवत्ता मानक में सुधार करना ।

बी: हर्बेरियम कार्य:-

- मनाली, गाशा, स्फीति, मणिकरण और हिमाचल प्रदेश के अन्य क्षेत्रों तथा अरुणाचल प्रदेश के तवांग क्षेत्र से कुल 1250 हर्बेरिया नमूने एकत्र किए गए ।
- सोवा-रिग्पा (के.उ.ति.शि. संस्थान) के कालचक्र उद्यान से कुल 63 जड़ी-बूटियों को एकत्रित कर हर्बेरियम शीट पर अलग से संलग्न किया गया ।
- कुल 621 हर्बेरिया नमूने क्यूरेट कर (माउंटिंग और लेबलिंग) किए गए ।
- सोवा-रिग्पा औषध निर्माण के उपयोग में आने वाले खनिजों, प्राकृतिक लवणों, पेड़ों और जड़ी-बूटियों के कुल 197 कच्ची औषधियों के नमूने को हर्बेरियम इकाई में अलग से रखा गया ।

- हिमालय क्षेत्र से एकत्र की गई जड़ी-बूटियों के कुल 169 नमूने को प्रपत्र में उद्धृत किया गया जिनमें से 62 जड़ी-बूटियों को तिब्बती और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में भरा गया है।

सी: भविष्य की परियोजनाएं:-

- नमूनों को प्रपत्र में भरने का कार्य जारी रखना।
- कालचक्र उद्यान (सीआईएचटीएस) और भारत के अन्य हिमालयी क्षेत्रों से जड़ी-बूटियों पर अधिक मात्र में संग्रह कर और शोध करना।
- ट्रांस-हिमालयी क्षेत्रों (भारत, नेपाल आदि) में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियों की सही पहचान करने के लिए सम्बंधित क्षेत्र में क्षेत्रीय कार्य करना।
- छात्रों के लिए जड़ी-बूटी आधारित ग्रीष्मकालीन परियोजना आवंटित करना चाहे वह परिसर के अंदर या बाहर।
- पौधों के नमूनों की डीएनए फिंगर प्रिंटिंग और दुर्लभता और विलुप्त होने के समय में संभावित प्रसार के लिए उनके जीन को संरक्षित करना।
- जीपीएस प्रत्येक संग्रह के लिए मानकों को बनाए रखने के लिए विभिन्न स्थानों से नमूनों का समन्वित संग्रह करता है।
- जीपीएस के द्वारा विभिन्न स्थानों से संग्रहित प्रत्येक नमूनों के मानकों को बनाए रखने में सहजता होगी।

19. इडीएमजी परियोजना



तवांग में औषधीय उद्यान, परियोजना (ईडीएमजी) की स्थापना अनुसंधान, विकास और संरक्षण के लिए एक महत्वपूर्ण कार्य है। जो हिमालय पर्वत श्रृंखला के गोद में उपजने वाली दुर्लभ जड़ी-बूटियों और औषधीय पौधों के संरक्षण पर आधारित है। इस 2008 परियोजना को केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के सोवा-रिग्पा विभाग, द्वारा प्रारम्भ किया गया था। इसने अब तक कई चुनौतियों का सामना कर लिया है और अब इसे सफलतापूर्वक संचालित करने की आवश्यकता है। परियोजना अब गुणात्मक और मात्रात्मक रूप से विकसित होने की मजबूत स्थिति में है।

परियोजना मुख्य स्थल, मेनमा-ग्यालम (5.47 एकड़), तवांग के मुख्य बाजार से लगभग 20 किमी दूरी पर स्थित है। जिसे लोहे के तार की बाड़ से सुरक्षित किया गया है, जिसमें अनाधिकृत व्यक्तियों का प्रवेश वर्जित है। चूंकि यह स्थल ढलानदार चट्टानी पहाड़ों पर स्थित है, इसलिए हमने जड़ी-बूटियों के रोपण एवं संरक्षण की आवश्यकताओं को को

ध्यान में रखकर कुछ क्षेत्रों में काउंटर टैरेस का निर्माण करा दिया है। वर्तमान में, लगभग 50 विभिन्न प्रकार के प्रजातियों की जड़ी-बूटियों और पौधों मौजूद हैं।

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र में स्थित मोन-तवांग जिला अरुणाचल प्रदेश के, तिब्बत और भूटान देश के साथ सीमा से जुड़ा है। यह क्षेत्र विविध वनस्पतियों, जीवों और सुरम्य परिवेश तथा अपने प्राकृतिक सुंदरता के लिए प्रसिद्ध है। अपनी अनूठी जैव विविधता से समृद्ध यह जिला समुद्र तल से लगभग 3,500 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।

तिब्बती पठार की विशेषता को अपने में समाहित किये यह क्षेत्र कई दुर्लभ और औषधीय गुणों से युक्त पौधों, फूलों और जंगली जानवरों का घर है। भारत के गर्म मैदानी क्षेत्रों की तरह तवांग जिले के निचले इलाकों यानी लुमला तहसील क्षेत्रों में संतरे, आंवला, आम, खुरमा, अखरोट और नीम के पेड़ और फल पाए जाते हैं तथा उनकी खेती की जाती है। इसके अतिरिक्त, जिले में घने जंगल, शानदार झरने, नदियाँ, झीलें और शांत लैगून हैं, जो इसके प्राकृतिक आकर्षण और पारिस्थितिक समृद्धि में अपना निरंतर योगदान करते हैं। तवांग की विशिष्टता इनके स्थानीय निवासी है जिनमें धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था अत्यंत गहरी है, जो इनमें पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों के प्रति इनकी रुचि को दर्शाते हैं।

वर्तमान समय ईडीएमजी परियोजना में जनशक्ति: -

1. परियोजना सहयोगी-1
2. बहुविकल्पी कर्मचारी-3

तवांग स्थित ईडीएमजी परियोजना के संवर्धन और भावी विकास हेतु योजना-

1. मेनमाग्यालम परियोजना स्थल के उचित देख-रेख का कार्य
2. लुमला, तवांग में युथोक चिकित्सालय के इकाई की स्थापना
3. यहाँ कार्यालय में जड़ी-बूटियों का छोटे हर्बेरियम अर्थात संग्रहालय की स्थापना
4. अतिरिक्त वृक्षारोपण कार्य हेतु भूमि का क्रय:
 - 4.1 तख्तसांग वृक्षारोपण कार्य हेतु भूमि का क्रय
 - 4.2 तारबू में वृक्षारोपण कार्य हेतु ज़मीन में भूमि का क्रय
 - 4.3 खिन मे वृक्षारोपण हेतु भूमि का क्रय

20. निदान इकाई

- सोवा-रिग्पा निदान इकाई में 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 के मध्य लगभग 1023 मरीज आए जिनके विभिन्न रोगों के निदान हेतु रक्त, मूत्र, मल, बलगम आदि का परीक्षण किया गया।
- प्रति वर्ष सोवा-रिग्पा बीएसआरएमएस के छात्र आवश्यक व्यावहारिक ज्ञान परीक्षण और प्रौद्योगिकी को समझने सीखने हेतु प्रयोगशाला में आते हैं।
- सोवा-रिग्पा निदान इकाई में विभिन्न क्षेत्रों से विभिन्न प्रकार के रोगी की परीक्षण के लिए आते हैं, सभी को सामान सुविधा प्रदान की जा रही है चाहे वह बहिरंग -अन्तरंग या उपचार इकाई से सम्बंधित हो।
- सोवा-रिग्पा निदान इकाई में मध्य प्रदेश, बिहार, बलिया, गाज़ीपुर, चंदौली, मिर्ज़ापुर, भदोही, जौनपुर, आजमगढ़, देवरिया, मऊ आदि जिलों के विभिन्न क्षेत्रों से मरीज आ रहे हैं।

21. विभाग के भविष्य की योजना

नवनिर्मित अलग-अलग शैक्षणिक और अस्पताल भवन के निर्माण के साथ एक पूर्ण सोवा-रिग्पा उत्कृष्ट केंद्र की स्थापना और विकास।



- प्रोफेसर लोबसांग तेनज़िन की प्रगतिशील परियोजना जुत्शी एवं दावे ग्यालपो पर टिप्पणी
- गतिशील परियोजना "तिब्बती चिकित्सा में फार्माकोपिया"।
- गतिशील परियोजना तिब्बती और अंग्रेजी में "हर्बेरियम नमूना"।
- औषधीय जड़ी-बूटियों उसके उत्पादों के सूत्रीकरण पर शोध।
- सोवा-रिग्पा के माध्यम से स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य सेवा प्रदान कर उसमें सुधार करना।
- दूरस्थ क्षेत्र में मातृ-शिशु स्वास्थ्य देखभाल के माध्यम से स्त्री रोगों पर सोवा-रिग्पा दवाओं की प्रभावशीलता की समझ को विकसित करना।
- चिकित्सा की अन्य प्रणालियों साथ मिल कर जीर्ण और संक्रामक रोगों पर नैदानिक अनुसंधान करना।
- अन्य विश्वविद्यालयों (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) के सहयोग से दवा के मानकीकरण पर शोध करना।
- भारतीय चिकित्सा विज्ञान के प्राचीन पुस्तकों का तिब्बती भाषा में अनुवाद करना।
- उच्च ऊंचाई वाले लुप्तप्राय और दुर्लभ प्रजातियों पौधों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए तवांग, अरुणाचल प्रदेश में वनौषधि उद्यान की स्थापना की गई।
- स्नातक कार्यक्रम में छात्रों की संख्या में वृद्धि करना।
- सोवा-रिग्पा परास्नातक कार्यक्रम के दूसरे वर्ग को शुरू करना।
- पीजी एवं पी.एचडी में अधिक कार्यक्रमों के संचालन के निमित्त विशेषज्ञता हेतु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम प्रारम्भ करना।
- अंतरराष्ट्रीय तथा वैश्विक स्तर पर सोवा-रिग्पा को बढ़ावा देना तथा वृहद् स्तर पर रोगियों की सेवा करना।
- नए शैक्षणिक और अस्पताल भवन के अलग से निर्माण के साथ पूर्ण विकसित सोवा-रिग्पा उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना और विकास करना।
- निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु शैक्षणिक और अस्पताल प्रबंधन में अधिक जनशक्ति की भर्ती करना।

डॉ. दोर्जे दमदुल, संकायाध्यक्ष सोवा रिग्पा और भोटज्योतिष संकाय

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 में विभिन्न संगोष्ठी, कार्यशालाओं तथा कार्यक्रम आदि में भाग लिया:

- आयोजक एवं वक्ता, अभिविन्यास कार्यक्रम: बीएसआरएमएस प्रोफेशनल-I
- वक्ता, वरिष्ठ छात्र अभियान, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी
- दिरांग, अरुणाचल प्रदेश में सोवा रिग्पा और उत्तर पूर्व के औषधीय पौधों पर क्षेत्रीय कार्यशाला
- आयुर्वेद दिवस समारोह, अतिथि/वक्ता, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू)

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 में पाठ्यक्रम रूपरेखा को तैयार किया गया:

- बीएसआरएमएस प्रोफेशनल-II पाठ्यक्रम एनसीआईएसएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के नियमों और निर्देशों के अनुसार पाठ्यक्रम रूपरेखा को तैयार किया गया।
- बीएसआरएमएस मौखिक परीक्षा (एमएसई) को राजपत्र अधिसूचना, एनसीआईएसएम, आयुष मंत्रालय के अनुसार संशोधित किया गया।

शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के दौरान उन्हें आवंटित प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ:

1. चिकित्सा अधीक्षक, युथोग सोवा रिग्पा अस्पताल, सीआईएचटीएस, सारनाथ
2. मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ), सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी
3. अध्यक्ष, नवीन वेबसाइट विकास समिति, सीआईएचटीएस, सारनाथ
4. पर्यवेक्षक, स्वास्थ्य देखभाल केंद्र, एसडब्ल्यूए, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी
5. अध्यक्ष, छात्रावास परिसर में एक नैदानिक मनोवैज्ञानिक की नियुक्ति
6. अध्यक्ष, क्लिनिक दवाओं की खरीद, स्वास्थ्य देखभाल केंद्र, एसडब्ल्यूए
7. अध्यक्ष, प्रकाशन एवं मीडिया सेल, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी
8. निदेशक, एनसीआईएसएम-एनईईटी एसआर यूजी, शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए
9. अध्यक्ष, स्क्रीनिंग कमेटी, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी
10. संकायाध्यक्ष, सोवा रिग्पा और भोटज्योतिष संकाय (2021-2024) और (2024-2027)
11. संकायाध्यक्ष शिल्पा विद्या संकाय। (2021-2024) और (2024-2027)
12. सदस्य, अकादमिक परिषद, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी
13. सदस्य, सोवा रिग्पा, एनसीआईएसएम, आयुष मंत्रालय की सलाहकार समिति
14. एनसीआईएसएम पर्यवेक्षक, कॉलेज निरीक्षण के लिए विजिटेशन पर्यवेक्षक
15. अध्यक्ष, स्वास्थ्य देखभाल केंद्र, एसडब्ल्यूए, सीआईएचटीएस में औषधि क्रय
16. अध्यक्ष, चिकित्सा उपकरण क्रय समिति, सोवा रिग्पा भवन,
17. सदस्य, एनसीआईएसएम-एनईईटी एसआर यूजी परीक्षा के लिए तकनीकी समिति
18. अध्यक्ष, वित्तीय सहायता समिति, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी
19. अध्यक्ष, एड-हॉग सेवा समिति, सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी
20. सदस्य, एमटीकेडी स्नातकों के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम, बेरिजम, एनसीएसएम, दिल्ली
21. सदस्य, एनआईएसआर, लेह लद्दाख की शैक्षणिक और वैज्ञानिक सलाहकार समिति
22. सदस्य, सोवा रिग्पा केंद्रीय परामर्श समिति (एसआरसीसीसी), एनसीआईएसएम
23. सदस्य, अध्ययन बोर्ड, सिंधु विश्वविद्यालय लद्दाख,
24. सदस्य, राष्ट्रीय सोवा रिग्पा लेह संस्थान, लद्दाख की कार्यकारी परिषद
25. गाइड, सोवा रिग्पा पीएच.डी., सीआईएचटीएस, सारनाथ, वाराणसी
26. अध्यक्ष, विभागीय अनुसंधान समिति, सोवा रिग्पा विभाग
27. सदस्य, विभागीय अनुसंधान समिति, ललित कला विभाग, सीआईएचटीएस
28. अध्यक्ष, स्पॉट खरीद समिति, सोवा रिग्पा विभाग, सीआईएचटीएस,
29. सदस्य, कार्यकारी सदस्य, सीसीटीएम, धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश
30. अध्यक्ष, केंद्रीय तिब्बती चिकित्सा परिषद, धर्मशाला, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

31. सदस्य, सोवा रिग्पा संकाय परिषद, सोवा रिग्पा विभाग, सीआईएचटीएस
32. सह-अन्वेषक, ईडीएमजी परियोजना, तवांग, अरुणाचल प्रदेश
33. सदस्य, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), सोवा रिग्पा, भारत सरकार
34. सदस्य, सोवा रिग्पा केंद्रीय अनुसंधान परिषद, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार
35. सदस्य, अकादमिक परिषद, एनआईटी, देवराली, गंगटोक, सिक्किम

डॉ. टशी दावा

ए. यूथोक सोवा-रिग्पा अस्पताल के बहिरंग विभाग में चिकित्सा परामर्श

माहवार	बहिरंग परामर्श	उपचार परामर्श
अप्रैल -2023	83	26
मई 2023	66	42
जून 2023	23	24
जुलाई 2023	171	54
अगस्त 2023	93	54
सितम्बर 2023	115	64
अक्टूबर 2023	149	59
नवम्बर 2023	71	38
दिसंबर 2023	95	45
जनवरी 2024	149	30
फरवरी 2024	63	27
मार्च 2024	142	44
कुल मरीज	1220	507

बी. बैठक/ निरीक्षण में भाग लिया

शैक्षणिक गतिविधियाँ

1. 7 अप्रैल 2023 : विभाग की स्पॉट परचेज कमेटी (एसपीसी) के सदस्यों के साथ वाराणसी के मरई (इटाही) जक्खिनी गाँव में देव हर्बल्स में स्थानीय औषधीय जड़ी-बूटी उत्पादक का सशुल्क दौरा किया।
2. 8 अप्रैल 2023 : आचार नीति एवं पंजीकरण के अध्यक्ष वैद्य राकेश शर्मा और उनकी टीम ने स्थानीय आयुर्वेद बोर्ड के सदस्यों के साथ विभाग की उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण कराया और उन्हें जानकारी दी तथा सोवा-रिग्पा संकायों के साथ बैठक आयोजित की।
3. 9 अप्रैल 2023 : भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए आचार नीति एवं पंजीकरण परिषद् (बीईआरआईएसएम) द्वारा आयोजित "हील इन इंडिया, हील बाय इंडिया और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एचपीआर/एचएफआर)" पर एक दिवसीयसंगोष्ठी में भाग लिया। जिसका आयोजन एनसीआईएसएम द्वारा अनंत कन्वेंशन, आशापुर, वाराणसी में किया गया।
4. 12 अप्रैल 2023 : डॉ. स्टीफन क्लूस के अनुरोध पर उनकी प्रश्नावली के बारे में सोवा-रिग्पा पीएचडी स्कॉलर्स, इंटरन और यूजी छात्रों जानकारी दी गई और उस विषय पर वार्ता की गई।

5. 22 अप्रैल 2023 : अस्पताल और शिक्षण कर्मचारियों के लिए प्रस्तावित 16 प्रस्तावों की समीक्षा करने के लिए सोवा-रिग्पा संकाय के संकायाध्यक्ष की अध्यक्षता में आयोजित सोवा-रिग्पा संकाय परिषद की बैठक में भाग लिया।
6. 2-3 मई 2023 : एनसीआईएसएम आगंतुकों के निरीक्षण तथा उनकी प्रश्नावली जो पंजीकरण की प्रक्रिया के आवश्यक है बारे में जानकारी देना।
7. 9-10 मई 2023 : आईएमसीसी अधिनियम, 1970 की धारा 13 सी/ एनसीआईएसएम 2020 के अधिनियम, की धारा 28 और संबंधित विनियमों के अंतर्गत मौजूदा एसयूएस महाविद्यालयों का हाइब्रिड मोड के माध्यम से आगंतुक के रूप में मैनसेंसखांग धर्मशाला चिकित्सा महाविद्यालय, हिमाचल प्रदेश में दौरा कर निरीक्षण किया।
8. 22-26 मई 2023 : शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए हाइब्रिड मोड के माध्यम से आईएमसीसी 1970 के अधिनियम, की धारा 13सी/ एनसीआईएसएम 2020 अधिनियम, की धारा 28 और उसके अंतर्गत प्रासंगिक विनियमों के तहत मौजूदा एसयूएस महाविद्यालयों सोवा-रिग्पा-सीआईबीएस और एनआईएसआर, लेह, लद्दाख, यू टी विभाग में का निरीक्षण करने के लिए आगंतुक निरीक्षक के रूप में उपस्थित रहे।
9. 1-2 जून 2023 : संस्था में प्रशासन योजना के क्षेत्र में आवश्यकता के मूल्यांकन का अध्ययन के संबंध में निपा, नई दिल्ली से आई प्रोफेसर प्रणति पांडा और डॉ. रश्मिता दास, के साथ बैठक।
10. 12 जुलाई 2023 : भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) नई दिल्ली के साथ ऑनलाइन बैठक।
11. 30 जुलाई-1 अगस्त 2023 : अतीशा में सिक्योण पेनपा त्सेरिंग के भाषण में भाग लिया और उन्हें सोवा-रिग्पा द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।
12. 20 अगस्त 2023 : पीजीआरएच लॉबी में पद्मश्री एडजंक्ट प्रोफेसर राम हर्ष सिंह जी के शोक में आयोजित प्रार्थना सत्र में भाग लिया।
13. 22 अगस्त 2023 : सीसीआरएस, सीसीआरएस समिति के द्वितीय तल पर कक्ष संख्या 223 में एनसीआईएसएम द्वारा आहूत बैठक जो "एसयूएस डिग्री प्रमाणपत्रों के लिए प्रतिलेखों के विकास के लिए समिति" के लिए थी में भाग लिया।
14. 28 अगस्त से 2 सितंबर 2023 : बीएचयू वाराणसी में आयोजित सीआईएचटीएस की ओर से भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) पर छह दिवसीय अल्पकालिक प्रशिक्षण में भाग लिया।
15. 2 सितंबर 2023 : बीएचयू में आईकेएस प्रतिभागियों के समक्ष सीआईएचटीएस और सोवा-रिग्पा के बारे में बताया।
16. 4 सितंबर 2023 : शैक्षणिक सत्र 2023-2024 के लिए सोवा-रिग्पा कॉलेज सीट आवंटन की तैयारी और प्रक्रिया के लिए एनसीआईएसएम कार्यालय, नई दिल्ली में सोवा-रिग्पा केंद्रीय परामर्श समिति (एसआरसीसीसी) की बैठक में भाग लिया।
17. 14 सितंबर 2023 : पीजीआरएच में सोवा-रिग्पा संकाय परिषद की बैठक में भाग लिया।
18. 15 सितंबर 2023 : बीयूएसएस, एनसीआईएसएम द्वारा आयोजित "सोवा-रिग्पा कॉलेजों के लिए ऐच्छिक पाठ्यक्रम" पर बीयूएसएस के अध्यक्ष डॉ. के. जगन्नाथन और सीओई श्री नीरज कुमार द्वारा ऑनलाइन ब्रीफिंग में भाग लिया।

19. 23 सितंबर 2023 : डॉ. शबनम, बीएचयू द्वारा "काशी कला कस्तूरी कार्यक्रम के लिए सोवा-रिग्पा और इसकी क्षमता" पर साक्षात्कार।
20. 1 अक्टूबर 2023 : भारत स्वच्छता अभियान के अंतर्गत आयोजित सीआईएचटीएस कर्मचारियों के साथ सारंगनाथ मंदिर, सारनाथ में स्वच्छता अभियान कार्यक्रम में भाग लिया।
21. 4 अक्टूबर 2023 : शांतरक्षित पुस्तकालय में सीआईएचटीएस की राजभाषा समिति द्वारा आयोजित राजभाषा योग्यता की प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में आमंत्रित न्यायाधीश के रूप में उपस्थित रहा।
22. 6 अक्टूबर-11 अक्टूबर 2023 : ईडीएमजी में परियोजना में एसोसिएट अधिकारी पद के चयन और भर्ती के तथा ईडीएमजी, तवांग परियोजना का मूल्यांकन करने हेतु कुलसचिव और सहायक कुलसचिव के साथ परियोजना स्थल पर गया।
23. 16 अक्टूबर 2023 : सीआईएचटीएस में अपने संक्षिप्त दौर पर आये माननीय आयुष मंत्री उत्तर प्रदेश श्री दयालु जी के साथ बैठक में सोवा-रिग्पा में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी।
24. 21 अक्टूबर 2023 : 15 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम के लिए नव प्रवेशित बीएसआरएमएस को एनसीआईएसएम दिशानिर्देशों के एमएसई पर बातचीत दी।
25. 29 अक्टूबर 2023 : शांतरक्षित पुस्तकालय, सीआईएचटीएस में आयोजित बौद्ध भूमि वंदना यात्रा के प्रतिनिधियों के अभिनंदन समारोह में भाग लिया।
26. 5 नवंबर 2023 : सीआईएचटीएस के पूर्व छात्रों द्वारा अतीशा हॉल में आयोजित प्रोफेसर एस रिनपोछे की जयंती के उद्घाटन समारोह में भाग लिया।
27. 22 - 30 नवंबर 2023 : ड्रेपुंग लोसेलिंग ध्यान एवं विज्ञान केंद्र में "तिब्बती में वैज्ञानिक शब्दों के मानकीकरण पर 15वें अनुवाद सम्मेलन" में भाग लिया।
28. 25 दिसंबर 2023 : अशोका विश्वविद्यालय के डॉ. स्वर्गज्योति गोहेन द्वारा सोवा-रिग्पा की संभावनाओं पर लिए गए साक्षात्कार में शामिल रहा।
29. 1 जनवरी 2024 : सीआईएचटीएस, सारनाथ के पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित सम्यक भवन, बोधगया में प्रो. एस. रिनपोछे के भाषण में भाग लिया।
30. 18 जनवरी 2024 : कुलपति समिति हॉल में सीआईएचटीएस के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की छठी बैठक में भाग लिया।
31. 6 और 9 फरवरी 2024 : बीयूएसएस, एनसीआईएसएम द्वारा आयोजित बीएसआरएमएस द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम संरचना हेतु डॉ मोहन आर जोशी द्वारा आयोजित ऑनलाइन पूर्व कार्यशाला में भाग लिया।
32. 9 फरवरी 2024 : एनसीआईएसएम कार्यालय, नई दिल्ली में "भारतीय चिकित्सा पद्धति के लिए राष्ट्रीय परीक्षा के लिए तकनीकी समिति के गठन" की बैठक में भाग लिया।
33. 13 फरवरी 2024 : एनसीआईएसएम कार्यालय, नई दिल्ली में "एनटीईटी के लिए दूसरी तकनीकी बैठक" में भाग लिया।
34. 19-21 फरवरी 2024 : यूनानी, सिद्ध और सोवा-रिग्पा (बीयूएसएस) परिषद द्वारा सीआईएचटीएस में बीएसआरएमएस द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम को तैयार करने शामिल था।

सी. नियुक्तियाँ:

1. 19 जून 2023 : बीयूएसएस, एनसीआईएसएम नई दिल्ली द्वारा एनसीआईएसएम नीट एसआर-यूजी 2023-2024 के लिए मुख्य समन्वयक के रूप में नियुक्त किया गया।
2. 2 अगस्त 2023 : सीआईएचटीएस का प्रशिक्षण और नियुक्ति अधिकारी नियुक्त किया गया
3. बीएसआरएमएस द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम संरचना के लिए क्षेत्रीय समन्वयक (सीआईएचटीएस)।
4. थोर नद डांग गसंग नद गसो वा (अवर्गीकृत रोग समूह और प्रजनन स्वास्थ्य का प्रबंधन) प्रश्नपत्र -(1 और 2) के लिए बीएसआरएमएस द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम संरचना के विषय समन्वयक।
5. बीएसआरएमएस द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम संरचना फॉर कॉन्सेप्ट मैपिंग-III (मान नगग रग्युड सडोंग 'ड्रेम) के सदस्य।

डी. नया सोवा-रिग्पा उत्पाद:

1. 21 जून 2023 : ओपीडी के लिए नया सोवा-रिग्पा उत्पाद अगर-17 लॉन्च किया गया, जिसे डॉ. कर्मा चोडन ने तैयार किया।
2. 11-15 जुलाई 2023 : वाराणसी में जी-20 आगंतुकों के लिए 100 सोवा-रिग्पा स्मारिका उपहार बॉक्स तैयार करना।

डॉ. दावा छेरिंग

1. फार्माकोलॉजिस्ट/प्रभारी, शिक्षण फार्मसी।
2. शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए बी.एस.आर.एम.एस. प्रोफेशनल-I के लिए 15 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम के आयोजन समिति का सदस्य।

डॉ. छिमी डोलकर

1. 9 नवंबर, 2023 : सी.सी.टी.एम. जर्नल में “मेनोपॉजल सिंड्रोम का प्रबंधन” शीर्षक से लेख प्रकाशित किया।
2. 19 नवंबर, 2023 : के.उ.ति.शि.सं. के सहयोग से यू.एस.ए., मैसाचुसेट्स के पांच कॉलेजों से आए विजिटिंग छात्रों को व्याख्यान दिया।
3. बी.एस.आर.एम.एस. छात्रों और इंटरशिप छात्रों (2023-2024) को व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया।
4. 20-22-दिसंबर, 2024: के.उ.ति.शि.सं. में “पेरिमेनोपॉजल सिंड्रोम के लिए सोवा-रिग्पा दवा की प्रभावकारिता” शीर्षक से लेख प्रकाशित किया।

पाठ्यक्रम डिजाइन:

द्वितीय व्यावसायिक बी.एस.आर.एम.एस. कार्यक्रम (एन.जी.ओ. बजुनाथोग आरटैग्स-II) सोवा-रिग्पा पैथोलॉजी भाग-II के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया।

प्रशासनिक दायित्व:

1. इंटरशिप प्रबंधन समिति के सदस्य
2. सोवा-रिग्पा छात्र परिषद (एसएससी) सलाहकार
3. 15 दिवसीय इंडक्शन कोर्स समन्वयक
4. आई.पी.डी., ओ.पी.डी., डिस्पेंसरी और कक्षा में (वी.ओ.ए.) से विजिटिंग वीडियोग्राफी का प्रभार।

डॉ. तेनजिन देलेक

1. पाठ्यक्रम निर्माण समिति के तहत बी.एस.आर.एम.एस. प्रोफेशन-द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रम निर्माण के लिए सदस्य के रूप में भाग लिया।
2. 2023-24 सत्र के लिए कर्गुद रिलीफ एंड प्रोटेक्शन कमेटी (के.आर.पी.सी.) के अध्यक्ष चुने गए।
3. शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए बी.एस.आर.एम.एस. प्रोफेशनल-I के लिए 15 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम के आयोजन समिति का सदस्य।

डॉ. लोडो मुन्सेल नेगी

1. "तिब्बतोलॉजी वेब में सोवरिगा में मासिक धर्म और ओव्यूलेशन पर विश्लेषण" विषय पर लेख चेयपाई टैम मुन्सेल डॉन में प्रकाशित।

समितियाँ:

1. नीट-एस.आर.-यूजी.-2023-24 के.उ.ति.शि.सं. के परीक्षा केंद्र के अधीक्षक।
2. लेखा एवं अभिलेख प्रबंधन समिति, सदस्य।
3. संवीक्षा/प्रेक्टिकम/मौखिक परीक्षण समिति, अध्यक्ष।
4. इंटरनशिप एवं चिकित्सा शिविर प्रबंधन समिति, सदस्य।
5. सोवा-रिग्पा शोध एवं विकास समिति, सदस्य।
6. सोवा-रिग्पा, आध्यात्मिक गतिविधियाँ, पर्यवेक्षक।
7. सोवा-रिग्पा राष्ट्रीय संगोष्ठी, सदस्य।
8. 15 दिवसीय इंडक्शन प्रोग्राम, आयोजक।

डॉ. पेनपा छेरिंग

1. 6 और 9 फरवरी, 2024 : बी.यू.एस.एस., एन.सी.आई.एस.एम., एम.ओ.ए.यू.एस.एच., दिल्ली द्वारा आयोजित बी.एस.आर.एम.एस. द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम तैयार करने के लिए डॉ. मोहन आर जोशी द्वारा ऑनलाइन प्री-वर्कशॉप बैठक में भाग लिया।
2. 19-21 फरवरी, 2024 : यूनानी, सिद्ध और सोवा-रिग्पा बोर्ड द्वारा के.उ.ति.शि.सं. में आयोजित बी.एस.आर.एम.एस. द्वितीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम तैयार करने में भाग लिया।

समितियाँ:

1. नीट-एसआर-यूजी-2023-24 परीक्षा समिति, सदस्य
2. लेखा और अभिलेख प्रबंधन समिति, सदस्य
3. जांच/प्रेक्टिकम/मौखिक परीक्षण समिति, अध्यक्ष
4. सोवा-रिग्पा राष्ट्रीय संगोष्ठी, सदस्य।

डॉ. कर्मा छोडोन

समिति:

1. शैक्षणिक समिति के अध्यक्ष : (कैलेंडर तैयार करना और योजना बनाना, रिकॉर्ड रखना, कार्यान्वयन, पाठ्यक्रम में संशोधन और समीक्षा, लघु अवधि पाठ्यक्रम, यूजी, पीजी और पीएचडी के नियम और विनियमन)

2. स्क्रूटिनी समिति के अध्यक्ष : (लिखित असाइनमेंट, प्रस्तुति और सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों कक्षाओं की उपस्थिति सहित आंतरिक मूल्यांकन का मूल्यांकन और आकलन का प्रबंधन)
3. मौखिक परीक्षा समिति के संयोजक : (मौखिक परीक्षा समय सारिणी, मूल्यांकन आदि का प्रबंधन)
4. प्रस्तुति समिति के संयोजक: (कक्षा प्रस्तुति का प्रबंधन)
5. प्रैक्टिकल समिति के सदस्य : (प्रैक्टिकल कक्षाओं की व्यवस्था, प्रैक्टिकल परीक्षा समय सारिणी और आवश्यकतानुसार प्रबंधन)
6. इंटरशिप समिति के सदस्य : व्यावहारिक जरूरतों पर उनका मार्गदर्शन करना
7. प्रजापति गौतमी छात्रावास के वार्डन

संगोष्ठी/कार्यशालाएं और अन्य विश्वविद्यालयी गतिविधियाँ

1. बी.एस.आर.एम.एस. प्रोफेशनल द्वितीय पाठ्यक्रम में भाग लेने के लिए आयुष मंत्रालय (एनसीआईडीएच) दिल्ली के नियमों और निर्देशों के अनुसार डिजाइन किया।
2. 5 अक्टूबर : इंडक्शन प्रोग्राम बी.एस.आर.एम.एस. फ्रेशर के दौरान शोधपत्र प्रस्तुत किया।

वर्ष का प्रकाशन

सोवा रिग्पा चिकित्सा विज्ञान में डांग.जैग ल्यूकोरिया की समझ और प्रबंधन सोरिग जर्नल, वॉल्यूम 4, 2023

(II) भोट ज्योतिष विभाग

(1) डॉ. टशी छेरिंग (जे)	- एसोसिएट प्रोफेसर
(2) डॉ. जम्पा छोफेल	- असिस्टेंट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष
(3) डॉ. उमाशंकर शर्मा	- असिस्टेंट प्रोफेसर (संविदा)

शैक्षणिक गतिविधियाँ-

इस विभाग के शिक्षक बिना किसी रुकावट के विभागीय शिक्षण गतिविधियों, पेपर सेटिंग, पेपर सुधार, असाइनमेंट सुधार, परीक्षा निरीक्षक आदि में सक्रिय रूप से लगे रहे।

डॉ. जम्पा छोफेल

1. 12-14 जून 2023 : तिब्बती मेडिकल एवं एस्ट्रो कॉलेज, बैंगलोर में 3 दिवसीय कार्यशाला के लिए वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया।
2. 09 नवम्बर, 2023 - 26 दिसम्बर, 2023 : ट्रिटेन नोरबुत्से मठ द्वारा की गई नियमित मांग के अनुसार, विभाग ने मठ के गेशे प्रतिभागियों के लिए 7 सप्ताह की कार्यशाला आयोजित की। नियमित कक्षाओं के बाद श्री ताशी त्सेरिंग और डॉ. जम्पा छोफेल वक्ता हैं।
3. डॉ. दावा शेरपा की मदद से संस्कृत पाठ से तिब्बती में सूर्यसिद्धांत का सक्रिय रूप से अनुवाद कर रहे हैं।
4. 18-23 दिसंबर, 2023 : यू.एच.वी. के 5 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम में भाग लिया।
5. एआईएसएचई/एनएडी/एआईयू/यूएचवी/उत्साह/एनईटी/जेआरएफ आदि के नोडल अधिकारी के रूप में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

डॉ. उमाशंकर शर्मा

सेमिनार/सम्मेलन/कार्यशालाओं, अन्य विश्वविद्यालय गतिविधियों का आयोजन

1. 15 जुलाई, 2023 : राष्ट्रीय संगोष्ठी “भारतीय सभ्यता में बौद्ध मूल्य प्रणाली और पारस्परिक सौहार्द” की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।
2. 04-16 अक्टूबर, 2023 : आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित दो-सप्ताह के क्षमता निर्माण कार्यक्रम की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।
3. 22 फरवरी, 2024 - 04 मार्च, 2024 : पारंपरिक तिब्बती काष्ठकला पर कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।
4. 04-12 मार्च, 2024 : हिंदी कार्यशाला की आयोजन समिति के सदस्य के रूप में आयोजन किया।

3. शोध विभाग

प्राचीन लुप्तप्राय ग्रन्थों का पुनरुद्धार, सम्पादन तथा उनका संस्कृत, तिब्बती एवं हिन्दी भाषा में अनुवाद एवं प्रकाशन, संस्थान का प्रमुख शोध एवं प्रकाशन कार्य है। पुनरुद्धार, अनुवाद, सम्पादन, संकलन एवं प्रकाशन, ये संस्थान की प्रमुख शोध गतिविधियाँ हैं, जो निम्नलिखित विभागों द्वारा संचालित हैं—

1. पुनरुद्धार विभाग
2. अनुवाद विभाग
3. दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग
4. कोश विभाग
5. तिब्बती साहित्य केन्द्र

1. पुनरुद्धार विभाग

तिब्बती भाषा में उपलब्ध प्राचीन भारतीय बौद्ध वाङ्मय को पुनः संस्कृत में उपलब्ध कराने हेतु इस विभाग की स्थापना हुई है। यह शोध विभाग का एक स्वतन्त्र विभाग है। इसका उद्देश्य न केवल शोध हेतु ग्रन्थों का पुनरुद्धार करना है, अपितु लुप्त प्राचीन भारतीय बौद्ध परम्परा को पुनर्जीवित करना भी है। विश्व में यह एकमात्र ऐसा विश्वविद्यालय है, जहाँ पर इस तरह का कार्य किया जा रहा है। इसमें प्राथमिकता के आधार पर आचार्य नागार्जुन, आर्यदेव, शान्तरक्षित, कमलशील एवं आचार्य अतीश आदि के ग्रन्थों पर कार्य हो रहा है।

संस्कृत भाषा में उपलब्ध भारतीय बौद्ध वाङ्मय तिब्बती भाषा में अनुवाद की 7वीं शताब्दी की परम्परा का अनुसरण करते हुए, इस विभाग के विद्वान् आज भी संस्कृत भाषा के विद्वानों के साथ तिब्बती ग्रन्थों का संस्कृत में पुनरुद्धार कर रहे हैं।

प्राचीन समय में तिब्बती अनुवादों के लिए बौद्ध दर्शन के भारतीय विद्वानों के साथ मिलकर कार्य करना आवश्यक था। इस परम्परानुसार विभाग के तिब्बती विद्वान्, बौद्ध दर्शन के भारतीय विद्वानों के साथ कार्य कर रहे हैं। विभाग के लिए यह गर्व का विषय है कि यहाँ राष्ट्रपति एवं पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित बौद्ध दर्शन के ख्याति-प्राप्त विद्वान् स्व. प्रो. रामशंकर त्रिपाठी एवं प्रो.पी.पी. गोखले जी तिब्बती विद्वानों के साथ कार्यरत हैं।

अब तक इस विभाग ने बौद्ध धर्म दर्शन के अनेक महत्वपूर्ण ग्रन्थों का पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद किया है। विभाग द्वारा प्रकाशित अनेक ग्रन्थ उत्तर प्रदेश संस्कृत अकादमी द्वारा पुरस्कृत भी हो चुके हैं।

विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. डॉ. लोब्संग दोर्जे - एसोसिएट प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष)
2. भिक्षु नवांग ग्यालछेन नेगी - शोध सहायक

वर्तमान सत्र में विभाग की गतिविधियाँ निम्नवत् हैं—

(क) मुख्य कार्य –

लुप्त बौद्ध संस्कृत ग्रन्थों का तिब्बती भाषा से संस्कृत में पुनरुद्धार, शोध, अन्य बौद्ध ग्रन्थों का अनुवाद, सम्पादन, प्रकाशनार्थ तैयार करना, संगोष्ठी एवं कार्यशाला का आयोजन, अन्य शैक्षणिक कार्य तथा आगन्तुक (Visiting) शोध विद्वानों का सहयोग करना।

(ख) कार्याधीन प्रमुख योजनाएँ-

1. **बोधिचित्त विवरण** - आचार्य नागार्जुन विरचित इस ग्रन्थ का प्रो. पी.पी. गोखले जी (अतिथि प्राध्यापक) के सहयोग से संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य सम्पन्न किया गया है। इस ग्रन्थ को पुनः संशोधन करके संस्कृत पुनरुद्धार के पद्यांश के साथ द्वितीय संस्करण में प्रकाशित किया जायेगा। इस प्रोजेक्ट के मुख्य धारक का सेवा निवृत्त होने के बाद एकाध साल में उनकी मृत्यु हो गई। जिसके कारण इस प्रोजेक्ट को विभाग द्वारा अपने हाथ में लिया है। सम्प्रति ग्रन्थ के भूमिका एवं परिशिष्ट आदि का कार्य प्रगति पर है।
2. **बोधिपथप्रदीपपञ्जिका** – आचार्य दीपंकरश्रीज्ञान द्वारा रचित इस ग्रन्थ का स्व. प्रो. रामशंकर त्रिपाठी जी के साथ संस्कृत में पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद का कार्य पूर्ण हो चुका है। अवशिष्ट ग्रन्थ के लम्बे छन्दों का संस्कृत में पुनरुद्धार का कार्य प्रो.पी.पी.गोखले (अतिथि प्राध्यापक) जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया। सम्प्रति ग्रन्थ के भूमिका एवं परिशिष्ट आदि का कार्य प्रगति पर है।
3. **आर्यसर्वबुद्ध-विषयावतार-ज्ञानलोक-अलंकारनाम महायान सूत्र** – इस सूत्र ग्रन्थ का तिब्बती संस्करण के साथ संस्कृत पाण्डुलिपि के महत्वपूर्ण संस्करण का समालोचनात्मक संपादन प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया है। सम्प्रति समीक्षात्मक भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है। इसे जल्द ही प्रकाशन के लिए प्रस्तुत किया जायेगा।
4. **महाव्युत्पत्ति** – 9वीं शताब्दी में भारतीय आचार्य एवं भोट अनुवादकों द्वारा प्रयुक्त विस्तृत संस्कृत-तिब्बती कोश के शब्दावली के संकलन का कार्य सम्पन्न हो चुका है तथा अन्य दो तिब्बती संस्करणों के साथ मिलान का कार्य भी पूर्ण हो चुका है। सम्प्रति समीक्षात्मक भूमिका लेखन एवं परिशिष्ट का कार्य प्रगति पर है।
5. **युक्तिषष्टिका** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ पर आचार्य चन्द्रकीर्ति की व्याख्या सहित संस्कृत पुनरुद्धार पर पुनः संशोधन का कार्य प्रो. पी.पी.गोखले जी के सहयोग से किया जा रहा है। हाल ही में हमें चीन से संस्कृत पाण्डुलिपि का एक अधूरा भाग प्राप्त हुआ है। हम इस ग्रन्थ का समालोचनात्मक संपादन के लिए प्रो. पी.पी. गोखले जी के साथ चर्चा कर रहे हैं। सम्प्रति भूमिका लेखन और परिशिष्ट का कार्य प्रगति पर है। यह कार्य योजना अनुवाद विभाग के साथ संयुक्त रूप से किया जा रहा है।
6. **धर्मधातुस्तव** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ का पुनरुद्धार, हिन्दी एवं अंग्रेजी में अनुवाद का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। पिछले कुछ वर्ष पहले ऑस्ट्रिया एकेडमिक ऑफ साइंसेज प्रेस से इस ग्रन्थ का मूल संस्कृत पाण्डुलिपि प्रकाशित हुआ था। वर्तमान में नए प्रकाशित संस्करण और अन्य पाण्डुलिपियों के साथ पाठ का मिलान किया जा रहा है। सम्प्रति प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से चार भाषाओं (संस्कृत, तिब्बती, हिन्दी, और अंग्रेजी) का समालोचनात्मक संपादन एवं संशोधन का कार्य किया जा रहा है। तिब्बती एवं हिन्दी भाषा में भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है।
7. **प्रहाणपूरकशतवन्दनानाम महायानसूत्र, करण्डव्यूहमहायानसूत्र, प्रतीत्यसमुत्पादसूत्र एवं दशकुशलसूत्र-** इन चारों सूत्रों का संस्कृत में पुनरुद्धार एवं कुछ भाग के हिन्दी अनुवाद का कार्य लगभग सम्पन्न हो चुका है। सम्प्रति हिन्दी अनुवाद एवं समालोचनात्मक संपादन आदि का कार्य प्रगति पर है।

8. **महायानपथक्रम** – आचार्य सुभागवज्र द्वारा रचित इस ग्रन्थ का अन्य तिब्बती संस्करणों के साथ समालोचनात्मक संपादन, तिब्बती से हिन्दी में अनुवाद तथा संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य पूर्ण कर इसे प्रो.पी.पी. गोखले जी के निर्देशन में संपादन का कार्य सम्पन्न हो चुका है। सम्प्रति एक समीक्षात्मक भूमिका सहित सहायक ग्रन्थों की सूची एवं शब्दकोश आदि का कार्य प्रगति पर है।
9. **विनयपारिभाषिक शब्दकोश**- विनय से सम्बद्ध तिब्बती-संस्कृत पारिभाषिक शब्द कोश का कार्य प्रगति पर है। यह कार्य कोश विभाग के साथ संयुक्त रूप से किया जा रहा है। सम्प्रति कोश विभागाध्यक्ष डॉ. रमेश चन्द्र नेगी (सेवा निवृत्त) द्वारा अब तक किये गये कार्यों पर संशोधन का कार्य किया जा रहा है।
10. **संक्षिप्तनानादृष्टिविभाज्य** – आचार्य उमे सिंह द्वारा रचित इस ग्रन्थ के संस्कृत पुनरुद्धार का कार्य प्रो. पी.पी. गोखले जी के सहयोग से सम्पन्न किया गया है। सम्प्रति भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है।
11. **अबोधबोधकं नाम प्रकरणम्** – आचार्य नागार्जुन द्वारा रचित इस ग्रन्थ का संस्कृत पुनरुद्धार प्रो.पी.पी. गोखले जी के सहयोग से कार्य पूर्ण हो चुका है। सम्प्रति भूमिका लेखन का कार्य प्रगति पर है।

सामुहिक शोध-कार्य-

1. **श्रीवनरत्न-मुखागमरत्न-सारमाला-** तनग्युर संस्करण से इस ग्रन्थ का एक अद्भुत बहुभाषी के रूप में पाण्डुलिपि उपलब्ध हुई है। यह भारतीय आचार्य वनरत्न द्वारा रचित अथवा संकलित ग्रन्थ है। इस ग्रन्थ का मूल संस्कृत तिब्बती में लिपिबद्ध है। इसका तिब्बती भाषा में अनुवाद भी है। तिब्बती में लिपिबद्ध संस्कृत पाठ लगभग पूर्ण रूप से अशुद्ध एवं त्रुटिपूर्ण है। इसलिए विभाग द्वारा ग्रन्थ का समालोचनात्मक संपादन, मूल संस्कृत पाठ का संपादन, हिन्दी अनुवाद एवं ग्रन्थ में संकलित श्लोकों के स्रोत आगमों की खोज आदि पर कार्य करने का निर्णय लिया गया है। प्रो. पी.पी. गोखले (सेवा निवृत्त) ने संस्कृत संस्करण के संपादन में सहयोग करने का आश्वासन दिया है। तदनुसार इस ग्रन्थ के संस्कृत पाठ के संपादन हेतु हिन्दी अनुवाद को भी उन्हें प्रस्तुत किया गया, जिससे संपादन करने में सहयोग मिल सके। वर्तमान समय में उन्होंने संस्कृत पाठ के संपादन-कार्य को लगभग पूर्ण कर हमें सौंपा गया है।
2. विभाग के सभी सदस्य परम पावन दलाई लामा जी के निजी कार्यालय की ओर से निर्देशित ‘**बौद्ध विज्ञान-दर्शन एवं सिद्धान्त समुच्चय**’ ग्रन्थ का तिब्बती भाषा से हिन्दी में अनुवाद का कार्य सम्पन्न किया जा रहा है। इस ग्रन्थ के दो भाग (Vol-1-2) हैं। इन दोनों भागों का तिब्बती भाषा से हिन्दी भाषा में अनुवाद का कार्य, ग्रन्थ में संकलित श्लोकों का तिब्बती आगम स्रोतों से तथा संस्कृत ग्रन्थों से स्रोतों की खोज कर पाद-टिप्पणी देना आदि प्रथम प्रारूप का कार्य सम्पन्न हो चुका है। ग्रन्थ के प्रथम भाग का अन्तिम संपादन पूर्व कुलपति प्रो. नवांग समतेन जी के नेतृत्व में कार्य सम्पन्न किया जा रहा है। ग्रन्थ के द्वितीय भाग का अन्तिम संपादन वर्तमान कुलपति प्रो. वाङछुग दोर्जे जी के नेतृत्व में कार्य लगभग सम्पन्न हो चुका है।
3. कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार और केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के संयुक्त तत्त्वावधान में महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गये कग्युर-तनग्युर एवं सुङ्बुम का हिन्दी अनुवाद कार्य योजना के तहत विभाग के सभी सदस्य हिन्दी अनुवाद योजना पर कार्य कर रहे हैं।

वर्तमान समय में उपर्युक्त योजना के तहत डॉ. लोबसंग दोर्जे (समन्वयक) के नेतृत्व में चार पुस्तकों को डमी के रूप में प्रकाशित किया गया। जिनमें एक ग्रन्थ कग्युर संग्रह से तथा तीन ग्रन्थ तनग्युर संग्रह से हैं।

दिनांक 27 अक्टूबर, 2023 को बिहार सरकार द्वारा उपर्युक्त योजना पर चर्चा हेतु एक बैठक बुलाई गयी। जिसमें संस्थान की ओर से पुनरुद्धार विभागाध्यक्ष डॉ. लोबसंग दोर्जे और अन्य दो कर्मचारी श्रीमति हरजोत कौर

बमरा, आईएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव से मुलाकात की तथा योजना से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई। डॉ. लोबसंग दोर्जे ने वर्तमान परियोजना की रिपोर्ट के साथ डमी के रूप में प्रकाशित पांच पुस्तकें उन्हें भेंट की गई तथा माननीय मुख्यमंत्री के सन्देश एवं आर्थिक अनुदान के अभाव में उपर्युक्त ग्रन्थों का प्रकाशन सहित क्रियान्वित अवशिष्ट ग्रन्थों का अनुवाद एवं संपादन सम्बन्धित कार्य अवरुद्ध होने के बारे में उन्हें अवगत कराया गया। साथ ही अवरुद्ध आर्थिक अनुदान को यथासम्भव जारी करने हेतु अनुरोध किया गया।

(ख) अन्य शैक्षणिक कार्य:-

1. भारतीय आचार्य श्रीवनरत्न द्वारा संकलित सिद्धेश्वर महापण्डित श्रीवनरत्न-मुखागमरत्न-सारमाला- आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने ग्रन्थ का तिब्बती में लिपिबद्ध मूल संस्कृत पाठ का देवनागरी में लिप्यन्तरण, तिब्बती भाषा से हिन्दी में अनुवाद, पुनः हिन्दी अनुवाद का संशोधन, प्रो.पी.पी.गोखले जी द्वारा संशोधित मूल संस्कृत पाठ का कम्प्यूटर में संशोधन, संशोधित मूल संस्कृत पाठ का तिब्बती में लिप्यन्तरण कर इनपुट करना, ग्रन्थ के श्लोकों का आगम स्रोतों से यथासम्भव खोज कर पाद-टिप्पणी देने का कार्य किया है।
2. कुलपति महोदय जी के मौखिक आदेशानुसार प्रो. पेन्पा दोर्जे (सेवा निवृत्त) एवं आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने प्रो. एम.के. दास जी के नेतृत्व में “**बौद्ध विज्ञान-दर्शन एवं सिद्धान्त समुच्चय**” ग्रन्थ का ग्याहरवां परिच्छेद से लेकर समाप्ति तक का मूल तिब्बती पाठ के साथ मिलान करते हुए सम्पादन का कार्य सम्पन्न किया गया तथा संपादित पाठ का कम्प्यूटर में इनपुट किया गया। ग्रन्थ में उद्धृत आगम स्रोतों की खोज कर उपलब्ध संस्कृत ग्रन्थों से उद्धरणों को कम्प्यूटर में इनपुट करने का कार्य किया।
3. कुलपति महोदय जी के मौखिक आदेश अनुसार डॉ. लोबसंग दोर्जे और डॉ. टाशी छेरिंग ने प्रो. एम.के दास जी के नेतृत्व में “**बौद्ध विज्ञान-दर्शन एवं सिद्धान्त समुच्चय**” ग्रन्थ का 8वां से 10वां परिच्छेद तक मूल तिब्बती पाठ के साथ मिलान करते हुए संपादन का कार्य पूर्ण किया गया। साथ ही प्रकाशन सम्बन्धित ग्रन्थ की सूची, आधार ग्रन्थ सूची और आगम सूची कार्यों को सम्पन्न कर कुलपति महोदय जी के समक्ष प्रस्तुत किया गया।
4. आचार्य नागार्जुन के बोधिचित्त विवरण ग्रन्थ के द्वितीय संस्करण का प्रकाशन हेतु विभाग द्वारा पुनः संशोधन का कार्य किया जा रहा है। इसलिए आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने हिन्दी संस्करण का कम्प्यूटर में इनपुट करने तथा प्रूफ रीडिंग का कार्य किया गया। विभाग द्वारा इस संशोधित संस्करण में पुनरुद्धार पाठ को भी सम्मिलित करने का निर्णय लिया गया है। सम्प्रति शेष कार्य प्रगति पर है।
5. दिनांक 27-29 फरवरी, 2024 तक 51वें छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित वरिष्ठ छात्रों के शीतकालीन केम्पिंग के अवसर पर डॉ. लोबसंग दोर्जे ने दिनांक 28 फरवरी, 2024 को अनाथपिण्डद अतिथिगृह में पॉवर पॉइंट के माध्यम से छात्रों को ‘शोध पद्धति में एनोटेशन लिखने की विधि’ विषय पर व्याख्यान दिया है।
6. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने दिनांक 29 अप्रैल और 11 मई, 2023 को पुनरुद्धार विभाग की ओर से पीएचडी कोर्स वर्क प्रोग्राम के तहत शोध विभाग के समिति कक्ष में पी.एच.डी छात्रों को “**शोध पद्धति**” विषय पर दो दिवसीय व्याख्यान दिया गया।
7. धर्म एवं संस्कृति विभाग, केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन, धर्मशाला द्वारा दिनांक 3 मई, 2023 से 5 मई, 2023 तक कार्यशाला प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. लोबसंग दोर्जे ने विशेषज्ञ के रूप में विभिन्न तिब्बती बौद्ध विद्यालयों के तीसरे बैच के 18 विद्वानों को ‘**शोध पद्धति**’ विषय पर प्रशिक्षण दिया।

8. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने ‘माध्यमिक दर्शन एवं दो सत्यों की व्यवस्था’ तथा ‘बौद्ध परम्परा में शमथ एवं विपश्यना की भावना का महत्त्व’ विषय पर हिन्दी में दो लेख लिखा है। यह लेख ‘शब्दार्णव’ शोध-पत्रिका में प्रकाशित करने हेतु प्रस्तुत किया गया है।
9. पुनरुद्धार विभाग के मार्गदर्शक प्रो. पी.पी. गोखले (सेवा निवृत्त) दिनांक 27 जुलाई, 2023 को हमारे संस्थान में पधारे थे। उस दौरान पुनरुद्धार विभाग के सदस्यों को उनसे मुलाकात करने का सुअवसर प्राप्त हुआ। हमने उनसे विभाग के लंबित योजनाओं पर चर्चा की तथा कार्याधीन पुनरुद्धारित ग्रन्थों के संपादन एवं अन्य शोध सम्बन्धी कार्यों पर सहयोग हेतु अनुरोध किये जाने पर उन्होंने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की। उसी अवसर पर उनसे दो ग्रन्थों का अंतिम संपादन हेतु अनुरोध किया गया। तदनुसार उन्होंने कुछ ही महीनों में ग्रन्थों को संपादित कर हमें सौंपा गया।
10. साक्य कॉलेज, उच्च बौद्ध अध्ययन केन्द्र, देहरादून, उत्तराखंड द्वारा दिनांक 9 अक्टूबर, 2023 से एक सप्ताह की अवधि के लिए कार्यशाला प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. लोबसंग दोर्जे ने पी.एच.डी. (रबजम्पा) छात्रों को पारम्परिक एवं आधुनिक विचार-प्रक्रिया के अनुसार पांच प्रमुख बौद्ध दार्शनिक ग्रन्थों की ‘शोध पद्धति’ विषय पर प्रशिक्षण दिया है।
11. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने ‘प्रसिद्ध भारतीय महान आचार्य स्मृतिज्ञानकीर्ति का योगदान’ विषय पर एक लेख लिखा है। जो संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा ‘बोधिप्रभ’ नामक वार्षिक पत्रिका के तृतीय खंड, 2023, पृष्ठ संख्या 98-105 में प्रकाशित हुआ है।
12. डॉ. लोबसंग दोर्जे, विभागाध्यक्ष को कुछ वर्ष पहले दलाई लामा इंस्टीट्यूट फॉर हायर एजुकेशन, बैंगलोर के पी.एच.डी. छात्र गेशे लोबसंग अनडांग के सह-मार्गदर्शक और सह-पर्यवेक्षक के रूप में नामित किया गया था। पिछले वर्ष उन्होंने अपनी शोध-प्रबन्ध को सम्पन्न कर संस्थान में जमा की गई। उनके शोध-प्रबन्ध का शीर्षक ‘सूक्ष्म मन और ऊर्जा पर आरोपित ‘मात्र मैं’ के रूप में स्वयं का आलोचनात्मक विश्लेषण’ है। उन्हें दिनांक 30 नवम्बर, 2023 को दलाई लामा संस्थान द्वारा बैंगलोर में आयोजित ‘प्रथम बैच के पी.एच.डी. स्नातक समारोह’ पर डिग्री प्रदान की गई। मुझे उस समारोह में सम्मिलित होने का अवसर प्राप्त हुआ है।
13. परम पावन दलाई लामा जी ने समस्त पालि त्रिपिटक का तिब्बती भाषा में अनुवाद करने हेतु अपने सचिवों को निर्देशित किये गये अनुसार परम श्रद्धेय यांगतेन रिनपोछे ने इस योजना के सम्पूर्ण कार्यों का दायित्व लिया। उन्हीं के नेतृत्व में परम पावन दलाई लामा जी के कार्यालय, धर्मशाला के महासचिव ने डॉ. लोबसंग दोर्जे को इस योजना का कार्यभार ग्रहण करने हेतु समन्वयक के रूप में नामित किया। इनकी देख-रेख में पिछले कुछ वर्षों से केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के अनुवादकों के एक समूह द्वारा इस योजना पर कार्य किया जा रहा है। वर्तमान समय में कई पाली ग्रन्थों का तिब्बती भाषा में अनुवाद किया जा चुका है। इस उपलक्ष्य में परम पावन दलाई लामा जी के कार्यालय द्वारा उपर्युक्त योजना से जुड़े सभी अनुवादकों को धर्मशाला में आमन्त्रित किया गया। उस अवसर पर अनुवादकों का एक समूह प्रतिनिधि के रूप में अनुवादित ग्रन्थों का अन्तिम ड्राफ्ट पुस्तक के रूप में तैयार कर परम पावन जी के दर्शन हेतु धर्मशाला का दौरा किया। इस योजना के अन्तर्गत क्रियान्वित पालि से तिब्बती भाषा में अनूदित ग्रन्थों का विवरण इस प्रकार है - **सुत्त अर्थात् (1) दीघनिकाय के 34 सुत्त, (2) पाली त्रिपिटक का सम्पूर्ण सूची, (3) पाली दैनिक प्रार्थनाएँ, (4) मज्झिमनिकाय के चालीस सुत्त और (5) थेरी गाथा से 108 श्लोक।** इन सभी ग्रन्थों को परम पावन दलाई लामा जी के कार्यालय में प्रस्तुत किया गया तथा दिनांक 26 सितंबर, 2023 को परम पावन जी के कर कमलों द्वारा पुस्तकों का विमोचन किया गया। उन्होंने इस योजना से जुड़े सभी अनुवादकों की सराहना की तथा उपस्थित अनुवादकों को आशीर्वाद दिया।



पालि से तिब्बती में अनुवादित दिघनिकाय, पालि त्रिपिटक के सम्पूर्ण सूची, पालि दैनिक पाठ, मज्झिमनिकाय के चालीस सूत्र एवं थेरी गाथा के 108 श्लोकों का विमोचन करते हुए परम पावन दलाई लामा जी के साथ अनुवादक सदस्यों का छायाचित्र।

14. डॉ. लोबसंग दोर्जे विगत कई वर्षों से **प्राचीन भारतीय शिक्षा परियोजना** के तहत समन्वयक के रूप में कार्य कर रहे हैं। यह परियोजना के.उ.ति.शि. संस्थान और दलाई लामा ट्रस्ट, धर्मशाला के मध्य संयुक्त उद्यम है। जो भारत के प्राथमिक विद्यालयों के लिए बुनियादी प्राचीन भारतीय पारम्परिक पर पाठ्यक्रम तैयार करने में जुटे हुए हैं। इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य भारतीय युवा छात्रों के बीच प्राचीन भारतीय विद्या और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए की गई है। यह परियोजना पाठ्यक्रम बुनियादी प्राचीन भारतीय पारम्परिक विचार जैसे –दर्शन, तर्क, सकारात्मक एवं नकारात्मकभाव और नैतिक विचारों का परिचय कराएगी।
15. डॉ. लोबसंग दोर्जे द्वारा ‘**आचार्य वसुबन्धु के अभिधम्म और अभिधर्मकोश विषय पर एक विश्लेषण**’ विषय पर तिब्बती भाषा में एक लेख प्रस्तुत किया गया। यह लेख तिब्बती कार्य और अभिलेखागार पुस्तकालय, धर्मशाला के ‘**तमछोग**’ नामक पत्रिका (भाग-64, वर्ष-2023) में प्रकाशित किया गया। पृष्ठ संख्या 63-86, आईएसएसएन: 2454-5066.
16. दिनांक 01 जनवरी, 2024 को सम्यक् भवन, किन्नौर महाबोधि सोसायटी, मस्तीपुर, बोधगया में पुरातन छात्र संघ, के.उ.ति.शि.संस्थान, सारनाथ एवं के.उ.ति.शि.संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित “जन-नायक और समाज में संस्थान के पुरातन छात्रों की जिम्मेदारी” विषय पर व्याख्यान देने हेतु परम श्रद्धेय महामहिम प्रो. समदोंग रिनपोछे जी को विशिष्ट वक्ता के रूप में आमन्त्रित किया गया था। उस अवसर पर उनके द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में कई पुरातन छात्र सम्मिलित हुए।
इस अवसर पर प्रख्यात विद्वान प्रो. एस. रिनपोछे जी ने महान तिब्बती विद्वान गेदुन छोस्-फेल द्वारा रचित एवं डॉ गेशे लोबसंग दोर्जे रबलिङ द्वारा समालोचनात्मक रूप से संपादित “तम-ग्युद् सेर-गी ताङ-मा” ग्रन्थ के दो भागों का विमोचन किया। डॉ. लोबसंग दोर्जे द्वारा ग्रन्थ का न केवल समालोचनात्मक संपादन किया है, बल्कि सम्पूर्ण ग्रन्थ को शोध की दृष्टि से भी प्रस्तुत किया गया है। इस पुस्तक ने पहले की संस्करणों की तुलना में एक नया रूप दिया है। यह ग्रन्थ तिब्बत में ही नहीं, बल्कि भारत के तिब्बती समुदाय में भी बहुत प्रसिद्ध हैं।
17. केन्द्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लेह, लद्दाख के अनुरोध पर डॉ. लोबसंग दोर्जे ने पी.एच.डी. छात्र तनडुप पलमो द्वारा लिखित ‘**हेमिस मठ के इतिहास के सम्बन्ध में लद्दाख में डुकपा कर्ग्युद का प्रसार**’ विषयक विद्यावारिधि शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन किया तथा के.बौ.अ.सं. को रिपोर्ट प्रस्तुत किया है।

18. दलाई लामा इंस्टीट्यूट फॉर हायर एजुकेशन, बेंगलूर के अनुरोध पर डॉ. लोबसंग दोर्जे ने 'डिजिटल युग के अनुकूल तिब्बती साहित्य के लिए पुस्तकालय प्रणाली और प्रबन्धन' विषयक विद्यावारिधि शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन किया तथा दलाई लामा इंस्टीट्यूट को रिपोर्ट प्रस्तुत किया है।
19. गेलुग इंटरनेशनल फाउंडेशन, मुंडगोड, दक्षिण भारत द्वारा दिनांक 14-16 फरवरी, 2024 को मुंडगोड के गादेन ठिथोग भवन में पारम्परिक और आधुनिक विचार-प्रक्रिया अनुसार 'बौद्ध दर्शन के पांच प्रमुख ग्रन्थों और तन्त्र की 'शोध पद्धति' विषय पर त्रि-दिवसीय कार्यशाला प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें डॉ. लोबसंग दोर्जे ने भूटान के विभिन्न मठों से पधारे लगभग 15 लोपोन (=आचार्य) एवं विद्वानों को कार्यशाला में प्रशिक्षण दिया।

(ग) पाण्डुलिपि संबन्धित शैक्षणिक कार्य:-

1. कार्यालय आदेश अनुसार डॉ. लोबसंग दोर्जे और आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी को महापण्डित राहुल सांकृत्यायन जी द्वारा तिब्बत से लाये गये क्युर-तनग्युर एवं सुडबुम हिन्दी अनुवाद योजना के तहत हिन्दी अनुवाद सम्बन्धित सभी कार्यों के दायित्व का निर्वहन करने हेतु समन्वयक एवं सहायक समन्वय के रूप में नामित किया गया। साथ ही आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी इस योजना के तहत सचिव के रूप में दोनों संस्थानों के मध्य पत्र व्यवहार सम्बन्धित कार्यों का दायित्व भी संभाल रहे हैं। यह कार्य बिहार सरकार और तिब्बती संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।
2. डॉ. लोबसंग दोर्जे और आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी द्वारा क्युर-तनग्युर एवं सुडबुम हिन्दी अनुवाद योजना के तहत विगत वर्ष 2020 से अपने नियमित कार्यों के अतिरिक्त स्थानीय एवं बाहरी क्षेत्र के विद्वानों को अनुवाद से जुड़ने हेतु सम्पर्क करना, योजना से जुड़े नये अनुवादकों को भोट संस्करणों का समालोचनात्मक संपादन की प्रक्रिया से परिचित कराना, कैसे उद्धरणों को क्रमबद्ध स्थापित करना, पाद-टिप्पणी देना, अनुवादकों को आवश्यक सामग्रियों की पूर्ति कराना, अनूदित पाठों का संकलन, अनूदित पाठों की समीक्षा कर अनुवादकों के पारिश्रमिक देय राशि का बिल बनाकर भुगतान करने की प्रक्रिया आदि कार्य सम्मिलित हैं। सम्प्रति इस योजना के तहत प्रारम्भ से अब तक 27 विद्वानों द्वारा 75 बृहत् एवं लघु ग्रन्थों पर अनुवाद का कार्य किया जा रहा है। जिसमें से चार संपादित ग्रन्थों (20 लघु ग्रन्थों का संग्रह) का डमी के रूप में प्रकाशित किया गया है। किन्तु आर्थिक अभाव के कारण प्रकाशन एवं शेष ग्रन्थों पर कार्य अवरुद्ध है। इसकी सूचना बिहार सरकार को पत्र-व्यवहार के माध्यम से सूचित किया जा चुका है।
3. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने श्री टी.आर.शाशनी के नेतृत्व में दिनांक 11-12 दिसम्बर, 2023 को सक्षमाधिकारी के आदेश अनुसार भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली के केन्द्रीय पुरातत्व ग्रन्थालय में उपलब्ध भोट पाण्डुलिपि संग्रह का सर्वेक्षण हेतु दिल्ली का दौरा किया। उन्होंने भोट पाण्डुलिपि संग्रह का सर्वेक्षण सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न कर कुलसचिव कार्यालय में रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया।
4. केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी, एवं कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार, पटना के संयुक्त तत्वावधान में महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये क्युर-तनग्युर एवं सुडबुम हिन्दी अनुवाद योजना के तहत दिनांक 27 अक्टूबर, 2023 को श्रीमती हरजोत कौर, बमराह, आईएस, अतिरिक्त मुख्य सचिव, बिहार सरकार की अध्यक्षता में एक बैठक आहूत की गई। जिसमें डॉ. लोबसंग दोर्जे, पुनरुद्धार विभागाध्यक्ष, टी.आर. शाशनी, दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभागाध्यक्ष एवं श्री प्रमोद सिंह, एसिस्टेंट रजिस्टार सम्मिलित हुए। उस बैठक में हिन्दी अनुवाद योजना से सम्बन्धित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। डॉ. लोबसंग दोर्जे (समन्वयक) ने वर्तमान परियोजना रिपोर्ट के साथ हिन्दी में अनूदित चार किताबें (डमी के रूप में प्रकाशित) तथा

दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग द्वारा संपादित एक ग्रन्थ (पाण्डुलिपि ग्रन्थ-संग्रह) सहित पांच ग्रन्थ उनके समक्ष प्रस्तुत की है।

(घ) सेमिनार एवं कार्याशाला में सहभागिता:-

1. दिनांक 20-21 अप्रैल, 2023 तक के.उ.ति.शि.संस्थान, सारनाथ अतिश सभागार में ऑडियो विजुअल के माध्यम से दिल्ली में आयोजित The Global Buddhist Summit 2023 : Responses to Contemporary Challenges : Philosophy to Praxis' कार्यक्रम में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।
2. दिनांक 25-05-2023 को संस्थान के अतिश सभागार में आयोजित Buddhist orientation Programme "Under the Culture Cum Forward area tour : Higher Defence Orientation Course" on the request of 39 GTC, Varanasi में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।
3. दिनांक 30.06.2023 को संस्थान के अतिश सभागार में 'हर आँगन में योग' के समापन समारोह में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।
4. दिनांक 04-07-2023 को श्री ऋषिकेश शरण द्वारा प्रदत्त प्रेरक वार्ता (Motivational talk) में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।
5. दिनांक 15-07-2023 को के.उ.ति.शि.संस्थान, सारनाथ, वाराणसी तथा आईसीएसएस, नई दिल्ली (ICSS, New Delhi) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित G-20 Seminar on the Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutual Cordiality under C-20 Initiative on Diversity, Inclusion & Mutual respect नामक अखिल भारतीय एक दिवसीय संगोष्ठी में विभाग के सदस्यों ने भाग लिया। आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने संगोष्ठी की व्यवस्था हेतु गठित कमेटी में सदस्य के रूप में सौंपे गये दायित्वों का निर्वहन किया।
6. दिनांक 29-07-2023 को भारत व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) का प्लेनरी हॉल, प्रगति मैदान, नई दिल्ली (The Plenary Hall of India Trade Promotion Organization (ITPO), Pragati Maidan, New Delhi) द्वारा आयोजित "अखिल भारतीय शिक्षा समागम" राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2022 की तीसरी वर्षगांठ (Akhil Bhartiya Shiksha Samagam 3rd anniversary of National Education Policy 2022) कार्यक्रम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्घाटन के सजीव प्रसारण में संस्थान के अतिश सभागार में विभाग के सभी सदस्य सम्मिलित हुए।
7. दिनांक 30 जुलाई, 2023 को माननीय सिक्योड श्री पेन्पा छेरिंग (सी.टी.ए, धर्मशाला) के दो-दिवसीय केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ में आगमन के समय कर्मचारी एवं छात्रों को दिये गये सम्बोधन भाषण में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए। उन्होंने सभी शोध विभागों का दौरा किया गया और विभागाध्यक्ष द्वारा विभाग के उद्देश्यों और उपलब्धियों से परिचित कराया।
8. दिनांक 15 सितम्बर, 2023 को संस्थान के अतिश-सभागार में उपमुख्य चिकित्साधिकारी डा० एस० एस० कन्नौजिया द्वारा आयोजित "संचारी रोग का रोकथाम एवं नियन्त्रण" (Prevention & Control of Communicable Disease) कार्यक्रम में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।
9. दिनांक 25 सितम्बर, 2023 से 30 सितम्बर, 2023 तक शान्तरक्षित-ग्रन्थालय-सभागार में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित "हिन्दी का अन्तरराष्ट्रीय स्वरूप एवं चुनौतियाँ" विषयक संगोष्ठी में आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने भाग लिया।

10. दिनांक 04 अक्टूबर, 2023 से 16 अक्टूबर, 2023 तक संस्थान में सी.टी.ई. विभाग, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित Capacity Building Programme “Interdisciplinary Frame-work for Foundation of Education” के उद्घाटन-सत्र में पुनरुद्धार विभाग के विभागाध्यक्ष ने भाग लिया।
11. दिनांक 20-23 दिसंबर, 2023 को महाबोधि सांस्कृतिक केन्द्र बोधगया में अंतर्राष्ट्रीय संघ मंच द्वारा चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस समारोह का शुभारम्भ मुख्य अतिथि परम पावन दलाई लामा जी के कर कमलों से हुई तथा समस्त प्रतिभागियों को सम्मेलन की सफलता हेतु आशीर्वाद दिया। इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य दक्षिण-पूर्व और दक्षिण एशियाई देशों भारत, थाईलैंड, म्यांमार, श्रीलंका, बांग्लादेश, इंडोनेशिया के साधकों और तिब्बत, भूटान, नेपाल, वियतनाम, चीन, ताइवान, जापान, कोरिया, रूस, मंगोलिया और दुनिया के अन्य हिस्सों के संस्कृत परंपरा के साधकों के बीच निरंतर संवाद और सहयोग विकसित करना है। इन चार दिवसीय सम्मेलन में विभाग के दोनों सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा सम्मेलन के उद्घाटन समारोह पर अन्य भिक्षुओं के साथ संस्कृत में मंगलाचरण का भी पाठ किया गया।
12. दिनांक 10-01-2024 को राजभाषा कार्यान्वयन-समिति, के. उ. ति. शि. संस्थान, सारनाथ द्वारा विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित “हिन्दी को जनमत की भाषा बनाना, बगैर मातृ-भाषा के महत्त्व को भूले” विषयक कार्यशाला में विभाग के सदस्यों ने भाग लिया।
13. दिनांक 13-03-2024 को “Live PM Modi Participates in India’s Techade : CHIP For Viksit Bharat” विषयक वेबसाइट के माध्यम से संभाषण में अतिश सभागार में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।
14. दिनांक 23-03-2024 को “राजभाषा-कार्यशाला” के अन्तर्गत “राजभाषा हिन्दी भाषा समावेशी संस्कृति” तथा “राजभाषा नियम, अधिनियम एवं सांविधिक प्रावधान” विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने भाग लिया।
15. दिनांक 30-03-2024 को संस्थान के भूतपूर्व निदेशक प्रो. एस. रिन्पोछे एवं भिक्षु संघ द्वारा संस्थान परिसर में प्रतिष्ठापित बुद्ध-मूर्ति एवं पञ्चवर्गीय भिक्षु की प्रतिमाओं का अनावरण कार्यक्रम में विभाग के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस समारोह पर भिक्षु संघ द्वारा बौद्ध विधि-विधान अनुसार पूजा-अर्चना की।

(ड) व्याख्यान में सहभागिता:-

1. दिनांक 5 मई, 2023 को संस्थान के शान्तरक्षित पुस्तकालय के आंगन में बुद्धजयन्ती-समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग की शोध पत्रिका धीः का 63वें अंक भगवान बुद्ध को अर्पित किया गया। बुद्ध जयन्ती समारोह के शुभावसर पर माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में विद्वद्-गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें भदन्त सुमेध थेरो, प्रो.विमलेन्द्र कुमार, प्रो. श्रावक, प्रो. हरिप्रसाद दीक्षित आदि विभिन्न संस्थानों से पधारे हुए विद्वज्जनों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। सारनाथ के विभिन्न मठों, विहारों, संस्थाओं के प्रतिनिधियों, अतिथियों, संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित विभाग के सदस्य कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।
2. दिनांक 6 जुलाई, 2023 को संस्थान द्वारा 14वें परम पावन दलाई लामा जी के 88वें जन्मदिन के शुभावसर पर “परम पावन दलाई लामा जी का विश्वशान्ति में योगदान” विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. वाडछुक दोर्जे नेगी जी ने की। संगोष्ठी के पावन अवसर पर उपस्थित विद्वानों द्वारा उपर्युक्त विषय पर प्रदत्त व्याख्यान में संस्थान के समस्त अध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र एवं छात्राएं सहित विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।

3. दिनांक 21 जुलाई, 2023 को संस्थान द्वारा आयोजित बुद्ध के प्रथम धर्मचक्र प्रवर्तन के पुण्य दिवस पर संस्थान के सभी परिवार अतीश सभागार में भोट परम्परा अनुसार 'बौद्ध त्रिपिटक' (कग्युर) का पाठ किया गया। इस पुण्य अवसर पर विभाग के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
4. दिनांक 05 सितम्बर, 2023 को अतिश-सभागार में संस्थान के माननीय कुलपति महोदयजी की अध्यक्षता में IQAC, विभाग द्वारा शिक्षक-दिवस समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान के कुछ प्रतिष्ठित शिक्षकों को शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए उन्हें पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. हरिश्चन्द्र सिंह राठौर, पूर्व कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय दक्षिण बिहार, गया द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में विभाग के सभी सदस्य सम्मिलित हुए।
5. दिनांक 05-11-2023 को अतिश-सभागार में संस्थान के भूतपूर्व निदेशक प्रो. एस. रिनपोछे जी का 84वां जन्मदिन समारोह का कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर प्रो. जम्पा समतेन जी द्वारा प्रो. एस. रिनपोछे जी का संक्षिप्त जीवनी और इस संस्थान में उनके उत्कृष्ट योगदान पर व्याख्यान दिया।
मध्याह्न-सत्र में प्रो. वङ्छुग् दोर्जे नेगी, कुलपति के.उ.ति.शि. संस्थान, सारनाथ, प्रो. जम्पा समतेन तथा खेनपो सोनम, मोन शेरब सङ्पो एसोसिएशन, अरुणाञ्चल प्रदेश के विद्वानों द्वारा 'शिक्षा का महत्त्व; शिक्षा का सही अर्थ और 'यह दिन भोटी शिक्षा दिवस के रूप में क्यों मनाया जाता है' विषय पर व्याख्यान दिया गया। सांयकालीन सत्र में छात्रों द्वारा उपर्युक्त विषयों पर शास्त्रार्थ का कार्यक्रम किया गया। उपर्युक्त इन सभी सत्रों में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।
6. दिनांक 29.12.2022 से 31.12.2023 तक बोधगया, बिहार में आचार्य नागार्जुन विरचित "धर्मधातु स्तव" ग्रन्थ पर परम पावन दलाई लामा जी द्वारा प्रदत्त प्रवचन एवं दीर्घायु पूजा में डॉ. लोबसंग दोर्जे ने भाग लिया।

(च) अन्य प्रशासनिक कार्य-

1. स्वच्छता भारत मिशन के अनुपालन में दिनांक 21 अप्रैल, 2023 से 30 अप्रैल, 2023 तथा 2 अक्टूबर, 2023 से 31 अक्टूबर, 2023 माह के लिए तैयार स्वच्छता कार्य योजना के तहत स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया है। जिसके अन्तर्गत दिनांक 24.04.2023 तथा 16.10.2023 को कुलपति कार्यालय के कर्मचारी, शोध एवं प्रकाशन अनुभाग के कर्मचारियों द्वारा सांय 4.00 बजे से 5.00 तक कमलशील भवन तथा सम्भोट भवन के आस-पास की सफाई सम्बन्धित श्रमदान कार्यों में विभाग के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
2. दिनांक 5.06.2023 को संस्थान द्वारा आयोजित 'विश्व पर्यावरण दिवस' के कार्यक्रम में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।
3. दिनांक 21 जून को संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य, सद्भाव एवं शांति हेतु विश्व भर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। योग के महत्त्व को देखते हुए संस्थान द्वारा दिनांक 18.06.2023 से 30.06.2023 तक इच्छुक संस्थान के कर्मचारियों एवं छात्र-छात्राओं को योग प्रशिक्षण दिया गया। दिनांक 21 जून, 2023 को 'अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस' के शुभावसर पर संस्थान के समस्त परिवार हर्ष एवं उल्लास के साथ योग अभ्यास किया गया। जिसमें विभाग के सदस्यों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
4. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने दिनांक 28 जून, 2023 को संस्थान द्वारा अतिश सभागार में आयोजित प्रवेश परीक्षा (सत्र 2023-24) के दौरान प्रातः 9.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक तथा दोपहर 2 बजे से सांय 5 बजे तक परीक्षा निरीक्षक के रूप में अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक निर्वहन किया।

5. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने दिनांक 6 जुलाई, 2023 को 14वें परम पावन दलाई लामा जी के 88वें जन्म दिवस के पुनीत अवसर पर संस्थान द्वारा आयोजित **‘परम पावन दलाई लामा जी का विश्वशान्ति में योगदान’** विषयक संगोष्ठी की व्यवस्था हेतु गठित समिति में सदस्य के रूप में कार्य किया।
6. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने कार्यालय द्वारा निर्गत आदेश अनुसार दिनांक 03.07.2023 को संस्थान के सम्प्रदाय शास्त्र विभाग में कर्ग्युद सम्प्रदाय शास्त्र एवं गेलुग सम्प्रदाय शास्त्र विषयों के अतिथि अध्यापकों (संविदा) की नियुक्ति हेतु वाक-इन-इंटरव्यू में उपस्थित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन का दायित्व को निष्ठापूर्वक किया है।
7. भारत के 77वें स्वतन्त्रता दिवस, 15 अगस्त, 2023 के पावन अवसर पर माननीय कुलपति महोदय जी के द्वारा प्रातः 9.00 बजे शान्तरक्षित ग्रन्थालय के सामने ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात् कुलपति महोदय जी द्वारा संस्थान के समस्त अध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित कार्यक्रम में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।
8. दिनांक 02 अक्टूबर, 2023 को **“गाँधी जयन्ती”** के अवसर पर स्वच्छता पखवाड़ा कार्य योजना के तहत माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में ‘शपथ ग्रहण’ तथा ‘वृक्षा रोपण’ के कार्यक्रम में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।
9. दिनांक 18.10.2023 को कार्यालय के अधिसूचना अनुसार डॉ. लोबसंग दोर्जे को ‘संस्थान के मल्टी-टास्किंग स्टाफ के वर्दी की खरीदार हेतु बाजार का सर्वेक्षण और कोटेशन का संग्रह’ की समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया। तदनुसार उन्होंने अपने दायित्व को निष्ठापूर्वक सम्पन्न किया।
10. दलाई लामा इंस्टीट्यूट फॉर हायर एजुकेशन, बैंगलोर ने अपने वरिष्ठ छात्रों और पी.एच.डी. छात्रों की विवा-वॉयस और सह-मार्गदर्शन हेतु डॉ. लोबसंग दोर्जे सहित अन्य दो प्रोफेसरों को बाह्य परीक्षक के रूप में भाग लेने के लिए अनुरोध किया गया। तदनुसार विभाग की ओर से डॉ. लोबसंग दोर्जे ने दिनांक 27 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2023 तक चार दिवसीय कार्यक्रम समारोह में भाग लिया।
11. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने कार्यालय द्वारा निर्गत आदेश अनुसार दिनांक 06.02.2024 को संस्थान द्वारा शोध सहायक (संविदा) की नियुक्ति हेतु वाक-इन-सलेक्शन एवं वाक-इन-इंटरव्यू से पूर्व उपस्थित अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन के दायित्व का निष्ठापूर्वक निभाया है।
12. संस्थान प्राधिकरण ने दिनांक 9 जनवरी, 2023 को संस्थान में सघन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के कौशल और विकास कार्यक्रम की देखभाल के लिए एक समिति गठित करने की अधिसूचना जारी की है। पुनरुद्धार विभाग की ओर से डॉ. लोबसंग दोर्जे को समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया। उन्होंने सभी बैठकों में भाग लिया और इसके लिए एक पाठ्यक्रम तैयार कर संस्थान को सौंपा गया।
13. 75वें गणतन्त्र दिवस, 26 जनवरी, 2024 के पावन अवसर पर माननीय कुलपति महोदय द्वारा प्रातः 10 बजे शान्तरक्षित ग्रन्थालय के सामने ध्वजारोहण किया गया। तत्पश्चात् कुलपति महोदय जी ने संस्थान के समस्त अध्यापकगण, कर्मचारीगण एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित किया गया।
14. केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के सतर्कता समिति द्वारा आयोजित दिनांक 31.10.2023 को सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह समारोह के अन्तर्गत माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में **“शपथ-ग्रहण-समारोह”** में विभाग के सदस्य सम्मिलित हुए।

15. आचार्य नवांग ग्यालछेन ने कार्यालय द्वारा निर्गत आदेश अनुसार दिनांक 18-20 अक्टूबर, 2023 तक जिज्ञा छात्र कल्याण समिति के वार्षिक लेखा-जोखा हेतु लेखा परीक्षक के रूप में सभी कार्यों को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया।
16. पी.एच.डी शोध कार्य की निरंतर गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए तिब्बती भाषा में पीएचडी थीसिस लेखन के लिए एक मानक स्टाइलशीट हेतु दिशा-निर्देश बनाना अनिवार्य है। इसलिए डॉ. लोबसंग दोर्जे को मानकीकृत तिब्बती शोध शैली पत्रक (स्टाइलशीट) की देख-रेख हेतु समिति के सदस्य के रूप में नामित किया गया।
17. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने विभाग के वर्ष 2022-2023 का तिब्बती भाषा में वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर धर्म एवं संस्कृति विभाग, केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन, धर्मशाला को प्रस्तुत किया गया तथा संस्थान के वार्षिक रिपोर्ट हेतु विभाग के वर्ष 2022-23 का अंग्रेजी में वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत किया गया।
18. आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी ने विभाग के वर्ष 2022-20223 का हिन्दी में वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत किया तथा दिनांक 17 मई, 2023 को कयुर, तनग्युर एवं सुङ्-बुम हिन्दी अनुवाद योजना का वार्षिक रिपोर्ट तैयार कर बिहार सरकार को प्रस्तुत किया गया।
19. डॉ. लोबसंग दोर्जे ने वर्ष 2023-2024 के सत्र के दौरान दो बार आवास आवंटन की बैठकों में भाग लिया।
20. पुनरुद्धार विभाग की ओर से डॉ.लोबसंग दोर्जे ने दिनांक 30 अक्टूबर से 5 नवम्बर, 2023 तक भ्रष्टाचार विरोधी अभियान को प्रोत्साहन देने के लिए सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान वाद-विवाद में जज के रूप में सक्रिय रूप से भाग लिया है।

समितियों के सदस्य -

डॉ. लोबसंग दोर्जे-

1. सदस्य:- एच.ए.सी समिति
2. सदस्य: विभागीय अनुसंधान समिति, सोवा रिग्पा विभाग
3. सदस्य:-उपाध्यक्ष, पुरातन छात्र समिति (के.उ.ति.शि.संस्थान)
4. सलाहकार:- छात्र स्वैच्छिक समिति

आचार्य नवांग ग्यालछेन नेगी

1. सदस्य:- अनुसूचित जनजाति

2. अनुवाद विभाग

उद्देश्य:

अनुवाद विभाग शोध विभाग का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो बुद्ध वचन के साथ-साथ उन पर प्राचीन भारतीय बौद्धाचार्यों की टीकाओं तथा भोटाचार्यों द्वारा विरचित ग्रन्थों के अनुवाद एवं भोटपाठ का सम्पादन सहित शोधपरक संदर्भों, इन्डेक्स एवं समीक्षात्मक भूमिका लेखन द्वारा शोधपरक ग्रन्थों के प्रकाशन कार्य में संलग्न है।

अनुवाद विभाग के चार प्रमुख आयाम हैं- 1. संस्कृत पाण्डुलिपियों एवं तिब्बती पाठ का सम्पादन, 2. तिब्बती अनुवाद की सहायता से विलुप्त बौद्ध संस्कृत सूत्र-शास्त्र ग्रन्थों का संस्कृत में पुनरुद्धार, 3. तिब्बती, संस्कृत एवं पालि भाषा में विरचित विद्वान् आचार्यों के प्रचलित बौद्ध साहित्यिक ग्रन्थों का हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा में अनुवाद तथा 4. महत्वपूर्ण संस्कृत ग्रन्थों का तिब्बती भाषा में अनुवाद करना।

इसके अतिरिक्त कार्यालयीय आदेशानुसार विभागाध्यक्ष अतिरिक्त कार्य के रूप में अनिवार्य संस्कृत भाषा के अध्यापन का एवं प्रकाशन अनुभाग के प्रभारी का दायित्व भी निभा रहे हैं और साथ ही, कई समितियों के अध्यक्ष हैं।

विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. डॉ० पेमा तेनजिन - प्रोफेसर, विभागाध्यक्ष
2. एसोसिएट प्रोफेसर - रिक्त
3. सहायक प्रोफेसर - रिक्त
4. शोध सहायक - रिक्त
5. शोध सहायक - रिक्त

1. विभागीय मुख्य कार्य :

क. प्रकाशित ग्रन्थ :

आर्यसन्धिनिर्मोचनसूत्र : प्रस्तुत सूत्र में दस अध्याय हैं, जिनका भोटभाषा से संस्कृत में पुनरुद्धार, भोट पाठ का अन्य प्रचलित चार प्रसिद्ध संस्करणों से मिलान द्वारा संशोधन किया गया है और इसके अतिरिक्त भूमिका सहित, सहायक ग्रन्थों की संदर्भ सूची एवं शब्दकोश भी दिया गया है।

भोट-भारतीय ग्रन्थमाला-96, 2023, ISBN: 978-93-95086-31-8 HB, 978-93-95086-32-5 PB

ख. प्रमुख कार्य (जो प्रगति पर हैं) :

- **गुरुसमन्तभद्रमुखागम (कुनसङ् लामङ् श्यल-लुङ्) :** अत्यन्त प्रचलित एवं महत्वपूर्ण बौद्ध साधना से सम्बद्ध प्रोफेसर पेमा तेनजिन द्वारा हिन्दी में अनूदित एवं वर्ष 2009 में प्रकाशित उक्त ग्रन्थ की समस्त प्रतियाँ समाप्त हो चुकी हैं। पाठकों एवं जिज्ञासुओं की माँग को देखते हुए ग्रन्थ का पुनः मुद्रण करने का निर्णय लिया गया। पहले इस ग्रन्थ का टंकण एपल कम्प्यूटर फोंट में किया गया था, जो अब प्रचलन में नहीं है। अतः इसे विन्डोज में परिवर्तन किया जाना आवश्यक था। कार्य की कठिनाता को देखकर स्वयं अनुवादक प्रोफेसर पेमा तेनजिन ने बीड़ा उठाया और न केवल फोंट को यूनिकोड के माध्यम परिवर्तित कर उसका प्रूफ देखना, सम्पादन करना, संशोधन करना सहित आवश्यक सुधार कार्यों को सम्पन्न किया, अपितु ग्रन्थ का प्रकाशन हेतु केमरा रेडी कापी तैयार कर प्रकाशन अनुभाग को सौंप दिया है।
- **स्वार्थानुमान (तृतीय अध्याय, प्रमाणवार्तिक) :** स्वर्गीय प्रोफेसर रामशङ्कर त्रिपाठी द्वारा अनूदित स्वार्थानुमान के हिन्दी अनुवाद के पाण्डुलिपि का संशोधन एवं सम्पादन आदि कार्य प्रोफेसर पेमा तेनजिन द्वारा पूर्ण किया जा चुका है और अन्तिम केमरा रेडी कापी तैयार कर प्रकाशन हेतु प्रकाशन अनुभाग को सौंप दिया गया है।
- **मृत्युवञ्जनोपदेश समुच्चय :** आचार्य वागीश्वरकीर्ति विरचित इस ग्रन्थ का भोट लिपि से संस्कृत में लिप्यन्तरण सहित हिन्दी अनुवाद एवं भाषागत संशोधन तथा कम्प्यूटरीकरण का कार्य स्व० प्रोफेसर लोसङ् नोर्बू शास्त्री द्वारा पूर्ण किया जा चुका था। प्रोफेसर पेमा तेनजिन ने ग्रन्थ के प्रकाशन का दायित्व ग्रहण कर पुनः आवश्यक सम्पादन एवं संशोधन आदि कार्यों सहित केमरा रेडी कापी तैयार कर प्रकाशन अनुभाग को प्रकाशनार्थ सौंप दिया है।

नोट: (उक्त ग्रन्थों पर कार्य करते समय ग्रन्थ का अध्ययन, विद्वानों के साथ विषयगत चर्चा, परामर्श, भोट अथवा संस्कृत पाठ का सम्पादन, पारिभाषिक शब्दों का चयन, टीकाओं एवं सहायक ग्रन्थों का अध्ययन, सूचनाएं, पाद-टिप्पणियाँ, बिबलियोग्राफी, शब्द-कोश, भूमिका, तीन भाषाओं में कम्प्यूटर कम्पोजिंग, कई बार प्रूफ रीडिंग, भाषागत एवं विषयगत संशोधन एवं अन्तिम निर्णयात्मक सम्पादन, कम्प्यूटर में संशोधन कार्य, प्रकाशनार्थ

कम्प्यूटराइज्ड कापी तैयार करना इत्यादि कार्य सम्मिलित हैं। कुल मिलाकर एक उच्च स्तरीय शोधपरक ग्रन्थ तैयार किया जाता है।)

ग. सामूहिक पुनरुद्धार/अनुवाद एवं सम्पादन कार्य :

- **पुण्यबल अवदानम् :** डॉ० ललित नेगी द्वारा हिन्दी में अनूदित उक्त ग्रन्थ का सम्पादन एवं संशोधन प्रो. पेमा तेनजिन द्वारा सम्पन्न किया गया।
- **बोधिपथप्रदीपपञ्जिका :** (संस्कृत पुनरुद्धार एवं हिन्दी अनुवाद) ग्रन्थ का संस्कृत में पुनरुद्धार, भोटपाठ का अन्य संस्करणों के साथ मिलान कर सम्पादन, हिन्दी अनुवाद का कार्य पूर्ण हो चुका है। सम्प्रति भूमिका लेखन आदि कार्य प्रगति पर हैं।
- **युक्तिषष्टिका एवं वृत्ति :** (आचार्य चन्द्रकीर्ति) सामूहिक कार्य के रूप में इस ग्रन्थ का पुनरुद्धार एवं अनुवाद कार्य बहुत पहले किया जा चुका है, किन्तु भोटपाठ से सम्बन्धित कार्यों में विलम्ब की वजह से कार्य बाधित है।

2. अध्यापन कार्य :

- प्रोफेसर पेमा तेनजिन, विश्वविद्यालय के शैक्षणिक विभाग में उत्तर मध्यमा प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अनिवार्य संस्कृत भाषा का निरन्तर अध्यापन कर रहे हैं और कक्षा से सम्बन्धित उपस्थिति, प्रस्तुति, एसाइन्मेन्ट, मङ्गलाचरण पाठ, श्लोक-पाठ, श्लोक कण्ठस्थीकरण, प्रश्न-पत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन इत्यादि कार्य का निर्वहन कर रहे हैं।

3. शोध-प्रबन्ध एवं व्याख्यान (विभागाध्यक्ष) :

- भगवान् बुद्ध एवं उनके स्व-परार्थ सम्पदाएं, प्रकाशित, धर्मदूत-89 ISSN: 2347-3428

4. अन्य प्रशासनिक कार्य/प्रकाशन प्रभारी :

- प्रोफेसर पेमा तेनजिन अनुवाद विभाग एवं अध्यापन के अतिरिक्त प्रकाशन-प्रभारी के रूप में विगत एक दशक से भी अधिक समय से प्रकाशन अनुभाग का कार्यभार सभालते हुए प्रकाशन अनुभाग के समस्त कार्यालयीय कार्यों की देख-रेख, ग्रन्थों का सम्पादन, संशोधन एवं प्रकाशनार्थ समस्त प्रक्रियाओं को पूर्ण कर प्रिन्टिंग प्रेस को प्रेषित करना, प्रकाशन में सुधार लाना आदि दायित्वों का निर्वहन कर रहे हैं।
- पटना संग्रहालय का राहुल संग्रह के तहत कयूर, तनयुर एवं सुड्बुम का हिन्दी अनुवाद एवं संस्कृत पाण्डुलिपियों का सम्पादन के अन्तर्गत प्रकाशित किये जाने वाले ग्रन्थों के प्रारूप, मूल्य निर्धारण, कवर पृष्ठ शीर्षक आदि के लिए कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, बिहार सरकार के प्रतिनिधि डॉ. विमल तिवारी के साथ माननीय कुलपति की अध्यक्षता में बैठक हुई, जिसमें ग्रन्थों के प्रकाशनार्थ छपाई, मुखड़ा, फोन्ट, कागज, आकार आदि का निर्धारण किया गया।

5. समिति-सदस्यता :

प्रोफेसर पेमा तेनजिन पब्लिकेशन समिति के सचिव के साथ-साथ संस्थान के अनेक समितियों के सदस्य हैं।

3. दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग

1. विभाग की शैक्षिक पृष्ठभूमि—

क. परिकल्पना—

ऐतिहासिक विडम्बना के फलस्वरूप भारत से प्राचीन बौद्ध-संस्कृत साहित्य का अधिकांश भाग प्रायः विलुप्त हो चुका था। भारत के इस प्राचीन बौद्धिक सम्पदा के कुछ अंश भारत के पड़ोसी देशों, विशेषकर नेपाल एवं तिब्बत में

पाण्डुलिपियों के रूप में उपलब्ध हुए हैं। परवर्ती समय में इन देशों से अनेक पाण्डुलिपियाँ विश्व के अनेक पुस्तकालयों में पहुँच गयीं। उस विलुप्त साहित्य का विशेषकर “बौद्धतन्त्र-साहित्य” का पुनरुद्धार, सम्पादन, प्रकाशन तथा शोध की परिकल्पना की दृष्टि से इस विभाग की स्थापना की गई है।

ख. स्थापना—

दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थों के शोध एवं प्रकाशन की इस अति महत्वपूर्ण एवं महत्वाकांक्षी योजना को नवम्बर, 1985 में तत्कालीन मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के सहयोग से केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में प्रारम्भ किया गया था। प्रारम्भ में इसके कार्य-क्षेत्र एवं अध्ययन तथा शोध के आयामों के निर्धारण के लिए पाँच महीने का पायलेट प्रोजेक्ट संचालित किया गया था। तत्पश्चात् इसकी उपलब्धियों, विषय की महत्ता एवं व्यापकता को दृष्टि में रखते हुए 1 अप्रैल, 1986 से इसे पञ्चवर्षीय-योजना का रूप प्रदान कर संचालित किया गया, जिसे बाद में संस्थान के स्थायी अनुभाग के रूप में स्वीकृत किया गया। सम्प्रति यह विभाग संस्थान के शोध-संकाय के अन्तर्गत स्थायी विभाग के रूप में कार्य कर रहा है। इस शोध विभाग के प्रथम योजना निदेशक एवं द्रष्टा स्व. प्रो. जगन्नाथ उपाध्याय जी थे।

ग. विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम—

1. श्री ठिनलेराम शाशनी	- एसोसिएट प्रोफेसर (विभागाध्यक्ष)
2. डॉ. विजयराज वज्राचार्य	- शोध-सहायक
3. डॉ. छेरिङ्ग डोलकर	- शोध-सहायक
4. डॉ. रञ्जनकुमार शर्मा	- शोध-सहायक
5. डॉ. रवि गुप्त मौर्य	- शोध-सहायक
6. रिक्त	- सहायक प्रोफेसर
7. रिक्त	- सहायक प्रोफेसर
8. रिक्त	- शोध सहायक

घ. विभागीय पुस्तकालय—

दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग में प्रारम्भ से ही विभागीय पुस्तकालय की स्थापना की गई है। शोध कार्यों को दृष्टि में रखकर विभागीय पुस्तकालय में मुख्यतः बौद्ध, जैन, शैव, शाक्त, वैष्णव आदि तन्त्र-साहित्यों एवं भारतीय दर्शन से सम्बन्धित महत्वपूर्ण साहित्य का संकलन किया जाता है।

ड. वर्ष 2023-2024 में नये ग्रन्थों का चयन तथा क्रय—

वर्ष 2023-2024 में विभागीय पुस्तकालय के लिए कोई नया ग्रन्थ क्रय नहीं किया गया। इस अवधि में संस्थान के प्रकाशन विभाग से 21 ग्रन्थ निःशुल्क तथा 17 ग्रन्थ भेंट स्वरूप प्राप्त हुए। इनका मूल्य 10,190.00 (दस हजार एक सौ नब्बे) रुपये मात्र है। इनमें से 09 ग्रन्थ बहु-भाषी, 11 ग्रन्थ द्वि-भाषी, तथा अवशिष्ट ग्रन्थ एक-भाषी हैं। प्रकाशन विभाग से निःशुल्क/भेंट स्वरूप प्राप्त ग्रन्थों को परिग्रहण-पञ्जिका में क्रम-संख्या 02415 से 02452 तक अंकित किया गया है।

2. प्रकाशन, सम्पादन एवं शोध-कार्य—

क. शोध-पत्रिका ‘धीः’ का संक्षिप्त-परिचय एवं योगदान—

बौद्धतन्त्रों से सम्बन्धित नवीन शोध-कार्यों और उनसे प्राप्त निष्कर्षों तथा हो रहे शोध कार्यों की नवीनतम सूचनाओं को विश्व के विद्वानों एवं शोधार्थियों तक पहुँचाने के लिए विभाग द्वारा ‘धीः’ नामक वार्षिक शोध-पत्रिका प्रकाशित

की जाती है। विभाग के प्रारम्भ से अब तक यह पत्रिका अविच्छिन्न रूप से प्रकाशित हो रही है। बौद्ध-अध्ययन, विशेषकर बौद्धतन्त्रों के अध्ययन में संलग्न विद्वानों द्वारा इसकी भूरि-भूरि प्रशंसा हो रही है। सम्प्रति, इस शोध-पत्रिका का देश-विदेश के 15 शोध-पत्रिकाओं के साथ विनियम हो रहा है। इस शोध-पत्रिका के अधिकांश स्तम्भ विभागीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत किये जाते हैं। प्रस्तुत आलोच्य वर्ष तक इसके 63 अंक प्रकाशित हो चुके हैं।

ख. 'धीः' शोध-पत्रिका के 63 वें अंक का प्रकाशन—

इस वर्ष धीः शोध-पत्रिका के 63 वें अंक का प्रकाशन वैशाख-पूर्णिमा (दिनांक 05 मई, 2023) के शुभ अवसर पर किया गया। इस अंक में राहुल-सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गए बौद्ध संस्कृत पाण्डुलिपियों के प्रकाशन के अन्तर्गत 01 नवीन स्तोत्र तथा 15 लघु ग्रन्थ तथा दो लेख समाविष्ट हैं।

ग. 'धीः' शोध-पत्रिका के आगामी 64 वें अंक का शोध एवं सम्पादन-कार्य—

इस आलोच्य वर्ष में धीः शोध-पत्रिका के आगामी 64 वें अंक में प्रकाशनार्थ राहुल-संग्रह में उपलब्ध स्तोत्र एवं लघु-ग्रन्थों का शोध एवं सम्पादन, अन्य सम्बन्धित शोध-सामग्रियों का संकलन, सम्पादित ग्रन्थों का कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट, प्रूफ रीडिंग तथा संशोधन सहित सम्पादन-कार्य किया जा रहा है।

घ. 'धीः' शोध-पत्रिका के 63 वें अंक में प्रकाशित स्तोत्र, लघु ग्रन्थ एवं अन्य शोध-सामग्री—

- (1) नैरात्म्यास्तुतिः
- (2) महापण्डित-महामण्डलाचार्य-सुभूतिपालितपादानां श्रीभूतडामरभट्टारकस्य साधनम्
- (3) महाचार्य-सुभूतिपालितपादानां श्रीभूतडामरमण्डलविधिः
- (4) पण्डितरत्नाकरशान्तिपादानां भ्रमहरसाधनं नाम हेवज्रसाधनोपायिका
- (5) आचार्यसरोरुहवज्रपादानां श्रीहेवज्रस्य साधनोपायिका
- (6) बलितत्त्वाधिकारः
- (7) महापण्डित-स्थविर-शाक्यरक्षितपादानां श्रीहेवज्राभिसमयतिलकम्
- (8) वज्राचार्यदुर्जयचन्द्रोद्भूतं षडङ्गसाधनम्
- (9) हेवज्रपूजाविधिः
- (10) पण्डित-श्रीदिवाकरचन्द्रस्य नाडीचक्राभिसम्बोधिनाम-साधनोपायिका
- (11) नैरात्म्यासाधनम्
- (12) श्रीहेवज्रतन्त्रस्य यथालब्धसाधनम्
- (13) श्रीहेवज्रभट्टारकस्य पूजाविधिः
- (14) श्रीहेवज्रतन्त्रोक्तबलिविधिः
- (15) शाश्वतवज्रस्य बाह्यपूजाविधिसंग्रहः
- (16) बौद्ध एवं बौद्धेतर तन्त्रों में भगवती तारा का स्वरूप
- (17) श्रीलघुकालचक्रतन्त्रराज एवं उसकी टीका विमलप्रभा में उद्धृत आयुर्विज्ञान की समीक्षा (3)
- (18) भोटाचार्य कुन्-गा मि-ग्युर् दो-र्जे विरचित अन्तराभव-अध्येषणा की गम्भीर-आशु-मार्ग-सोपान-नाम संक्षिप्त-अभिधेयार्थ-टीका (भोट से हिन्दी में अनुवाद)

3. संस्कृत तथा भोट-ग्रन्थों के सम्पादन एवं प्रकाशन की प्रक्रिया तथा इस आलोच्य वर्ष में सम्पादित शोध-कार्यों का विवरण—

सम्पादन एवं प्रकाशन की प्रक्रिया— प्रथमतः सम्पादन हेतु ग्रन्थ का चयन, चयनित ग्रन्थ पर शोध एवं विभिन्न ग्रन्थागारों से पाण्डुलिपियों का संकलन एवं वर्गीकरण, देवनागरी में लिप्यन्तरण, कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट, विभिन्न

संस्कृत-पाण्डुलिपियों तथा क-ग्युर एवं तन-ग्युर के विभिन्न भोट-संस्करणों से पाठ-संकलन, संकलित पाठों के आधार पर पाठ-निर्णय, संस्कृत एवं भोट-संस्करण का परस्पर पाठ-मिलान, निर्णीत पाठों एवं पाद-टिप्पणियों का डाटा-इनपुट, प्रूफ-रीडिंग एवं संशोधन तथा श्लोकार्थानुक्रमणी, उद्धृतवचन-सूची, शब्द-सूची आदि विविध परिशिष्टों का निर्माण, ग्रन्थ से सम्बन्धित अन्य शोध-सामग्रियों का संकलन और प्राक्कथन एवं भूमिका-लेखन सहित चयनित ग्रन्थ को अन्तिम रूप देकर प्रकाशनार्थ सी.आर.सी. तैयार करना।

4. विभाग से प्रकाशित ग्रन्थ—

श्रीचतुष्पीठमहातन्त्रराजः (प्रथमो भागः) संस्कृत एवं भोट-संस्करण

5. प्रकाशन विभाग को प्रेषित ग्रन्थ—

नैरात्म्याया भगवत्या आशीःस्तुत्यादि-एकविंशति-वज्रयानग्रन्थाः [प्रथमो भागः] (संस्कृत-संस्करण)–

कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, (बिहार सरकार) तथा केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के मध्य हुए समझौता-ज्ञापन के तहत इस संग्रह-ग्रन्थ के प्रथम भाग का प्रकाशन किया जा रहा है, जिसमें महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गये वज्रयान साधनोपायिका से सम्बद्ध 21 स्तोत्र एवं लघु ग्रन्थ संकलित हैं। इस अवधि में उपर्युक्त संग्रह-ग्रन्थ को अन्तिम रूप देकर श्लोकार्थानुक्रमणी, उपोद्धात, पुरोवाक्, विषय-सूची, पाण्डुलिपियों का विवरण आदि कार्यों को निष्पादित कर, परम पावन दलाई लामा जी का संदेश सहित प्रकाशनार्थ तैयार किया गया है, किन्तु मुख्यमन्त्री (बिहार सरकार) के संदेश की प्रतीक्षा में अद्यावधि इसका प्रकाशन प्रेस में रुका हुआ है।

6. आगामी योजनान्तर्गत प्रकाशनाधीन ग्रन्थों का विवरण—

- (1) **मैत्रीपादविरचितः पञ्चविंशति-अमनसिकारधर्मसंग्रहः हिन्दी-अनुवादसहितः [अमनसिकार-महामुद्रा-साहित्यम्] (संस्कृत-संस्करण)**

इस ग्रन्थ-संग्रह की पूर्वपीठिका तथा सम्पादन-कार्य को पूर्णकर ग्रन्थ की समीक्षा, प्राक्कथन एवं प्रकाशकीय लेखन हेतु माननीय कुलपति जी के पास भेजा गया है।

- (2) **मैत्रीपादविरचित पञ्चविंशति-अमनसिकारधर्मसंग्रह (भोट-संस्करण)**

इस ग्रन्थ-संग्रह का देगे, चोने, नरथंग, पेचिंग आदि पाँच संस्करणों के आधार पर सम्पादन-कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। इस ग्रन्थ की भूमिका हेतु सामग्री-संकलन प्रगति पर है।

- (3) **मैत्रीपाद विरचित अबोध-बोधक, दोहानिधिनाम-तत्त्वोपदेश, संक्षिप्तसेकप्रक्रिया आदि तीन अन्य भोट-ग्रन्थों का भी कम्प्यूटर में डाटा इनपुट तथा देगे, चोने, नरथंग आदि संस्करणों से पाठ-संकलन का कार्य सम्पन्न किया गया।**

- (4) **सम्पुटोद्धवतन्त्रम् (भोट-संस्करण)**

इस ग्रन्थ के सातवें कल्प के दूसरे प्रकरण से चौथे प्रकरण तक के पाद-टिप्पणियों को युनिकोड फोन्ट में कनवर्ट कर पुनः कम्प्यूटर में डाटा-इनपुट और सेटिंग का कार्य सम्पन्न किया गया।

- (5) **अनङ्गवज्रकृत हेवज्रसाधनम् (भोट-संस्करण)**

इस ग्रन्थ का देगे, नरथङ् तथा पेचिंग भोट-संस्करणों से पाठ-संकलन तथा संस्कृत-संस्करण से पाठ-मिलान, प्रूफ-रीडिंग, प्रूफ-संशोधन आदि कार्य सम्पन्न किया गया।

7. 'धीः' शोध-पत्रिका के 64वें अंक में प्रकाशनार्थ लघुग्रन्थों के सम्पादन-कार्यों का विवरण-

(1) हेरुकस्तुति:

हेरुकस्तुति: नामक स्तोत्र आचार्य ज्ञानवज्रपाद द्वारा रचित सहजसद्बीजचिन्तामणिर्नाम हेवज्रसाधनम् का अंश है।

(2) महापण्डितदिवाकरचन्द्रस्य तत्त्वावलोक्याभिधानक्रमनैरात्म्यासाधनम् (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(3) तत्त्वप्रदीपानाम-साधनोपायिका (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(4) आचार्य-आनन्दगर्भपादानाम् आर्यसर्वबुद्धसमायोगतन्त्रोद्धृतः भगवतः श्रीहेरुकभट्टारकस्य साधनोपायिका (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(5) आचार्यज्ञानवज्रपादानाम् सहजसद्बीजचिन्तामणिर्नाम-हेवज्रसाधनम्

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(6) श्रीमदनङ्गवज्रस्य हेरुकसाधनम् (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, भोट-पाठ के साथ ग्रन्थ का पाठ-मिलान, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(7) महापण्डिताचार्य-दिवाकरचन्द्रपादानाम् ज्ञानप्रदीपाभिधानं हेवज्रसाधनम् (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(8) महापण्डिताचार्य-श्रीदिवाकरचन्द्रपादानां चिह्नविशुद्धिः (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(9) आचार्यगर्भपादानां श्रीहेरुकसाधनम् (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज तथा उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(10) सिद्धाचार्यश्रीमद्भद्रपादानां द्वेषवज्रसाधनम् (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(11) **द्विभुजहेवज्रस्य साधनम्** (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज तथा उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(12) **महाकविकल्याणचन्द्रसूनोरतुलचन्द्रस्य वज्रडाकसाधनम्** (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा-इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ संशोधन आदि सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(13) **बलिचक्रविधिः** (संस्कृत-संस्करण)

इस लघु ग्रन्थ का भुजिमोल पाण्डुलिपि से देवनागरी में लिप्यन्तर तथा डाटा इनपुट, विभिन्न ग्रन्थों में उद्धृत-वचनों की खोज, उनका डाटा-इनपुट, प्रूफ-संशोधन सहित सम्पादन-कार्यों को पूर्ण कर ग्रन्थ को अन्तिम रूप दिया गया।

(14) **श्रीलघुकालचक्रतन्त्रराज एवं उसकी टीका विमलप्रभा में उद्धृत आयुर्विज्ञान की समीक्षा (4)**

‘धीः’ शोध-पत्रिका के 63 वें अंक के सातत्य में प्रकाशित इस शोध-लेख को अन्तिम रूप दिया गया।

(15) **भोटाचार्य कुन्-गा मि-ग्युर दो-जें विरचित अन्तराभव-अध्येषणा की गम्भीर-आशु-मार्ग-सोपान-नाम-संक्षिप्त-अभिधेयार्थ-टीका (3)**

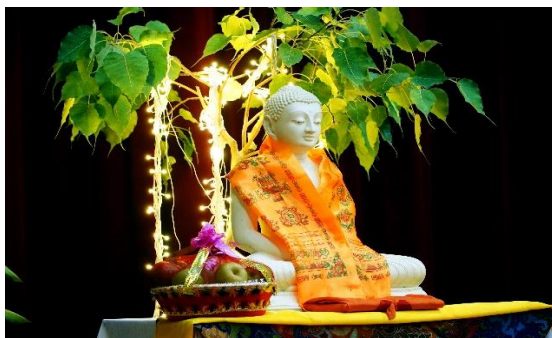
‘धीः’ शोध-पत्रिका के पूर्व अंक के सातत्य में प्रकाशित उपर्युक्त भोट ग्रन्थ के हिन्दी अनुवाद एवं सम्पादन कार्य को अन्तिम रूप दिया गया।

(16) **सम्यक्संबुद्धवैरोचनभाषितं भगवत्यायतारायाः नमस्कारैकविंशतिस्तोत्रं गुणानुशंसासहितम्** (हिन्दी-अनुवाद एवं व्याख्या-स्फुटार्थ सहित)

‘धीः’ शोध-पत्रिका के 64वें अंक में प्रकाशनार्थ प्राप्त ग्रन्थ का सम्पादन-कार्य पूर्ण किया गया।

8. **“बुद्धजयन्ती-समारोह” तथा “धीः” शोध-पत्रिका का “बुद्धार्पण-कार्यक्रम” का आयोजन—**

05 मई, 2023 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में संस्थान के प्रांगण में ‘बुद्धजयन्ती’ समारोह का आयोजन तथा दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग की शोध-पत्रिका ‘धीः’ के 63 वें अंक का बुद्धार्पण किया गया। बुद्ध-जयन्ती के शुभ अवसर पर संस्थान के माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में विद्वद्-गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में भदन्त सुमेध थेरो, भूतपूर्व सचिव महाबोधि सोसायटी ऑफ इण्डिया, प्रो. प्रद्युम्न दुबे, प्रो. विमलेन्द्र कुमार, प्रो. लालजी श्रावक, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणसी, प्रो. हरप्रसाद दीक्षित, प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी, प्रो. रमेश प्रसाद, सम्पूर्णानन्द-संस्कृत-विश्वविद्यालय, वाराणसी से पधारे हुए सम्मानित बौद्ध-विद्वानों ने अपने-अपने विचार प्रस्तुत किये। शहर तथा सारनाथ में स्थित बौद्ध-मठों, विहारों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधियों, सम्मानित अतिथियों, संस्थान के अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर आयोजन को सफल बनाया।



9. पाण्डुलिपि-सर्वेक्षण-

11-12 दिसम्बर, 2023 : संस्थान के सक्षमाधिकारियों के आदेशानुसार श्री टी. आर. शाशनी ने भिक्षु नवांग ग्यलछन, शोध-सहायक, पुनरुद्धार विभाग के साथ केन्द्रीय पुरातत्व ग्रन्थालय, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, धरोहर भवन, 24, तिलक मार्ग, नई दिल्ली जाकर महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा तिब्बत से लाये गये भोट-पाण्डुलिपि-संग्रह का सर्वेक्षण-कार्य सम्पन्न किया।

10. विभागीय सदस्यों द्वारा किये गये विभागेतर शैक्षणिक कार्य-

- (1) संस्थान की राजभाषा पत्रिका 'बोधिप्रभ' के तीसरे अंक में विभाग के सदस्यों द्वारा प्रकाशित लेखों का विवरण-
क. महातीर्थ डिल-बु-री(=घण्टापाद-गिरि) तथा गन्धोला का स्फुटार्थ प्रदीप नामक तीर्थ (हिन्दी-अनुवाद), पृष्ठ-संख्या- 137-143. (अनुवादक- श्री टी. आर. शाशनी तथा डॉ. छेरिङ्ग डोलकर)
ख. त्रिपिटक : संक्षिप्त परिचय, पृष्ठ-संख्या- 106-116. (लेखक- डॉ. विजयराज वज्राचार्य)
ग. उपासिका विशाखा की संक्षिप्त जीवनी, पृष्ठ-संख्या-117-123. (लेखिका- डॉ. छेरिङ्ग डोलकर)
घ. खड़ी बोली हिन्दी की उत्पत्ति एवं विकास, पृष्ठ-संख्या-38-47. (लेखक- डॉ. रवि गुप्त मौर्य)
- (2) पुनरुद्धार विभाग के भूतपूर्व प्रोफेसर, प्रो. प्रदीप गोखले तथा प्रो. पेन्पा दोर्जे एवं डॉ. विजयराज वज्राचार्य द्वारा सम्पादित ग्रन्थ आर्यसर्वबुद्धविषयावतारज्ञानालोकालंकारनाम-महायानसूत्र नामक ग्रन्थ का डॉ. विजयराज वज्राचार्य के द्वारा कम्प्यूटर में प्रूफ-संशोधन का कार्य सम्पन्न किया।
- (3) प्रतीत्यसमुत्पाद-गाथा का स्वरूप एवं माहात्म्य, (नेपाली भाषा में), लेखक- डॉ. विजयराज वज्राचार्य, 2567 वीं बुद्ध-जयन्ती स्मारिका, पृष्ठ-संख्या- (47-54), मयूरवर्ण महाविहार, भिन्छे बहा, पाटन, नेपाल, 2023
- (4) दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध विभाग का वज्रयान साहित्य में योगदान, (नेपाली भाषा में), लेखक- डॉ. विजयराज वज्राचार्य, 'वज्रयान', अंक-1, पृ. 60-77, सन् 2023, ISSN.2990-7985, वज्रयान अध्ययन केन्द्र लुम्बिनी बौद्ध विश्वविद्यालय, लुम्बिनी (नेपाल)।
- (5) प्रज्ञापारमिता विवेचना, (नेपाली भाषा में), लेखक- डॉ. विजयराज वज्राचार्य, प्रज्ञापारमिता दर्पण, पृष्ठ-संख्या- 58-68, स्मारिका- 2080 वि.सं., बुद्धवचन अनुवाद समिति, नेपाल।
- (6) डॉ. रञ्जनकुमार शर्मा ने स्व. प्रो. बनारसी लाल के निबन्ध-संग्रह में प्रकाशित 11 लेखों का प्रूफ-संशोधन कार्य सम्पन्न किया।

11. संगोष्ठियों, व्याख्यानो एवं अन्य शैक्षिक-कार्यक्रमों में विभागीय सदस्यों की सहभागिता-

- (1) 01-04-2023 : डॉ. रवि गुप्त मौर्य, पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया, सारनाथ, वाराणसी के तत्वावधान में महाबोधि इण्टर कालेज, सारनाथ, वाराणसी में आयोजित 'पालि' विषयक कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ।
- (2) 15-16 अप्रैल, 2023 : जैन मन्दिर, शहपुरा, भिटौनी, जबलपुर (म.प्र.) में आयोजित "भारतीय दर्शन एवं संस्कृत साहित्य में आचार्य विद्यासागर विरचित षट्शती" विषयक अन्तरराष्ट्रीय विद्वत् संगोष्ठी में डॉ. रवि गुप्त मौर्य ने "आचार्य विद्यासागर जी महाराज के षट्शती के श्रमणशतकम् एवं बौद्ध-साहित्य के धम्मपद में श्रमण का स्वरूप" शीर्षक शोध-पत्र को प्रस्तुत किया।
- (3) 20-04-2023 से 21-04-2023 : विभाग के सभी सदस्य के.उ.ति.शि.संस्थान के अतिथि-सभागार में दृश्य-श्रव्य के माध्यम से दिल्ली में आयोजित "The Global Buddhist Submit 2023 : Responses to Contemporary Challenges : Philosophy to Praxis" कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।

- (4) 06-05-2023 : डॉ. रवि गुप्त मौर्य ने पर्यटन विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा सारनाथ में आयोजित अन्तरराष्ट्रीय बौद्ध कॉन्क्लेव संगोष्ठी में संचालन का निर्वहन किया।
- (5) 25-05-2023 : विभाग के सभी सदस्य संस्थान के अतिश सभागार में आयोजित Buddhist Orientation Programme “Under the Culture Cum Forward area tour : Higher Defence Orientation Course” on the request of 39 GTC, Varanasi में सम्मिलित हुए।
- (6) 05-06-2023 : विभाग के सभी सदस्य World Environment Day कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।
- (7) विभाग के सभी सदस्य दिनांक 18-06-2023 से 30-06-2023 तक केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के परिसर में आयोजित ‘योग प्रशिक्षण कैम्प’ तथा ‘अन्तरराष्ट्रीय योग दिवस’ में सम्मिलित हुए।
- (8) 30-06-2023 : विभाग के सभी सदस्य “हर आँगन में योग” के समापन समारोह में सम्मिलित हुए।
- (9) 04-07-2023 : विभाग के सभी सदस्य श्री हृषिकेश शरण (Shri Hrishikesh Sharan) द्वारा प्रदत्त Motivational talk में सम्मिलित हुए।
- (10) 06-07-2023 : विभाग के सभी सदस्य “विश्वशान्ति में परम पावन दलाई लामाजी का योगदान” नामक एक दिवसीय संगोष्ठी में सम्मिलित हुए।
- (11) 15-07-2023 : विभाग के सभी सदस्य CIHTS, Sarnath तथा ICCS, New Delhi के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित G-20 Seminar on the Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutual Cordiality under C-20 Initiative on Diversity, Inclusion & Mutual respect नामक अखिल भारतीय एक दिवसीय संगोष्ठी में प्रतिभागी के रूप में सम्मिलित हुए।
- (12) 29-07-2023 : विभाग के सभी सदस्य The Plenary Hall of India Trade Promotion Organization (ITPO), Pragati Maidan, New Delhi द्वारा आयोजित “अखिल भारतीय शिक्षा समागम” राष्ट्रीय शिक्षानीति की तृतीय वर्षगांठ, 2022 के कार्यक्रम में माननीय प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के उद्घाटन के सजीव प्रसारण में संस्थान के अतिश सभागार में सम्मिलित हुए।
- (13) 30-07-2023 : डॉ. छेरिङ्ग डोलकर, माननीय श्री पेन्पा छेरिङ्ग, सि-क्योङ्ग, तिब्बती निर्वासित सरकार, धर्मशाला के दो-दिवसीय केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ प्रवास के दौरान संस्थान के कर्मचारियों एवं छात्रों को दिये गये सम्बोधन में सम्मिलित हुई।
- (14) 15 अगस्त, 2023 : विभाग के सभी सदस्य 77 वें स्वतन्त्रता-दिवस के शुभ अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।
- (15) 05-09-2023 : विभाग के सभी सदस्य शिक्षक-दिवस के अवसर पर IQAC, के.उ.ति.शि. संस्थान के तत्वावधान में माननीय कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी जी की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. हरिशचन्द्र सिंह राठौर, पूर्व कुलपति, केन्द्रीय विश्वविद्यालय दक्षिण बिहार, गया द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में सम्मिलित हुए।
- (16) 15-09-2023 : विभाग के सभी सदस्य अतिश-सभागार में “Prevention & Control of Communicable Disease” के संदर्भ में डा. एस. एस. कन्नौजिया, उपमुख्य चिकित्साधिकारी, वाराणसी द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में सम्मिलित हुए।
- (17) 25-09-2023 से 30-09-2023 : विभाग के सदस्य, शान्तरक्षित-ग्रन्थालय-सभागार में राजभाषा कार्यान्वयन समिति, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ द्वारा आयोजित “हिन्दी का अन्तरराष्ट्रीय स्वरूप एवं चुनौतियाँ” विषयक संगोष्ठी में सम्मिलित हुए।

- (18) 02-10-2023 : विभाग के सभी सदस्य गाँधी-जयन्ती पर कुलपति महोदय की अध्यक्षता में 'शपथ-ग्रहण' तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।
- (19) 04-10-2023 से 16-10-2023 : विभाग के सभी सदस्य संस्थान में सी.टी.ई. विभाग, के.उ.ति.शि.संस्थान द्वारा आयोजित Capacity Building Programme "Interdisciplinary Frame-work for Foundation of Education" के उद्घाटन-सत्र में सम्मिलित हुए।
- (20) कुलसचिव कार्यालय से निर्गत आदेशानुसार, विभाग के सभी सदस्य स्वच्छता अभियान के तहत निर्धारित तिथियों में विभाग, परिसर तथा कर्मचारी-आवास में सफाई अभियान में सम्मिलित हुए।
- (21) 31-10-2023 : विभाग के सभी सदस्य सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म-दिवस पर माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में आयोजित 'सतर्कता जागरूकता सप्ताह' के अन्तर्गत 'शपथ-ग्रहण-समारोह' में सम्मिलित हुए।
- (22) 05-11-2023 : डॉ. छेरिंग डोलकर, अतिश-सभागार में प्रो. एस. रिन्पोछे जी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत निम्नलिखित व्याख्यानों में सम्मिलित हुई।
1. प्रो. एस. रिन्पोछे जी की जीवनी एवं के.उ.ति.शि. संस्थान का इतिहास। वक्ता- प्रो. जम्पा सम्तेन
 2. शिक्षा का महत्त्व। वक्तागण- 1. प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी 2. खेनपो सोनम।
- (23) 10-01-2024 : विभाग के सभी सदस्य राजभाषा कार्यान्वयन-समिति, के.उ.ति.शि.संस्थान, सारनाथ द्वारा विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर आयोजित "हिन्दी को जनमत की भाषा बनाना, बगैर मातृ-भाषा के महत्त्व को भूले" विषयक कार्यशाला में सम्मिलित हुए।
- (24) 01-01-2024 : डॉ. छेरिंग डोलकर, पुरातन छात्र समिति (के.उ.ति.शि.सं.) तथा केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ के संयुक्त तत्त्वावधान में सम्यक् भवन, किन्नौर महाबोधि सोसायटी, मस्तीपुर, बोधगया में आयोजित "समाज के नेतृत्व में संस्थान के पुरातन छात्रों की जिम्मेवारी" विषयक प्रोफेसर एस. रिन्पोछे द्वारा प्रदत्त व्याख्यान में सम्मिलित हुई।
- (25) 16-01-2024 : डॉ. रवि गुप्त मौर्य, के.उ.ति.शि. संस्थान, सारनाथ के अतीश सभागार में NSE Academy and AMC Partner द्वारा आयोजित "Financial Awareness and Investment" विषयक वेबीनार में सम्मिलित हुए।
- (26) 17-02-2024 : श्री टी. आर. शाशनी, "A Dialect Debating Workshop for Students" (17 से 29 परवरी, 2024) 13 दिवसीय कार्यशाला के उद्घाटन-सत्र में सम्मिलित हुए।
- (27) 23-03-2024 : विभाग के सभी सदस्य "राजभाषा-कार्यशाला" के अन्तर्गत "राजभाषा हिन्दी भाषा समावेशी संस्कृति" तथा "राजभाषा नियम, अधिनियम एवं सांविधिक प्रावधान" विषयक एक दिवसीय कार्यशाला में सम्मिलित हुए।
- (28) 29-03-2024 : विभाग के सभी सदस्य प्रो. समदोड रिन्पोछे जी के सम्मान में आयोजित कार्यक्रम जिसमें प्रो. समदोड रिन्पोछे जी का संस्थान के परिवार को सम्बोधन, वेबसाइट का उद्घाटन, राजभाषा हिन्दी-पत्रिका 'बोधिप्रभ' का ऑन लाईन लोकार्पण आदि कार्यक्रम आयोजित थे।
- (29) 30-03-2024 : विभाग के सभी सदस्य संस्थान के प्रांगण में स्थापित बुद्ध एवं पञ्चवर्गीय भिक्षुओं की प्रतिमाओं के अनावरण-कार्यक्रम में प्रो. समदोड रिन्पोछे के नेतृत्व में भिक्षु संघ द्वारा की गयी प्रतिष्ठान-पूजा में सम्मिलित हुए।

12. विभागीय सदस्यों द्वारा प्रशासनिक कार्यों एवं विभिन्न कमेटियों की बैठकों में सहभागिता—

- (1) 08-05-2023 : श्री टी. आर. शाशनी, सोआ-रिग्पा विभाग के द्वारा आहूत स्पोर्ट परचेजिंग कमेटी की बैठक में बतौर सदस्य सम्मिलित हुए।
- (2) 10-05-2023 : श्री टी. आर. शाशनी, कोश विभाग के द्वारा आचार्य रोशन लाल नेगी कृत हिन्दी बृहत् कोश के सम्पादन के सम्बन्ध में कुलपति महोदय की अध्यक्षता में आहूत बैठक में सम्मिलित हुए।
- (3) 12-06-2023 : श्री टी. आर. शाशनी, प्रशासन (प्रथम) द्वारा आहूत MACP कमेटी की बैठक में ऑन लाईन सम्मिलित हुए।
- (4) 25-06-2023 से 29-06-2023 : डॉ. रवि गुप्त मौर्य ने बाईलाकुप्पे, कर्नाटक में के.उ.ति.शि. संस्थान की प्रवेश परीक्षा में केन्द्र-समन्वयक के दायित्व का निर्वहन किया।
- (5) 26-06-2023 से 30-06-2023 : डॉ. विजयरज वज्राचार्य ने काठमाण्डू, नेपाल में के.उ.ति.शि. संस्थान की प्रवेश-परीक्षा में केन्द्र-समन्वयक के रूप में दायित्व का निर्वहन किया।
- (6) 06-07-2023 : श्री टी. आर. शाशनी ने परम पावन दलाई लामा जी के जन्म-दिवस के शुभ अवसर पर आयोजित विविध कार्यक्रमों एवं संगोष्ठी की व्यवस्था हेतु गठित कमेटी में Co-Chairman के रूप में दायित्व का निर्वहन किया।
- (7) 26-27 अक्तूबर, 2023 : कुलसचिव कार्यालय से निर्गत आदेशानुसार, कला, संस्कृति एवं युवा विभाग, पटना, बिहार-सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव के द्वारा आहूत राहुल-संग्रह में उपलब्ध पाण्डुलिपियों के प्रकाशन की समीक्षा-बैठक में सहायक कुलसचिव तथा डॉ. लोब्संग दोर्जे खलिंग के साथ श्री टी. आर. शाशनी भी सम्मिलित हुए।
- (8) 08-11-2023 : श्री टी.आर. शाशनी “प्रोक्यूरमेंट ऑफ युनिफार्मज फॉर एम. टी. एस. स्टॉफ” की कमेटी के बैठक में सम्मिलित हुआ तथा दिनांक 09-11-2023 को कमेटी के सदस्यों के साथ मार्केट सर्वे हेतु शहर गया।
- (9) 29-11-2023 : श्री टी. आर. शाशनी वेबसाइट कमेटी की बैठक में सम्मिलित हुए।
- (10) 10-02-2024 : श्री टी. आर. शाशनी ने संस्थान के सेन्ट्रल नोडल एजेन्सी (सी. एन. ए.) कार्यालय में समन्वयक के रूप में दायित्व सम्भाला।
- (11) 23-02-2024 : श्री टी. आर. शाशनी, संस्थान के अध्यापकों एवं कर्मचारियों में आवांठित स्टॉफ क्वार्टर के मरम्मत के लिए गठित कमेटी की बैठक में सदस्य के रूप में सम्मिलित हुए।
- (12) 07-03-2024, 12-03-2024 एवं 15-03-2024 : श्री टी. आर. शाशनी तथा डॉ. विजयरज वज्राचार्य, संस्थान द्वारा आवासों के मरम्मत और रख-रखाव के कार्य को सुव्यवस्थित करने के लिए गठित कमेटी की बैठक में सम्मिलित हुए।
- (13) 12-03-2024 : डॉ. विजयरज वज्राचार्य ने आयोजित Walk in Written/Skill Test (office Assistants in Admin-1) की लिखित परीक्षा में Invigilator के रूप में कार्य का निर्वहन किया।
- (14) 27-03-2024 : श्री टी. आर. शाशनी, संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति की तिमाही बैठक में बतौर सदस्य सम्मिलित हुए।
- (15) 29-03-2024 तथा 31-03-2024 : श्री टी. आर. शाशनी, इन्वेस्टमेंट कमेटी की बैठक में बतौर सदस्य सम्मिलित हुए।

13. विभागीय सदस्यों का विभिन्न समितियों के सदस्य के रूप में दायित्व-

- (1) श्री टी. आर. शाशनी, समन्वयक, सेन्ट्रल नोडल एजेन्सी, के.उ.ति.शि.संस्थान ।
- (2) श्री टी. आर. शाशनी, सदस्य, कर्मचारी आवास मरम्मत कमेटी, के.उ.ति.शि.संस्थान ।
- (3) डॉ. विजयराज वज्राचार्य, सदस्य, केंटीन समिति, के.उ.ति.शि.संस्थान ।
- (4) डॉ. रञ्जनकुमार शर्मा, समिति-सदस्य, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं अन्य पिछड़ावर्ग, के.उ.ति.शि. संस्थान ।
- (5) डॉ. रवि गुप्त मोर्य, सदस्य, उपयुक्त ग्रन्थों के चयन हेतु गठित विशेषज्ञों के पैनल, शान्तरक्षित-ग्रन्थालय, के.उ.ति.शि. संस्थान ।
- (6) डॉ. रवि गुप्त मोर्य, समिति-सदस्य, डिग्री समिति, परीक्षा विभाग, के.उ.ति.शि.संस्थान ।

4. कोश विभाग

कोश-विभाग की योजनाएँ :

कुछ दशक पहले, जब महायानी बौद्ध परम्परा के प्रति विश्व जन-मानस में जिज्ञासा उत्पन्न हुई, तब इससे सम्बद्ध वाङ्मय तिब्बती, चीनी आदि प्राच्य भाषाओं तक ही सीमित थे । महापण्डित राहुल सांकृत्यायन आदि के प्रयास से कुछ संस्कृत ग्रन्थ पाठकों के सामने आये, किन्तु वे बहुत त्रुटिपूर्ण एवं अपूर्ण थे । उक्त स्थिति को देखते हुए तत्कालीन विद्वानों ने एक बृहत्-कार्य योजना तैयार की । जिसका मुख्य लक्ष्य इस प्रकार है-

1. उपलब्ध संस्कृत ग्रन्थों का परिष्कृत संस्करण तैयार करना ।
2. विनष्ट संस्कृत ग्रन्थों को उनके तिब्बती अनुवाद की सहायता से पुनः अपने मूल रूप संस्कृत में प्रतिष्ठित करना ।
3. प्राच्य भाषाओं में उपलब्ध सामग्रियों का उपयोग करते हुये उच्चस्तरीय शोध कार्य को प्रोत्साहित करना ।
4. प्राचीन भाषाओं में उपलब्ध बौद्ध वाङ्मय को हिन्दी आदि अर्वाचीन भाषाओं में सुलभ कराना ।
5. इस महत्वाकांक्षी योजना के अन्तर्गत संपादन कार्यों को पूरा करने के लिये विभिन्न प्रकार के कोशों के निर्माण की आवश्यकता का अनुभव किया गया । तदनुसार केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा-संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ने एक बृहत् कोश-योजना तैयार की, जिसमें दो प्रकार के कोशों के निर्माण का प्रावधान है- 1. सामान्य और 2. विषयगत कोश ।

सामान्य कोश के अन्तर्गत विभाग ने भोट-संस्कृत-कोश पर कार्य शुरू किया, जो सन् 2005 ई. में सोलह भागों में पूरा हुआ । उपलब्ध भोट-संस्कृत-कोशों में यह सबसे बड़ा कोश है । भोट-संस्कृत धर्मसंग्रह-कोश सहित भोट-संस्कृत सन्दर्भ निर्देशिका-कोश के प्रथम भाग का भी प्रकाशन हो चुका है तथा भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी-कोश आदि के निर्माण का कार्य चल रहा है ।

विषयगत कोश के रूप में भोट-संस्कृत आयुर्विज्ञान-कोश (4 भाग) को प्रकाशनार्थ प्रकाशन विभाग को दे दिया गया है एवं ज्योतिष-कोश का कार्य भी अन्तिम चरण में है ।

विभाग में कार्यरत सदस्य एवं पदनाम-

1. डॉ. रमेशचन्द्र नेगी	- प्रधान सम्पादक (कार्यकारी)
2. डॉ. टाशी छेरिङ्	- शोध-सहायक
3. आचार्य तेन्जिन सिदोन	- शोध-सहायक
4. डॉ. कर्मा सोनम पाल्मो	- शोध-सहायक
5. डॉ. लोब्संग छोडोन	- शोध-सहायक (संविदा)

6. डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी	- शोध-सहायक (संविदा)
7. डॉ. तेन्जिन सोनम	- शोध-सहायक (संविदा)
8. श्री रमेश चन्द्र	- कनिष्क लिपिक (संविदा)
9. श्री अनिल कुमार बाल्मीकि	- विविध कार्य कर्मचारी (दैनिक वेतन भोगी)

विभागीय प्रमुख कार्य:

मुख्य कार्य प्रगति:

1. आयुर्विज्ञान-कोश:-

यह कोश अष्टाङ्गहृदय एवं इसके भोटानूदित तथा कुछ संस्कृत टीकाओं पर आधारित है। यह कोश अष्टाङ्गहृदय की सामग्रियों की व्याख्या करता है और साथ ही यह सामान्य एवं पारिभाषिक तिब्बती पर्याय तथा उसके संस्कृत पर्यायों को भी दर्शाता है। यह आयुर्विज्ञान कोश (4 भाग) प्रकाशन हेतु प्रकाशन विभाग को सौंप दिया गया है।

2. ज्योतिष-कोश:-

यह कोश ज्योतिष एवं खगोल विज्ञान से सम्बन्धित संस्कृत एवं उसके भोटानूदित ग्रन्थों पर आधारित है और इन ग्रन्थों की सामग्रियों की व्याख्या करता है। कोश में पारिभाषिक शब्दों के अर्थों को बताने के लिये शास्त्रीय उद्धरणों को प्रयोग में लिया गया है। इस कोश के सम्पादन का कार्य उपलब्ध भोटी एवं संस्कृत शीघ्रबोध आदि ज्योतिष ग्रन्थों के आधार पर किया गया है। वर्तमान में इस कोश का अन्तिम संपादन कार्य सम्पन्न किया जा रहा है।

3. भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी-कोश:

यह मुख्यतया स्व. जे. एस. नेगी जी के बृहत् भोट-संस्कृत कोश पर आधारित एक सामान्य-कोश है। बृहत् भोट-संस्कृत-कोश से शास्त्रीय पदों से सम्बन्धित सामान्य व प्रचलित शब्दों का तथा आधुनिक कोशों से बोल-चाल के शब्दों का चयन किया जाना है। भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी कोश में भोटी प्रविष्टियों के संस्कृत पर्याय दिये जाने के कारण यह एक शब्द-पर्याय-कोश है। इसके अतिरिक्त भोटी प्रविष्टियों का अंग्रेजी लिप्यन्तरण और उच्चारण भी दिया जा रहा है, जिससे भोटी लिपि से अनभिज्ञ छात्र, प्रविष्टि को अंग्रेजी लिप्यन्तरण व उच्चारण के माध्यम से सरलतापूर्वक जान सकें। इसके अतिरिक्त प्रविष्टियों के संस्कृत सहित शब्द-पर्याय भी दिये जा रहे हैं। यह कोश तीन चरणों में सम्पन्न होगा। **पहले चरण** के रूप में बृहत् भोट-संस्कृत कोश से सरल शब्दों का चयन कर उनके संस्कृत पर्यायों को दिया जाना है। **दूसरे चरण** में अन्य आधुनिक कोशों से बोल-चाल के शब्दों का चयन कर उनके संस्कृत पर्यायों को दिया जाना है तथा **अन्तिम चरण** में संशोधन से सम्बन्धित कार्य होगा।

यह कोश दो भागों में प्रकाशित होगा। प्रथम भाग में क वर्ण से लेकर न वर्ण तक के तिब्बती प्रविष्टि, संस्कृत पर्याय एवं उनके प्रयोगों को देने का कार्य पूरा हो चुका है तथा अन्तिम संशोधन के लिये तैयार है। द्वितीय भाग के प्रथम चरण के रूप में ब वर्ण तक के भोटीय प्रविष्टियों का अंग्रेजी लिप्यन्तरण और उच्चारण तथा संस्कृत पर्याय देने का कार्य किया गया है।

4. त्रिभाषीय अभिधर्म-कोश: (भोट-संस्कृत-अंग्रेजी)

इस त्रिभाषी शब्दकोश हेतु सभी आवश्यक पारिभाषिक प्रविष्टियों का पूर्वापर अभिधर्मों से चयन किया जा रहा है। पूर्व-अभिधर्म का तात्पर्य आचार्य असंग द्वारा विरचित अभिधर्मसमुच्चय से है तथा अपर-अभिधर्म का तात्पर्य आचार्य वसुबन्धुकृत अभिधर्मकोश एवं उसके भाष्य से है। इन दो आधारभूत ग्रन्थों के अतिरिक्त आचार्य यशोमित्रकृत अभिधर्मकोशटीका और जिनपुत्रकृत अभिधर्मसमुच्चय-भाष्य एवं अभिधर्मसमुच्चय-व्याख्या आदि से

भी आवश्यक पारिभाषिक शब्दों का चयन किया जा रहा है। वर्तमान में चयनित प्रवेश शब्दों के लिए प्रासंगिक स्रोतों से उद्धरण एकत्र किए जा रहे हैं और उन्हें वर्णमाला के क्रम में तैयार किया जा रहा है।

5. भोट संस्करणों का सन्दर्भ कोश:

भोट संस्करणों का सन्दर्भ-कोश, भोट-संस्कृत सन्दर्भ-कोश पर आधारित है। इस कोश के माध्यम से भोटानूदित ग्रन्थों के पाँचों संस्करणों (देगे, नर्थङ्ग, पेकिङ्ग, चोने और ल्हासा) के सन्दर्भों को दर्शाना है। यह वर्तमान में कार्यकर्ता के अभाव में रुका पड़ा है।

6. विनयकोश:

इस हेतु पुनरुद्धार विभाग के वार्षिक प्रतिवेदन का अवलोकन करें।

7. तिब्बती हिन्दी-कोश:

तिब्बती-हिन्दी कोश के लिए कार्यकर्ता के अभाव में किन्नौर, हिमाचल प्रदेश से सम्बद्ध आचार्य रोशन लाल नेगी द्वारा संकलित भोट-हिन्दी कोश को विभाग द्वारा सम्पादित कर छापने का निर्णय पूर्व में ही लिया जा चुका है और इस कोश का इन्पुट कार्य वर्तमान में जारी है। उपर्युक्त अवधि तक 5,332 पृष्ठों में कुल 11,8,510 प्रविष्टि को इनपुट कर लिया गया है।

भावी योजनाएँ:

1. भोट-संस्कृत शब्दानुक्रमणिका
2. नाम-कोश (प्राचीन बौद्ध तीर्थ स्थल एवं विद्वानों के नाम का कोश)
3. बौद्ध तन्त्र-कोश
4. बौद्ध न्याय-कोश
5. ग्रन्थ-कोश
6. क्रिया-कोश

अध्यापन कार्य:

1. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने कर्गुद सम्प्रदाय में अध्यापन तथा प्रश्नपत्रनिर्माण, उत्तर-पुस्तिका मूल्यांकन एवं मौखिक परीक्षा लेने का कार्य किया।
2. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, बौद्धदर्शन विभाग के वार्षिक परीक्षा का प्रश्नपत्र निर्माण का कार्य किया।
3. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने कर्मा नालन्दा संस्थान रुमतेग, सिक्किम की वार्षिक परीक्षा हेतु प्रश्नपत्र बनाने एवं उत्तरपुस्तिका परीक्षा का कार्य किया।
4. डॉ. रमेश चन्द्र नेगी ने 1-17 जनवरी, 2024 ई. पर्यन्त प्रातः 6.45 से 7.15 बजे तक एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत आये विदेशी छात्रों को विषयना सिखाने का कार्य किया।
5. डॉ. कर्मा सोनम पलमो ने पी.एम. प्रथम वर्ष के छात्रों को 9.30 से 10.15 बजे तक अंग्रेजी पढ़ाने तथा प्रश्नपत्र निर्माण एवं उत्तर-पुस्तिका मूल्यांकन का कार्य किया।
6. डॉ. विश्वप्रकाश त्रिपाठी ने शास्त्री तृतीय वर्ष के संस्कृत ख वर्ग के छात्रों एवं यू.एम. द्वितीय वर्ष के छात्रों को अनिवार्य संस्कृत पढ़ाने तथा प्रश्नपत्र निर्माण एवं उत्तर-पुस्तिका मूल्यांकन का कार्य किया।

संगोष्ठी, कार्यशाला, व्याख्यान में भागीदारी और पत्र प्रस्तुतिकरण तथा कर्तव्य:

डॉ. रमेश चन्द्र नेगी:-

1. 1 अप्रैल, 2023 : प्रातः 9.30 बजे से शाम 5.30 बजे पर्यन्त पालि सोसायटी ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित पालि दिवस एवं भिक्षु धर्मरक्षित महाथेरो के जन्म शताब्दी समारोह में उक्त संस्था के उपाध्यक्ष के रूप में भाग लिया तथा समापन सत्र में अपने विचारों के प्रस्तुतिकरण सहित समागत अतिथि, वक्ता एवं श्रोता आदि के प्रति आभार तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।
2. 14 अप्रैल, 2023 : दोपहर 12 बजे से शाम 4.30 बजे पर्यन्त जबलपुर, मध्यप्रदेश में बोधिसत्त्व बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के महोत्सव में धम्मोपदेशक के रूप में सम्मिलित हुए।
3. 5 मई, 2023 : रात्रि 7-10 बजे पर्यन्त महाबोधि सोसायटी ऑफ इण्डिया सहित वाराणसी के तमाम बौद्ध संगठनों द्वारा आयोजित धर्म-प्रवचन-सभा में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ तथा सभा को सम्बोधित किया।
4. 25 मई, 2023 : शाम 4.30 बजे से 6.00 बजे तक विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित लगभग 20-25 देशों के सेना के अधिकारियों के लिये विशेष रूप से आयोजित बौद्ध-परिचय विषयक सभा में विपश्यना का परिचय नामक विषय को प्रस्तुत किया।
5. 3 जुलाई, 2023 : प्रातः 9 से 11 बजे तक धर्मचक्र विहार, मवाईया, सारनाथ द्वारा आयोजित धर्मचक्र प्रवर्तन उत्सव में संस्था के अध्यक्ष के रूप में सम्मिलित हुआ तथा सभा के संचालन सहित बुद्ध के सारगर्भित उपदेश विषय पर व्याख्यान भी प्रस्तुत किया।
6. 24 जुलाई, 2023 : अपराह्न 3 से 5 बजे तक **वोसी, वाराणसी** के द्वारा आयोजित लोकतंत्र की व्यवस्था में युवाओं का योगदान विषयक संगोष्ठी की अध्यक्षता की तथा अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।
7. 28 जुलाई, 2023 : छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित नये छात्रों के दो दिवसीय विशेष शिविर के प्रथम दिन प्रातः 5.30 से 6.30 बजे पर्यन्त विपश्यना सिखाने का कार्य किया।
8. 4 अगस्त, 2023 : मध्याह्न 2-4 बजे पर्यन्त हिमाचल बौद्ध छात्र संघ के द्वारा आयोजित नवीन छात्रों के स्वागत तथा छात्र संघ के नये सदस्यों के चुनाव में संरक्षक के रूप में सम्मिलित हुआ तथा छात्रों को सम्बोधित भी किया।
9. 9 अगस्त, 2023 : अपराह्न 2.30 बजे से 4.00 बजे पर्यन्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित राजभाषा कार्यान्वयन समिति का गठन, कार्यवृत्त एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली पर चर्चा बैठक में उक्त समिति के सदस्य के रूप में सम्मिलित हुए।
10. 10 अगस्त, 2023 : मध्याह्न 2.45 से 3.30 बजे पर्यन्त द आर्यन् इन्टरनेशनल स्कूल, वाराणसी में यू.एम.यू.एन., काशी चेप्टर द्वारा आयोजित तीन दिवसीय विशेष संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में वक्ता के रूप में सम्मिलित हुआ तथा बौद्ध अध्यात्म एवं विश्व शान्ति विषय पर व्याख्यान दिया।
11. 15 सितम्बर, 2023 : अपराह्न 3-30 बजे पर्यन्त हिमाचल बौद्ध छात्र संघ के सदस्यों के साथ सं.सं. विश्विद्यालय, वाराणसी के मा. कुलपति के संस्थान आगमन पर संघ के तरफ से विशेष सम्मान करने से सम्बन्धित मीटिंग की अध्यक्षता की।
12. 4 सितम्बर, 2023 : मध्याह्न 3.15 बजे से 4 बजे तक आर.एण्ड डी. सेल की मीटिंग में उक्त कमेटी के सदस्य के रूप में भाग लिया।

13. 5 सितम्बर, 2023 : मध्याह्न 2.30 बजे से 4.15 बजे पर्यन्त आई.क्यू.ए.सी सेल द्वारा आयोजित शिक्षक दिवस समारोह में भाग लिया।
14. 12 सितम्बर, 2023 : एस.टी/एस.सी./ओ.बी.सी. सेल की विशेष मीटिङ् अपराह्न 3-4 बजे प्रधान सम्पादक, कोश विभाग के कार्यालय में हुई, उसकी अध्यक्षता की।
15. 28 सितम्बर, 2023 : मध्याह्न 2.30 से 4.15 बजे पर्यन्त राजभाषा कार्यान्वयन समिति के द्वारा आयोजित उच्चशिक्षा का माध्यम पूर्णतः हिन्दी में होना देश हित में है अथवा नहीं? विषयक वाद-विवाद प्रतियोगिता में निर्णायक सदस्य के रूप में सम्मिलित हुए।
16. 21 अक्टूबर, 2023 : मध्याह्न 3.30 बजे से 4.45 बजे पर्यन्त क्रिश्चियन-धर्माचार्य के शिक्षार्थियों को बौद्ध धर्म का परिचय विषयक व्याख्यान दिया।
17. 29 अक्टूबर, 2023 : रात्रि 6 से 8 बजे पर्यन्त स्वबोध आश्रम, हरहुआ, वाराणसी द्वारा आयोजित चतुर्थ 11 दिवसीय स्वबोध कुम्भ के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ तथा एकत्रित श्रद्धालुओं को उक्त विषय पर व्याख्यान दिया।
18. 14 नवम्बर, 2023 : अपराह्न 2.00 बजे आस्ट्रेलियन लेखक समूह का संस्थान में स्वागत किया गया तथा उसके बाद मा. कुलपति जी के द्वारा उनको दिये बौद्ध संस्कृति विषय पर व्याख्यान में सम्मिलित हुआ। तत्पश्चात् 3 से 4 बजे पर्यन्त उन्हें शान्तरक्षित ग्रन्थालय से अवगत कराया गया।
19. 18 नवम्बर, 2023 : अपराह्न 4 से 6 बजे पर्यन्त मैत्री भवन, वाराणसी द्वारा आयोजित सेव ऑफ अवर कामन होम विषयक विशेष व्याख्यान आयोजन में वक्ता के रूप में सम्मिलित हुआ।
20. 10 दिसम्बर, 2023 : कानपुर स्थित सुमंगल बुद्ध विहार के प्रांगण में बने सन्त गाडगे बाबा पुस्तकालय के उद्घाटन सहित 7वीं सप्त दिवसीय बुद्ध चरित्र भगवंत कथा के उद्घाटन सत्र (दोपहर 2.00 बजे से 5.15 बजे) में सम्मिलित हुआ तथा बौद्ध धर्म का सामाजिक सरोकार विषय पर अपना विचार व्यक्त किया।
21. 25 दिसम्बर, 2023 : विश्व बौद्ध महासंघ के द्वारा आयोजित मानव कल्याण के लिये एक दिवसीय धम्म समागम एवं उत्सव (1-5.45 बजे पर्यन्त) में विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुआ तथा बौद्ध कौन? विषय पर धम्म देशना की।
22. 2 जनवरी, 2024 : पूर्वाह्न 8.30 से 9.30 बजे पर्यन्त विदेशी छात्रों को काग्युद लिनेज एण्ड इट्स साईलेण्ट फीचर्स विषय पर व्याख्यान दिया।
23. 13 जनवरी, 2024 : दोपहर 12.00 से 3.00 बजे पर्यन्त सघन संस्कृत प्रशिक्षण कोर्स के पाठ्यक्रम के निर्धारण से सम्बन्धित कमेटी की मीटिङ् में उक्त समिति के सदस्य के रूप में सम्मिलित हुआ।
24. 18 जनवरी, 2024 : पूर्वाह्न 10.30 से 12.00 बजे पर्यन्त श्री सीता राम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कोलकाता द्वारा लीविङ् ट्रेडिशन ऑफ स्क्रिप्चर्स : ज्ञान एण्ड विज्ञान विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर आनलाईन वक्ता के रूप में भाग लिया तथा हिमालयन बौद्ध जीवित परम्परा विषय पर व्याख्यान दिया।
25. 21 जनवरी, 2024 : धर्म संस्कृति संगम, काशी द्वारा मंडलायुक्त सभागार कचहरी, वाराणसी में आयोजित राष्ट्र निर्माण में सभी धर्मों की उपादेयता विषयक एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

26. 21 जनवरी, 2024 : शाम 6.30-7.00 बजे पर्यन्त हिमाचल बौद्ध छात्रसंघ, के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ द्वारा आयोजित मिलन समारोह, 2024 में सम्मिलित हुआ तथा लखनऊ, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय सहित उपस्थित समस्त हिमाचली छात्रों को संस्कृति एवं धर्म विषय पर विशेष रूप से सम्बोधित किया।
27. 25 जनवरी, 2024 : अपराह्न 12.30 से 3.30 बजे पर्यन्त हजरत अली समिति, वाराणसी द्वारा आयोजित संगोष्ठी में वक्ता के रूप में भाग लिया तथा सर्वधर्म समभाव सहित हजरत अली के जीवन की शिक्षा से सम्बन्धित विषय पर व्याख्यान दिया।
28. 6 फरवरी, 2024 : अपराह्न 3 से 6.30 बजे पर्यन्त सेलेक्शन कमेटी (आर.ए.) की मीटिङ्ग में विभागाध्यक्ष एवं एस.सी./एस.टी. आब्जर्वर के रूप में सम्मिलित हुआ।
29. 4 मार्च, 2024 : डॉ. कृष्णकान्त शर्मा, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के द्वारा सांख्य-दर्शन के विशेष व्याख्यान में भोटी अनुवादक के रूप में सम्मिलित हुआ।
30. 21 मार्च, 2024 : अपराह्न 2-5.30 बजे पर्यन्त पिलिग्रम्स प्रकाशन, दुर्गाकुण्ड, वाराणसी द्वारा प्रकाशित चलो मन तुम काशी और हनुमत चरितनामक दो ग्रन्थों के लोकार्पण समारोह में सम्मिलित हुआ तथा सभा को सम्बोधित भी किया।
31. 31 मार्च, 2024 : श्रावस्ती में इन्टरनेशनल त्रिपिटक चान्टिङ्ग एवं धम्मयात्रा में संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में सम्मिलित हुआ तथा सभा को सम्बोधित करने के साथ छात्रों को गाईड भी किया।

शैक्षणिक कार्य:

डॉ. रमेश चन्द्र नेगी:-

1. डॉ. प्रभु लाल नेगी द्वारा लिखित नेगी रिन्पोछे तन्जिन ग्यल्-छन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व नामक ग्रन्थ का सम्पादन कार्य किया।
2. भोटी ग्रन्थ डुग्-पा शल्-दोन् का हिन्दी-अनुवाद का कार्य किया।
3. शीघ्रबोध के कुछ छूटे अंशों का डॉ. छोडोन के द्वारा किये गये भोटी-अनुवाद का संशोधन कार्य किया।
4. हृदयसूत्र की टीका सहित अतीश के आठ ग्रन्थों का संशोधन कार्य दिसम्बर से प्रारम्भ किया गया।
5. 14-15 जून 2023 : पालि महाषडायतनसुत्त का भोटी-अनुवाद कार्य।

डॉ. टाशी छेरिंग:-

1. डॉ. टाशी छेरिंग तथा डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी सांख्यकारिका का हिन्दी अनुवाद एवं उसकी व्याख्या तथा उसके तिब्बती अनुवाद का कार्य सम्पादन कर रहे हैं।
2. मध्यमकावतारनामक ग्रन्थ के सातवें चित्तोत्पाद से लेकर अन्तिम तक के तिब्बती पाठ का अन्य संस्करणों के साथ पाठ भेद का कार्य किया।
3. पालि के कालकारामसुत्त के तिब्बती अनुवाद का कार्य किया।
4. आर्यकाश्यपपरिवर्तों-नाम-महायानसूत्र के तिब्बती पाठ का सम्पादन का कार्य।
5. बौद्ध-विज्ञान नामक पुस्तक के द्वितीय भाग अध्याय का संशोधन कार्य।
6. वास्तविक खेल नामक खेल का तिब्बती से हिन्दी में अनुवाद करने का कार्य।

7. गलदड फोदड के अनुरोध पर पालि सूत्रों का तिब्बती अनुवाद ।
8. छात्रोपयोगी कोश के द्वितीय चरण के रूप में प्रविष्टियों के अंग्रेजी लिप्यन्तरण व संस्कृत पर्याय देने का कार्य किया ।
9. छात्रोपयोगी कोश के तृतीयचरण के रूप में संशोधन कार्य किया ।
10. आयुर्विज्ञान-कोश की भूमिका के भोटी पाठ का संशोधन कार्य किया ।
11. आयुर्विज्ञान कोश के संस्कृत पाठ की शब्दानुक्रमिका का कम्प्यूटर पर संशोधन का कार्य ।

डॉ. कर्मा सोनम पलमो:-

1. अभिधर्म का तिब्बती-संस्कृत-अंग्रेजी शब्दकोश; वर्तमान में अभिधर्मसमुच्चय भाष्य से उद्धरणों का संकलन किया ।
2. 25 मई, 2023 : आर्मी वॉर कॉलेज, महू, म.प्र. के रक्षा कर्मियों के समूह की यात्रा के दौरान बौद्ध धर्म पर व्याख्यान दिया ।
3. 17 जनवरी, 2024 : विनिमय कार्यक्रम के दौरान बौद्ध धर्म में महिलाओं पर व्याख्यान दिया ।

आचार्य तेनजिन सीदोन:-

कुलपति कार्यालय से सम्बद्ध ।

डॉ. लोब्संग छोडेन:-

1. संबंधित सहकर्मियों और प्रधान संपादक के साथ परामर्श के बाद "आयुर्विज्ञान कोश" के संस्कृत और तिब्बती शब्दकोश के लिए अंतिम संशोधन और सेटिंग्स कंप्यूटर पर तैयार किया ।
2. संबंधित सहकर्मियों और प्रधान संपादक से परामर्श के बाद "आयुर्विज्ञान कोश" का पूरा शीर्षक पृष्ठ कंप्यूटर पर तैयार किया ।
3. संबंधित सहकर्मियों और प्रधान संपादक के साथ परामर्श करके "आयुर्विज्ञान कोश" के तिब्बती-हिंदी-अंग्रेजी भूमिका पर सुधार कार्य तैयार किया ।
4. "आयुर्विज्ञान कोश" की प्रस्तावना और प्रकाशन कार्य के लिए कई बार प्रकाशन विभाग से समन्वय किया ।
5. "आयुर्विज्ञान कोश" के हेडर-फुटर की अंतिम प्रविष्टि सेटिंग तैयार किया ।
6. प्रकाशन विभाग के सहायक संपादक श्री पेमा छोडेन के साथ "आयुर्विज्ञान कोश" पर विभिन्न सुधारों का समन्वय और विभाग प्रमुखों के साथ बैठकों और चर्चाओं का पूरा उत्तरदायित्व लिया ।
7. "आयुर्विज्ञान कोश" की संपूर्ण पीडीएफ, वर्ड प्रारूप में सॉफ़्ट कॉपी और पूरी हार्ड कॉपी सहायक संपादक, श्री पेमा छोडेन को सौंपी ।
8. "आयुर्विज्ञान कोश" के पूरे अंतिम संपादन कार्य को कंप्यूटर पर किया ।
9. हमारे प्रधान संपादक और डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी के साथ "ज्योतिष कोश" पर काम किया ।
10. ज्योतिष विभाग के सहयोगी प्रोफेसर श्री ताशी छेरिंग और डॉ. जम्पा छोपेल के साथ परामर्श करके "ज्योतिष कोश" की तिब्बती भूमिका पर कंप्यूटर पर सुधार कार्य पूरा किया ।
11. ज्योतिष विभाग के सहयोगी प्रोफेसर श्री ताशी छेरिंग को "ज्योतिष कोश" के क से ज वर्ग के सुधार हेतु प्रस्तुत किया और प्राप्त किया ।

डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी:-

1. भोट-संस्कृत छात्रोपयोगी कोश का संशोधन कार्य किया।
2. प्रमाणवार्तिक से शब्द चयन करने का कार्य किया।
3. मध्यमकहृदयम् नामक ग्रन्थ का हिन्दी अनुवाद कार्य किया।

डॉ. तेन्जिन सोनम:-

1. प्रो. जीता सेन नेगी की एक जीवनी अंग्रेजी में तैयार किया। मा. प्रो. जीता सेन नेगी शब्दकोश विभाग के संस्थापक और पूर्व मुख्य संपादक थे।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ:

डॉ. रमेशचन्द्र नेगी:-

1. 10 मई 2023 : दोपहर 12:30 बजे से मा. कुलपति जी की अध्यक्षता में एक बैठक में भाग लिया, जिसमें आ. रोशन लाल द्वारा संकलित भोटी हिंदी बृहत कोश में ट्रांसलिट्रेशन से संबंधित भोटी शब्दों को शामिल करने पर चर्चा की गई, जिसमें शोध विभागों के प्रमुख और मा. कुलसचिव भी सम्मिलित थीं।
2. विश्वविद्यालय में होने वाले चयन साक्षात्कारों में एस.सी./एस.टी आब्जर्वर के रूप में भाग लिया।

डॉ. कर्मा सोनम पलमो:-

1. कुलपति महोदय के आदेशानुसार, कुलपति कार्यालय और IQAC के लिए समय-समय पर अंग्रेजी-तिब्बती/तिब्बती-अंग्रेजी अनुवाद कार्य किया।
2. वेबसाइट विकास समिति की सदस्य, समिति की बैठकों में भाग लिया और सौंपे गए कर्तव्यों का निर्वहन किया।
3. आंतरिक शिकायत समिति (ICC)/यौन उत्पीड़न विरोधी समिति (ASHC) की सदस्य सचिव, समिति की बैठकों में भाग लिया, कागजी कार्यवाही, फाइल रखरखाव, कार्यशालाओं का समन्वय, वार्षिक रिपोर्ट तैयार करने जैसे संबंधित कार्यों का निष्पादन किया।
4. अंतर्राष्ट्रीय छात्र प्रकोष्ठ की सदस्य और संबंधित कार्यों का निष्पादन किया।
5. अप्रैल-मई 2023 : कार्यालय आदेश के अनुसार, परीक्षा विभाग के लिए पीएचडी अध्यादेश का अंग्रेजी से तिब्बती में अनुवाद किया।
6. मई-जून, 2023 : कार्यालय आदेश के अनुसार, आर एंड डी सेल के लिए संस्थान की पीएचडी हैंडबुक 2022-23 का अंग्रेजी से तिब्बती में अनुवाद किया।
7. जुलाई, 2023 : कार्यालय आदेश के अनुसार, आर एंड डी सेल के लिए संस्थान के पीएचडी कार्यक्रमों से संबंधित विभिन्न प्रकार के फॉर्म का अंग्रेजी से तिब्बती में अनुवाद किया।
8. 11 अगस्त, 2023 : कार्यालय आदेश के अनुसार, संस्थान द्वारा आयोजित चार UGC बौद्ध MOOCs के लिए समन्वय कर्मचारी की भूमिका सौंपी गई और तदनुसार संबंधित कार्यों का निष्पादन किया।
9. विनिमय कार्यक्रम (2023-2024) के समन्वयक के रूप में; कार्यक्रम के लिए किए जाने वाले प्रबंधों से संबंधित ईमेल पत्राचार और कागजी कार्यवाही की तथा दिसंबर 2023-जनवरी, 2024 में परिसर में समूह के आगमन के दौरान कार्यक्रम का समन्वय किया।

10. आंतरिक शिकायत समिति (ICC), CIHTS की सदस्य सचिव के रूप में, तिब्बती मानवाधिकार और लोकतंत्र केंद्र, धर्मशाला के साथ संयुक्त रूप से संस्थान के छात्रों के लिए 27-28 जनवरी, 2024 को संस्थान के ए.पी. गेस्ट हाउस के सेमिनार हॉल में लैंगिक हिंसा के विरुद्ध दर्शक हस्तक्षेप पर कार्यशाला का समन्वय किया।

डॉ. लोब्संग छोडोन:-

1. कार्यालयीय आदेश के अनुसार विभाग की नई वेबसाइट की समीक्षा तैयार की और दी गई सामग्री को नई वेबसाइट पर अपलोड नहीं होने से संबंधित प्राधिकरण को रिपोर्ट सौंपने का कार्य किया।
2. विभाग की हिंदी वार्षिक रिपोर्ट से अंग्रेजी अनुवाद तैयार किया और दोनों हिंदी और अंग्रेजी वार्षिक रिपोर्ट संबंधित प्राधिकरण को प्रस्तुत किया।
3. हमारे विभाग की वार्षिक तिब्बती रिपोर्ट (*Sherig Leydom*) धर्म और संस्कृति केंद्रीय तिब्बती प्रशासन, धर्मशाला के लिए, तैयार की और सॉफ्ट कॉपी ईमेल की।
4. ज्योतिष विभाग के अनुरोध पर संस्थान के वार्षिक कैलेंडर 2023-2024 में हिंदी में तारीख, दिन, महीने, त्योहार आदि की सुधार प्रक्रिया में सहायता की।
5. संस्थान के आदेशानुसार "साक्ष्य सम्प्रदाय" में लेखा परीक्षण कार्य में सहायता की।
6. 7 जून से 18 जून, 2023 : मानसिक स्थिरता के लिए कर्नाटक राज्य के बेंगलुरु में अलूर, तुमकुर रोड पर 10-दिवसीय "विपश्यना ध्यान पाठ्यक्रम" में निजी अवकाश पर भाग लिया,
7. विभाग के अंग्रेजी और तिब्बती से संबंधित कार्यालयीय कार्यों का संचालन किया।

डॉ. विश्व प्रकाश त्रिपाठी:-

1. कार्यालयीय आदेशानुसार 12 छात्रों एवं डॉ. रमेश चन्द्र नेगी प्रधान संपादक (कार्याकारी) तथा डॉ. तेन्जिन सोनम सहित श्रावस्ती में 30-31 मार्च, 2024 को लार्ड बुद्धा वेलफेयर फाउण्डेशन भारत द्वारा आयोजित इंटरनेशनल त्रिपिटक वाचन और धम्म यात्रा समारोह में विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि के रूप में शामिल हुआ।

डॉ. तेन्जिन सोनम:-

रजिस्ट्रार कार्यालय में स्थानांतरित किया गया।

5. तिब्बती साहित्य केन्द्र

ऐसा प्रतीत होता है कि समृद्ध एवं महत्वपूर्ण तिब्बती साहित्य का बृहत् इतिहास अभी तक नहीं लिखा गया। इसे ध्यान में रखकर तिब्बती साहित्य केन्द्र की स्थापना की गई। इस बृहत् तिब्बती साहित्य के इतिहास में इसका विकासक्रम व भारतीय साहित्य का तिब्बती पर प्रभाव परिलक्षित होगा। पूरे तिब्बती साहित्य की दो विधाएँ हैं - 1. भारतीय भाषाओं में मुख्यतः संस्कृत से अनूदित पाँच हजार से अधिक ग्रन्थ, 2. तिब्बती विद्वानों की विविध विषयों पर रचनाएँ जो लाख से भी अधिक हैं। इतने विशाल साहित्य के होते हुए भी बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास नहीं लिखा गया है। अतः संस्थान ने बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास तैयार करने का निर्णय लिया, जिसे मूर्त रूप देने के लिए संस्थान ने तिब्बती साहित्य केन्द्र नामक शोध अनुभाग की कल्पना की, जो कि बृहत् तिब्बती साहित्य का इतिहास प्रस्तुत कर सके और साथ ही अन्य साहित्यिक रचनाओं का अनुवाद, शोध, कार्यशाला व सम्मेलन कर सके। इन तथ्यों को दृष्टिगत कर संस्थान ने वरिष्ठ प्रसिद्ध विद्वानों को इस योजना में नियुक्त करने की योजना बनाई।

तदनुसार एक वरिष्ठ अनुसन्धाता को तिब्बती साहित्य केन्द्र में प्रमुख बनाया गया है जिन्होंने आठ साल तक इस योजना में कार्य किया है और बृहत् तिब्बती साहित्य इतिहास के प्रारूप की चार भागों में रचना की जो सम्पन्न होने की स्थिति में है। इस योजना के साथ ही केन्द्र ने अनुवाद व व्याख्याग्रन्थ के रूप में अन्य साहित्यिक रचनाएँ भी प्रकाशित की हैं। केन्द्र ने

संस्कृत व हिन्दी साहित्य पर एक कार्यशाला भी आयोजित की तथा तिब्बती साहित्य-इतिहास के प्रारूप पर परिचर्चा करने के लिए एक कार्यशाला आयोजित की।

परिकल्पना:

तिब्बती साहित्य विभाग (जिसे पहले तिब्बती साहित्य केंद्र के नाम से जाना जाता था) की स्थापना 2009 में शोध विभागों के रूप में की गई थी। वर्तमान में यह केंद्र तिब्बती साहित्य के इतिहास पर चार वृहद् खंडों का निर्माण कर रहा है, जो कई शताब्दियों तक इस विषय का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करेगा।

तिब्बत का साहित्य 1300 वर्षों से अधिक पुराना है। अपने आकार और प्रभाव के संदर्भ में यह एशिया की महान साहित्यिक परंपराओं में से एक है। प्राचीन स्तंभों पर शिलालेखों से लेकर गुफाओं में संग्रहित पांडुलिपियों तक, और मठों के पुस्तकालयों में हर संभव विषय पर ठोस रूप से लकड़ी पर छपी ग्रंथों तक, तिब्बती साहित्यिक धरोहर में हजारों कृतियों का समावेश है। इसका प्रभाव न केवल तिब्बत में बल्कि तिब्बत के सांस्कृतिक प्रभाव क्षेत्र, जिसमें मंगोलिया, लद्दाख, नेपाल, सिक्किम, भूटान, उत्तरी पाकिस्तान, उत्तरी भारत, पश्चिमी चीन और दक्षिणी रूस के हिस्से शामिल हैं, पर भी गहरा पड़ा है। अपने आकार और प्रभाव के बावजूद, तिब्बती साहित्य लगभग पैंतीस साल पहले तक पश्चिमी विद्वानों और जनता के लिए बहुत हद तक अज्ञात था।

तिब्बती साहित्य का अध्ययन तिब्बती अध्ययन में लंबे समय से उपेक्षित रहा है और इस केंद्र की स्थापना इस कमी को पूरा करने के लिए की गई है। तिब्बती साहित्य में धार्मिक ग्रंथ, ऐतिहासिक कृतियां, जीवनी, दर्शन, कथा, नाटक और कविता आदि शामिल हो सकते हैं। इसका अधिकांश हिस्सा बौद्ध धर्म से संबंधित है, लेकिन यह अन्य विषयों से भी संबंधित है।

हमारे प्रतिष्ठित संस्थान के अन्य शोध विभागों के ढाँचे में, तिब्बती साहित्यिक क्षेत्र में हमारे योगदान को सशक्त बनाने के उद्देश्य से, 23 मार्च 2023 को आयोजित 61वीं बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की बैठक में केंद्र का दर्जा बढ़ाकर एक व्यापक विभाग बनाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। इसे औपचारिक रूप से तिब्बती साहित्य विभाग का नाम दिया गया। यह परिवर्तन तिब्बती साहित्यिक अन्वेषण और विद्वतापूर्ण शोध की प्रगति के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

कर्मचारी और उनके पदनाम:

1. गेशे बेरी जिग्मे वांग्याल - वरिष्ठ शोध फेलो
2. डॉ. दोर्जे क्याप - शोध सहायक (संविदा)

विभागीय मुख्य कार्य:

क. प्रकाशित कार्य

1. गेशे बेरी जिग्मे वांग्याल- श्री हर्ष के नागानंद नाटक की विश्लेषणात्मक टिप्पणी। वाराणसी: के. उ. ति. शि. सं., 2023, ISBN: 987-93-95086-30-1
2. डॉ. दोर्जे क्याप- कालिदास के मेघदूतम का नया तिब्बती अनुवाद। वाराणसी: के.उ.ति.शि.सं., 2023, ISBN: 978-93-95086-28-8

ख. चल रहे मुख्य कार्य

1. तिब्बती साहित्य का इतिहास, खंड 1 (प्रकाशनाधीन) : यह खंड तिब्बती साहित्य के प्रारंभिक स्रोतों, शास्त्रीय तिब्बती साहित्य और तिब्बती सम्राटों के शासनकाल के दौरान के साहित्य का विवरण प्रस्तुत करता है। इसमें तिब्बती धार्मिक गीत, शुभ-वचन, पत्र और शास्त्रीय कविताएँ शामिल हैं।

2. **तिब्बती साहित्य का इतिहास, खंड 2 :** यह खंड मुख्य रूप से तिब्बती पारंपरिक साहित्य पर केंद्रित है। इसमें बताया गया है कि तिब्बती पारंपरिक साहित्य की उत्पत्ति भारत से कैसे हुई, का-ग्यूर (बुद्धवचन का अनुवाद) और स्तन-ग्यूर (सन्धियों का अनुवाद) कैसे अस्तित्व में आए, कितने भारतीय पंडित तिब्बत आए, और कितने तिब्बती अनुवादक भारत गए। तिब्बती परम्परागत साहित्य सिद्धान्त कैसे अस्तित्व में आए ? तिब्बती साहित्य में महाकाव्य और कविताएँ, अवदान, ड्रामा और शुभ वचन कैसे विकसित हुए। इसमें तिब्बती व्याकरणिक कृतियों और अभिधान के इतिहास को भी शामिल किया गया है।
3. **तिब्बती साहित्य का इतिहास, खंड 3 (चौथा पुनरीक्षण प्रक्रियाधीन) :** इस खंड में संस्कृत काव्य सिद्धांतों, नाटकों और बौद्ध साहित्य के इतिहास के साथ-साथ कई प्रसिद्ध लेखकों की जीवनी शामिल है। तिब्बती साहित्य के इतिहास पर चार-खंड शृंखला के भाग के रूप में इस खंड में संस्कृत साहित्य को शामिल करना, दो साहित्यिक परंपराओं के बीच गहन और अविभाज्य संबंधों पर आधारित है। संस्कृत ने तिब्बती साहित्यिक, धार्मिक और दार्शनिक विचारों को आकार देने में विशेष रूप से बौद्ध ग्रंथों और सिद्धांतों के प्रसारण के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। तिब्बती साहित्य की कई आधारभूत रचनाएँ, जिनमें टिप्पणियाँ, दार्शनिक ग्रंथ और काव्य रचनाएँ शामिल हैं, सीधे संस्कृत स्रोतों से जुड़ी हुई हैं।
संस्कृत साहित्य पर इसके महत्व को देखते हुए इस खंड की प्राथमिक जिम्मेदारी डॉ. दोर्जे क्याप को सौंपी गई है। डॉ. दोर्जे क्याप वर्तमान में इस कार्य को बड़ी सावधानी से, सटीक और महत्वपूर्ण अनुवाद, व्यापक पाठ्य अध्ययन और विस्तृत तुलनात्मक विश्लेषण तैयार कर रहे हैं।
4. **तिब्बती साहित्य का इतिहास, खंड 4 :** यह खंड मुख्य रूप से आधुनिक तिब्बती साहित्य की जांच करता है, जो समकालीन सांस्कृतिक ढांचे के भीतर इसके विकास और महत्व पर ध्यान केंद्रित करता है। यह 20वीं सदी से तिब्बत में साहित्यिक अभिव्यक्ति को आकार देने वाले ऐतिहासिक, सामाजिक और राजनीतिक प्रभावों का आलोचनात्मक विश्लेषण करता है। यह खंड प्रमुख साहित्यिक हस्तियों और विषयगत चिंताओं - जैसे पहचान, सांस्कृतिक संरक्षण और वैश्वीकरण के प्रभावों पर प्रकाश डालता है, जबकि कविता, गद्य और नाटक सहित विभिन्न शैलियों की खोज करता है। ग्रंथों और लेखकों के साथ गहन जुड़ाव के माध्यम से, यह कार्य यह स्पष्ट करना चाहता है कि आधुनिक तिब्बती साहित्य तेजी से बदलती दुनिया में तिब्बती जीवन और विचार की जटिलताओं को कैसे दर्शाता है। अंततः, यह तिब्बत में गतिशील साहित्यिक परिदृश्य की समझ में योगदान देना चाहता है, यह दर्शाता है कि समकालीन लेखक परंपरा और नवाचार के बीच परस्पर क्रिया को कैसे संचालित करते हैं।

भविष्य की परियोजनाएँ:

1. भारतीय मध्यकालीन साहित्य का इतिहास।
2. भारतीय आधुनिक साहित्य का इतिहास।
3. तिब्बती प्रवासी साहित्य का इतिहास (1959-2019)।
4. सरस्वती कंठाभरण (सरस्वती का हार) का संस्कृत से तिब्बती भाषा में अनुवाद, ताकि तिब्बती बुद्धिजीवियों की लम्बे समय से चली आ रही आकांक्षाओं को पूरा किया जा सके।
5. प्रथम महान अलंकारशास्त्री भामह के काव्यालंकार (काव्यालङ्कार) का तिब्बती में अनुवाद।

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. गेशे बेरी जिग्मे वांग्याल आचार्य प्रथम और द्वितीय कक्षाओं में तिब्बती साहित्य का इतिहास पढ़ाते हैं।
2. डॉ. दोर्जे क्याप आचार्य द्वितीय कक्षा के छात्रों को तिब्बती साहित्य पढ़ाते हैं, उत्तर-पत्रों का मूल्यांकन करते हैं, और मौखिक परीक्षा भी लेते हैं।

अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ:

गेशे बेरी जिग्मे वांग्याल:

आमंत्रित व्याख्यान:

1. 8-9 मार्च, 2023 : दो दिवसीय कार्यशाला "तिब्बती साहित्य और इसका विकास" में भाग लिया, जो तिब्बत नीति संस्थान (Tibet Policy Institute), केंद्रीय तिब्बती प्रशासन, धर्मशाला द्वारा आयोजित की गई। मेरा प्रस्तुतीकरण "आधुनिक तिब्बती लेखकों और साहित्य की स्थिति" पर केंद्रित था।
2. 23 अगस्त, 2023 : "तिब्बती साहित्य की पहचान और वर्गीकरण" पर एक व्याख्यान दिया, जिसका आयोजन केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान (CIBS), लेह, लद्दाख में किया गया।
3. 8-11 जनवरी, 2024 : "मार्पा, मिलारेपा, और दग्-पो ल्हजे की तिथियों पर पुनर्विचार" पर चार दिवसीय सम्मेलन में भाग लिया, जो पालपुंग शेरब लिंग और कुन्क्योड फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। प्रस्तुतीकरण का शीर्षक था, "कर्मापा दुस-ग्युम-ख्येन्पा के कार्य: प्रथम कर्मापा के 1 से 20 वर्ष की गतिविधियों का अध्ययन।"
4. 15-27 जनवरी, 2024 : "तिब्बती साहित्य" पर तेरह दिवसीय व्याख्यानमाला, जिसे धर्मशाला में तिब्बती कार्यों और अभिलेखों के पुस्तकालय और एमोरी विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।
5. 12-14 फरवरी, 2024 : के.उ.ति.शि.सं. के छात्र कल्याण समिति द्वारा के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी में आयोजित वरिष्ठ अभियान में भाग लिया, जिसमें "तिब्बती कहावतों का साहित्य" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. दोर्जे क्याप

शैक्षणिक गतिविधियाँ एवं आमंत्रित व्याख्यान:

1. 10 अप्रैल 2023 : पी-एच.डी. शोध प्रबंध को प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक था: "बौद्ध दर्शन में भाषाविज्ञान: आधुनिक भाषाविज्ञान की रूपरेखा के माध्यम से बौद्ध दर्शन की भाषा-व्यवस्था का समीक्षण।"
2. 5-14 सितंबर 2023 : जोडसार संस्थान के मास्टर के छात्रों के लिए "सामान्य भाषाविज्ञान और शास्त्रीय संस्कृत साहित्य का परिचय" पर दस-दिवसीय व्याख्यान दिया, जिसे जोडसार ख्येन्चे छोक्यी लोड्रो संस्थान द्वारा आमंत्रित किया गया था।
3. 26 सितंबर 2023 : मुझसे त्रीपिटक अनुवाद परियोजना, जिसे गदेन पोड्रांग, परम पावन दलाई लामा के निजी कार्यालय द्वारा आयोजित किया गया है, के बारे में VOA और RFA द्वारा इंटरव्यू लिया गया।
4. 27 सितंबर 2023 : सराह कॉलेज के सभी शिक्षकों और छात्रों के लिए अपने पी-एच.डी. शोध प्रबंध पर एक व्याख्यान दिया, जिसका शीर्षक था: "बौद्ध दर्शन में भाषाविज्ञान: आधुनिक भाषाविज्ञान की रूपरेखा के माध्यम से बौद्ध दर्शन की भाषा-व्यवस्था का समीक्षण," जिसका आयोजन उच्च तिब्बती अध्ययन कॉलेज, सराह, धर्मशाला द्वारा किया गया था।

5. 25-28 सितंबर 2023 : सराह कॉलेज के मास्टर के छात्रों के लिए "सामान्य भाषाविज्ञान, अनुसंधान पद्धति, संस्कृत भाषा और इसके व्याकरणिक ग्रंथों का परिचय" पर चार-दिवसीय व्याख्यान दिया, जिसे उच्च तिब्बती अध्ययन कॉलेज, सराह, धर्मशाला द्वारा आमंत्रित किया गया था।
6. 30 सितंबर 2023 : तिब्बतटाइम्स (TibetTimes) के साथ एक इंटरव्यू में भाग लिया, जिसमें अपने शैक्षणिक कैरियर और पी-एच.डी. शोध प्रबंध पर चर्चा की।
<https://www.youtube.com/watch?v=kdH0m1DCsjI>
7. 4 जनवरी 2024 : मैसाचुसेट्स, यूएसए के पाञ्च कॉलेज कंसोर्टियम के 31वें एक्सचेंज कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए गेशे थार्के के "वैभाषिक बौद्ध सिद्धांतों का परिचय" शीर्षक वाले व्याख्यान का अनुवाद किया।
8. 5 जनवरी 2024 : मैसाचुसेट्स, यूएसए के पाञ्च कॉलेज कंसोर्टियम के 31वें एक्सचेंज कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए गेशे थार्के के "सौत्रान्तिक बौद्ध सिद्धांतों का परिचय" शीर्षक वाले व्याख्यान का अनुवाद किया।
9. 6 जनवरी 2024 : मैसाचुसेट्स, यूएसए के पाञ्च कॉलेज कंसोर्टियम के 31वें एक्सचेंज कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए गेशे थार्के के "चित्तमात्र बौद्ध सिद्धांतों का परिचय" शीर्षक वाले व्याख्यान का अनुवाद किया।
10. 16 जनवरी 2024 : मैसाचुसेट्स, यूएसए के पाञ्च कॉलेज कंसोर्टियम के 31वें एक्सचेंज कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए "तिब्बती साहित्य का संक्षिप्त परिचय" पर एक व्याख्यान दिया।
11. 22 जनवरी 2024 : के.उ.ति.शि.सं. छात्र काल्यण समिति, सारनाथ, वाराणसी द्वारा आयोजित "भाषाविज्ञान : प्रमुख अवधारणाएँ और अंतर्दृष्टि" पर व्याख्यान दिया।

लेख और अध्याय:

1. "नागानंद नाटक का तिब्बती संस्करण" नागानंद पर संक्षिप्त टिप्पणी में, गेशे जे. डब्ल्यू. बेरी द्वारा संकलित। 2023. 1-72।
2. "मेघदूत के तिब्बती अनुवाद पर विश्लेषण" बोद-रिग्पा शोध पत्रिका। (तिब्बती अध्ययन पत्रिका), 2023. (2). 75-94। <https://bodrigpa.org/archives/3867>

व्यावसायिक सदस्यता

1. अंतरराष्ट्रीय तिब्बती अध्ययन संघ (IATS) के सदस्य।

4. शान्तरक्षित ग्रन्थालय

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान का शान्तरक्षित ग्रन्थालय एक विशिष्ट ग्रन्थालय है। इस ग्रन्थालय में प्राचीन संस्कृत पाण्डुलिपियों के तिब्बती अनुवाद के रूप में भारतीय बौद्ध-वाङ्मय का समृद्ध संग्रह अपने मौलिक स्वरूप में काष्ठोत्कीर्णित (Xylograph), मुद्रित एवं मल्टीमीडिया ग्रंथों के रूप में विद्यमान है। ग्रन्थालय में विद्यमान ग्रन्थों का यह संग्रह विश्वविद्यालय के उद्देश्यों पर आधारित है, जिसे भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय महत्त्व का संग्रह घोषित किया गया है।

ग्रन्थालय का नामकरण प्राचीन नालन्दा महाविहार के प्रसिद्ध भारतीय बौद्ध विद्वान् आचार्य शान्तरक्षित के नाम पर हुआ है जिन्होंने बौद्ध धर्म की शिक्षाओं एवं परम्पराओं के प्रसार हेतु 8वीं शताब्दी में तिब्बत की यात्रा की थी। ग्रन्थालय में संरक्षित बौद्ध, तिब्बती और हिमालयीय-अध्ययन विषयक ग्रन्थों का समृद्ध संग्रह भारतीय और विदेशी विद्वानों के आकर्षण का केन्द्र है। बौद्ध-वाङ्मय की दृष्टि से यह अद्वितीय ग्रन्थालय है।

शान्तरक्षित ग्रन्थालय अत्याधुनिक सूचना तकनीकी सुविधाओं से सम्पन्न हैं तथा ग्रन्थालय में संगृहीत समस्त प्रलेखों की कम्प्यूटरीकृत बहुभाषी ग्रन्थसूची के आधार पर ग्रन्थालय सेवाएं प्रदान की जाती हैं, यह बहुभाषी सूचीपत्रक (ओपेक) विश्वविद्यालय परिसर के कम्प्यूटर नेटवर्क (LAN) के साथ ही विश्वविद्यालय की वेबसाइट (www.cihts.ac.in) से कहीं भी देखा जा सकता है।

शान्तरक्षित ग्रन्थालय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अन्तर्विश्वविद्यालयी केन्द्र इनफ्लिबनेट, अहमदाबाद, (www.inflibnet.ac.in) द्वारा ई-शोधसिन्धु (ऑन लाइन जर्नल्स योजना) का सदस्य है, जिसके फलस्वरूप अर्थशास्त्र एवं राजनीति की सामाहिकी (www.epw.in) तथा आई. एस. आई. डी. (www.isid.org.in) डेटाबेस, विश्वविद्यालय परिसर में विश्वविद्यालय के इण्टरनेट नेटवर्क का प्रयोग कर मुफ्त में देखें, पढ़ें और डाउन-लोड किए जा सकते हैं।

शान्तरक्षित ग्रन्थालय को बी.डी.आर.सी. (बुद्धिस्टडिजिटल रिसोर्स सेण्टर) <https://www.bdrc.io/> तथा वर्ल्ड पब्लिक लाइब्रेरी <http://community.worldLib.in> और साउथ एशिया आर्काइव (एस.ए.ए.) <http://www.southasiaarchive.com> के संसाधनों के ऑनलाइन उपयोग की अनुमति भी प्राप्त है।

मुद्रित और ऑनलाइन प्रलेखों के साथ ही यह ग्रन्थालय माइक्रोफिच, माइक्रोफिल्म, ऑडियो और वीडियो प्रलेखों के समृद्ध संग्रह पर आधारित सेवाएं प्रदान करता है तथा इन अमूल्य संसाधनों का प्रबंधन करता है। ग्रन्थालय तिब्बती साहित्य और संस्कृति के विकास के लिए दलाई लामा फाउंडेशन, धर्मशाला, के साथ जुड़ा हुआ है।

1. डॉ. हिमांशु पाण्डेय, ग्रन्थालय प्रभारी
2. श्रीमती शिवानी तिवारी, कार्यालय सहायक, संविदा

शान्तरक्षित ग्रन्थालय के सात प्रमुख अनुभाग हैं—

1. अवाप्ति, तकनीकी एवं इनफ्लिबनेट अनुभाग।
2. सामयिकी, पत्र-पत्रिका एवं सन्दर्भ अनुभाग।
3. तिब्बती अनुभाग।
4. आदान-प्रदान अनुभाग।
5. संचयागार अनुभाग।

6. मल्टीमीडिया अनुभाग।

7. कम्प्यूटर अनुभाग।

1. अवाप्ति एवं तकनीकी अनुभाग

अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री राजेश कुमार मिश्र, प्रलेखन अधिकारी
2. श्री रविकान्त पाल, सेमी प्रोफेशनल असिस्टेंट
3. श्री तेनजिन छुंडक, सेमी प्रोफेशनल असिस्टेंट (संविदा)
4. श्रीमती डिकी डोलमा, सेमी प्रोफेशनल असिस्टेंट (संविदा)
5. सुश्री नवड लोछो लामा (संविदा)
6. श्रीमती मीना, ग्रन्थालय परिचारिका
7. श्री शिवबचन शर्मा, विविध कार्य कर्मचारी

1.1 ग्रंथ अवाप्ति

ग्रन्थालय के अवाप्ति अनुभाग द्वारा वर्ष 2023-24 में ₹ 948859.55 मूल्य के कुल 906 ग्रन्थों की अवाप्ति कर आगम संख्या 127269-128174 तक पंजीकृत किया गया।

इनमें से ₹ 671648.00 मूल्य के 425 ग्रंथ खरीदे गये तथा ₹ 277211.55 मूल्य के 481 ग्रंथ दानस्वरूप प्राप्त हुए।

वर्ष 2023-24 में अवाप्त ग्रंथों का विवरण

तिब्बती	610
संस्कृत	2
हिन्दी	32
अंग्रेजी	133
बहुभाषी	98
अन्य	31
कुल	906

क्रय	425
दान	481
विनिमय	0
जिल्दबन्द सामयिकी	0
कुल	906

क्रय मूल्य	671648.00
दान मूल्य	277211.55
कुल मूल्य	948859.55

1.2 तकनीकी अनुभाग

1. 1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 की अवधि के दौरान कुल संख्या 879 ग्रंथों का कोलन वर्गीकरण पद्धति (6वां संस्करण) की मदद से वर्गीकरण किया गया था और सूचीकरण कर इन्हें स्लिम ग्रन्थालय साफ्टवेयर द्वारा डेटाबेस में निवेशित किया गया था तकनीकी प्रक्रिया के बाद इन्हें सम्बन्धित अनुभाग/संचयागार में स्थानान्तरित कर दिया गया है।
2. 873 तिब्बती ग्रन्थों का कोलन वर्गीकरण किया गया एवं कम्प्यूटर के माध्यम से सूचीकरण कर ग्रन्थों का स्थानान्तरण तिब्बती अनुभाग में किया गया।
3. नए ग्रन्थों का स्लिम साफ्टवेयर के माध्यम से प्रतिलिपि जाँच की गयी।

4. माँग के आधार पर ग्रन्थों की तकनीकी प्रक्रिया पूर्ण की गयी।
5. आवेदकों को संदर्भ सेवा प्रदान की गयी।
6. अनुभाग के कर्मिकों द्वारा NAD पोर्टल एवं छात्रों का ABC-ID बनाने का कार्य सम्पादित किया गया।
7. भौतिक सत्यापन टीम के तहत 4000 से ज्यादा किताबों की खोज की।
8. 1000 से ज्यादा किताबों की बैकलॉग एंट्री SLIM डेटाबेस में किया गया।

2. सामयिकी, पत्र-पत्रिका व सन्दर्भ अनुभाग

अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री कृष्णानन्द सिंह, सेमी प्रोफेशनल असिस्टेंट
2. श्री सतीश कुमार राय, दैनिक वेतनभोगी

2.1 अवाप्ति-

आलोच्य वर्ष 2023-24 में इस अनुभाग द्वारा सामयिकी एवं समाचार पत्र-पत्रिकाओं की अवाप्ति पर ₹ 48,368.00 (अड़तालीस हजार तीन सौ अड़सठ मात्र) व्यय किये गये, जिसका विवरण निम्नवत है-

क्रम सं.	फर्म का नाम	सामयिकी का प्रकार	शीर्षक	भाग	कुल प्राप्त अंक	मूल्य
1.	भारतीय प्रकाशन	राष्ट्रीय सामयिकी	5	13	18	11,750.00
2.	विदेशी प्रकाशन	विदेशी जर्नल	-	-	-	-
3.	आभार स्वरूप	आभार स्वरूप प्राप्त	1	1	1	00.00
4.	विनिमय सामयिकी	विनि. सामयिकी	2	2	2	00.00
5.	स्थानीय विक्रेता	समाचारपत्र-पत्रिका (18)	17	20	229	36,618.00
	योग		25	36	250	48,368.00

2.2 सेवाएँ-

1. आलोच्य वर्ष 2023-24 में सामयिकियों में उपलब्ध 169 आर्टिकल्स का स्लिम डेटाबेस में इनपुट किया गया। इस डेटाबेस में आर्टिकल्स की कुल संख्या 18332 हो गई है।
2. वर्तमान सत्र में 1157 प्रेस क्लिपिंग्स को स्कैन किया गया। इस डेटाबेस में प्रेस क्लिपिंग्स की कुल संख्या 25941 हो गई है।
4. पाठकों के मांग पर सामयिकियों में प्रकाशित लेखों की छाया प्रति उपलब्ध कराई गई।
5. विश्वविद्यालय के छात्रों को उनके शोध से संबंधित संदर्भ सेवाएं (ग्रंथ) उपलब्ध कराया गया।

3. तिब्बती अनुभाग

शान्तरक्षित पुस्तकालय के तिब्बती अनुभाग में बौद्ध साहित्य संगृहीत है, जिसे काग्यूर (बौद्ध वचन) और तेंग्यूर (बुद्ध वचनों पर भारतीय बौद्ध आचार्यों की टीकाओं के संग्रह) के नाम से जाना जाता है। बौद्ध अध्ययन के इस विशाल संग्रह में काग्यूर व तेंग्यूर के कई संस्करण हैं, साथ ही बोन्पो काग्यूर और तेंग्यूर (तिब्बत में बौद्ध धर्म से पहले का स्वदेशी धर्म) के ग्रंथ और सुंगबुम (विभिन्न तिब्बती विद्वानों के समग्र) भी उपलब्ध हैं। समकालीन पुस्तक प्रारूप में तिब्बती चिकित्सा

(Sowa-Rigpa), तिब्बती ज्योतिष, भाषा विज्ञान, साहित्य, इतिहास और तिब्बती पत्रिकाएँ भी इसके संग्रह का अपरिहार्य हिस्सा हैं। वर्तमान में इस अनुभाग में पुस्तक, देब-चेन और पोथी जैसे तीन विभिन्न प्रारूपों में लगभग 11265 शीर्षक और 41553 खंड/प्रतियां हैं।

तिब्बती अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री लोब्संग वांगडू, (प्रोफेशनल असिस्टेंट, प्रभारी तिब्बती अनुभाग)
2. श्री चोंगा छेरिंग (संविदा)
3. श्रीमती ताशी ल्हामो (संविदा)
4. श्री अनिल कुमार यादव (संविदा)

तिब्बती अनुभाग में काग्यूर और तेंग्यूर के निम्नलिखित संस्करण हैं:

- i. काग्यूर - देगे, लद्दाख टोग, ल्हासा, नार्थांग, उरगा, तुलनात्मक संस्करण, और लुंग ड्रिमा तीन अलग-अलग आइटम प्रारूपों में (पोथी, देब-चेन और पुस्तक)
- ii. तेंग्यूर - देगे, नार्थांग, मिवांग गोल्डन संस्करण, और तुलनात्मक संस्करण तीन अलग-अलग आइटम प्रारूपों में (पोथी, देब-चेन और पुस्तक)।
- iii. पुस्तक प्रारूप में पाली और चीनी त्रिपिटक।

3.1 तकनीकी कार्य:

1. तिब्बती पुस्तकों (अवर्गीकृत) के लिए तिब्बती वर्गीकरण योजना का कार्यान्वयन, जिसे सितंबर 2020 में शुरू किया गया था, लगभग पूरा हो चुका है। तिब्बती पुस्तकों पर विषय वर्गीकरण (कॉल नंबर) लागू करने का लंबे समय से प्रतीक्षित सपना आखिरकार साकार हो गया है। अलमारियों पर रखी गई पुस्तकों को कॉल नंबर के अनुसार व्यवस्थित किया गया है और इसकी मेटाडेटा जानकारी सिस्टम में अपडेट की गयी है। इसलिए, पाठक सेवाएं जैसे शेल्फ पर पुस्तकों का पता लगाना, तिब्बती विद्वानों (सुंगबुम) के कार्यों से विश्लेषणात्मक लेख ढूँढना और ग्रंथसूची संबंधी जानकारी प्राप्त करना तेज और उन्नत हो गई हैं। इसी तरह, शेल्फिंग और शेल्फ सुधार कार्य पेशेवर रूप से किया जाता है।
2. पुस्तकों पर कॉल नंबर लिखना, तथा अन्य संबंधित कार्य जैसे बुक पॉकेट चिपकाना, तथा लेबल लगाना, तिब्बती अनुभाग के कर्मचारियों द्वारा अथक परिश्रम से किया गया।
3. पुस्तक की 32 विश्लेषणात्मक प्रविष्टि तैयार की गयी।
4. पोथियों और देब-चेन की अलग-अलग स्थान सूची तैयार की गई।
5. अधिग्रहण एवं तकनीकी अनुभाग से स्थानांतरित लगभग आठ सौ सत्तर नई पुस्तकों का तदनुसार प्रसंस्करण किया गया है।

3.2 रखरखाव कार्य:

1. पुस्तकालय की परियोजना, "सीखते हुए अनुभव प्राप्त करें" (जीईडब्ल्यूएलएस) के तहत, तिब्बती अनुभाग ने मई 2023 में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान तीन छात्रों को काम पर रखा और लगभग सत्रह सौ पोथियों को नए कपड़े से पैक किया और इसके ध्वज पर प्रतिलेखन आदि किया।
2. हमेशा की तरह, गर्मियों की छुट्टियों के दौरान, पांडुलिपि अनुभाग को अच्छी तरह से साफ किया गया।

3. पाठकों द्वारा किताबों को टेबल पर छोड़ने के बाद उन्हें वापस अलमारियों में रखना। रखरखाव रिकॉर्ड के अनुसार इस श्रेणी में लगभग ग्यारह हजार किताबें पंजीकृत की गयीं।
4. पुस्तकों को संचलन डेस्क से अनुभाग में वापस ले आना। रिकॉर्ड के अनुसार, लगभग दो हजार पांच सौ किताबें संचलन डेस्क से जारी की गई हैं और अनुभाग को वापस की गई।
5. पाठकों द्वारा लगभग दो हजार पुस्तकों का अवलोकन किया गया है।

3.3 अंतर-पुस्तकालय सेवाएं:

1. अवाप्ति अनुभाग: तिब्बती अनुभाग, अवाप्ति अनुभाग द्वारा नई खरीद से पहले तिब्बती पुस्तकों की प्रतिलिपि की जाँच का कार्य किया गया।
2. मल्टीमीडिया अनुभाग के लिए समन्वय कार्य: तिब्बती अनुभाग डिजिटलीकरण के लिए मल्टीमीडिया अनुभाग से मांग के अनुसार दस्तावेज प्रदान की है।
3. संचलन डेस्क: अनुभाग कर्मचारी श्रीमती ताशी ल्हामो को संबंधित कर्मचारियों की छुट्टी के दौरान समय-समय पर संचलन डेस्क पर नियुक्त किया गया है।
4. पुस्तकों का स्टॉक सत्यापन: तिब्बती अनुभाग के कर्मचारियों ने संबंधित प्रभारी के निर्देशानुसार पुस्तकालय के पुस्तक सत्यापन में भाग लिया।

3.4 पाठक सेवाएँ:

पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को सेवाएँ प्रदान करना पुस्तकालय कर्मचारियों की पहली और सर्वोच्च जिम्मेदारी समझते हुए तिब्बती अनुभाग द्वारा पाठकों को निम्नलिखित सेवाएँ प्रदान की गयीं:

- 1) कॉल नंबर के मदद से पुस्तकों को खोजने में पाठकों की मदद की।
- 2) इंडेक्सिंग कैटलॉग की मदद से पुस्तकों से अकादमिक लेखों का पता लगाना।
- 3) पाठकों को काग्यूर और तेंग्यूर से पाठ ढूँढने में सहायता की।
- 4) पाठकों द्वारा माँगे जाने पर ग्रंथसूची सेवाएँ प्रदान की।
- 5) जब भी आवश्यक हो टीबीआरसी (तिब्बती बौद्ध संसाधन केंद्र) पोर्टल पर ऑनलाइन खोज।
- 6) पाठकों को अलमारियों पर पुस्तकों को ब्राउज़ करने में मदद करने के लिए शेल्फ गाइड प्रदान किया गया।

3.5 अन्य गतिविधियाँ:

1. तिब्बती वर्गीकरण अनुसूची का मसौदा तैयार हो चुका है और इसे जनवरी 2023 में प्रकाशन के लिए उच्च अधिकारियों को सौंप दिया गया है।
2. तिब्बती लाइब्रेरी (नामग्याल इंस्टीट्यूट ऑफ तिब्बतोलॉजी, एनआईटी) गंगटोक में अनुसंधान सहायक श्री पेम्पा भूटिया के लिए 13 मार्च 2024 से 01 अप्रैल 2024 तक शांतिशक्ति लाइब्रेरी में कैटलॉगिंग प्रशिक्षण आयोजित किया।
3. अगस्त 2023 में संस्थान की आरबीटीआर लाइब्रेरी के पुस्तक सत्यापन में सहायता की।
4. श्री लोब्संग वांगडू, शांतिशक्ति ग्रंथालय हेतु तिब्बती पुस्तकों की 'मूल्य सत्यापन समिति', संस्थान की 'स्टाफ क्वार्टर रखरखाव समिति' तथा 'वार्षिक रिपोर्ट समिति' में सदस्य के रूप में नामित रहे।

4. आदान-प्रदान अनुभाग

ग्रन्थालय का आदान-प्रदान अनुभाग ग्रन्थालय में नए सदस्यों का पंजीकरण, सदस्यता नवीनीकरण, ग्रंथों का आगम, निर्गम, आरक्षण, अदेयता प्रमाण पत्र जारी करना तथा ग्रन्थालय उपयोग की सूचनाओं का संग्रहण एवं अन्य सम्बन्धित कार्य सम्पादित करता है।

अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्रीमती तेनजिन कलदेन, संविदा (फरवरी 2024 तक)
2. सुश्री नवांग लोछो लामा, संविदा (फरवरी 2024 तक)
3. श्रीमती शिवानी तिवारी, संविदा (मार्च 2024 से)

वित्तीय वर्ष 2023-24 में अनुभाग द्वारा पंजीकृत ग्रन्थालय सदस्यों का विवरण निम्नवत है-

सदस्यता का प्रकार	संख्या
विद्यार्थी	302
कर्मचारी	52
तदर्थ तथा अनुरोध सदस्य	21
विभागीय	07
अतिथि सदस्य	01
निदेशक कक्ष	01
योग	384

- 4.1 वर्ष 2023-24 में 145 नये ग्रन्थालय सदस्यों का नामांकन किया गया, जिनमें 38 विद्यार्थी, 05 कर्मचारी, 11 गैर-नियमित सदस्य, 12 विभागीय व 79 अस्थायी सदस्य सम्मिलित हैं। इस अवधि में 74 अदेयता प्रमाणपत्र जारी किए गए।
- 4.2 वर्ष 2023-24 में आदान, प्रदान, आरक्षण आदि से सम्बन्धित 37529 प्रविष्टियों का ग्रन्थालय डेटाबेस में निवेश किया गया।
- 4.3 वर्ष 2023-24 में ग्रन्थालय के संग्रह से 4397 ग्रंथ पाठकों द्वारा आहरित किए गए तथा 4480 ग्रंथ वापस किए गए।
- 4.4 आलोच्य वर्ष में कुल 36583 पाठकों ने ग्रन्थालय का प्रयोग किया।

5. संचयागार अनुभाग

भूतल व प्रथम तल पर अवस्थित विशिष्ट संग्रहों सहित सभी मुद्रित ग्रंथों (तिब्बती भाषा के अतिरिक्त) का संचयागार कोलन वर्गीकरण पद्धति के छोटे संस्करण के आधार पर विषय क्रम से व्यवस्थित है, यह अनुभाग इस संग्रह पर आधारित सेवाएं प्रदान करने के साथ-साथ संग्रह के संरक्षण व रखरखाव की व्यवस्था सुनिश्चित करता है।

अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्रीमती तेनजिन रिगसंग, प्रोफेसनल असिस्टेंट
2. श्री विजय कुमार पटेल, ग्रन्थालय परिचारक
3. मु. मुमताज, ग्रन्थालय परिचारक

संचयागार द्वारा प्रदान सेवाओं एवं रख-रखाव के कार्यों का विवरण निम्न तालिका में प्रस्तुत है-

5.1 सेवाएं

1.	संचयागार में आए पाठकों की संख्या (मांग पर्चियों की संख्या के आधार पर)	258
2.	फलक से निकाले गए ग्रंथों की संख्या (मांग पर्चियों की संख्या के आधार पर)	398
3.	अध्ययन कक्ष से फलक पर व्यवस्थित किए गए ग्रंथों की संख्या	29215
4.	विशेष संग्रह से प्रदान की गई पाठक सेवाएं	22

5.2. संग्रह में आए नए ग्रंथ तथा संचयागार का रख रखाव

1.	संग्रह में आए नए ग्रंथों की संख्या	493
2.	तकनीकी सुधार हेतु निकाले गए ग्रंथों की संख्या	368
3.	तकनीकी सुधार के पश्चात संग्रह में आए पुराने ग्रंथों की संख्या	197
4.	संग्रह संशोधन	V, W
5.	ट्रांसक्राइब किए गए नए व पुराने ग्रंथों की संख्या	1221
6.	जिल्दबंदी हेतु भेजे गए ग्रंथों की संख्या	398
7.	जिल्दबंदी के उपरान्त प्राप्त ग्रंथों की संख्या	427

6. मल्टीमीडिया अनुभाग

ग्रन्थालय का मल्टीमीडिया अनुभाग, अत्याधुनिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित है। ग्रन्थालय का यह अनुभाग डिजिटल प्रलेख, माइक्रोफिल्म, माइक्रोफिश, आडियो-विडियो कैसेट्स, सी.डी., डी.वी.डी. एवं डिजिटल आदि प्रारूपों में उपलब्ध प्रलेखों का निर्माण, संग्रहण, संवर्धन व संरक्षण करता है तथा इन प्रलेखों पर आधारित पाठक सेवाएँ प्रदान करता है। विश्वविद्यालय के समस्त शैक्षणिक कार्यक्रमों की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी कर प्राप्त प्रलेखों का तकनीकी सम्पादन कर उन्हें संग्रह व सेवा के लिए उपयुक्त बनाता है साथ ही शैक्षणिक उद्देश्य हेतु फोटोकॉपी, स्कैनिंग, प्रिंटिंग व प्रतिलिपिकरण की सेवा भी प्रदान करता है। अनुभाग, संस्थान की प्रमुख गतिविधियों का सोशलमीडिया पर सीधा प्रसारण तथा डिजिटल सामग्री का प्रबंधन भी करता है। अनुभाग द्वारा देश के सुदूर व दुर्गम स्थानों में उपलब्ध बौद्धधर्म एवं दर्शन की प्राचीन पाण्डुलिपियों व ग्रंथों के डिजिटलीकरण का कार्य भी सम्पादित किया जाता है। मल्टीमीडिया अनुभाग समय की बदलती जरूरतों और तकनीक के साथ अद्यतन रहने हेतु सतत् प्रयासरत रहता है। अस्सी के दशक में यह अनुभाग सक्रिय रूप से माइक्रोफॉर्म के कार्य में लगा हुआ था तथा नब्बे के दशक में अनुभाग ने मैग्नेटिक टेपों के साथ काम किया और अब यह अनुभाग संस्थान के लिए डिजिटलीकरण कार्य का केंद्र है। नवीनतम आई.सी.टी. उपकरण से लैस यह अनुभाग दुर्लभ बौद्ध पाण्डुलिपियों और मूल्यवान प्रलेखों को डिजिटल रूप से संरक्षित करने के लिए डिजिटलीकरण कार्य से जुड़ा हुआ है।

अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री तेनजिन दोन्यो, अनुभाग प्रभारी
2. श्री पाल्देन छेरिंग
3. श्री दोर्जे बूम (18 नवंबर, 2023 को नौकरी छोड़ दी)
4. श्री कलदेन गुरुङ
5. श्रीमती तेनजिन कलदेन

6. श्री स्तानजीन तोनयोद

7. श्री राकेश गुप्ता

6.1 आडिओ वीडियो एवं फोटो प्रलेखन

वर्ष 2023-2024 में संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों की विडियोग्राफी एवं विडियो संपादन कर ग्रन्थालय में संग्रहण तथा पाठकों/उपयोगकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराए हैं।

1. 1 अप्रैल 2023 : "द्वंद्वात्मकता पद्धति के माध्यम से आधुनिक विषय की शिक्षण शास्त्र" विषय पर शिक्षकों के लिए कार्यशाला" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्डिंग, संपादित और वीडियो की झलक निर्यात की।
2. 7 अप्रैल 2023 : "म्यूजिकोरम-2023 पं. रवि शंकर" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
3. 12 अप्रैल 2023 : "अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ G20 2023" (संस्थान के संकाय और स्टाफ सदस्यों ने संस्थान के ए.पी. गेस्ट हाउस में आयोजित सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को देखा) शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
4. 19 अप्रैल 2023 : "जलवायु परिवर्तन का पेयजल की उपलब्धता पर प्रभाव और उसके उपायों" शीर्षक से आयोजित वार्ता का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
5. 25 मई 2023 : "सांस्कृतिक एवं एफडब्ल्यूडी क्षेत्र दौरा: उच्च रक्षा अभिविन्यास पाठ्यक्रम" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
6. 5 मई 2023 : 'बुद्ध जयंती समारोह' शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
7. 21 जून 2023 : आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह' शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
8. 30 जून 2023 : संस्थान द्वारा आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का समापन सत्र' शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
9. 4 जुलाई 2023 : श्री ऋषिकेश शरण द्वारा दिए गए व्याख्यान "अतिरिक्त कार्य करके, साधारण लोग भी असाधारण बनने लगते हैं" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
10. 6 जुलाई 2023 : "परम पावन 14वें दलाई लामा के जन्मदिवस समारोह पर कार्यक्रम" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
11. 15 जुलाई 2023 : "भारतीय सभ्यता में बौद्ध मूल्य प्रणाली और पारस्परिक सौहार्द पर राष्ट्रीय संगोष्ठी" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
12. 21 जुलाई 2023 : "काग्यूर पाठ" शीर्षक से वीडियो की एक झलक रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात की।
13. 28 जुलाई 2023 : "संस्थान के नए छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन शिविर का उद्घाटन सत्र" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
14. 28 जुलाई 2023 : पीएचडी छात्र देखंग टाशी द्वारा "बौद्ध धर्म के चार महान संप्रदाय और बोन का परिचय" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
15. 28 जुलाई 2023 : डॉ. दावा शेरपा द्वारा "भाषा सीखने के तरीके और उसका महत्व" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।

16. 28 जुलाई 2023 : पीएचडी छात्र लोबसांग छोडक द्वारा “लेखन के मूल सिद्धांतों में प्रशिक्षण के तरीके” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
17. 28 जुलाई 2023 : पीएचडी छात्र जम्पा ल्हुंडुप द्वारा “पुस्तक पठन से संबंधित टिप्पणियाँ जोड़ने का तरीका” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
18. 29 जुलाई 2023 : डॉ. महेश शर्मा द्वारा “संस्थान परिसर का आभासी भ्रमण” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
19. 29 जुलाई 2023 : डॉ. जीमा छेरिंग द्वारा “भाषण देने के तरीके” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
20. 29 जुलाई 2023 : पीएचडी छात्र जमयंग दोंडुप द्वारा “छात्र लेख कैसे लिखें” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
21. 29 जुलाई 2023 : कुलपति प्रो. वांगछुक दोर्जे नेगी द्वारा “दैनिक जीवन में बौद्ध धर्म का अभ्यास कैसे करें” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
22. 29 जुलाई 2023 : पीएचडी छात्र सोनम दोर्जे द्वारा “नियमित रूप से अध्ययन कैसे करें” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
23. 30 जुलाई 2023 : “माननीय सिक्यो गं श्री पेनपा छेरिंग, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन द्वारा संस्थान परिवार के सदस्य को संबोधन” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
24. 11 अगस्त 2023 : “मेरी माटी मेरा देश” (अमृत महोत्सव, भारत सरकार) शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
25. 5 सितंबर 2023 : IQAC सेल द्वारा आयोजित “शिक्षक दिवस समारोह” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
26. 6 सितंबर 2023 : “कला और संस्कृति: काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के तहत” शीर्षक वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
27. 7 सितंबर 2023 : “काशी सांसद: सांस्कृतिक महोत्सव” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
28. 10 सितंबर 2023 : “कला और संस्कृति: काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के तहत” शीर्षक वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
29. 15 सितंबर 2023 : ‘संचारी रोगों की रोकथाम और नियंत्रण’ शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
30. 16 सितंबर 2023 : “काशी सांसद: सांस्कृतिक महोत्सव” शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
31. 16 सितंबर 2023 : ‘संस्कृत सप्ताह समारोह’ शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
32. 27 सितंबर 2023 : ‘राष्ट्रीय सोवा रिग्पा दिवस का उत्सव’ शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
33. 28-30 सितंबर 2023 : ‘राष्ट्रीय सोवा रिग्पा दिवस’ शीर्षक वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।

34. 30 सितंबर 2023 को "पुरस्कार वितरण एवं कवि सम्मेलन" (समापन समारोह) शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
35. 4-16 अक्टूबर 2023 : युवा संकायों और शोधकर्ताओं के लिए "क्षमता निर्माण कार्यक्रम 'शिक्षा के आधार के लिए अंतर्विषयक ढांचा (उद्घाटन सत्र)' शीर्षक वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
36. 26 अक्टूबर 2023 : "प्रो. जम्पा समतेन का परम पावन दीर्घायु समारोह के संबंध में संस्थान के पूर्व छात्रों को संदेश" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
37. 5 नवंबर 2023 : "परम आदरणीय प्रो. समदोंग रिपोछे लोबसंग तेनजिन के 84वें जन्मदिन का उत्सव" शीर्षक वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
38. 4 नवंबर 2023 : प्रोफेसर जम्पा समतेन द्वारा "परम पूज्य प्रो. समदोंग रिनपोछे लोबसंग तेनजिन के 84वें जन्मदिन के अवसर पर प्रोफेसर एस. रिनपोछे के जीवन और गतिविधियों का परिचय" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
39. 5 नवंबर 2023 : "परम पूज्य 5वें समदोंग रिनपोछे जी के 84वें जन्मदिवस के पवन अवसर पर आयोजित "शिक्षा दिवस" समारोह शीर्षक वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
40. 29 नवंबर 2023 : "युवा संगम (एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत) भारत सरकार की एक पहल जो देश भर में विशेष रूप से युवाओं के बीच लोगों से लोगों के संपर्क को मजबूत करने के लिए है" शीर्षक वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
41. 4 दिसंबर 2023 : "प्रो. वड्छुग दोर्जे नेगी जी द्वारा संस्थान के कुलपति के रूप में पदभार ग्रहण" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
42. 4 दिसंबर 2023 : "नवनियुक्त कुलपति प्रो. वड्छुग दोर्जे नेगी जी का स्वागत समारोह" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया 2023.
43. 4 दिसंबर 2023 : "सम्मान समारोह में कुलपति प्रो. वड्छुग दोर्जे नेगी जी का संबोधन" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
44. 12 दिसंबर 2023 : "पीएचडी छात्रों का छह महीने की रिपोर्ट प्रस्तुति" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
45. 29 दिसंबर 2023 - 1 जनवरी 2024 : बोधगया में परम पावन दलाई लामा के शिक्षण और दीर्घायु प्रार्थना की वीडियोग्राफी।
46. 1 जनवरी 2024 : बोधगया में संस्थान के पूर्व छात्र संघ द्वारा आयोजित "संस्थान के पूर्व छात्र और छात्रों की परम पूज्य प्रो. समदोंग रिनपोछे लोबसंग तेनजिन से मुलाकात" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
47. 30 जनवरी 2024 : "माननीय लोकसभा सांसद श्री जामयांग छेरिंग नामग्याल का संस्थान में स्वागत और अभिनंदन समारोह" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
48. 17 फरवरी 2024 : "प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए द्विद्वैत कार्यशाला और प्रशिक्षण (उद्घाटन समारोह)" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।

49. 17 फरवरी 2024 : "प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए द्वंद्वात्मक कार्यशाला और प्रशिक्षण - संस्थान के शिक्षक शिक्षा केंद्र के निदेशक डॉ हिमांशु पाण्डेय द्वारा उद्घाटन सत्र के भाषण" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
50. 17 फरवरी 2024 : "प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए द्वंद्वात्मक कार्यशाला और प्रशिक्षण - द्वंद्ववाद से संबंधित गेशे लोबसांग ग्याछो का भाषण" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
51. 17 फरवरी 2024 : "प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए द्वंद्वात्मक कार्यशाला और प्रशिक्षण - सेलाकुई तिब्बती चिल्ड्रन विलेज स्कूल के दर्शनशास्त्र के शिक्षक आदरणीय तेनज़िन थेकचोक का भाषण" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
52. 17 फरवरी 2024 : "प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए द्वंद्वात्मक कार्यशाला और प्रशिक्षण - केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के शिक्षा निदेशक श्री न्गोडुप तेनपा ने कार्यक्रम का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
53. 17 फरवरी 2024 : "प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए द्वंद्वात्मक कार्यशाला और प्रशिक्षण - उद्घाटन सत्र के दौरान संस्थान की कुलसचिव डॉ सुनीता चंद्रा द्वारा संक्षिप्त भाषण" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
54. 19-21 फरवरी 2024 : "द्वितीय व्यावसायिक B.S.R.M.S. के लिए क्षमता-आधारित पाठ्यक्रम और सिलेबस के विकास पर कार्यशाला" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
55. 22 फरवरी 2024 : "पारंपरिक चित्रकला में तिब्बती मंडल और तिब्बती काष्ठकला पर कार्यशाला" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
56. 27 फरवरी 2024 : "वरिष्ठ छात्रों के शीतकालीन शिविर का उद्घाटन सत्र" शीर्षक से वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
57. 29 फरवरी 2024 : "प्राथमिक विद्यालय के छात्रों के लिए द्वंद्वात्मक कार्यशाला और प्रशिक्षण - मुख्य अतिथि, माननीय कुलपति प्रोफेसर कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी जी का भाषण" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
58. 19 फरवरी 2024 : "राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा प्रणाली आयोग के अध्यक्ष का भाषण (द्वितीय व्यावसायिक BSRMS के लिए क्षमता-आधारित पाठ्यक्रम और सिलेबस का विकास)" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
59. 19 फरवरी 2024 : "कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू के निदेशक द्वारा विशेष संबोधन (द्वितीय व्यावसायिक BSRMS के लिए क्षमता-आधारित पाठ्यक्रम और सिलेबस का विकास)" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
60. 19 फरवरी 2024 : "यूनानी, सिद्ध और सोवा-रिग्पा बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा परिचयात्मक टिप्पणियां (द्वितीय व्यावसायिक BSRMS के लिए क्षमता-आधारित पाठ्यक्रम और सिलेबस का विकास)" शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।
61. 19 फरवरी 2024 : "केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के कुलसचिव द्वारा अभिनंदन संबोधन" (द्वितीय व्यावसायिक BSRMS के लिए क्षमता-आधारित पाठ्यक्रम और सिलेबस का विकास) शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया गया।

62. 19 फरवरी 2024 : “माननीय कुलपति प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी जी द्वारा अभिनंदन संबोधन प्रस्तुत (द्वितीय व्यावसायिक BSRMS के लिए क्षमता-आधारित पाठ्यक्रम और सिलेबस का विकास)” शीर्षक का वीडियो निर्यात किया।
 63. 22 फरवरी 2024 : “पारंपरिक चित्रकला में तिब्बती मंडल और तिब्बती काष्ठकला पर कार्यशाला (एक झलक)” शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
 64. 29 मार्च 2024 : “संस्थान के सदस्यों को परम पूज्य प्रो. समदोंग रिन्पोछे का संबोधन” शीर्षक से एक वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
 65. 29 मार्च 2024 : “परम पूज्य प्रो. समदोंग रिन्पोछे के संबोधन के दौरान माननीय कुलपति प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी जी द्वारा स्वागत भाषण” शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
 66. 29 मार्च 2024 : “परम पूज्य प्रो. समदोंग रिन्पोछे के संबोधन के दौरान कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव” शीर्षक का एक वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
 67. 30 मार्च 2024 : “परम पूज्य प्रो. समदोंग रिन्पोछे द्वारा भगवान बुद्ध और उनके पांच शिष्यों की मूर्तियों के लिए अभिषेक और आशीर्वाद समारोह” शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
 68. 31 मार्च 2024 : “परम पूज्य प्रो. समदोंग रिन्पोछे ने छात्रों के लिए ‘मिगारमाता’ नामक भोजनालय के निर्माण के लिए भूमि पूजन” शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
 69. 31 मार्च 2024 : परम पूज्य प्रो. समदोंग रिन्पोछे ने छात्रों को “संस्थान के उद्देश्यों को पूरा करने में छात्रों की जिम्मेदारियां और तरीके” विषय पर शिक्षण दिया और विभिन्न छात्र संगठनों ने रिन्पोछे जी को अपनी प्रकाशित पुस्तकें प्रस्तुत” शीर्षक का वीडियो रिकॉर्ड, संपादित और निर्यात किया।
- उपरोक्त प्रमुख कार्यक्रमों के अतिरिक्त इसी वर्ष संस्थान में विभिन्न विषयों पर प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा दिए गए कई व्याख्यानों एवं वार्ताओं की भी तस्वीरें खींची गईं, वीडियो रिकॉर्ड की गईं, जो संशोधित करके पुस्तकालय के मल्टीमीडिया अनुभाग के संग्रह में जोड़ी गईं। यह अनुभाग संदर्भ और रिकॉर्ड के लिए संस्थान में होने वाली प्रत्येक घटना की स्थिर छवियों का भी दस्तावेजीकरण करता है।

6.2 आडिओ कैसेट्स का डिजिटलीकरण

आलोच्य वर्ष में अनुभाग द्वारा 291 घंटों अवधि के 76 शीर्षकों वाले 194 आडिओ कैसेटों का एमपी-3 फॉर्मेट में रूपान्तरण किया गया।

6.3 दुर्लभ ग्रन्थों एवं प्रलेखों का डिजिटलीकरण

1. आलोच्य वर्ष के दौरान 24 पुस्तकों (7886 पृष्ठों) को स्कैन किया गया।
2. माइक्रोफ़िच में संरक्षित भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा बौद्ध क्षेत्र पर रिपोर्ट के 11139 फ़ोलियो, माइक्रोफ़िच के 14 बक्से स्कैन किए गए।

6.4 ऑडियो- वीडियो संग्रह का ऑनलाइन प्रसार और सोशल मीडिया।

1. 2023-2024 के दौरान अनुभाग द्वारा वीडियोग्राफी तथा संपादित की गई 257 वीडियो फाइलें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म यूट्यूब पर अपलोड की गईं और उपयोगकर्ताओं के लिए संस्थान के यूट्यूब चैनल www.youtube.com/centraluniversityoftibetanstudies पर ऑनलाइन देखने के लिए उपलब्ध हैं।

2. 2023-2024 के दौरान अनुभाग द्वारा संपादित 80 वीडियो फाइलें संस्थान के सोशल मीडिया फेसबुक पेज पर अपलोड की गईं और उपयोगकर्ताओं के लिए ऑनलाइन देखने के लिए उपलब्ध हैं। www.facebook.com/CIHTS.
3. 2023-2024 के दौरान संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के 48 फोटो एल्बम सहित 396 पोस्ट सोशल मीडिया ऑनलाइन प्लेटफॉर्म फेसबुक www.facebook.com/CIHTS पर अपलोड करके प्रचारित किया गया।
4. 2023-2024 के दौरान अनुभाग द्वारा संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के 215 पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम www.instagram.com/cihts_sarnath/ पर अपलोड किए गए।
5. 2023-2024 के दौरान अनुभाग द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर https://twitter.com/CIHTS_SARNATH पर संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के 265 ट्वीट किए गए।

6.5 पाठक सेवाएँ

आलोच्य वर्ष 2023-2024 में अनुभाग द्वारा कार्यालयी एवं शैक्षणिक उद्देश्यों से निम्नलिखित विभिन्न सेवाएँ प्रदान की गईं।

1. विभिन्न विभागों को उनकी आवश्यकता के अनुसार स्थिर फोटो की प्रतियाँ प्रदान की गईं।
2. शैक्षणिक और आधिकारिक उद्देश्यों के लिए कुल 26752 पृष्ठों की फोटोकॉपी/प्रिंट की गई और 5700 पृष्ठों को स्कैन किया गया।
3. आधिकारिक उद्देश्यों के लिए सर्पिल बाइंडिंग के 24 सेट तैयार किए गए।
4. यह अनुभाग न्यूनतम भुगतान पर उपयोगकर्ताओं/पाठकों को भौतिक (हार्ड कॉपी) और डिजिटल (सॉफ्ट कॉपी) दोनों की रिप्रोग्राफिक सेवाएँ भी प्रदान करता है। शांतिरक्षित पुस्तकालय के संग्रह में उपलब्ध स्कैनिंग, प्रिंटिंग, फोटोकॉपी और ऑडियो-विजुअल दस्तावेजों की प्रतिलिपि जैसी रिप्रोग्राफिक सेवाओं से वर्ष के दौरान कुल ₹ 62376.00 की राशि एकत्र की गई।
5. अनुभाग द्वारा वर्तमान जागरूकता सेवाएँ, परामर्श, संदर्भ तथा पाठक सेवाएँ प्रदान किया गया।
6. संग्रह और आईसीटी उपकरणों का रखरखाव।

6.6 अन्य गतिविधियाँ

1. कार्यालय आदेश संख्या CIHTS/Admn-I/Web.committee/2023 के अनुसरण में श्री तेनजिन दोन्यो को संस्थान के “प्रकाशन और मीडिया सेल” का सदस्य नियुक्त किया गया और उन्हें संस्थान की गतिविधियों के पोस्ट को संस्थान के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपलोड करने और साझा करने की जिम्मेदारी दी गई।
2. संस्थान के अधिकारियों के निर्देश पर श्री कलदेन गुरुड ने संस्थान के सभी छात्रों के लिए आईडी कार्ड बनाए और अक्टूबर 2023 में SWA सदस्यों को सौंप दिए गए हैं।
3. श्री कलदेन गुरुड ने अगस्त से सितंबर 2023 के महीने में 51वें SWA के चार सदस्यों के लिए एडोब फोटोशॉप और प्रीमियर प्रो जैसे कंप्यूटर प्रोग्राम सॉफ्टवेयर का उपयोग करके ग्राफिक डिजाइन और एवी संपादन के तीन सप्ताह की कक्षाएँ लीं।
4. आदेश संख्या टीयू/एसए/52/23 के अनुसरण में श्री स्तानजीन तोनयोद को 17 अक्टूबर से 19 अक्टूबर 2023 तक 52वें जीएसडब्ल्यूसी के वार्षिक ऑडिट के लिए ऑडिट टीम के सदस्य के रूप में प्रतिनियुक्त किया गया है।

5. आदेश संख्या टीयू/एसए/71/2023 के अनुसरण में श्री स्तानजीन तोनयोद को 17 दिसंबर 2023 से 5 जनवरी 2024 तक बोधगया में परम पावन दलाई लामा के शिक्षण कार्यक्रम के दौरान संस्थान के छात्रों के लिए बोर्डिंग और लॉजिंग की व्यवस्था समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया।
6. आदेश संख्या टीयू/एसए/58/2024 के अनुसरण में श्री काल्डेन गुरुंग और श्री स्तानजीन तोनयोद को 27 फरवरी 2024 से 6 मार्च 2024 तक वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए 42वें मेस प्रबंधन समिति ऑडिट के ऑडिटर सदस्य प्रतिनियुक्त किया गया है।
7. कार्यालय आदेश संख्या CIHTS/ADMN-1/DR/Acad/HHDL visit/2023 के अनुसरण में श्री तेनजिन दोन्यो और श्रीमती तेनजिन कलदेन को 23 दिसंबर से 3 जनवरी 2024 तक बोधगया में परम पावन दलाई लामा के शिक्षण और दीर्घायु प्रार्थना के दौरान संस्थान के आउटरीच कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रदर्शित किए जाने वाले मल्टीमीडिया प्रोजेक्शन और प्रदर्शनी का प्रभार संभालने के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।
8. कार्यालय आदेश संख्या CIHTS/Admn-I/बोधगया/conf./2023 के अनुसरण में श्री तेनजिन दोन्यो, श्री पालदेन छेरिंग और श्री स्तानजीन तोनयोद को 23 दिसंबर से 3 जनवरी 2024 तक बोधगया में परम पावन दलाई लामा के शिक्षण और दीर्घायु प्रार्थना के दौरान वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी के निष्पादन के लिए प्रतिनियुक्त किया गया था।
9. श्री तेनजिन दोन्यो ने संस्थान की वेबसाइट के लिए फोटोग्राफी और तस्वीरों को संपादित करने में वेबसाइट विकास समिति की सहायता की।
10. श्री तेनजिन दोन्यो और श्री कलदेन गुरुड ने संस्थान के अनेक कार्यक्रम के लिए कई डिजिटल बैनर और पोस्टर डिजाइनिंग और तैयार किए।
11. परिग्रहण रजिस्टर ("मल्टीमीडिया अनुभाग में माइक्रोफिच और माइक्रोफिल्म बॉक्स की सूची) की पुस्तकों की संख्या 3 से 4 के अंतिम संस्करण का तिब्बती वाइली के साथ इनपुट और संपादन किया।
12. श्रीमती तेनजिन कलदेन ने सितंबर 2024 तक लाइब्रेरी के सर्कुलेशन डेस्क पर समय समय पर कार्य किया।

7. कंप्यूटर अनुभाग

अनुभाग में कार्यरत कर्मचारियों की सूची

1. श्री निरंकार पाण्डेय, सिस्टम मैनेजर
2. श्री ओजस शांडिल्य, सिस्टम मैनेजर
3. श्री नन्द लाल, एम.टी.एस.

अनुभाग द्वारा दिनांक 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 के दौरान किए गए प्रमुख कार्य नीचे दिए गए हैं: -

- शैक्षणिक सत्र 2022-2023 और 2023-2024 के लिए CCA/DCA पाठ्यक्रम - प्रति सप्ताह 24 सैद्धांतिक और व्यावहारिक कक्षाएं और CCA/DCA पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य कार्य संपादित किए गए।
- कंप्यूटर अनुभाग के कर्मचारी शैक्षणिक वर्ष 2023-2024 के लिए सोवा-रिग्पा व्यावसायिक प्रथम वर्ष के लिए 15 दिवसीय प्रेरण कार्यक्रम में एक संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिए।
- इंटरनेट एवं उससे संबंधित सेवाओं के लिए कैंपस वाइड नेटवर्क का प्रबंधन किया गया।
- अनुभाग संस्थान के डोमेन पर आधारित गूगल वर्क स्पेस की सेवाओं को संभाल रहा है और संस्थान की ईमेल नीति के अनुसार कर्मचारियों और छात्रों को ईमेल आईडी प्रदान करता है।

- संस्थान के छात्रों और सदस्यों को कंप्यूटिंग सुविधा प्रदान की।
- लाइब्रेरी मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (SLIM) से संबंधित वर्ड इंडेक्सिंग, लाइब्रेरी डेटाबेस बैकअप, क्लाइट इंस्टॉलेशन आदि का कार्य किया।
- LIMBS पोर्टल पर डेटा प्रबंधन को संभाला और UGC UAM पोर्टल पर सहायता भी प्रदान की।
- संस्थान की वेबसाइट (<http://cihts.ac.in>) पर डेटा का रखरखाव/प्रबंधन किया।
- संस्थान की नई वेबसाइट का विकास।
- संस्थान के परिसर में स्थापित CCTV का रखरखाव/प्रबंधन किया गया।
- हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर के रखरखाव से संबंधित कार्यों संपादित किए गए।
- अनुभाग वेबिनार/ऑनलाइन मीटिंग आयोजित करने में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है और इसे प्रभावी ढंग से संभाल रहा है।

7.1 संस्थान की वेबसाइट का विकास और प्रबंधन: -

हिंदी, अंग्रेजी और तिब्बती भाषा में, वाह्य एजेंसी द्वारा विकसित संस्थान की एक वेबसाइट <http://cihts.ac.in> के डोमेन नेम नवीनीकरण, वेब स्पेस, तथा वेबसाइट एएमसी का प्रबन्धन अनुभाग द्वारा किया गया।

7.2 इंटरनेट सेवाएं:-

इंटरनेट कनेक्टिविटी – बीएसएनएल ने एनएमआईआईसीटी (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा का राष्ट्रीय मिशन) के तहत निकटतम एन.के.एन (राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क) नोड के साथ संस्थान को फाइबर कनेक्टिविटी प्रदान की, जो मुख्य रूप से एम.एच.आर.डी, नई दिल्ली के माध्यम से समर्थित है तथा वेब एक्सेस के लिए जारी है। इंटरनेट सेवाओं का उपयोग हमारे संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों द्वारा पुस्तकालय और संस्थान के अन्य नेटवर्क विभागों में किया जाता है। अनुभाग ने उपर्युक्त वर्ष के दौरान इंटरनेट कनेक्टिविटी एवं उसके प्रबंधन की सुविधा प्रदान किया।

7.3 लाइब्रेरी डेटाबेस और सॉफ्टवेयर (SLIM THUMI): -

वर्ष के दौरान कंप्यूटर अनुभाग ने क्लाइट सॉफ्टवेयर की स्थापना, वर्ड इंडेक्सिंग और डेटाबेस बैकअप, और SLIM THUMI लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर के संचालन में होने वाली समस्याओं को ठीक करने / हटाने से संबंधित अन्य आवश्यक सहायता में सहायता की।

7.4 गूगल वर्कस्पेस: -

वर्ष 2022-23 में संस्थान द्वारा गूगल वर्कस्पेस सेवाओं की सदस्यता ली गई। गूगल वर्कस्पेस के क्रियान्वयन से ही अनुभाग इससे संबंधित अपनी सेवाएं प्रदान कर रहा है, जैसे गूगल वर्कस्पेस, गूगल क्लासरूम, गूगल मीट (ऑनलाइन मीटिंग, कॉन्फ्रेंस आदि के लिए)। अनुभाग संस्थान की ईमेल नीति के अनुसार संस्थान के कर्मचारियों और छात्रों को ईमेल सेवाएं भी प्रदान करता है।

7.5 हार्डवेयर / सॉफ्टवेयर रखरखाव: -

वर्ष के दौरान कंप्यूटर अनुभाग ने पुस्तकालय के साथ-साथ संस्थान के अन्य विभागों / अनुभागों को कंप्यूटर और संबंधित हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर के रखरखाव और स्थापना में सहायता की। इसके अलावा, पुस्तकालय का स्लिम थुमी सॉफ्टवेयर उक्त वर्ष के दौरान वार्षिक रखरखाव अनुबंध में था। इसके अलावा, कंप्यूटर अनुभाग ने वर्ष के दौरान कंप्यूटर और संबंधित वस्तुओं की खरीद की गतिविधियों का समर्थन किया।

7.6 कंप्यूटर कोर्स: -

कंप्यूटर अनुभाग शैक्षणिक सत्र 2006-2007 से छात्रों के लिए "कंप्यूटर एप्लीकेशन का डिप्लोमा / कंप्यूटर एप्लीकेशन का सर्टिफिकेट" पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। 01 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 की अवधि के दौरान, सीसीए/डीसीए पाठ्यक्रम में शामिल होने वाले छात्रों के लिए प्रति सप्ताह 24 सैद्धांतिक और व्यावहारिक कक्षाएं आयोजित की गईं। कंप्यूटर अनुभाग के कर्मी आईसीटी (बी.एड./बी.ए.बी.एड.) के लिए भी कक्षाएं लेते हैं। पाठ्यक्रम से संबंधित परीक्षा की गतिविधियों में भी कंप्यूटर कर्मी शामिल थे, जिन्हें अनुभाग द्वारा निष्पादित किया गया है।

7.7 सरकारी पोर्टल:

अनुभाग द्वारा निम्नलिखित सरकारी पोर्टलों (संस्थान के संदर्भ में) पर डेटा प्रबंधन संभाला जा रहा है और तदनुसार सहायता भी प्रदान की जाती है:

- I. LIMBS (कानूनी सूचना प्रबंधन और ब्रीफिंग सिस्टम): संस्थान के अदालती मामलों से संबंधित।
- II. GLIS (सरकारी भूमि सूचना प्रणाली): संस्थान के स्वामित्व वाली भूमि का विवरण उपग्रह मानचित्र के साथ पोर्टल पर अपडेट किया गया है।
- III. S.A.P. (स्वच्छता कार्य योजना):

ग्रंथालय कर्मियों के अन्य दायित्व

1. प्रलेखन अधिकारी, श्री राजेश कुमार मिश्र:-

- i. ग्रंथालय प्रभारी के अधीन ग्रंथालय के सभी अनुभागों के कार्यों का पर्यवेक्षण एवं रिपोर्टिंग करना।
- ii. ग्रंथ चयन समिति के सदस्य सचिव और इनफ्लिबनेट सेवाओं के लिए नोडल अधिकारी के रूप में कार्य करना।
- iii. शिक्षा मंत्रालय भारत के प्रोजेक्ट के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा विश्वविद्यालयों के कम्प्यूटरीकरण हेतु विकसित **समर्थ** नामक ई-गवर्नमेंट सूट (निःशुल्क) का परीक्षण प्रदर्शन की व्यवस्था कर संस्थान में प्रयोग हेतु स्थापित किया।
- iv. **समर्थ** नामक ई-गवर्नमेंट सूट के नोडल अधिकारी का कार्य सम्पादित किया।
- v. गूगल वर्कस्पेस फॉर एजुकेशन फंडामेंटल (निः शुल्क संस्करण) संस्थान हेतु प्राप्त कर स्थापित कर प्रबंधित किया। संस्थान के सभी सदस्यों के डोमेन नाम-आधारित ई-मेल आईडी की योजना का सफल क्रियान्वयन किया।
- vi. दिनांक 9.9.2022 से प्रभारी अधिकारी (नियुक्ति) के रूप में कार्य कर रहे हैं। समर्थ भर्ती पोर्टल को स्थापित कर पोर्टल के माध्यम से 37 शैक्षणिक पदों का विज्ञापन किया गया और चयन प्रक्रिया प्रारम्भ की।
- vii. ऑनलाइन आर.टी.आई वेब पोर्टल, सुओ-मोटो प्रकटीकरण आर.टी.आई., आदि के नोडल अधिकारी रूप में कार्य सम्पादित किया।
- viii. नैक समिति, राजभाषा कार्यान्वयन समिति, वेबसाइट विकास समिति, एमएसीपी समितियों के अध्यक्ष/सदस्य सहित संस्थान की कुछ अन्य तदर्थ समितियों में अध्यक्ष / सदस्य के रूप में कार्य सम्पादित किया।
- ix. दिनांक 12 मई 2023 को जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय बलिया द्वारा आयोजित वेबसाइट व ई.आर.पी समिति की बैठक में आमंत्रित सदस्य के रूप में भाग लिया।
- x. दिनांक 16-17 मई 2023 को नव नालंदा महाविहार नालन्दा द्वारा आयोजित नैक तैयारी समिति की बैठक में आमंत्रित सदस्य के रूप में भाग लिया।

वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

- xi. दिनांक 5-6 अगस्त 2023 को नई दिल्ली में संस्कृति मंत्रालय द्वारा आयोजित लाइब्रेरी फेस्ट 2023 में भाग लिया।
- xii. संस्थान के विभिन्न इन्डक्सन प्रोग्रामों तथा एक्सचेंज प्रोग्राम के प्रतिभागियों को आमंत्रित व्याख्यान दिया।
 - 2. श्री लोबसांग वांगडू, प्रोफेसनल असिस्टेंट, 'स्टाफ क्वार्टर रखरखाव समिति' और 'वार्षिक रिपोर्ट समिति' के सदस्य के रूप में कार्यरत हैं।
 - 3. श्री रविकान्त पाल, प्रोफेसनल असिस्टेंट, संस्थान के खरीद और प्रोक्योरमेंट सेल के सदस्य सचिव के रूप में काम किया, और NAD पोर्टल को संभाला और छात्रों की ABCID ईडी का भी कार्य सम्पादित किया।

5. प्रशासन

संस्थान प्रशासन के मुख्यतः पाँच प्रमुख अंग हैं— सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, शैक्षणिक प्रशासन, वित्तीय प्रशासन एवं प्रकाशन विभाग। संस्थान की प्रमुख प्रशासनिक गतिविधियों को निम्नलिखित संगठन चार्ट के अनुसार संचालित किया जाता है—

कुलपति कुलसचिव					
प्रशासन-1	प्रशासन-2	परीक्षा अनुभाग	अनुरक्षण अनुभाग	वित्त अनुभाग	प्रकाशन विभाग
• शैक्षणिक संवर्ग के कर्मचारियों की पत्रावलियों का रख-रखाव • संगोष्ठी, सम्मेलन तथा कार्यशाला • क्रय एवं अवाप्ति इकाई का पर्यवेक्षण • विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से पत्राचार • शैक्षिक एवं शोध प्रस्तावों/योजनाओं का प्रबंधन संचालन • अन्य शैक्षणिक संस्थाओं/निकायों से पत्राचार • शैक्षणिक एवं शोध सम्बन्धी मामलों में सचिवालयीय सहायता • अन्य प्रशासनिक मामले	• सभी शिक्षणोत्तर कर्मचारियों की पत्रावलियों का रख-रखाव • कार्मिक नीति • अस्थाई श्रमिकों की व्यवस्था • सभी संवर्ग की अस्थाई एवं तदर्थ नियुक्तियाँ • सेवा शर्तें • वैधानिक मामले • संस्कृति मंत्रालय से पत्राचार • कर्मचारी कल्याण • सुरक्षा • परिवहन • मानक प्रपत्र एवं उनका मुद्रण • अन्य प्रशासनिक मामले	• परीक्षा संचालन हेतु प्रेलखन • परीक्षकों एवं संशोधकों की नियुक्ति • सारणीकरण • प्रश्नपत्र • परिणाम • प्रमाण-पत्र एवं अंकपत्र जारी करना • परीक्षा से सम्बन्धित अन्य मामले	• परिसर का रख-रखाव एवं सफाई • विद्युत एवं जल व्यवस्था • अतिथि-गृह • विद्युत एवं सिविल रख-रखाव • बागवानी • केन्द्रीय भण्डारण एवं वस्तु-सूची • वार्षिक रख-रखाव संविदाएं • रख-रखाव सम्बन्धी अन्य मामले	• बजट • लेखा परीक्षा • वेतन एवं मजदूरी का भुगतान • बिलों का भुगतान एवं अन्य वित्तीय मामले	• भोट-बौद्ध दर्शन के शोधपरक पुनरुद्धार, अनुवाद, मौलिक, व्याख्यायित एवं सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन • प्रूफ-रीडिंग का कार्य • प्रकाशित ग्रन्थों का विक्रय

गैर-शैक्षणिक नियमित कर्मचारियों की सूची-

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	श्रेणी
1.	प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी	कुलपति	ए
2.	डॉ. सुनीता चन्द्रा	कुलसचिव	ए
3.	डॉ. हिमांशु पाण्डेय	उपकुलसचिव	ए
4.	श्री प्रमोद सिंह	सहायक कुलसचिव, प्रशा.-II	ए
5.	श्री सुनील कुमार	सहायक कुलसचिव	ए
6.	श्री राजेश कुमार मिश्र	प्रलेखन अधिकारी	ए
7.	श्री लोब्बसंग वांगडू	व्यावसायिक सहायक	बी
8.	श्रीमती तेनजिन रिग्संग	व्यावसायिक सहायक	बी
9.	श्री मनोज कुमार कुशवाहा	सहायक अभियंता (सिविल)	बी
10.	श्री के.एन. शुक्ल	अनुभाग अधिकारी, वित्त	बी
11.	श्री जे.पी. विश्वकर्मा	अनुभाग अधिकारी, प्रशासन-I	बी
12.	श्री कपिल दीक्षित	कनिष्ठ अभियंता (इलेक्ट्रिकल)	बी
13.	श्री कुन्सांग नमग्याल	वरिष्ठ सहायक	बी
14.	श्री एम.एल. सिंह	वरिष्ठ सहायक	बी
15.	श्री के.एन. सिंह	व्यावसायिक सहायक	बी
16.	श्री रविकान्त पाल	व्यावसायिक सहायक	बी
17.	श्री आनन्द कुमार सिंह	वरिष्ठ सहायक	बी
18.	श्री राजीव रंजन सिंह	वरिष्ठ सहायक	बी
19.	श्री दीपंकर त्रिपाठी	स्टेनोटाइपिस्ट	सी
20.	श्री प्रदीप कुमार	वरिष्ठ लिपिक	सी
21.	श्री दोर्जे बुम	कनिष्ठ लिपिक	सी
22.	श्री राजा राम	प्लम्बर	सी
23.	श्रीमती मीना	ग्रंथालय परिचारिका	सी
24.	मु. मुमताज	ग्रंथालय परिचारक	सी
25.	श्री विजय कुमार पटेल	ग्रंथालय परिचारक	सी
26.	श्री फुलचन्द बाल्मीकी	कुक	सी
27.	श्री मिश्री लाल	कुक	सी
28.	श्री लक्ष्मण प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
29.	श्री लालमन (परिचारक)	एम.टी.एस.	सी
30.	श्री गोपाल प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
31.	श्री रमेश कुमार मौर्य	एम.टी.एस.	सी
32.	श्री रामकिशुन	एम.टी.एस.	सी
33.	श्री उमाशंकर मौर्य	एम.टी.एस.	सी

34.	श्री निर्मल कुमार	एम.टी.एस.	सी
35.	श्री विजय कुमार (माली)	एम.टी.एस.	सी
36.	श्री महेन्द्र प्रसाद यादव	एम.टी.एस.	सी
37.	श्री संजय मौर्य	एम.टी.एस.	सी
38.	श्री मुन्नालाल पटेल	एम.टी.एस.	सी
39.	श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा	एम.टी.एस.	सी
40.	श्री भैयालाल	एम.टी.एस.	सी
41.	श्री सुमित बाल्मिकी	एम.टी.एस.	सी
42.	श्री श्याम नारायण	एम.टी.एस.	सी
43.	श्री हौसिला प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
44.	श्री सुभाष चन्द्र गौतम	एम.टी.एस.	सी
45.	श्री प्रकाश	एम.टी.एस.	सी
46.	श्री विरेन्द्र कुमार गौड़	एम.टी.एस.	सी
47.	श्री राजेन्द्र प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
48.	श्री शिव वचन शर्मा	एम.टी.एस.	सी
49.	श्री नन्दलाल	एम.टी.एस.	सी
50.	श्री गणेश प्रसाद	एम.टी.एस.	सी
51.	श्री ओम प्रकाश	एम.टी.एस.	सी
52.	श्रीमती नीलम देवी	एम.टी.एस.	सी
53.	श्री लालमन	एम.टी.एस.	सी
54.	श्री अशरफ (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
55.	श्री हबीब (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
56.	श्री प्रदीप कुमार (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
57.	श्री इसराइल (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
58.	श्री लालाराम (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
59.	श्री रामकिशन (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
60.	श्री नन्दलाल (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी
61.	श्री यासीन (सफाई वाला)	एम.टी.एस.	सी

गैर-शैक्षणिक संविदा/निश्चित मानदेय कर्मचारियों की सूची-

क्र.सं.	कर्मचारी का नाम	पदनाम	संविदा/निश्चित मानदेय	विभाग/अनुभाग
1.	डॉ. विनोद कुमार	चिकित्सक (पार्ट टाइम)	पक् संविदा	छात्र स्वास्थ्य केन्द्र, पद्मसंभव छात्रावास
2.	श्री सर्वजित सिंह	कनिष्ठ लिपिक	--तदैव--	कुलसचिव कार्यालय
3.	श्री नन्द लाल यादव	एम.टी.एस.	--तदैव--	ग्रंथालय

4.	श्री नरेन्द्र भारद्वाज	कार्यालय सहायक/ सह साफ्ट वेयर रख-रखाव	--तदैव--	वित्त अनुभाग
5.	सुश्री छेरिंग	लिपिकीय कार्य	--तदैव--	वित्त अनुभाग
6.	श्री जिमेत ओल्डेन	कार्यालय सहायक	--तदैव--	वित्त अनुभाग
7.	श्री कुँअर रवि शंकर	कार्यालय सहायक	--तदैव--	परीक्षा अनुभाग
8.	श्री अभिमन्यु भंडारी	कार्यालय सहायक	--तदैव--	परीक्षा अनुभाग
9.	श्री पेन्पा छेरिंग	कार्यालय सहायक	--तदैव--	परीक्षा अनुभाग
10.	श्री गोपेश चन्द्र राय	कनिष्ठ लिपिक	--तदैव--	अनुरक्षण अनुभाग
11.	श्री टाशी सिथर	एम.एम.सी. के कार्य में सहायता प्रदान करने हेतु	--तदैव--	अनुरक्षण अनुभाग
12.	श्री महेश	एम.टी.एस.	--तदैव--	अनुरक्षण अनुभाग
13.	श्री चन्दर पाल	कार्यालय परिचारक (नई दिल्ली)	--तदैव--	नई दिल्ली DOC/MOC से संबंधित संस्थान के कार्य हेतु
14.	श्री चन्द्रिका	एम.टी.एस.	--तदैव--	अनुरक्षण अनुभाग
15.	श्री पारस	एम.टी.एस.	--तदैव--	स्वच्छता एवं संबंधित सेवा इकाई
16.	श्री दिनेश यादव	एम.टी.एस.	--तदैव--	अनुरक्षण अनुभाग
17.	श्री विनोद कुमार सिंह	एम.टी.एस.	--तदैव--	अनुरक्षण अनुभाग
18.	श्री विरेन्द्र कुमार मौर्य	वाहन चालक	--तदैव--	अनुरक्षण अनुभाग
19.	श्री मनीष पाल	वाहन चालक	--तदैव--	अनुरक्षण अनुभाग
20.	श्री राम नरेश गुप्ता	एम.टी.एस. (सफाई कर्मचारी)	--तदैव--	स्वच्छता एवं संबंधित सेवा इकाई
21.	श्री तेनजिन दोन्यो	अर्ध-व्यावसायिक सहायक	--तदैव--	ग्रंथालय
22.	श्री निरंकार पाण्डेय	सिस्टम मैनेजर	--तदैव--	ग्रंथालय
23.	ओजस शांडिल्य	सिस्टम मैनेजर		
24.	श्री पालदेन छेरिंग	मल्टीमीडिया प्रोजेक्ट कार्य	--तदैव--	ग्रंथालय
25.	श्री सुधृति विश्वास	कार्यालय सहायक	--तदैव--	स्वच्छता एवं संबंधित सेवा इकाई
26.	श्री चोंगा छेरिंग	कैजुअल वर्कर	--तदैव--	ग्रंथालय
27.	श्री कालदेन गुरुङ	कैजुअल वर्कर (मल्टीमीडिया)	--तदैव--	ग्रंथालय
28.	श्री स्तानजीन तोनयोद	कैजुअल वर्कर (मल्टीमीडिया)	--तदैव--	ग्रंथालय
29.	श्री नवांग लोछो लामा	कैजुअल वर्कर (मल्टीमीडिया)	--तदैव--	ग्रंथालय
30.	सुश्री टाशी ल्हामो	कैजुअल वर्कर (मल्टीमीडिया)	--तदैव--	ग्रंथालय

31.	श्रीमती डिकी डोलमा	अर्ध व्यावसायिक सहायक	--तदैव--	ग्रंथालय
32.	श्री तेनजिन छुंडक	अर्ध व्यावसायिक सहायक	--तदैव--	ग्रंथालय
33.	श्रीमती तेनजिन कलदेन	कैजुअल वर्कर (मल्टीमीडिया)	--तदैव--	ग्रंथालय
34.	श्रीमती शिवानी तिवारी	कार्यालय सहायक	--तदैव--	ग्रंथालय
35.	श्री अशोक कुमार	बढ़ई	--तदैव--	ग्रंथालय
36.	श्री अनिल कुमार यादव	एम.टी.एस.	--तदैव--	ग्रंथालय
37.	मो. असलम	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	--तदैव--	स्वच्छता एवं संबंधित सेवा इकाई
38.	श्री असगर अली	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	--तदैव--	--तदैव--
39.	श्री लटूरी	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	--तदैव--	--तदैव--
40.	श्री रमेश चन्द्र	लिपिक कार्य	--तदैव--	कोश विभाग
41.	श्री छोटे लाल यादव	एम.टी.एस. (वाहन चालक)	--तदैव--	अनुरक्षण अनुभाग
42.	श्री शहीद अहमद	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	--तदैव--	स्वच्छता एवं संबंधित सेवा इकाई
43.	श्री मोहित कुमार	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	--तदैव--	--तदैव--
44.	श्री अमित कुमार शर्मा	एम.टी.एस.	--तदैव--	दु.बौ.ग्रं.शो.वि.
45.	श्री दया शंकर	एम.टी.एस.	--तदैव--	प्रकाशन अनुभाग
46.	श्री कश्मीर	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	--तदैव--	स्वच्छता एवं संबंधित सेवा इकाई
47.	श्री मोहन यादव	एम.टी.एस. (चौकीदार)	--तदैव--	मायादेवी छात्रावास
48.	श्री इनायत अली	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	--तदैव--	स्वच्छता एवं संबंधित सेवा इकाई
49.	श्री श्रवण कुमार	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	--तदैव--	--तदैव--
50.	श्री महमूद	एम.टी.एस. (सफाई कर्मी)	--तदैव--	--तदैव--
51.	श्री काशी नाथ प्रजापति	एम.टी.एस.	--तदैव--	सोवा रिग्पा विभाग
52.	श्री लव कुमार सिंह	एम.टी.एस.	--तदैव--	--तदैव--
53.	श्री शिव शंकर यादव	एम.टी.एस.	--तदैव--	--तदैव--
54.	श्री बृज मोहन भारद्वाज	एम.टी.एस.	--तदैव--	--तदैव--
55.	श्री सुबास	एम.टी.एस.	--तदैव--	--तदैव--
56.	श्री वी.के. पाटिल	पैथालाजिकल	--तदैव--	--तदैव--
57.	श्रीमती केलसांग वांग्मो	टेक्निकल असिस्टेंट/पी.ए.	--तदैव--	--तदैव--
58.	डॉ. नवांग कुन्छेन	फार्मा कोपिया असिस्टेंट	--तदैव--	--तदैव--
59.	श्री कर्मा थरचिन गुरुंड	फार्मसी सहायक	--तदैव--	--तदैव--
60.	श्री गंधेन टाशी	प्रोजेक्ट एसोसियेट (तवांग प्रोजेक्ट)	--तदैव--	--तदैव--
61.	श्री सेंगे वांगचुक	एम.टी.एस. (तवांग प्रोजेक्ट)	--तदैव--	--तदैव--

62.	श्री सोनम फुन्छोक	चौकीदार (तवांग प्रोजेक्ट)	--तदैव--	--तदैव--
63.	श्री तेन्जिन छुंदे	एम.टी.एस. (तवांग प्रोजेक्ट)	--तदैव--	--तदैव--
64.	डॉ. छेवांग संग्मो	आर. एण्ड डी. असिस्टेंट	--तदैव--	--तदैव--
65.	डॉ. सांग्ये खाण्डो	मेडिकल आफिसर (थेरेपी विंग)	--तदैव--	--तदैव--
66.	डॉ. निमा समदुप गुरूंग	मेडिकल आफिसर (थेरेपी विंग)	--तदैव--	--तदैव--
67.	डॉ. वांग्याल दोर्जे ठाकुरी	मेडिकल ऑफिसर (OPD/IPD)	--तदैव--	--तदैव--
68.	श्री मस्त राम	कैशियर	-तदैव-	--तदैव--
69.	श्री यंगचेन संगमो	डिस्पेंसर	--तदैव--	--तदैव--

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम द्वारा पंजीकृत एक मान्य विश्वविद्यालय है, जो संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से प्राप्त सहायता अनुदान से संचालित है। सोसायटी, प्रबन्ध परिषद्, विद्वत् परिषद्, वित्त समिति, ये चार संस्थान के महत्वपूर्ण अंग हैं। संस्थान के प्रधान कार्यपालक अधिकारी कुलपति हैं, जो कुलसचिव के सहयोग से कार्य सम्पादित करते हैं।

संस्थान के महत्वपूर्ण निकाय

सोसायटी- सोसायटी, संस्थान का सर्वोपरि निकाय है। इसके पदेन अध्यक्ष, सचिव, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार होते हैं। इसके सदस्यों की संख्या परिशिष्ट-2 में दी गई है।

प्रबन्ध परिषद्- संस्थान के कुलपति, प्रबन्ध परिषद् के पदेन अध्यक्ष होते हैं। परिषद् के सदस्य, संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, परम पावन दलाई लामा जी एवं संस्थान के कुलपति द्वारा मनोनीत होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-3 में दी गयी है।

विद्वत् परिषद्- संस्थान की विद्वत् परिषद् एक महत्वपूर्ण निकाय है, जो शैक्षणिक मामलों में दिशा-निर्देश करती है। संस्थान के कुलपति, इसके भी पदेन अध्यक्ष होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-4 में दी गई है।

वित्त समिति- यह समिति संस्थान के वित्तीय मामलों एवं अनुमानित बजट की संवीक्षा करने के साथ-साथ संस्थान के लिए अनुदान की भी संस्तुति करती है। संस्थान के कुलपति, इसके अध्यक्ष होते हैं। अन्य सदस्य, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा नामित होते हैं। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-5 में प्रस्तुत की गयी है।

योजना एवं प्रबोधक परिषद्- यह परिषद् संस्थान की योजनाओं की रूपरेखा तथा उसकी निगरानी (मॉनिटरिंग) करती है। सदस्यों की सूची परिशिष्ट-6 में दी गई है।

संस्थान को प्राप्त अनुदान

संस्थान का प्रशासन अनुभाग मुख्यतः सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, शैक्षणिक प्रशासन एवं वित्तीय प्रशासन तथा सहायक सेवाओं का संचालन, रख-रखाव एवं नियंत्रण करता है। संस्थान को वर्ष 2023-2024 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा निम्नलिखित अनुदान प्राप्त हुए—

क्र.सं.	विवरण	प्राप्त अनुदान	व्यय	शेष
1.	सामान्य मद - (31) + अर्जित ब्याज	₹ 5,80,15,674.00	₹ 4,75,91,827.90	₹ 1,04,23,846.10

2.	पूँजी-सम्पत्ति क्रय मद - (35)	₹ 6,20,68,664.00	₹ 12,04,61,906.00	₹ 4,16,06,758.00
3.	पूँजी-सम्पत्ति क्रय मद - (35) (सोवा-रिग्पा योजना)	शून्य	शून्य	शून्य
4.	वेतन मद (36)	₹ 30,34,27,079.00	₹ 26,82,26,801.00	₹ 3,52,00,278.00
5.	स्वच्छता वार्षिक कार्य- योजना (96-31)	₹ 2,00,000.00	₹ 1,98,720.00	₹ 1,280.00

प्रकाशन अनुभाग

प्रकाशन अनुभाग संस्थान के उद्देश्यों के अनुसार भोट-बौद्ध दर्शन के शोधपरक ग्रन्थों का प्रकाशन एवं विक्रय करता है। अनुभाग बौद्ध धर्म एवं दर्शन से सम्बद्ध शोध-विषयक, पुनरुद्धार, अनुवाद, मौलिक, व्याख्यायित एवं सम्पादित ग्रन्थों का प्रकाशन करता है।

संस्थान द्वारा स्थापित व संचालित विभिन्न शोध विभागों द्वारा पुनरुद्भूत, अनुवादित, सम्पादित एवं संशोधित आदि शोधपरक सामग्रियाँ एवं शोध योजनाएं ही प्रकाशन-सामग्री के मुख्य स्रोत हैं। बाहरी विद्वानों द्वारा भोट-बौद्ध दर्शन पर विरचित एवं सम्पादित स्तरीय शोध ग्रन्थों को भी प्रकाशित किया जाता है। तदनुसार प्रकाशित ग्रन्थों पर बाहरी विद्वानों को निर्धारित दर पर मानदेय भी प्रदान किया जाता है। अब तक प्रकाशित ग्रन्थों में मुख्य रूप से भोट-बौद्ध दर्शन के उच्चस्तरीय, बहुभाषी, शोधपरक महत्वपूर्ण ग्रन्थ रहे हैं।

सम्प्रति निम्नलिखित नौ ग्रन्थमालाओं के अन्तर्गत संस्थान के ग्रन्थ प्रकाशित हो रहे हैं। इनके अतिरिक्त सन् 1986 से प्रारम्भ दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध पत्रिका 'धीः' के अब तक 63 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। शोध-पत्रिका धीः विगत 33-34 वर्षों से लगातार प्रकाशित होती रही है। कोश के अन्तर्गत भोट संस्कृत कोश के अब तक सम्पूर्ण 16 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अलावा कोश सीरीज के अन्तर्गत अन्य दो कोश ग्रन्थों का भी प्रकाशन किया गया है। वर्ष 2012 में 'नेयार्थ-नीतार्थ सीरीज' नामक एक नई श्रृंखला शुरू की गयी, जिसके अन्तर्गत अब तक 8 ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके हैं।

अनुभाग के सदस्य:

1. प्रो. पेमा तेनजिन	प्रकाशन प्रभारी
2. श्री पेमा छोदेन	सहायक सम्पादक
3. श्रीमती छिमे छोमो	प्रकाशन सहायक (वरिष्ठ)
4. श्री शिव प्रकाश सिंह	प्रकाशन सहायक
5. डॉ. ललित कुमार नेगी	प्रकाशन सहायक
6. रिक्त (2 पद)	(1 संपादक और 1 प्रकाशन सहायक)

ग्रन्थमालाएँ-

ग्रन्थमालाओं के शीर्षक निम्नलिखित हैं-

- (1) **भोट-भारतीय ग्रन्थमाला-** नागार्जुन, असंग आदि नालन्दा एवं विक्रमशील परम्परा के प्राचीन भारतीय विद्वानों के पुनरुद्भूत, अनूदित, सम्पादित ग्रंथों का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के तहत किया जाता है।
- (2) **दलाई लामा भोट-भारती ग्रन्थमाला-** चार तिब्बती बौद्ध परम्पराओं के प्राचीन विख्यात विद्वानों के ग्रंथों का प्रकाशन इस ग्रंथमाला के तहत होता है।

- (3) **सम्यक्-वाक् ग्रन्थमाला-** संगोष्ठियों में प्रस्तुत शोधपत्रों के संकलन का प्रकाशन इस ग्रन्थमाला के माध्यम से होता है।
- (4) **सम्यक्-वाक् विशेष ग्रन्थमाला-** स्व. प्रो. ए. के. सरण के महत्त्वपूर्ण कार्यों का संकलन एवं प्रकाशन इस ग्रन्थमाला के माध्यम से सम्पन्न हुआ।
- (5) **व्याख्यान ग्रन्थमाला-** विभिन्न प्रख्यात आमंत्रित विद्वानों के वक्तव्य, व्याख्यान और विचारों का संकलन इस ग्रन्थमाला में प्रकाशित होता है।
- (6) **दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थमाला-** दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध विभाग इस संस्थान का अंग है, जिसके अन्तर्गत दुर्लभ बौद्ध तन्त्र ग्रन्थों का प्रकाशन होता है।
- (7) **अवलोकितेश्वर ग्रन्थमाला-** परम पावन दलाई लामा जी के प्रवचनों का तिब्बती और अंग्रेजी भाषाओं से हिन्दी भाषा के अनूदित ग्रन्थों का प्रकाशन इस ग्रन्थमाला में प्रकाशित किया जाता है।
- (8) **विविध-ग्रन्थमाला-** इस ग्रन्थमाला के तहत विशेषज्ञों तथा संस्थान की प्रकाशन समिति द्वारा अनुमोदित ग्रन्थों का प्रकाशन किया जाता है।
- (9) **‘धीः’ दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध-पत्रिका-** ‘धीः’ यह दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध विभाग द्वारा निकाली जाने वाली एक शोध-पत्रिका है, जिसमें तन्त्र से सम्बन्धित विषयों पर लेख, लघुग्रन्थ आदि का समावेश किया जाता है। इसकी शुरुआत सन् 1986 में हुई और अब तक इसके 62 अंकों का प्रकाशन हो चुका है।
- (10) **कोश ग्रन्थमाला-** प्रथम चरण में भोट-संस्कृत कोश के 16 अंकों का प्रकाशन सम्पन्न हो चुका है और द्वितीय चरण में धर्मसंग्रह-कोश तथा तृतीय चरण में भोटसंस्कृत-ग्रन्थ सन्दर्भनिदर्शिका का प्रकाशन इस ग्रन्थमाला के तहत किया गया है।
- (11) **भोट-मंगोलिया ग्रन्थमाला-** एनड्रीव बाज़ारब द्वारा संकलित की गई कई तिब्बती पाण्डुलिपियों और काष्ठ चित्रों की एक सूची इस ग्रन्थमाला के तहत प्रकाशित की गयी।
- (12) **नेयार्थ-नीतार्थ ग्रन्थमाला-** इस ग्रन्थमाला का प्रारम्भ सन् 2012 से किया गया, जिसमें चोंखापा के ‘नेयार्थ-नीतार्थ सुभाषितसार’ पर सम्पादन का शोध कार्य किया जा रहा है। इसके अन्तर्गत कई तिब्बती विद्वानों के संबंधित ग्रंथ एवं टिप्पणी भी सम्पादित व प्रकाशित किये जा रहे हैं।

उक्त ग्रन्थों के सम्बन्ध में अनुभाग के सदस्य पूर्णतया ग्रन्थों के हिन्दी, संस्कृत अंशों का अंग्रेजी एवं तिब्बती कम्प्यूटरीकरण, प्रूफ रिडिंग, संशोधन, संपादन, स्वरूपण, सॉफ्ट और हार्ड कैमरा प्रतिलिपि तैयार कर मुद्रण कार्यों के निर्माण आदि प्रक्रियाओं को पूर्ण करते हैं।

प्रकाशन की भाषा

उपर्युक्त बारह ग्रन्थमालाओं में सन्निहित मौलिक, व्याख्यायुक्त, शोधपूर्ण बौद्धग्रन्थ, संस्कृत-पुनरुद्धार, अनुवाद, सम्पादन आदि से सम्बद्ध ग्रन्थ हिन्दी, भोट, संस्कृत एवं आंग्ल भाषाओं में प्रकाशित हैं। कुछ ग्रन्थ पालि, अपभ्रंश एवं चीनी भाषा में मूल व अनुवाद के रूप में प्रकाशित हैं। अधिकतर ग्रन्थों की भाषा मिश्रित (दो या दो से अधिक) है।

मार्च 2024 तक लगभग 264 शीर्षक प्रकाशित हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त ‘धीः’ दुर्लभ बौद्ध ग्रन्थ शोध पत्रिका के 63 अंक तथा भोट-संस्कृत कोश के 16 अंक भी प्रकाशित हैं। कोश सीरीज-2 के अन्तर्गत ‘धर्मसंग्रहकोश’ तथा कोश सीरीज-3 के अन्तर्गत ‘कोनकोर्डेन्स ऑफ टिबेटन एण्ड संस्कृत टेक्स्ट’ नामक ग्रन्थ प्रकाशित हुए हैं।

अनेक ग्रन्थ जो आउट ऑफ प्रिन्ट हो चुके हैं, इनमें से कुछ का पुनर्मुद्रण हो चुका है तथा कुछ का संशोधित-परिवर्द्धित संस्करण भी प्रकाशित हो चुका है।

वर्तमान सत्र में प्रकाशित ग्रन्थ

इस आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित नए ग्रन्थ प्रकाशित किए गए-

1. **धीः' अंक 63**, दुर्लभ बौद्ध ग्रंथ शोध पत्रिका,
2. महर्षिणा अग्निवेशेन प्रणीता **चरक-संहिता [चतुर्थो भाग]** (संस्कृत एवं तिब्बती) अनुवादक एवं सम्पादक- प्रो. लोसङ् तेनजिन एवं डॉ. दावा शेरपा
3. महर्षिणा अग्निवेशेन प्रणीता **चरक-संहिता [पञ्चमो भाग]** (संस्कृत एवं तिब्बती) अनुवादक एवं सम्पादक- प्रो. लोसङ् तेनजिन एवं डॉ. दावा शेरपा
4. महर्षिणा अग्निवेशेन प्रणीता **चरक-संहिता [षष्ठो भाग]** (संस्कृत एवं तिब्बती) अनुवादक एवं सम्पादक- प्रो. लोसङ् तेनजिन एवं डॉ. दावा शेरपा
5. महर्षिणा अग्निवेशेन प्रणीता **चरक-संहिता [सप्तमो भाग]** (संस्कृत एवं तिब्बती) अनुवादक एवं सम्पादक- प्रो. लोसङ् तेनजिन एवं डॉ. दावा शेरपा
6. महर्षिणा अग्निवेशेन प्रणीता **चरक-संहिता [अष्टमो भाग]** (संस्कृत एवं तिब्बती) अनुवादक एवं सम्पादक- प्रो. लोसङ् तेनजिन एवं डॉ. दावा शेरपा
7. महर्षिणा अग्निवेशेन प्रणीता **चरक-संहिता [नवमो भाग]** (संस्कृत एवं तिब्बती) अनुवादक एवं सम्पादक- प्रो. लोसङ् तेनजिन एवं डॉ. दावा शेरपा
8. **बौद्ध धर्म में लिंग और सोटेरियोलॉजी बहस गैर-गूढ़ बौद्ध में एक महिला बुद्ध संभव है?** (अंग्रेजी) द्वारा डॉ. कर्मा सोनम पेलमो
9. महाकविकालिदासविरचितम् **मेघदूतम्** संस्कृत और तिब्बती में नया अनुवाद। अनुवादित और समीक्षात्मक रूप में सम्पादित- डॉ. दोर्जे क्याप
10. **श्रीचतुष्पीठमहातन्त्रराजः [प्रथमो भागः]** (संस्कृत एवं तिब्बती) सम्पादक- प्रो. कामेश्वरनाथमिश्र
11. हर्षवर्धनविरचित **नागानन्द नाटकम्** (तिब्बती) टिप्पणियों के साथ संपादित गेशे बेरी जिग्मेद वाङ्जल
12. **आर्यसन्धिनिर्माणचननाम-महायानसूत्रम्** (संस्कृत एवं तिब्बती) पुनरुद्धारकर्ता सम्पादकश्च- प्रो. पेमा तेनजिन

विक्रय से प्राप्त धनराशि

इस वित्तीय वर्ष 2023-2024 में प्रकाशित ग्रन्थों के विक्रय से इस अनुभाग ने कुल रु. 7,52,855.00 (सात लाख बावन हजार आठ सौ पचपन) मात्र की धनराशि अर्जित की।

प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय

संस्थान के प्रकाशनों का देश-विदेश के प्रकाशनों से विनिमय-वितरण किया जाता है। 'प्रकाशन-विनिमय-योजना' के अन्तर्गत राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के उपयोगी प्रकाशन हमें प्राप्त होते हैं, जो संस्थान के ग्रन्थालय में संगृहीत कर रखे जाते हैं तथा यहाँ के अध्ययन-अध्यापन में काफी उपयोगी होते हैं। सम्प्रति निम्नलिखित विश्वविद्यालयों से हमारे प्रकाशनों का आदान-प्रदान हो रहा है—

1. डेर यूनिवर्सिटी, वियना, ऑस्ट्रिया
2. अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, टोकियो, जापान
3. इण्डिका एट टिबेटिका, वेरलाग, जर्मनी
4. हैम्बर्ग यूनिवर्सिटी, हैम्बर्ग, जर्मनी
5. ड्रेपुंग लोसेलिंग लाङ्ब्रेरी सोसायटी, मुण्डगोड, कर्नाटक, भारत
6. गादेन शात्से ड्राछांग, मुण्डगोड, कर्नाटक, भारत
7. अडयार लाङ्ब्रेरी एण्ड रिसर्च सेण्टर, अडयार, चेन्नई, भारत

8. टिबेट हाउस, नई दिल्ली, भारत
9. आई. जी. एन. ए. सी., नई दिल्ली, भारत
10. केन्द्रीय बौद्ध विद्या संस्थान, चोगलमसर, लेह लद्दाख (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2012 से प्रारम्भ की गयी। दोनों संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)
11. सोडचेन ग्रन्थालय, केन्द्रीय अध्ययन बौद्ध और हिमालयन, ड्रिक्गु कर्ग्युद संस्थान, कुलहान, देहरादून, उत्तराखण्ड (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2014 से प्रारम्भ की गयी। दोनों संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)
12. सेरा जे लाइब्रेरी एंड कम्प्यूटर प्रोजेक्ट, सेरा मोनैस्टिक यूनिवर्सिटी, बैलाकूपी, जिला-मैसूर, कर्नाटक राज्य, दक्षिण भारत (यह प्रकाशन-विनिमय-योजना 2017 से प्रारम्भ की गयी। दोनों संस्थानों में प्रकाशित ग्रन्थों का विनिमय निरन्तर किया जायेगा।)

सामान्य प्रकाशनों के विनिमय के अतिरिक्त राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की शोध-पत्रिकाओं से भी हमारी शोध-पत्रिका 'धीः' का आदान-प्रदान वर्ष भर किया जाता है। इस वर्ष विनिमय योजना के अन्तर्गत प्राप्त हुई-

1. ईस्ट एंड वेस्ट (रोम, इटली)
2. हार्वर्ड जर्नल ऑव एशियाटिक स्टडीज (कैम्ब्रिज, यू.एस.ए.)
3. धर्मावर्ल्ड (टोक्यो, जापान)
4. ड्रेलोमा (मण्डगोड)
5. बुलेटिन ऑव डेकन कालेज (पुणे)
6. इण्डियन फिलॉसफिकल क्वार्टली (पूना विश्वविद्यालय, पूना)
7. जर्नल ऑव ओरिएन्टल इंस्टीट्यूट, (ओरिएण्टल इंस्टीट्यूट, बड़ौदा)
8. प्राची ज्योति (कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र)
9. बुलेटिन ऑव टिबेटोलॉजी (सिक्किम शोध संस्थान, गंगटोक)
10. अन्वीक्षा (जाधवपुर विश्वविद्यालय, कलकत्ता)
11. शोधप्रभा (श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली)
12. एनल्स ऑफ दी भण्डारकर ओरिएन्टल रिसर्च इंस्टीट्यूट (पुणे)
13. बुलेटिन डी इट्यूडे इंडीन्नीस (पेरिस, फ्रान्स)

प्रकाशन समिति

संस्थान के प्रकाशनों के मुद्रण व प्रकाशन पर विचार-विमर्श व निर्णय करने हेतु एक उच्चस्तरीय प्रकाशन समिति का गठन किया जाता है, जिसमें प्रकाशन कार्य से सम्बद्ध कुछ बाहरी विशेषज्ञ सदस्यों सहित संस्थान के विशिष्ट विद्वानों, अधिकारियों व विभागाध्यक्षों को भी शामिल किया जाता है। सम्प्रति इसमें कुल दस सदस्य हैं। संस्थान के कुलपति इस समिति के पदेन अध्यक्ष हैं।

अतिरिक्त कार्य

हमेशा की तरह प्रकाशन अनुभाग अपने नियमित प्रकाशन कार्यों के अतिरिक्त वार्षिक रिपोर्ट, बोधिप्रभ पत्रिका तथा संस्थान के विभिन्न विभागों के कई अन्य विविध मुद्रण आदि से सम्बन्धित कार्यों में सहयोग करता है।

6. गतिविधियाँ

संस्थान की शैक्षणिक गतिविधियाँ

शैक्षिक वर्ष 2023-24 में संस्थान द्वारा निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया:-

I. कार्यशाला, कान्फ्रेंस एवं अन्य आयोजन

प्रो. डब्ल्यू.डी. नेगी को कुलपति का कार्यभार सौंपा गया

प्रो. गेशे नवांग समतेन द्वारा 13 अप्रैल, 2023 को कुलपति का प्रभार आधिकारिक तौर पर प्रो. वड्छुग दोर्जे नेगी को सौंपा गया। यह आधिकारिक घटनाक्रम संस्कृति मंत्रालय (बीटीआई अनुभाग), नई दिल्ली के दिनांक 11.04.2023 के पत्र के अनुपालन में हुआ, जिसमें माननीय संस्कृति मंत्री की स्वीकृति से प्रो. वड्छुग दोर्जे नेगी (प्रोफेसर मूल शास्त्र) को तत्काल प्रभाव से कुलपति के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपने का निर्देश दिया गया था।



शास्त्रार्थ (दार्शनिक वाद-विवाद)

10 अप्रैल, 2023 : के.उ.ति.शि.सं. के समग्र शैक्षणिक विकास के भाग के रूप में, अनेक छात्रों ने अतिश सभागार में आयोजित दार्शनिक वाद-विवाद सत्रों में भाग लिया।

जीवंत दार्शनिक वाद-विवाद सत्रों में छात्रों के शामिल होने से अतिश सभागार बौद्धिक ऊर्जा से आलोकित रहा, जो संस्थान के शैक्षणिक विकास का प्रारम्भिक हिस्सा है। प्रतिभागियों ने नैतिकता, अस्तित्व और ज्ञान पर एक-दूसरे के दृष्टिकोण को चुनौती देते हुए गहन प्रश्नों का उत्साहपूर्वक संप्रेषण किया। संकाय परामर्शदाताओं के मार्गदर्शन में, उन्होंने अपनी आलोचनात्मक सोच और सार्वजनिक अभिव्यक्ति के कौशल को निखारा, जिससे जिज्ञासा और सम्मान की संस्कृति को बढ़ावा मिला। वातावरण उत्साहपूर्ण था, जीवंत चर्चाओं और गहन चिंतन के क्षणों से भरा हुआ था। इस कार्यक्रम ने न केवल छात्रों के शैक्षणिक अनुभव को समृद्ध किया, बल्कि एक-दूसरे के साथ उनके संबंधों को भी मजबूत किया, जिससे आपसी सहयोग से सीखने के नैतिक मूल्य को बढ़ावा मिला।



G-20 के अंतर्गत निबन्ध-लेखन, भाषण एवं पेंटिंग प्रतियोगिता

19 अप्रैल, 2023 : G-20 के अंतर्गत केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में विद्यार्थियों के मध्य भाषण प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। निर्णायक मंडल के निर्णयों के अनुसार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्रों को पुरस्कृत किया गया। निर्णायक मंडल के सदस्य डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सहायक आचार्य, हिंदी, डॉ. शुचिता शर्मा, सहायक आचार्य, पारम्परिक तिब्बती चित्रकला विभाग एवं डॉ. प्रशांत कुमार मौर्य, सहायक आचार्य, अर्थशास्त्र थे।

सर्वप्रथम पूर्वाह्न 10-11.30 बजे तक निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रथम स्थान टशी नामगे, बी.ए. बी.एड., प्रथम वर्ष, द्वितीय पुरस्कार लोबसंग फंदे, बी.एड., प्रथम वर्ष, तृतीय पुरस्कार कुन्छोक दोर्जे, आचार्य, प्रथम वर्ष एवं दोर्जे कलजंग को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

निबंध लेखन के पश्चात् 11.30 से 1.00 बजे तक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान नामगे खांडू, शास्त्री प्रथम वर्ष, द्वितीय पुरस्कार लोबसंग फंदे, बी.एड., प्रथम वर्ष एवं तृतीय पुरस्कार जम्बा संगे, शास्त्री तृतीय वर्ष को प्राप्त हुआ।

अपराह्न 3.00 बजे से पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें फाइन आर्ट्स विभाग के छात्र-छात्रों ने भाग लिया। इस पेंटिंग प्रतियोगिता में प्रथम स्थान टशी दोर्जे, उत्तरमध्यमा, प्रथम वर्ष, द्वितीय पुरस्कार युंगडुंग राबते, बी.एफ.ए., तृतीय वर्ष एवं तृतीय पुरस्कार सरब गुरमेय, बी.एफ.ए., तृतीय वर्ष को प्राप्त हुआ।



स्वच्छ भारत अभियान

25 अप्रैल, 2023 : संस्थान ने 'स्वच्छ भारत अभियान' मनाया, जिसमें स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की गई। सामुदायिक सेवा के लिए समर्पित छात्र और शिक्षक एक दिन के लिए एकत्र हुए तथा परिसर और आस-पास के क्षेत्रों में सफाई अभियान में भाग लिया। दस्ताने और कूड़े के थैलों से लैस होकर, स्वच्छता के महत्व के बारे में सभी को जागरूक करते हुए उन्होंने कूड़ा एकत्र किया। अपशिष्ट प्रबंधन और धारणीय अवधारणा पर कार्यशालाएँ भी आयोजित की गईं, जिसमें पर्यावरण के अनुकूल आदतों को प्रोत्साहित किया गया। इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों के बीच जिम्मेदारी और एकता की भावना को बढ़ावा दिया तथा इस संदेश को पुष्ट किया कि एक स्वच्छ पर्यावरण व्यक्तिगत कार्यों और सामूहिक प्रयास से शुरू होता है, जो समुदाय पर एक स्थायी प्रभाव छोड़ता है।

योग दिवस समारोह 2023

21 जून, 2023 : अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में संस्थान के खेल प्रशिक्षक डॉ. तेनजिन सम्पेन के कुशल नेतृत्व में 18 जून से 30 जून 2023 तक दो सत्रों में योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस योग शिविर में संस्थान के छात्र-छात्राएँ, कर्मचारी एवं उनके परिवार के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उक्त शिविर के दौरान 21 जून, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर प्रशिक्षण शिविर के दोनों सत्रों के सभी सदस्यों ने संस्थान की कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा जी के साथ अतिश सभागार में आयोजित योग प्रशिक्षण सत्र में भाग लिया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में संस्थान के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ संस्थान के विभिन्न कार्यालयों के अधिकारी-कर्मचारी तथा उनके परिवार के सदस्य भी उपस्थित थे।



श्री हृषिकेश शरण का प्रेरक भाषण

4 जुलाई, 2023 : केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के आं.गु.आ.प्र. द्वारा आयोजित एक व्याख्यान की मेजबानी की, जिसमें सेवानिवृत्त आई.आर.एस. अधिकारी, लेखक और वक्ता श्री हृषिकेश शरण ने भाग लिया। “अतिरिक्त कार्य करके, साधारण लोग असाधारण होने लगते हैं” शीर्षक से उनकी व्यावहारिक प्रस्तुति ने संस्थागत गुणवत्ता को बढ़ाने में मूल सिद्धान्तों के महत्व पर जोर दिया। अपने स्वयं के व्यापक अनुभव से उन्होंने शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में सुधार को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक उपायों की रूपरेखा तैयार की। यह कार्यक्रम अतिश सभागार में हुआ और इसमें शिक्षण संकाय, शोध छात्र, विभाग प्रमुख, कर्मचारी और छात्रों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। श्री शरण के प्रभावी व्याख्यान ने उपस्थित लोगों को अपनी-अपनी भूमिकाओं में सक्रिय दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया, जिससे संस्थान के भीतर उत्कृष्टता और निरंतर विकास की संस्कृति को बढ़ावा मिला। सत्र का समापन आपसी संवादात्मक प्रश्नोत्तर के साथ हुआ, जिसने समग्र अनुभव को समृद्ध किया।

‘भारतीय सभ्यता में बौद्ध जीवन शैली और परस्पर सौहार्द’ विषय पर संगोष्ठी

15 जुलाई, 2023 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृति अध्ययन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में ‘भारतीय सभ्यता में बौद्ध जीवन शैली और परस्पर सौहार्द’ विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। इस अवसर पर बोलते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिक्षु रेवत महाथेरो, चीफ संघ नायक, महाबोधि सोसायटी ऑफ इण्डिया ने कहा कि पंचशील भारतीय प्राचीन आर्य लोगों की परम्परा रही है, जिसे बौद्ध धर्म ने अपनाया है। भारतीय सभ्यता में बौद्ध धर्म का प्रमुख स्थान है, व्यक्ति को करुणा, मैत्री, दया और मानवता पर ज्यादा से ज्यादा जोर देना चाहिए। बुद्ध के सन्देश से दुनिया में युद्ध की जगह शान्ति सम्भव है, अहिंसा से ही पूरी दुनिया में मैत्री कायम किया जा सकता है, यही परम पावन दलाई लामा जी का भी सन्देश है। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी ने कहा कि बौद्ध धर्म भारतीय संस्कृति का गौरव है। यह सरल, बोधगम्य और लोकप्रिय है, जो अपने भावनात्मक तत्वों और नैतिक संहिता के कारण लोगों को आकर्षित करता है। बौद्ध धर्म के करुणा, अहिंसा एवं सत्य से ही पूरे विश्व में परस्पर सौहार्द की स्थापना की जा सकती है। नव नालन्दा महाविहार विश्वविद्यालय के प्रो. अंगराज चौधरी ने प्रतीत्यसमुत्पाद और विपश्यना जैसे बौद्ध मूल्यों के अभ्यास के महत्व को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के प्रो. आनन्द कुमार ने इस बात पर जोर दिया कि कैसे लालच और भय हमारे जीवन को नियन्त्रित करते हैं और हमें सभी के प्रति अहिंसा, मैत्री और करुणा के मूल्यों का पालन करना चाहिए। संगोष्ठी के संयोजक प्रो. अमरजीव लोचन एवं प्रो. हरिकेश सिंह ने भी विचार व्यक्त किये। विषय-प्रवर्तन तिब्बती हाउस, नई दिल्ली के निदेशक गेशे दोर्जे दमडुल एवं संस्थान की कुलसचिव डॉ. सुनीता चन्द्रा ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया।



अखिल भारतीय शिक्षा समागम

29 जुलाई, 2023 : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त पत्र के संदर्भ में तथा सक्षम प्राधिकारी के निर्देशानुसार संस्थान के शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र दिनांक 29 जुलाई, 2023 को प्रातः 10.00 बजे अतिश सभागार में एकत्रित हुए तथा अखिल भारतीय शिक्षा समागम में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए गए उद्घाटन भाषण का लाइव वेबकास्ट देखा।



स्वतन्त्रता दिवस

15 अगस्त 2023 : 77वें स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी में माननीय कुलपति प्रोफेसर वड्डुग दोर्जे नेगी, कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा भारत माता की जय के जयकारे से वातावरण गुंजायमान हो गया।

प्रातः 9 बजे ध्वजारोहण के पश्चात संस्थान के कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी ने संस्थान परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस अपार हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया जाता है।



इस अवसर पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। देशभक्ति गीत सुनकर सभी लोग भाव विभोर हो गए। कार्यक्रम के अंत में संस्थान की कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह महज एक राष्ट्रीय पर्व नहीं है, बल्कि अतीत की मधुर स्मृतियों, वर्तमान के सुखद उल्लास और भविष्य की उज्ज्वल आशाओं के साथ शुभता के पथ पर चलने का दिन है, यह दिन उन वीर सपूतों को भी सच्ची श्रद्धांजलि है जिन्होंने इस देश को अंग्रेजी हुकूमत से आजाद कराने के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। उक्त अवसर पर संस्थान परिवार के सभी शिक्षकगण, प्रशासनिक अधिकारी, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस समारोह

5 सितंबर, 2023 : संस्थान ने प्रतिष्ठित दार्शनिक और शिक्षाविद डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के उपलक्ष्य में अतिशय सभागार में शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ एक उद्घाटन भाषण से हुआ, जिसमें शिक्षा के क्षेत्र में राधाकृष्णन के योगदान और सीखने के प्रति उनके दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला गया।

छात्रों ने युवा विचारों को आकार देने में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका का उत्सव मनाते हुए नाटकों और संगीतमय उपहारों सहित कई आकर्षक प्रस्तुतियों का आयोजन किया। समारोह का मुख्य आकर्षण पुरस्कार समारोह था, जहाँ समर्पित शिक्षकों को उनके असाधारण योगदान और शिक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए सम्मानित किया गया।

जब छात्रों ने कृतज्ञता के हार्दिक संदेश साझा किए, तो माहौल प्रशंसा और सम्मान से भर गया। शिक्षकों द्वारा दिए गए मूल्यों का सम्मान करने और सीखने में उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने की सामूहिक प्रतिज्ञा के साथ समारोह का समापन हुआ। इस यादगार कार्यक्रम ने न केवल राधाकृष्णन की विरासत का सम्मान किया, बल्कि अपने शिक्षकों को महत्व देने और उनका समर्थन करने में संस्थान की प्रतिबद्धता को भी मजबूत किया।



काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव

6 सितम्बर, 2023 : केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान सारनाथ वाराणसी में काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के अंतर्गत गायन, वादन एवं नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में संस्थान के लगभग 100 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। मुख्य अतिथि वाराणसी के एडीएम श्री जवाहर लाल श्रीवास्तव जी थे। संस्थान के उप कुलसचिव डॉ हिमांशु पाण्डेय ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि सांसद सांस्कृतिक महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को अवसर प्रदान करना और काशी की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का संरक्षण एवं प्रसार करना है। काशी के महान संगीतकारों ने अपनी कला से पूरी दुनिया में भारतीय संस्कृति का परचम लहराया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के शब्दविद्या संकाय के अध्यक्ष प्रो धर्मदत्त चतुर्वेदी जी ने किया। छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद प्रदान करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिभागियों ने हिमालयी संस्कृति एवं लोक कला की सुंदर प्रस्तुति की है। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनुराग त्रिपाठी एवं स्वागत डॉ शुचिता शर्मा तथा डॉ प्रशांत कुमार मौर्या ने धन्यवाद ज्ञापित किया। सारनाथ वार्ड के पार्षद श्री अभय पाण्डेय जी ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बनारस घराना के शास्त्रीय गायन और नृत्य के विशेषज्ञ श्री आशीष मिश्रा एवं पवन मिश्रा जी निर्णायक मंडल के सदस्य के रूप में तथा छात्र कल्याण अध्यक्ष डॉ नवांग तेंफेल, डॉ रवि रंजन द्विवेदी, डॉ उमा शंकर शर्मा, डॉ सौरभ दुबे एवं डॉ पप्पू कुमार इत्यादि कार्यक्रम में उपस्थित थे।



10 सितंबर, 2023 : काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव 2023 के अंतर्गत अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता के तृतीय दिवस केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान सारनाथ, वाराणसी के अतिश सभागार नृत्य विधा का आयोजन किया गया।

काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के माध्यम से छुपी हुई विधाओं की खोज कर उनके कला को निखारने का है, काशी अपने आप में लघु भारत है यहां तिब्बती, भूटानी सहित सम्पूर्ण देश की संस्कृति और कला निहित है। उक्त विचार उत्तर प्रदेश के स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रविन्द्र जायसवाल ने नृत्य विधा के कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया।

बतौर विशिष्ट अतिथि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अभय कृष्ण तिवारी ने कहा कि ग्रह समारोह प्रतिभा और कला की खोज के लिए है, इससे अपनी संस्कृति और मजबूत होगी, विभिन्न संस्कृतियों का समन्वय स्थापित होगा।

काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव 2023 के अंतर्गत अन्तर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता के तीसरे दिन नृत्य विधा में क्रमशः संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, बीएचयू, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ एवं केन्द्रीय उच्च तिब्बती संस्थान सारनाथ के दो दर्जन प्रतियोगियों ने समूचे सभागार को अपने नृत्य से (कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, गरवा, नुक्कड़ नाटक, लोकनृत्य, तिब्बती नृत्य) झंकृत कर दिया।

उक्त प्रतियोगिता में सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन डॉ. शुभ्रा वर्मा, डॉ. अनुराग त्रिपाठी एवं शुचिता शर्मा ने और धन्यवाद डॉ. प्रशांत कुमार मोर्य ने किया। डॉ. श्रुति शास्वत उपाध्याय, डॉ. अभिजीत चक्रवर्ती, डॉ. जिग्मे मिंग्युर, डॉ. अमृत निर्णायक के रूप में उपस्थित रहे।



संस्कृत सप्ताह समारोह:

16 सितम्बर 2023 : संस्थान में 16 सितम्बर से संस्कृत सप्ताह विधिवत मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी, माननीय कुलपति, के.उ.ति.शि.सं., प्रो. बिहारीलाल शर्मा, कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रो. भगवत शरण शुक्ल, व्याकरण विभाग, बीएचयू, डॉ. सुनीता चन्द्रा, कुलसचिव, के.उ.ति.शि.सं. उपस्थित रहे। संस्कृत विभाग, के.उ.ति.शि.सं. के प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी ने कार्यक्रम का संचालन किया। सभी विद्वानों एवं कवियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।

श्लोक पाठ प्रतियोगिता के विजेताओं और कक्षा संस्कृत प्रतिभा परीक्षा में विजयी विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम के अंत में संस्थान की कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा ने सभी विद्वानों और विद्यार्थियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।



सोवा रिग्पा दिवस समारोह

27 सितम्बर, 2023 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में सोवा रिग्पा दिवस समारोह पारंपरिक तिब्बती चिकित्सा की समृद्ध विरासत को उजागर करने वाला एक जीवंत कार्यक्रम था। सोवा रिग्पा विभाग के प्रमुख डॉ. टशी दावा ने युथोग सोवा रिग्पा अस्पताल में उपयोग की जाने वाली नवीन उपचार विधियों का विवरण देते हुए एक ज्ञानवर्द्धक व्याख्यान दिया। उन्होंने गठिया, श्वसन संबंधी समस्याओं और पाचन संबंधी विकारों जैसी पुरानी बीमारियों सहित, इस संकाय द्वारा इलाज की जाने वाली अन्य बीमारियों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. दावा ने अस्पताल के समग्र दृष्टिकोण पर जोर दिया, जो समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए हर्बल उपचार, आहार मार्गदर्शन और चिकित्सीय प्रथाओं को जोड़ता है। अपनी प्रस्तुति के बाद, डॉ. ताशी दावा और काशी कला कस्तूरी के संस्थापक और अध्यक्ष डॉ. शबनम के बीच एक ज्ञानवर्द्धक परिचर्चा हुई। इस समारोह में न केवल सोवा रिग्पा के महत्व को रेखांकित किया गया, बल्कि आज के चिकित्सा परिदृश्य में इसके अनुप्रयोगों की गहरी समझ को भी बढ़ावा दिया गया तथा उपस्थित लोगों को इस अमूल्य परंपरा को अपनाने और इसे बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया गया।



आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम

4-16 अक्टूबर, 2023 : के.उ.ति.शि.सं. के शिक्षक शिक्षण केंद्र ने भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित 14 दिवसीय उच्च शिक्षा में क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि, इण्टर यूनिवर्सिटी ऐक्सलरेटर सेंटर, नई दिल्ली के निदेशक प्रोफेसर अविनाश चंद्र पांडेय ने कहा कि ज्ञान के क्षेत्र

में नई दृष्टि विकसित करने की जरूरत है। पंख फैलाना नहीं, बल्कि छात्रों में स्वतंत्रता की क्षमता विकसित करना भी शिक्षक का ही दायित्व है। सभी में समान रूप से ज्ञान विकसित करना ही शिक्षक का मूल कर्तव्य है।



विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बलराम पाणि, डीन ऑफ कॉलेजेस, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली और कृषि विज्ञान संस्थान, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से प्रोफेसर अनुपम नेमा जी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हुमा कयूम एवं अतिथियों का स्वागत डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. वड्डुगु दोर्जे नेगी एवं धन्यवाद-ज्ञापन संस्थान की कुलसचिव डॉ. सुनीता चन्द्रा ने किया।

सतर्कता जागरूकता अभियान

30 अक्टूबर - 5 नवंबर 2023 : 16 अगस्त 2023 से 15 नवंबर 2023 तक आयोजित सतर्कता जागरूकता अभियान और 30 अक्टूबर 2023 से 5 नवंबर 2023 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह के दौरान विभिन्न निवारक और भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकलापों का आयोजन किया गया।

के.उ.ति.शि.सं. परिसर के पांच मुख्य कार्यालयों में हिंदी और अंग्रेजी में कई पीआईडीपीआई स्टैंडीज प्रदर्शित किए गए। वेबसाइट और अन्य सोशल मीडिया पर भ्रष्टाचार विरोधी नारे प्रदर्शित किए गए। 20 सितंबर, 2023 को छात्रों के बीच निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। संस्थान के भीतर सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 30 अक्टूबर 2023 को अतिश सभागार में सभी कर्मचारियों के साथ सतर्कता शपथ ग्रहण समारोह हुआ। संकाय और छात्र नैतिक आचरण और भ्रष्टाचार विरोधी उपायों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए एकत्र हुए।

3 नवंबर 2023 को कर्मचारियों और छात्रों के बीच एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसके अलावा, 1 नवंबर 2023 को ललित कला विभाग के छात्रों के बीच भ्रष्टाचार रोकथाम पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। साथ ही, 2 नवंबर, 2023 को कर्मचारियों के बीच भ्रष्टाचार रोकथाम पर एक वाद-विवाद का आयोजन किया गया। 9 नवंबर, 2023 को पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया और सभी विजेताओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। समारोह की अध्यक्षता माननीय कुलपति द्वारा की गई एवं कार्यक्रम में कुलसचिव, उप कुलसचिव और संस्थान के वरिष्ठ उपस्थित थे।



कुलपति की नियुक्ति - प्रो. डब्ल्यू. डी. नेगी

4 दिसम्बर, 2023 : केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान (के.उ.ति.शि.सं.) प्रोफेसर भिक्षु वङ्छुग दोर्जे नेगी को भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा पांच साल के कार्यकाल के लिए कुलपति के रूप में उनकी नियुक्ति पर हार्दिक बधाई देता है। यह प्रतिष्ठित पद अकादमिक उत्कृष्टता के प्रति प्रोफेसर नेगी के समर्पण और तिब्बती संस्कृति और शिक्षा की उनकी गहन समझ को दर्शाता है।

के.उ.ति.शि.सं. को विश्वास है कि उनके नेतृत्व में संस्थान तिब्बती अध्ययन की समृद्ध विरासत को बढ़ावा देते हुए अपनी परिकल्पना, उद्देश्य एवं मौलिक मूल्यों को आगे बढ़ाता रहेगा। हम सामूहिक रूप से आने वाले वर्षों के लिए सहज और उद्देश्यपूर्ण होने की प्रार्थना करते हैं, जहाँ अभिनव परियोजनाएं और पहल फल-फूल सकें, जिससे छात्र और व्यापक समुदाय दोनों समृद्ध हों। समावेशी और गतिशील शैक्षणिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए प्रोफेसर नेगी की प्रतिबद्धता निश्चित रूप से सहयोग और विकास को प्रेरित करेगी। जैसे-जैसे हम इस नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं, के.उ.ति.शि.सं. परिवर्तनकारी विकास को देखने और तिब्बती संस्कृति और ज्ञान को संरक्षित और बढ़ावा देने में अपनी भूमिका को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर है।



कुलपति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में संस्थान की परिकल्पना प्रस्तुत करते हुए

4 दिसंबर, 2023 : नवनियुक्त कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी ने अपना पदभार संभालने के तुरंत बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की। मीडिया के सदस्यों को संबोधित करते हुए उन्होंने संस्थान के लिए अपने दृष्टिकोण को रेखांकित किया, जिसमें अकादमिक उत्कृष्टता, नवाचार और सामुदायिक जुड़ाव पर जोर दिया गया। प्रो. नेगी ने एक समावेशी वातावरण को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की जो छात्रों और संकाय दोनों का पोषण करता है। उन्होंने अकादमिक समुदाय के भीतर अनुसंधान और सहयोग को बढ़ाने के उद्देश्य से नई पहल की योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। प्रेस कॉन्फ्रेंस ने खुले संवाद के लिए एक मंच के रूप में काम किया, जिससे पत्रकारों को सवाल पूछने और शैक्षणिक मुद्दों पर कुलपति से जुड़ने का मौका मिला।



शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.उ.ति.शि.सं. द्वारा छह मासिक प्रगति रिपोर्ट संगोष्ठी का आयोजन

14-16 दिसंबर 2024 : शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.उ.ति.शि.सं. ने छह मासिक प्रगति रिपोर्ट संगोष्ठी का आयोजन किया। सभी पंजीकृत पी-एच.डी. स्कॉलर्स ने निर्धारित प्रारूप के अनुसार शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के समक्ष प्रस्तुतियाँ दीं। अपनी प्रस्तुतियों से पहले शोधार्थियों ने क्रमशः नई प्रगति रिपोर्ट और पी.पी.टी. प्रस्तुत की। इस अवसर पर सभी संकायाध्यक्ष और विभागाध्यक्ष, निदेशक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ और संबंधित सदस्य उपस्थित थे।

समन्वयक, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, डॉ. महेश शर्मा ने सभी गणमान्य व्यक्तियों और शोधार्थियों का स्वागत किया तथा शोधार्थियों की शोध गतिविधियों के समयबद्ध गुणात्मक मूल्यांकन के सन्दर्भ में इस आयोजन के महत्त्व पर प्रकाश डाला। सम्मेलन के इस अवसर पर, गणमान्य व्यक्तियों ने रिसर्च स्कॉलर्स हैंडबुक का विमोचन करके कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अध्यक्षीय उद्बोधन संस्थान के कुलपति और शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी दिया। संकायाध्यक्ष, शोध, प्रो. जम्पा समतेन ने अपने विचार प्रस्तुत किए, उप कुलसचिव डॉ. हिमाशु पांडे ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

परम पावन 14वें दलाई लामा के लिए बोधगया में दीर्घायु अर्पण

1 जनवरी, 2024 : बोधगया, बिहार में आयोजित "परम पावन 14वें दलाई लामा के लिए दीर्घायु अर्पण और प्रार्थना" के विशेष अवसर पर सम्पन्न इस कार्यक्रम में कृतज्ञता और श्रद्धा की भावना से कई भक्त और शुभचिंतक एकत्रित हुए। इस सभा में तिब्बती संस्कृति और शिक्षा का जश्न मनाने और उसे बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन की गई कई समृद्ध गतिविधियाँ शामिल थीं।

इसका एक उल्लेखनीय आकर्षण पुस्तक प्रदर्शनी थी, जिसमें वाराणसी के सारनाथ में केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान (के.उ.ति.शि.सं.) के प्रकाशनों की एक विविध श्रृंखला प्रदर्शित की गई थी। इस प्रदर्शनी ने उपस्थित लोगों को तिब्बती

साहित्य और विद्वत्ता के बारे में जानकारी प्रदान की, जिसने तिब्बती ज्ञान को संरक्षित करने और प्रसारित करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

इसके अलावा, प्रदर्शनी में के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्रों द्वारा लिखित, संपादित, पुनर्स्थापित और अनुवादित कार्य प्रदर्शित किए गए, जो तिब्बती अध्ययन में उनके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाते हैं। मल्टीमीडिया प्रक्षेपण ने के.उ.ति.शि.सं. के इतिहास को दर्शाया, जिससे उपस्थित लोगों ने वर्षों के इसकी यात्रा और प्रभाव की सराहना की।

इसके अलावा, संस्थान की सोवा-रिग्पा छात्र परिषद ने एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया, जो समग्र कल्याण के प्रति समुदाय के समर्पण को दर्शाता है। इस पहल ने आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने के साथ, आध्यात्मिक गतिविधियों के साथ-साथ स्वास्थ्य के महत्व को भी रेखांकित किया।

इन आयोजनों के संयोजन ने एक जीवंत माहौल बनाया, जिससे समुदाय और भक्ति की भावना को बढ़ावा मिला। जैसे-जैसे प्रतिभागी सार्थक गतिविधियों में शामिल हुए, उन्होंने परम पावन दलाई लामा की शिक्षाओं के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जिससे तिब्बती संस्कृति और ज्ञान का निरंतर विकास सुनिश्चित हुआ।

फाइव कॉलेज कंसोर्टियम, एमए, यूएसए - 31वां अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम 2023-2024

29 दिसंबर 2023 से 21 जनवरी 2024 : के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ और फाइव कॉलेज कंसोर्टियम (स्मिथ कॉलेज, हैम्पशायर कॉलेज, एमहर्स्ट कॉलेज, माउंट होल्योोक कॉलेज, मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय), एमए, यूएसए के बीच 31वां विनिमय कार्यक्रम 29 दिसंबर 2023 से 21 जनवरी 2024 तक परिसर में आयोजित किया गया। बारह छात्रों (स्मिथ से 7 और एमहर्स्ट से 5) के समूह का नेतृत्व प्रोफेसर विलियम एडेलग्लास, स्मिथ कॉलेज द्वारा किया गया। भारत में एक इंटरटर्म बिताने वाले इस गहन कार्यक्रम में, छात्र पारंपरिक बौद्ध शिक्षकों के साथ बौद्ध दर्शन, तिब्बती इतिहास और संस्कृति तथा तिब्बती पाठ विश्लेषण का अध्ययन किया। तीन सप्ताह के कार्यक्रम के दौरान दो मुख्य बौद्ध दार्शनिक ग्रंथ आचार्य चंद्रकीर्ति का मध्यमकावतार और आचार्य शांतिदेव का बोधिचर्यावतार का अध्ययन किया गया।

इन दोनों ग्रंथों पर 12-12 व्याख्यान संगोष्ठियों के अलावा, तिब्बती संस्कृति और इतिहास, तिब्बती कला, तिब्बती चिकित्सा और ज्योतिष आदि पर सहायक व्याख्यान भी दिए गए। छात्रों को सारनाथ, वाराणसी और आसपास के ऐतिहासिक स्मारकों और मंदिरों का भ्रमण कराया गया और साथ ही बोधगया, नालंदा और राजगीर की सप्ताहांत यात्रा भी कराई गई। बोधगया में समूह के ठहरने के दौरान, समूह को परम पावन दलाई लामा का आशीर्वाद प्राप्त करने का दुर्लभ अवसर मिला, जो उस समय बोधगया में थे। यह वास्तव में आगंतुक संकाय और छात्रों के लिए जीवन भर संजोने का अनुभव था। विनिमय कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, प्रोफेसर विलियम एडेलग्लास, स्मिथ कॉलेज ने संस्थान के अनुसंधान और विकास प्रकोष्ठ के समन्वय में संस्थान के पीएचडी छात्रों को शोध पद्धति और अकादमिक लेखन पढ़ाया।



75वां गणतंत्र दिवस समारोह

26 जनवरी, 2024 : केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान (के.उ.ति.शि.सं.) ने 75वां गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी ने सभा को संबोधित करते हुए नागरिकों में एकता और देशभक्ति को बढ़ावा देने में इस ऐतिहासिक अवसर के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने भारतीय संविधान में निहित लोकतंत्र, न्याय और समानता के मूल्यों पर प्रकाश डाला। प्रो. नेगी ने छात्रों और शिक्षकों को अपने शैक्षणिक और व्यक्तिगत जीवन में इन सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम के समापन के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें भारतीय विरासत की समृद्ध झलक दिखाई गई और के.उ.ति.शि.सं. समुदाय के भीतर एकता और राष्ट्रीय गौरव की भावना को बढ़ावा दिया गया।

काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता

27 जनवरी, 2024 : सर्वविद्या की राजधानी भारत की सांस्कृतिक नगरी काशी सदियों से शिक्षा, साहित्य, धर्म, संगीत, संस्कृति एवं अन्य क्षेत्रों में पूरे विश्व का मार्गदर्शन करते आ रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा काशी की महानता एवं उसके महान् इतिहास को संरक्षित करने तथा भावी पीढ़ी को उससे अवगत कराने के उद्देश्य से काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता का वृहद् आयोजन वाराणसी में किया गया। उक्त क्रम में संस्थान में भी 27 जनवरी, 2024 को छात्र-छात्राओं के मध्य काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। हेतु एवं अध्यात्म विद्या संकाय से छेरिंग टाशी, शिक्षक शिक्षण केन्द्र से सोनम टशी और सोवा-रिग्पा संकाय से पद्मा अंगमो ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

उक्त प्रतियोगिता संस्थान के काशी सांसद ज्ञान प्रतियोगिता की नोडल अधिकारी डॉ. शुचिता शर्मा एवं समिति के सदस्य डॉ. नवांग तेनफेल, डॉ. अनुराग त्रिपाठी, डॉ. प्रशान्त कुमार मौर्य एवं डॉ. रविरञ्जन द्विवेदी के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ दर्शक हस्तक्षेप पर कार्यशाला:

27-28 जनवरी 2024 : तिब्बती मानवाधिकार और लोकतंत्र केंद्र, धर्मशाला और आंतरिक शिकायत समिति, केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ ने संयुक्त रूप से संस्थान के ए.पी. गेस्ट हाउस के सेमिनार हॉल में "लिंग आधारित हिंसा के खिलाफ दर्शक हस्तक्षेप" पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। संस्थान के तीस छात्रों ने कार्यशाला में भाग लिया; बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और एमिटी विश्वविद्यालय में पढ़ रहे कुछ तिब्बती छात्र भी कार्यशाला में शामिल हुए। कार्यशाला के लिए संसाधन व्यक्तियों में श्रीमती तेनजिन दावा, निदेशक, टीसीएचआरडी, धर्मशाला, सुश्री रासिका सुंदरम, इमारा फाउंडेशन, चेन्नई, सुश्री जमयांग ल्हामो, परियोजना अधिकारी और सुश्री अपरिमिता प्रताप, एमएपी सीएफसी फेलो, माइग्रेशन एंड एसाइलम प्रोजेक्ट, नई दिल्ली शामिल थीं। संस्थान के माननीय कुलपति और रजिस्ट्रार ने कार्यशाला के उद्घाटन और समापन के अवसर पर उपस्थित रहे।



एनईपी 2020 का कार्यान्वयन

2 फरवरी, 2024 : केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी के चार सदस्यीय दल (प्रो. डब्ल्यू.डी. नेगी, कुलपति, डॉ. सुनीता चंद्रा, कुलसचिव, डॉ. महेश शर्मा, समन्वयक-आई.क्यू.ए.सी., डॉ. तेनजिन निमा (विद्या कुमार) असिस्टेंट प्रोफेसर) ने विक्रम विश्वविद्यालय, माधव भवन, यूनिवर्सिटी रोड, मध्य प्रदेश में केंद्रीय क्षेत्र के प्रमुख समन्वयक के सहयोग से यूजीसी द्वारा आयोजित "एनईपी 2020 के कार्यान्वयन" पर केंद्रीय क्षेत्र के कुलपतियों के सम्मेलन में भाग लिया।

विद्यार्थियों के लिए द्विआत्मक वाद-विवाद कौशल पर कार्यशाला

17-29 फरवरी, 2024 : के.उ.ति.शि.सं. द्वारा 13 दिवसीय शिक्षक शिक्षण केन्द्र और तिब्बती प्रशासन, धर्मशाला के संयुक्त तत्वावधान में "विद्यार्थियों के लिए द्विआत्मक वाद-विवाद कौशल पर कार्यशाला" का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में संस्थान के कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी ने कहा कि प्राचीन भारत के शिक्षा संस्थानों जैसे नालन्दा, तक्षशिला, विक्रमशिला आदि में औपचारिक रूप से वाद-विवाद करने की गौरवपूर्ण परम्परा रही थी। जिनका उद्देश्य विभिन्न धार्मिक, दार्शनिक एवं नैतिक विषयों की समीक्षा करना होता था। धर्मशाला के शिक्षाधिकारी, आचार्य दोन्डुप तेनपा ने कहा कि तिब्बती तर्कशास्त्र परम्परा आन्तरिक शिक्षा पर बल देती है। इसीलिए परम पावन दलाई लामा ने भारत में स्थित सभी भोट विद्यालयों में बच्चों तनाव को कम करने के लिए इसे लागू कराया। इस पद्धति गणति, विज्ञान और साहित्य तीनों विषयों की पढ़ाई शुरू हुई। उनका मानना है कि वैचारिक बन्धन बोलने के कारण खुल जाते हैं और शारीरिक हाव-भाव से भय समाप्त हो जाता है।



संस्थान के कुलसचिव डॉ. सुनीता चन्द्रा ने कहा- यह परम्परा तर्कशील बनाने के साथ-साथ शोध के क्षेत्र में भी सहायक है। भारतीय परम्परा में यह माना जाता है कि तर्क से सामान्य बुद्धि भी प्रखर हो जाती है। उद्घाटन समारोह में मैं सैकड़ों की संख्या में शिक्षक, शोधार्थी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

द्वितीय (पेशेवर बीएसआरएमएस) गुणवत्ता आधारित पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या पर प्रत्यक्ष कार्यशाला

19-21 फरवरी, 2024 : भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग द्वारा गठित यूनानी, सिद्ध और सोवा-रिग्पा परिषद ने 19 फरवरी से 21 फरवरी 2024 तक केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में "द्वितीय (पेशेवर बीएसआरएमएस) गुणवत्ता आधारित पाठ्यक्रम एवं पाठ्यचर्या" पर कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में संस्थान की सम्मानित कुलसचिव डॉ. सुनीता चंद्रा ने अभिनन्दन एवं स्वागत संबोधन दिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, माननीय प्रो. एस. एन. शंखवार, निदेशक, चिकित्सा विज्ञान संस्थान, बीएचयू ने उद्घाटन सत्र में अपना विशिष्ट व्यख्यान दिया। एनसीआईएसएम, भारत सरकार के अध्यक्ष, डॉ. जयंत देवपुजारी ने अपना मुख्य उद्बोधन दिया तथा यूनानी, सिद्ध और सोवा-रिग्पा परिषद के अध्यक्ष ने अपना परिचयात्मक भाषण प्रस्तुत किया। इसके बाद, माननीय कुलपति, प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी ने उद्घाटन सत्र में अध्यक्षीय भाषण दिया, अपने वक्तव्य में उन्होंने शैक्षिक कार्यक्रमों को उद्योग की जरूरतों के साथ जोड़ने, छात्रों की भागीदारी को बढ़ाने तथा और अधिक प्रभावी शैक्षिक कार्यक्रम चलाने तथा अनुभव से सीखने के महत्व पर जोर दिया।



थंका (मंडल) पेन्टिंग विषयक कार्यशाला

22 फरवरी, 2024 : पारम्परिक चित्रकला विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान द्वारा 22 फरवरी, 2024 से 4 मार्च, 2024 तक थंका (मंडल) पेन्टिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश के भिक्षु लोब्संग लोन्दुप ने कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया। कार्यशाला उद्घाटन सत्र में संस्थान के कुलपति वड्डुग दोर्जे नेगी छात्र-छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि तिब्बती थंका मंडल तिब्बती बौद्ध धर्म में एक पवित्र कलारूप है, जिसका उपयोग अक्सर ध्यान और आध्यात्मिक प्रथाओं के लिए किया जाता है। मंडल ब्रह्माण्ड और प्रबुद्ध मन का ज्यामितीय प्रतिनिधित्व है, जो सभी वस्तुओं के आपसी जुड़ाव का प्रतीक है। उद्घाटन समारोह में शिल्पविद्या संकाय के अध्यक्ष डॉ. दोर्जे दमडुल, पारम्परिक चित्रकला विभाग की अध्यक्ष डॉ. शुचिता शर्मा, श्री कुंगा जिङ्पो, लोब्संग शेरब, दोर्जे छोफेल, छेरिंग सम्डुप एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

तिब्बती काष्ठकला विषयक कार्यशाला

22 फरवरी, 2024 : पारम्परिक काष्ठकला विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान द्वारा 22 फरवरी, 2024 से 4 मार्च, 2024 तक तिब्बती काष्ठकला विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। धर्मशाला, हिमाचल प्रदेश से श्री कर्मा येशी ने कार्यशाला में छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षित किया। कार्यशाला के उद्घाटन समारोह में माननीय कुलपति महोदय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि तिब्बती काष्ठकला एक समृद्ध और जीवन्त परम्परा है, जो तिब्बती संस्कृति के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक सार को अभिव्यक्त करती है। यह सदियों पुराने शिल्प कौशल में निहित है। उद्घाटन समारोह में शिल्पविद्या संकाय के अध्यक्ष डॉ. दोर्जे दमडुल, पारम्परिक चित्रकला विभाग की अध्यक्ष डॉ. शुचिता शर्मा, श्री कुंगा जिङ्पो, लोब्संग शेरब, दोर्जे छोफेल, छेरिंग सम्डुप एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

हिंदी साहित्य एवं व्याकरण पर सात दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान

4-12 मार्च, 2024 : प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग, हिन्दी भाषा द्वारा 'हिन्दी व्याकरण एवं साहित्य' विषय पर सात दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ. रामसुधार सिंह, डॉ. अविनाश कुमार सिंह, प्रो. श्रद्धा सिंह, प्रो. अवधेश प्रधान, प्रो. सत्यपाल शर्मा, प्रो. श्रद्धानन्द एवं प्रो. बाबूराम त्रिपाठी ने हिन्दी साहित्य का इतिहास, भक्ति काव्य और मानुष प्रेम, शब्द एवं वाक्य विचार, हिन्दी उपन्यास और बौद्ध धर्म, आधुनिक हिन्दी कविता, विराम चिह्न और लिंग एवं वचन विषय पर व्याख्यान दिया।

संस्थान की त्रिभाषी नई वेबसाइट और राजभाषा पत्रिका 'बोधिप्रभ' का लोकार्पण

29 मार्च, 2024 : प्रख्यात शिक्षाविद् एवं बौद्ध दर्शन के मर्मज्ञ विद्वान् प्रो. समदोङ्ग रिनपोछे जी के करकमलों द्वारा संस्थान की त्रिभाषी नई वेबसाइट जो हिन्दी, अंग्रेजी एवं तिब्बती भाषा में तैयार की गई और संस्थान की राजभाषा पत्रिका 'बोधिप्रभ' का लोकार्पण किया गया। अतिशय सभागार में प्रो. रिनपोछे जी संस्थान परिवार को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह संस्थान एक विशिष्ट संस्थान है, जो अन्य शिक्षण संस्थाओं से विरल है। इस संस्थान की स्थापना के केन्द्र में नालन्दा मूल की तिब्बती विद्या और बौद्ध परम्परा का संरक्षण एवं संवर्द्धन रहा है। इस परम्परा में बौद्ध दर्शन, न्याय, प्रमाण और साधना-प्रक्रिया के साथ-साथ अन्य सामान्य विद्याएँ जैसे- चिकित्सा विद्या, कला, ज्योतिष, शब्द, काव्य सभी समाहित हैं। वर्तमान समय में मेरे आह्लाद का एक विशेष कारण यह भी है कि संस्थान के राजभाषा अनुभाग द्वारा राजभाषा के व्यापक प्रचार-प्रसार का निष्ठापूर्वक कार्य किया जा रहा है और इस उद्देश्य की सम्पूर्ति के लिए बोधिप्रभ का प्रकाशन प्रतिवर्ष किया जा रहा है।

बुद्ध के प्रथम उपदेश की प्रतिकृतियों की प्राण-प्रतिष्ठा

30 मार्च, 2024 : संस्थान प्रतिष्ठित और महत्वपूर्ण प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के लिए एकत्रित हुआ, जिसने के.उ.ति.शि.सं. के सम्मानित इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित किया। संकाय, छात्रों और कर्मचारियों सहित संस्थान के सदस्यों ने नालन्दा भवन के पास सुबह की प्रार्थना में भाग लिया, जिससे श्रद्धा और एकता का माहौल बना। शांत वातावरण ने चिंतन और समुदाय की गहरी भावना को बढ़ावा दिया। प्रतिभागियों ने प्रार्थना की और शांति और ज्ञान के लिए अपनी आकांक्षाएँ व्यक्त कीं।

प्रार्थना के बाद, दिन का मुख्य आकर्षण संस्थान परिसर में भगवान बुद्ध शाक्यमुनि की प्रतिमाओं की स्थापना थी, जिसमें उनके पाँच शिष्यों के साथ उनका पहला उपदेश दिया गया था। यह स्थापना बौद्ध धर्म की गहन शिक्षाओं और आध्यात्मिक और शैक्षणिक विकास को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथियों और स्थानीय गणमान्य लोगों ने भाग लिया और आज की दुनिया में बुद्ध की शिक्षाओं के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

मूर्तियों के अनावरण के समय, उपस्थित लोगों ने संस्थान के लिए अपनी आशा व्यक्त की कि यह ज्ञान और करुणा का प्रतीक बनेगा। इस समारोह में न केवल बौद्ध धर्म की समृद्ध विरासत का जश्र मनाया गया, बल्कि अपने समुदाय के सदस्यों के बीच समझ, संवाद और ज्ञान की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए संस्थान के समर्पण को भी मजबूत किया गया।

प्रतिष्ठापन समारोह के बाद पद्मसम्भव छात्रावास के पीछे मृगारमाता भोजनालय के भूमिपूजन समारोह में संस्थान परिवार के सभी सदस्य उपस्थित थे।

पुरातन छात्र समिति

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पुरातन छात्र समिति की वर्ष 2023-24 वार्षिक गतिविधियों की रिपोर्ट

दिनांक 31 दिसंबर, 2023 से 2 जनवरी, 2024 तक बिहार के बोधगया में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पुरातन छात्रों का पाँचवाँ सम्मेलन आयोजित किया गया। विश्व के विभिन्न क्षेत्रों से केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के लगभग 200 पुरातन छात्रों ने सम्मेलन में भाग लिया और निम्नलिखित गतिविधियों में सक्रिय रूप से प्रतिभागिता की।

1. इस अवसर पर, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान और संस्थान के पुरातन छात्र समिति द्वारा संयुक्त रूप से परम पावन दलाई लामा जी की दीर्घायु पूजा-अनुष्ठान (=तेनशुग) का भव्य समारोह आयोजित किया गया। परम पावन दलाई लामा जी के लिए दीर्घायु पूजा-अनुष्ठान (=तेनशुग) तिब्बती बौद्ध परंपरा में परम पावन दलाई लामा के जीवन की दीर्घायु के लिए एक महत्वपूर्ण धार्मिक प्रथा है। परम पावन दलाई लामा जी के प्रवचन में भाग लेने वाले लगभग एक लाख लोगों ने तेनशुग पूजा-अनुष्ठान में भाग लिया। उपरोक्त तेनशुग पूजा-अनुष्ठान के सभी वित्तीय व्यय केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के कर्मचारियों और पुरातन छात्रों से प्राप्त आर्थिक अनुदान द्वारा किये गये थे।



संस्थान के पुरातन छात्र एवं छात्राएं पवित्र धर्मग्रन्थ एवं अन्य उपहार वस्तुएं लिये हुए छायाचित्र



परम पावन दलाई लामा जी को भेंट किये गये रजत मण्डल की छायाचित्र

2. दिनांक 1 जनवरी, 2024 को दोपहर 2 बजे प्रो. समदोंग रिनपोछे जी के साथ केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के छात्रों एवं पुरातन छात्र समिति की बैठक आयोजित की गई। उस अवसर पर के.उ.ति.शि.संस्थान के पुरातन छात्र समिति के अध्यक्ष द्वारा पाँचवें सम्मेलन के कार्यक्रमों की जानकारी दी गई और “सन् 1967, संस्थान की स्थापना से लेकर वर्ष 2023 तक केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान का संक्षिप्त इतिहास और उपलब्धियों की रिपोर्ट” और “केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पुरातन छात्रों द्वारा लिखित, संपादित, पुनरुद्धारित और अनूदित पुस्तकों और शोध पत्रों की सूची” की एक प्रति प्रस्तुत की गई।



बोधगया में छात्र मिलन समारोह में प्रो. एस रिनपोछे के साथ पुरातन छात्र एवं छात्रों की छायाचित्र



प्रो. एस. रिनपोछे जी से मुलाकात करते हुए पुरातन छात्र एवं छात्रों की छायाचित्र

केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों को उजागर करने हेतु आयोजित की गई गतिविधियाँ.

1. “सन् 1967, संस्थान की स्थापना से लेकर वर्ष 2023 तक केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान का संक्षिप्त इतिहास और उपलब्धियों की रिपोर्ट” संकलित की गई है।

हमारे सैंकड़ों पुरातन छात्र जो पूरे विश्व में विभिन्न व्यवसायों में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। उनमें से हमने केवल उन पुरातन छात्रों को शामिल किया है, जिनकी प्रोफाइल प्राप्त की जा सकी और जो मठवासी संस्थानों, शैक्षणिक और सांस्कृतिक संस्थानों, सार्वजनिक सेवाओं और विश्व भर के विभिन्न बौद्ध केन्द्रों में में उत्कृष्ट सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।



2. केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पुरातन छात्रों द्वारा लिखित, संपादित, पुनरुद्धारित और अनूदित पुस्तकों और शोध पत्रों की संकलित सूची।

30 दिसम्बर, 2023 से 3 जनवरी, 2024 : केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पुरातन छात्रों द्वारा लिखित, संपादित, पुनरुद्धारित और अनूदित पुस्तकों और शोध पत्रों का भौतिक प्रदर्शन बोधगय, बिहार में आयोजित किया गया था, जब विश्व के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग एक लाख लोग परम पावन दलाई लामा जी के प्रवचन में भाग लेने के लिए एकत्रित हुए थे।

3. पिछले पाँच दशकों में प्रो. समदोंग रिनपोछे जी द्वारा प्रदत्त उपदेश और व्याख्यान का ऑडियो और वीडियो प्रारूप में संरक्षित है, लेकिन वे विश्व भर में बिखरे हुए हैं। प्रो. एस रिनपोछे जी के उपदेश और व्याख्यान “बौद्ध और तिब्बती अध्ययन का एक लघु संक्षिप्त विश्वकोश(=मिनी-कॉम्पैक्ट इनसाइक्लोपीडिया) है। प्रो. एस. रिनपोछे की उपदेशों और व्याख्यानों की बढ़ती मांग और रुचि को ध्यान में रखते हुए हमने ऑडियो और वीडियो प्रारूप में उपलब्ध सभी उपदेशों और व्याख्यानों को एकत्रित करने का कार्य अपने हाथ में लिया है। सैमसंग एसएसडी 10 टीबी में संरक्षित प्रो. एस. रिनपोछे जी के उपदेशों का सबसे बड़ा संग्रह, हमें इच्छुक छात्रों, पुरातन छात्रों और शिक्षाविदों को प्रस्तुत करते हुए खुशी हो रही है।

सामग्री की आसान पहुंच को ध्यान में रखते हुए प्रो. एस. रिनपोछे जी के उपदेशों की एक व्यापक सूची संकलित की गई है, जिसे उपर्युक्त सैमसंग एसएसडी 10 टीबी में संरक्षित किया गया है। उपदेशों की सामग्री को विस्तृत उपश्रेणियों और शीर्षक आईडी कोड के साथ निम्नलिखित 7 व्यापक विषयों में वर्गीकृत किया गया।

1. बौद्ध धर्म और बौद्ध दर्शन पर उपदेश और व्याख्यान
2. केन्द्रीय तिब्बती प्रशासन की शिक्षा नीति पर व्याख्यान
3. तिब्बती सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों से सम्बन्धित व्याख्यान
4. परम पावन दलाई लामा जी, जे. कृष्ण मूर्ति और गाँधीवादी दर्शन पर व्याख्यान
5. केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान से संबंधित मामलों/मुद्दों पर व्याख्यान और वार्ता
6. प्रो. एस. रिनपोछे जी के व्यक्तिगत जीवन वृत्तांत से सम्बन्धित वार्ता
7. विविध विषय



प्रो. एस रिनपोछे जी के उपदेशों और व्याख्यानों की ऑडियो और वीडियो सूची



इन 10टीबी हार्ड ड्राइव में एकत्रित और संरक्षित प्रो. एस रिनपोछे जी के उपदेश एवं व्याख्यान का ऑडियो और वीडियो ।

दिनांक 07.02.2023 को आयोजित केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पुरातन छात्र के आम बैठक में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के पुरातन छात्र समिति की 5वीं कार्यकारी समिति के सदस्यों का चुनाव किया गया ।

क्र.सं.	नाम	स्थान	पद
1.	प्रोफेसर जम्पा समतेन	वाराणसी	अध्यक्ष
2.	डॉ. लोबसंग दोर्जे रबलिङ	वाराणसी	उपाध्यक्ष
3.	डॉ. ल्हकपा छेरिंग	वाराणसी	महासचिव
4.	सुश्री. तेनजिन छोमो	वाराणसी	सहायक सचिव
5.	श्री चोडा छेरिंग	वाराणसी	कोषाध्यक्ष
6.	श्रीमती कलसंग वडमो	वाराणसी	सहायक कोषाध्यक्ष
7.	श्रीमती छिमे छोमो	वाराणसी	सदस्य
8.	प्रो. पेन्पा दोर्जे	बेलाकोपा	सदस्य
9.	डॉ. टाशी तोपज़ल	कनाडा	सदस्य
10.	डॉ. नवांग येशे	लद्दाख	सदस्य
11.	डॉ. देछेन दोर्जे	कनाडा	सदस्य

II. राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

15 जून, 2023 : माननीय कुलपति महोदय के आदेशानुसार केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी की राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिनांक 15.6 2023 को अपराह्न 2.30 बजे से राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया । उक्त कार्यशाला का उद्घाटन एवं अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. सुनीता चन्द्रा द्वारा किया गया । कार्यशाला के प्रथम सत्र में डॉ. सत्य प्रकाश पाल, सहा. प्रोफेसर, हिंदी विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा **राजभाषा के रूप में हिंदी-समस्याएँ एवं समाधान विषय** पर महत्वपूर्ण एवं विस्तृत चर्चा की गयी । इसी प्रकार द्वितीय सत्र में डॉ. विचित्रसेन गुप्ता, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, द्वारा **राजभाषा की तिमाही रपट, वार्षिक रपट एवं**

संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली विषय पर बिन्दुवार चर्चा की गयी एवं बताया गया कि धारा-3(3) का अनुपालन आवश्यक है एवं इसमें किसी प्रकार की छूट नहीं है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य सचिव, रा.का.स. एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री दीपंकर द्वारा किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

27 जून, 2023 : उक्त बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम- वर्ष 2023-24 पर व्यापक चर्चा हुई। बैठक में माननीय कुलपति महोदय ने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आदेशित किया। इसके साथ ही राजभाषा तिमाही रपट एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली के विभिन्न मर्दों पर गंभीर चर्चा हुई। माननीय कुलपति महोदय ने निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए व्यापक कार्यक्रम बनाने का आदेश दिया। साथ ही संस्थान के सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों को अपना अधिकाधिक सरकारी कार्य हिंदी में करने के लिए निदेशित किया।

अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन

14-15 सितम्बर, 2023 : माननीय गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार की अध्यक्षता में पूना (महाराष्ट्र) में हिंदी दिवस एवं तीसरे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें संस्थान से डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य सचिव, रा.का.स. एवं श्री भगवान पाण्डेय, राजभाषा परामर्शी ने भाग लिया।

राजभाषा सप्ताह समारोह-2023 का आयोजन (दिनांक 25 सितम्बर, 2023 से दिनांक 30 सितम्बर, 2023 तक)

संस्थान से सामान्य रूप से राजभाषा सप्ताह समारोह का आयोजन हिंदी दिवस अर्थात् 14 सितम्बर से किया जाता है, परन्तु गृह मंत्रालय के आदेशानुसार हिंदी दिवस एवं तीसरे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन का आयोजन 14 एवं 15 सितम्बर, 2023 को पूना (महाराष्ट्र) में किया गया। तदुपरान्त संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा दिनांक 25 सितम्बर, 2023 से दिनांक 30 सितम्बर, 2023 तक संस्थान में राजभाषा सप्ताह समारोह आयोजित किया गया, जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए:-

हिंदीमय वातावरण तैयार करने एवं प्रेरणाप्रद वातावरण बनाने के उद्देश्य से राजभाषा सप्ताह समारोह के शुभारम्भ से दो दिन पूर्व ही प्रमुख विद्वानों एवं राजनेताओं के हिंदी विषयक विचारों की स्टैंडी बनवाकर आकर्षक ढंग से संस्थान के सभी प्रमुख भवनों के प्रवेश द्वार पर प्रदर्शित कर दिया गया तथा राजभाषा सप्ताह का बैनर भी लगवाए गए।

राजभाषा सप्ताह समारोह का उद्घाटन एवं संगोष्ठी

25 सितम्बर, 2023 : माननीय कुलपति प्रो. वड्डुगु दोर्जे नेगी द्वारा राजभाषा सप्ताह का उद्घाटन किया गया। उक्त अवसर पर राजभाषा संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. हरिकेश सिंह, पूर्व कुलपति, जे. पी. विश्वविद्यालय, छपरा उपस्थित रहे। संगोष्ठी में हिंदी का अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप और चुनौतियाँ विषय पर मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. रामसुधार सिंह पूर्व विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, यू.पी. कालेज, वाराणसी एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में श्री राजेश गौतम, कार्यक्रम प्रभारी (आकाशवाणी एवं दूरदर्शन), वाराणसी ने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति महोदय ने कहा कि हिंदी का प्रयोग उत्तरोत्तर विकास के पथ पर अग्रसर है एवं आज बाजारवाद के युग में हिंदी शीघ्र ही विश्वभाषा के रूप में उभरकर सामने आएगी। कार्यक्रम में स्वागत संबोधन संस्थान की कुलसचिव डॉ. सुनीता चन्द्रा, संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य सचिव, रा.का.स. एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री दीपंकर द्वारा किया गया।

राजभाषा कार्यशाला का आयोजन

26 सितम्बर, 2023 : संस्थान के उप कुलसचिव डॉ. हिमांशु पाण्डेय की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर श्री चन्द्र मोहन तिवारी, सेवानिवृत्त राजभाषा अधिकारी, सीएसआईआर, लखनऊ ने राजभाषा के प्रयोग में आने वाली समस्याएँ एवं समाधान विषय पर तथा प्रो. निरंजन सहाय, विभागाध्यक्ष, हिंदी

विभाग, महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी ने **राजभाषा नीति का ऐतिहासिक महत्व** विषय पर विस्तार से चर्चा की एवं दोनों वक्ताओं ने अन्य भाषाओं के प्रचलित मूल शब्दों को यथास्थिति लिप्यंतरित कर उन्हें ग्रहण करने के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उप कुलसचिव डॉ. हिमांशु पाण्डेय ने उल्लेख किया कि हिंदी में काम करना सरल है, केवल अभ्यास की आवश्यकता है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुशील कुमार सिंह, स्वागत संबोधन श्री आर. के. मिश्रा एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री भगवान पाण्डेय द्वारा किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

27 सितम्बर, 2023 : अपराह्न 2.30 बजे माननीय कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम कुलसचिव डॉ. सुनीता चन्द्रा ने नवगठित राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सदस्यों का स्वागत किया। बैठक में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम 2023-24 में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। माननीय कुलपति महोदय ने सदस्यों को अधिकाधिक सरकारी कार्य हिंदी करने हेतु निदेशित किया। बैठक में तिमाही रपट के मर्दों एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली के मर्दों पर भी चर्चा हुई। अध्यक्ष महोदय ने लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए आदेशित किया। कार्यक्रम की सम्पूर्ण कार्रवाई पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन के माध्यम से राजभाषा परामर्शी श्री भगवान पाण्डेय द्वारा किया गया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन

28 सितम्बर, 2023 : संस्थान की कुलसचिव डॉ. सुनीता चन्द्रा की अध्यक्षता एवं डॉ. रामसुधार सिंह, डॉ. रमेश चन्द्र नेगी एवं श्री प्रमोद सिंह के निर्णायकत्व में **उच्च शिक्षा का माध्यम पूर्णतः हिंदी में होना देश हित में है अथवा नहीं है? (पक्ष/ विपक्ष)** विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

उक्त प्रतियोगिता में संस्थान के कार्मिकों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया एवं प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार की घोषणा की गई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुशील कुमार सिंह, स्वागत संबोधन श्रीभगवान पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री प्रमोद सिंह द्वारा किया गया।

मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

29 सितम्बर, 2023 : डॉ. सुनीता चन्द्रा, कुलसचिव की अध्यक्षता एवं डॉ. हिमांशु पाण्डेय, श्री आर. के. मिश्रा तथा डॉ. ताशी दावा के निर्णायकत्व में मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें श्री भगवान पाण्डेय, राजभाषा परामर्शी द्वारा राजभाषा हिंदी, संस्थान से संबंधित प्रश्नों के साथ-साथ सम-सामयिक विषयों पर प्रश्न पूछे गए तथा प्रथम, द्वितीय, तृतीय तथा सांत्वना पुरस्कार का निर्णय किया गया। स्वागत संबोधन- श्री भगवान पाण्डेय, संचालन- डॉ. सुशील कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शुचिता शर्मा द्वारा किया गया।



पुरस्कार वितरण एवं कवि सम्मेलन का आयोजन

30 सितम्बर, 2023 : प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी, माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता एवं प्रो.आनन्द वर्धन शर्मा, निदेशक, मानव संसाधन विकाश केन्द्र, काशी हिंदू विश्वविद्यालय के मुख्य आतिथ्य में पुरस्कार वितरण एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर मुख्य अतिथि ने बहुत ही आत्मीयता के साथ संस्थान परिवार एवं अपने संबंधों को अभिव्यक्त किया। साथ ही अपने पिता द्वारा लिखित बाल कविताओं का वाचन करते हुए अपने संस्मरण सुनाए। उन्होंने सभी भाषाओं के सम्मान पर बल देते हुए राजभाषा के प्रयोग पर बल दिया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में माननीय कुलपति महोदय ने अन्य भाषा के शब्दों को ग्रहण करते हुए हिंदी को समृद्ध करने एवं वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने पर बल दिया। कार्यक्रम में राजभाषा की विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले कार्मिकों को पुरस्कृत किया गया।

सप्ताह समारोह के समापन के अवसर पर एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें डॉ. अशोक सिंह, डॉ. प्रकाश उदय, डॉ. शबनम, डॉ. नसीमा निशा एवं श्री रामायण धर द्विवेदी ने काव्य पाठ किया। उक्त कार्यक्रम में स्वागत संबोधन- डॉ. अनुराग त्रिपाठी, संचालन- प्रो. रामसुधार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. हिमांशु पाण्डेय द्वारा किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

27 दिसम्बर, 2023 : अपराह्न माननीय कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम 2023-2024 में निर्धारित लक्ष्यों, तिमाही रपट के मर्दों एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली के मर्दों पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से चर्चा हुई। अध्यक्ष महोदय ने लक्ष्यों को शीघ्र पूरा करने का आदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, स्वागत संबोधन डॉ. सुशील कुमार सिंह एवं पावर प्वाइंट प्रस्तुति श्री भगवान पाण्डेय द्वारा किया गया।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

10 जनवरी, 2024 : राजभाषा कार्यान्वयन समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. वड्डुग दोर्जे नेगी की अध्यक्षता में अतिश सभागार में राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. राजेश लाल मेहरा, अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग, मध्य प्रदेश एवं विशिष्ट वक्ता के रूप में श्रीमती माधुरी यादव, अनुसंधान अधिकारी, जन जातीय कार्य विभाग इंदौर ने हिंदी को जनमत की भाषा बनाना, बगैर उनकी मातृभाषा को भूले, विषय पर विद्वतापूर्ण विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में स्वागत संबोधन डॉ. हिमांशु पाण्डेय, उप कुलसचिव, विषय प्रवर्तन डॉ. रामसुधार सिंह, पूर्व अध्यक्ष हिंदी विभाग, यू.पी. कालेज, वाराणसी, संचालन डॉ. अनुराग त्रिपाठी, सदस्य सचिव रा.का.स. एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री दीपंकर, निजी सचिव, कुलपति ने किया।

हिंदी कार्यशाला का आयोजन

23 मार्च, 2024 : राजभाषा कार्यान्वयन समिति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी द्वारा राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। उक्त कार्यशाला का उद्घाटन एवं अध्यक्षता कुलसचिव डॉ. सुनीता चन्द्रा द्वारा किया गया। उक्त अवसर पर प्रो. प्रभाकर सिंह, आचार्य, हिंदी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय ने राजभाषा हिंदी: भाषा की समावेशी संस्कृति तथा श्री भगवान पाण्डेय, राजभाषा परामर्शी ने राजभाषा नियम, अधिनियम एवं सांविधिक प्रावधान विषय पर विद्वतापूर्ण व्याख्यान दिया। कार्यशाला का संचालन डॉ. सुशील कुमार सिंह, स्वागत संबोधन डॉ. अनुराग त्रिपाठी एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री दीपंकर द्वारा किया गया।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

27 मार्च, 2024 : कुलसचिव महोदय की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में गृह मंत्रालय द्वारा जारी राजभाषा वार्षिक कार्यक्रम पर व्यापक चर्चा हुई एवं कुलसचिव महोदय ने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आदेशित किया। इसके साथ ही राजभाषा तिमाही रपट एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली के विभिन्न मुद्दों पर गंभीर चर्चा हुई एवं कुलसचिव महोदय ने पूरा करने के लिए व्यापक कार्यक्रम बनाने का आदेश दिया। साथ ही संस्थान द्वारा प्रकाशित की जाने वाली राजभाषा की वार्षिक गृह पत्रिका बोधिप्रभ के प्रकाशन के सम्बन्ध में चर्चा हुई।

कुलपति महोदय की शैक्षणिक गतिविधियाँ

प्रो. वङ्छुग दोर्जे नेगी

1.	20 से 21 अप्रैल 2023	अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ द्वारा नई दिल्ली में आयोजित वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन में भाग लिया।
2.	02 मई 2023	विशेषज्ञ सलाहकार समिति, बी.टी.आई., नई दिल्ली की बैठक में भाग लिया।
3.	03 से 04 मई 2023	परम पावन दलाई लामा ने धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में माननीय कुलपति को विशेष दर्शन प्रदान किया।
4.	20 से 22 मई 2023	हेमिस कल्चर एंड वेलफेयर सोसाइटी के निमंत्रण पर, माननीय कुलपति ने लेह, लदाख का दौरा किया और आगामी स्कूल के लिए पाठ्यक्रम और पाठ्यक्रम विकसित करने में अपने अनुभव साझा किए।
5.	11 से 13 सितम्बर 2023	भारतीय हिमालयी नालंदा बौद्ध परंपरा परिषद द्वारा कलिम्पोन (पश्चिम बंगाल) में आयोजित नालंदा बुद्धिज्म पर राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और एक बीज वक्तव्य प्रदान किया।
6.	18 सितम्बर 2023	पुरातत्व भवन, नई दिल्ली में संस्थान के कामकाज पर संयुक्त सचिव, संस्कृति मंत्रालय (पी.आर्ट्स) के साथ समीक्षा बैठक में हिस्सा लिया।
7.	21 नवम्बर 2023	नई दिल्ली में आयोजित बैठक में माननीय सचिव, संस्कृति मंत्रालय और माननीय संस्कृति मंत्री के निजी सचिव के साथ चर्चा की।
8.	15 दिसम्बर 2023	माननीय संस्कृति राज्य मंत्री की अध्यक्षता में नई दिल्ली में आयोजित हिंदी सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया।
9.	20 से 23 दिसम्बर 2023	अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ, नई दिल्ली द्वारा बोधगया में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संघ फोरम 2023 में भाग लिया।
10.	29 दिसम्बर 2023 से 01 जनवरी, 2024	बोधगया, बिहार में परम पावन दलाई लामा के प्रवचन और दीर्घायु प्रार्थना में भाग लिया।
11.	02 फरवरी, 2024	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन में आयोजित "एनईपी 2020 के कार्यान्वयन" पर मध्य क्षेत्र के कुलपति सम्मेलन में भाग लिया।
12.	05 फरवरी, 2024	विज्ञान भवन, नई दिल्ली में विशेष रूप से संस्कृति पर आयोजित संस्कृति विशिष्ट Vision@2047 पर बैठक में भाग लिया।

13.	12 फरवरी, 2024	महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, वाराणसी द्वारा आयोजित “भारतीय भाषाओं में सार और शिक्षण दर्शन की खोज” विषयक सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
14.	14 फरवरी, 2024	सार संस्थान द्वारा फेज-2 प्रेमचंद नगर, पांडेयपुर, वाराणसी में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
15.	15 फरवरी, 2024	बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित योगसाधना केंद्र के स्वर्ण जयंती महोत्सव में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया।
16.	25 फरवरी, 2024	आरा, बिहार में आयोजित बौद्ध भिक्षु धम्म छाया की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर शांति और अहिंसा पर अंतर्राष्ट्रीय धम्म छाया समागम में भाग लिया।
17.	वर्ष 2023-24	पुस्तक लेखन : 1. निबन्धावली (तिब्बती भाषा में), आई.एस.बी.एन.: 978-81-944714-8-6 पृष्ठ संख्या: 402 2. निबन्धावली (हिन्दी भाषा में), आई.एस.बी.एन.: 978-81-944714-9-3 No. of Pages: 324 3. मोतियों का हार (प्रश्न एवं उत्तर), आई.एस.बी.एन.: 978-81-944714-7-9 No. of Pages: 320

कुलसचिव की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. सुनीता चन्द्रा

1. 15 जून, 2023 – “राजभाषा के रूप में हिंदी: समस्याएँ एवं समाधान” तथा “राजभाषा की तिमाही रपट, वार्षिक रपट एवं संसदीय राजभाषा समिति की प्रश्नावली” विषय पर आयोजित कार्यशाला की अध्यक्षता की।
2. 27 जून, 2023 – राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया।
3. 03 अगस्त 2023 – केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान की गतिविधियों के संबंध में निदेशक, बीटीआई की अध्यक्षता में संस्कृति मंत्रालय, नई दिल्ली में आयोजित एक समीक्षा बैठक में भाग लिया।
4. 18 सितम्बर 2023 – केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान से संबंधित मुद्दों की समीक्षा करने के लिए संस्कृति मंत्रालय की संयुक्त सचिव (बीटीआई) की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में भाग लिया।
5. 25 सितम्बर, 2023 – राजभाषा सप्ताह 2023 के उद्घाटन समारोह में “हिन्दी का अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप और चुनौतियाँ” विषयक संगोष्ठी में स्वागत संबोधन।
6. 27 सितम्बर, 2023 – राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया।
7. 28 सितम्बर, 2023 – राजभाषा सप्ताह समारोह के अन्तर्गत आयोजित “उच्च शिक्षा का माध्यम पूर्णतः हिंदी में होना देश हित में है अथवा नहीं है? (पक्ष/ विपक्ष)” विषयक वाद-विवाद प्रतियोगिता में अध्यक्षता की।
8. 29 सितम्बर, 2023 – राजभाषा सप्ताह समारोह के अन्तर्गत आयोजित मौखिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की अध्यक्षता की।
9. 30 सितम्बर, 2023 – राजभाषा सप्ताह समारोह के समापन के अवसर पर उपाध्यक्षीय वक्तव्य दिया।

10. 27 दिसम्बर, 2023 – राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लेना एवं राजभाषा के प्रयोग प्रसार को बढ़ावा देने के संबंध में विचार व्यक्त किया।
11. 01 जनवरी, 2024 – केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के प्रतिनिधि के रूप में बोधगया में आयोजित परमपावन दलाई लामा के लिए दीर्घायु प्रार्थना समारोह में भाग लिया।
12. 10 जनवरी, 2024 – विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर आयोजित “हिन्दी को जनमत की भाषा बनाना, बगैर उनकी मातृभाषा के महत्व को भूले” विषयक कार्यशाला में उपाध्यक्षीय वक्तव्य दिया।
13. 11 जनवरी, 2024 – मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष के साथ केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में बैठक की।
14. 26 जनवरी, 2024 – डेयर शेल्टर होम, मवैया, सारनाथ, वाराणसी में ध्वजारोहण समारोह की अध्यक्षता की।
15. 30 जनवरी, 2024 – डेयर शेल्टर होम, मवैया, सारनाथ, वाराणसी के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुई।
16. 27 मार्च, 2024 – राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में भाग लिया।

उप कुलसचिव/निदेशक (प्रभारी), शि.शि. केन्द्र की शैक्षणिक गतिविधियाँ

डॉ. हिमांशु पाण्डेय

प्रकाशन

1. ग्राफीन स्कैफोल्ड्स : ए स्ट्राइकिंग अप्रोच टू कॉम्बैट डर्मेटोफाइटोसिस, नैनोमटेरियल्स 2023, 13(16), 2305.

निरीक्षण/समीक्षा बैठक

1. फार्मैसी काउंसिल ऑफ इंडिया, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की आवश्यकता के अनुसार विभिन्न फार्मैसी कॉलेजों का निरीक्षण किया।
2. सी.पी.सी.एस.ई.ए., भारत सरकार की समीक्षा बैठकें आयोजित कीं।

अतिरिक्त प्रशासनिक दायित्व

- निदेशक (प्रभारी), शिक्षक शिक्षण केंद्र, के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।
- ग्रन्थालय (प्रभारी), के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी।
- उप अपीलीय प्राधिकारी, केन्द्रीकृत लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली पोर्टल, के.उ.ति.शि.सं.।
- नोडल अधिकारी, नई वेबसाइट समिति, के.उ.ति.शि.सं.।

अन्य गतिविधियाँ

1. आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सी.बी.पी.) के पाठ्यक्रम निदेशक
2. 22 जुलाई 2023 - आई.एस.एफ. कॉलेज, मोगा, पंजाब में आई.एस.एफ.सी.पी. संवाद शृंखला के अन्तर्गत ‘आंख के अग्र भाग में नियंत्रित दवा वितरण के लिए नैनो-कण नेत्र प्रणाली’ पर आमंत्रित व्याख्यान दिया।
3. एम.एल.एन. मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
4. के.उ.ति.शि.सं. में #जी20#सिविल20 इंडिया 2023 कार्यक्रम के आयोजन सचिव।
5. चयन समितियों के सदस्य के रूप में कार्य किया।

नियुक्ति प्रकोष्ठ

आलोच्य वर्ष 2023-24 के दौरान 24 अस्थायी पदों पर भर्ती के लिए निम्नलिखित 13 विज्ञापन जारी किये गये। सभी विज्ञापित पदों की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2023-24 के दौरान 24 अस्थायी/संविदा कर्मचारी संस्थान में शामिल हुए।

क्र.सं.	विज्ञापन सं.	पद का नाम	पद की संख्या	विभाग का नाम	विज्ञापन तिथि
1.	CIHTS/Acad./Rectt./02/2023	अतिथि प्राध्यापक	1	कर्गुद सम्प्रदाय शास्त्र	14.06.2023
2.	CIHTS/Acad./Rectt./03/2023	अतिथि प्राध्यापक	2	गेलुग सम्प्रदाय शास्त्र	15.06.2023
3.	CIHTS/Adm./Rectt./05/2024	नर्स	1	सोवा-रिग्पा	11.01.2024
4.	CIHTS/Adm./Rectt./06/2024	शोध सहायक	1	कोश विभाग	19.01.2024
5.	CIHTS/Acad./Rectt./04/2024	अतिथि प्राध्यापक	1	एजुकेशन	31.01.2024
6.	CIHTS/Adm./Rectt./07/2024	कार्यालय सहायक	3	प्रशासन	04.03.2024
7.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	अतिथि प्राध्यापक	3	सोवा-रिग्पा	05.03.2024
8.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	मेडिकल ऑफिसर	4	सोवा-रिग्पा	05.03.2024
9.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	नर्स	2	सोवा-रिग्पा	05.03.2024
10.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	डिस्पेन्सर	2	सोवा-रिग्पा	05.03.2024
11.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	कार्यालय सहायक	1	सोवा-रिग्पा	05.03.2024
12.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	थैरेपिस्ट	2	सोवा-रिग्पा	05.03.2024
13.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	वार्ड-बॉय	1	सोवा-रिग्पा	05.03.2024
कुल			24		

आलोच्य वर्ष 2023-24 के दौरान CIHTS/Acad./Rectt./01/2023 द्वारा विज्ञापित 37 स्थायी पदों पर नियुक्ति हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों की छँटाई और स्क्रीनिंग कमेटी की बैठकें आयोजित करने की तैयारी भी की गई।

नियुक्ति प्रकोष्ठ के अधिकारी एवं कर्मचारियों का नाम

1. श्री आर.के. मिश्र, प्रभारी अधिकारी (नियुक्ति)
2. श्री एम.एल. सिंह, वरिष्ठ सहायक (नियुक्ति प्रकोष्ठ)
3. श्री अमित कुमार विश्वकर्मा, कार्यालय सहायक (नियुक्ति प्रकोष्ठ)
4. श्री मंतोष कुमार, विविध कार्य कर्मचारी

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, प्रत्येक मान्यता प्राप्त संस्थान को मान्यता के बाद गुणवत्ता बनाए रखने के उपाय के रूप में एक आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) स्थापित करना चाहिए। चूंकि गुणवत्ता में वृद्धि एक सतत प्रक्रिया है, इसलिए आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ संस्थान की प्रणाली का एक हिस्सा बन जाता है। इससे गुणवत्ता में विकास और निरंतर निगरानी की प्रक्रिया चलती रहती है, जिससे लक्ष्यों एवं उद्देश्यों को साकार किया जा सकता है।

15 अप्रैल, 2010 से राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) के मानक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुये, के.उ.ति.शि.सं.में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) की स्थापना की गई जो संस्थान के गुणवत्ता उन्नयन, प्रदर्शन, आकलन एवं मूल्यांकन के लिए निरंतर सफल प्रयास कर रहा है।

उद्देश्य

- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ का मुख्य उद्देश्य संस्थान के शैक्षणिक और प्रशासनिक प्रदर्शन में सुधार के लिए सचेत, सतत और उत्प्रेरक योजनाबद्ध क्रियान्वयन करने हेतु एक गुणवत्ता प्रणाली का विकास करना है।
- आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ बेहतर शिक्षण-प्रशिक्षण एवं उसके अधिगमजन्य अनुभव के विकास के लिए सभी हितधारकों के बीच उपयोगी सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।
- यह प्रकोष्ठ अपने से सम्बद्ध विभिन्न इकाइयों की समस्याओं के निवारण तंत्र के रूप में भी काम करता है।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

1. डॉ. महेश शर्मा	- समन्वयक, आई.क्यू.ए.सी.
2. डॉ. जसमीत गिल	- सदस्य सचिव, आई.क्यू.ए.सी.
3. श्री अमित कुमार विश्वकर्मा	- कार्यालय सहायक, आई.क्यू.ए.सी.

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ वार्षिक गतिविधि

1. 20 अप्रैल 2023 : IQAC, वसंता कॉलेज, वाराणसी में तैयारी के लिए प्रशिक्षण व्याख्यान दिया गया।
2. 06-09 मई, 2023 : संस्थान की गाइड लाइन एवं मानक अनुमोदित प्रारूप के अनुसार विद्यार्थियों का फीडबैक लिया गया।
3. 15-16 मई 2023 : आईक्यूएसी, नव नालंदा महाविहार विश्वविद्यालय, बिहार में शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रशिक्षण व्याख्यान दिए गए।
4. 04 जुलाई 2023 : श्री हरिकेश शरण का विशेष व्याख्यान एवं प्रेरक व्याख्यान, विषय- "अतिरिक्त कार्य करने से सामान्य लोग असाधारण बनने लगते हैं"।
5. 29 जुलाई 2023 : एसडब्ल्यूए द्वारा आयोजित के.उ.ति.शि.सं. में फ्रेशर्स ग्रीष्मकालीन अभियान में "के.उ.ति.शि.सं. और आईक्यूएसी के विभिन्न विभागों का परिचय" पर एक व्याख्यान दिया।
6. 11 अगस्त 2023 : सभी संकाय सदस्यों से एपीएआर रिपोर्ट एकत्र की जाती है।
7. 30 अगस्त 2023 : छात्रों के फीडबैक पर कार्यवाई रिपोर्ट तैयार की गई।
8. 05 सितम्बर, 2023 : आईक्यूएसी द्वारा आतिशा हॉल में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। संकाय सदस्यों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार दिए गए।
9. 05 सितम्बर, 2023 : शिक्षक दिवस पर प्रोफेसर हरीश चन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा "शिक्षक नेता के रूप में" विषय पर वार्ता का आयोजन किया गया।
10. 16 जनवरी, 2024 : आईक्यूएसी द्वारा आतिशा हॉल में ऑनलाइन निवेशक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन।
11. 2 मार्च 2024 : के.उ.ति.शि.सं. के अतिशा हॉल में बौद्ध डिजिटल संसाधन केंद्र (बीडीआरसी) के कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर जेन रोनिंस द्वारा डिजिटल मानविकी पर एक वार्ता का आयोजन किया गया।

शोध एवं विकास प्रकोष्ठ (आर. एण्ड डी.)

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के दिशा-निर्देशों और नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुसार केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में शोध और विकास प्रकोष्ठ तथ्य-परक और क्रियात्मक उन्मुख अनुसंधान पर ध्यान केन्द्रित करता है, जो सामाजिक-कल्याण की दिशा में उच्च-स्तरीय रचनात्मक, उत्पादक अनुसंधान के वातावरण का निर्माण करता है। यह विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को संचालित करता है जैसे परियोजनाओं के लिए सरकार और एजेंसियों को प्रस्ताव भेजने के लिए संकाय-सदस्यों को प्रोत्साहित करना, नवाचार के आधार पर छात्रों के लिए कौशल विकास कार्यक्रम संचालित करना और अंतर-विषयक शोध गतिविधियों को प्रोत्साहित करना। यह संस्थान में प्रस्तावित चार अनुसंधान विभागों को शोध पाठ्यक्रमों से जोड़ता है।

प्रो. वड्डुगु दोर्जे नेगी - कुलपति, निदेशक अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ
डॉ. महेश शर्मा - संयोजक, अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ

वार्षिक गतिविधि-

1. 14 दिसंबर 2023 : छह-मासिक प्रगति रिपोर्ट खुला सम्मेलन।
2. 14 दिसंबर 2023 : कुलपति द्वारा आतिशा हॉल में पीएचडी विद्वान आचार संहिता पुस्तिका का विमोचन।
3. 1 मई 2023 : अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की चौथी बैठक का आयोजन।
4. 07 अगस्त 2023 : अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ की 5वीं बैठक का आयोजन।
5. 18 जनवरी 2023 : अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ छठी बैठक का आयोजन।
6. 2-17 जनवरी 2024 : प्रोफेसर विलियम एडेलग्लास द्वारा "शोध तकनीक और अकादमिक लेखन" विषय पर शोधार्थियों के लिए दो सप्ताह लंबी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सूचना का अधिकार अधिनियम

सूचना का अधिकार अधिनियम (आर.टी.आई. एक्ट)- 2005 के अनुसार भारतीय नागरिकों को संस्थान के कार्यकलापों से सम्बन्धित सूचना प्रदान करने के लिए केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी प्रतिबद्ध है। संस्थान के कार्यकलापों में पारदर्शिता तथा जवाबदेही को बढ़ावा देने के उद्देश्य से संस्थान के अधीन सूचना को नागरिक हासिल कर सकें इसलिए सूचना का अधिकार की व्यावहारिक कारवाई की व्यवस्था का हर वांछित प्रावधान संस्थान ने किया है। संस्थान के लिए वर्ष 2023-24 सूचना का अधिकार अधिनियम की धारा 4 के तहत प्रकटीकरण की पारदर्शिता ऑडिट माह मई, 2024 में की गई है। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के उद्देश्यों की पूर्ति के लिए संस्थान द्वारा नियुक्त पदाधिकारी निम्नांकित हैं-

भाग 1 (नोडल अधिकारी)

क्र.सं.	नाम	पद	फोन नं.	ई-मेल	पत्राचार का पता
1	श्री राजेश कुमार मिश्र	नोडल अधिकारी, सुओ मोटो प्रकटीकरण एवं नोडल अधिकारी ऑन-लाइन आर.टी.आई.	0542-2586515 7080276699	rkmishra@cihts.ac.in	प्रलेखन अधिकारी शांतिरक्षित ग्रंथालय के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी

भाग 2 (प्रथम अपीलीय अधिकारी एवं केन्द्रीय जन सूचना अधिकारियों का विवरण)

क्र.सं.	नाम	प्रथम अपीलीय अधिकारी या केन्द्रीय जनसूचना अधिकारी	फोन नं.	ई-मेल	पत्राचार का पता
1.	डॉ हिमांशु पाण्डेय	प्रथम अपीलीय अधिकारी	0542-2585149 8318287410	droffice@cihts.ac.in	उपकुलसचिव के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी
2.	श्री सुनील कुमार	केन्द्रीय जनसूचना अधिकारी	0542-2581031 7007270180	cpio@cihts.ac.in	सहायक कुलसचिव के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी

भाग 2 – संबंधित कार्यालय सहायक – श्री सुधृति विश्वास

सूचना का अधिकार के अर्न्तगत प्राप्त आवेदन पत्र का विवरण इस प्रकार है:-

1. प्राप्त सूचना का अधिकार आवेदनों की संख्या - 20
2. सूचना का अधिकार आवेदन का निपटारा - 20
3. उत्तर देने से इनकार - 00

सूचना का अधिकार के अर्न्तगत प्राप्त प्रथम अपीलीय अधिकारी के आवेदन पत्र का विवरण इस प्रकार है:-

1. प्राप्त प्रथम अपीलीय अधिकारी आवेदनों की संख्या - 02
2. प्रथम अपीलीय अधिकारी आवेदन का निपटारा - 02
3. उत्तर देने से इनकार - 00

इंजीनियरिंग अनुभाग

अनुभाग अधिकारी एवं कर्मचारी

1. डॉ. हिमांशु पाण्डेय	प्रभारी, इंजीनियरिंग अनुभाग
2. श्री मनोज कुमार कुशवाहा	सहायक अभियंता (सिविल)
3. श्री कपिल दीक्षित	कनिष्ठ अभियंता (विद्युत)
4. श्री राजीव रंजन सिंह	वरिष्ठ सहायक

वर्ष 2023-2024 के दौरान निष्पादित सिविल कार्यों का विवरण:-

1. संस्थान के फुटबॉल मैदान के बाड़ा लगाने (फेंसिंग) का कार्य।
2. मवईया गांव में संस्थान के बास्केटबॉल कोर्ट के पीछे बाउंड्री वॉल का कार्य।
3. संस्थान में बुद्ध एवं पांच शिष्यों की मूर्ति का अनावरण।
4. संस्थान में टाइप I आवास के सीवेज लाइन की मरम्मत का कार्य।
5. संस्थान द्वारा के.लो.नि.वि.(सीपीडब्ल्यूडी) को मृगरमाता भोजनालय परियोजना का निर्माण कार्य सौंपा गया।

वर्ष 2023-2024 के दौरान निष्पादित विद्युत कार्यों का विवरण:-

1. संस्थान की आवासीय कॉलोनी में टाइप 3 (एक इमारत) और टाइप 4 (एक इमारत) के विद्युत क्षरण की जाँच।
2. संस्थान के वाटर डिस्पेंसरों की मरम्मत और सर्विसिंग।

3. संस्थान के एयर कंडीशनरों की मरम्मत और सर्विसिंग।
4. संस्थान में यूपीएस सिस्टम के साथ लगी बैटरियों की सर्विसिंग।
5. संस्थान के मुख्य वितरण पैनल की मरम्मत का कार्य।
6. वायरिंग और उपकरणों/उपस्करों की मरम्मत के लिए विद्युत सामग्री और सहायक उपकरण की खरीद।
7. एएमसी के अन्तर्गत डीजी रखरखाव और सर्विसिंग का काम।
8. एएमसी के तहत 1000 केवीए 33 केवी/415 वी ट्रांसफार्मर का रखरखाव और सर्विसिंग का कार्य।
9. माया देवी छात्रावास के नए भवन की छत पर जी आई पोल के साथ रूफ टॉप एलईडी लाइट की स्थापना।
10. संस्थान के भोजनालय सह रसोईघर के लिफ्ट (मेस कम किचन एलिवेटर) की मरम्मत।

V. छात्रों की गतिविधियाँ

1. छात्र कल्याण समिति (एस. डब्ल्यू. ए.)

संस्थान के विद्यार्थियों के सामुदायिक कार्य संस्थान के नियमानुसार छात्र-कल्याण परिषद (एस. डब्ल्यू. ए.) द्वारा संचालित किए जाते हैं। इस परिषद की स्थापना 1972 में हुई थी। इसके द्वारा छात्रों के सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों में जागरूकता तथा इस दिशा में कार्य करने के लिए अवसर प्रदान किया जाता है। इसके सदस्यों का चुनाव प्रतिवर्ष लोकतांत्रिक ढंग से किया जाता है। वर्तमान 51वीं छात्र-कल्याण परिषद के पदाधिकारी निम्नलिखित हैं-

क.सं	नाम	पद	कक्षा
1.	तेनजिन लहुन्दुप	अध्यक्ष	आचार्य, प्रथम
2.	सांग्ये डक्पा	उपाध्यक्ष	बी.एड, प्रथम
3.	तेनजिन सेल्डन	सचिव	आचार्य, प्रथम
4.	समतेन शेरप तमंग	कोषाध्यक्ष	आचार्य, प्रथम
5.	ऐंग दोर्जे शेरपा	सहायक कोषाध्यक्ष	शास्त्री, तृतीय
6.	फुर्बू दोर्जे	शिक्षा सचिव	आचार्य, द्वितीय
7.	नीमा दोर्जे डोलू	खेल प्रभारी	आचार्य, प्रथम
8.	छेरिंग टशी	चिकित्सा प्रभारी	आचार्य, प्रथम
9.	छेरिंग युमछो	संस्कृति सचिव	आचार्य, प्रथम
10.	वांगछिन गोम्पो	पी. आर. आई.	बी.ए. बी.एड, तृतीय वर्ष

परिषद् के उद्देश्य

- विद्यार्थियों के कल्याण तथा ज्ञानवर्धन के निमित्त संसाधनों का प्रबंध करना।
- अतिरिक्त कक्षाओं, वाद-विवाद प्रतियोगिताओं, शिविरों, कार्यशाला आदि के आयोजन द्वारा विद्यार्थियों में रचनात्मक अभिरुचि एवं स्वस्थ शैक्षणिक परिस्थिति पैदा करना।
- विख्यात भारतीय एवं विदेशी विद्वानों को निमंत्रित कर वाक्यांश संपन्न कराना।
- विद्यार्थियों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ उपलब्ध कराना।

- यक्ष्मा एवं अन्य गंभीर रोगों से पीड़ित विद्यार्थियों को चिकित्सा हेतु आर्थिक सहायता की व्यवस्था कराना।
- छात्रों को इंटरनेट में शिक्षा, स्वास्थ्य एवं टेक्नोलॉजी आदि विषयों के प्रति जागरूकता का प्रचार-प्रसार कराना।
- संस्थान के शैक्षणिक एवं पर्यावरण के विकास के लिए छात्रों के सुझावों का संकलन कराना।

गतिविधियाँ-

1. केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के 51वें छात्र कल्याण समिति ने 1 अप्रैल, 2023 से अपनी सेवा शुरू कर दी।
2. अप्रैल, 2023 - केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के छात्रों और संकायों द्वारा परम पावन 14वें दलाई लामा के पक्ष में शांति मार्च निकाला। जैसा कि मीडिया ने परम पावन के विरुद्ध निराधार आरोप लगाया था।
3. 25 अप्रैल 2023 - परम पावन पंचेन लामा की जयंती पर, छा.क.स. ने परम पावन पंचेन लामा की जीवनी और प्रभावशाली आंदोलनों पर 3 वीडियो पोस्ट किए।
4. 28 अप्रैल 2023 - छा.क.स. की देखरेख में वरिष्ठ छात्रों का विदाई समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
5. 20 मई - 21 जून, 2023 - एक महीने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के छात्रों को पढ़ाने के लिए 5 छात्रों को नेपाल, ओडिशा और कोल्लेगल बस्तियों में भेजा गया।
6. 14 जून, 2023 - 8 गर्म और ठंडे डिस्पेंसर सफलतापूर्वक स्थापित किए गए। और 11 पानी के डिस्पेंसर की मरम्मत की गई।
7. 6 जुलाई 2023 - परम पावन दलाई लामा की जयंती मनाने के लिए छा.क.स. द्वारा परम पावन की उपलब्धियों और जीवन इतिहास पर आधारित एक ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। छा.क.स. द्वारा छात्र बास्केटबॉल टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।



8. 21 जुलाई 2023 - बुद्ध द्वारा अपने पांच शिष्यों को चार आर्य सत्त्यों के पहले उपदेश के इस बहुत ही शुभ दिन पर, जिन्हें व्यापक रूप से धर्म चक्र के रूप में जाना जाता है के अवसर पर छा.क.स. ने भोजन प्रबंध के तत्वावधान में "कंग्युर और तंग्युर के महत्व" पर गेशे बेरी जिम्मे के व्याख्यान का आयोजन किया गया।
9. 28-29 जुलाई 2023 - नए छात्रों के लिए दो दिवसीय फ्रेशर्स समर कैंपेन का आयोजन किया गया।
10. 8-15 अगस्त 2023 - छा.क.स. की देखरेख में एल.एम. जोशी फुटबॉल टूर्नामेंट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

11. 18 अगस्त 2023 - छा.क.स. के सदस्यों तथा जिडमा संप्रदाय के छात्रों के अनुरोध पर आदरणीय पलसांग धारगे ने कई दिनों तक शोध पद्धति और उद्घरण विधियों पर कक्षा आयोजित की।
12. 21 अक्टूबर से 4 नवंबर, 2023 - कलिम्पोंग, दार्जिलिंग और सिक्किम का वरिष्ठ शैक्षणिक यात्रा।
13. 5 नवंबर, 2023 - महामहिम समदोंग रिनपोछे की जयंती मनाने और अपना आभार व्यक्त करने के लिए छा.क.स. ने ड्राइंग प्रतियोगिता, कविता लेखन का आयोजन किया और के.उ.ति.शि.सं. के पूर्व छात्र संघ के साथ मिलकर, 'परम पावन 14वें दलाई लामा द्वारा धर्मनिरपेक्ष नैतिकता पर तीन मौलिक ग्रंथों पर छात्र संगोष्ठी : एक संकल्पनात्मक विश्लेषण' का आयोजन किया।
14. 21-22 नवंबर, 2023 - छा.क.स. ने तिब्बती कैंसर सोसाइटी के साथ मिलकर एक कैंसर जागरूकता जाँच शिविर का आयोजन किया।
15. 28 दिसंबर 2023 - 1 जनवरी 2024 - छा.क.स. की देखरेख में के.उ.ति.शि.सं. के छात्रों ने परम पावन दलाई लामा के धार्मिक उपदेशों में भाग लिया।
16. 15 जनवरी से 26 जनवरी 2024 - छा.क.स. ने भारतीय गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में अंतर-कक्षा फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया।
17. 10 जनवरी, 2024 - छा.क.स. ने तिब्बती स्वतंत्रता सेनानी श्री तेनजिन सोंडु द्वारा 'हिमालय और तिब्बत' पर एक भाषण का आयोजन किया।
18. 22 जनवरी, 2024 - छा.क.स. ने रिलैब एसोसिएशन के सहयोग से संभोट भवन में जोंगसर प्रो. तेलनक लोडो पलसांग और तिब्बती साहित्य विभाग के पी.एच.डी. छात्र श्री दोर्जे क्याप द्वारा तिब्बती व्याकरण पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
19. 25 जनवरी, 2024 - छा.क.स. ने रिलैब के सहयोग से संभोट भवन में केंद्रीय बौद्ध अध्ययन संस्थान, लद्दाख के तिब्बती साहित्य के प्रो. आचार्य ताशी ग्यालपो द्वारा 'तिब्बती उपन्यास का परिचय और इसका विकास' पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।
20. 4 फरवरी, 2024 - बी.एस.आर.एम.एस. के चौथे वर्ष के छात्र लखपा दोर्जी लामा के मार्गदर्शन में 'तिब्बती हस्तलेखन कक्षा' का आयोजन संभोट भवन में किया गया।
21. 6 फरवरी, 2024 - छा.क.स. ने तिब्बती साहित्य के विद्वान आदरणीय लोबसांग चोएडक द्वारा 'तिब्बती कविता लेखन की तुकांत योजना और शब्दावली को समृद्ध करना' विषय पर एक ट्यूशन का आयोजन किया।
22. 16 फरवरी, 2024 - छा.क.स. ने अतीशा हॉल में 'ग्रीक साहित्य में स्वप्न की व्याख्या' पर प्रो. लॉरेंस वुडर द्वारा एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्रो. बेरी जिग्मे वांग्याल के निमंत्रण के कारण संभव हुआ।
23. 17-29 फरवरी, 2024 - छा.क.स. की देखरेख में सी.टी.ई. के वरिष्ठ छात्रों का दिल्ली, आगरा और राजस्थान की शैक्षणिक यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हुई।
24. 27-29 फरवरी, 2024 - वरिष्ठों का वार्षिक शीतकालीन अभियान सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
25. 1 मार्च, 2024 - छात्रों की सृजनशीलता को सशक्त बनाने के लिए 'तिब्बत और हिमालयी संस्कृति' पर एक चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई।
26. 7 मार्च, 2024 - आचार्य छात्रा पद्मा चोकडुप ने 'बोई-यिग एण्ड बी-ति (Boe-yig and B-ti)' की व्युत्पत्ति पर एक व्याख्यान दिया।

27. 10 मार्च, 2024 - छा.क.स. ने वाराणसी के आर.टी.डब्ल्यू.ए. और टी.वाई.बी.ए. के साथ मिलकर 65वें तिब्बती क्रांति दिवस मनाया और शब्दविद्या संकाय के डॉ. जसमीत गिल, बी.एड छात्र दावा क्याप और शास्त्री के पेमा चोएक्यी के व्याख्यान का आयोजन किया गया।
28. 15 मार्च, 2024 - छात्र कल्याण समिति ने छात्रों के साथ मिलकर पश्चिमी विचारधारा 'ISM' पर सीनियर स्टूडेंट का प्रस्तुतिकरण आयोजन किया।
29. 16 मार्च, 2024 - छात्र कल्याण समिति द्वारा आयोजित 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' विषयक साप्ताहिक कार्यशाला में डॉ. रामसुधार सिंह ने व्याख्यान दिया।
30. 21 मार्च, 2024 - छा.क.स. के शिक्षा सचिव ने तिब्बती, अंग्रेजी और हिंदी भाषा में टाइपिंग गति परीक्षण का आयोजन किया।

2. भोजन प्रबन्ध समिति (छात्र-संगठन)

परिचय

केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान में दो मुख्य छात्र निकाय हैं: छात्र कल्याण समिति (SWA) और भोजन प्रबंध समिति (MMC)। छात्र कल्याण समिति की प्राथमिक भूमिका छात्रों के लिए शिक्षा और खेल से संबंधित विभिन्न कार्यक्रमों को व्यवस्थित करना और अवसर प्रदान करना है।

भोजन प्रबंध समिति संस्थान की भोजन सेवाओं के प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। समिति में दस कार्यकारी सदस्य होते हैं, जिनमें से प्रत्येक की विशिष्ट भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ होती हैं। इन कार्यकारी सदस्यों का कार्यकाल एक वर्ष का होता है, और प्रत्येक कार्यकाल के अंत में, संप्रदाय के अध्यक्ष और छात्र संकायाध्यक्ष के समक्ष नये कार्यकारी सदस्यों का चुनाव किया जाता है। चुनाव प्रक्रिया में पाँच अलग-अलग संप्रदाय (साक्या, जिडमा, गेलुग, कर्ग्युद, युंगडुंग बोन) और बी.एड अनुभाग शामिल होते हैं। चार प्रमुख संप्रदायों में से प्रत्येक से दो सदस्य एवं एक युंगडुंग बोन से और एक बी.एड अनुभाग से चुने जाते हैं।

छात्र भोजन प्रबंध समिति द्वारा सभी छात्रों का भोजन प्रबंध किया जाता है। इस समिति में कुल 10 सदस्य हैं, जो भिन्न-भिन्न संप्रदायों का प्रतिनिधित्व करते हैं। वर्तमान में कार्यरत समिति 43वीं है। इस समिति का मुख्य लक्ष्य छात्रों को पौष्टिक भोजन प्रदान करना, समस्त छात्रवास के निर्धारित नियमों तथा स्वच्छता की देख-रेख करना है। वर्तमान छात्र भोजन प्रबंध समिति के सदस्य इस प्रकार हैं:-

क.सं	नाम	पद	कक्षा
1.	कर्मा तेनजिंग भूटिया	कोषाध्यक्ष	शास्त्री, तृतीय
2.	नमग्ये खाण्डू	सहायक-कोषाध्यक्ष	शास्त्री, तृतीय
3.	आयुषी देवी	सचिव	आचार्य, प्रथम
4.	तेनजिन जिम्बा	सहायक सचिव	शास्त्री, तृतीय
5.	विक्रमजीत	रसोई प्रभारी	शास्त्री, तृतीय
6.	यारफेल बसनेट	कोटेशन प्रभारी	एम.एफ.ए., प्रथम
7.	गोनपो छेरिंग गुरुंग	सदस्य	बी.एस.आर.एम.एस., द्वितीय
8.	दावा पामो	सदस्य	आचार्य, प्रथम
9.	लोब्संग छोटन	सदस्य	आचार्य, प्रथम
10.	तेनजिन नोरसंग	सदस्य	बी.ए.बी.एड, तृतीय

भोजन प्रबन्ध समिति के मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- छात्रावासों में रहने वाले सभी छात्रों के लिए पौष्टिक और स्वस्थ भोजन की व्यवस्था करना।
- छात्रावास और उसके परिसर की साफ-सफाई सुनिश्चित करना।
- सभी छात्रों के लिए संस्थान के उचित नियमों और आचरणों को विनियमित करना।
- सभी छात्रों को प्रतिवर्ष छात्रावास के कमरे आवंटित करना।
- सभी छात्रों और कर्मचारियों के लिए वार्षिक तिब्बती नववर्ष का आयोजन करना।

गतिविधियाँ

1. 21 जुलाई 2023 : बुद्ध द्वारा अपने पांच शिष्यों को सारनाथ में ज्ञान प्राप्ति के बाद प्रथम उपदेश दिया गया, जिन्हें धर्मचक्र प्रवर्तन के नाम से जाना जाता है। इस शुभ दिन पर भोजन प्रबन्ध समिति एवं छात्र कल्याण समिति द्वारा "कंग्युर और तंग्युर के महत्व" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें गेशे बेरी जिग्मे द्वारा महत्वपूर्ण वक्तव्य दिया गया।
2. 23-24 जनवरी, 2024 : नए 42वें भोजन प्रबन्ध समिति के सदस्यों का चुनाव संप्रदाय के अध्यक्ष और छात्र संकायाध्यक्ष के समक्ष हुआ। चुनाव प्रक्रिया में पांच अलग-अलग संप्रदाय (साक्या, जिडमा, गेलुग, कर्ग्युद, युंगडुंग बोन) और बी.एड. अनुभाग शामिल हुए।
3. 10-12 फरवरी 2024 : संस्थान ने लोसर तिब्बती नववर्ष का भव्य त्योहार मनाया। भोजन प्रबन्ध समिति ने कर्मचारियों सहित सभी छात्रों को विशेष भोजन उपलब्ध कराने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान कीं। हमने उत्सव के दौरान अपने साथ शामिल होने के लिए बी.एच.यू. के कुछ छात्रों को भी आमंत्रित किया।



4. 27 फरवरी से 6 मार्च 2024 : वार्षिक मेस ऑडिट आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य मेस संचालन की समग्र गुणवत्ता, स्वच्छता और दक्षता का आकलन करना था। ऑडिट में खाद्य सुरक्षा मानकों, सफाई, इन्वेंट्री प्रबंधन और आहार संबंधी दिशानिर्देशों के पालन पर ध्यान केंद्रित किया गया। मेस सुविधाओं के सम्बन्ध में विस्तृत निरीक्षण किया गया, जिसमें भोजन तैयार करने और भंडारण तरीकों में सुधार के लिए सिफारिशें की गईं।
5. 11 मार्च 2024 : 41वीं भोजन प्रबन्ध समिति ने माननीय छात्र संकायाध्यक्ष और सभी छात्रों के समक्ष 41वीं और 42वीं एम.एम.सी. सदस्यों के बीच सहयोग से तैयार ऑडिट रिपोर्ट को अंतिम रूप देने की घोषणा की।
6. 28 मार्च 2024 : 42वीं एम.एम.सी. सदस्यों ने आदरणीय प्रो. समदोंग रिनपोछे की यात्रा के दौरान बाहर से आए सभी प्रतिनिधिमंडलों, कर्मचारियों और छात्रों के लिए दोपहर के भोजन की एक विशेष व्यवस्था की गयी।

3. रिग्-लब छात्र पत्रिका का प्रकाशन एवं कार्यशाला का आयोजन

वर्नाई-रिगलब एक स्वतंत्र छात्रों का संपादकीय बोर्ड है जिसका उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक कौशल का विकास और तिब्बती संस्कृति और भाषा का संरक्षण है। हर साल, हम कार्यशाला, निबंध प्रतियोगिता आयोजित करते हैं और एक वार्षिक पत्रिका प्रकाशित करते हैं।

वर्नाई-रिग्-लब के वर्तमान सदस्य इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	नाम	पदनाम
1.	सोनम चोके	संपादक
2.	तेनज़िन ल्हुन्दुप	सहायक संपादक
3.	तेनज़िन नोरसांग	सचिव
4.	लाखचुंग गुरुंग	कोषाध्यक्ष
5.	छुलटिम शेरप लामा	सहायक कोषाध्यक्ष
6.	छेरिंग टशी	बोर्ड सदस्य
7.	टशी गोम्पो	बोर्ड सदस्य
8.	सरिता देवी	बोर्ड सदस्य

गतिविधियाँ-

- 4 नवंबर, 2023 : महामहिम प्रोफेसर समदोंग रिनपोछे के जन्मदिन समारोह के अवसर पर भिक्षु लोबसंग छोडक द्वारा "द काइन्डनेस ऑफ क्याब्जे लोपोन समदोंग रिनपोछे इन द एफर्ट्स टुवर्ड्स प्रिजर्विंग टिबेटन एजुकेशन इन एक्साइल" विषय पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया। इस व्याख्यान को वीडियो के माध्यम से साझा किया गया।
- 13 जनवरी, 2024 : वर्नाई-रिग्-लब के वर्तमान संपादकीय बोर्ड के सदस्यों की भर्ती की घोषणा की गई।
- 22 जनवरी, 2024 : छात्र कल्याण समिति के सहयोग से भाषा विज्ञान पर एक व्याख्यान आयोजित किया गया।
- 25 जनवरी, 2024 : छात्र कल्याण समिति के सहयोग से आचार्य टशी ग्यलपो ने "द नेचर एण्ड इवोल्यूशन ऑफ टिबेटन लॉन्ग फिक्शन" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 31 जनवरी, 2024 : "तामग्युद सेरतांग की विषय-वस्तु और इसके नए संपादन का उद्देश्य" पर सह-आचार्य लोबसंग दोर्जे रबलिंग ने सभी कक्षाओं के छात्रों को व्याख्यान दिया।
- 11 मार्च, 2024 : रिग्-लब के संगठन के तहत, इतिहास के सहायक आचार्य शावो तामडिंग ने "तिब्बती साम्राज्य के महान ऐतिहासिक दस्तावेजों का परिचय और प्राचीन ग्रंथों के संपादन के तरीके" पर एक व्याख्यान दिया।

4. नाट्य-कला छात्र संगठन

स्टूडेंट्स एसोसिएशन ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (एसएपीए) तिब्बत की वेशभूषा और संस्कृति को संरक्षित करने के लिए प्राथमिक लक्ष्य के साथ छात्रों द्वारा स्थापित एक लघु समिति है। जो SAPA छात्रों को उनकी सांस्कृतिक विरासत के बारे में अभ्यास करने और सीखने के अवसर प्रदान करती है। समिति अक्सर विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती है, न केवल दर्शकों को उनकी प्रतिभा से मनोरंजन करने के लिए बल्कि उन्हें तिब्बत की संस्कृति के बारे में शिक्षित करने के लिए भी। इसके अलावा, SAPA ने विभिन्न क्षेत्रों में आयोजित कई सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में गर्व से अपने संस्थान का प्रतिनिधित्व किया है, और अपने प्रदर्शन के लिए कई पुरस्कार अर्जित किए हैं। समुदाय में पाँच सदस्य होते हैं, जो पूर्व मध्यमा से उत्तरमध्यमा के कनिष्ठ छात्रों के बीच मतदान के माध्यम से चुने जाते हैं। सदस्य इस प्रकार हैं:

क्र. सं.	नाम	पदनाम	कक्षा
1	श्री नामग्याल खांडू	अध्यक्ष	शास्त्री द्वितीय
2	सुश्री छेरिंग छोमो	उपाध्यक्ष	शास्त्री द्वितीय
3	श्री तेनजिन नोरसांग	सचिव	शास्त्री द्वितीय
4	श्री बायर बुरुलोव	कोषाध्यक्ष	शास्त्री द्वितीय
5	सुश्री तेनजिन पेमा	सहायक कोषाध्यक्ष	बी.एस.आर.एम.एस. द्वितीय

गतिविधियाँ

- 2 सितंबर, 2023 : नाट्य-कला छात्र संगठन ने पूर्वमध्यमा एवं उत्तरमध्यमा के छात्रों के बीच सांस्कृतिक प्रतियोगिता आयोजित की।
- 3 सितंबर, 2023 : संगठन ने सभी प्रतिभाशाली और इच्छुक छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करने के लिए 'के.उ.ति.शि.सं. गॉट टैलेंट शो' आयोजित किया।
- 9-29 सितंबर, 2023 : काशी सांसद सांस्कृतिक महोत्सव में भाग लिया। हमने विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम-एकल गीत, समूह नृत्य, समूह गान आदि प्रस्तुत किए।
- 3 जनवरी, 2024 : बोधगया में प्रवचन के दौरान परम पावन 14वें दलाई लामा का स्वागत तिब्बती संस्कृति नृत्य ('ताशीशोपा') प्रस्तुत करके किया और हमने अपने संस्थान का प्रतिनिधित्व करने के लिए तिब्बती, हिमालयी और विदेशी पारंपरिक वेशभूषा पहनकर उन्हें 'खतग' भी भेंट किया।

5. समाजसेवा जनकल्याण स्वयंसेवक संघ

समाजसेवा जनकल्याण स्वयंसेवक संघ (VCSS) की स्थापना 1986 में हुई थी। हमारे संस्थान के दो शिक्षकों, आचार्य स्व. लोबसांग नोर्बू शास्त्री और उनके साथ, अब तक 37 साल हो चुके हैं, और वर्तमान में 37 कार्यकारी सदस्यों के साथ एक सलाहकार और अन्य सदस्यों के साथ है। सदस्य निम्नांकित हैं-

क्र.सं.	नाम	पद	कक्षा
1	नामगे खांडू	अध्यक्ष	शास्त्री द्वितीय
2	गुरुमे गुरुंग	कोषाध्यक्ष	शास्त्री प्रथम
3	शांति सुब्बा	सचिव	शास्त्री प्रथम
4	मिग्मार डोलमा	सहायक कोषाध्यक्ष	शास्त्री प्रथम

संक्षिप्त इतिहास

हमारे संस्थान का बाहरी पड़ोस ऐसे क्षेत्र में है जहां अधिकांश लोग सिगरेट, ड्रग्स और शराब के नशे में अडिगल होते हैं, इसलिए हमारे प्रोफेसर को लगा कि यह छात्रों पर प्रभाव डाल सकता है, इसलिये उन्होंने यह समिति बनाई। समदोंग रिनपोछे की मंजूरी के तहत, यह समुदाय 1986 में स्थापित किया गया था।

इस समिति का मुख्य उद्देश्य है:

- 1) हमारे संस्थान के छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी प्रदान करना।
- 2) सामाजिक गतिविधियों को प्रदान करना।
- 3) पर्यावरण की सुरक्षा करना।
- 4) उन लोगों को निरुत्साहित करना जो नशा, शराब और सिगरेट पीते हैं।

गतिविधियाँ:

- 1 अक्टूबर, 2023 : सारनाथ मंदिर की सफाई करके राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी और रीसाइक्लिंग के लिए बेकार प्लास्टिक की बोतलें और अन्य पुनर्चक्रणीय वस्तुओं को इकट्ठा करके पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय रूप से योगदान दिया।
- 20 जनवरी 2024 : समाजसेवा जनकल्याण स्वयंसेवक संघ ने हमारे छात्रों के साथ यू.एस.ए. के प्रतिष्ठित कॉलेजों के बीच एक आदान-प्रदान कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस बैठक के दौरान, यू.एस.ए. के विभिन्न कॉलेजों के छात्रों ने के.उ.ति.शि.सं. के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया और विभिन्न विषयों पर प्रस्तुतियाँ दीं।



अपने एक साल के कार्यकाल में हमने लगभग हर रविवार को सफाई की और अपने परिसर को साफ-सुथरा रखने की पूरी कोशिश की।

6. जानवरों के लिए वर्न स्वैच्छिक समिति

यह समिति 2018 में संस्थानीय स्वर्ण जयंती के दौरान भूतपूर्व छात्र रीनछेन लहनजे के मार्गदर्शन में शास्त्री द्वितीय वर्ष के छात्र अड् दोरजे शेर्पा और उनके कुछ मित्रों द्वारा स्थापित की गयी है। इस समिति के गठन का मुख्य उद्देश्य, घायल जानवरों को चिकित्सा इलाज देना है। जैसे आवारा कुत्ता एवं अन्य जानवर जो पालतू नहीं हैं। यह समिति जानवरों के हित के लिए कार्यरत है। वर्तमान में इसके सलाहकार गेशे नवाड तेनफेल जी हैं।

समिति के सदस्य:-

क.सं.	नाम	पद	कक्षा
1.	जडछुप छोमो	अध्यक्ष	शास्त्री प्रथम वर्ष
2.	पेमा टाशी	सदस्य	बी.ए.बी.एड, द्वितीय वर्ष
3.	तेनजिन छोइयिड	सदस्य	शास्त्री प्रथम वर्ष
4.	छेरिड वडछु	सदस्य	बी.ए.बी.एड, द्वितीय वर्ष

7. क्षेत्रीय तिब्बती महिला संघ

सदस्य:

1. तेनजिन चोएसांग (अध्यक्ष)
2. जंगचुप त्सोमो (सचिव)
3. सोनम चोके (कोषाध्यक्ष)
4. डोलमा त्सेरिंग (उपाध्यक्ष)

गतिविधियाँ-

2 नवंबर, 2023 - हमें त्याग की मूर्ति मिस्टर जामयांग तेनजिन का स्वागत करने का सम्मान मिला, जिन्होंने तिब्बत और इसकी वर्तमान स्थिति के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए अनेक यात्रा की है। सम्पूर्ण यात्रा साइकिल से की गई एवं वाराणसी और बोधगया में भी रुके।

10 मार्च, 2024 - तिब्बती क्रान्ति दिवस के अवसर पर वाराणसी के क्षेत्रीय तिब्बती महिला संघ (RTWA) ने केंद्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के छात्रों के साथ एक शांतिपूर्ण रैली में भाग लिया। मार्च का उद्देश्य जागरूकता फैलाना और दुनिया को इस ऐतिहासिक दिन पर हुई दुखद घटनाओं की याद दिलाना था। अपने कार्यों के माध्यम से, हम तिब्बतियों द्वारा सामना किए जा रहे संघर्षों पर ध्यान आकर्षित करना और उत्पीड़न के खिलाफ खड़े लोगों की स्मृति का सम्मान करना जारी रखना चाहते हैं। हमने तिब्बती स्वतंत्रता के संघर्ष में खुशी-खुशी अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुर नायकों और नायिकाओं को श्रद्धांजलि देने के लिए मोमबत्तियाँ भी जलाईं।

12 मार्च, 2024 - 12 मार्च, 1959 की घटनाएँ, जब ल्हासा में तिब्बती महिलाओं के एक समूह ने चीनी शासन के खिलाफ प्रदर्शन किया था। यह विरोध प्रदर्शन 10 मार्च को सामान्य तिब्बती विद्रोह शुरू होने के दो दिन बाद हुआ था। इसलिए 12 मार्च, 2024 को उत्पीड़न के खिलाफ खड़ी उन महिलाओं की याद में हमने उन महिलाओं के लिए मोमबत्ती जलाई, जिन्होंने तिब्बत देश की आजादी के लिए अपने बहुमूल्य जीवन का बलिदान दिया। उसके बाद, हमने छात्रों में तिब्बती महिला विद्रोह दिवस के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कक्षाओं के बीच एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की। हम सम्मान के रूप में प्रश्नोत्तरी के विजेता को पुरस्कृत करते हैं।

तिब्बती सांस्कृतिक संरक्षण के लिए मासिक सर्किल नृत्य

प्रत्येक महीने के दूसरे और तीसरे बुधवार को, हम तिब्बती संस्कृति का जश्न मनाने और उसे संरक्षित करने के लिए बास्केटबॉल ग्राउंड में एक सर्किल नृत्य का आयोजन करते हैं। यह सभा समुदाय के लिए एक साथ आने, हमारी समृद्ध विरासत को साझा करने और इसे युवा पीढ़ी तक पहुँचाने का अवसर प्रदान करती है। पारंपरिक नृत्य का आनंद लेने के साथ-साथ, प्रतिभागी शारीरिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हुए अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए एक मजेदार और सक्रिय तरीके से मिलते हैं। यह कार्यक्रम सामुदायिक बंधनों को मजबूत करता है और हमारी सांस्कृतिक परंपराओं को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित रखता है।

8. सोवा-रिग्पा छात्र परिषद (एस.एस.सी.)

एनसीआईएसएम, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के एमएसई और एमएसआर की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, प्रत्येक शैक्षणिक सत्र के लिए एक सलाहकार और पांच सदस्यीय छात्रों की समिति सोवा रिग्पा छात्र परिषद (एसएससी) का गठन करना अनिवार्य है। एसएससी के सदस्यों का चुनाव सोवा-रिग्पा विभाग के छात्रों द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से किया जा रहा है।

एसएससी के मुख्य उद्देश्य हैं:

- छात्रों को बौद्धिक ज्ञान में वृद्धि करने के लिए संसाधनों, सामग्रियों और सहायक उपकरण को उपलब्ध कराना।
- विशेष कक्षाओं, वाद-विवाद, अभियानों, शैक्षिक दौड़ों आदि जैसे पाठ्येतर कार्यक्रमों का आयोजन करके एक ज्ञानवर्धक मंच उपलब्ध करना।
- व्याख्यान एवं प्रशिक्षण हेतु देश और विदेश से प्रतिष्ठित विद्वानों को आमंत्रित करना।
- संस्थान के छात्रों के लिए रोग निवारण और सावधानी पर वार्ता और अभियान आदि चला कर सेवा प्रदान करना।
- छात्रों के शैक्षिक स्तर को बेहतर बनाने के लिए छात्रों से सुझाव और सलाह एकत्र करना।

प्रथम बार चयनित सदस्य-

1. डॉ. छिमी डोलकर	सलाहकार	अतिथि संकाय
2. भिक्षु सांग्ये जिग्मे लोडे	अध्यक्ष	बीएसआरएमएस चतुर्थ वर्ष
3. भिक्षु लख्या चेटे लामा	सचिव	बीएसआरएमएस तृतीय वर्ष
4. कुमारी त्सेवांग यूडॉन	सदस्य	बीएसआरएमएस चतुर्थ वर्ष
5. श्री तेनजिन त्सेवांग	सदस्य	बीएसआरएमएस द्वितीय वर्ष
6. श्री तेनजिन उर्गेन	सदस्य	बीएसआरएमएस प्रथम वर्ष



एससीसी की गतिविधियाँ:

- 1) 12 अप्रैल 2023 : डॉ. स्टीफन क्लूस, पीएच.डी. कार्यवाहक निदेशक (एशियाई स्वास्थ्य उद्योगों के विशेषज्ञ मेडिकल मानवविज्ञानी और सामाजिक मानवविज्ञान) को पारस्परिक संवाद हेतु स्मार्ट क्लास, पीजीआरएच हॉल में आयोजित किया गया जिसमें सभी बीएसआरएमएस, इच्छुक शिक्षण कर्मचारी और पीएच.डी. के लोगो को आमंत्रित किया गया था।
- 2) 17 अप्रैल 2023 : एसएससी ने विश्व हीमोफीलिया दिवस मनाने के लिए मुख्य द्वार के सामने एक चार्ट प्रदर्शनी का आयोजन किया।
- 3) जुलाई 2023 : बीएसआरएमएस चतुर्थ व्षोवसायिक वर्ष के छात्रों के लिए 10 जुलाई 2023 से युथोग सोवा-रिग्पा अस्पताल में एक महीने की फुर-नी कक्षाएं आयोजित।
- 4) 17 जुलाई 2023 : दुत्सी सोरिंग पत्रिका के लिए सभी कचुपा छात्रों के लिए उनकी संबंधित कक्षाओं से सम्बंधित एक निबंध लेखन सत्र आयोजित किया गया।
- 5) 9 अक्टूबर 2023 : युथोग सोवा रिग्पा अस्पताल में डॉ. न्यिमा समदुप गुरुंग द्वारा बीएसआरएमएस व्षोवसायिक चतुर्थ के छात्रों के लिए एक्यूपंकवर सीखने हेतु सत्र आयोजित।
- 6) 9-23 अक्टूबर 2023 : सोवा-रिग्पा विभाग और एसएससी ने संयुक्त रूप से पीजीआरएच हॉल, सोवा-रिग्पा, सीआईएचटीएस में बीएसआरएमएस नवागंतुक के लिए 15 दिवसीय [9 अक्टूबर - 23 अक्टूबर 2023] अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन।
- 7) दूसरे कार्यकाल के लिए एसएससी सदस्यों का चुनाव 4 दिसंबर 24 को संभोट भवन में हुआ और सोवा-रिग्पा छात्र परिषद [एसएससी] के नए निर्वाचित सदस्यों की घोषणा इस प्रकार की गई:

क्र.सं.	नाम	पदनाम	कक्षाएं
1.	डॉ. दावा छेरिंग	सलाहकार	अतिथि संकाय
2.	मिंगमा शेरिंग शेरपा	अध्यक्ष	बीएसआरएमएस IV
3.	लखपा दोरजी लामा	सचिव	बीएसआरएमएस IV
4.	सोनम पाल्डन	सदस्य	बीएसआरएमएस IV
5.	कुंगा नोरबू	सदस्य	बीएसआरएमएस II
6.	जांगचुप त्सोमो	सदस्य	बीएसआरएमएस I



8. निःशुल्क चिकित्सा शिविर : सोवा रिग्पा विद्यार्थी परिषद, सीआईएचटीएस द्वारा 27 दिसंबर 2023 से 3 जनवरी 2024 तक तीर्थयात्रियों के लिए एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर सेवा का आयोजन बोधगया में, कालचक्र मैदान वीआईपी गेट के पास, बिहार संस्थान के सोवा रिग्पा विभाग के डॉक्टरों और स्वयंसेवकों की मदद से एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर सेवा का आयोजन किया गया।



परिशिष्ट-1

संस्थान द्वारा आयोजित दीक्षान्त समारोह और उनमें मानद उपाधि से सम्मानित
विशिष्ट विद्वानों की सूची

विशेष दीक्षान्त समारोह	परम पावन दलाई लामा	14-01-1990	वाक्पति
पहला	1. श्री पी.वी. नरसिम्हा राव	19-02-1990	वाक्पति
	2. भिक्षु लोबुगामा लंकनन्दा महाथेरो, श्रीलंका	19-02-1990	वाक्पति
	3. भिक्षु खेनपो लामा गादेन, मंगोलिया	19-02-1990	वाक्पति
दूसरा	1. डॉ. राजा रमन्ना	15-07-1991	वाक्पति
	2. प्रो. जी.एम. बोनगार्ड लेविन, रूस	15-07-1991	वाक्पति
तीसरा	1. डॉ. जी. राम रेड्डी, चेयरमैन, यू.जी.सी.	08-04-1993	वाक्पति
	2. आचार्य तुलसी महाराज	08-04-1993	वाक्पति
चौथा	1. एच.एच. सक्या ट्रिजिन रिनपोछे	16-04-1994	वाक्पति
पाँचवाँ	1. डॉ. एस.डी. शर्मा, राष्ट्रपति, भारत सरकार	21-08-1996	वाक्पति
	2. प्रो.के. सच्चिदानन्द मूर्ति	21-08-1996	वाक्पति
	3. प्रो. रल्फ बूल्टी जीन, श्रीलंका	21-08-1996	वाक्पति
छठाँ	1. डॉ. ए.आर. किदवई, राज्यपाल, बिहार	5-01-1998	वाक्पति
	2. प्रो. जी.सी. पाण्डेय	5-01-1998	वाक्पति
सातवाँ	1. डॉ. कर्ण सिंह	27-12-1998	वाक्पति
	2. डॉ. (श्रीमती) कपिला वात्स्यायन	27-12-1998	वाक्पति
आठवाँ	1. प्रो. रामशरण शर्मा	31-10-1999	वाक्पति
	2. प्रो. रवीन्द्र कुमार	31-10-1999	वाक्पति
नवाँ	1. प्रो. डी.पी. चट्टोपाध्याय	25-12-2000	वाक्पति
	2. आचार्य एस.एन. गोयनका	25-12-2000	वाक्पति
दसवाँ	1. प्रो. विष्णुकान्त शास्त्री, राज्यपाल, उत्तर प्रदेश	29-12-2001	वाक्पति
	2. प्रो. वी.आर. अनन्तमूर्ति	29-12-2001	वाक्पति
	3. गादेन ट्रि रिनपोछे लोब्संग जीमा	29-12-2001	वाक्पति
	4. डॉ. किरीट जोशी	29-12-2001	वाक्पति

वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

ग्यारहवाँ	1. प्रो. मुरली मनोहर जोशी, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार	09-03-2003	वाक्पति
	2. प्रो. डेविड सेफोर्ड रूइंग, इंग्लैण्ड	09-03-2003	वाक्पति
बारहवाँ	1. श्री बलराम नन्दा	18-02-2005	वाक्पति
	2. श्री जे.एस. वर्मा, न्यायाधीश	18-02-2005	वाक्पति
तेरहवाँ	1. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम पूर्व राष्ट्रपति, भारत सरकार	06-03-2008	वाक्पति
	2. प्रो. सुलक शिवरक्श	06-03-2008	वाक्पति
चौदहवाँ	1. श्रीमती मीरा कुमार अध्यक्ष, लोकसभा	17-03-2012	वाक्पति
	2. प्रो. रोबर्ट थरमन	17-03-2012	वाक्पति
	3. प्रो. लोकेश चन्द्र	17-03-2012	वाक्पति
पन्द्रहवाँ	1. आचार्य भिक्षु तिक-न्यात-हन्ह, वियतनाम	25.10.2018	वाक्पति
	2. विद्याश्रीशतीर्थस्वामी महाराज (डी. प्रह्लादाचार्य)	25.10.2018	वाक्पति
	3. श्रीमती जेचुन पेमा	25.10.2018	वाक्पति

परिशिष्ट-2

सोसायटी के सदस्य (दिनांक 31-3-2024)

क्रमांक	नाम	पद
1	सचिव संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2	कुलपति के.उ.ति.शि.सं., सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
3	संयुक्त सचिव (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
4	प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल कुलपति महात्मा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, महाराष्ट्र - 442001	सदस्य
5	प्रो. बैद्यनाथ लाभ कुलपति, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा (बिहार)	सदस्य
6	प्रो. भाइचुंग छिरिंग भूटिया एसोसिएट प्रोफेसर सिक्किम विश्वविद्यालय, गंगटोक, सिक्किम	सदस्य
7	प्रो. लल्लन प्रसाद सिंह 142, महाराजा अपार्टमेंट, द्वारका, नई दिल्ली	सदस्य
8	डॉ. नमिता निम्बालकर एसोसिएट प्रोफेसर दर्शन विभाग, मुंबई विद्यापीठ (विश्वविद्यालय), मुंबई	सदस्य
9	श्री मृत्युञ्जय बेहेरा आर्थिक सलाहकार, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
10	गेशे ल्हकदर निदेशक, लाइब्रेरी ऑफ़ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स, धर्मशाला, (हि.प्र.)	सदस्य

वार्षिक रिपोर्ट 2023-2024

11	गेशे दोर्जे दमडुल निदेशक, तिब्बत हाउस, 1, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोधी रोड, नई दिल्ली	सदस्य
12	श्री नवीन श्रीवास्तव अतिरिक्त सचिव (ईस्ट एशिया) परराष्ट्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
13	प्रो. टशी छेरिंग (एस) प्रोफेसर, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
14	डॉ. अनिर्वाण दास एसोसिएट प्रोफेसर केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
15	डॉ. ल्हक्पा छेरिंग असिस्टेंट प्रोफेसर, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
16	कुलसचिव केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	गैर-सदस्य सचिव

परिशिष्ट-3

प्रबन्ध परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-3-2024)

क्रमांक	नाम	पद
1	कुलपति केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान सारनाथ, वाराणसी	अध्यक्ष
2	गेशे ल्हकदर निदेशक लाइब्रेरी ऑफ़ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स, धर्मशाला, (हि.प्र.)	सदस्य
3	संयुक्त सचिव (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
4	श्री नवीन श्रीवास्तव अतिरिक्त सचिव (ईस्ट एशिया) परराष्ट्र मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
5	वित्तीय सलाहकार / प्रतिनिधि संस्कृति मंत्रालय (आइ.एफ.डी.) सी-विंग, तीसरी मंजिल, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
6	प्रो. राणा पुरुषोत्तम कुमार सिंह प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, बौद्ध अध्ययन विभाग, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा, बिहार	सदस्य
7	प्रो. राजीव कुमार सिन्हा अध्यक्ष, इतिहास विभाग, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार	सदस्य
8	प्रो. अमरजीव लोचन एसोसिएट प्रोफेसर शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	सदस्य

9	प्रो. धर्मदत्त चतुर्वेदी अध्यक्ष, शब्द विद्या संकाय केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
10	प्रो. टशी छेरिंग (एस) प्रोफेसर, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
11	कुलसचिव केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	गैर-सदस्य सचिव

परिशिष्ट-4

विद्वत् परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-03-2024)

क्र.सं.	नाम	पद
1.	प्रो. डब्ल्यू. डी. नेगी कुलपति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	अध्यक्ष
2.	प्रो. लालजी श्रावक डिपार्टमेंट ऑफ पालि एण्ड बुद्धिस्ट स्टडीज बी.एच.यू., वाराणसी ।	सदस्य
3.	प्रो. जे.एस. त्रिपाठी डिपार्टमेंट ऑफ काय चिकित्सा आयुर्वेद संकाय, आई.एम.एस. बी.एच.यू., वाराणसी ।	सदस्य
4.	प्रो. यू.सी. सिंह प्रोफेसर, प्राचीन इतिहास केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
5.	प्रो. डी.डी. चतुर्वेदी प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग संकायाध्यक्ष, प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
6.	प्रो. टशी छेरिंग (एस) प्रोफेसर, साक्य सम्प्रदाय एवं अध्यक्ष, सम्प्रदाय शास्त्र विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
7.	भिक्षु तेन्जिन नोर्बू अध्यक्ष, मूलशास्त्र विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य

8.	भिक्षु सी.जी.एस. फुनछोग जिङ्मा अध्यक्ष, बोन सम्प्रदाय विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
9.	डॉ. हिमांशु पाण्डेय शिक्षक शिक्षण केन्द्र, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
10.	भिक्षु ल्हक्पा छेरिंग अध्यक्ष, तिब्बती भाषा एवं साहित्य विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
11.	डॉ. अमित मिश्रा अध्यक्ष, समाज शास्त्र विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
12.	डॉ. टाशी दावा अध्यक्ष, सोवा रिग्पा विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
13.	डॉ. जम्पा छोफेल अध्यक्ष, भोट ज्योतिष विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
14.	डॉ. शुचिता शर्मा अध्यक्ष, टी.टी.पी. विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
15.	डॉ. दोर्जे दमडुल सह आचार्य, सोवा-रिग्पा विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य

16.	गेशे लोब्संग वंगड्रुक सहायक आचार्य, मूलशास्त्र विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
17.	भिक्षु डक्पा सेंगे सह आचार्य, सम्प्रदाय शास्त्र विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
18.	डॉ. अनुराग त्रिपाठी सहायक आचार्य, प्राच्य एवं आधुनिक भाषा विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
19.	डॉ. उर्येन सहायक आचार्य, तिब्बती इतिहास, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
20.	डॉ. टशी छेरिंग (जे) सह आचार्य, भोट ज्योतिष केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
21.	डॉ. महेश शर्मा सहायक आचार्य, अंग्रेजी केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य

परिशिष्ट-5

वित्त समिति के सदस्य (दिनांक 31-3-2024)

क्रमांक	नाम	पद
1	कुलपति के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी	अध्यक्ष
2	निदेशक (एकीकृत वित्त प्रभाग) संस्कृति मंत्रालय (आई.एफ.डी.) भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
3	प्रतिनिधि (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, द्वितीय तल, डी-ब्लॉक, पुरातत्त्व भवन, जी.पी.ओ. कम्पलेक्स, आई.एन.ए., नई दिल्ली-23	सदस्य
4	डॉ. एस. पी. माथुर कुलसचिव आई.आई.टी., बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी	सदस्य
5	कुलसचिव केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-6

योजना एवं प्रबोधक परिषद् के सदस्य (दिनांक 31-3-2024)

क्रमांक	नाम	पद
1	कुलपति के.उ.ति.शि.सं. सारनाथ, वाराणसी	अध्यक्ष
2	संयुक्त सचिव (बी.टी.आई.) संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली	सदस्य
3	वित्तीय सलाहकार संस्कृति मंत्रालय (आइ.एफ.डी.) सी-विंग, तीसरी मंजिल, शास्त्री भवन, नई दिल्ली	सदस्य
4	प्रो. लोब्जंग तेन्जिन सोवा रिग्पा विभाग केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी	सदस्य
5	प्रो. बैद्यनाथ लाभ कुलपति, नव नालन्दा महाविहार, नालन्दा, बिहार	सदस्य
6	प्रो. भुवन चन्देल सेंटर फॉर स्टडीज़ इन सिविलाइजेशन डी.डी.-16, कालकाजी (नेहरू एनक्लेव के समीप नई दिल्ली - 110019	सदस्य

परिशिष्ट-7

प्रकाशन समिति के सदस्य (दिनांक 31-3-2024)

क्र.सं.	नाम	पद
1.	प्रो. गेशे एन. समतेन कुलपति, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	अध्यक्ष
2.	कुलसचिव, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
3.	प्रो. लोसंग तेनज़िन केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
4.	प्रो. प्रद्युम्न दुबे काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।	सदस्य
5.	प्रो. पी. पी. गोखले केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
6.	प्रो. आर. के. द्विवेदी संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ।	सदस्य
7.	ग्रन्थालयाध्यक्ष शान्तरक्षित ग्रन्थालय, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
8.	सम्पादक पुनरुद्धार विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य

9.	सम्पादक अनुवाद विभाग, केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य
10.	श्री सङ्ग्ये तेन्दर अध्यक्ष, तिब्बती प्रकाशन, लाइब्रेरी ऑफ टिबेटन वर्क्स एण्ड आर्काइव्स, धर्मशाला (हि.प्र.) ।	सदस्य
11.	प्रकाशन प्रभारी केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान, सारनाथ, वाराणसी ।	सदस्य-सचिव

Contents

<u>Chapters</u>	Page Nos.
1. A Brief Profile of the Institute	3
2. Faculties and Academic Departments	10
3. Research Departments	74
4. Shantarakshita Library	112
5. Administration	129
6. Activities	140

<u>Appendices</u>	
1. List of Convocations Held and Honoris Causa Degrees Conferred on Eminent Persons by CIHTS	182
2. List of Members of the CIHTS Society	184
3. List of Members of the Board of Governors	185
4. List of Members of the Academic Council	188
5. List of Members of the Finance Committee	190
6. List of Members of the Planning and Monitoring Board	191
7. List of Members of the Publication Committee	192

Editorial Committee

Chairman:

Dr. Dorjee Damdul, Dean
Department of Sowarigpa and Bhot Jyotish and
Shilp Vidya Sankaya

Members:

Dr. Lhakpa Tsering
Assistant Professor (Tibetan)

Dr. Mahesh Sharma
Coordinator, IQAC

Dr. Anurag Tripathi
Assistant Professor (Hindi)

Dr. Jyoti Singh
Assistant Professor (Hindi)

Geshe Ngawang Tenphel
Assistant Professor (Gelug)

Dr. Jasmeet Gill
Assistant Professor (Contractual), (English)

Dr. Tenzin Nyima
Assistant Professor (Contractual), (Gelug)

Dr. Nyima Tsering
Assistant Professor (Contractual), (Fine Arts)

Dr. P. Sushmita Vatsyayan
Assistant Professor (Contractual), (English)

Shri Lobsang Wangdu
Professional Assistant,
Library

Member Secretary:

Shri Deepankar
Sr. Assistant (VC Office)

1. A BRIEF PROFILE OF THE INSTITUTE

The **Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS)** at Sarnath is one of its kind in the country. The Institute was established in 1967. The idea of the Institute was mooted in course of a dialogue between Pandit Jawaharlal Nehru, the first Prime Minister of India and His Holiness the Dalai Lama with a view to educating the young Tibetan in exile and those from the Himalayan regions of India, who have religion, culture and language in common with Tibet.

In the beginning, Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) began functioning as a constituent wing of the Sampurnananda Sanskrit University, and eventually emerged as an autonomous body in 1977 under the Department of Culture of Ministry of Education, Government of India. The Institute's unique mode of functioning was duly recognized, and on the recommendation of the University Grants Commission, the Government of India bestowed upon it the status of a **'Deemed University', under Section 3 of the UGC Act 1956 on the 5th of April, 1988**. Ven. Prof. Samdhong Rinpoche was the first Director of the Institute, who continued his office till 2000. Presently, the Hon'ble Culture Minister, Government of India, Ministry of Culture, is the Chancellor of the Institute. Prof. Wangchuk Dorjee Negi is the present Vice-Chancellor. Under his able leadership and with the support of the learned faculty-members, the Institute is on its march towards achieving further excellence in the fields of Indian Buddhism and Tibetan Buddhist Philosophy.

Besides the regular academic projects, the Institute is furthering various research programmes by in-house scholars, and visiting fellows from other academic institutions of India and abroad. CIHTS provides a large platform for interaction between the Buddhist and other philosophical schools of India, and also between the Buddhist and the Western philosophers and scientists. In recognition of this, the Institute has been collaborating with and conducting exchange programmes with many academic institutions as well as organizations around the world.

Vision and Mission

The Institute has envisaged projects jointly by eminent scholars under the guidance of His Holiness the Dalai Lama and the Government of India, to cover the following objectives for over four decades:

- To preserve Tibetan culture and tradition,
- To restore ancient Indian science and literature preserved in the Tibetan language, but lost in originals,

ANNUAL REPORT 2023-2024

- To offer an alternative educational facility to students from the Tibetan diaspora and the Indian Himalayan border areas those who formerly used to avail themselves of the opportunity of receiving higher education in Tibet,
- To impart education in traditional subjects within the framework of a modern Institute system with provision for award of degrees in Tibetan studies and
- To impart education on modern disciplines along with Buddhism and Tibetan studies for the inculcation of moral values with a view to developing an integrated personality.

The academic and research projects of the Institute are carried out through the following Faculties and Departments:

(1) ACADEMICS

A. Faculty of Hetu and Adhyatma Vidya

- I. Department of Moolshastra
- II. Department of Sampradaya Shastra
- III. Department of Bon Sampradaya Shastra

B. Faculty of Shabda Vidya

- I. Department of Sanskrit
- II. Department of Tibetan Language and Literature
- III. Department of Classical and Modern Languages
- IV. Department of Education

C. Faculty of Adhunika Vidya

- I. Department of Social Sciences

D. Faculty of Shilpa Vidya

- I. Department of Tibetan Traditional Painting
- II. Department of Tibetan Traditional Woodcraft

E. Faculty of Sowa Rigpa and Bhot Jyotish Vidya

- I. Department of Sowa Rigpa
- II. Department of Bhot Jyotish Vidya

(2) RESEARCH DEPARTMENTS

- A. Restoration Department
- B. Translation Department
- C. Rare Buddhist Texts Research Department
- D. Dictionary Department
- E. Centre for Tibetan Literature

(3) SHANTARAKSHITA LIBRARY

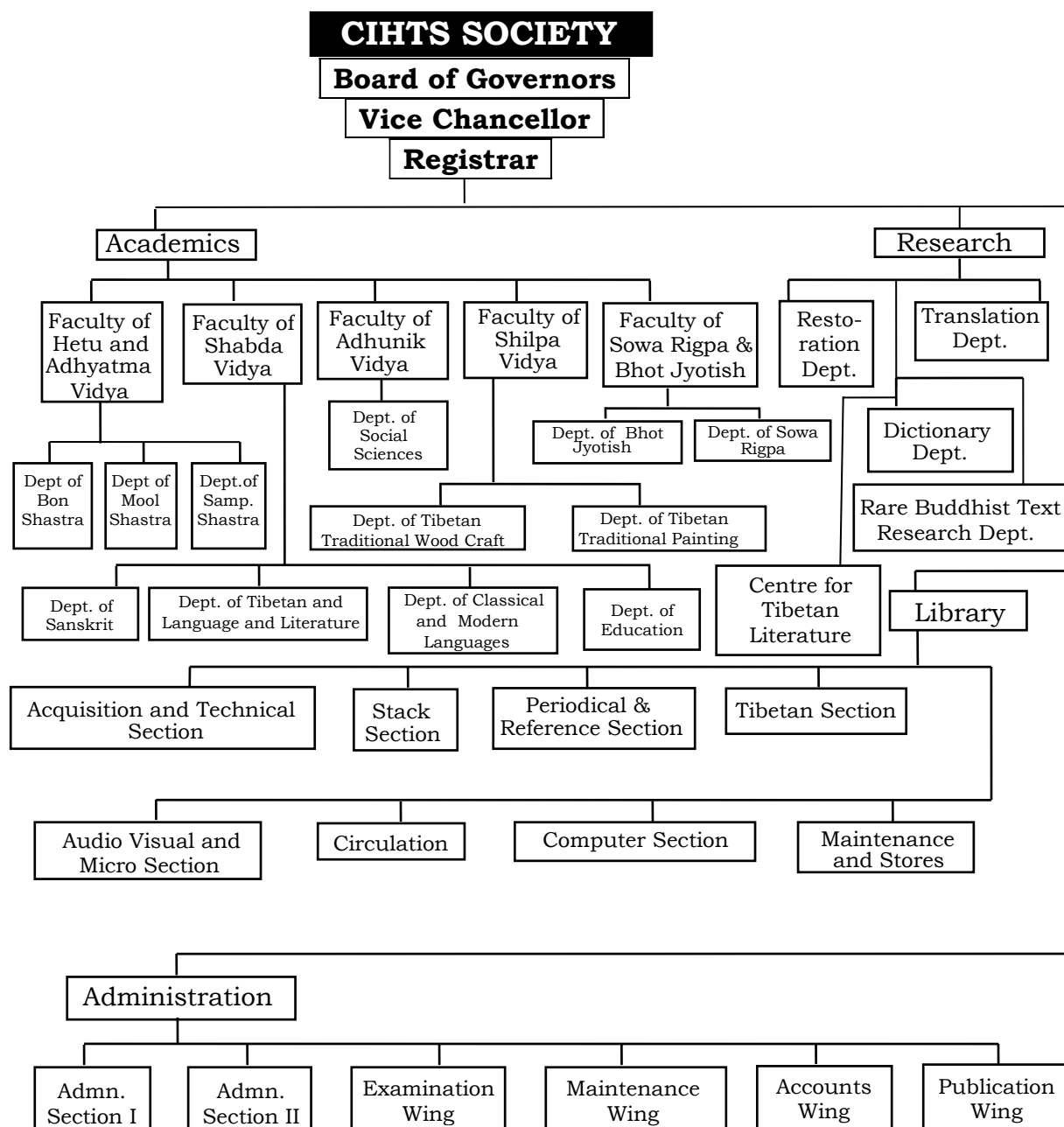
- A. Acquisition and Technical Section
- B. Periodical and Reference Section
- C. Tibetan Section
- D. Circulation
- E. Stack Section
- F. Multimedia Section
- G. Computer Section
- H. Maintenance Section

(4) ADMINISTRATION

- A. Administration Section I
- B. Administration Section II
- C. Examination Wing
- D. Maintenance Wing
- E. Accounts Wing
- F. Publication Wing

ANNUAL REPORT 2023-2024

The academic and research activities detailed above are illustrated in the organisational chart given below:



A BRIEF PROFILE OF THE INSTITUTE

Teaching : Enrolment and Examination 2023-24

The Institute enrolls students for various courses of studies and holds examinations. The results of various courses for the year 2023-24 are shown in the following table.

Odd Semester Examination (Session 2023-2024)

Class	No. of Exam Forms Received	No. of Absent Students	No. of Enrolled Students	No. of Failed Students	No. of Passed Students
P.M. 1 st Semester	44	01	43	02	41
P.M. 3 rd Semester	41	00	41	00	41
U.M. 1 st Semester	31	01	30	02	28
U.M. 3 rd Semester	29	00	29	00	29
Shastri 1 st Semester	25	01	24	02	22
Shastri 3 rd Semester	20	00	20	00	20
Shastri 5 th Semester	19	01	18	00	18
Acharya 1 st Semester (B.P.)	16	0	16	00	16
Acharya 1 st Semester (T.L.)	06	0	06	01	05
Acharya 3 rd Semester (B.P.)	10	01	09	00	09
Acharya 3 rd Semester (T.L.)	04	00	04	00	04
Acharya 3 rd Semester (T.H.)	02	00	02	00	02
Fine Arts U.M. 1 st Semester	11	01	10	00	10
Fine Arts U.M. 3 rd Semester	04	01	03	00	03
BFA 1 st Semester	03	00	03	00	03
BFA 3 rd Semester	01	00	01	00	01
BFA 5 th Semester	03	00	03	00	03
M.F.A. 1 st Semester	07	00	07	00	07
M.F.A. 2 nd Semester	01	00	01	00	01
Bhot Jyotish U.M. 1 st Semester	01	00	01	00	01
Bhot Jyotish U.M. 3 rd Semester	03	00	03	01	02
BSRMS 2 nd Year	13	00	13	00	13
BSRMS 4 th Year	13	00	13	00	13
B.Ed 1 st Semester	18	01	17	00	17
B.Ed. 3 rd Semester	22	00	22	00	22

ANNUAL REPORT 2023-2024

B.A. B.Ed. 1 st Semester	14	00	14	00	14
B.A. B.Ed. 3 rd Semester	11	00	11	00	11
B.A. B.Ed. 5 th Semester	19	00	19	00	19
B.A. B.Ed. 7 th Semester	08	00	08	00	08
Computer 1 st Semester	21	00	21	02	19
Computer 3 rd Semester	05	00	05	00	05
Computer 1 st Semester	04	00	04	00	04
Computer 3 rd Semester	06	00	06	00	06
Total Strength	435	08	427	10	417

Even Semester Examination (Session 2023-2024)

Class	No. of Exam Forms Received	No. of Absent Students	No. of Enrolled Students	No. of Failed Students	No. of Passed Students
P.M. II Semester	42	00	42	00	42
P.M. IV Semester	41	00	41	00	41
U.M. II Semester	28	00	28	00	28
U.M. IV Semester	31	00	31	00	31
Shastri II Semester	22	00	22	00	22
Shastri IV Semester	21	00	21	00	21
Shastri VI Semester	18	00	18	00	18
Acharya (B.P.) II Semester	16	00	16	00	16
Acharya (T.L.) II Semester	05	00	05	00	05
Acharya (B.P.) IV Semester	09	00	09	00	09
Acharya (T.L.) IV Semester	04	00	04	00	04
Acharya (T.H.) IV Semester	02	00	02	00	02
Fine Arts U.M. II Semester	11	00	11	00	11
Fine Arts U.M. IV Semester	03	00	03	00	03
B.F.A. II Semester	03	00	03	00	03
B.F.A. IV Semester	01	00	01	00	01
B.F.A. VI Semester	03	00	03	00	03
M.F.A. II Semester	06	00	06	00	06

A BRIEF PROFILE OF THE INSTITUTE

M.F.A. IV Semester	01	00	01	00	01
Bhot Jyotish U.M. II Semester	01	00	01	00	01
Bhot Jyotish U.M. IV Semester	02	00	02	00	02
Bhot Jyotish Shastri VI Semester	01	00	01	00	01
B.Ed. II Semester	15	00	15	00	15
B.Ed. IV Semester	22	00	22	00	22
B.A. B.Ed. II Semester	13	00	13	00	13
B.A. B.Ed. IV Semester	11	00	11	00	11
B.A. B.Ed. VI Semester	19	00	19	00	19
B.A. B.Ed. VIII Semester	08	00	08	00	08
Computer II Sem.	19	01	18	00	18
Computer IV Sem.	05	00	05	00	05
Computer II Sem.	04	00	04	00	04
Computer IV Sem.	08	00	08	02	06
Total strength	395	01	394	02	392

2. FACULTIES

The academic function of the Institute is mainly concerned with teaching and research. The Institute was granted the status of 'Deemed to be University' by the Government of India in 1988 and since then it has been awarding its own Certificates, Diplomas and Degrees for the courses of studies conducted by it.

The Institute offers Shastri (B.A.), Acharya (M.A.), Ph.D. and BSRMS degrees in Buddhist Studies, Tibetan Medicine, Astrology, Tibetan Painting and Woodcarving. Students are enrolled for the courses at the Secondary School Level (equivalent to Grade 9). They are required to complete four years of Pre-University education, before entering rigorous traditional training combined with modern pedagogy at the University level.

Through an integrated course of nine years of Buddhist Studies programme from Secondary School to Acharya, students study Tibetan, Sanskrit, Hindi, English, Indian Buddhist texts, Tibetan commentaries and other treatises. The indigenous Tibetan Bon tradition is also taught parallelly with Buddhist studies. Besides, students are taught such subjects as Pali, Asian History, Economics and Political Science.

Students of the Sowa-Rigpa study the theory and practice of traditional Tibetan medicine as well as modern Western pathology, anatomy and physiology, and receive complete clinical training so as to qualify them to practice Tibetan medicine.

Students of Tibetan fine arts learn Thangka painting and Tibetan woodcarving along with subjects like Buddhist philosophy, Tibetan Language and Literature, English Language and History of Arts and Aesthetics.

Methodology and Approach in Teaching

The various courses of studies are designed keeping in view the educational needs emanating from the objectives laid down for the Institute. Course designing is carried out on the suggestions of the Faculties, approval of the Board of Studies, which consists of subject experts, and final approval by the Academic Council and the Board of Governors.

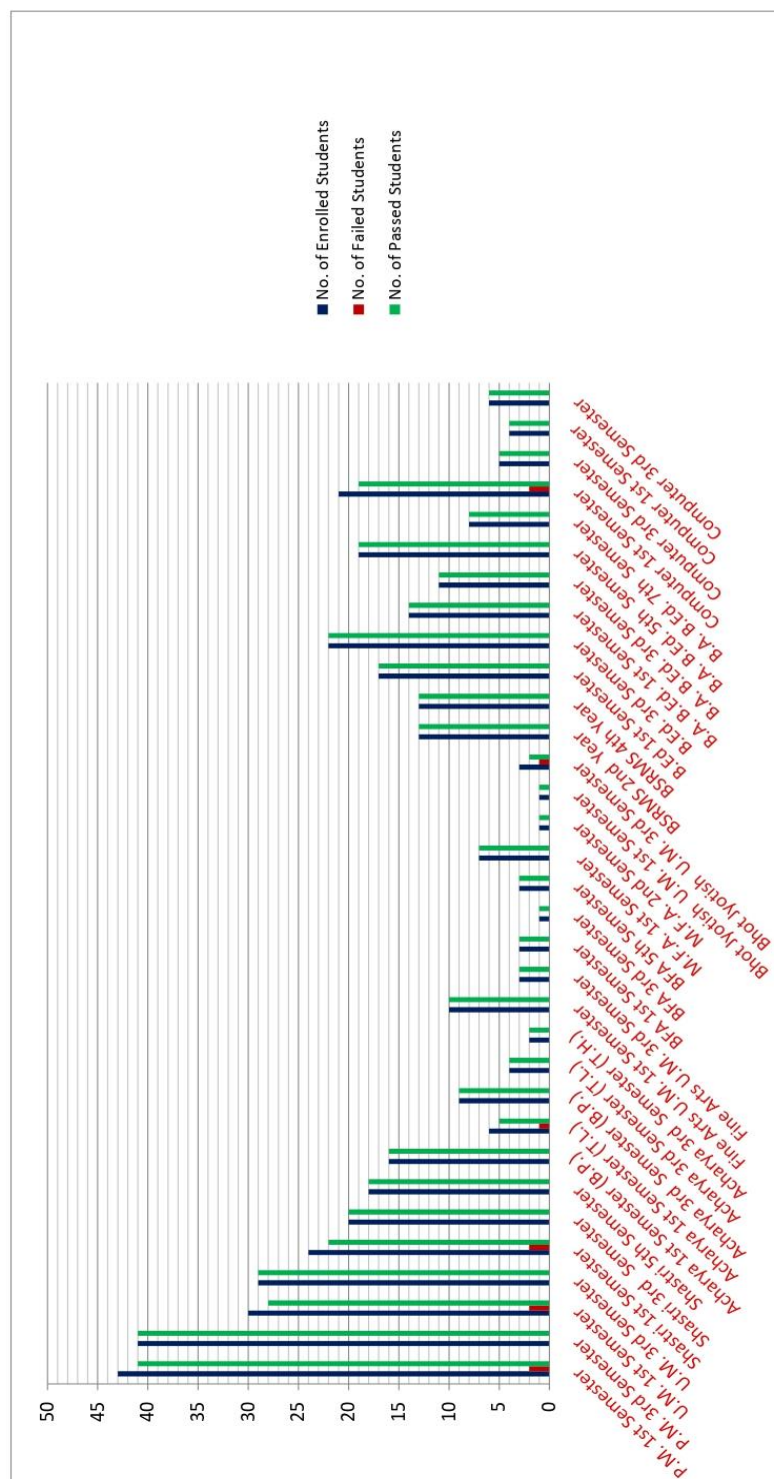
Examination and Evaluation

Students enrolled in any of the courses of studies conducted by the Institute are required to have at least 85% attendance to be eligible to appear for the examinations. The examinations are conducted Semester-wise.

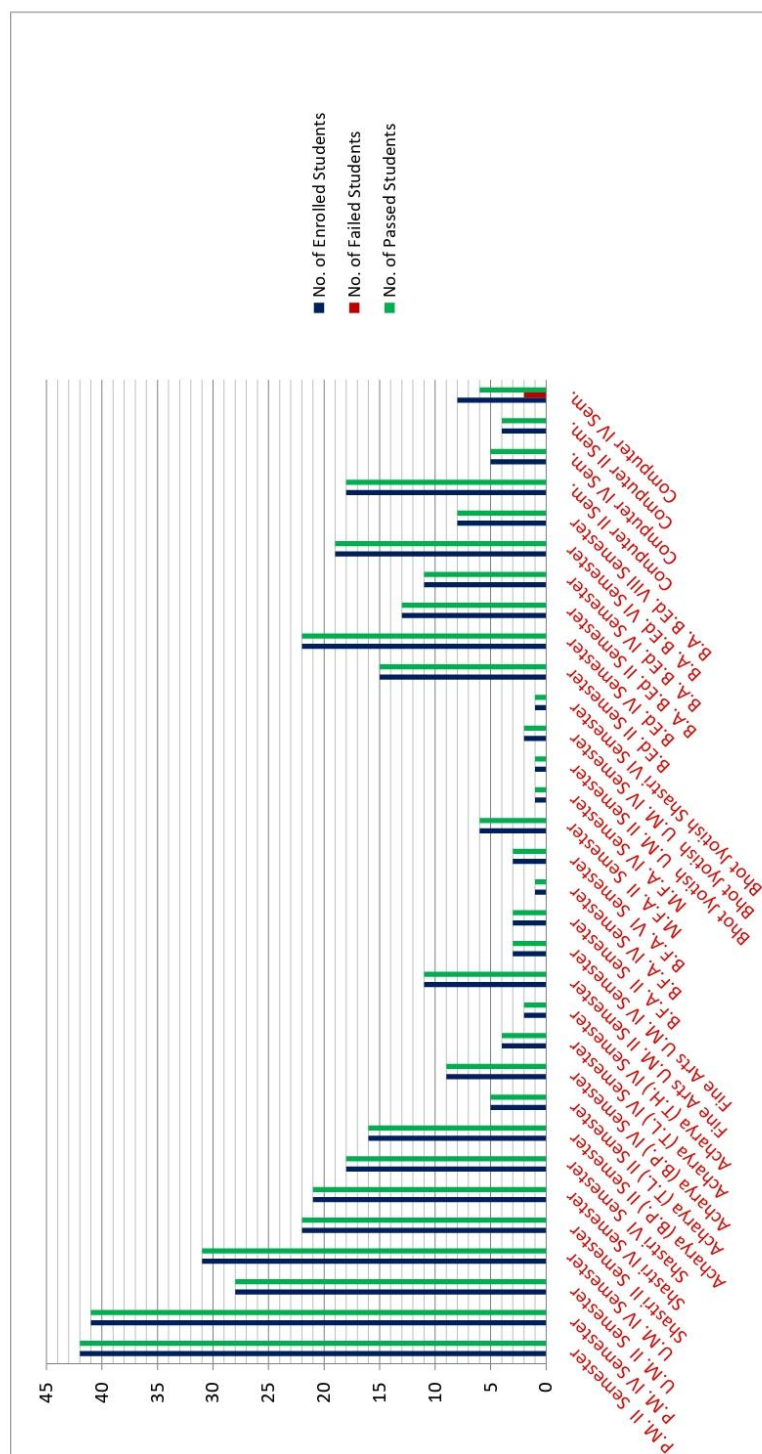
The statistics of examination results of students enrolled in various courses for the year is shown through the following chart:

FACULTIES

RESULT OF ODD SEMESTER EXAMINATION OF ACADEMIC SESSION 2023-24



RESULT OF EVEN SEMESTER EXAMINATION OF ACADEMIC SESSION 2023-24



DETAILS OF FACULTY RESOURCES AND ACTIVITIES

A. FACULTY OF HETU EVAM ADHYATMA VIDYA

Dr. Dakpa Sengey - Dean (Since 20.2.2024)

I. Department of Mool Shastra

The objective of this Department is to preserve and promote Buddhist philosophy and its culture and enable oneself to understand the profound philosophy and the true meaning and purpose of life and to help other fellow-beings to make this world a better place to live in not only for the humans, but also for all sentient beings. The emphasis is not only on the betterment of one's own living but also on inculcating the essence of compassion and peace in oneself and to promote it in the world.

This Department, in addition to imparting teaching of Buddhist Philosophy, Epistemology, Nyaya and Psychology, carries out research on the works of the Teaching of Tathagat Buddha and Indian Buddhist seers of yore like Nagarjuna and the Mahasiddhas.

Faculty Members:

(1)	Prof. Wangchuk Dorjee Negi	-	Professor
(2)	Geshe Tenzin Norbu	-	Assistant Professor & Head
(3)	Geshe Lobsang Wangdrak	-	Assistant Professor
(4)	Lopon Tsultrim Gyurmey	-	Assistant Professor (Contractual)
(5)	Geshe Tharkhey	-	Assistant Professor (Contractual)

Academic Activities:

Geshe Tenzin Norbu

Nominated for the committee member:

1. HOD of Moolshastra Department 2023-24
2. Chairman of the Price Verification Committee for the Tibetan books in Shanta Rakshita Library
3. DRC Chairperson, Department of Moolshastra for 2023-24
4. Organizer of the Mahashastra 2023-24.
5. Head Geluk Students' Welfare 2023-24.
6. Served as member of Moderation Board for the Subject of Mool Shastra for the both semesters, 2023-24.
7. Examiner for the Acharya 1st semester Oral Examination for Mool Shastra Subjects.
8. Attended the Viva-Voce Examination of a Ph.D. scholar as member of Viva-Voce Committee 2023-24.
9. Invigilator for selection of Office Assistants (Contractual), 2024
10. Organizer of 'Two Week workshop on the views of Samkhya and Naiyayika School.'
11. Attended the Six-monthly progress report presentations of Ph.D. scholars.

ANNUAL REPORT 2023-2024

Other academic activities:

1. Delivered a talk on how to practice the stabilization of mind on the object of observation in Senior Camp organized by SWA.
2. Gave workshop for the new comers of Sowa Rigpa students 2023-24.
3. 29th Dec to 21st Jan 2024 : Gave series of lectures on the text Madhyamakavatara in the Academic Exchange Program.
4. Gave a talk on 'Methods of Abiding Mind on the focal point and Meditation according to Buddhist teachings' during Senior Students' Winter campaign organized by 51st SWA, CIIHTS, Sarnath.
5. Edited 'Commentary to the Precious Garland by Nagarjuna' published by GSW, 2023-24.

Geshe Lobsang Wangdrak

1. Designed a Two weeks' PhD course work on comprehensive analysis of the Buddhist philosophy, 2023-2024
2. Delivered a speech at the Annual Winter campaign organised by the SWA.
3. 28th Sept. – 1st Oct. 2023 : Delivered a talk on 'The Significance of Mdhymikalankara in the development of Madhyamika system' at Central Institute of Buddhist Studies, Leh, Ladakh, organised by ministry of culture.
4. 27 November to 11 December 2023 : Speaker for the Mool Shastra, Ph.d course work (for five Ph. D students) on the topic, 'Ground, path and fruition of all the buddhist vehicles'.
5. 29th December 2023 to 21st January 2024 : Delivered a lecture in the International exchange program, Five Collages of USA.

Administrative responsibilities

Padmasambhava boys hostel warden

Member of the Mahashatrartha group at the Annual dialectics (2023-2024)

Research Guidance:

Sonam Dorjay

Konchok Lhundup

Lopon Tsultrim Gyurmey

Seminars and Academic Activities:

1. 28th Sept. to 1st Oct. 2023 : Participated in seminar on 'Role of MadhyamakAlankara on the growth of Madhyamak school' organized by Central Institute of Buddhist Studies, Leh Ladakh along with the Indian Research General Council.
2. 28th Sept. to 1st October 2023 : Presented a paper on the topic of "Analysis of the Half-Eggists view according the text MadhyamakAlamkāra" during the seminar on 'Role of MadhyamakAlankara on the growth of Madhyamak school' organized by Central Institute of Buddhist Studies, Leh Ladakh along with the Indian Research General Council.
3. 4th to 16th October 2023 : Participated in "Two-week Capacity Building Programme for Faculties in Social Science Discipline on interdisciplinary

FACULTIES

Framework for Foundation of Education” organized by ICSSR at CTE, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

4. 29th to 21st October 2023 : Presented a paper on ‘The Acceptance or Rejection of Alyavijnana according to Shantarakshita’ during the 9th Seminar on the Distinct view and philosophy of the Ngagyur Nyingma organized by Namdroling monastic institute in South India.
5. 29th Dec. to 21st Jan. 2024 : Gave series of lectures on the text Madhyamakavatara by Dharma Kirti and Bodhicharyavatara by Shantarakshita in Academic Exchange Program.
6. 6th March 2024 : Presented a paper on ‘The relationship between the views of Sutra and Tantra according to Nyingma tradition’ during the seminar of non-sectarian scholars organized by the Sakya Monlam Foundation and the Sakya Monastery in Dehradhoon, Utrakhand.
7. 27th Feb to 5th March 2024 : I took part in the eight days lecture series on Vedanta and Sankhya philosophy organized by Moolshastra department, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

Nominated for the committee member:

1. Appointed as scrutiny members of students debate sessions of 2023-24.
2. Organizing members of the Mahashastra 2023-24.

Awards and Achievements:

1. I was awarded as the best teacher in the Mool-shastra department for the session 2022-23 on 5th Sept 2023.

II. Department of Sampradaya Shastra

One of the key ideas behind establishing the Institute was to teach the young-generation of the followers of the Tibetan Buddhist tradition, both ordained and lay students, all the four Tibetan Buddhist traditions at one time. Though monks can study Buddhist Philosophy in various monasteries, there is no place in the country where the facility for studying all the four Tibetan traditions is provided. Moreover, there is no opportunity for lay students to learn Buddhist religion and philosophy in a thorough manner. The Department conducts courses on Buddhist texts and the commentaries by Tibetan scholars. The Department conducts teaching and research in the following four traditions:

a. Kargyud

(1) Dr. Tashi Samphel	- Associate Professor
(2) Dr. Ramesh Chandra Negi	- Associate Professor (In-charge, Dictionary Dept.)
(3) Dr. Mehar Singh Negi	- Assistant Professor (Contractual)

Academic Activities:

Ven. Mehar Singh Negi

Academic Activities:

1. Suttapitake Khuddakh Nikaye Udana Pali translated from Pali to Tibetan.

ANNUAL REPORT 2023-2024

2. Edited **Gongchig** text written by Kyobpa Jigten Sumgon for KRPC publication.

Seminars and workshop related Academic Activities

1. 4th to 16th Oct. 2023 : Participated in **Two-week Capacity Building Programme for Faculties in Social Science Discipline on Interdisciplinary Framework for Foundations of Education.**
2. 29 Oct. 2023 : Had an interaction with a group of Buddhist Scholars from 13 countries on the instruction of Indian Council of Cultural Relations in Shantarakshita Library.
3. 27th Feb. to 5th March 2024 : Participated as translator in **Vedanta and Sankhya Philosophy eight days lecture series.**
4. 17 Feb. 2024 : Attended Inaugural session and on 29-02-2024 Valedictory session of Dialect Debating Workshop for Students organized by CTE.

Other Activities:

1. Scrutiny Committee member of 1st Semester Examination 2023
2. Assigned as Oral examiner of Acharya 2nd Year Kargyud class on 24th July 2023.
3. Participated in two days Buddha's scriptures (Kangyur) recitation on 21-07-2023.
4. Worked for Students' accommodation in Bodhgaya for attending His Holiness teachings in December 2023.
5. Worked as Long-Life Offering Management Committee member, during the Long-Life Offering Puja to His Holiness in Bodhgaya on 1st Jan 2024.

b. Sakya

(1) Dr. Tashi Tsering (S)	- Professor & Head (Sampradaya Shastra)
(2) Ven. Dakpa Sengey	- Associate Professor
(3) Ven. Ngawang Zodpa	- Assistant Professor (Contractual)
(4) Shri Tsering Samdup	- Teaching Assistant
(5) Lopon Ngawang Thokmey	- Assistant Professor (Contractual)
(6) Dechen Wangmo	- Teaching Assistant

Academic Activities:

Ven. Dakpa Sengey

Following are the duties carried out beside the regular classes of Sakya Sampradaya Shastra:

1. Appointed as HOD of all the five Sampradayas w.e.f. 01.07.2023 to 20.02.2024.
2. Appointed as Dean of Faculty, Hetu Evam Adhyātma Vidya tenure from 20.02.2024 for three years.
3. Appointed as Member of Admission Committee for the academic session 2023-24 on 07.07.2023.
4. Appointed as Member of Selection Committee for recruitment of the posts of Guest Faculty in Sampradaya Shastra on 3.7.2023

FACULTIES

5. Appointed as Member of Anti Ragging Committee
6. Appointed as Chairman of Long-Life Offering Management Committee regarding H.H the Dalai Lama long life ceremony held in Bodhgaya 2023 December
7. Participated in the Academic Council, meeting as a Member of the Council held on 13th Mar'2024.
8. Member of Examination Committee
9. Assisted in Attendance Scrutiny Committee for the students' class attendance.
10. Appointed as the Chairperson of Department of Research Committee to represent the Department of Sampradaya Shastra.
11. Member in Publication of Tibetan Journals for both faculty members and students of CIHTS in Tibetan Buddhist Philosophy, Language, Tibet-ology.
12. 8 Nov 2023 : Member of Examination Committee for the academic session 2023-24 for matters relating to conduct of examination, evaluation and declaring results etc, with rules and procedures framed for the purpose.
13. Examiner for Annual Kaṅthastha Vāka Parikshā (Mool Shastra text oral test) for Shastri 3rd year.
14. Invited as Lecturer during 15 Days Induction Program for BSRMS fresher at Sowa Rigpa Hospital 2023.
15. Delivered Lecture on Sakya Tradition & Its Salient Features to USA students under Exchange Program with CIHTS in Jan 2024.
16. 5th Jan 2024 : Delivered Lecture on Bodhisattvācaryāvatāra to USA students under Exchange Program.
17. 8th Jan 2024 : Delivered Lecture on Bodhisattvācaryāvatāra to USA students under Exchange Program.
18. 27th Feb – 5th Mar 2024 : Participated in Eight Days lectures series on Vedanta and Samkhya philosophy organized by Mool Shastra Dept. CIHTS.
19. 20th to 23rd Dec 2023 : Participated in International Sangha Forum 2023 at Bodhgaya organized by SE Asia Office of His Holiness the Dalai Lama, Executive Committee.
20. 16th October 2023 : Delivered a week long lecture series to Ph.D. students on “*Analysis of the Buddhist Philosophy*” (4 Credits) for the Course Work.
21. Guide to Ph.D. student Ven. Dechen Wangmo.

Paper presented in International Conference

1-3 June 2023 : The Buddha Nature Conference discussed “*Buddha Nature Theory & Practice in Tibetan Buddhist Tradition*” at Shechen Monastery, Kathmandu Nepal organized by Trsadra Foundation Kathmandu Nepal buddhanature.tsadra.org

Paper published in International Conference

An article on “*Views on the Buddha Nature by Lord Rontong*” Co-authored June 2023 Page no: 30-35 published by A Tsadra Foundation Initiative Kathmandu Nepal.

ANNUAL REPORT 2023-2024

Ven. Ngawang Zodpa

The academic works undertaken during the academic session of the years of 2023-2024:

1. Composed an article on Dependent Origination and delivered for the visiting students under the Academic Exchange Programme at CIHTS.

Lopon Ngawang Thokmey

1. May, 2023 : Delivered a lecture on 'Tathagata Garva' organized by Tsada Foundation at the Shechen Monastery, Nepal.
2. 4-6 October, 2023 : Participated in "Two-week Capacity Building Programme".
3. November 2023 : Delivered an online lecture on 'History of Shongton Lotsawa' to the Sakya Logyuling Students' group.
4. November 2023 : Delivered a lecture on 'History of Pang Lotsawa' to the Sakya Logyuling Students' group.
5. March 2024 : Delivered a lecture on 'History of Sachen Kunga Nyingpo Lotsawa' to the Sakya Logyuling Students' group.
6. 20-22 December, 2023 : Participated in International Sangha forum Bodhagaya.

Dechen Wangmo

1. 4th to 16th Oct 2023 : Participated in "*Two-week Capacity Building Programme for Faculties in Social Science Discipline in Interdisciplinary Framework for Foundation of Education*" sponsored by Indian Council of Social Science Research (ICSSR) at Centre for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies Sarnath, Varanasi organised by CTE, CIHTS Sarnath Varanasi.
2. Appointed as Warden of Mayadevi Girls' Hostel for two years from November 2023 to November 2025.
3. 20th to 23rd Dec 2023 : Participated in *International Sangha Forum 2023* at Bodhgaya organized by SE Asia Office of His Holiness the Dalai Lama, Executive Committee.
4. 12-14 Jan 2024 : Assisted USA students under 31st Exchange Program regarding an educational visit to Buddhist places at Bodhgaya-Rajgir-Nalanda Bihar.
5. 15th Jan 2024 : Translated Lecture on *Sakya Tradition & Its Salient Features* to USA students under Exchange Program with CIHTS.
6. 2nd Jan -17 Jan 2024 : Attended 10 days *Research Methodology & Academic Writing* lecture series by Prof. William Edelglass under 31st Exchange Programme at CIHTS Sarnath.
7. 27th Feb – 5th Mar 2024 : Participated in Eight Days lectures series on *Vedanta and Samkhya philosophy* organized by Mool Shastra Dept. CIHTS.
8. 31st Mar 2024 : Examiner for Kañthastha Vāka Parikshā for P.M 1st year.

c. Nyingma

- (1) Khenpo Sanga Tenzin - Assistant Professor

FACULTIES

(2)	Ven. Sonam Dorjee	-	Assistant Professor (Contractual)
(3)	Khenpo Ogyen Jampa	-	Assistant Professor (Contractual)
(4)	Pelzang Thargye Gurug	-	Assistant Professor (Contractual)

Academic Activities:

Khenpo Sanga Tenzin

Nominated for the committee members:

1. 9th October 2023 : Served as member of the Moderation Board for the subject of Nyingma Samparadaya.

Other academic activities:

1. 4th-16th October 2023 : Participated in "Two-week Capacity Building Programme for Faculties in Social Science Discipline on Interdisciplinary Framework for Foundations of Education" sponsored by ICSSR organized by CTE, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
2. 20th-22nd December 2023 : Took part in International Sangha forum at Bodhgaya.
3. 29th Dec, 2023 to 21st Jan, 2024 : Delivered lectures during the Academic Exchange Program.

Khenpo Ogyen Jampa

Seminars/conferences academic activities:

1. 15 July 2023 : Participated in a G20 Seminar on "The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutual Cordiality" at CIHTS, Sarnath.
2. 4-16 October 2023 : Participated in a Workshop Capacity Building Programme For yong faculties on "Interdisciplinary Framework for Foundation of Education" at CIHTS, Sarnath.
3. 9-23 October 2023 : Participated in a Workshop on "Resource person during the Induction Program" at CIHTS, Sarnath.

Khenpo Palzang Dargye Gurung

Seminars/conferences academic activities:

1. 15 July 2023 : Participated in a G20 Seminar on "The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutual Cordiality" at CIHTS, Sarnath.
2. 28-29 October 2023 : Participated in a International Conference on The Tenets of the Buddha Dhamma and Global Well-Being: Nature, Significance and Applicability at Gautam Buddha University, Greater Noida.
3. 4-16 October 2023 : Participated in a Capacity Building Programme For yong faculties on 'Interdisciplinary Framework for Foundation of Education' at CIHTS, Sarnath.

d. Gelug

(1)	Ven. Lobsang Gyaltsen	-	Professor & Head, Dept. of Sampradaya Shastra
(2)	Dr. Ngawang Tenphel	-	Assistant Professor
(3)	Geshe Tharkey	-	Assistant Professor

ANNUAL REPORT 2023-2024

(4) Dr. Tenzin Nyima	- Assistant Professor (Contractual)
(5) Geshe Rigzin Dorjee	- Assistant Professor (Contractual)
(6) Geshe Tenzin Dhemey	- Assistant Professor (Contractual)

Academic Activities:

Geshe Ngawang Tenphel

Nominated for the committee member:

1. 4th April, 2023 : Appointed as a member of the Departmental Research Committee (DRC) and took the interview for admission in Ph.D. Programme 2022-23 in Mool Shastra, Sampradaya Shastra and Restoration in Sanskrit. As per the office notice CIHTS/Exam/RDC/103.
2. 27th July, 2023 : Presided over as the President of the organising committee of 'Meri Mati Mere Desh' campaign as per the office order CIHTS/Adm- I/ Campaign/ 2023.
3. 07th Oct, 2023 : Nominated as member of the Moderation Board for the subject of Gelug Sampradhaya as per exam office letter CUTS/Exam/Mo/104/2023-24.
4. 17th Oct, 2023 : Appointed as a member of the committee under the Chairmanship of the Registrar to review and suggest the relevant updating/modification in the existing Examination Manual as per the office memorandum CIHTS/Exam/H2/2023.
5. 17 Oct, 2023 : Appointed as a member of the committee under the chairmanship of the Registrar to draft the guidelines and modalities and also to review the fees to be charged for the issuance of different certificates of the students as per Office Memorandum CIHTS/Exam/H1/2023.
6. 13th Dec, 2023 : Appointed to take the responsibility and look after proper arrangement of accommodation for the students at Bodh Gaya during the H.H. Dalai Lama preaching. As per the office notice TU/SA/71/2023.
7. 29th December, 2023 - 1st January, 2024 : Served as committee member of Long life Offering Management Committee regarding H.H the Dalai Lama's Long Life Offering Ceremony at Bodhgaya as per the office order CIHTS/ADMN -I/ Bodhgaya Ceremony/2023.
8. Received the Award of Excellence for extraordinary contribution on the occasion of Golden Jubilee of SWA by 50th Students Welfare Association on 2023.
9. 27-29 February 2024 : Delivered a lecture as a Chief Guest of Inaugural Ceremony and closing ceremony of Senior Students' Winter Campaign, 2024 organised by 51st SWA.
10. 22-03-2024 : Nominated as Chairman of a committee for repairing/ construction of boundary wall on the newly purchased land and behind basketball court as per office order dated.
11. 30th & 31st March, 2024 : Coordinated and managed all the events listed during the event of H.E. Ven. Prof. Samdhong Rinpoche's visit to our Institute for spiritual activities.

FACULTIES

Academic activities:

1. 5th April, 2023 : Successfully took the interview of the Ph.D aspirants 2022-23 at the Committee Room of Nalanda Bhawan.
2. 15th July, 2023 : Successfully attended the One Day National Seminar on “The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutual Cordiality” in the Atisha hall.
3. 2nd August, 2023 : Attended as a Chief Guest and delivered a speech on the opening ceremony of “Interclass LM Joshi Memorial Football Tournament”
4. August 28th - Sept 02, 2023 : Attended the “6 days Training Programme of Indian Knowledge System (IKS) in collaboration with IKS Division of Ministry of Education, New Delhi” organised in offline mode by the UGC Human Resource Development Centre, Banaras Hindu University, Varanasi.
5. 11th September, 2023 : Attended the “5th National Sowa-Rigpa Day Celebration” at AP Guest House. Jointly invited by Sowa-Rigpa Students Council and Department of Sowa-Rigpa.
6. 7th Oct, 2023 : Attended and delivered lecture on “History of Gelug tradition” and “Introduction of Five Departments of the Institute” during the 15 Days Induction Programme for BSRMS freshers at the PGRH hall. It was organised by the department of Sowa-Rigpa as per the office order TI/Sorig/IP/2023.
7. 4th-16th Oct, 2023 : Successfully delivered lectures on three different topics to ICSSR Sponsored two-week Capacity Building Programme for young faculties on “Interdisciplinary Framework for Foundation of Education” organised by Centre for Teacher Education, CIHTS, Sarnath.
8. 18th Oct, 2023 : Attended as chief guest at “Inter-class Culture Show Competition” and delivered a lecture on the occasion organised by Student Association of Performing Art at Atisha hall.
9. 10th November, 2023 : Attended as a Chief Guest of Sharing Experience of senior students’ Education Tour at Atisha hall. Organized by 51st SWA.
10. 29 December 2023 - 01 January 2024 : Attend the “long Life Prayer” at Both Gaya as per the office order CIHTS/ADMN/1/BodhgayaCeremony/2023 dated 16th Dec, 2023.

Minor Project

1. I guided as a supervisor whole book of research paper of A Bouquet of Lotus: A Historical Account of Mahayana and Madhyamaka Traditions, With a Critical Analysis of Some Difficult Concepts, researched by Geshe Lharampa Thupten Gyatso, submitted Gelugpa University on 2023.
2. Worked as the adviser and contributed as write up to the “Collection of Research Articles of Scholars” on the celebration of Golden Jubilee of Students’ Welfare Association, CIHTS, Sarnath, Varanasi, 2024. Printed at Sattanam Printers, Pandeypur, Varanasi. ISBN: 978-1-948203-23-4

Geshe Tharkey

1. 20-23 December 2023 : Attended International Sangha Seminar.
2. 9 December 2023 : Delivered lecture to exchange students from abroad on the four tenets of Buddhism.

Dr. Tenzin Nyima

1. 4-16 October, 2023 : “Two Week Capacity Building Programme for Faculties of Social Science Discipline on Interdisciplinary Framework for Foundations of Education” organized by Center for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
2. 18-19 Oct, 2023 : Hindi Translator of the teachings of His Eminence the 13th Taktsak Kundeling Rinpoche at Lahul Spiti, Himachal, organized by Lahul Culture, Education and Welfare Association.
3. 28-30 October, 2023 : Participated in International Conference on The Tenets of Buddha Dharma and Global well-being: Nature, Significance and Applicability, jointly organized by Ministry of Culture, International Buddhist Confederation, Gautam Buddha University and Central Institute of Himalayan Culture Studies at Gautam Buddha University, Greater Noida.
4. 30th October to 5th November, 2023 : In collaboration with Chief Vigilance Officer and a colleague, organized poster competition, quiz competition and debate competition on Demerits of Corruption, during the Vigilance Awareness Week observed at Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
5. 20-23 December, 2023 : Presented research paper entitled “Application of Noble Eightfold Path in Fostering Global Holistic View and Global Well-being” at the International Sangha Forum 2023, organized by International Buddhist Confederation and Dalai Lama Trust at Bodhgaya, Bihar.
6. 20-23 Dec. 2023 : Hindi Translator of the deliverances of scholars at the International Buddhist Confederation, organized by International Sangha Forum.
7. 29th Dec. 2023 - 1st Jan. 2024 : Convener of Long-Life Offering Management Committee, offered to His Holiness the Dalai Lama at Bodhgaya, Bihar.
8. 2nd Jan. 2024 : Delivered lecture on “Four Noble Truths and Eightfold Noble Path” to the western participants of Academic Exchange Program 2023-2024.
9. 3rd - 17th Jan. 2024 : Interpreted the lectures of two scholars for the western participants of Academic Exchange Program 2023-2024.
10. 21st Jan. 2024 : Presented a paper entitled “Emotional Health in Building Nation” at the National Seminar on Core Values of all Religions organized by Dharma Sanskriti Sangam, Kashi.
11. 27th Feb. - 5th March, 2024 : Participated in the eight days’ lecture series on Vedanta and Sankhya Philosophy, organized by Moolshastra Department, CIHTS, Sarnath, Varanasi
12. 27th Feb - 5th March 2024 : Coordinator in the weeklong special classes on “Sankhya and Vedanta Philosophy” organized by Moolshastra Department of CIHTS, Sarnath Varanasi
13. 31st March, 2024 : Editor: Edited the Himalayan Jyoti Magazine published by Himachal Buddhist Students’ Association, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

Committees:

Member – Vigilance Section, CIHTS

Member – ‘Collaboration and Community’ under Research and Development Cell (RDC), CIHTS, Sarnath, Varanasi

Co-Ordinator – Central Nodal Agency, CIHTS

Geshe Rigzin Dorjee

1. 4-16 October, 2023 : “Two Week Capacity Building Programme for Faculties of Social Science Discipline on Interdisciplinary Framework for Foundations of Education” organized by Center for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
2. 20-23 December, 2023 : Participated in the International Sangha Forum 2023, organized by International Buddhist Confederation and Dalai Lama Trust at Bodhgaya, Bihar.
3. 21st Jan. 2024 : Presented paper “Understanding Justice from Buddhist Perspective”. National Seminar on Core Values of all Religions organized by Dharma Sanskriti Sangam, Kashi.
4. 27th Feb. – 5th March, 2024 : Participated in the eight days lecture series on Vedanta and Sankhya Philosophy, organized by Moolshastra Department, CIHTS, Sarnath, Varanasi

Book Published:

2024 : Key to Opening the Intricacies of Mahashastras.

Geshe Tenzin Dhemey

1. 4-16 October, 2023 : Participated in “Two Week Capacity Building Programme for Faculties of Social Science Discipline on Interdisciplinary Framework for Foundations of Education” organized by Center for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
2. 20-23 December, 2023 : Participated in the International Sangha Forum 2023, organized by International Buddhist Confederation and Dalai Lama Trust at Bodhgaya, Bihar.
3. 21st Jan. 2024 : Presented paper “Empowering Nation with Buddhist Idea of Ethics”. National Seminar on Core Values of all Religions organized by Dharma Sanskriti Sangam, Kashi.
4. 27th Feb. – 5th March, 2024 : Participated in the eight days lecture series on Vedanta and Sankhya Philosophy, organized by Moolshastra Department, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

Books Published:

2024 : The Essence of Buddhist Philosophy and Practice

2024 : The Intricacies of Two-Stages in Tantra and Its Critics

III. Department of Bon Sampradaya Shastra

Bon is an indigenous Tibetan religion with a history of several thousand years of uninterrupted tradition of philosophy and spiritual practice. It has a huge corpus of literature on philosophy, epistemology, metaphysics and logic. The Institute has been conducting Degree Courses in Bon Sampradaya Shastras by categorizing the

ANNUAL REPORT 2023-2024

courses into two sections on the basis of the development of its literature. Firstly, the texts comprising teachings of Bonton Shenrap (the founder of the Bon tradition) and its commentaries authored by earlier masters. Secondly, the texts and commentaries authored by the later masters from around 8th century onwards.

Faculty Members:

(1) Ven. G.T. Chogden	- Associate Professor & Head (On Leave)
(2) Ven. Gorig Lungri Lodan Wangchuk	- Associate Professor & Students' Dean
(3) Ven. C.G.S. Phuntsok Nyima	- Assistant Professor (HoD)
(4) Geshe Namdak Tsukphus	- Assistant Professor (Contractual)
(5) Geshe Yungdrung Tsewang	- Assistant Professor (Contractual)
(6) Norbu Chhayang Lama	- Assistant Professor (Contractual)
(7) Geshe Phuntsok Tsunzin	- Assistant Professor (Contractual)

Academic Activities:

Ven. C.G.S. Phuntsok Nyima

Committee Member

1. Chairperson of DRC
2. Member of the Mahashastra
3. Member of Academic Council
4. HOD of Bon Samparadaya
5. Member of Offering Management Committee regarding H.H. the Dalai Lama's Long-life Offering Ceremony
6. President of Yungdrung Bon Committee
7. Member of Attendance Scrutiny Committee

Paper presentation

1. Paper presentation ཁྱེད་གཉན་འཛིང་དང་གཉན་སྟོན་ཤེས་རབ་རྩི་མཁོ་གཉིས་ལ་དབྱེད་པ། Triten Norbutse Institute, Nepal Triten Norbutse Institute
2. Taken class of Exchange Program Students from USA-CIHTS

Research Articles/Books

1. ཁྱེད་གཉན་འཛིང་དང་གཉན་སྟོན་ཤེས་རབ་རྩི་མཁོ་གཉིས་ལ་དབྱེད་པ། 24th Dreypoi Beltam (Journal) Kathmandu, Nepal ISBN 9789937192024 International journal
2. A study of the Kilaya Tantra in the Bon Tradition, Introduction (wrote chapter) ISBN 9788196981686
3. ལྷ་བརྩེད་དུས་འདྲིམ་ཁས་པའི་དབྱེད་རྩིས་ཕྱོགས་བསྒྲིགས། ISBN 978-1-948203-23-4, SWA, CIHTS

Geshe Namdak Tsukphus

Academic Activities:

1. 4th to 16th October 2023 : Participated in “Two-week Capacity Building Programme for Faculties in Social Science Discipline on Interdisciplinary Framework for Foundations of Education” sponsored by ICSSR organized by CTE, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

FACULTIES

2. 20th to 22nd December 2023 : Took part in International Sangha forum at Bodhgaya.
3. 22nd November 2023 : Assisted the Attendance Scrutiny Committee for the session of 2023-24.

Geshe Yungdrung Tsewang

Professional Development & Achievements

1. 4-16 October 2023 : Training Programs : Capacity Building Programme for Faculties.
2. 27 February - 5 March 2024 : Workshop : Participated in Vedanta and Sankhya Philosophy (eight days lecture series)

Norbu Chhayang Lama

Seminar:

6 September, 2023 : Presented the Research Paper on 'History and Bonpos of Humla in Northwestern Nepal' in two days seminar on Bon Study Symposium organized by Drepoi Beltam at Triten Norbutse Monastery, Kathmandu, Nepal.

Publication:

January 2024 : Published the Article “བལ་པོའི་རྒྱལ་བྱང་མཚམས་སུ་གནས་པའི་བྱམ་ལའི་སྐོར་གླེང་བའི་གཏམ།” in Journal of Bon Study (ISSN 9789937192024) ‘Dreypoi Beltam 24th Edition’ by Triten Norbutse Monastery.

Geshe Phuntsok Tsunzin

1. 21th to 24th June 2023 : Speaker of 6th Impartiality Symposium, presentation on the topic “Madhyamaka Philosophy” organized by Central Tibetan Administration, Department of Religion and Culture & Gaden Sharjang Academic Association at Mundgod South India.
2. 26th November 2023 : Hosted an online webinar on the Topic “Origination of Dialectic Debate in India and Development of Dialectic Debate in Tibet” under the organization of 16th Khampa Writer’s Group as a member of the organization.
3. 20th December 2023 : Participated in International Sangha Forum ISF 2023 at Bodhgaya, themed “Bridging Tradition, Embracing Modernity: A Dialogue on the Buddha’s Teachings in Today’s World”.
4. 4th-16th October 2023 : Participated in “Two weeks Capacity Building Programme for Faculties in Social Science Discipline on Interdisciplinary Framework for Foundations of Education”, sponsored by Indian Council of Social Science Research (ICSSR) At Centre for Teacher Education, CIHTS, Sarnath, Varanasi. Organized by CTE, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
5. September 2023 to September 2024, for one year served as a Treasurer of “Khampa Writer’s Group Organization”.
6. 28th January 2024 : Hosted an online webinar on “International Pali and Sanskrit Discussion” organized by Khampa Writer’s organization.

B. FACULTY OF SHABDA VIDYA

Prof. Dharmadutt Chaturvedi - Dean (Date 1.4.2023 - 29.02.2024)

ANNUAL REPORT 2023-2024

In this faculty, an introduction to the nature of Indian, ancient and modern languages and Tibetan language and education of their literature is provided. Education of grammar, prose, poetry, epic, drama, verse etc. of Sanskrit, the original language of Buddhism and especially Mahayana philosophy literature, is provided under compulsory Sanskrit and Buddhist Jatak, Avadana, Ethics, Poetics, Sankhya Vedanta and Pramana etc. are studied under the optional Sanskrit curriculum. After postgraduate, students also do research in Sanskrit for PhD degree under the research guidance of departmental teachers. In this direction, research work of many senior research scholars has also been completed, who are holding high positions. For this, an independent Sanskrit department has been established in this faculty. Independent Tibetan Language and Literature departments are working for the study of Tibetan language and its literature. Students have to study this language compulsorily.

Apart from this, Hindi, English and Pali are studied under the Classical and Modern Languages Department. In this, study of either Hindi or English is compulsory. Whereas, education of Pali language and its literature is given under the optional curriculum.

I. Department of Sanskrit

(1) Prof. Dharmadutt Chaturvedi -	Professor, Head of Shabdaavidya Faculty, and Head of Sanskrit Department (till 29.02.2024)
(2) Dr. Anirban Dash	- Associate Professor and Head of Department (on deputation leave from November 2022)
(3) Dr. Shailesh Kumar Pathak	- Assistant Professor (Contractual)
(4) Two posts vacant	- Professor-1, Assistant Professor-1

Departmental Activities:

Teaching by Additional Departmental Teachers

- (1) Prof. Pema Tenzin, Head - Translation Department, teaching in Uttar Madhyama First Year, Compulsory Sanskrit class.
- (2) Dr. Ramji Singh, Assistant Professor, Translation Department, teaching in four Sanskrit classes in both sections of Purva Madhyama and Uttar Madhyama.
- (3) Dr. Dawa Sherpa – Assistant Professor (Contractual), Sowa-Rigpa Department, teaching in Purva Madhyama I, Shastri I, Compulsory Sanskrit and Uttar Madhyama I and II year classes of Sowa-Rigpa Department.
- (4) Dr. Vishwaprakash Tripathi, Research Assistant (Contract), Department of Dictionary, teaching in Purva Madhyama II Compulsory Sanskrit, Shastri III B-grade Sanskrit class.
- (5) Dr. Umashankar Sharma, Assistant Professor (Contractual), Bhot Jyotish Department, teaching in Uttar Madhyama II, Shastri II Compulsory Sanskrit and Shastri, I B-grade Sanskrit classes.
- (6) Dr. Shailesh Kurmar Pathak, Assistant Professor (Contractual), Sanskrit Department, teaching in Shastri 2nd (optional) and UM 2nd (Compulsory) classes.

Departmental Activities-

1. 11-18 September, 2023 : Week long Sanskrit training program was organized by Sanskrit Department, in which the students were given practice of Sanskrit conversation and sentence usage from 2-4 pm.
2. 13 September, 2023 : Shloka recitation competition of students was organized.
3. 16 September, 2023 : Sanskrit Kavi Sammelan was organized by the department, with the Honorable Vice Chancellor of Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, Prof. Bihari Lal Sharma, as Chief Guest and under the chairmanship of Honorable Vice Chancellor of CIHTS, Sarnath, Prof. Wangchug Dorjee Negi.

Prof. Dharma Dutta Chaturvedi

Publications-

1. 114 verses published in the book titled 'Acharyahariduttasharmashatakam' in the Sanskrit work 'Amritayanam'. ISBN 978-93-90964-58-1, Publisher- Raka Prakashan, 40A Motilal Nehru Road, Prayagraj, 2023.
2. 'Srinath Shastri Shatakam' – The composition entitled 'Shrish' published in 'Smritiprabha', Bhagwat Seva Sansthan, Shrinath Shastri Path Vrindavan-2024.
3. 'Dhatvarth-Darshan' – Research essay published in the book 'Language Darshan' – ISBN 978-93-5825-04-80, Publisher – Pralek Prakashan 702, J. 50, Global City Mumbai. Year 2024, Editor- Sarvesh Tiwari, Ashish Kumar Tiwari.
4. 'Ayodhyapatishriramrajyashatakam' – Poetry composition, published from Shri Ram JanmabhoomiNyas, Ayodhya.
5. Essay titled 'The temple of Lord Shri Ram is the moment of end of all sorrows' published from Yogavani magazine, Gorakshpeeth Gorakhpur. Year-49, R.N.I. 297576, year 2023.
6. Research essay titled 'Concept of Buddhist Noble Truth' published in Yogavani magazine from Gorakshpeeth Gorakhpur. Year-49, R.N.I. 297576, year 2024.
7. Published article entitled 'Shikshapatriya Naridharma Vimarsh', in the book named 'Shikshapatri-Vyakhyankoustubham'. Published from Shri Swaminarayan Temple, Bhuj, District- Kutch, Gujarat. ISBN-978-93-80694-52-8, 2023.

Books:

1. The book, "Shikshapatri – VyakhayanaKaustubham" was edited and published. Publisher- Published from Shri Swaminarayan Temple, Bhuj, District- Kutch, Gujarat. ISBN-978-93-80694-52-8, 2023.
2. 'Sarvadevpujadarpanah' Published from Sharda Sanskrit Sansthan, Kamchha, Varanasi.

Honours:

1. 5 October, 2023 : 'Shrish' Samman honored by Shrinath Shastri Birth Centenary Celebrations Vrindavan from 2023.

ANNUAL REPORT 2023-2024

2. 27 November, 2023 : Honored with 'Nimbarkadarshanotkrishtavidvabhushan' award 2023 by Shri Ramdas Kathiababa Ashram Trust Committee Shivala, Varanasi.

Invited Lectures-

1. 4 April, 2023 : Gave a lecture at Rudraksh Convention Center Sagra, Varanasi in the scholarly conference organized on the occasion of the birth anniversary of Badrinath Jyotishpeethadhishwar Shankaracharya Shri Swami Avimukteshwaranand Saraswati Ji Maharaj.
2. 12 March, 2023 : Coordinated and conducted the farewell ceremony organized on the occasion of completion of service of Prof. N. Sameten, Vice Chancellor, CIHTS, Sarnath.
3. 23 April, 2023 : Gave a lecture on the topic 'Ekatvamanupashyatah' in the scholarly seminar organized as part of the annual function of Sri Chandramouli Charitable Trust, Neechi Brahmipuri, Varanasi.
4. 26 May, 2023 : Delivered a Sanskrit lecture under the 'Vasudev Dwivedi Shastri Punya Smriti' ceremony at the Vedic Science Centre, BHU.
5. 22 August, 2023 : Recited and dedicated the composition, 'Sanatansahityasammanapatram', at Prof. Revaprasad Dwivedi's memorial meeting - at the Faculty of Sanskrit Vidya Dharam Vijnan, Banaras Hindu University.
6. 27 August, 2023 : Swami Madhavpriya Das's 'Sammanapatram' was composed and presented on stage on the occasion of scholarship award in the international seminar organized by Shri Swaminarayan Mandir Badtal Gujarat at BHU.
7. 20 September, 2023 : Gave Sanskrit lecture as a special speaker in the 'Sanskrit Prabodhan' training organized by Uttar Pradesh Sanskrit Sansthan, Lucknow.
8. 21 September, 2023 : On the invitation of Madhya Pradesh Chief Minister Shri Shivraj Singh Chauhan, participated in the program of unveiling the huge statue of Adi Shankaracharya at Omkareshwar Dham, Indore, MP.
9. 25 September, 2023 : Delivered an online lecture on Sanskrit Buddhist poetry discussion for the co-teachers and assistant teachers in the refresher course organized by the Sanskrit Department of Shri Deendayal Upadhyay University, Gorakhpur.
10. 24 October, 2023 : Delivered a lecture on 'Chhanda' training workshop organized by the Facebook group named 'Mam Sanskritam' through online zoom link on the topic 'Shikharini Chand'.
11. 9 November, 2023 : Delivered a welcome address as Coordinator of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Varanasi under the 'Ekadasi Gita' Lecture series organized by ChaturvedSanskritPracharSansthanam, Varanasi.
12. 26 November, 2023 : Delivered a lecture on the topic 'Bhaktiswaroopam' under the Vidvatsammelan in the Sri Lakshminarayan Yagna organized by Sri Swami Lakshmi Prapannacharya Ji Jiyar Swami at Vishwasundari Bridge Gangaghat, Varanasi.
13. 10 December, 2023 : Delivered the 'Ravivasariya Gita' lecture in Malaviya Bhavan. Geeta Samiti BHU.

FACULTIES

14. 13 December, 2023 : Gave a lecture in a scholarly seminar organized by Vishwanath Temple Corridor Committee.
15. 15 January, 2024 : Gave online lecture in Sanskrit language on the special topic 'Sanskrit Prakashpanpaddhate' in the 'Sheetkalin Sanskrit training camp' organized by Universal Sanskrit Prachar Sansthan, Varanasi.
16. 17 January, 2024 : Delivered a lecture on the topic 'Sanskrit Shikshan Paramparaya: Sanrakshanam Vikascha' in the International Sanskrit Seminar organized by Uttar Pradesh Sanskrit College Teachers Committee at Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi and performed the responsibility of presiding over the Sanskrit Kavi Sammelan.
17. 31 January, 2024 : Gave a lecture on the topic 'Shri Ramanandacharya Vishwasandesh' in the scholarly seminar organized by Shri Ram Mandir Khojawan, Varanasi on the birth anniversary of Ramanandacharya.
18. 6 February, 2024 : Gave an invited lecture at the Silver Jubilee of Sri Swaminarayan Vishrant Bhavan Vile Parle, Mumbai.
19. 19-20 February, 2024 : Performed the responsibility of judge in Kavyashalaaka and Buddhist-Jain Philosophy 'Shastra-Shalaaka' competition in the All India Shastra Competition program organized by Central Sanskrit University, New Delhi at Sarvabhouth Sanskrit Vidyalaya Ayodhya.
20. 22 February, 2024 : Delivered a lecture on 'Shabda Shakti Vimarsh' as Saraswat guest in the International Seminar organized by the Department of Grammar, Faculty of Sanskrit Vidyadharma Vigyan, Banaras Hindu University.
21. 23 February, 2024 : Attended the meeting of Prime Minister Narendra Modi ji at Swatantrata Bhavan BHU and gave the welcome speech on the request of the scholars as a representative of the scholars of Kashi.
22. 29 February, 2024 : Delivered a speech of gratitude in response to the welcome and greetings at the farewell ceremony organized on the occasion of completion of my institutional service, presided over by Vice Chancellor Prof. Wangchug Dorjee.

Poetry presentations:

14 Febtuary, 2024 : Recited poetry in Sanskrit kavi sammelan organized in Sampurnanand Sanskrit Univ, Varanasi on the death anniversary of Padmabhushan Prof. Vidyanivas Mishra.

Research and evaluation:

1. 5 April, 2023 : Interviewed research students of Sanskrit for registration of Ph.D. degree of CIHTS, Sarnath.
2. 11 April, 2023 : Interviewed as subject expert for the appointment of Assistant Professor, Sanskrit in Maharishi Panini Sanskrit and Vedic University, Ujjain.
3. 10-14 June, 2023 : Edited the book "Shikshapatri Vyakhyan Kaustubham" at Shri Swaminarayan Mandir Charitable Trust Vishranti Bhuvan Kalhupur Ahmedabad.
4. 13 January, 2024 : Chaired the study board meeting of the innovative curriculum of the Institutional Intensive Sanskrit Training, and refined the curriculum.

ANNUAL REPORT 2023-2024

5. 25 January, 2024 : Gave a presentation for the approval of the Intensive Sanskrit Training Course in the Institutional Academic Council.
6. 3 February, 2024 : Took the viva of the thesis of a research student in the Department of Buddhist Philosophy, Sampuranand Sanskrit Vishwa Vidyalaya, Varanasi.

Seminar

1. 27 May, 2023 : Delivered a lecture as a representative of CIHTS, Sarnath for the panel discussion in the seminar organized by Tibet Liberation Association at Education Faculty Kamchha, Varanasi.
2. 26 August, 2023 : Presented a research paper on “Sri Swaminarayanamate Brahman: Paramopaasyata Vimarsh” in the International Seminar organized by Sri Swaminarayan Temple Trust Badtal Gujarat at BHU.

Research Guidance (Ph.D.), CIHTS, Sarnath

1. Supervisor of Pasang Tenzin's research work
2. Co-supervisor of the research work of Ngwan Gyalchen Negi
3. Co-supervisor of Lobsang Chotak, research student
4. Supervisor of Buddha Lama
5. Supervisor of Vimal Mitra's research work
6. Supervisor of Virendra Kumar's research work

Dr. Anirban Dash

Took charge on deputation leave at the post of Director, National Manuscript Mission Centre, New Delhi in November 2022.

Dr. Shailesh Kumar Pathak

11-18 September, 2023 : Worked as a Sanskrit instructor for a one week teaching students under the Sanskrit Grammar and Translation Training Program in the "Sanskrit Week Celebration" organized by the Sanskrit Department of the Central Institute of Higher Tibetan Studies.

II. Department of Tibetan Language and Literature

(1)	Dr. Lhakpa Tsering	-	Assistant Professor & Head
(2)	Mr. Lobsang Dhonden	-	Assistant Professor (Contractual)
(3)	Ven. Lobsang Choedak	-	Teaching Assistant
(4)	Ven. Jampa Lhundup	-	Teaching Assistant

Academic Activities:

Dr. Lhakpa Tsering

I Academic activities:

As a member of the Education Council and Advisory Committee of the Education Department of the Central Tibetan Administration, I was requested by the office of the Education Council to visit all eleven Tibetan schools during my summer vacation. I conducted inspections and supervision at these schools, and the detailed program is outlined below:

1. i. 19 May, 2023 : Delivered three separate lectures to students, teaching and non-teaching staff, and parents of Sambota Tibetan School in Manali,

FACULTIES

- HP. The event was organized by the school in the school hall, where I also inspected classrooms, the library, and the science lab.
- ii. 16-17 June, 2023 : Delivered three separate lectures, to students, teaching and non-teaching staff, and parents of TCV School in Bylakopa, Mysore, separately. The event was organized by the school in the school hall, where I also inspected classrooms, the library, and the science lab.
 - iii. 19 June, 2023 : Delivered a lecture to the parents of CVP School in Bylakopa, Mysore, organized by the school administration in the school hall.
 - iv. 20 June, 2023 : Delivered three separate lectures to students, teaching and non-teaching staff, and parents of Sambhota Tibetan School in Arlikumari. The event was organized by the school in the school hall, where I also inspected classrooms, the library, and the science lab.
 - v. 21 June, 2023 : Delivered three separate lectures to students, teaching and non-teaching staff, and parents of Sambhota Tibetan School in Kailashpura. The event was organized by the school in the school hall, where I also inspected classrooms, the library, and the science lab.
 - vi. 22 June, 2023 : Delivered three separate lectures to students, teaching and non-teaching staff, and parents of Sambhota Tibetan School in STS Guledhal. The event was organized by the school in the school hall, where I also inspected classrooms, the library, and the science lab.
 - vii. 23 June, 2023 : Delivered three separate lectures to students, teaching and non-teaching staff, and parents of Sambhota Tibetan School in STS Bylakuppe. The event was organized by the school in the school hall, where I also inspected classrooms, the library, and the science lab.
 - viii. 24 June, 2023 : Delivered three separate lectures to students, teaching and non-teaching staff, and parents of Sambhota Tibetan School in CVP. The event was organized by the school in the school hall, where I also inspected classrooms, the library, and the science lab.
 - ix. 26 June, 2023 : Delivered three separate lectures to students, teaching and non-teaching staff, and parents of Sambhota Tibetan School in STS Gurupura. The event was organized by the school in the school hall, where I also inspected classrooms, the library, and the science lab.
 - x. 27 June, 2023 : Delivered a lecture to Zonkhachede students and teachers on the importance of teaching language and how to preserve it in the school library hall, organized by the school administration.
 - xi. 29 June, 2023 : Delivered three separate lectures to students, teaching and non-teaching staff, and parents of Sambhota Tibetan School in STS Kollegal.
 - xii. 30 June, 2023 : Delivered three separate lectures to students, teaching and non-teaching staff, and parents of Sambhota Tibetan School in STS Kollegal. The event was organized by the school in the school hall, where I also inspected classrooms, the library, and the science lab.
 - xiii. 2 July, 2023 : Delivered a lecture on the topic "How to Raise Today's Children" to parents of Sambhota Tibetan School in Mundgod.

ANNUAL REPORT 2023-2024

- xiv. 3 July, 2023 : A) Delivered a lecture to students during the morning assembly and observed morning activities. B) Inspected all units of the school and classroom teachings. C) Visited both the girls' and boys' hostels, as well as the library and classrooms. D) After lunch, delivered a lecture to all non-teaching and teaching staff of the school.
- xv. 4 July, 2023 : Observed the morning assembly of the primary school at Mundgod Sambhota and delivered a lecture during the assembly. After lunch, I met with teachers and discussed various topics while visiting the units of the school.
- xvi. 5 July, 2023 : Visited a branch school and four primary schools in Mundgod.
- xvii. 6 July, 2023 : Invited as a guest speaker at Gaden Monastic University, I gave a talk to students on the topic of His Holiness the Dalai Lama's contributions to world education.
- xviii. 15 July, 2023 : Attended a G20 seminar on "The Buddhist Value System in Indian Civilization and Mutual Respect," organized by CIHTS and ICCS.
- xix. 4-16 October, 2023 : Attended a two-week capacity building program for young faculty organized by the CTE of CIHTS, Sarnath.
- 2. 5 August, 2023 : Monpad Sambhota Tibetan School invited me to give a talk to the teachers on the topic of Secular Ethics. I delivered the talk online via Zoom, organized by the school.
- 3. October, 2023 : Delivered five separate lectures to the first-year students of BSRMS on the topic of "How to Study Tibetan Language and Literature" during a 15-day Induction Programme for Sowa-Rigpa Professional First Year for the academic year 2023-2025, organized by the Sowa-Rigpa Department of CIHTS, Sarnath, Varanasi.
- 4. 27 November to 1 December, 2023 : As an expert in checking Ph.D. theses and a co-guide for a Ph.D. candidate, I was invited by the Dalai Lama College as an external examiner for the Ph.D. viva voce and final ceremony.
- 5. 12 December, 2023 : I was invited to speak to a parents' group of 140 members on the topic of "Children's Mother Tongue Depends on Their Parents." The talk was organized by the group, president Acharya Kalsang Phuntsok.
- 6. 24 January, 2024 : The Public Service Commission of the CTA invited me as a subject expert for setting the curriculum, textbooks, and question paper patterns for the public service candidate examination.
- 7. 19 to 27 February, 2024 : Organized a workshop on New Poetry Theory in the Tibetan language for the students of CIHTS.
- 8. February, 2024 : I was appointed as an external expert for setting the Tibetan language question paper for the Ph.D. coursework exam.
- 9. 8 March to 15 April, 2024 : I provided tuition to junior students and completed "Stags Jug Kasal Melong," which covers verbal grammar of the Tibetan language. This tuition was organized by the Department of Tibetan Language at the request of the CIHTS students.

FACULTIES

10. 11-12 March, 2024 : As an external expert member of the Education Council and Advisory Committee, I attended the Eleventh Meeting of the committee organized by the Office of the Department of Education, CTA, in Dharamsala, HP.
11. 17 March, 2024 : Attended the Academic Council Meeting of CIHTS held in the committee room, organized by CIHTS.
12. As the General Secretary of 5th executive members of Alumni Association of CIHTS, organized more than ten meetings of about Long Life Puja of His Holiness the Dalai Lama and other activities which are related with AAC.

II Members of Academic and non-academic:

1. Dean of Faculty of Shabda Vidya of the Institute.
2. HoD of Tibetan Language & Literature
3. HoD of Sanskrit language
4. Co-ordination of Ph.D. course work 2022-2023.
5. Member of Academic Council of CIHTS, Sarnath Varanasi
6. General Secretary of 5th executive members of Alumni Association of CIHTS.
7. DRC Chairman of Tibetan language and literature.
8. Member of *Education Council and Advisory Committee*, Department of Education, CTA. Dharamasala HP
9. Member of UG Syllabus Framing Committee of Sowa-Rigpa
10. Guide of Ph.D. Students (five) of CIHTS, Sarnath. Varanasi. UP
11. Co Guide of a Ph.D student of Dalai Lama Institute.
12. Member of Price Verification Committee for Tib Book of Shantarakshita Library of CHITS from 10.08.2023
13. Member of Committee for Preparation Exhaustive List of Tibetan Journal etc. of CIHTS.
14. Member of Committee to Design Standardized Tibetan Research Stylesheet of the Institute.
15. Member and Reviewer for Tibetan Translation of New Website Committee of CIHTS.

Ven. Lobsang Choedak

1. 17 to 26 April 2023 : Conducted ten days workshop on Tibetan Language & literature for Shastri 3rd year students in Sambhota Bhavan of CIHTS.
2. 22 to 24th August 2023 : Presented research paper on 'Sanskarti Jatakas of Arya Sura and its impacts on Tibetan classical literature'. 9th Young Tibetan Research Scholars' Conferences. Organized by Tibet Policy Institute, Dharamsala.
3. 25th to 27th October 2023 : Delivered a talk on 'Reviving India's civilizational heritage: One of the four Principal Commitments of His Holiness the 14th Dalai Lama'. Organized by Lhanampunsum Committee, Dharamsala, Tipa.
5. 11 November 2023 : Organized one day symposium on the topic on the topic 'Kavyadarsa of Dandin.' Shastri 2nd year in Sambhota Bhavan of CIHTS.

ANNUAL REPORT 2023-2024

4. 15 November 2023 : Organized one day symposium on the topic 'Classic and Modern Tibetan literature'. Among Acharya 1st & Shastri students.
6. 27th-29th February, 2024 : Given a talk on 'The Composition & Characteristics Features of Artistic Literature' organized by the 51th Students' Welfare Association.

Ven. Jampa Lhundup

1. Drafted a book "Key to Linguistics" in Tibetan for teaching and publishing purposes.
2. Translated Dr. Ambedkar's autobiography "Waiting for a Visa" into Tibetan.

III. Department of Classical and Modern Languages

(1) Prof. D. D. Chaturvedi	- Head
(2) Dr. Anurag Tripathi	- Assistant Professor (Hindi)
(3) Dr. Jyoti Singh	- Assistant Professor (Hindi)
(4) Dr. Animesh Prakash	- Assistant Professor (Pali)
(5) Dr. Mahesh Sharma	- Assistant Professor (English)
(6) Dr. Ravi Ranjan Dwivedi	- Assistant Professor (Contractual) (Pali)
(7) Dr. Jasmeet Gill	- Assistant Professor (Contractual) (English)

Departmental Activities:

04-12 March, 2024 : A seven-day special lecture series on the subject of 'Hindi Grammar and Literature' was organized by the Department of Classical and Modern Languages (Hindi). Dr. Ramsudhar Singh, Dr. Avinash Kumar Singh, Prof. Shraddha Singh, Prof. Awadhesh Pradhan, Prof. Satyapal Sharma, Prof. Shraddhanand and Prof. Baburam Tripathi delivered lectures on various topics such as the history of Hindi literature, devotional poetry and human love, words and sentence ideas, Hindi novels and Buddhism, Modern Hindi poetry, punctuation marks and gender and number.

Dr. Anurag Tripathi

Workshop, Seminar and Research Paper Presentation-

1. 16 August - 18 September, 2023 : Organized Kashi MP Cultural Festival.
2. 25-30 September, 2023 : Organized Rajbhasha Saptah Celebration in CIHTS.
3. 4-16 October, 2023 : Organized a two-week 'Capacity Building Program' sponsored by Indian Council of Social Science Research, New Delhi in CIHTS.
4. 10 January, 2024 : Organized a one-day lecture on 'Making Hindi the language of public opinion, without forgetting the importance of their mother tongue' on the occasion of World Hindi Day in CIHTS.
5. 14-16 January, 2024 : Participated in the three-day national seminar on "The Rise of Hindi Literature : Layout and Sensitivities" organized under the joint aegis of Vidyashree Trust and Hindustani Academy (U.P.) Prayagraj, Sahitya Academy, New Delhi and Lal Bahadur Shastri Postgraduate College, Chandauli.
6. 22 January - 3 February, 2024 : Organized Kashi MP Knowledge Competition.

FACULTIES

7. 4-12 March, 2024 : Organized a seven-day special lecture on 'Hindi Literature and Grammar'.

Invited Lectures-

1. 27 May, 2023 : Participated as co-chairperson in the seminar on 'Education and Culture of Indo-Tibetan Society in the Context of Global Scenario' organized under the joint aegis of Faculty of Education, Banaras Hindu University, Varanasi and Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
2. 7 December, 2023 : Delivered a lecture as a speaker on 'Personality and Works of Agyeya' in the two-day seminar on the personality and works of major poets/writers of Hindi literature organized by State Hindi Institute, Uttar Pradesh, Varanasi.
3. 17 February, 2024 : Delivered a lecture as a speaker in the seminar on Assessment and Innovation in Teaching Learning (National Education Policy) organized by District Education and Training Institute, Sarnath, Varanasi.

Committee Member-

- (a) Member Secretary, Official Language Implementation Committee, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
- (b) Member, Annual Report Committee, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
- (c) Member, New Website Committee, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
- (d) Member-Secretary, I.P.R. Legal and Ethical Committee, Research and Development Cell, CIHTS, Sarnath, Varanasi.
- (e) Member, Academic Council, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

Dr. Jyoti Singh

Participation in workshop/seminar and presentation of research paper-

1. 4-12 March, 2024 : Organized a seven-day special lecture on the topic 'Hindi Sahitya evam Vyakaran'.

Other institutional responsibilities-

1. Chairman - Sexual Harassment Cell
2. Member - Scheduled Caste/Tribe and Other Backward Class Compliance
3. Member - Annual Report Committee
4. Member - Editorial Committee of 'Bodhiprabha' Patrika, Rajbhasha Implementation Committee, CIHTS.

Dr. Animesh Prakash

Research Work:

Currently working as a post-doctoral fellow on a 2-year project at Shan State Buddhist University, Taunggyi, Myanmar.

Publication:

Prakash, Animesh. 2023. "Bodhipakkhiya Dhamma: The Seven Sets in Pāli Literature." *The Maha Bodhi* 132: 22-36.

ANNUAL REPORT 2023-2024

Invited Lecture:

1. 15 August, 2023 : Delivered a Lecture on *Theravāda Buddhist Studies: Retrospect and Prospect* at Sitagu Ketumati Buddhist Academy, Taungoo, Myanmar;
2. 27 September, 2023 : Delivered a Public Lecture on *Identifying Different Prākṛtas* (two sessions) at Shan State Buddhist University, Taunggyi, Myanmar; and
3. 04 February, 2024 - 04 March, 2024 : Delivered ten lectures in the 30-day Pāli learning and Literature Workshop at Central Sanskrit University, Agaratala, Tripura.

Paper Presentation In Seminar:

1. 15 July, 2023 : Paper presented on *Some Reflections on Buddhist Educational Values* in the National Seminar held at CIHTS on the theme “The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutual Cordiality.”
2. 08 December, 2023 : Paper presented on “Teachings of the Buddha for Global Wellbeing” in an International Conference on Exploring Impact of Buddhist Teachings on Community Development and Global Well-being in collaboration with Embassy of India, Kathmandu and Lumbini Buddhist University, Nepal.

Other academic engagement:

20-29 March, 2024 : NEP 2020 Orientation and Sensitization Programme, organised by National Sanskrit University, Tirupati, AP.

Dr. Mahesh Sharma

Publication-

Book Chapters

1. Mahesh Sharma and T.S. Kavitha - “Narrating Medicine and Holistic Healing: An Ethics of Cure” in *Narrative Medicine- Trauma and Ethics*, edited by Anders Juhl Rasmussen and Morten Sodermann, 155-165, ISBN: 978-1-64889-845-7, Vernon Press, USA, 2024
2. “Revisiting Indian Knowledge System in NEP 2020: Decolonizing the Indian Education” (178-186) in *NEP 2020: Transforming Pedagogies of 21st Centuries*, edited by Minakshi Biswal, Jai Singh, and Yogita Beri. New Delhi: Bharti Publications, 2023. ISBN: 978-81-19757-01-5

Journals

1. “Book Review of *Sound and Literature*. Cambridge University Press, 2020, 442 Pp. Anna Snaith (Ed.).” in the international open peer-reviewed journal *Pulse: The Journal of Science and Culture*, Volume 9, 2022 Central European University, Hungary. ISSN 2416-111X

Faculty Development Programme

1. 13-21 April 2023 - Completed a UGC approved Short-Term Professional Development Programme on ‘Implementation of NEP2020 for University and College Teachers’ with ‘A+’ grade organized by Indira Gandhi National Open University, Staff Training and Research Institute of Distance Education.

FACULTIES

2. 19-23 June 2023 - Completed a week-long FDP on “Contemporary Literary Themes and Techniques” organized by the School of Social Sciences and Languages, VIT, Chennai

Honours and Other Activities

1. September 2023 - Conferred with the ‘Best Teacher Award’ on the occasion of the Teacher’s Day for the academic year 2022-23.
2. October 2023 - Felicitation on the occasion of World Teachers’ Day by Vasanta College for Women, Rajghat, Varanasi.
3. November 2023 - Awarded the first prize during the debate on ‘Vigilance Awareness’ organized by CIHTS.

Invited Lectures

1. 20th April 2023 - Delivered training lectures for the preparation of at IQAC, Vasanta College, Varanasi
2. 15-16 May 2023 - Delivered various training lectures for the teaching and non-teaching staff at IQAC, Nav Nalanda Mahavihar University, Bihar
3. 24th July 2023 - Delivered a lecture on “The Performative Democracy and the Role of Youth” in a seminar on “Role of Youth in Democracy and Governance” organized by WOSY, Varanasi at CIHTS.
4. 29th July 2023 - Delivered a lecture on “The Introduction to Various Departments of CIHTS and IQAC” at Freshers’ Summer Campaign at CIHTS organized by SWA.
5. 19 September 2023 - Delivered a plenary talk on “The Asura Factor of AI and the Responsibility of Human(i)Ties” in international conference on (De)Coding AI in the Humanities organized by BHU, Varanasi
6. 20 September 2023 - Chaired and Moderated a session on “Psychosocial AI” in international conference on “(De)Coding AI in the Humanities” organized by BHU, Varanasi
7. 20 September 2023 - Chaired and Moderated a session on “Mental Health and Medical Humanities” in national conference on Health, Literature and Arts: A Medical Humanities Perspective organized by MMV, BHU, Varanasi
8. 12 October 2023 - Delivered a talk on “Reclaiming the Tibetan Identity in The Mandala of Sherlock Holmes” in International conference on Cultural Studies: Language, Literature and Media organized by DAV Post Graduate College, BHU
9. 13 October 2023 - Delivered a talk on ‘Team Building’ during the Induction Programme organized by Sowa-Rigpa Department, CIHTS
10. 19 October 2023 - Delivered a talk on ‘Communicative Skills and Mentorship’ during the Induction Programme organized by Sowa-Rigpa Department, CIHTS
11. 4 January 2024 - Delivered a lecture on “Importance of IKS: Analysis of Rasa Theory and Indian Poetics” during the International Exchange Programme, CIHTS
12. 19 February 2024 - Delivered a plenary talk on “The Element of Embodied Touch in Tibetan Medicine and Literature” in national conference on Health,

ANNUAL REPORT 2023-2024

Literature and Arts: A Medical Humanities Perspective organized by MMV, BHU, Varanasi

- 13.24 February 2024 - Conducted a training session on NAAC Accreditation for the Health Universities and Colleges for SHEAT College of Pharmacy at Gahny campus, Varanasi.
- 14.5 March 2024 - Delivered a plenary talk on “*A Love Letter to Mother Earth: What Environmental Humanities Can Learn from Tibetan Buddhism*” in annual colloquium of English department on Environmental Humanities organized by Vasanta College, BHU, Varanasi

Organized Talks/Symposium/Guest Lectures/Conferences/Seminar

1. 4 July 2023 - Organized a motivational talk on “By Doing Extra, People Start Becoming Extra-Ordinary” by Shri Hrishikesh Sharan ji
2. 5th September 2023 - Organized Teacher’s Day Celebrations and Teachers’ Award Ceremony
3. 5th September 2023 - Organized a talk on “Teachers as Leaders” by Professor Rathore during Teacher’s Day Celebrations
4. 14-16 December 2023 - Organised a week-long Six-Monthly Open Presentation conference by the Research Scholars at CIHTS.
5. 2-17 January 2024 - Organized a two-week long workshop for the research scholars on “Research Techniques and Academic Writing” by Professor William Edelglass.
6. 16 January 2024 - Organized an online training/orientation session for faculty members, non-teaching staff and students on ‘Financial Awareness’ by NSE Academy in Atisha Hall
7. 2nd March 2024 - Organized a talk on Digital Humanities by Professor Jann Ronis, the Executive Director of the Buddhist Digital Resource Center (BDRC) in Atisha Hall, CIHTS.
8. 29 March 2024 - Coordinated the event of the Launch of the new trilingual Website of the Institute along with a felicitation ceremony and speech by Professor Samdhong Rinpoche in Atisha Hall, CIHTS.

Paper Presentations-National and International Conferences

1. 3-4 November 2023- Presented a paper on “Revisiting Indian Knowledge System in NEP 2020: Decolonizing the Indian Education” in two days national seminar on NEP 2020: Transforming Pedagogies of 21st Century organized by Vasanta College for Women and ICSSR Delhi.

Other Institutional Activities

1. 6-7 April 2023 - Represented the Institute in a two-day Chintin Shivar organized by Ministry of Culture, Government of India at Deen Dayal Upadhyaya Institute of Archeology at Noida.
2. 2 February 2024 - Represented the Institute in Central Zone Vice-Chancellor’s Conference on “Implementation of the NEP 2020” at Vikram University, Ujjain, Madhya Pradesh.

Other Responsibilities

1. Coordinator- IQAC, CIHTS
2. Coordinator- Research and Development Cell
3. Coordinator- CIHTS English Learning and Documentary Club
4. Nodal Officer of NEP CIHTS
5. Member- New Website Committee
6. Member- News and Media Cell
7. Member- Annual Report
8. Member- Vasanta College, IQAC
9. Member- SHEAT College, IQAC
10. Member- Rajbhasa Kriyanvan Samiti
11. Member- University Purchase Committee
12. Member Secretary- Teacher and Student Feedback Committee
13. Member- Performance Appraisal Committee
14. Member- Grievance Redressal Cell
15. Member- University Annual Report
16. Member- Library Book Selection Committee

Dr. Ravi Ranjan Dwivedi

Organising seminars/conferences/workshops, other university activities.

1. 15 July, 2023 : Member of organising committee of National Seminar “The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutually Cordiality”.
2. 04-16 October, 2023 : Member of organizing Committee of two-week Capacity Building Programme sponsored by ICSSR.
3. 22 February, 2024 - 04 March, 2024 : Member of organising committee of Workshop on Traditional Tibetan Woodcraft.
4. 04-12 March, 2024 : Member of organising committee of Hindi Workshop.

Dr. Jasmeet Gill

1. June 2023 : Published the article “In and Around 1922, Towards Situating World Literature: A Reconceptualization of Katherine Mansfield’s ‘The Fly’” in Journal of Literature & Aesthetics (ISSN 2278-523X), Vol. 23, No. 1.
2. 16 Oct. 2023 : Delivered a lecture, ‘Recreational Activities’ in the Freshers’ Induction Programme for BSRMS at PGRH Hall, Sowa Rigpa Hospital, CIHTS on.
3. 19-20 Sept. 2023 : Participated in an International Conference on ‘(De)Coding AI in the Humanities: Prospects and Challenges in Indian, German, and World Literatures and Cultures’ at Banaras Hindu University and presented a paper entitled, ‘AI and the Artistic Eye: Towards Signifying the Aesthetics in Art’.
4. 30 Oct. to 5 Nov. 2023 : Participated as an Organizer of the Vigilance Awareness Week, at CIHTS, for promoting anti-corruption awareness.
5. 27-29 February, 2024 : Delivered a lecture, “Signifying Postmodernism in Literature: An Introduction” during the ‘Senior Students’ Winter Campaign’, organized by the 51st Students’ Welfare Association.

ANNUAL REPORT 2023-2024

6. Worked in the Editorial Board and edited the 'Ladhaki Cultural Magazine', 2024, published by the Ladhaki Students' Welfare Association, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

Committees:

- Member Secretary – IQAC, CIHTS
- Member Secretary- Student Placement and Incubation Cell
- Co-coordinator – CIHTS English Learning & Documentary Club
- Member – CIHTS Annual Report Committee
- Member – Vigilance Section, CIHTS

IV. Department of Education

Education stands as the prominent element in the development of any community. The emergent need of holistic education and competent teachers in educational institutions is felt by the Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) and therefore, it has initiated to design its own curriculum for Teacher Education and get approval by apex body of Teacher Education NCTE. The four-year integrated B.A.B.Ed. innovative course (Shastri cum Shiksha shastri) since 2014-15 academic session. National Council for Teacher Education (NCTE) has approved the four-year integrated course enthusiastically and uploaded the curriculum on its website as sample.

CIHTS has the approval to conduct B.Ed. course (Shiksha shastri) since 1999-2000 academic year. Two-year Innovative M.Ed. course is also approved by NCTE in 2018. Permission to run the course is underway.

CIHTS has designed its own curriculum for the above-mentioned programs which have been approved by NCTE and are running under CIHTS as Centre for Teacher Education (CTE).

The uniqueness of the courses is that besides regular discipline of studies, Tibetan Language & Literature is a compulsory subject, and the essential components of Buddhist philosophy (Nalanda tradition), science of mind, epistemology, logic, psychology, metaphysics and concept of modern cognitive science are also taken into account to enrich the curriculum and to materialize the objectives of the programme.

Programmes Offered:

1. Two Year B.Ed. Programme
2. Four Year Innovative Integrated B.A. B.Ed. Programme

Faculty Members:

1. Dr. Himanshu Pandey	- Director (In charge)
2. Dr. Huma Kayoom	- Academic Coordinator & Asst. Prof., Education (Contractual)
3. Dr. Jampa Thupten	- Assistant Professor, Geography (Contractual)
4. Ven Tashi Dhondup	- Asst. Prof., Tibetan Language & Literature (Contractual)
5. Geshe Lobsang Gyatso	- Assistant Professor, Buddhist Philosophy/logic (Contractual)

FACULTIES

6. Dr. Krishna Pandey	- Assistant Professor, Political Science (Contractual)
7. Dr. Shusheel Kumar Singh	- Assistant Professor, Hindi (Contractual)
8. Dr. P. Shushmita Vatsyayan	- Assistant Professor, English (Contractual)
9. Dr. Tenzin Namgang	- Assistant Professor, Tibetan History (Contractual)
10. Dr. Anil Kr. Gupta	- Assistant Professor, Education (Contractual)
11. Dr. Shikha Sharma	- Assistant Professor, Economics (Contractual)
12. Dr. Bhavana Behal	- Assistant Professor, Education (Contractual)

Administration Staff:

1. Mrs. Reena Pandey	- Office Assistant
2. Mr. Tenzin Tsetan	- Office Assistant
3. Ms. Yangchen Sangmo	- Librarian (CTE Library)
4. Mr. Rajoo Bharadwaj	- MTS

Academic Activities:

The Centre for Teacher Education had conducted various academic activities for the Pre-service Teachers, In-service Teachers and Higher Education Teachers, students and policy makers during the academic session 2023-24.

Descriptions of activities are as follows:

1. 12 and 15 April 2023 : The students of B.Ed. 4th semester and B.A. B.Ed. 8th semester visited Jeevan Jyoti Inclusive School on 12 and 15 April 2023 accompanied by the faculty members Dr Huma Kayoom and Mr Anil Kr. Gupta.
2. 18 April 2023 : In the month of April, the students of B.Ed. (IV sem.) and B.A. B.Ed. (VIII sem.) prepared a flash mob and awareness drive related to aware the people about water crisis and its adverse effect on the environment. The students displayed charts and posters and also performed a short skit on the topic *Water Crisis* on 18 April 2023. The team was led by Academic Coordinator Dr. Huma Kayoom.
3. 22 April 2023 : April is the month of World Earth Day which is celebrated every year on **22 April**. In view of the importance attached to this day Centre for Teacher Education, Sarnath Varanasi organised a resource talk entitled '**Effect of Climate Change on availability of drinking water and its remedies**' by inviting Professor Sarfaraz Alam, Department of Geography, Institute of Science from Banaras Hindu University, Varanasi, on 19th April 2023. The guest speaker was felicitated by worthy madam Registrar Dr Sunita Chandra and revered Dr Himanshu Pandey, Deputy Registrar and Director, CTE. The resource talk was attended by 70 student-Teachers, 12 teaching staffs and 2 staffs of Multimedia section from Central institute of Higher Tibetan Studies.
4. 4th to 16th Oct. 2023 : Centre for Teacher Education submitted the proposal to Indian Council of Social Science Research to organised a two-week **Capacity Building Programme** for faculties in Social Science discipline on the broader theme of Interdisciplinary Framework for Foundations of Education. A grant of Rs. 8 lacs were received by CTE to conduct the two-week capacity building programme. The programme took place from 4th to 16th Oct. 2023.
5. 4th October 2023 : CTE successfully organized one-day Resource Talk on "**Trends in Contemporary Education System for Prospective Teachers**" on

ANNUAL REPORT 2023-2024

4th October 2023. The talk was delivered by Prof. Balram Pani, Dean of Collages, Delhi University, New Delhi.

6. 17th to 28 February 2024 : Under the auspicious blessings of His Holiness the Dalai Lama and cordial greetings of Vice Chancellor Prof. W.D. Negi & Registrar Dr. Sunita Chandra, the 11 days educational tour organized by Centre for Teacher Education, CIHTS, Sarnath, Varanasi from 17th to 28 February commenced with the esteemed presence and support of Director CTE, Dr. Himanshu Pandey, Asst. Prof. Dr. Anil Kumar Gupta and Dr. P. Shushmita Vatsyayan led a group of 30 B.Ed. and B.A.B.Ed students, accompanied by three SWA members, on an enriching journey spanning Delhi, Rajasthan, and Uttar Pradesh.
7. 17th to 29th February 2024 : A workshop on “**Dialectical Debate Skills of Students**” was held on 17th to 29th February 2024 at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi. The workshop was jointly organised by (DoE) the Central Tibetan Administration, Dharamsala (H.P) and the Centre for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi. With a resource person Geshe Lobsang Gyatso, Assistant Professor of the CTE, CIHTS. In this workshop, 46 students participated from 2 different schools TCV Selakui (U.K) and STS Petoen (Dharamsala). Dr. Himanshu Pandey presented the objective of the workshop and felicitated dignitaries with the traditional khatak and a memento.
8. 8th March 2024 : The celebration of **International Women's Day** at the Centre for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies, aimed to honour the achievements, resilience, and contributions of women worldwide. Under the esteemed guest, Dr. Himanshu Pandey, Director CTE and with the facilitation and guidance of Dr. Anil Kumar Gupta, Assistant Professor the event was meticulously organized to raise awareness about gender equality, celebrate women's accomplishments, and advocate for women's rights. In this celebration, teachers and students of CTE as well as students of other departments were present.
9. 11th March 2024 : The celebration of **Tibetan Women's Uprising Day** at the Centre for Teacher Education, Central Institute of Higher Tibetan Studies, was organized to honour the courageous spirit and indomitable resilience of Tibetan women in their quest for freedom, equality, and justice. Under the guidance and supervision of Dr. Anil Kumar Gupta, the event aimed to raise awareness, empower participants, and foster solidarity among Tibetan women and their supporters.

Academic Activities:

Dr. Huma Kayoom

Activities - Organizer and Coordinator:

1. 12 and 15 April 2023 : Organized Two days “Visit to Inclusive School for B.A.B.Ed. 4th Year and B.Ed. 2nd Year at Jeevan Jyoti School, Sarnath, Varanasi.
2. 18 April 2023 : Organised a short skit on the topic ‘Water Crisis’.

FACULTIES

3. 4th to 16th Oct. 2023 : Organized a two-week Capacity Building Programme for faculties in Social Science discipline on the broader theme of Interdisciplinary Framework for Foundations of Education.
4. 4th October 2023 : Organized a One days Resource Talk on “Trends in Contemporary Education System for Prospective Teachers”.

Dr. Jampa Thupten

Activities - Organizer and Coordinator:

1. 22 April 2023 : Organised a One-day resource talk entitled ‘Effect of Climate Change on availability of drinking water and its remedies’.

Mr. Anil Kr. Gupta

Activities - Organizer and Coordinator:

1. 17th to 28th February 2023 : Organised 11 days educational tour on an enriching journey spanning Delhi, Rajasthan, and Uttar Pradesh.
2. 8th March 2024 : Organized and celebration of International Women's Day to raise awareness about gender equality, celebrate women's accomplishments, and advocate for women's rights.
3. 11th March 2024 : Celebration of Tibetan Women's Uprising Day under the guidance and supervision of Dr. Anil Kumar Gupta.

Geshe Lobsang Gyatso

Activities - Organizer and Coordinator:

1. 23 August 2023 to 30 August 2023 : Delivered a talk on dialectic at CTA (Education) Sherig, Mussoorie. It had student from 15th Sambhota school, it covered the student of class 6 to 8 and a total of 135 students, each of 9 students from a school has participated.
2. 18th March to 23th March 2024 : Took 10 students from the institute to participate in the Inter debate and Badminton competition where Ladakh, Varanasi, Dahnung and Nalanda students participated.
3. 17th to 29th February 2024 : Conducted a 13 days’ workshop on ‘dialectical debate skills of students’.

Ven Tashi Dhondup

1. 9th April, 2023 - Participated in Effect of Climate Change on Availability of Drinking Water and its Remedies. (Aazadi ka Amrit Mahotsav)
2. 3rd October, 2023 - Participated in Capacity Building Program: Inter-disciplinary frame work for foundations of education for young faculties.
3. 27th -29th February, 2024 - Resource Talk on “The Characteristic Features of Composing Tibetan Story Writing Based on Particular Fiction Novel” organized by 51st SWA.

Dr. Shusheel Kumar Singh

Invited Lectures –

1. 30 November, 2023 : Delivered a lecture on “Hindi Literature: Need and Possibilities of Study” at DAV Post Graduate College.
2. 16 February, 2024 : Chief Judge in the Debate Competition organized by the Faculty of Education, Banaras Hindu University.

ANNUAL REPORT 2023-2024

3. 21 February, 2024 : Session coordinator cum lecture of the National Seminar “Cultural Renaissance of India: Chhayavaad and Jaishankar Prasad” organized by Bharat adhyan kendra, Banaras Hindu University.
4. 12 March, 2024 : Member nominated by the Institute as the leader of the Educational Tour of the students of the Faculty of Education, Banaras Hindu University.

Committees–

1. Institute print Media Committee – Member Secretary
2. Publication and Media Cell – Member
3. Guest House Committee – Member
4. Rajbhasha Implementation Committee – Member
5. CTE, ITEP Committee 2024 – Member Secretary
6. Editorial Board of Official Language Magazine “Bodhiprabha” – Member
7. Member nominated for inspection of various departments for the implementation of Rajbhasha for the Annual Program under the Rajbhasha Department (2023-24)–
 1. Publication Department
 2. Internal Quality Assurance Cell
 3. Rare Buddhist Text Research Department
 4. Dictionary Section

Dr. Tenzin Namgang

1. 9th April, 2023 - Participated in Effect of Climate Change on Availability of Drinking Water and its Remedies. (Aazadi ka Amrit Mahotsav)
2. 3rd October, 2023 - Participated in Capacity Building Program: Inter-disciplinary frame work for foundations of education for young faculties.
3. 9th-23rd October, 2023 - Resource Talk on “Simple Living, High Thinking” Organized by BSRMS, CIHTS.

Dr. Shikha Sharma

1. April, 2023 : Published Paper entitled “GHG Emissions Performance of India in Post Kyoto Protocol Era”, UPUEA Economic Journal, page no. 264-272, I SSN No. 0975-2382.
2. 4-6 October, 2023 : Participated in a Two-week Capacity-Building Programme sponsored by ICSSR and organised by Centre for Teacher Education, CIHTS Sarnath Varanasi.

Dr. Bhavana Behal

29 February, 2024 : Delivered a lecture on the topic “The Role of Social and Cognitive Construction in the Feld of Teaching- Learning Process” organized by the 51st Students’ Welfare Association (SWA).

C. FACULTY OF ADHUNIKA VIDYA

Prof. Umesh Chandra Singh - Professor and Dean

I. Department of Social Sciences

(1) Prof. Jampa Samten	- Professor (Tibetan History) & Head (Re-engaged)
(2) Prof. Umesh Chandra Singh	- Professor (Asian History)
(3) Dr. Amit Mishra	- Assistant Professor (Political Science)
(4) Dr. Urgyen	- Assistant Professor (Tibetan History)
(5) Dr. Prashant Kumar Maurya	- Assistant Professor (Economics)
(6) Dr. Saurabh Dubey	- Assistant Professor (Contractual) (Economics)
(7) Shri Tashi	- Teaching Assistant
(8) Shri Shaho Tamding	- Teaching Assistant
(9) Mr. Dhondup	- Teaching Assistant

Acharya (Master Degree) course in Tibetan History & Culture is the most recent subject added to the curriculum of the Social Science Department Since from July, 2017. This course is the first of its kind in the Tibetan diaspora, and since there was no textbook or existing model to base it on, the faculty had to design it from the ground up. This comprehensive course covers both cultural and political history of Tibet and its neighbouring Asian countries. This course also incorporates introductory lessons on archaeology, anthropology, historiography and numismatics which is essential part of historical studies.

Prof. Jampa Samten

Symposium/Conference Attended & Paper Presented

1. 15th July, 2023 : Attended “the Symposium on Mongol-Tibet Historical and Cultural Relationship” organised jointly by the Southern Mongolian Congress and Tibet House, Cultural Section of Liaison Office of His Holiness the Dalai Lama, Japan at Tokyo, Japan and presented paper entitled “*Tibet-Mongol Priest-Patron (mchod yon) Relationship as the basis of the unparalleled Historical and Cultural Tie between the Mongolia and Tibet*”. The paper was published in English and Japanese in the proceedings of the meeting.
2. 1-2 April, 2023 : Attended the “Seminar on Global Presence of Bharatiya Civilization” organized by Bhāratiya Vidyā Adhyayana Sansthāna, New Delhi and presented a paper entitled “*Transmission of Indian Knowledge Tradition into Tibet and adjacent regions*” at the request of Bhāratiya Vidyā Adhyayana Sansthāna, New Delhi.
3. 27 February, 2024 : Delivered talks on the topic: ཡུལ་དབང་སྐྱོ་མེད་ ༡༩ ལ་ཆེན་པོའི་ཆུ་སྐྱོང་ (༡༩༡༩) སྤྱི་གནས་ཆེན་པོ་ལྟ་སྤྱོད་ (༡༩༣༩) ཞལ་གདམས་གཉིས་ཀྱི་ནང་དོན་དང་གལ་གནད་རྟོགས་ཞིབ། at the Senior student’s winter Symposium organized by CIHTS Student’s Welfare Committee.

Research Papers & Edited Works

1. **Edited** “A Report of the Brief History and Achievements of Central Institute of Higher Tibetan Studies from its inception in 1967 to 2023”, Compiled by CIHTS Alumni Association, 2024.
2. **Edited** “List of Books & Research Papers Authored, Edited, Restored and translated by the Alumni of Central Institute of Higher Tibetan Studies.” Compiled by CIHTS Alumni Association, 2024.

ANNUAL REPORT 2023-2024

3. **Edited** “A comprehensive Catalogue of Prof. S. Rinpoche’s teachings preserved in the audio & Video, Samsung SSD 10TB. Compiled by CIHTS Alumni Association, 2024.

Research Guide:

1. *Supervisor* for **Three** Ph.D. Scholars in Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
2. *Co.Supervisor* for **Three** Ph.D. Scholars in Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.
3. *Member* of Research Doctor Committee of the Dalai Lama Institute for Higher Education, recognised by Bangalore University as a Centre for Specialised Studies. Karnataka State.
4. *Co-guide* for **One** Ph.D. Scholar of Dalai Lama Institute for Higher Education, recognised by Bangalore University as a Centre for Specialised Studies. Karnataka State.

Serving local Indian Research Guide to Foreign Research Scholars associated to CIHTS through American Institute of Indian Studies, New Delhi.

1. *Research Guide* to Mr. Jack P. Hamblin, research scholar, AIIS
2. *Research Guide* to Ms. Addie McKnight, research scholar. AIIS

Chairman & member in Committees of CIHTS:

1. *Chairman* of Committee constituted to prepare the common format for one major departmental course with 4 credits & one minor departmental/interdepartmental course with 4 credits vide office order dated 01.09.2023
2. *Chairman* of Committee constituted to prepare an exhaustive list of Journals in various field like Tibetan Buddhist Philosophy, Religion, History, Culture, Literature & Linguistics, Fine Arts etc. traditional subjects vide office order dated 01.09.2023.
3. *Member* of Committee constituted to design a standardized stylesheet for the Ph.D. Thesis, that includes guidelines for Thesis binding, margin, font type and size, paper size and quality, in-text citation, bibliography, quotation and block quotation, foot notes, end noted etc. vide office order dated 01.09.2023.
4. *Member* of Departmental Research Committee of Department of Sowa-Rigpa.
5. *Member* of Departmental Research Committee of Department of Social Science.
6. *Member* of Departmental Research Committee of Department of Fine Arts.

Responsible Official posts held in CIHTS:

1. Serving as an *Ombudsperson* to Redress the Grievances of the students of this Institute, under UGC Redressal of Grievances of students Regulation, 2023, vide office order dated 28.08.2023.
2. Serving as a *Research Dean* from 1st November, 2023 vide office order dated 01.11.2023.

Dr. Amit Mishra

1. 21-23 Feb. 2024 : Participated and presented a paper entitled, "Effects of Forest Fires in Sri Lanka" in an international conference at Paris, France organised by the Bandung spirit: The Rise of Asia and University of Lehavre, lehavre, France 2024.

FACULTIES

2. 9th-10th September 2023 : Presented a research paper entitled, "India's Role in Global Climate Diplomacy" in the 60th All India Political Science International Conference organised by the Indian Political Science Association at Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha, Maharashtra the theme Vasudhaiva Kutumbakam : One Earth, One Family, one Future.
3. 5-6 July, 2023 : Participated and presented a research paper entitled, "Efforts by India to create a stronger bonhomie among diverse cultural communities throughout the nation and the world through cultural globalization" in an international conference on Human Community and common values in the 21st century at the Institute of Scholastic Philosophy, Fu Jen Catholic University, Taipei, Taiwan.
4. Member of the Committee on providing funding to Institute faculty members for participation in conferences in India and abroad.

Dr. Urgyen

1. 5th April, 2023 : Attended the Departmental Research Committee (DRC) meeting in the committee Room of Nalanda Bhawna.
2. 15 July, 2023 : Participated in the G20 seminar on the “Buddhist value system in the Indian civilization and mutual cordiality”, organized by CIHTS, collaboration with International Centre for Cultural Studies India.
3. 29th July, 2023 : Guided students at Sarnath historical sites as part of Students’ Welfare Association Campaign for newly admitted students and explained historical events.
4. 5th September, 2023 : Awarded for Excellence in teaching on Teacher’s Day Celebration.
5. 14th-16th December, 2023 : Evaluated and assessed the Ph.D. scholars of Tibetan History & Culture during the six monthly Progress Report Seminar held in Atisha Hall.
6. 18th January, 2024 : Participated in the Research & Development Cell’s 6th meeting under the chairmanship of the Honourable Vice-Chancellor to discussed the agenda Departmental courses review, allocation of guide and co-guide etc.
7. Guided International Expchange programme students at Sarnath historical sites, and explained the historical background of sarnath.
8. Led the Central Institute for Buddhist Studies-LehLadakh’s students as part of educational Tour, to guide them and explain the important historical background of Sarnath.

Research Guidance (Ph.D.)

1. Mr. Norbu
2. Mr. Tashi
3. Mr. Lhamo Kyab

Committees:

1. Student Feedback Committee, Member.
2. Departmental Research Committee, Member.

ANNUAL REPORT 2023-2024

Dr. Prashant Kumar Maurya

Organising seminars/conferences/workshops, other university activities.

1. 19 April, 2023 : Organised an essay competition under G-20 as the representative of the Institute for G-20 event.
2. 15 July, 2023 : Member of organising committee of National Seminar “The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutually Cordiality”.
3. 04-16 October, 2023 : Member of organizing Committee of two-week Capacity Building Programme sponsored by ICSSR.
4. Organised different sports events as the Nodal Officer under Sansad Khelkood Pratiyogita, Kashi-2023.
5. Organised different cultural events as the as committee member under Sansad Sanskrit Mahotsav, Kashi-2023
6. Organised different events as the as committee member under Sansad Gyan Prtiyogita, Kashi-2024.
7. 22 February, 2024 - 04 March, 2024 : Member of organising committee of Workshop on Traditional Tibetan Woodcraft.
8. 04-12 March, 2024 : Member of organising committee of Hindi Workshop.
9. 11-16 March, 2024 : As a convener organised One week workshop on “Financial Literacy and Financial Inclusion.

Participated in seminars/conferences/workshops, other university activities

1. 15-17 February, 2024 : Delivered Lecture as Resource Person in Three days National Seminar on “Assessment and Evaluation and Innovative Teaching-Learning Techniques in School Education” is being organized in the context of National Education Policy - 2020 between at DIET Sarnath Varanasi.
2. 30-31 March, 2024 : Participated as Member, Research Committee/Resource Person in International Conference on “Indian Knowledge System: Nutrient of Science, Society and Culture” organised by Savitri Bai Fule Post Graduate College, Chakia, Chandauli, Uttar Pradesh.

Research Paper/Article Published

January-March, 2024 : Paper published as Co-author titled “An Overview of Human Development Index in India, 2013-2023” in Current Journal, An International Peered Reviewed Journal (ISSN No. 2348-6228).

Dr. Saurabh Dubey

Organising seminars/conferences/workshops, other university activities.

1. 15 July, 2023 : Member of organising committee of National Seminar “The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutually Cordiality”.
2. 04-16 October, 2023 : Member of organizing Committee of two-week Capacity Building Programme sponsored by ICSSR.
3. Organised different sports events as a Member under Sansad Khelkood Pratiyogita, Kashi-2023.
4. 22 February, 2024 - 04 March, 2024 : Member of organising committee of Workshop on Traditional Tibetan Woodcraft.

5. 04-12 March, 2024 : Member of organising committee of Hindi Workshop.
6. 11-16 March, 2024 : As a Co-convenor organised One week workshop on “Financial Literacy and Financial Inclusion.

Research Paper/Article Published

January-March, 2024 : Paper published as Co-author titled “An Overview of Human Development Index in India, 2013-2023” in Current Journal, An International Peered Reviewed Journal (ISSN No. 2348-6228).

Shri Tashi

1. 27 July, 2023 : Presented a research paper on “Four sects of Tibetan Buddhism. During Summer Camp by SWA.
2. 23 August 2023 : Presented a research paper on ‘A Critical Analysis on the southern Lastod Leader during the sakya’s Rule. during 9th Young Tibetan Research Scholars’ Conference by Tibet Policy Institute of CTA Dharamssala.
3. October 2023 : I attended Shekar Nyashab’s meeting and presented on “Past Political Events of Southern Latoe since 1253”.
4. November 2023 : Invited me in Latoe Phasa and of talked there few lessons about Culture and Political Issue about the Nothern Tibet.

Shri Shaho Tamding

Book Edited in Tibetan:

A Comprehensive Compilation of the Historical Documents Related to the Emperors of Tibet. Volume-III, by: CIHTS. India. (Forthcoming)

Academic Activities:

1. 3 June, 2023 : Interview on “A Comprehensive Compilation of the Historical Documents Related to the Emperors of Tibet”, Volume I&II, Tibet TV, Dharamsala, India.
2. 10 June, 2023 : Interview on the History of the ancient city of Dunhuang. Voice of Tibet, Dharamsala, India.
3. 11 June, 2023 : Interview on “Pelok- Review of the History of Dong Hung” at VOA TIBETAN, Dharamsala, India.
4. 12 June, 2013 : Delivered a talk on Historical Documents related to the Tibetan Empire at the Tibet Museum, Dharamsala, India.
5. 22-24 August, 2023 : 9th Young Research Conference at Sarah College, Dharamsala, Kangra, India.
6. 24 August, 2023 : Delivered a talk on “A Comprehensive Compilation of the Historical Documents Related to the Emperors of Tibet”, Volume I&II at Sarah College, Dharamsala, India.
7. 14 October, 2023 : Delivered a talk on “The Important of Rigs Paí gNas Inga (Five Major Science of Tibetan)”. Organized by Department of Sowa-Rigpa, CIHTS, India.
8. 11 March, 2024 : Delivered a talk about the “A Comprehensive Compilation of the Historical Documents Related to the Emperors of Tibet”, Volume I&II. Organized by the Varna-RigLab, CIHTS, India.

Mr. Dhondup

- (1) 22nd to 24th August, 2023 : Presented a paper titled “Exploration of the incident over Sharpa Gyalpo in 1928 in Tibet” at the 9th Young Tibetan Research Scholars’ Conference organised by the Tibet Policy Institute of the Central Tibetan Administration held at Dharamsala.
- (2) 16 September, 2023 : Participated in the Essay Writing Competition organized by Centre For Middle-Way Initiative and secured 3rd position in the All-India Tibetan Essay Competition.
- (3) 18th to 23rd March, 2024 : Participated in the “1st Inter-debate Competition 2024” among Institutes under BTI, Ministry of Culture, Government of India, organized by Central Institute of Himalayan Culture Studies.
- (4) 18th to 23rd March, 2024 : Participated in the “One day symposium” among Institutes under BTI, Ministry of Culture, Government of India, organized by Central Institute of Himalayan Culture Studies.
- (5) Published an article titled “Exploration of the incident over Sharpa Gyalpo in 1928 in Tibet” in Tibet Policy Journal, published by Tibet Policy Institute, CTA, Dharamsala. (ISSN 2394-2983) 2023.
- (6) Published an article titled “An Analysis on the biography of Jang Bahadur of Nepal and third Tibet-Nepal War in 19th century” in Tibetology, published by Tibetology Editorial Board. (ISBN 9789393661708) 2023.
- (7) Published an article titled “An Analysis on the policy of Middle-Way Approach of Tibet and the status of Tibetan History” in Middle-Way, published by Centre For Middle-Way Initiative. (ISBN 9789380369464) 2023.

D. FACULTY OF SHILPA VIDYA

Dr. Dorjee Damdul - Dean

- (1) Dr. Shuchita Sharma - Assistant Professor and HoD
(History of Art and Aesthetics)
- (2) Shri Kunga Nyingpo - Teaching Assistant (Painting)
- (3) Shri Lobsang Sherab - Teaching Assistant (Painting)
- (4) Shri Tsering Samdup - Teaching Assistant (Woodcraft)
- (5) Shri Tenzin Chogyal - Teaching Assistant (Painting)
- (6) Shri Dorjee Chopel - Teaching Assistant (Woodcraft)

I. Department of Tibetan Traditional Painting

Fine Art is a self-motivated and multi-dimensional subject. CIHTS is the very first University in India to offer Traditional Tibetan Fine Arts at degree level. The Shilp Vidya faculty was established in 2008 with the initial purpose of preserving, promoting and transmitting the cultural heritage of traditional Tibetan arts and crafts. The Department provides a unique education about traditional Tibetan art of Thangka paintings and woodcraft to students in the University. The students are taught Tibetan Thangka, woodcraft and handicrafts with its philosophy implications and historical aspects. Now, the institute about to introduce the various Tibetan art forms to the advanced academic level. The Department runs 2 years of degree course in university programme, including 3 year graduate and 2

FACULTIES

year postgraduate course. M. Phil. Course introduced since 2017; first batch of this course have been successfully passed with excellent ranking.

The faculty is currently running two departments i.e. Traditional Tibetan painting and Traditional Tibetan woodcraft.

Academic Activities:

Dr. Shuchita Sharma

Nodal Officer

1. Kashi Sansad Sanskritik Mahotsav, 16 August - 18 September 2023
2. Kashi Sansad Gyan Pratiyogita, 23 January 2024 - 3 February 2024

Convenor

1. 22 February, 2024 - 04 March, 2024 : Workshop on **Thangka (Mandala) Painting** by Ven. Lobsang Lodup from Dhamshala, HP, organized by Department of Traditional Tibetan Painting, CIHTS.
2. 22 February, 2024 - 04 March, 2024 : Workshop on **Tibetan Woodcraft** by Mr. Karma Yeshe from Dharmashala HP, Organised by Department of Traditional Tibetan Woodcraft, CIHTS.

Invited Lectures

As a resource person “Art Integrated Education in NEP” Diet, Sarnath.

Paper Presentation

1. December 2023 : Paper entitled “The Role of Simplicity in Gandhi’s Philosophy of Aesthetics” Organised by Department of Social Sciences, S Sanskrit University, Varanasi.
2. March 2024 : Paper entitled” Bhartiya Ghyana Parampara aur Bhartiya Shilpa Shastra” International Conference Organised by Savitri Bai Fule Government PG College, Chandauli.

Publication

1. Research Paper entitled “Bhartiya Ghyana Parampara aur Bhartiya Shilpa Shastra: Prachin aur Amulya Sammpatti” THE ETERNITY An International Multidisciplinary Peer Reviewed and Refereed Research Journal ISSN 0975-8690 UGC List No 44958 PIF. : 4.875 Volume XIV No. 3 July-September 2023
2. Research paper entitled “The sacred art of Tibetan Torma: A Journey into Symbolism and Spirituality” Research Today: An International Peer Reviewed and Refereed Research Journal of Humanities & Social Sciences Vol. XV No 1 (January-June) 2024

Exhibition

1. January 2024 : Participated in “**Ramotasava**” National Exhibition of Painting organized Institute of Fine Arts, Varanasi.
2. April, 2024 : Participated in **Nava Varshotsava** National Exhibition of Painting organized Institute of Fine Arts, Varanasi.

ANNUAL REPORT 2023-2024

Member

1. Academic Council, CIHTS
2. Member, DRC, Sowa Rigpa Department, CIHTS
3. Kashi Sansad Khel-Kood Pratiyogita, 2023
4. Two-Week Capacity Building Programme, 4-16 October 2023
5. Atisha Hall Renovation Committee

Headed Educational Tour 23 Oct. 2023 to 1 Nov. 2023

Question Paper Setter

1. Himachal Pradesh, University, Shimla
2. Lok Sewa Aayog, Madhya Pradesh
3. Sanchi University, Madhya Pradesh

Shri Kunga Nyingpo

Coordinator

1. 22 February, 2024 - 04 March, 2024 : Workshop on **Thangka (Mandala) Painting** by Ven.Lobsang Lodup from Dhamshala, HP, organized by the Department of Traditional Tibetan Painting, CIHTS,
2. 22 February, 2024 - 04 March, 2024 : Workshop on **Tibetan Woodcraft** by Mr Karma Yeshe from Dharmashala HP, Organised by Department of Traditional Tibetan Woodcraft, CIHTS,

Invited Lectures

1. 9th to 23rd October 2023 : Worked as a Resource person in the Induction program for BSRMS Professional 1st for the Academic session 2023-2024 as per NCISM Guideline. Ministry of AYUSH, Government of India.
2. 29th Dec 2023 to 21st Jan 2024 : Delivered Lecture for the Academic Exchange program.

Participation

1. 1st to 8th July 2023 : Participated in a week long workshop on conservation and preservation of Heritage, organized by the Library of Tibetan works and archives. Dharamsala.
2. 30th Oct 5th Nov 2023 : Presided as judge during the Vigilance Awareness Week poster competition 2023 for promoting Anti-Corruption Awareness.

Member

1. Member of Committee constituted for Kashi Sansad Khel-Kood Pratiyogita, 2023
2. Visited the Jaipur and Bhubaneswar sculpture sites as nominated expert members to examine the performance and experience of Mr. Vaishnav Murti Wala and Mr Pravakar Creative Arts & Crafts.

Shri Lobsang Sherab

1. 1st-15 February, 2024 : Organized 15 days of curricular activities, including sketching and drawing contemporary and modern art, to help students develop personal skills and enhance their understanding of artistic works.

FACULTIES

2. 22 Feb. – 4 March, 2024 : Participated in Tibetan art workshop on Tibetan Mandala by Ven. Lobsang Ludup, organized by Department of Shilp Vidya, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

Shri Tenzin Chogyal

1. Attended assistant instructor, five day workshop on “Buddhist Mask Making” organized by Meera Education Society.
2. 22 February – 4 March, 2024 : Participated in Mandala workshop organized by Fine arts Department, CIHTS, Varanasi.

II. Department of Tibetan Traditional Woodcraft

The aims and objectives of founding Fine arts, wood craft section, is to provide an opportunity to those students who have keen interest to learn Tibetan traditional woodcraft, along with learning Buddhist Philosophy. The students are taught Tibetan traditional wood crafting skills with its philosophy, history, tradition and its values. Besides, Indian and western art history, as well as aesthetics and languages are also taught to enhance the students.

In the academic year (2021-22), besides teaching, the Department of Tibetan Traditional wood craft held numerous external and internal activities such as yearly educational tour in different historical places and cultural sites. Moreover, the department of Traditional Tibetan wood craft organized several workshops on Tibetan wood craft for the exchange program students from different Universities and institutes.

Shri Dorjee Chopel - Assistant Professor (Contractual)

E. FACULTY OF SOWA RIGPA AND BHOT JYOTISH

Dr. Dorjee Damdul - Dean

I. Department of Sowa Rigpa

Academic Activities:

1. Status of Sowa Rigpa in India

- Indian Government recognized this system of Medicine in the year 2010 and the first official Gazette Notification was notified in 2017.
- Currently in India this system is under the administrative control of Ministry of Ayush, Government of India.
- National commission of Indian system of medicine (NCISM) has started the very first Sowa Rigpa NCISM-NEET examination in February for the Academic session 2021-2022 which was successfully conducted by our University. They designated our University to conduct the second, Third, Fourth NEET exam for the academic year 2022-2023, 2023-2024, 2024-2025,
- Sowa Rigpa Department implemented all the curriculum activities including syllabus as per the Gazette Notification of the Government of India i.e. Sowa Rigpa MSE and MSR

2. Sowa Rigpa Department of CIHTS

1. Sowa Rigpa Department of CIHTS was established in the academic Year 1993-1994.

ANNUAL REPORT 2023-2024

2. The core aims and objective of the Department is to:
 - 2.1. Preserve and promote the tradition of Sowa Rigpa and its practices.
 - 2.2. Teach Sowa Rigpa with critical observation and experiential learning to the students,
 - 2.3. Contribute health care services to the public,
 - 2.4. Provide research guidance and facilities to the researchers of Sowa Rigpa,
 - 2.5. Preserve endangered medicinal herbs and its pharmaceutical process,
 - 2.6. Enrich the system through research and interaction with other medical Systems.
3. University offers both the UG and PG program in Sowa Rigpa.

3. UG/PG Program of Sowa Rigpa

- Program: UG/PG/PhD program in Sowa Rigpa
- Eligibility: 12 with medical (UM II Sowa Rigpa/ +2, BSRMS) & MD/MS
- Mode of Admission: NCISM NEET-SR-UG / Entrance Test/Interview
- Duration of Program: Four & Half Years plus one year Internship/Three Year

Program Outcome of Sowa-Rigpa

- The training in Sowa Rigpa, the most ancient medical science of Tibet, trains the students in various branches of Sowa-Rigpa.
- It provides intensive knowledge of the origin of Sowa Rigpa, the Tibetan medical system, its growth and its different manifestations.
- It also enables the students to have a sound knowledge of different aspect of the medical system like physiology, anatomy, anthropology, pharmacology, clinical medicine, material medica and identification, toxicology, Gynaecology, surgery, psychology, pathology, epidemiology and general medicine.
- The intensive guided training and field trips give the students first-hand knowledge of diagnosis and treatment. The highly specialized program is designed to train students in the emerging field of Sowa Rigpa.
- The various research labs provide the opportunity to use classroom knowledge in the respective fields.
- They are capable to conduct PG in Sowa-Rigpa, medical practitioner to serve the public health, researchers, therapists etc.

4. Man power of Sowa-Rigpa Department including Contractual/Fixed/Daily wages

S.N	NAME	DESIGNATION
1	Prof. Lobsang Tenzin	Re-employed Professor
2	Dr. Dorjee Damdul	Associate Professor, Dean, MS
3	Dr. Tashi Dawa	Assistant Professor ,HoD
4	Dr. A. K. Rai	Guest Faculty
5	Dr. Chime Dolkar	Guest Faculty cum YSRH Incharge

FACULTIES

6	Dr. Dawa Tsering	Guest Faculty cum Pharmacy Incharge
7	Dr. Lodoe Munsel	Guest Faculty cum Therapy Incharge
8	Dr. Tenzin Delek	Guest Faculty cum Consultant Doctor
9	Dr. Penpa Tsering	Guest Faculty cum VB Library Incharge
10	Dr. Karma Tharchin	Pharmacy Assistant, Contractual
11	Dr. Sangye Khando	Therapy Assistant, Daily wage
12	Dr. Tsewang Sangmo	R&D Assistant, Contractual
13	Dr. Wangyal Dorjee Thakuri	Pharmacopeia Assistant, Contractual
14	Dr. Dawa Dolma	Jong Assistant, Contractual
15	Dr. Ngawang Kunchen	Pharmacopeia Assistant, Contractual
16	Mr. V.K. Patil	Lab technician, Contractual
17	Mrs. Kalsang Wangmo	TA. cum PA, Contractual
18	Mr. Nyima Choegyal	EDMG Project Associate, Contractual
19	Ven Tenzin Sangpo	Dispenser, Contractual
20	Mr. Mast Ram	Cashier, Contractual
21	Miss Sonam Dolma	Dispenser, Contractual
22	Miss Youngdrung Wangmo	Dispenser, Contractual
23	Mr. Sangay Wangchuk	EDMG Project Supervisor, Contractual
24	Mr. Sonam Phuntsok	EDMG Project Watch man, Contractual
25	Mrs. Rinchin Lhamo	EDMG Project MTS, Contractual
26	Mr. Tenzin Chundey	EDMG Project MTS, Contractual
27	Sri Kashinath Prajapati	Hospital Watch man, Contractual
28	Sri Lav Kumar	Office peon, Contractual
29	Sri Brij Mohan Bhardawaj	Pharmacy MTS, Contractual
30	Sri Shiv Shankar Yadav	Pharmacy MTS, Contractual
31	Mr. Anil Kumar	Pharmacy MTS, Daily wage
32	Mr. Ashok Kumar	Pharmacy MTS, Daily wage
33	Mr. Rajesh Kumar	Pharmacy MTS, Daily wage
34	Mr. Sanjay Kumar Bhardwaj	Pharmacy MTS, Daily wage
35	Mr. Sudha Devi	Pharmacy MTS, Daily wage
36	Mr. Rohit Kumar Rajbhar	Pharmacy MTS, Daily wage
37	Mr. Sunil Kumar Rajbharr	Pharmacy MTS, Daily wage
38	Mr. Brij Kumar Kannaujiya	R&D peon Contractual
39	Mr. Vasim	Hospital MTS, Contractual
40	Mrs. Dhanvantari Devi	Hospital MTS, Contractual
41	Mrs. Mala Devi	Hospital MTS, Contractual
42	Mrs. Swati Kumari Gond	Hospital MTS, Contractual

5. Meetings, Conference, Seminar, Workshop and Symposium

- 1st April 2023 : Faculty council meeting was held under the chairmanship of Dean, Faculty of Sowa-Rigpa for preparation of new calendar as per act of

ANNUAL REPORT 2023-2024

NCISM for BSRMS Prof-I(18 months), Review& Evaluate month end attendances etc.

- 9th April 2023 : Dean, HoD, faculties and Doctors attended one day seminar on Heal in India, Heal by India & ABDM organized by Board of Ethics and Registration for Indian System of Medicine (BERISM), NCISM held at Ananta Convention , Sarnath, Varanasi
- 22nd April 2023 : Faculty council meeting was held under the chairmanship of Dean, Faculty of Sowa-Rigpa to review 16 proposals for Hospital and teaching staffs.
- 15th- 16th May 2023 : Dr. Dorjee Damdul attended the Visitation of the existing ASUS colleges under 13C of IMCC Act, 1970/ section 28 of NCISM Act, 2020 and relevant regulations there under for the academic session 2023-2024 via hybrid mode at Men-Tsee-Khang Sowa Rigpa College Bangalore, Karnataka State.
- 22nd-26th May 2023 : Dr. Tashi Dawa attended Visitation of the existing ASUS colleges under 13C of IMCC Act, 1970/ section 28 of NCISM Act, 2020 and relevant regulations there under for the academic session 2023-2024 via hybrid mode at Leh, Ladakh, UT.
- 19th August 2023 : Sowa-Rigpa R&D committee meeting was held in the Dean's Office regarding Sowa-Rigpa Development and procedures of (Medicine/Instruments) innovation/invention etc.
- 28th August to 02nd September 2023 : Dr. Tashi Dawa attended six days short-term face-to-face training programme on Indian Knowledge System (IKS) on behalf of CIHTS held at New Delhi.
- 10th-16th August 2023 : Dr. Penpa Tsering attended NCISM-NEET-SR-UG 2023 Exam observer at Dharamshala, Himachal Pradesh.
- 4th September 2023 : Dean and HoD attended the meeting of Sowa-Rigpa Central Counseling Committee meeting, New Delhi to prepare and allotment process of the admitted list of the Sowa Rigpa students for the academic session 2023-2024.
- 9th September 2023 : Sowa-Rigpa R&D committee meeting was held in the Dean's Office to discuss the research format of Kyuru Gyadpa etc.
- 20-22 September 2023 : Dr. Dorjee Damdul and Dr. Jigme Migyure attended 38th Board meeting of CCTM held at Dharamsala, Himachal Pradesh.
- 30th September 2023 : Sowa-Rigpa R&D committee meeting was held in Dean's Office to discuss Sowa Rigpa research format for Goro Thrakchoe etc.
- 10th October 2023 : Sowa-Rigpa R&D committee meeting was held in the Dean's Office to discuss and finalized the effect/beneficial of R&D medicines and research work.
- 16th October 2023 : Meeting of the Departmental Research Committee (DRC) of the Department was held to discuss pre submission of Sowa-Rigpa Ph.D Thesis.
- 10th November 2023 : Dr. Dorjee Damdul attended Ayurveda Day celebration programme at BHU and give a lecture on the topic of Ayurveda for one health.

FACULTIES

- 1st-3rd February 2024 : Dr. Damdul Damdul attended for Regional workshop on Sowa-Rigpa and Medicinal plants of North East at Dirang, Arunachal Pradesh and give a lecture on Principal and Practice of Sowa-Rigpa and essential qualities of Sowa-Rigpa Practitioners.
- 1st-3rd February 2024 : Dr. Nyima Samdup with Interns students also attended for Regional workshop on Sowa-Rigpa and Medicinal plants of North East at Dirang, Arunachal Pradesh.
- 9th February 2024 : Dr. Tashi Dawa attended meeting of “Constitution of Technical Committee for National Examination for Indian System of Medicine” at New Delhi.
- 13th February 2024 : Dr. Tashi Dawa attended “2nd Technical Meeting for NTET” at the NCISM office, New Delhi.

6. Training Programs, Lecture series and Talks

- 10th May - 10th June 2023 : The Internship Committee arranged clinical training program (Life support training/First aid Clinical Training) in the IPD hall for internship students for one month from 4:00pm to 05:30pm daily by Dr. Vishnu, Director/Principal of Shiv Surgical Nursing School, Pardiya, Varanasi.
- 25th July 2023 : Orientation program for Junior Internship students was held in the smart class of PGRH/YSRCH
- 11th-31st August 2023 : Under the leadership of Dr. Ngawang Kunchen, BSRMS IVth year students successfully conducted the annual medical excursion at the Himalayan region, Tawang, Arunachal Pradesh. Herb Identification test with evaluation also conducted and the evaluation sheet has been submitted to Exam Wing and report submitted and group presentation was also made by students upon return in the campus with the entire faculty and students of Sowa-Rigpa.
- 8th September 2023 : BSRMS IV students shared their knowledge and experience to all the faculties and students after completion of their Medical excursion at Tawang Arunachal Pradesh areas.



Yoga Day celebration



National Sowa-Rigpa Day Celebration

7. Induction Program

9th-23rd October 2023 : As per transitional curriculum prescribed by NCISM, New Delhi, the Department of Sowa Rigpa, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi had successfully conducted the Transitional Curriculum activities for 15 days i.e., for the academic session 2023-2024. This programme includes pre-test, post-test, Feedback, Demonstrations,

ANNUAL REPORT 2023-2024

Orientation lectures, Motivational lectures, Meditation, Computer skills, Basic Life Support, Personal Development and Creation, Goal Setting, Languages and Literature etc.

8. NCISM NEET SR-UG Examination

NCISM, Ministry of Ayush, Govt. India New Delhi, designated CIHTS as a designated Institute for conducting very fast National Commission for Indian System of Medicine – National eligibility entrance test for Sowa-Rigpa under graduate for the academic session 2023-2024 (NCISM NEET SR-UG-2023-2024) exam which was successfully conducted by the Department.

9. Inspections

- 2nd May 2023 : Inspection team of Medical Assessment and Rating Board of Indian System of Medicine (MARBISM), NCISM, New Delhi visited/Inspected the Department.
- 1st and 2nd June 2023 : Experts visitation by National Institute of Educational Planning and Administration (NIEPA) inspect the Department under the direction of NCISM.

10. Publication of the Faculties:

1. CharakSamhita ,	Volume –IV,	ISBN 9789395086-06-6(HB)
2. CharakSamhita ,	Volume –V,	ISBN 9789395086-09-7(HB)
3. CharakSamhita ,	Volume –VI,	ISBN 9789395086-15-8(HB)
4. CharakSamhita ,	Volume –VII,	ISBN 9789395086-22-6(PB)
5. CharakSamhita ,	Volume –VIII,	ISBN 9789395086-26-4(HB)
6. CharakSamhita ,	Volume –IX,	ISBN 9789395086-23-3(HB)
7. Sowa-Rigpa Anatomy Book		ISBN 9789391092894

11.Course/Syllabus Design

- 19th-20th February 2024 : A physical workshop for second professional BSRMS Syllabus Framing Programme was held at A.P Guest House CIHTS, Organized by National Commission of Indian System of Medicine in collaboration with the Department of Sowa-Rigpa, CIHTS, Sarnath.
- BSRMS Oral test syllabus was modified/framed as per MSE Gazette notification, NCISM Ministry of AYUSH, Govt. of India.

12. Health Programme

- 07th April 2023 : Prof. Lobsang Tenzin Rakhdo gave talk on World Health Day
- 10 May to 10th June 2023 : Organized First aid clinical training to Internship students.
- August 2023 : Organize one month Yoga Training course.
- 11th October 2023 : Dr. Karma Wangdak from Palpung University Bir. Himachal Pradesh gave a Health talk to the Department members.
- 16th November 2023 : Organized free medical eye check up camp in Yuthok Hospital.
- 25th December - 25th January 2024 : Free Medical Camp at Bodh Gaya.

FACULTIES



Free Medical Camp



Free medical eye check up camp

13. Ludrub Teaching Pharmacy

A: Aims & Objectives:

- To give hands-on practical training on Sowa-Rigpa pharmaceutical procedures and processes
- To facilitate routine Sowa-Rigpa products and supplies for visiting patients of Yuthok Sowa-Rigpa Hospital.
- To standardize and assure the quality of formulations of Sowa-Rigpa products.
- To research and innovate new products from students' initiatives and activities.

B: Current Manpower at the Unit.

Sl.	Post/Category	Permanent	Guest Faculty	Contractual (Fixed)	Daily wages
1	Manager/In-charge	-	1	-	-
2	Assistant Manager/In-charge	-	1	-	-
3	MTS	2	-	1	6
Total		11			

C: Raw Medicine/Materials

Raw Medicine Source		Qty (Kg)	Qty (Lt)	Qty (Pkt/Pc)
1	Himalayan Region (HR)	433.580	0	0
2	Local Farmer/Market (LFM)	3708.770	1798.000	400
3	Herbal Garden (KHG)	734.715	0	0
4	EDMG, Tawang Project (EDMG)	73.155	0	0
5	Collected & Donated (C&D)	37.689	0	0
Total		4987.909	1798.000	400

D: Annual Consumption of Raw Material

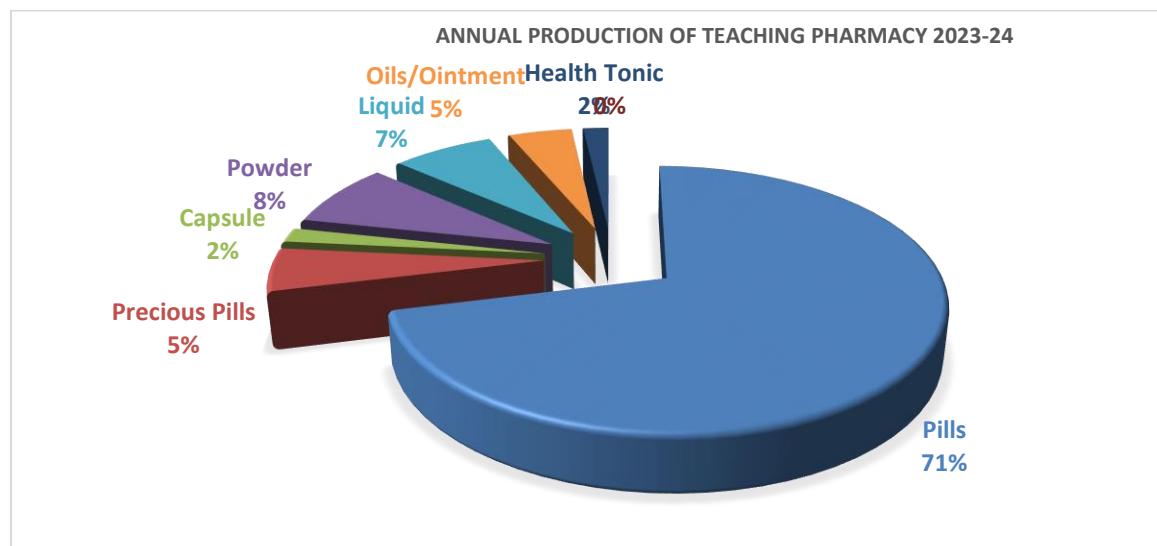
Sl.	Consumed for	Consumption (in Kg)
1	Pills	1354.808

ANNUAL REPORT 2023-2024

2	Precious Pills	33.339
3	Capsule	16.400
4	Powder	310.360
5	Liquid	963.002
6	Oil/Ointment	1559.055
7	Health Tonic	1116.765
8	Incense	0
9	Research/Practical	197.335
10	Shodhan/Detox	128.898
11	Sample/Exhibition	1.123
Total		5681.085

E: Details of Finished Products

S1	Products	Products verities	Opening Balance	Annual Production	Annual Issued	Annual Wastage	Net Balance
1	Pills (Qty in unit)	105	130120	2189800	2288420	0	31500
2	P. Pills (Qty in unit)	9	593	5813	5898	0	508
3	Capsule (Qty in unit)	3	9000	31800	31800	0	9000
4	Powder (Qty in unit)	18	384	12902	11196	0	2090
5	Liquid (Qty in unit)	9	660	10542	11147	0	55
6	Oil/Ointment (Qty in unit)	7	140	11220	10877		483
7	Health Tonic (Qty in unit)	8	0	1431	1431	0	0
8	Incense (Qty in unit)	6	0	0	0	0	0



14. Yuthok Sowa-Rigpa Hospital

SL.No.	Month	Comp.	Pdt.	Out Patients		Std.	std. patients		Total patients	Working Days
				M	F		M	F		
1	April	7	1400	649	751	110	45	65	1517	24
2	May	1	1580	730	850	122	52	70	1703	25
3	June	4	1375	640	735	29	9	20	1408	26
4	July	8	1593	761	832	110	36	74	1711	25
5	August	2	1691	851	840	109	39	70	1802	26
6	September	0	1725	815	910	109	32	77	1834	26
7	October	2	1666	811	855	108	37	71	1776	24
8	November	1	1620	722	898	81	34	47	1702	24
9	December	0	1805	838	967	71	30	41	1876	23
10	January	0	1893	926	967	93	36	57	1986	25
11	February	0	1467	664	803	85	34	51	1552	20
12	March	14	1833	890	943	104	40	64	1951	23
Grand Total		39	19648	9297	10351	1131	424	707	20818	291

15. Therapy Unit

The Sowa-Rigpa Therapy Wing is a part of the Yuthog Sowa-Rigpa Hospital, which has been providing traditional healthcare services since its establishment in 2017. The primary aim is providing healthcare services for patients and supporting the teaching-learning process for Kachupa students under the BSRMS program. The therapies administered are based on the referral from the Sowa-Rigpa Menpas from its 4 different OPDs.

In addition to providing individualized therapies for respective diseases, the Therapy Wing provides real-time exposure to Sowa-Rigpa therapeutic effects and procedures under the supervision of Medical Officers and Assistant Therapists.

- **SR-Therapies Provided:**

The Therapy Wing provides various therapies, including sNasMen, Shel, Jamtse, Jugpa, Zangbum, Shel Bum, rLangLums, Kam Khap, gTar, and non-invasive therapies.

The BSRMS students are exposed to these therapies as part of clinical exposure and skill development. Especially Interns take turns in assisting the therapist in handling patients to gain clinical experience.

- **Status of visit for SR-Therapies (2023-2024):**

From 1st April 2023 to 31st March 2024, the total number of patients who received Sowa-Rigpa treatments and therapies are as follows:

SL. No.	Months / Year	Male Patients	Female Patients	Total Patients	Working Days
1	April 2023	119	153	272	23
2	May 2023	154	205	359	25

ANNUAL REPORT 2023-2024

3	June 2023	124	176	300	26
4	July 2023	147	185	332	25
5	August 2023	182	166	348	26
6	September 2023	203	240	443	25
7	October 2023	175	194	369	20
8	November 2023	134	170	304	20
9	December 2023	123	137	260	20
10	January 2024	106	153	259	21
11	February 2024	88	116	204	19
12	March 2024	153	200	353	22
	Total	1708	2095	3803	272

Sowa-Rigpa Therapy Wing continued to provide traditional healthcare services to the patients. The number of patients receiving therapy has significantly increased in the post covid period. The SR Therapy wing not only caters to the healthcare needs of the patients but also support the teaching-learning process for Kachupa students under the BSRMS program. As part of an academic exchange programme, interns from SR department, NIT, Gangtok, Sikkim had been trained accordingly.

The Therapy Wing remains committed to providing quality healthcare services and training to the students, thus contributing to the preservation and promotion of traditional healthcare practices.

16. Pharmacopoeia Unit

Since the awareness of Sowa-Rigpa is increasing globally, the number of patients all over world and particularly in India has been growing promptly with the demand of Sowa-Rigpa products/medicine. But since the general scientific acceptability of these products/medicines very much depends upon the compliance with the quality standards and quality control of the medicine and its manufacturing process. It is been indispensably required to have scientific standards for the identity, purity, efficacy etc. of the traditional medicine of Sowa-Rigpa as well. Therefore, keeping in view for publishing Pharmacopoeia standards of Sowa-Rigpa system, Pharmacopoeia Unit of Sowa-Rigpa Department has established to undertake pharmacopoeia work. Subsequently, conserving and preserving rare text book, restoring the disseminated and disperse longstanding edition are to be upgraded and complementing the Tibetan Medical Text to the practitioners of Sowa-Rigpa has been kept in view as well.

A: Aim and Objective of the project is:

- To provide QC & QA of Sowa-Rigpa product
- To introduce an authentic pharmacopoeia book

FACULTIES

- To provide information about the ingredients and methods of preparation of Sowa-Rigpa medicine.

B: Works completed and under progress:

- Compiled “Sowa-Rigpa Anatomy Book” as per instruction of HoD, Department of Sorig.
- Detail of Ko-byi 13 formulation is completed
- “detail formulation of Agar-8” and “kyung-nga” is in process

17. Research Unit of the Department

A: Works which have been completed

- Translate Gazette in Hindi (SR UG MSE, MES & MSR) near about 300 pages. (Published)
- Pilot study has been completed Topic- Effect of Yognidra on sleeping Disorder (insomnia)
- Pilot study has been completed Topic- Topic- Effect of Pranayam on Anxiety Neurosis.
- Pilot study has been completed Topic- Effect of Deep Relaxation on Hypertension.

B: Other works:

- Treated patients with Psychotherapy techniques.
- Treated Psychosomatic patients with Yoga techniques.
- Took (BSRMS 2rd and 3th year) classes on Clinical Psychology, Behavior Disorder and Psychotherapy.
- Help and Guidance of internship students of BSRMS as Coordinator.
- Coordinated Faculty PhD program.
- Participated and support of NCISM workshop.
- Translated 2022-2023 Year report in Hindi.
- Translated Website materials for institute in Hindi
- Help and support to Raj Bhasha as committee Member.
- Delivered a lecture on Personality Development and Yoga for Sowa-Rigpa Induction Program.
- Support to IQAC.

C: Future Research works:

- Prepare a project for the cultivation of herbs (Arunanchal Pradesh)
- Stress Management of students and I.P.D, O.P.D. patients.
- Write a book on Chitta-Vigyan in Hindi with the help of Prof. L Tenzin (Tibetan-Psychology or Psychotherapy)
- Support to our Ph.D. students to complete his research work.
- Effect of classical healing (Hawan Chikitsa) on Diabetes and some other Chronic

18. HERBARIUM UNIT

A: Aims and Objectives:-

- To facilitate proper identification, study and usage of Sowa-Rigpa based medicinal herbs.

ANNUAL REPORT 2023-2024

- To facilitate Students' knowledge and exposure to herbs and minerals used in Sowa-Rigpa.
- To Preserve plant samples from further extinction or endangered in herbaria sheet.
- To improve quality standard of each herb.

B: Herbarium works:-

- Total of 1250 herbaria samples collected from Manali, Garsha, Spiti, Manikaran and other regions of Himachal Pradesh and Tawang region of Arunachal Pradesh.
- Total of 63 herbs collected from Kalachakra garden of Sowa-Rigpa (CIHTS) have been attached separately on herbarium sheet.
- Total of 621 herbaria samples have been curated (mounting and labelling).
- Total of 197 crude drug samples of minerals, natural salts, trees and herbs which are used in Sowa-Rigpa pharmaceuticals have been kept separately in Herbarium unit.
- Total of 169 Voucher specimens for herbs collected from Himalayan region out of which fill-up of 62 herbs have been completed in both Tibetan and English language.

C: Future Projects:-

- Continuation of Voucher specimen fill-up work.
- More collection and research on herbs from Kalachakra garden (CIHTS) and other Himalayan regions of India.
- Field work regarding proper identification of herbs found in Trans-Himalayan regions (India, Nepal etc.).
- Herb based Summer Project to students who will be in & out of campus.
- DNA finger printing of plant samples and conserving their genes for potential propagation in times of rarity and extinction.
- GPS co-ordinated collection of specimens from different location to maintain standards for each collection.

19. EDMG Tawang Project



The Establishment & Development of Medicinal Garden, Project (EDMG) in Tawang is a significant initiative for research and conservation. It focuses on the preservation of rare medicinal plants and herbs native to the Himalayan range. The project is introduced and managed by the Department of Sowa-Rigpa, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi. Launched in 2008, it has overcome numerous challenges and is now successfully maintained. The project is in a strong position to continue advancing in both qualitative and quantitative development.

Our main project site, Menma-Gyalam (5.47 acres), is located around 20km from Tawang main market. It is secured with iron-wire fencing, allowing access only to authorized personnel. As the site is situated on sloping rocky mountains, we have constructed counter terraces in certain areas to meet the requirements for herb plantation. Currently, there are around 50 different species of herbs and plants present.

The Mon-Tawang District, located in the north-eastern region of Arunachal Pradesh, shares borders with Tibet and the Kingdom of Bhutan. This area is renowned for its natural beauty, including diverse Flora, Fauna and picturesque surroundings. The district is situated at an altitude of approximately 3,500 meters above sea level and is enriched by its unique biodiversity.

The region is home to several rare and medicinal plants, flowers and wild animals that are characteristic of the Tibetan plateau. In the lower areas of Tawang district i.e., Lumla tehsil areas fruits such as oranges, amla, mangoes, persimmon, walnut and neem trees are found and cultivated, which thrive in the warmer plains of India. Additionally, the district boasts dense forests, magnificent waterfalls, rivers lakes and serene lagoons, all of which contribute to its natural charm and ecological richness. Tawang's distinctiveness is further enhanced by the deep religious and cultural ties of its local residents, who strongly uphold traditional healing practices.

Current Manpower at EDMG Project Tawang: -

- 1. One Project Associate**
- 2. Three MTS**

Future Plan to advance Enhancement and Development proposals of EDMG Project Tawang

1. Maintenance works of Menmagyalam project site
2. Establishment of Yuthok branch clinic at Lumla, Tawang
3. Small herbarium museum of medicinal herbs at office
4. Procurement of additional plantation lands:
 - 4.1 Taktsang plantation land procurement
 - 4.2 Tarbu plantation Land Zimithang
 - 4.3 Khinmey Plantation land procurement

20. Pathology Unit

- Sowa-Rigpa pathology center received 1023 patients between April 1st 2023 to March 31st 2024. They all were tested for various pathological diagnostics such as Blood, urine, stool, sputum and soon.
- Every year BSRMS students of Sowa-Rigpa medical college came to Sowa-Rigpa pathology lab for practical tests and technology as per requirement.
- In Sowa-Rigpa pathology center, patients are coming from different areas for various types of tests which are being investigated. A uniform facility is provided to all the patients i.e. IPD/OPD and therapy wing of the Hospital.
- Patients are coming from different areas in Sowa-Rigpa pathology center such as districts of Madhaya Pradesh, Bihar, Ballia, Ghazipur, Chandauli, Mirzapur, Bhadohi, Jaunpur, Azamgarh, Deoria, Mau, etc.

21. Future plan of the Department

To establish & develop a full-fledged Sowa-Rigpa Centre of Excellence with the construction of New Academic and Hospital building separately.



- On-going Project of Commentary of rGyud-bZhi, Commentary of Dawe Gyalpo, by Prof. Lobsang Tenzin
- On-going Project of "Pharmacopoeia in Tibetan Medicine".
- On-going Project of "Herbarium Specimen" in Tibetan and English.
- To research on medicinal herbs and products & formulation.
- To render and improve the health of local people through Sowa-Rigpa.
- To explain and promote effectiveness of Sowa-Rigpa medicines on Gynecological disease through mother-child healthcare in remote areas.
- To do clinical research on chronic and infectious diseases through collaboration with other system of medicine.
- To research on drug standardization in collaboration with other universities (National and International).
- To translate ancient text of Indian medicine into Tibetan.
- Herbal garden was established in Tawang, Arunachal Pradesh to protect and preserve endangered and rare species of high altitude plants.
- Increment of student intake for the undergraduate program.

FACULTIES

- To start 2nd batch of Sowa-Rigpa PG program
- To train and initiate more programs and specialty in PG and Ph.D. courses.
- To promote Sowa-Rigpa internationally and serve more patients globally.
- To establish & develop full-fledged Sowa-Rigpa center of Excellence with the construction of New Academic and Hospital building separately.
- To recruit more manpower in the academic and hospital management to sustain and establish the set target.

Dr. Dorjee Damdul, Dean, Faculty of Sowa-Rigpa and Bhot Jyotish

Seminars, Workshops, Programme etc. attended for the Academic Year 2023-2024:

- Organiser & Speaker, Induction Programme: BSRMS Professional -I
- Speaker, Senior Students Campaign, CIHTS, Sarnath, Varanasi
- Regional workshop on Sowa Rigpa and Medicinal Plants of North East at Dirang, Arunachal Pradesh
- Ayurveda day celebration, Guest / Speaker, Banaras Hindu University (BHU)

Syllabus/Course Designed during the Academic Year 2023-2024:

- BSRMS Professional-II course was designed as per the rules and Instruction of NCISM, Ministry of Ayush, GoI, New Delhi
- BSRMS Oral test was modified as per the (MSE) Gazette Notification, NCISM, Ministry of Ayush

Administrative responsibilities held during the academic Year 2023-2024:

1. Medical Superintendent, Yuthog Sowa Rigpa Hospital, CIHTS, Sarnath
2. Chief Vigilance officer (CVO), CIHTS, Sarnath, Varanasi
3. Chairman, Development of New Website Committee, CIHTS, Sarnath
4. Supervisor, Health Care Centre, SWA, CIHTS, Sarnath, Varanasi
5. Chairman, Appointment of a Clinical Psychologist in the Hostel premises
6. Chairman, Procurement of clinic Medicines, Health care Center, SWA
7. Chairman, Publication & Media cell, CIHTS, Sarnath, Varanasi
8. Director, NCISM-NEET SR UG, For the Academic Session 2023-2024
9. Chairman, Screening Committee, CIHTS, Sarnath, Varanasi
10. Dean, Faculty of Sowa Rigpa and BhotJyotish (2021-2024) and (2024-2027)
11. Dean, Faculty of Shilpa Vidya. (2021-2024) and (2024-2027)
12. Member, Academic council, CIHTS, Sarnath, Varanasi
13. Member, Advisory committee for Sowa Rigpa, NCISM, Ministry of Ayush
14. NCISM Observer, Visitation Observer for College Inspection
15. Chairman, Medicine Procurement at Health care Centre, SWA, CIHTS
16. Chairman, Medical Equipment procurement Committee, Sowa Rigpa Bhawan,
17. Member, Technical Committee for NCISM-NEET SR UG examination
18. Chairman, Financial Aid committee, CIHTS, Sarnath, Varanasi
19. Chairman, Ad-hog Service Committee, CIHTS, Sarnath, Varanasi
20. Member, Orientation Program for MTKD graduates, BERISM, NCISM, Delhi
21. Member, Academic & Scientific Advisory Committee of NISR, Leh Ladakh

ANNUAL REPORT 2023-2024

22. Member, Sowa Rigpa Central Counselling Committee (SRCCC), NCISM
23. Member, Board of Studies, Sindhu University of Ladakh,
24. Member, Executive Council of National Institute of Sowa RigpaLeh, Ladakh
25. Guide, Sowa Rigpa Ph. D, CIHTS, Sarnath, Varanasi
26. Chairman, Departmental Research Committee, Department of Sowa Rigpa
27. Member, Departmental Research Committee, Department of Fine Arts, CIHTS
28. Chairman, Spot Purchase Committee, Department of Sowa Rigpa, CIHTS,
29. Member, Executive member, CCTM, Dharamsala, Himachal Pradesh
30. Chairman, Central Council of Tibetan Medicine, Dharamsala, Kangra, HP
31. Member, Sowa Rigpa Faculty Council, Department of Sowa Rigpa, CIHTS
32. Co-Investigator, EDMG Project, Tawang, Arunachal Pradesh
33. Member, Bureau of Indian Standard (BIS) for Sowa Rigpa, Govt. of India
34. Member, Central Research Council of Sowa Rigpa, Ministry of Ayush, GoI.
35. Member, Academic Council, NIT, Deorali, Gangtok, Sikkim

Dr. Tashi Dawa

A. OPD & Sowa-Rigpa Therapy Consultancy at Yuthok Sowa-Rigpa Hospital

Month Wise	OPD Consultancy	Therapy Consultancy
April-2023	83	26
May 2023	66	42
June 2023	23	24
July 2023	171	54
August 2023	93	54
September 2023	115	64
October 2023	149	59
November 2023	71	38
December 2023	95	45
January 2024	149	30
February 2024	63	27
March 2024	142	44
Total Patients	1220	507

B. Meetings/Visitation Attended

Academic Activities

1. 7th Apr. 2023 : Paid visit to Local Medicinal Herb Cultivator at Dev Herbals, Marui (Itahi) Jakkhini village, Varanasi with Spot Purchase Committee (SPC) members of the Department.
2. 8th Apr. 2023 : Vaidya Rakesh Sharma, President of the Board of Ethics & Registration and his team along with local Ayurveda Board Members visited

FACULTIES

and briefed the Departments Facilities and interacted with the Sowa-Rigpa Faculties.

3. 9th Apr. 2023 : Attended one day seminar on "Heal in India, Heal by India & Ayushman Bharat Digital Mission (HPR/HFR)" organized by Board of Ethics and Registration for Indian System of Medicine (BERISM). NCISM held at Ananta Convention, Ashapur, Varanasi.
4. 12th Apr. 2023 : Briefed with Dr Stefen Kloos for his questionnaires and requested to interact with Sowa-Rigpa Ph.D Scholars, Interns, and UG Students.
5. 22nd Apr. 2023 : Attended Sowa-Rigpa Faculty council meeting held under the chairmanship of Dean, Faculty of Sowa-Rigpa to review 16 proposals for Hospital and teaching staffs.
6. 2nd-3rd May 2023 : NCISM Visitation and briefing the Visitors for all the questionnaires and processing Registration.
7. 9th-10th May 2023 : Attended as a Visitor to conduct Visitation of the existing ASUS colleges under 13C of IMCC Act, 1970/ section 28 of NCISM Act, 2020 and relevant regulations there under for the academic session 2023-2024 via hybrid mode at Mentsekhang Dharamsala Medical College, HP.
8. 22nd-26th May 2023 : Attended as a Visitor to conduct Visitation of the existing ASUS colleges under 13C of IMCC Act, 1970/ section 28 of NCISM Act, 2020 and relevant regulations there under for the academic session 2023-2024 via hybrid mode at Dept. of Sowa-Rigpa CIBS and NISR, Leh, Ladakh, UT.
9. 1st-2nd Jun. 2023 : Meeting with Prof. Pranati Panda and Dr. Rashmita Das, NIEPA, New Delhi, regarding Need Assessment Study in the Area of Institutional Planning and Administration.
10. 12th Jul. 2023 : Online Meeting of the Bureau of Indian Standards (BIS) New Delhi
11. 30th Jul.-1st Aug. 2023 : Attended the address of Sikyong Penpa Tsering's talk at Atisha and briefed him of the Sowa-Rigpa Facilities.
12. 20th Aug. 2023 : Attended condolence and prayer session of the Padmashree Adjunct Prof. Ram Harsh Singh Ji at the PGRH Lobby.
13. 22nd Aug 2023 : Attended NCISM's meeting "Committee for the Development of Transcripts for ASUS Degree Certificates" at the CCRAS, 2nd Floor Room No. 223 of the CCRAS Committee Room.
14. 28th Aug. to 2nd Sept. 2023 : Attended six days short-term face-to-face training programme on Indian Knowledge System (IKS) on behalf of CIHTS held at BHU, Varanasi.
15. 2nd Sept. 2023 : Presented to the IKS participants at BHU about CIHTS and Sowa- Rigpa.
16. 4th Sept.2023 : Attended the meeting of Sowa-Rigpa Central Counseling Committee (SRCCC) meeting at NCISM Office, New Delhi to prepare and process Sowa-Rigpa College seat allotment for the academic session 2023-2024.

ANNUAL REPORT 2023-2024

17. 14th Sept. 2023 : Attended Sowa-Rigpa Faculty Council Meeting at PGRH.
18. 15th Sept. 2023 : Attended online briefing by Dr. K. Jaganathan, President, BUSS and Mr. Neeraj Kumar, CoE, on "Electives Curriculum to Sowa-Rigpa Colleges" organized by BUSS, NCISM.
19. 23rd Sept. 2023 : *Interview on "Sowa-Rigpa and its Potential for the Program Kashi Kala Kasturi* by Dr Shabnam, BHU.
20. 1st Oct. 2023 : Participated in *Swaach Bharat Abhiyan* Program at Sarangnath Temple, Sarnath with the CIHTS staffs.
21. 4th Oct. 2023 : Invited as Judge for the Quiz Competition of *Raj Bhasha Competency* organized by the Raj Bhasha Committee of CIHTS at Shantarakshita Library.
22. 6th Oct-11th Oct. 2023 : Visit to EDMG, Tawang Project for selection and recruitment for the Post of Project Associate Officer at EDMG and assessment of the Project with Registrar and Asst. Registrar.
23. 16th Oct. 2023 : Briefing the Sowa-Rigpa Facilities followed by meeting with Shri. Dayalu Ji, State AYUSH Minister, UP during his brief visit at CIHTS.
24. 21st Oct. 2023 : Gave talk on MSE of NCISM Guidelines to the Newly admitted BSRMS for their 15-day Induction Program.
25. 29th Oct. 2023 : Attended felicitation of delegates of *Buddhist Bhoomi Vandana Yatra* held at Shantarakshita Lobby, CIHTS
26. 5th Nov. 2023 : Attended the Inaugural ceremony of the Birth Anniversary of Prof. S. Rinpoche organized by Alumni of CIHTS at Atisha Hall.
27. 22nd-30th Nov. 2023 : Participated in the "15th Translation Conference on Standardization of Scientific Terms into Tibetan" Drepung Loseling Meditation & Science Center.
28. 25th Dec. 2023 : Interviewed on prospects of Sowa-Rigpa by Dr. Swargajyoti Gohain, Ashoka University.
29. 1st Jan 2024 : Attended talk by Prof. S. Rinpoche at Samyak Bhawan, Bodh Gaya organized by Alumni Association of CIHTS, Sarnath.
30. 18th Jan. 2024 : Participated in the 6th Meeting of the Research & Development Cell of CIHTS at VC's Committee Hall.
31. 6th & 9th Feb. 2024 : Online Pre-Workshop meeting by Dr Mohan R Joshi on BSRMS Second Professional Syllabus Framing organized by BUSS, NCISM.
32. 9th Feb. 2024 : Attended the meeting of "Constitution of Technical Committee for National Examination for Indian System of Medicine" at NCISM Office, New Delhi.
33. 13th Feb. 2024 : Attended "2nd Technical Meeting for NTET" at the NCISM office, New Delhi.
34. 19th-21st Feb. 2024 : Framing of BSRMS Second Professional Syllabus Framing at CIHTS organized by Board of Unani, Siddha and Sowa-Rigpa (BUSS).

C. Appointments:

1. 19th Jun. 2023 : Appointed as Chief Coordinator for the NCISM NEET SR-UG 2023-2024 by the BUSS, NCISM New Delhi.
2. 2nd Aug. 2023 : Appointed Training & Placement Officer of the CIHTS
3. Regional Coordinator (CIHTS) for the BSRMS Second Professional Syllabus Framing.
4. Subject Co-ordinator of the BSRMS Second Professional Syllabus Framing for Thor nad dang gsang nad gso wa (Management of Unclassified Group of disease and Reproductive Health) Paper-(1 & 2).
5. Member of the BSRMS Second Professional Syllabus Framing for Concept Mapping-III (Man ngag rgyud sdong 'drem).

E. New Sowa-Rigpa Product:

1. 21st June 2023 : New Sowa-Rigpa Product Agar-17 was launched for the OPDs which was compounded by Dr. Karma Chodon.
2. 11th-15th July 2023 : Preparation of *100 Sowa-Rigpa Souvenir Gift Boxes for the G- 20 Visitors* at Varanasi.

Dr. Dawa Tsering

1. Pharmacologist/In-charge, Teaching Pharmacy.
2. Member of Organizing Committee of 15 Days Induction Program for BSRMS Professional-I for academic year 2023-24.

Dr. Chime Dolker

1. 9 November, 2023 : Published article entitled “Management of Menopausal syndrome” in CCTM Journal.
2. 19 November, 2023 : Delivered lecture to the visiting students from five colleges USA, Mass in collaboration with CIHTS.
3. Given practical train to the BSRMS students and Internship Students (2023-2024)
4. 20-22-Dec, 2024 : Published article entitled “Efficacy of Sowa-Rigpa Medicine for perimenopausal syndrome” in CIHTS.

Course Designed:

Syllabus Framing for Second Professional BSRMS program (ngos bzunathog rtags-II) Sowa-Rigpa Pathology Part-II

Administrative responsibilities:

1. Internship management Committee Member
2. Sowa-Rigpa Students Council (SSC) Advisor
3. 15 days Induction course coordinator
4. Incharge the visiting videography from (VoA) at IPD, OPD, DISPENSARY & CLASS.

Dr. Tenzin Delek

3. Participated as member for the framing of BSRMS Prof-2nd Year under the syllabus forming committee.

ANNUAL REPORT 2023-2024

4. Elected president of the Kargyud Relief & Protection Committee (KRPC) for the 2023-24 session.
3. Member of Organizing Committee of 15 Days Induction Program for BSRMS Professional-I for academic year 2023-24.

Dr. Lodoe Munsel Negi

1. Published La Cheypai Tam Munsel Don Mey Analysis on Menstruation and Ovulation in Sowa Rigpa in Tibetology Web.

Committees:

1. NEET-SR-UG-2023-24 Superintendent of CIHTS-Exam Center.
2. Audit and Record Management Committee, Member
3. Scrutiny/Practicum/Oral Test Committee, Chairman.
4. Internship and Medical Camp Management Committee, Member.
5. Sowa-Rigpa R&D Committee, Member.
6. Sowa-Rigpa Spiritual Activities, Supervisor.
7. Sowa-Rigpa National Seminar, Member.
8. 15 days Induction Program, Organizer.

Dr. Penpa Tsering

1. 6 & 9 February, 2024 : Participated in online Pre-Workshop meeting by Dr Mohan R Joshi on BSRMS Second Professional Syllabus framing organized by BUSS, NCISM, MOAYUSH, Gol, Delhi.
2. 19-21 February, 2024 : Participated in framing of BSRMS Second Professional Syllabus at CIHTS organized by Board of Unani, Siddha and Sowa-Rigpa.

Committees:

1. NEET-SR-UG-2023-24 Exam Committee, Member
2. Audit and Record Management Committee, Member
3. Scrutiny/Practicum/Oral Test Committee, Chairman
4. Sowa-Rigpa National Seminar, Member.

Dr. Karma Chodon

Committee:

1. Chairman of Academic Committee: (Calender preparation and planning maintaining record, implementation, revision and review the syllabus, Rules and Regulation of short term course, UG, PG and Ph.D)
2. Chairman of Scrutiny Committee: (Managing the evaluation and assessment of internal assessment including written assignment, Presentation and Attendance of both the theoretical and practical classes)
3. Convener of Oral test Committee: (Management of oral test time table, evaluation etc)
4. Convener of Presentation Committee: (Management of class presentation)
5. Member of practicum Committee: (Arrangement of Practical classes, Practical exam time table and teacher where required accordingly)
6. Member of Internship Committee: Guiding them on everything practical needs.
7. Warden of Prajapati Guatami Hostel

Seminer/Conferences/Workshops and other University activities

1. To participate BSRMS Professional 2nd Course was designed as per the rules and instruction of (NCIDH) ministry of Ayush Delhi
2. 5th October : Present paper during Induction programme BSRMS fresher

Publication of the year

Understanding and management of Dang.zag leucorrhoea in sowa Rigpa medical science SORIG JOURNAL, Vol 4, 2023

II. Department of Bhot Jyotish

(1) Dr. Tashi Tsering (J)	- Associate Professor
(2) Dr. Jampa Chophel	- Assistant Professor & Head
(3) Dr. Umashankar Sharma	- Assistant Professor (Contractual)

Academic Activities:

The faculty of this department actively engaged in the department teaching activities, paper setting, correction of paper, assignment correction, examination invigilators etc. without any interruption.

Dr. Jampa Chophel

1. 12-14 June, 2023 : Invited as speaker for 3 days workshop at Tibetan medical & Astro College, Bangalore.
2. 09 November, 2023 - 26 December, 2023 : As regular requisition made by Triten Norbutse monastery, the department organized 7 weeks workshop for the geshe participants from the monastery. Shri Tashi Tsering and Dr. Jampa Chophel were the speakers after the regular classes.
3. Translating Suryasidhanta in Tibetan from Sanskrit text with the help of Dr. Dawa Sherpa.
4. 18-23 December, 2023 : Participated in 5 days Faculty Development Program of UHV.
5. Nodal officer, AISHE/NAD/AIU/UHV/Utsah/NET/JRF etc. in addition to his parental duty.

Dr. Uma Shankar Sharma

Organising seminars/conferences/workshops, other university activities.

1. 15 July, 2023 : Member of organising committee of National Seminar "The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutually Cordiality".
2. 04-16 October, 2023 : Member of organizing Committee of two-week Capacity Building Programme sponsored by ICSSR.
3. 22 February, 2024 - 04 April, 2024 : Member of organising committee of Workshop on Traditional Tibetan Woodcraft.
4. 04-12 March, 2024 : Member of organising committee of Hindi Workshop.

3. RESEARCH DEPARTMENTS

Research relating to restoration of Tibetan into Sanskrit and translation of Tibetan texts into Hindi, Sanskrit and English and critical editing of rare manuscripts of Buddhist texts, compilation dictionaries of general and technical nature and various research works on Tibetan language & Literature and publication thereof are the major activities of the Research Departments of the Institute. The research activities pursued at the Institute are in the forms of restoration, translation, critical editions and publication through the following Departments:

- 1. Restoration Department**
- 2. Translation Department**
- 3. Rare Buddhist Texts Research Department**
- 4. Dictionary Department**
- 5. Centre for Tibetan Literature**

1. Restoration Department

Vision

The Restoration Department was established as an independent Department within the Research Department to restore ancient Indian science and literature preserved in Tibetan language, into original Sanskrit. It is not only aimed to restore the texts for research purpose, but to revive a lost Indian culture into its original form. This is the only Institute in the world, where such work is being carried out. The top priority is given to important works of Acharya Nagarjuna, Aryadeva, Shantarakshita, Kamalashila and Atisha and so on.

To restore the text into Sanskrit, the scholar of this Department works in collaboration with Indian Sanskrit scholars. This is a well-known tradition coming from the 9th century in Tibet. When these texts of Indian cultural heritage were first translated into Tibetan from Sanskrit, it was compulsory for a Tibetan translator to work with an Indian Pandit as a subject expert. Abiding by that tradition, this Department is also working with Indian scholars who are well versed both in Sanskrit and in Buddhist Philosophy. It is a matter of great honour that late Prof. Ram Shankar Tripathi, a President Award winner as well as a Padmashri Awardee, was working with this Department.

So far many important titles have been published from this University in the forms of restoration, translation and critical editions done by the scholars of this Department. Few of the works of this Department have received U.P. Sanskrit Academy Award.

Staff Members and their Designations:

1. Dr. Losang Dorjee - Associate Professor (HOD)
2. Ven. Ngawang Gyaltsen Negi - Research Assistant

Main Project Works:

Nature of Work : This Unit is mainly engaged with restoration of ancient Indian literature, translating them into English and Hindi languages. The scholars of this department work on critical editing of the text and prepare CRC for publication. The Department has also conducted workshops and conferences. Currently following project works are carried out:

A. Main Research Project/Works:

1. **Acharya Nagarjuna's Bodhicittavivarana** restored by Prof. Gokhale was completed by late Ven. Gyaltsen Namdol. This is a revised edition of the previous editions and the restored edition will be added in revised edition. The project is taken by the department and introduction and Appendix work is under progress. The main project holder had retired and later demised.
2. **Bodhipadapradipapañjika of Acharya Dipankarasrijñāna:** Restoration into Sanskrit and Hindi translation of the text with late Prof. Ram Shankar Tripathi was completed. Most of the long verses were restored in Sanskrit under the guidance of Prof. P.P. Gokhale Ji. Working on research oriented introduction and preparation of appendix of the text is under progress.
3. **Aryasarva-buddha-vishayāvatāra-jñānāloka-alamkāranāma-mahayāna-sūtra:** Completed the critical edition of the Sanskrit manuscript collating with Tibetan version. The work was being done by Prof. P.P. Gokhale and will be published soon.
4. **Mahavyutpatti:** A comprehensive Sanskrit-Tibetan dictionary compiled in the 9th century by Indian masters with the Tibetan translators. Collating work with two other Tibetan editions has been completed. Presently working on Introduction and Appendices.
5. **Yuktishastika of Acharya Nagarjuna and its commentary by Acharya Chandrakirti:** Revision of restoration is under progress with Prof. P.P. Gokhale. Recently we have got an incomplete some portion of Sanskrit manuscript from China, and discussion is underway with Prof. P.P. Gokhale for further critical editing of this text. The introduction and appendix works are under progress. This is joint project work with Translation Department.
6. **Dharmadhatustava by Acharya Nagarjuna:** Restoration and translation into Hindi and English is almost completed. Few years earlier, a diplomatic edition was published from Austria Academic of Sciences Press. At present collating the text with newly published edition and other manuscripts. The critical editing and correction of all four languages (Sanskrit, Tibetan, Hindi and English) is under progress with Prof. P.P. Gokhale. Both Tibetan and Hindi introduction work is under progress.
7. **Prahanapurakaśhatavandānamahāyānasūtra, Karandvyuhamāhayāna-sūtra, Pratitya-samutapadasūtra and Dashakushalasūtra:** Restoration into Sanskrit and some Hindi translation of these texts is completed. Translation into Hindi and critical editing work is under progress.

8. **Mahayanapathakrama of Acharya Subhagavajra:** Critical edition of Tibetan version is completed. Restoration and Translation into Hindi along with critical editing work is completed under the direction of Prof. P.P.Gokhle. At present, research analysis introduction along with index and bibliography work is under progress.
9. **Vinaya Paribhasik Shabda Kosha:** Working on the compilation of a dictionary on technical terms in Vinaya. This is a bilingual dictionary in Tibetan and Sanskrit. The project is doing collaboration with the Dictionary department. Presently, Dr. Ramesh Chandra Negi (retired), Head, Dictionary Department, is revising the work under progress.
10. **Samkshiptananadrivibhajya** by **Acharya Umai Senge:** Restoration of this text is completed with Prof. P.P. Gokhale. The introduction is under progress.
11. **Abodhabodhakanama Prakaranam** by **Acharya Nagarjuna:** Restoration of this text is completed with Prof. P.P. Gokhale. The work on introduction is under progress.

B. Team Work:

1. **Shri Vanaratna-Mukhagamratna-Sarmala** manuscript is available in Tangyur collection in multiple languages- Sanskrit and Tibetan in Tibetan script and its translation. This text is compiled and composed by Acharya Vana Ratna. The Sanskrit language in Tibetan script are mostly corrupted and incomprehensible. Thus the department has taken decided to do critical editing of the entire text, translation into Hindi, and attempted to find out the citation verse sources. Prof. P.P. Gokhale (retired) has assured to help for the editing of Sanskrit version.

Thus we have submitted critical editing of this text with Hindi translation for final correction to Prof. P.P. Gokhale. Prof. Gokhale corrected all the Sanskrit versions and had sent us after few months. Presently we are preparing for publication.

2. All the scholars of the department are engaged in translation of '**Complete of Buddhist Science and Philosophy**' into Hindi, a translation project for the private office of the His Holiness the Dalai Lama. This text has two volumes. Both parts have been translated into Hindi. The initial work of searching of Tibetan and Sanskrit source references with noting work has been done. The first volume of this texts final editing work is under the direction of former Vice-Chancellor Prof. Geshe Ngawang Samten. The second volume of this text is finalizing under the direction of Present Vice-Chancellor Prof. Wangchuk Dorjee Negi which is close to complete.
3. All the scholars of the department are engaged in translation of Kagyur, Tengyur and Sungbum into Hindi from the collection of **Mahapandit Rahulsankritayayan** which he brought from Tibet. This is a collaborative project work between CIHTS, Sarnath and Art, Culture and Youth Department, Government of Bihar.

RESEARCH DEPARTMENTS

At present, under the above mentioned schemes, four books have been published in dummy form under the leadership of Dr. Lobsang Dorjee (Coordinator). In which one book is from Kagyur collection and three books are from Tangyur collection.

A meeting was called by Bihar Government on October 27, 2023 to discuss the above mentioned scheme in which Restoration Department, Head Dr. Lobsang Dorjee Rabling and other two employees met Mrs. Harjot Kaur Bamra, IAS, Additional Chief Secretary, Bihar Government and discussed various topics related to the project. Dr. Lobsang Dorjee was presented with the report of the present project and also five books published in dummy form including one book of RBTRD. They were informed that due to the failure of communication with the Honorable Chief Minister and the lack of financial grant, the work related to translation and editing of the remaining books (including the publication of the above mentioned books) was stopped. They also requested to release the blocked financial grants as soon as possible.

C. Other Academic Activities:

1. Indian Acharya Shrivani Ratna had compiled Siddheshwar Mahapandit Shrivani Ratna Mukhagamratna-Sarmala had transliterated the original Sanskrit text written in Tibetan in Devanagari and translated into Hindi by Acharya Ngawang Gyaltsen Negi. He again revised original Sanskrit text with the help of Prof. P. P. Gokhale Ji. The work of transliterating and inputting the verses of the text has been done by him.
2. As per the verbal order of Prof. Wangchuk Dorjee Negi, Vice Chancellor, to complete the editing of **‘Completive of Buddhist Science and Philosophy’** chapter eleventh to the last chapter. The work was carried out under the supervision of Prof. M.K. Das ji who compared the original Tibetan editions of Prof. Penpa Dorjee (retired) and Acharya Ngawang Gyaltsen Negi. They searched out the original sources cited in the text and filled in the quotes from the available Sanskrit texts and others.
3. The Hon’ble Vice Chancellor Prof. Wangchuk Dorjee Negi, had verbally instructed to complete final Hindi translation of **‘Completive of Buddhist Science and Philosophy’** chapter 8-10 under the supervision of Prof. M.K. Das Ji comparing with original Tibetan editions work done with Dr. Lobsang Dorjee Rabling and Dr. Tashi Tsering. All the publication related index, bibliography, appendices were prepared and submitted to the Vice-Chancellor.
4. **Acharya Nagarjuna’s Bodhicittavivarana** second revised edition work is under taken by Restoration Department. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi did the work of inputting the Hindi version into the computer and proof read the text. In this revised edition, the department has decided to add the restoration of the same text. The remaining work is in progress.
5. The Students’ Welfare Association had requested Dr. Geshe Lobsang Dorjee (Rabling) to deliver a talk on **‘Method of Writing Annotation in Research**

Methodology' during the Senior Students' Winter Campaign from 27-29 February 2024. Geshe la had given a talk on the said topic through Power point on 28th February 2024 at Anathapindada Hall. This Campaign was organized by 51st Student Welfare Association.

6. Dr. Lobsang Dorjee, on behalf of the Department of Restoration, gave a two-day lecture on **"Research Methodology"** to the Ph.D students of CIHTS, in the committee room of the Research Department under the Ph.D Course Work Program on April 29 and May 11, 2023.
7. Dr. Geshe Lobsang Dorjee was invited by the Department of Religion & Culture, Central Tibetan Administration, Dharamsala to give **Research Methodology training course** to 18 Scholars of the 3rd batch of Buddhist Studies Research Program organized by Department of Religion & Culture, Central Tibetan Administration, Dharamsala. He visited Dharamsala and gave training course on **"Research Methodology"** for three days from 3rd May to 5th May 2023.
8. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi had written two articles in Hindi on the topic **'Secondary Philosophy and System of Two Truths' and 'Importance of the spirit of Shamatha and Vipassana in Buddhist tradition'**. This article has been submitted for publication in 'Shabdarnav' magazine.
9. Dr. Geshe Lobsang Dorjee composed an article on **'Contribution of the famous Indian great Acharya Smritijnanakirti to the Tibet'**. This article was published in the **'Bodhiprabha'**, vol. III, 2023, page no. 98-105, CIHTS.
10. Prof. P.P. Gokhale Ji, former Head of the Department visited the Institute for one day on 27th July 2023. Thus gave an opportunity to discuss with him the pending project works. We requested him for continued help for the correction of Sanskrit restored texts and other research related works which he kindly accepted. After the completion of the meeting we requested him to help in the final correction of the two texts which he completed and dispatched to us after few months.
11. Sakya College, Dehradun, had invited Dr. Lobsang Dorjee Rabling to give Research Methodology training course to their Ph.D. students. Thus he visited Sakya College and gave one week training course on **'Research Methodology' of the five Major Buddhist Philosophical texts according to the traditional and modern thought'** to the Rabjampa Students at Sakya College from 9-15 October, 2023, organized by Sakya College, Dehradun, Uttarakhand, India.
12. Dr. Lobsang Dorjee, HoD was nominated as a co-guide as well as co-supervisor of Geshe Lobsang Nyandak Ph.D. Student of The Dalai Lama Institute for Higher Education, Bangalore few years earlier. Last year he completed his thesis and submitted it to the Institute. The title of his thesis is 'Critical Analysis of the Self as Mere I imputed on the subtle Mind and Energy.' He was awarded Degree in the 'First batch Ph.D. Graduation Ceremony' organized by the Dalai Lama Institute on 30th November 2023, Bangalore.



H.H. has kindly released (1) Dighanikāya (2) Complete Catalogue of Pāli Tipitaka (3) Pāli daily prayers (4) Forty Suttas of Majjhimanikāya (5) Therī Gathā (108 Sholokas).

13. His Holiness the Dalai Lama had instructed to his secretaries to translate all the Pali Tripitaka into Tibetan Language. Thus the most respected Ven. Yangten Rinpoche had taken the responsibility to carry out this project. Thus under the supervision of Yangten Rinpoche, General Secretary, Office of His Holiness the Dalai lama, Dharamsala, had nominated Dr. Lobsang Dorjee Rabling, HOD, Restoration Department, CIHTS as the chief coordinator to look after this project. A group of translators of CIHTS were engaged with this project for the last few years. The office of His Holiness the Dalai Lama had invited all the translators who were engaged with this project in Dharamsala. A group of translators visited the institute to submit the final draft of translation in book form. The translated Suttas viz; **(1) 34 Suttas of Dīghanikāya, (2) Complete Catalogue of Pali Tipitaka, (3) Pali daily prayers, (4) Forty Suttas of Majjhimanikāya (5) 108 Śoloka from Therī Gathā** submitted to His Holiness the Dalai Lama Office. On 26th September 2023, His Holiness kindly released these books and blessed all the translators and appreciated them for their efforts.
14. Dr. Lobsang Dorjee, HoD was appointed as the coordinator of **Ancient Indian Knowledge project**. This project is a joint venture between CIHTS and Dalai Lama Trust, Dharamsala to prepare the syllabus of Ancient Indian tradition for primary schools of India. This project is envisioned to promote human values, ancient Indian knowledge and moral ethics among the young Indian students. This project course will aims to introduce the basic Ancient Indian traditional thought such as philosophy, logic, emotions: destructive and positive, and moral ethics.
15. Dr. Lobsang Dorjee has composed an article on **‘An analysis on subject of Abhidhamma and Abhidharmakosha of Acharya Vasubandhu’**. This article was published in the **‘Gtam-tshogs’**, vol. 63, page no. 93-112, Library of Tibetan Work and Archive, Dharamsala, 2023, ISSN: 2454-5066.

16. H. E. Prof. Samdhong Rinpoche was invited to give a talk on “Leadership and the responsibility of Alumni Student of CIHTS”, and many Alumni students attended his precious talk. This program was jointly organized by Alumni Association of CIHTS and Central Institute of Higher Tibetan Studies, at Samyak Bhavan, Kinnaur Mahabodhi Society, Mastipur, Bodhgaya, on 01.01.2024.

During that occasion His Eminent Professor Samdhong Rinpoche has kindly released two volume of **‘gTam-rGyud-gSer-Gyi-Thangma’**, by the great scholar Gedun Chosphel and critically edited by Dr. Geshe Lobsang Dorjee Rabling. Dr. Rabling has not only critically edited the book, but also given entire information of text through research prospect. This book has given new look comparison to earlier editions. This book is not only famous in Tibet but also in Tibetan community in India.

17. The Central Institute of Buddhist Studies, Leh, Ladakh has requested Dr. Lobsang Dorjee, HOD, to evaluate the Ph. D Thesis on **‘A Dissemination of Drukpa Kagyud in Ladakh in relation to the History of Hemis Monastery’**. Geshe la had evaluated the thesis and submitted the report to CIBS.
18. The Dalai Lama Institute for Higher Education, Bangalore had requested Dr. Lobsang Dorjee to evaluate the Ph.D. thesis on **‘Library System and Management for the Tibetan Literature compatible with Digital Era’**. Geshe la had evaluated the thesis and submitted the report to the Dalai Lama Institute.
19. Geluk International Foundation, Mundgod, had invited Dr. Geshe Lobsang Dorjee to give a workshop training course to great Lopon and scholars from Bhutan. He visited Mundgod and gave a training course on **‘Research Methodology’ of Five Major Buddhist Philosophy texts and Tantra According to the Traditional and Modern Thought’** held at Gaden Tri-Thok-khang, Mundgod, Karnataka State, from 14-16 February 2024 for three days. Around fifteen Lopons (Masters) attended the programme from various Bhutanese monasteries.

D. Manuscript Survey and Collaboration of Academic Works:

1. Dr. Lobsang Dorjee and Acharya Ngawang Gyaltsen Negi were nominated as coordinators and member secretaries to look after the entire Hindi translation work of **‘Kagyur, Tengyur and Sungbum manuscript’** brought from Tibet by Mahapandit Rahulsankritayayan. This is a joint project between Bihar Government and CIHTS, Sarnath. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi, member secretary, also undertook the responsibility of the corresponding work on the project.
2. Dr. Lobsang Dorjee and Acharya Ngawang Gyaltsen Negi jointly worked on the **Hindi translation of Kagyur, Tangyur and Sungbom** as coordinators and member Secretaries (apart from their regular project work) since 2020.
- They also initiated related Hindi translation projects for local and abroad scholars. They also took the responsibility to introduce new project holder scholars about the process of critical editing of Tibetan version, noting and

RESEARCH DEPARTMENTS

applying of references in order, connecting with scholars from time to time and providing related materials, collection of translated texts and analyzing, preparing bills providing wages according to their pages.

Regarding this project so far 75 large and small texts were translated by the 27 scholars who were engaged from the beginning. Among these texts four books with 20 texts were ready for publication as in dummies. But due to lack of funds, publication and work on the remaining texts it was stopped. The Bihar government has been informed about this through correspondence.

3. As per the orders of the competent authority of CIHTS, under the leadership of Shri T.R. Shashni Ji, Acharya Ngawang Gyaltsen Negi, Restoration Department, deputed to survey the **Bhot manuscript collection** available in the Central Archaeological Library of the Archaeological Survey of India, Ministry of Culture, Government of India, New Delhi on 11-12 December, 2023. Acharya G.N. Negi had completed the work related to the survey of Bhot manuscript collection and presented the report in the Registrar's office.
4. Dr. Lobsang Dorjee Rabling, HOD, visited Patna, Ministry of Culture, Government of Bihar to give brief report on Hindi Translation of **'Kagyur, Tengyur and Sungbum manuscript brought from Tibet by Mahapandit Rahulsankritayayan**. He along with T.R. Shashni, HOD, RBTRD and Pramod Singh AR to the Institute attended meeting with Mrs Harjot Kaur Bamhrah, IAS, Additional Chief Secretary, on 27th October 2023 morning. Dr. Lobsang Dorjee (Coordinator) had submitted current project report along with five books including four books of Hindi translation (published as dummies) and one book (Collection of Sanskrit manuscript) edited by the Department of Rare Buddhist Texts Research.

E. Seminar and Workshop:

1. The Institute arranged audio-visual facility at Atisha hall from 20-21 April, 2023 for two days for **'The Global Buddhist Summit 2023: Responses to Contemporary Challenges: Philosophy to Praxis'** organized in Delhi. Restoration Department members participated in this program.
2. On 25th May 2023 the Institute arranged a facility at Atisha hall to conduct **'Buddhist orientation Program "Under the Culture cum Forward area tour: Higher Defence Orientation Course"** on the request of 39 GTC, Varanasi. All department members participate in the program.
3. The closing ceremony of **'Yoga in every courtyard'** was organized at the institute on 30th June 2023 at Atisha hall. All the department members the attended ceremony.
4. Shri Rishikesh Sharan gave lecture on **'Motivational talk'** at Atisha Hall on 4th July 2023. All department members attended the talk.
5. On 15th July 2023 one day 'G-20 Seminar on **'The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutual Cordiality under C-20 Initiative on Diversity, Inclusion & Mutual respect'** was organized under the joint auspices of CIHTS, and ICSS, New Delhi. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi was one of the arrangement committee members.

ANNUAL REPORT 2023-2024

6. On 29th July 2023 the live telecast facility was arranged at Atisha Hall to attend all the staff members to witness the inauguration by the Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi of the program **“Akhil Bhartiya Shiksha Samagam”** on the occasion of 3rd Anniversary of National Education Policy 2022, organized by The Plenary Hall of India Trade Promotion Organization (ITPO), Pragati Maidan, New Delhi. All the members of the department attended the inauguration function.
7. All the members of the Department attended the address to the staff and students by **Sikyong Shri Penpa Tsering la (CTA, Dharamsala)** during his two-day visit to our Institute on 30th July, 2023. He also visited all the research Departments and HoDs has kindly introduced the department objectives and achievements.
8. On 15th September 2023 the Institute had arranged a program on **“Prevention & Control of Communicable Diseases”** organized by Deputy Chief Medical Officer Dr. S.S. Kannaujiya at Atisha hall. All the member of Department attended the program.
9. On the behalf of the department Acharya Ngawang Gyaltsen Negi participated in the seminar on **“International Form and Challenges of Hindi”** organized by Official Language Implementation Committee, CIHTS, Sarnath in Shantarakshita Library from 25-30 September 2023 for six days.
10. The Capacity Building Programme on **“Interdisciplinary Frame-work for Foundation of Education”** organized by CTE Department, CIHTS, Sarnath at the institute from 4-16 October 2023 was attended by the HoD.
11. Four days **‘International Sangha Seminar’** was held at Bodhgaya from 20-23 December 2023. This International Conference was inaugurated by His Holiness the XIV Dalai Lama who blessed all the participants for the success of the conference. The main objective of this conference was to continuously engage and cooperate with Pali and Sanskrit tradition practitioners of all South-East and South Asian countries like India, Thailand, Myanmar, Sri Lanka, Bangladesh, Indonesia and Tibet, Bhutan, Nepal, Vietnam, China, Taiwan, Japan, Korea, Russia, Mongolia and other parts of the world.
On the behalf of the Department, Dr. Lobsang Dorjee and Acharya Ngawang Gyaltsen Negi participated in the seminar.
12. On 10th January 2024 a workshop was held on **“Making Hindi the language of public opinion, without forgetting the importance of mother tongue”** organized by the Official Language Implementation Committee, in the Institute on the occasion of World Hindi Day. In this program all the members of Department attended the program.
13. On 13th March 2024, all the members of the department participated in **“Live PM Modi Participates in India’s Techade: CHIP For Viksit Bharat”** through the website in Atisha Hall.
14. On 23th March 2024, on the behalf of the Department Acharya Ngawang Gyaltsen Negi participated in a One-day workshop on **“Official Language:**

RESEARCH DEPARTMENTS

Hindi Language Inclusive Culture” and “Official Language Rules, Act and Statutory Provisions” in the Institute.

15. On 30th March 2024, all the members of the department actively participated in the inaugural program of the Buddha and his five disciples’ statue constructed in the institute campus. The former directors of the institute, Prof. S. Rinpoche kindly attended the inaugural session ceremony and recited the prayers with monks.

F. Lectures attended:

1. On 5th May, 2023, **Buddha Jayanti** was organized in the lawn of the Shantarakshita Library of the Institute. On this auspicious day the 63rd issue of *Dhiih Patrika* of the Rare Buddhist Texts Research Department was released and dedicated to Lord Buddha’s statue. On the auspicious occasion of Buddha Jayanti celebrations, a scholarly seminar was also organized under the chairmanship of the Honorable Vice Chancellor.

Many guests, officials, and representatives attended the program from various Buddhist monasteries, viharas, and institutions of Sarnath. The employees of the institute along with members of the Restoration department had participated in this program.

2. On 6th July, 2023, on the auspicious occasion of the 88th birthday of His Holiness the XIVth Dalai Lama, the Institute organized a one-day seminar on the topic **“His Holiness the Dalai Lama's contribution to world peace”**. This seminar was chaired by the Honorable Vice Chancellor, Prof. Wangchuk Dorjee Negi. On this auspicious occasion day all the teachers, staff and members of the Department including students of the institute participated in the lectures given on the above mentioned topic by the scholars and invited dignitaries.
3. According to Tibetan tradition the first turning of the wheel of Dharma by the Buddha was celebrated on July 21, 2023 at Atisha hall. On this auspicious day the entire Buddhist staff members of the institute including students recited the **'Buddhist Tripitaka' (Kagyur)**. The members of the department actively participated in this auspicious day.
4. The **Teachers' Day** function was organized by the IQAC Department under the chairmanship of the Honorable Vice Chancellor of the Institute in the Atisha hall on 5th September 2023. Some distinguished teachers of the institute were awarded and honored for their contribution in the field of education. All the members of the department attended the lecture given by the chief guest of this function, Prof. Harischandra Singh Rathore, former Vice Chancellor, Central University of South Bihar, Gaya.
5. On 5th November 2023 the **84th birthday celebration of Prof. S. Rinpoche ji**, former Director of this Institute was celebrated at Atisha Hall. On this occasion Prof. Jampa Samten gave a talk on Prof. S. Rinpoche’s short biography and his outstanding contribution to this institute.

In the afternoon Prof. Wangchuk Dorjee Negi, Vice Chancellor, Prof. J. Samten and Khenpo Sonam, Mon Sherab Sanpo Association, Arunachal Pradesh had given lectures on 'Importance of Education; **‘True Sense of Education’ and**

‘Why this day is celebrated as Bhoti Education Day’. In the evening students gathered in the debate program and discussed the above topics.

6. Dr. Lobsang Dorjee attended His Holiness the XIV Dalai Lama long life Puja and teaching on **“Dharmadhatu Stava”** written by Acharya Nagarjuna at Bodhgaya, Bihar from 29-31 December 2023.

G. Other Administrative Assignments:

1. In compliance with the **Swachh Bharat Mission**, Swachhta Pakhwada had been celebrated under the **Swachhta Action Plan** prepared for the months i.e. from 21-30 April, 2023, and 2-31 October, 2023. On 24th September 2023 and 16th October 2023, all the employees of the Vice Chancellor's Office, Research Departments, and Publication Section participated in the cleaning shramdaan work around the Kamalsheel Bhawan and Sambhot Bhawan from 4.00 pm to 5.00 pm.
2. On 5th June 2023 the institute organized a program on **'World Environment Day'** at the Institute campus. All the members of the department attended the program.
3. On 21st June, International Yoga Day was celebrated by the United Nations across the world for global health, harmony and peace. Considering the importance of yoga, the institute provided yoga training to the interested employees and students of the institute from 18-30 June 2023. On 21st June, 2023 **'International Yoga Day'** the institute family practiced yoga with joy and enthusiasm at Shantarakshita Library lawn. All the department members participated actively.
4. On behalf of the department Acharya Ngawang Gyaltsen Negi has faithfully performed his duties as **Examination Invigilator** from 9-30-12.30 pm and 2.00-5.00 pm during the Entrance Examination (Session 2023-24) conducted by the Institute at Atisha hall on 28th June, 2023.
5. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi selected as a member of the arrangement committee of the seminar on **'Contribution of His Holiness the Dalai Lama to World Peace'** organized by the Institute on the auspicious occasion of the 88th birth anniversary of His Holiness the XIV Dalai Lama on 6th July, 2023.
6. The competent authority of Institute had issued an order to Acharya Ngawang Gyaltsen Negi to look after the **document verification** of the candidates appearing in the walk-in-interview for the appointment of Guest Teachers (contract) of Kargyud Sampradaya Shastra and Gelug Sampradaya Shastra, under the Department of Sampradaya Shastra of the Institute on 03.07.2023. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi had faithfully performed the responsibility.
7. India's **77th Independence Day**, 15 August, 2023, the flag was hoisted by the Honorable Vice Chancellor in front of Shantarakshita Library at 9.00 am. Thereafter, the members of the department participated in the program addressed by the Vice Chancellor to all the teachers, staff and students of the institute.

RESEARCH DEPARTMENTS

8. On 2th October, 2023, **“Gandhi Jayanti”** celebration was placed on this auspicious day. Under the Swachhta Pakhwada Action Plan, members of the department participated in the program of **‘Oath Taking’ and ‘Tree Planting’** under the chairmanship of the Honorable Vice Chancellor of the Institute.
9. Under the notification dated 18th October 2023 Dr. Lobsang Dorjee, HoD, was nominated one of the committee members of ‘Survey of market and collection of quotations for procurement of uniforms for Multi-Tasking Staff of the Institute’.
10. The Dalai Lama Institute for Higher Education had requested to send, Dr. Lobsang Dorjee Rabling including two more Professors to participate as the **External Examiner** group to take Viva-Voce and act as Co-guides of their senior students and Ph.D. student who had submitted their thesis. Thus on behalf of the Department Dr. Lobsang Dorjee Rabling participated in their function from 27th November 2023 to 1st December 2023 for four days.
11. As per the order issued by the office Acharya Ngawang Gyaltsen Negi was nominated to look after the document verification of the candidates present before the walk-in-selection and walk-in-interview for the appointment of Research Assistant (contract) by the Institute on 6th February 2024. He faithfully performed the responsibility as per nominated.
12. The Institute Authority issued a notification dated 9th January, 2023 to constitute a committee to look after the **Skill and Development Program** of the intensive training course at the Institute. Dr. Lobsang Dorjee, HOD was nominated as a member of the committee on behalf of the Restoration Department. He attended all the meetings and prepared a curriculum for it and submitted it to the office.
13. On 26 January, 2024, **75th Republic Day** was celebrated in front of Shantarakshita Library at 10 am and the Honorable Vice Chancellor addressed all the teachers, staff and students of the institute. All the department members have attended the Republic Day function.
14. Members of the department participated in the **“Oath-taking Ceremony”** under the chairmanship of Hon’ble Vice Chancellor as part of Vigilance Awareness Week celebrations on the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel on 31.10.2023, organized by the Vigilance Committee of the Institute.
15. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi, member of the Department, successfully completed the work as **auditor** for the annual accounts of the Nyingma Student Welfare Committee from 18-20 October 2023 as per the order issued by the office.
16. To ensure consistence and quality to the Ph.D. research work it is imperative to constitute **Guideline for a Standard Stylesheet** for the Ph.D. Thesis writing in Tibetan Language. Dr. Geshe Lobsang Dorjee, HoD, nominated one of the committee members to look after the standardized Tibetan Research Style Sheet.

ANNUAL REPORT 2023-2024

17. Dr. Lobsang Dorjee (HoD) submitted an **Annual Report** of 2022-2023 in Tibetan version to the Religion and Culture Department, Centre for Tibetan Administration, Dharamsala (H.P.)
18. Acharya Ngawang Gyaltsen Negi prepared and presented the **Annual Report** of the department for the year 2022-20223 in Hindi. On May 17, 2023, the annual report of **Kagyur, Tangyur and Sungbum Hindi Translation Scheme** was also prepared by him and submitted to the Government of Bihar.
19. Dr. Lobsang Dorjee attended both housing allotment meeting during the session of 2022-2023 year.
20. The Dalai Lama Institute for Higher education requested to depart, Dr. Lobsang Dorjee Rabling including two more Professors to participated as the **external examiner** group to take Viva-Voce and act as Co-guide for their senior students and Ph.D. students who have submitted their thesis. Thus on the behalf of the Department Dr. Lobsang Dorjee Rabling participated in the function from 27th November 2023 to 1st December 2023 for four days.
21. On the behalf of Restoration Department Dr. Geshe Lobsang Dorjee Rabling actively participated in the Debate as one of the judges during the **Vigilance Awareness Week 2023** for promoting anti-corruption from 30th October to 5th November 2023.

Member of the Committee:

Dr. Lobsang Dorjee

Member: HAC Committee

Member: Departmental Research Committee, Department of Sowarigpa

Member: Vice-President, Alumni Association of CIHTS

Adviser: Students Voluntary Committee

Ven. Ngawang Gyaltsen Negi

Member: ST & SC

2. Translation Department

The Translation Unit of the Research Faculty is one of the important constituents of the Research Department established in year 1988 with an aim to translate the canonical texts of both ancient Indian and Tibetan scholars of par excellence. Besides translating into Hindi, English, Tibetan and Sanskrit, the lost Sanskrit texts are being restored mainly from Tibetan texts.

The Translation Department has four dimensions: editing of Tibetan and Sanskrit texts, restoration of lost Sanskrit texts with the help of Tibetan translations, the translation of extant Buddhist works from Tibetan, Sanskrit and Pali into Hindi and English, and translation of important Sanskrit texts into Tibetan.

Besides, department head is also engaged in other field like regular Sanskrit Language teaching and In-charge, Publication Unit as per office order. He is also responsible for Ph.D. Viva, Evaluation of Thesis, exams and also as Chairperson of many committees etc.

Staff Members and their Designations:

1. Dr. Pema Tenzin - Professor and HoD
2. Assistant Professor - Vacant
3. Associate Professor - Vacant
4. 2 Research Assistants - Vacant

(1) Departmental main works:

A. Published:

1. **Sandhinirmocana Sutra** : Restored into Sanskrit, edited the Tibetan text with the help of four widely well-known Tibetan editions along with introduction, indexes, bibliography and glossary etc.

B. Main works in process:

1. **Guru Samantabhadra Mukhagama (Kunsang Lamai Shyal-Lung)** : A very important popular book of Buddhist practices translated in Hindi published in 2009 was out of print and Prof. Pema Tenzin, the translator accepted the pain to revise it by converting the text from Apple font into Window through Unicode, which took enough time in proof reading, spelling correction and other editing works etc. The final work progress is continuing and very soon the book will be submitted for its publication.
2. **Svarthanumana (3rd chapter of Pramanavartika)** : A Hindi translation work of late Prof. Ramshankar Tripathi. This work is a hand written manuscript which exists in three parts. Prof. Pema Tenzin has been assigned to edit the text, language correction and prepare it for publication. The work is completed during present session and submitted to Publication Unit for publication.
3. **Mrityuvancanopadesha Samuccaya** : (Acharya Vagishwarakirti) An editing and translation work carried by late Prof. L.N. Shastri has been completed by Prof. Pema Tenzin during this session with some editing and has been submitted for publication.

Note: (Department is mainly engaged with editing, restoration, translation, proof-reading, computer composing, making cards, giving references, finding quotations, writing analytical introduction, bibliograph, indices, preparing camera ready copy, reading related texts, attending library and meeting experts to solve problems etc. to publish one complete research oriented book.)

C. Research Team Work:

1. **Punyabala Avadanam** : A text translated into Hindi by Dr. Lalit Negi and Prof. Pema Tenzin has completed its editing and language correction work and submitted to the concerned committee.
2. **Bodhipathapradipa Panjika** : Though Restoration into Sanskrit, translation in Hindi, editing of Tibetan version and computer input of the text are completed. Other related works are lingering due to some other important works. Necessary revision and correction of restoration and Hindi translation are to be done once more before its submission to press.

3. **Yuktishasthika Vritti** : (Acharya Nagarjuna and Chandrakirti) A team work is being carried out for the restoration and translation into Sanskrit and Hindi respectively. Due to delay in Tibetan editing, introduction and indices it remained pending.

Teaching work:

1. Prof. Pema Tenzin is also engaged to take one regular Sanskrit language class of Uttar Madhyama Ist year and is responsible for all related works like class-assignment, presentation, attendant, recitation along with memorisation of Mangalacarana in Sanskrit, Shlokas from lessons, Nititshataka and exam paper setting evaluation of students etc.

Articles and lectures:

Prof. Pema Tenzin

भगवान् बुद्ध एवं उनके स्व-परार्थ सम्पदाएं, Published in *Dharmdoot*-89, ISSN: 2347-3428

Other Administrative Responsibility:

(a) Publication In-Charge

Prof. Pema Tenzin has acted as In-charge, Publication Unit for more than one decade. Supervises official works, editing and printing works of Publication Unit.

(b) Member of Committees

Prof. Pema Tenzin is member of Publication Committee. Besides, he is also member and Chairman Person of various committees of CIHTS.

3. Rare Buddhist Texts Research Department (RBTRD)

1. Academic Background of the Department:

A. Vision:

As a result of historical irony, much of the ancient Buddhist-Sanskrit literature from India has almost become extinct. Part of this ancient intellectual heritage of India has been available in the form of manuscripts and xylographs in the neighbouring countries of India, especially in Nepal and Tibet. In later times many manuscripts from these countries reached many libraries of the world. This department has been established with the vision of restoration, editing, research and publication of those extinct literature, especially on Buddhist Tantra literature.

B. Establishment:

This very important and ambitious scheme of research and publication of Rare Buddhist Texts commenced in November, 1985 at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, (Deemed University) Sarnath, Varanasi, with the financial assistance by the Ministry of Human Resource Development, Government of India. Initially, a five-month pilot project was conducted to determine its scope of work and dimensions of study and research. After that, keeping in view its achievements, importance and breadth of subject, it was operated from 1st April, 1986 under the five-year plan, which was later approved as a permanent section of the institute. Presently, this department is functioning as a permanent department under the Research Faculty of the

RESEARCH DEPARTMENTS

institute. The first director of this research department was visionary Late Prof. Jagannath Upadhyaya.

C. Staff Members and their Designations:

1. Shri Thinlay Ram Shashni	- Associate Professor
2. Dr. Vijay Raj Vajracharya	- Research Assistant
3. Dr. Tsering Dolkar	- Research Assistant
4. Dr. Ranjan kumar Sharma	- Research Assistant
5. Dr. Ravi Gupt Maurya	- Research Assistant
6. Vacant	- Assistant Professor
7. Vacant	- Assistant Professor
8. Vacant	- Research Assistant

D. Departmental Library:

Since the beginning a separate departmental library has been established in the Rare Buddhist Texts Research Department. Books on Buddhism, Shaivism, Shaktism and other books related to Tantric literature were collected in this Library for research work of the department.

E. Selection and purchase of new texts in the year 2023-2024:

In the year 2023-2024, no new book was purchased for the departmental library. During this period, 21 newly published books from the publication department, CIHTS and 17 books as gifts have been received. Their total value is Rs. 10,190.00 (ten thousand one hundred ninety). It includes 09 books which are multilingual, 11 books which are bilingual, and the remaining books are monolingual; their details have been entered in the accession register of the departmental library from serial number 02415 to 02452.

2. Publications, Editing and Research:

A. Brief introduction and contribution of Research Journal 'Dhīḥ':

The department publishes the annual research journal *Dhīḥ* to bring new research work related to Buddhist Tantra and its findings and new information about the research being done by the scholars and researchers. Since the inception of the department, this research journal is being published regularly. It is being widely appreciated by the scholars engaged in the study of Buddhist Studies, especially Buddhist Tantric Studies. Presently, it is being exchanged with 15 national and international research journals published in India and other countries. Almost all the research materials and articles of this journal are contributed by the department members. Till the reporting year, 63 issues of 'Dhīḥ' have been published.

B. Publication of the 63rd issue of the research journal 'Dhīḥ':

This year, the publication of 63rd issue of the research journal 'Dhīḥ' was carried out 5th May, 2023, on the occasion of Vaiśākha-Purnimā (Buddha-Jayanti). In this issue, 01 hymn, 15 minor texts and two articles are included under the publication of Buddhist Sanskrit Manuscripts brought from Tibet by *Mahāpaṇḍita Rāhula Sāṃkṛtyāyana*.

C. Compilation of material for the upcoming 64th issue of the research journal 'Dhīḥ':

During the year, editing of hymn and minor-texts from Rāhula-Saṁgrah, collection of other related research materials, data-input of edited texts, proof-readings and corrections in computer were done for the forthcoming 64th issue of the research journal 'Dhīḥ'.

D. The Hymn (Stotra), Minor texts and other research materials published in the 63rd issue of Research Journal 'Dhīḥ':

1. Nairātmyāstutiḥ
2. Mahāpaṇḍita-Mahāmaṇḍalācārya-Subhūtipālitpādānām Śrībhūtaḍāmarabhaṭṭāarakasya Sāadhanam
3. Mahācārya-Subhūtipālitpādānām Śrībhūtaḍāmaramaṇḍalavidhiḥ
4. Paṇḍitaratnākaraśāntipādānām Bhramaharasāadhanam Nāma Hevajrasādhana-nopayikā
5. Ācāryasaroruhavajrapādānām Śrīhevajrasya Sāadhanopāyikā
6. Balitattvādhikārah
7. Mahāpaṇḍita-Sthavira-Śākyarakṣitapādānām Śrīvajrābhisamayatilakam
8. Vajracāryadurjayacandroddhṛtam Ṣaḍaṅgasāadhanam
9. Hevajrapūjāvidhiḥ
10. Paṇḍitaśrīdivākaracandrasya-Nāḍīcakrābhisambodhināma-Sādhano-pāyikā (Śrīherukatantrānugatā Paramagambhīrotpannakrama-svarūpā)
11. Nairātmyā-sāadhanam
12. Śrīhevjratantrasya Yathālabdhasāadhanam
13. Śrīhevajrabhaṭṭāarakasya Pūjāvidhiḥ
14. Śrīhevajratantroktabalividhiḥ
15. Śāśvatavajrasya Bāhyapūjāvidhisangrahaḥ
16. The Nature of Bhagavati Tārā in Buddhist and Non-Buddhist Tantra
17. Review of medical science cited in the Śrīlaghukālacakratantrarāja and its commentary (3)
18. Bhoṭa ācārya Kun-ga mi-gyur dorjee viracita Antarābhava-Adhyeṣaṇā kī Āśu-Mārga-Gambhīra-Sopāna-Nāmaka-abhidheyārtha-Saṁkṣipta-ṭīkā (2), (Hindi translation from Tibetan)

3. The Process of Editing and Publishing Sanskrit and Tibetan Texts and the Details of the Accomplished Research Works during this Financial Year:

Process of Critical Editing: Firstly, selection of the text for editing, research about the selected text, collection of the manuscripts from different libraries, classification of manuscripts, transcription in Devanāgarī script, data input in computer, collation of various versions from Sanskrit manuscripts/Tibetan versions of Kagyur and Tangyur, reading justification of collated version, collation between Sanskrit and Tibetan versions, input of the text with critical edition in computer, proof-reading and correction, preparing of indexes and appendices (index of verses of Sanskrit/Tibetan, index of quotations, glossary of technical terms etc.), collection of text related research materials, preface & introduction-writing and prepare final camera ready copy for publication.

4. Names of books published by the department:

- I. Śrīcatuṣpīṭhamahātantrarājaḥ (First Part) (Sanskrit and Tibetan edition)

5. Books sent for publication to the publication department:

- I. **Nairātmyā Bhagvatyā Āśīḥstutityādi-Ēkaviṃśati-Vajrayānagran-thāḥ- (First Part)** (Sanskrit edition):

The first part of this collection is being published under the memorandum of understanding between the Department of Art, Culture and Youth, (Government of Bihar) and the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath. Till date 21 hymns and minor texts related to Vajrayāna Sādhanaopāyikā are compiled in this collection which have been brought from Tibet by *Mahāpaṇḍita Rāhula Sāṃkṛtyāyana*. In this period, edited the above-mentioned collection with preface, indexes, appendices, Table of Contents, description of manuscripts, etc. and it has been prepared for publication along with the message of His Holiness the 14th Dalai Lama, but still waiting for the message from the Chief Minister (Government of Bihar).

6. Details of books under publication in upcoming Plan:

- I. **Maitripādaviracitaḥ Pañcaviṃśati-amanasikāra-dharmasaṃgrah:** **With Hindi-Translation [Amansikāra-Mahāmudrā-Sāhityam]** (Sanskrit version): Edited and Translated by T. R. Shashni

After completing the preface and editing work of this collection of books, it has been sent to the Honourable Vice Chancellor for review and writing preface and publisher's note.

- II. **Maitripādaviracitaḥ Pañcaviṃśati-amanasikāra-dharmasaṃgrah:** (Tibetan version):

The editing work of this collection of books based on five editions namely *Dege, Cone, Narthang, Peking* etc. has almost been completed. The collection of material for the introduction of this book is in progress.

- III. Abodha-bodhaka, Dohānidhināma-tattvopadeśa and Saṅkṣipta-sekaprakriyā of Tibetan version of Maitripāda's texts compilation with *Dege, Cone and Narthang* editions and their data input in computer have been completed.

- IV. **Samputodbhavantram** (Tibetan version):

Data-input in computer and setting of footnotes of this text (from second to fourth chapters of the seventh Kalpa) has been converted into Unicode font and re-edited.

- V. **Anaṅgavajrakṛta Hevajrasādhanaṃ** (Tibetan version):

Collation with *Dege, Narthang* and *Peking* editions of this text and also with Sanskrit version and proof-reading has been completed.

7. Details of the editing work of Minor-Texts for publication in the 64th issue of the Research Journal 'Dhīḥ':

- I. **Herukastutiḥ**

The Herukastuti Hymn is a part of Sahajasadbījacintāmaṇirnāma Hevajrasādhanaṃ written by Acharya Jñānavajrapāda.

- II. **Mahāpaṇḍitadivākara-candrasya tattvāvalokābhīdhānakrama-nairātmyā-sādhanaṃ** (Sanskrit version):

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

III. Tattvapradīpā-nāma-Sādhanaopāyikā (Sanskrit version):

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

IV. Ācārya-Ānandagarbhapādānām Āryasarvabuddhasamāyogatantra-dhṛtaḥ Bhagavataḥ Śrīherukabhāṭṭarakasya Sādhanaopāyikā (Sanskrit-version)

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

V. Ācāryajñānavajrapādānām Sahajasadbījacintāmaṇirnāma-Hevajrasādhanaḥ:

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

VI. Śrīmadanaṅgavajrasya herukasādhanaḥ (Sanskrit-version):

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, collation with Tibetan version, search of references in various texts, proof revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

VII. Mahāpaṇḍitācārya-Divākara-candra-pādānām Jñānapradīpā-bhīdhānaḥ Hevajrasādhanaḥ (Sanskrit-version):

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

VIII. Mahāpaṇḍitācārya-Śrīdivākara-candra-pādānām Cihnaviśuddhiḥ (Sanskrit-version):

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

IX. Ācāryagarbhapādānām Śrīherukasādhanaḥ (Sanskrit-version):

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

X. Siddhācāryaśrīmadbhadrapādānām Dveṣavajrasādhanaḥ (Sanskrit-version):

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

XI. Dvibhūjahevajrasya Sādhanaḥ (Sanskrit-version):

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

XII. Mahākavikalyāṇacandrasūnoratula-candrasya Vajradākasādhanaḥ (Sanskrit-version):

RESEARCH DEPARTMENTS

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

XIII. Balicakravidhiḥ (Sanskrit version):

Transliteration of this minor text from Bhujimola script to Devanāgarī, data-input, search of references in various texts, proof-revision, editing etc. were completed and the text was finalized.

XIV. A Review of medical science cited in the Śrīlaghukālacakratantrarāja and its commentary (4):

The article has been completed for publication in the 64th issue of 'Dhīḥ' research journal.

XV. Bhoṭācārya Kun-Ga Mi-Gyur Dorjee Viracita Antarābhava-Adhyeṣaṇā kī Gambhīra-Āśu-Mārga-Sopāna-Nāma-Saṁkṣipta-Abhidheyārtha Ṭikā (3):

Hindi translation and editing work of the residual part of this Tibetan text was completed for the 64th issue of research journal 'Dhīḥ'.

XVI. Samyaksambuddhahavairocanabhāṣitam Bhagvatyāryatārāyāḥ Namaskāraikaviṁśatistotram Guṇānuśamsāsahitam (With Hindi Translation and Vyākhyā-Sphuṭārtha) by Prof. W. D. Negi

The editing work of above mentioned Stotra text and Commentary has been completed for publication in the 64th issue of the research journal 'Dhīḥ'.

8. "Celebration of Buddha Jayantī" and "Buddha Offering Program of Research Journal "Dhīḥ":

'Budhārpaṇa-programme' of the 63rd issue of the departmental research journal 'Dhīḥ' was organized on the day of 'Vaiśākha Pūrṇimā' on 05-05-2023 in Central Institute of Higher Tibetan Studies premises. On this occasion Honourable Vice Chancellor chaired this function and Venerable Bhadanta Sumedh Thero, High Priest of Jambudvipa-Sri Lanka Buddhist Temple, Sarnath, was the chief guest. Eminent scholars such as Prof. Pradyumna Dubey, Prof. Vimlendra Kumar and Prof. Lalji Shrivak from Banaras Hindu University and Prof. Har Prasad Dixit, Prof. Hari Prasad Adhikari, Prof. Ramesh Prasad from Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi were present in this function. On this occasion guests from Varanasi city and representatives of various Buddhist monasteries, viharas and institutions from Sarnath also participated. In this function CIHTS Officers, employees and students were present in huge number and the function ended with great success.



9. Manuscript Survey:

As per the order of the competent authorities of the institute, Shri T.R. Shashani along with Ven. Ngawang Gyaltsen Research Assistant in Restoration Department, visited the Central Archaeological Library, Archaeological Survey of India, Dharohar Bhawan, 24, Tilak Marg, New Delhi for Manuscript Survey of the collection of Tibetan manuscripts brought from Tibet by *Mahāpaṇḍita Rāhula Sāṃkṛtyāyana* on 11-12 December, 2023.

10. Other academic works by departmental members:

Articles published by the staff members in the third issue of 'Bodhiprabha' Rajbhāṣā Magazine of the Institute:

1. Mahātirtha Dil-Bu-Ri (=Ghaṇṭāpāda-Giri) and Gandholā kā Sphutārtha Pradipa Nāmaka Tirtha (Hindi-Translation) by Shri T. R. Shashni and Dr. Tsering Dolkar; (Page-No.-137-143)
2. Tripiṭaka: Saṅkṣipta Paricaya by Dr. Vijay Raj Vajracharya; (Page No.- 106-116)
3. Upāsikā Viśākhā kī Saṅkṣipta Jīvanī by Dr. Tsering Dolkar; (page-number-117-123),
4. Khaḍī Bolī Hindī kī Utpatti Ēvaṃ Vikāsa by Dr. Ravi Gupta Maurya (page no. 38-47)
5. Dr. Vijay raj Vajracharya has done proof-correction in computer of Āryasarvabuddhaviśayāvatārajñānālokālāṅkāra-nāma-mahāyānasūtra; jointly edited by Prof. Pradeep Gokhale, Prof. Penpa Dorje and Dr. Vijay Raj Vajracharya.
6. "Pratityasamutpāda-Gāthā Kā Svarūpa Ēvaṃ Māhātmya" by Dr. Vijay Raj Vajracharya, (Article published in Nepali language in 2567th Buddha Jayantī Souvenir, Mayūrvarṇa Mahāvihāra, Bhinche Bahā, Pātan, Nepal, 2023; pp. 47-54.
7. Contribution of Rare Buddhist Texts Research Department in Vajrayāna literature by Dr. Vijay Raj Vajracharya, (Article Published in Nepali language), 'Vajrayāna', issue-1, page 60-77, year- 2023, ISSN.2990-7985, Vajrayāna Study Centre Lumbini Buddhist University, Lumbini, Nepal.
8. Prajñāpāramitā Vivecanā by Dr. Vijay Raj Vajracharya, (Article published in Nepali language), Prajñāpāramitā Darpana, pp. 58-68, Souvenir- 2080 Vikram Samvat, Buddhavacana Anuvāda Samiti, Nepal.
9. Dr. Ranjan Kumar Sharma completed the proof-reading of 11 articles titled "Collection of Articles" by late Prof. Banarsi Lal.

11. Participation of departmental members in seminars, lectures and other educational programs:

1. Dr. Ravi Gupta Maurya attended a program on 'Pali' at Mahabodhi Inter College, Sarnath, Varanasi organized by 'Pali Society of India', Sarnath, Varanasi on 01-04-2023.
2. Dr. Ravi Gupta Maurya presented a research paper titled "Ācārya Vidyāsāgara Jī Mahārāja Ke Ṣaṭṣati Ke Śramaṇaśatakam Ēvaṃ Bauddha-Sāhitya Ke Dhammapada Me Śramaṇa Kā Svarūpa" in International Seminar on "Ṣaṭṣati in Indian Philosophy and Sanskrit literature written by Acharya Vidyāsāgara"

RESEARCH DEPARTMENTS

organized at Jain Mandir, Shahpura, Bhitauni, Jabalpur (MP) on 15-16 April, 2023.

3. All the members of the Department participated through audio-visual in the Atiśa Auditorium of CIHTS from 20-04-2023 to 21-04-2023 in the program “The Global Buddhist Submit 2023: Responses to Contemporary Challenges: Philosophy to Praxis” organized in Delhi.
4. Dr. Ravi Gupta Maurya conducted the International Buddhist Conclave Seminar organized by the Department of Tourism, Uttar Pradesh at Sarnath on 06-05-2023.
5. All the members of the Department participated in the Buddhist Orientation Programme “Under the Culture Cum Forward Area Tour: Higher Defence Orientation Course” on the request of 39 GTC, Varanasi, Organized in the Atiśa Auditorium of the Institute on 25-05-2023.
6. All the members of the Department participated in the World Environment Day program on 05-06-2023.
7. All the members of the Department attended the ‘Yoga Training Camp’ and ‘International Yoga Day’ organized at the campus of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath from 18-06-2023 to 30-06-2023.
8. All the members of the Department attended the closing ceremony of “Hara Āṃgana Maiṃ Yoga” on 30-06-2023.
9. All the members of the Department attended the Motivational Talk given by Shri Hrishikesh Sharan on 04-07-2023.
10. All the members of the Department attended the one-day Seminar titled “Contribution of His Holiness the Dalai Lama to World Peace” on 06-07-2023.
11. All the members of the Department participated in the One Day National Seminar on G-20 Seminar on the “Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutual Cordiality under C-20 Initiative on Diversity, Inclusion & Mutual Respect”; jointly organized by CIHTS, Sarnath and ICCS, New Delhi on 15-07-2023.
12. All the members of the Department participated in the live telecast of the inauguration of “Akhila Bhāratīya Shikṣā Samāgama” 3rd anniversary of National Education Policy, 2020 program by Hon’ble Prime Minister Shri Narendra Modi in the Atiśa Auditorium of the Institute on 29-07-2023; organised by The Plenary Hall of India Trade Promotion Organization (ITPO), Pragati Maidan, New Delhi.
13. Dr. Tsering Dolkar attended the lecture of the Hon. Shri Penpa Tsering, Si-Kyong, Tibetan Government in Exile, Dharamshala, who addressed the staff and students of the Institute during his two-day visit to Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath on 30-07-2023.
14. All the members of the Department attended the Flag Hoisting Ceremony on the auspicious occasion of 77th Independence Day on 15th August, 2023.
15. All the members of the Department attended lecture delivered by Prof. Harishchandra Singh Rathore, former Vice Chancellor, Central University of South Bihar, Gaya, under the Chairmanship of Honourable Vice Chancellor Prof. Wangchuk Dorjee Negi on the occasion of Teachers’ Day organized by IQAC, CIHTS on 05-09-2023.

ANNUAL REPORT 2023-2024

16. All the members of the department attended the lecture delivered by Dr. S.S. Kannaujiya, Deputy Chief Medical Officer of Varanasi in the context of “Prevention & Control of Communicable Disease” in Atiśa-Auditorium on 15-09-2023.
17. The members of the department attended the Seminar on “International Aspect and Challenges of Hindi”, organized by Rājabhāṣā Implementation Committee from 25-09-2023 to 30-09-2023 at Library of CIHTS.
18. On the occasion of Gandhi Jayanti all the members of the department participated in the ‘Oath Taking and Tree Plantation Program’ at Institute premises on 02-10-2023 in presence of the Vice Chancellor.
19. All the members of the department participated in the inaugural session of the Capacity Building Programme “Interdisciplinary Frame-work for Foundation of Education”, Organized by the CTE Department, CIHTS on 04-10-2023.
20. All the members of the Department participated in the cleanliness drive in the department, campus and staff quarters on scheduled dates under the Swachhataa Abhiyan.
21. All the members of the department attended the ‘Oath Taking Ceremony’ on the occasion of ‘Vigilance Awareness Week’, under the chairmanship of the Honourable Vice Chancellor on the birth anniversary of Sardar Vallabhbhai Patel on 31-10-2023.
22. Dr. Tsering Dolkar attended the following lectures under various programs organized on the occasion of Prof. Samdhong Rinpoche’s birthday in Atiśa Auditorium on 05-11-2023.
 - a) Biography of Prof. S. Rinpoche and History of CIHTS: Speaker- Prof. Jampa Samten
 - b) Importance of Education: Speakers- Prof. Wangchuk Dorjee Negi and Khenpo Sonam.
23. On the occasion of World Hindi Day, all the members of the Department attended the workshop on “हिन्दी को जनमत की भाषा बनाना, बगैर मातृ-भाषा के महत्त्व को भूले”, organised by Rājabhāṣā Implementation Committee of CIHTS, Sarnath on 10-01-2024.
24. Dr. Tsering Dolkar attended the lecture delivered by Prof. S. Rinpoche on “Responsibility of Alumni of the Institute in the Leadership of Society”, jointly organized by the Alumni Association of CIHTS and Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath at Samyak Bhawan, Kinnaur Mahabodhi Society, Mastipur, Bodhgaya on 01-01-2024.
25. Dr. Ravi Gupta Maurya attended the Webinar on “Financial Awareness and Investment” organized by NSE Academy and AMC Partner at Atiśa-Auditorium, CIHTS, Sarnath on 16-01-2024.
26. Shri T. R. Shashni, attended the inaugural session of the 13-days workshop “A Dialect Debating Workshop for Students” (17 to 29 February, 2024) on 17-02-2024.
27. All the members of the department attended the one-day workshop on “Rājabhāṣā Hindi Smāveśī Saṃskṛiti” Tathā “Rājabhāṣā, Niyama, Adhiniyama Ēvam Sāṃvidhika Prāvadhāna” under the “Rājabhāṣā Workshop”, on 23-03-2024, organised by Rājabhāṣā Implementation Committee of CIHTS, Sarnath.

RESEARCH DEPARTMENTS

28. All the members of the Department attended the programme organised in honour of Prof. Samdhong Rinpoche on 29-03-2024, in which Prof. Samdong Rinpoche addressed the Institute family, inaugurated the website, and launched the online Hindi Rājbhāṣā Magazine 'Bodhiprabha.'
29. All the members of the Department participated in the consecration puja of the statues of Buddha and his five disciples installed in the Institute premises, performed by the Buddhist Sangha under the abbotship of Prof. Samdhong Rinpoche on 30-03-2024.

12. Participation by departmental members in administrative work and meetings of various committees:

1. Shri T. R. Shashni attended the meeting of Spot Purchase Committee of Sowa-Rigpa Department on 08-05-2023.
2. Shri T. R. Shashni attended the Dictionary Dept. meeting on 10-05-2023 under the chairmanship of the Vice Chancellor regarding 'Hindi Brihat Koṣa' of Acharya Roshan Lal Negi.
3. Shri T. R. Shashni attended the online MACP Committee (Admin-1) meeting on 12-06-2023.
4. Dr. Ravi Gupta Maurya carried out the responsibility of Center Coordinator in the Entrance Examination of CIHTS from 25-06-2023 to 29-06-2023 at Bylakuppe, Karnataka.
5. Dr. Vijay Raj Vajracharya carried out the responsibility of Centre Coordinator in the Entrance Examination of CIHTS from 26-06-2023 to 30-06-2023 at Kathmandu, Nepal.
6. Shri T. R. Shashni took the responsibility of Co-Chairman for the arrangements of various programs and seminars organized on the auspicious occasion of the birthday of His Holiness the Dalai Lama on 06-07-2023.
7. As per the order issued from the Registrar's Office, Shri T. R. Shashni along with Assistant Registrar and Dr. Lobsang Dorjee (Rabling), attended the meeting with the Additional Chief Secretary, Department of Art, Culture and Youth, Government of Bihar, Patna, regarding publication of manuscripts of Rāhula Collection in Patna Museum and Kanjyur Tangyur translation project on 26-27 October, 2023 in Patna.
8. Shri T. R. Shashni, as a member attended the meeting of "Procurement of Uniforms for MTS Staff" and thereafter visited the city for market survey along with the committee members on 8-9 Nov., 2023.
9. Shri T. R. Shashni, attended the meeting as a member of website committee on 29-11-2023.
10. Shri T. R. Shashni took over the responsibility as Coordinator of the Central Nodal Agency (CNA) office of the Institute on 10-02-2024.
11. Shri T. R. Shashni attended the meeting as a member of Staff Quarters Repairing Committee of the Institute on 23-02-2024.
12. Shri T. R. Shashni and Dr. Vijay Raj Vajracharya attended the meetings of Staff Quarters Repairing Committee of the Institute on 07-03-2024, 12-03-2024 and 15-03-2024.

ANNUAL REPORT 2023-2024

13. Dr. Vijay Raj Vajracharya attended the duty as an Invigilator of Walk in Written/Skill Test for some administrative posts of CIHTS held on 12-03-2024 in CIHTS Campus.
14. Shri T. R. Shashni attended the quarterly meeting of “Rājbhāṣā Implementation Committee on 27-03-2024.
15. Shri T. R. Shashni attended the meeting of the Investment Committee on 29-03-2024 and 31-03-2024.

13. Responsibility of departmental members as members of various committees:

1. Shri T. R. Shashni, Co-ordinator, Central Noodle Agency, CIHTS, Sarnath.
2. Shri T. R. Shashni, Member of Staff Housing Repair Committee, CIHTS, Sarnath.
3. Dr. Vijay Raj Vajracharya, Member of Canteen Committee, CIHTS, Sarnath.
4. Dr. Ranjan Kumar Sharma, Committee-Member, Scheduled Castes/Tribes and Other Backward Classes, CIHTS, Sarnath.
5. Dr. Ravi Gupta Maurya, Member, Panel of Experts constituted for selection of suitable texts, Shantarakshit Library, CIHTS, Sarnath.
6. Dr. Ravi Gupta Maurya, Committee-Member, Degree Committee, Examination Department, CIHTS, Sarnath.

4. Dictionary Department

The Vision of the Dictionary Department:

A few decades ago, when curiosity arose in the minds of the world towards the Mahayana Buddhist tradition, the literature related to it was limited to oriental languages like Tibetan, Chinese etc. With the efforts of Mahapandit Rahul Sankrityayan etc. some Sanskrit texts came before the readers, but they were very flawed and incomplete. In view of the above situation, the scholars of that time prepared a large action plan. Its main objective is as follows-

1. To prepare revised editions of available Sanskrit texts.
2. Restoring the lost Sanskrit texts to their original form with the help of their Tibetan translations.
3. To encourage high-level research work using materials available in oriental languages.
4. Making Buddhist literature available in ancient languages accessible in modern languages.
5. To fulfill the editing work under this ambitious scheme, the need for the creation of different types of dictionaries was felt. Accordingly, the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi, prepared a large dictionary scheme, which provides for the creation of two types of dictionaries, general and thematic dictionaries.

Under the **general dictionary**, the department started work on the 1. *Bhot-Sanskrit dictionary*, which was completed in sixteen Volumes in 2005. This is the largest dictionary among the available Bhot-Sanskrit dictionaries and the first part of the Bhot-Sanskrit reference directory. 2. *Bhot-Sanskrit Dharmasangraha dictionary* has also been published in 2006. 3. Concordance

RESEARCH DEPARTMENTS

of Tibetan and Sanskrit Texts published in 2008 and 4. The work of preparing a *Bhot-Sanskrit Chadraupayogi Kosha* is underway.

In the form of **thematic dictionary**, 1. *Ayurvijñana Kosha* and 2. *Jyotish Kosha* is also in its final stage.

Staff Members and their Designations:

1. Dr. Ramesh Chandra Negi - Officiating Chief Editor
2. Dr. Tashi Tsering - Research Assistant
3. Shri Tenzin Sidon - Research Assistant
4. Dr. Karma Sonam Palmo - Research Assistant
5. Dr. Lobsang Choedon - ResearchAssistant (Contractual)
6. Dr. Vishwa Prakash Tripathi - Research Assistant (Contractual)
7. Dr. Tenzin Sonam - Research Assistant (Contractual)
8. Shri Ramesh Chandra - Junior Clerk (Contractual)
9. Shri Anil Kumar Balmiki - MTS, Daily wage

Departmental Main Works:

Main work in process:

1. Ayurvijñana Kosha:

This Dictionary is based on the “*Ashtangahridaya*” and its components along with Tibetan and some Sanskrit commentaries. This dictionary highlights the contents of the “*Ashtangahridaya*” and entry words are in Tibetan; common as well as technical synonyms and their Sanskrit equivalents are also given. This dictionary is almost completed and is ready for publication.

2. Jyotish Kosha:

This dictionary is based on Tibetan and Sanskrit Astronomical texts such as “*Shigrabod*” and others, mainly the “*Kalachakra Tantra*” and its commentary “*Vimalaprabha*”. It shall contain all the lexical contents of these texts. Contextualized citations will be used to explain the technical terms. The task of compiling this dictionary began with Astronomical texts available in both Tibetan and Sanskrit. At present the final editing work of this dictionary is being completed.

3. Students Tibetan-Sanskrit Dictionary

(Chatra-Upayogi Kosha):

Mainly Prof. J.S. Negi initiated this Tibetan-Sanskrit dictionary and it is a common dictionary. It contains Tibetan words with their Sanskrit equivalents. Their pronunciations, notes, examples will follow the Tibetan terms, and modern Tibetan words will be provided wherever necessary to explain the meaning of those Tibetan terms. This dictionary work is divided into three parts. In the first part, it is in very simple words with the Sanskrit equivalents. In the second part, it has different modern dictionary forms of pronunciation and their Sanskrit equivalents. In the third part, all are related to correction work. This dictionary will be published in two volumes. Till now the second part of the first phase, Pa to PhaVerga has been

completed in term of deriving Tibetan entry words and their English transliteration, pronunciation, and their Sanskrit equivalents.

4. Tibetan-Sanskrit Lexicon of the Abhidharma:

This Tibetan-Sanskrit trilingual lexicon will attempt to compile all the essential lexical entries of both lower and higher *Abhidharma* as classified in the *Mahāyāna* tradition. The primary text for the lower *Abhidharma* will be Acharya Vasubandhu's *Abhidharma-kośa-kārikā* and *Abhidharma-kośa-bhāṣyam* and their Tibetan translations (chos-mngon pa mdzodkyi tshig-le'urbyas pa and chos-mngon pa mdzodkyi-bshad pa). The primary text for the higher *Abhidharma* will be Asanga's *Abhidharma-samuccaya* and its Tibetan translation (chos-mngon pa kun las-btus pa). Currently citations are being collected from relevant sources for the selected entry terms and are being arranged in alphabetical order.

5. Concordance of five Tibetan Buddhist Canons (*Bhot-Sanskarno-ka Sandarbha Kosha*):

This concordance reference dictionary of Tibetan versions is based on the Tibetan-Sanskrit reference dictionary. Through this dictionary, references of the five versions of the Bhot translated texts (Dege, Narthang, Peking, Chone and Lhasa) are to be shown. Presently it is stalled due to lack of workers.

6. Vinay Kosha:

For this Kosha, please see the Annual Report of the Restoration Department.

7. Tibetan Hindi Kosha:

In the absence of a worker for Tibetan Hindi dictionary, the department has already decided to edit and publish the Tibetan-Hindi dictionary compiled by Acharya Roshan Lal Negi from Kinnaur, Himachal Pradesh and the input work of this dictionary is currently underway. Till the above-mentioned period, a total of 11,8,510 entries have been input in 5,332 pages.

Future Projects:

1. Sanskrit Tibetan Glossary (on hold)
2. Naam-Kosha (Name of ancient Buddhist pilgrimage sites and scholar)
3. Bauddh Tantra-Kosha
4. Bauddh Nyaya-Kosha
5. Granth-Kosha
6. Kriya-Kosha.

Teaching work:

1. Dr. Ramesh Chandra Negi has been engaged in teaching, preparing question papers, evaluating answer sheets, and conducting oral examinations in the Kagyu tradition.
2. Dr. R.C. Negi has prepared the question papers for the annual examination of the Department of Buddhist Philosophy at Sampurnanand Sanskrit University.

RESEARCH DEPARTMENTS

3. Dr. R.C. Negi has preparation of question papers and evaluation of answer sheets for the annual examination of Karma Nalanda Institute, Rumtek, Sikkim
4. Dr. R.C. Negi taught Vipassana to the foreign students who came under the exchange program from 6:45 to 7:15 in the morning from January 1 to 17, 2024
5. Dr. Karma Sonam Palmo taught PM 1st year English class (9:30 to 10:15 AM) along with performing the teaching related works related to the class such as checking of exercise books, evaluation and Marking subject assignments, paper setting & evaluation of Answers scripts as assigned by the administration as per office order.
6. Dr. Vishwa Prakash Tripathi taught Sanskrit Kha verga class to the Shastri third-year students and the mandatory Sanskrit class to the U.M. second-year students and involved in the preparation of question papers and evaluation of answer sheets.

Participation and paper presentation in Seminars/Workshops/Lectures and Duties:

Dr. Ramesh Chandra Negi:

1. 1 April 2023, from 9:30 AM to 5:30 PM, as the Vice President of the Pali Society of India, he participated in the Pali Day and the Birth Centenary Celebration of Bhikkhu Dharmarakshita Mahathero organized by the society. During the closing session, presented his thoughts and expressed gratitude and thanks to the distinguished guests, speakers, and the audience.
2. 14 April 2023, from 12:00 PM to 4:30 PM, participated as a Dhamma preacher in the grand celebration of Bodhisattva Babasaheb Dr. Bhimrao Ambedkar's birth anniversary in Jabalpur, Madhya Pradesh.
3. 5 May 2023, from 7:00 to 10:00 PM, participated as the chief guest in a Dhamma discourse session organized by the Mahabodhi Society of India along with various Buddhist organizations of Varanasi and addressed the gathering.
4. 25 May 2023, from 4:30 to 6:00 PM, presented on the topic "Introduction to Vipassana" during a special session on Buddhist Introduction organized by the university for military officers from approximately 20-25 countries.
5. 3 July 2023, from 9:00 to 11:00 AM, participated as the president of the Dharmachakra Pravartan Festival organized by Dharmachakra Vihar, Mawaiya, Sarnath. He also conducted the session and delivered a lecture on the profound teachings of the Buddha.
6. 24 July 2023, from 3:00 to 5:00 PM, presided over a seminar on the topic "The Contribution of Youth in the Democratic System" organized by VOSI, Varanasi, and delivered the presidential address.
7. 28 July 2023, on the first day of a two-day special camp organized by the Student Welfare Committee, he taught Vipassana from 5:30 to 6:30 AM.

ANNUAL REPORT 2023-2024

8. 4 August 2023, from 2:00 to 4:00 PM, participated as a patron in the welcoming ceremony for new students and the election of new members of the Himachal Buddhist Student Union, where he also addressed the students.
9. 9 August 2023, from 2:30 to 4:00 PM, participated as a member in a discussion meeting organized by the Official Language Implementation Committee, focusing on the formation of the committee, the work report, and the questionnaire of the Parliamentary Official Language Committee.
10. 10 August 2023, from 2:45 to 3:30 PM, participated as a speaker in the inaugural session of a three-day special seminar organized by the U.M.U.N., Kashi Chapter, at The Aryan International School, Varanasi, where he delivered a lecture on Buddhist spirituality and world peace.
11. 15 September 2023, chaired a meeting regarding the special honor to be presented to the esteemed Vice Chancellor upon his visit to the S.S.V.V, Varanasi, along with the members of the Himachal Buddhist Student Union, which was scheduled for 3:30 PM.
12. 4 September 2023 : Participated as a member of the R&D Cell committee in its meeting held at 3:15 PM to 4:00 PM.
13. 5 September 2023 : Participated in the Teachers' Day ceremony organized by the IQAC Cell at 2:30 PM to 4:15 PM.
14. 12 September 2023 : Chaired the special meeting of the ST/SC/OBC Cell held at 3:00 PM to 4:00 PM in the office of the Chief Editor, Dictionary Department.
15. 28 September 2023 : Participated as a judge in a debate competition organized by the Official Language Implementation Committee on the topic "Is the complete use of Hindi as the medium of higher education in the national interest or not" at 2:30 PM to 4:15 PM.
16. 21 October 2023, from 3:30 to 4:45 PM, delivered a lecture on the introduction to Buddhism for the students of Christian clergy.
17. 29 October 2023, from 6:00 to 8:00 PM, participated as the chief guest in the inaugural session of the Fourth 11-Day Swabodh Kumbh organized by Swabodh Ashram, Harhua, Varanasi, where he delivered a lecture to the assembled devotees on the topic.
18. 14 November 2023, at 2:00 PM, the Australian Writers' Group was welcomed at the institute, after which he participated in a lecture on Buddhist culture given by the esteemed Vice Chancellor. Subsequently, from 3:00 to 4:00 PM, he acquainted them with the Shantarakhshita Library.
19. 18 November 2023, from 4:00 to 6:00 PM, participated as a speaker in a special lecture event organized by Maitri Bhawan, Varanasi, on the topic "Serve Our Common Home."
20. 10 December 2023, participated in the inaugural session (from 2:00 to 5:15 PM) of the 7th Seven-Day Buddha Character Bhagwant Katha, along with the inauguration of the Sant Gadge Baba Library located in the premises of

RESEARCH DEPARTMENTS

Sumanagal Buddha Vihar in Kanpur, where he expressed his views on the social relevance of Buddhism.

21. 25 December 2023, from 1:00 to 5:45 PM, participated as a distinguished guest in a one-day Dhamma Samagam and Festival organized by the World Buddhist Federation, where he delivered a Dhamma talk on the topic "Who is a Buddhist?"
22. 2 January 2024, from 8:30 to 9:30 AM, delivered a lecture to foreign students on the topic "Kagyu Lineage and Its Silent Features."
23. 13 January 2024 : Participated as a member in the meeting of the committee related to the curriculum setting of the Intensive Sanskrit Training Course at 12:00 PM to 3:00 PM.
24. 18 January 2024, from 10:30 AM to 12:00 PM, participated as an online speaker in a two-day national seminar organized by Shri Sita Ram Vedic Adarsh Sanskrit Mahavidyalaya, Kolkata, on the topic "Living Traditions of Scriptures: Knowledge and Science" delivered a lecture on the subject of the Himalayan Buddhist Living Tradition.
25. 21 January 2024, participated as a distinguished guest in a one-day national seminar organized by Dharma Sanskriti Sangam at the Mandalayukt Sabhagar, Kachahari, Varanasi, on the topic The Relevance of All Religions in Nation-Building.
26. 21 January 2024, from 6:30 to 7:00 PM, participated in the 2024 meeting organized by the Himachal Buddhist Student Union at CIHTS. Sarnath, where he specifically addressed all the present Himachali students from Lucknow, Banaras Hindu University, and Sampurnanand Sanskrit University on the topics of culture and religion.
27. 25 January 2024, from 12:30 to 3:30 PM, participated as a speaker in a seminar organized by the Hazrat Ali Committee, Varanasi, where he delivered a lecture on the teachings of Hazrat Ali, including the topic of universal brotherhood.
28. 6 February 2024 : Participated as the Head of Department and SC/ST Observer in the Selection Committee (RA) meeting at 3:00 PM to 6:30 PM.
29. 4 March 2024, participated as a Bhoti translator in a special lecture on Sankhya philosophy organized by Dr. Krishnakant Sharma at Banaras Hindu University.
30. 21 March 2024, from 2:00 to 5:30 PM, participated in the inauguration ceremony of two books titled "Chalo Man Tum Kashi" and "Hanumat Charit," published by Pilgrims Publications, Durgakund, Varanasi, where he also addressed the gathering.
31. 30-31 March 2024 : As per the office order, participated as a university representative along with 12 students in the International Tipitaka Recitation and Dhamma Yatra Ceremony organized by the Lord Buddha Welfare Foundation, India, in Shravasti on March 30-31, 2024.

Academic work:

Dr. Ramesh Chandra Negi:

1. Edited the book titled "The Personality and Works of Negi Rinpoche Tenzin Gyaltzen," written by Dr. Prabhu Lal Negi.
2. Worked on the Hindi translation of the Tibetan text "Dugpa Shaldon".
3. Revised the Tibetan translation of some missing excerpts from "Shighrabodh" text done by Dr. Lobsang Chodon.
4. Commenced correction work on Atisha's eight texts, along with the commentary on "*Hridayasutra*" in December.
5. 14-15 June, 2023 : Worked on the Tibetan translation of the "Pali "*Mahāṣaḍayatana Sutta*".

Dr. Tashi Tsering:

1. Dr. Tashi Tsering and Dr. Vishwa Prakash Tripathi are engaged in the Hindi translation and interpretation of "*Sankhya Karika*" as well as its Tibetan translation.
2. Worked on comparing the Tibetan text of the "*Madhyamakavataṛ*" from the seventh "*Chittotpada*" to the end with other versions for textual differences.
3. Worked on the Tibetan translation of the Pali "*Kalakarama Sutta*"
4. Worked on editing the Tibetan text of "Aryakashyapparivarto-nama-Mahayanasutra"
5. Correction worked on the second part of the chapters 8, 9 and 10 of the text named "*Buddha-Vijnana*".
6. Worked on translating the game "Vastavik Khel" from Tibetan to Hindi.
7. Worked on the Tibetan translation of Pali scriptures in the request of Gaden Phodang, Dharamsala.
8. Worked on editing English transliteration and Sanskrit equivalents for the entries as the second phase of the "*Chatraupagodi Kosha*."
9. Correction worked on third phase of the "*Chatraupagodi Kosha*."
10. Correction worked on Tibetan preface of "*Ayurvigyaan Kosha*."
11. Correction worked on Sanskrit Glossary of "*Ayurvigyaan Kosha*" on the computer.

Dr. Karma Sonam Palmo:

1. Tib-Sans-Eng Dictionary of Abhidharma; currently compiling citations from Abhidharmasamuccaya Bhāṣyam.
2. 25 May 2023 : Delivered a talk on Buddhism during the visit of a group of defense personnel from Army War College, Mhow, M.P.
3. 17 Jan. 2024 : Delivered a Lecture on Women in Buddhism during the Exchange Program.

Dr. Lobsang Chodon:

1. Prepared final corrections and settings for the Sanskrit and Tibetan Glossary of "**Ayurvigyan Kosha**" on the computer, in consultation with the concerned colleagues and the chief editor.

RESEARCH DEPARTMENTS

2. Prepared the entire title page of “**Ayurvedigyan Kosha**” on the computer after consulting the concerned colleagues and the chief editor.
3. Prepared correction work on the Tibetan-Hindi-English Prefaces of “**Ayurvedigyan Kosha**” in consultation with concerned colleagues and the chief editor.
4. Shouldered the publication department for multiple times regarding the introduction and publication work of “**Ayurvedigyan Kosha**”.
5. Prepared final enter setting of header footer “**Ayurvedigyan Kosha**” manually as well as technically.
6. Took full responsibility for coordinating the meetings and discussions with both the departments head, as well as managing multiple corrections set on “**Ayurvedigyan Kosha**” with Assistant Editor Shri Pema Choden of publication department.
7. Submitted the entire soft copy in PDF, word form and complete hard copy of “**Ayurvedigyan Kosha**” file to Assistant Editor, Shri Pema Choden.
8. Completed the entire final editing work of “**Ayurvedigyan Kosha**” in computer.
9. Worked on “**Jyotish Kosha**” with our chief editor and Dr. Vishwa Prakash Tripathi.
10. Completed the corrections of the Tibetan preface of “**Jyotish Kosha**” on the computer in consultation with Shri Tashi Tsering, Associate Professor, and Dr. Jampa Chopel of Jyotish department.
11. Submitted and received corrections for the “**Jyotish Kosha**” from "Ka" to "Nya" verga through Shri Tashi Tsering, Associate Professor of Jyotish department.

Dr. Vishwa Prakash Tripathi:

1. Worked on the correction of the “*Bhot-Sanskrit Chatraupayogi Kosha.*”
2. Worked on selecting words from “*Pramāṇavārttika.*”
3. Worked on the Hindi translation of the text “*Madhyamakahrdayam.*”

Dr. Tenzin Sonam:

1. Prepared a biography of Prof. Jita Sen Negi in English (founder and former Chief Editor of Dictionary Department) CIHTS.

Other Academic Activities:

Dr. R.C. Negi:

1. 10 May 2023 : At 12:30 PM, participated in a meeting chaired by the Honorable Vice Chancellor regarding the inclusion of Bhoti words related to transliteration in the Bhoti Hindi Bṛhat Kosh compiled by A. Roshan Lal, along with the heads of research departments and the Honorable Registrar.
2. Participated in the interviews selection at the university as an SC/ST observer.

Acharya Tenzin Sidon:

Associated with the office of the Vice Chancellor.

Dr. Karma Sonam Palmo:

1. As per V.C Sir's order, did English-Tibetan/Tibetan-English translation work for V.C office and IQAC from time to time.
2. Member, Website Development Committee, participated in committee meetings and assigned duties.
3. Member Secretary, Internal Complaints Committee (ICC) / Anti Sexual Harassment Committee (ASHC), participated in committee meetings, performed related tasks such as paperworks, file maintaining, coordinating workshops, preparing annual report etc.
4. Member, International Student Cell and performed related tasks.
5. As per office order, translated Ph.d Ordinance from English to Tibetan for the Exam Wing (April –May 2023)
6. As per office order, translated the Institute Ph.d Handbook 2022-23 from English to Tibetan for the R&D Cell (May- June 2023)
7. As per office order, translated from different types of forms related to the Institute's Ph.d Programmes from English to Tibetan for the R&D Cell (July 2023).
8. As per office order dated 11 August 2023, was handed over the role of Coordinating Staff for the 4 UGC Buddhist MOOCs hosted by the Institute and accordingly performed the related tasks thereafter.
9. As the Coordinator of the Exchange Program (2023-2024); did email correspondence and paperwork related to arrangements to be made for the program and coordinated the program during the group's arrival in the campus in Dec 2023 - Jan 2024.
10. As the member secretary of the Internal Complaints Committee (ICC), CIHTS coordinated the Workshop on "Bystander Intervention Against Gender Based Violence" jointly organized with the Tibetan Centre for Human Rights and Democracy, Dharamshala for the students of the Institute from 27th – 28th January 2024 at the Seminar Hall, A.P Guest House of the Institute.

Dr. Lobsang Choedon:

1. Prepared and submitted a new website review of our department as per official order and later reported to the concern authority which was not uploaded in the new website as given by us.
2. Prepared English annual report from the Hindi of our department and submitted both Hindi and English report.
3. Prepared the annual Tibetan report (**Sherig Leydom**) of our department for Religion and Culture, Central Tibetan Administration, Dharamsala, and emailed a soft copy.

RESEARCH DEPARTMENTS

4. Assisted with the corrections on our Institute's Annual Calendar 2023-2024, in Hindi each dates, days, months, festivals, etc., as requested by the Jyotish Department.
5. Assisted with audit work at Sakya Sampradaya as ordered by the Institute.
6. 7-18 June 2023 : Attended 10-day “*Vipassana Meditation Course*” on personal leave at Alur, Tumkur road, Bangalore, Karnataka State for stability of mindfulness.
7. Assisted English and Tibetan related official work of the department.

Dr. Tenzin Sonam:

Shifted to the Registrar office.

5. Centre for Tibetan Literature

Taking into account the importance and richness of Tibetan Literature, it was felt that its comprehensive history is yet to be written consequently; hence the Centre for Tibetan Literature was established. The comprehensive history of Tibetan literature will reflect its developmental process and influence of Indian literature on Tibetan. The corpus in Tibetan language is available in two forms: (i) Translated from Indian Language primarily Sanskrit-comprises more than five thousand texts, and (ii) Works of Tibetan Scholars in various disciplines running into more than lakhs. Observing that so far no comprehensive history of Tibetan Literature is available despite the fact that the Tibetan Literature is immensely rich, the Institute decided to prepare a comprehensive history of Tibetan Literature. In order to materialize it, the Institute created a unit of Research Department namely “Centre for Tibetan Literature” which can produce comprehensive history of Tibetan Literature as well as translating other literary works and conduct research, workshops and conferences etc. Taking all these facts in view, the Institute made plan to engage senior reputed scholars in this project.

Accordingly, a senior researcher was engaged as the primary person in the Centre for Tibetan Literature, who has been working in the project since the last 8 years and has extensively worked on this project and written a comprehensive history of Tibetan literature in draft forms running into 4 volumes, which is under process of completion. Along with this project, the Centre has produced other literature in the form of commentaries and translations. It has conducted symposium on “The History of Literature of Sanskrit and Hindi”. A workshop was also organized to discuss some of the draft chapters.

Vision:

The department of Tibetan literature (formerly known as the Centre for Tibetan Literature) was founded as a part of the Research Departments in 2009. The Centre is currently in the process of producing four comprehensive volumes on the History of Tibetan Literature that provides an exhaustive analysis of the subject over several centuries.

Tibet possesses a literature that stretches back over 1300 years. It is one of the great literary traditions of Asia, in terms of both its size and range of influence. From ancient pillar inscriptions, to manuscripts sealed away in long-forgotten

caves, to xylographic texts on every imaginable subject piled high in monastic libraries, the Tibetan corpus numbers tens of thousands of works. It has exercised an abiding influence not only in Tibet itself, but in the larger cultural area at one time dominated by Tibet, which includes Mongolia, Ladakh, Nepal, Sikkim, Bhutan and parts of northern Pakistan, northern India, western China and southern Russia. In spite of its size and influence, Tibetan literature was largely unknown to either scholars or the public in the West as recently as thirty-five years ago.

The study of Tibetan literature has thus been long overlooked in Tibetan studies and the establishment of the Centre is aimed to fill this vacuum. Tibetan literature can refer to religious texts, historical works, biographies, philosophy, fiction, drama, and poetry, etc. Much of it is connected with Buddhism but it also concerns with other themes.

In coherence with the strategic alignment of other research departments within our esteemed Institute, aimed at fortifying our contributions to the Tibetan literary domain, the 61st Board of Governors convened on 23 March 2023, and unanimously resolved to elevate the status of the Centre to that of a comprehensive department, formally named the Department of Tibetan Literature. This transition signifies a pivotal milestone in our dedication to the progression of Tibetan literary exploration and scholarly research.

Staff members and their designations:

1. Geshe Beri Jigmey wangyal - Senior Research Fellow
2. Dr. Dorjee Kyab - Research Assistant (On Contractual)

Departmental Main works:

A. Published:

1. Geshe Beri Jigmey Wangyal. Analytical Annotation of Nāgānanda Nāṭakam of Śrī Harṣa. Varanasi: CIHTS, 2023, ISBN: 987-93-95086-30-1
2. Dr. Dorjee Kyab. The New Tibetan Translation of The Medhadūtaṃ of Kālidāsa. Varanasi: CIHTS, 2023, ISBN:978-93-95086-28-8

B. Main works in progress:

1. History of Tibetan Literature. Vol. 1 (In press)

This volume Presents the origins and sources of primitive Tibetan literature, and Classic Tibetan Literature, Tibetan Literature of during the reign of Tibetan Emperors. Also includes Tibetan Religious Songs, Good-sayings, letters, and Classic Poetries.

2. History of Tibetan Literature. Vol. 2

This volume presents mainly about Tibetan traditional literature. How the Tibetan traditional literature originated from India, How the Bka'-gyur ("Translation of the Buddha's Words") and Bstan-gyur ("Translation of Treatises") came into being? How many Indian Pundits came to Tibet, and how many Tibetan translators went to India? How did the Tibetan traditional literary theories come into existence? How Mahākāvya and poems, Avadānas, dramas, Subhāṣitānis developed in Tibetan literature. It also includes history of the Tibetan grammatical works and Abhidhānas.

3. History of Tibetan Literature. Vol. 3 (Fourth Revision is going on)

This volume encompasses the history of Sanskrit poetic theories, dramas, and Buddhist literature, as well as the biographies of several renowned writers. The inclusion of Sanskrit literature in this volume, as part of the four-volume series on the history of Tibetan literature, is grounded in the profound and inseparable relationship between the two literary traditions. Sanskrit has played a pivotal role in shaping Tibetan literary, religious, and philosophical thought, especially through the transmission of Buddhist texts and doctrines. Many of the foundational works of Tibetan literature, including commentaries, philosophical treatises, and poetic compositions, are directly linked to Sanskrit sources.

The primary responsibility for this volume has been entrusted to Dr. Dorjee Kyab, given its emphasis on Sanskrit literature. Dr. Dorjee Kyab is currently undertaking this work with meticulous care, producing accurate and significant translations, comprehensive textual studies, and detailed comparative analyses.

4. History of Tibetan Literature. Vol. 4

This volume predominantly examines modern Tibetan literature, focusing on its evolution and significance within the contemporary cultural framework. It critically analyzes the historical, social, and political influences that have shaped literary expression in Tibet since the 20th century. The volume highlights prominent literary figures and thematic concerns—such as identity, cultural preservation, and the effects of globalization—while exploring various genres, including poetry, prose, and drama. Through an in-depth engagement with texts and authors, this work aims to elucidate how modern Tibetan literature reflects the complexities of Tibetan life and thought in a rapidly changing world. Ultimately, it seeks to contribute to the understanding of the dynamic literary landscape in Tibet, illustrating how contemporary writers navigate the interplay between tradition and innovation.

C. Future Projects:

1. History of Indian Medieval Literature.
2. History of Indian Modern Literature.
3. History of Tibetan Diasporic Literature (1959-2019)
4. To translate *Sarasvatī Kaṇṭhābharaṇa* (Sarasvatī's Necklace) of Dhāreshvara Bhojadeva from Sanskrit into Tibetan language, in order to fill the long-cherished wishes of the Tibetan intelligentsias.
5. To translate the first great rhetorician Bhāmaha's *Kāvya-lāṅkāra* (काव्यालङ्कार) into Tibetan.

D. Academic Activities:

1. Geshe Beri Jigmey Wangyal takes classes of Acharya 1st and 2nd, teaches History of Tibetan Literature.

2. Dr. Dorjee Kyab teaches Tibetan Literature to students of Acharyas 2nd and does answer-sheet evaluation and takes oral examination.

E. Other Academic Activities:

Geshe Beri Jigmey Wangyal

Invited Lectures:

1. 8-9 March, 2023 : Attended a two-day workshop titled "Tibetan Literature and Its Evolution" organized by the Tibet Policy Institute, Central Tibetan Administration, Dharamsala. My presentation focused on "The Status of Tibetan Writers and Literature in Contemporary Tibet."
2. 23 August, 2023 : Delivered a talk on "Identity and classification of Tibetan Literature" organized by CIBS, at Central Institute for Buddhist Studies, Leh, Ladakh.
3. 8-11 January, 2024 : Participated in a four-day conference on "Reconsidering the Dates of Marpa, Milarepa, and Dags-po Lhaje," organized collaboratively by Palpung Sherab Ling and the Kunskyong Foundation. Delivered a presentation titled "The Deeds of Karmapa Dus-gsum-mkhyenpa: A Study of the First Karmapa's Activities from Ages 1 to 20."
4. 15-27 January, 2024 : Delivered a thirteen-day lecture series on "Tibetan Literature," jointly organized by the Library of Tibetan Works and Archives in Dharamsala and Emory University.
5. 12-14 February, 2024 : Participated in the Senior Campaign at CIHTS, Sarnath, Varanasi, organized by the Student's Welfare Association of CIHTS. Delivered a presentation titled "The Literature of Tibetan Good-Sayings."

Dr. Dorjee Kyab

Academic Activities and Invited Lectures:

1. 10 April, 2023 : Submitted Ph.D. Dissertation titled: "Linguistics in Buddhist Philosophy: Understanding Classical Buddhist Philosophy of Language Through the Framework of Modern Linguistics."
2. 5-14 September, 2023 : Delivered a ten-day lecture on "Introduction to General Linguistics and Classical Sanskrit literature" for the Master's students of ZKCLI, invited by the Dzongsar Khyentse Chokyi Lodro Institute.
3. 26 September, 2023 : Interviewed by Voice of Tibet, VOA, and RFA regarding the Tipitaka Translation Project, commissioned by Gaden Podrang, the private office of His Holiness the Dalai Lama.
4. 27 September, 2023 : Delivered a Talk on the Ph.D. Dissertation. "Linguistics in Buddhist Philosophy: Understanding Classical Buddhist Philosophy of Language Through the Framework of Modern Linguistics" for all the teachers and students of Sarah College, organized by the College for Higher Tibetan Studies, Sarah, Dharamsala.
5. 25-28 September, 2023 : Delivered a four-day lecture on "Introduction to General Linguistics, Research Methodology, Sanskrit Language, and its

RESEARCH DEPARTMENTS

Grammatical treatises” for the master’s students of Sarah College, invited by the College for Higher Tibetan Studies, Sarah, Dharamsala.

6. 30 September, 2023 : Participated in an Interview with *Tibet Times* to discuss my academic career and Ph. D. dissertation.
<https://www.youtube.com/watch?v=kdH0m1DCsjI>
7. 4 January, 2024 : Translated Geshe Tharkey’s talk entitled “Vaibhashika School of Buddhist Tenets” for participants of the 31st Exchange Program for Visiting Students of Five College Consortium, Massachusetts, USA.
8. 5 January, 2024 : Translated Geshe Tharkey’s talk entitled “Sautrantika School of Buddhist Tenets” for participants of the 31st Exchange Program for Visiting Students of Five College Consortium, Massachusetts, USA.
9. 6 January, 2024 : Translated Geshe Tharkey’s talk entitled “Cittamatra School of Buddhist Tenets” for participants of the 31st Exchange Program for Visiting Students of Five College Consortium, Massachusetts, USA.
10. 16 January, 2024 : Gave a speech on “A Brief Introduction to Tibetan Literature” for participants of the 31st Exchange Program for Visiting Students of Five College Consortium, Massachusetts, USA.
11. 22 January, 2024 : Gave a speech on “Linguistics: Key Concepts and Insights” organized by SWA, CIHTS, Sarnath, Varanasi.

Articles and chapters

1. “Klu Kun Tu Dga' Ba Zhes Bya Ba'i Zlos Gar Bzhugs So, The Tibetan Recension of Nāgānanda Nātakam (नागानन्द नाटकम्/the Joy of the Serpents)” in A Concise Notes on Nāgānanda, annotated by Geshe J. W. Beri. 2023, Sarnath, CIHTS, 1-72.
2. “Analysis on the Tibetan translation of the Cloud Messenger” in *Bodrigpa* (Tibetan Studies), 2023. (2) 75-94. <https://bodrigpa.org/archives/3867>.

Professional Membership:

Member of the International Association of Tibetan Studies (IATS).

4. SHANTARAKSHITA LIBRARY

The Central Library of the Institute, named as Shantarakshita Library, is a unique treasure of valuable Xylographs, books, periodicals and multimedia documents. The library has a vast collection of Indian Buddhist Sanskrit texts in Tibetan translations. The collection of the library is based on the objectives of the Institute and it has been recognized as the collection of National Importance by the Government of India.

The Library is named after one of the renowned Indian Buddhist scholars, Acharya Shantarakshita of Nalanda Mahavihara, who visited Tibet in the 8th century C.E. for the noble cause of Dharma. The collection of documents on Buddhism, Tibetan and Himalayan studies and allied subjects of the library is point of attraction for the Indian and foreign scholars.

The library is well equipped with latest ICT infrastructure, providing services based on the multilingual bibliographical database of the library collections.

Library has full text online access to the resources of BDRC (Buddhist Digital Resource Centre) <https://www.bdrc.io/World> Public Library resources <http://community.worldLib.in> and South Asia Archive (SAA) <http://www.southasiaarchive.com>

In addition to the printed and online documents, the library manages a rich collection of Microfiches, Microfilms and Audio & Video documents. The library is also linked with The Dalai lama Foundation, Dharamshala, for the development of Tibetan literature and culture.

The library has IP authenticated full text online access to the resources of Economics and Political Weekly (www.epw.in), and databases of ISID (www.isid.org.in), under E-ShodhSindhu program of the INFLIBNET (www.inflibnet.ac.in).

Multilingual catalogue (Web-OPAC) of the library is linked with the website (www.cihts.ac.in) of the Institute and functions smoothly.

1. Dr. Himanshu Pandey, Library In-Charge
2. Mrs. Shivani Tiwari, Office Assistant, On Contract

Shantarakshita Library has the following Sections:

- (1) Acquisition, Technical and INFLIBNET Section
- (2) Periodical and Reference Section
- (3) Tibetan Section
- (4) Circulation Section
- (5) Stack Section
- (6) Multimedia Section
- (7) Computer Section

1. Acquisition, and Technical Section

List of Employees working in the Acquisition & Technical Section

1. Mr. Rajesh Kumar Mishra, Documentation Officer
2. Mr. Ravi Kant Pal, Semi Professional Assistant
3. Mr. Tenzin Chungdak, S.P.A. On-Contract
4. Ms. Dicky Dolma, S.P.A. On-Contract

SHANTARAKSHITA LIBRARY

5. Ms. Ngawang Lotso Lama, On-Contract
6. Ms. Mina, Library Attendant
7. Mr. Shiva Bachan Sharma, MTS

1.1 Acquisition Section

1. Accessioned 906 titles (425 titles purchased and 481 titles received as donations) manually accessioned in the accession register as well as inputted in SLIM software.
2. Made the list of donated books (709 titles) by the late Bikku Jagdish Kashyap and Prof. A.K. Narain's collection.
3. Catalogued almost 350 titles in the SLIM software.
4. Duplicate checking and further processing of the books.
5. Actively performed in Stock verification of the library's collection
6. Performed duty in Circulation Section, as and when required.
7. Provided reference services to the users as and when requested by the users.

1.2 Details of Books Purchased from 1st April 2023 to 31st March 2024

- (A) During the financial year 2023-2024 (1st April 2023 to 31st March 2024) total number of 906 documents of ₹948859.55 were procured and entered in the Accession register from accession number 127269-128174.
- (B) Out of 906 documents, 425 titles valued ₹671648.00 were purchased and 481 documents worth ₹277211.55 were received as donation.

Details of Books Purchase during 1st April 2023 to 31st March 2024

Tibetan	610	Purchase	425	Purchase Value	671648.00
Sanskrit	2	Donation	481	Non-Purchase Value	277211.55
Hindi	32	Ins/Exchange	0	Grant Total in	948859.55
English	133	Bound Journals	0		
Multilingual	98	Total	906		
Others	31				
Total	906				

1.3 Technical Section

1. During the period from 1st April 2023 to 31st March 2024 total no. of 879 documents (Excluding Tibetan documents) had been classified using Colon Classification 6th ed. During the year total 873 Tibetan documents had been classified using Tibetan classification scheme in CC format and catalogued in SLIM database. After complete technical processing all the above books had been transferred to the concerned section/stacks.

ANNUAL REPORT 2023-2024

1.4 Other Additional Works:

1. Mr. Tenzin Chungdak worked as Member secretary of PVC for Tibetan Books.
2. Mr. Ravi Kant Pal worked as member secretary work PPC.
4. On-demand technical processing of books.
5. Duplicate checking of books on demands for the acquisition section whenever needed.
6. Provided reference services for library users whenever needed.
7. Handed the NAD portal and made ABCID of students.
8. Members of Stock-verification team browsed and verified more than 4000 books from book shelf.
9. Completed Backlog entries of more than 1000 books in SLIM database

2. Periodical and Reference Section

List of Employees working in the Periodical & Reference Section

1. Mr. K. N. Singh, Professional Assistant
2. Mr. Manoj Kumar Pal, Daily Wager Staff

2.1 Subscriptions:

During the year 2023-24 the section spent Rs.48,368.00 (Forty-Eight Thousand Three Hundred Sixty-Eight Only) to subscribe/acquire journals, magazines & newspapers.

S. N.	Items	Mode of Subscription	No. of Title	No. of Vol.(s)	No. of Loose Issues	Amount
1.	Inland Journal	Subscription	5	13	18	11,750.00
2.	Foreign Journal	Subscription	-	-	-	-
3.	Complimentary/ Gratis	Gratis	1	1	1	00.00
4.	Exchange Journal	Exchange	2	2	2	00.00
5.	Newspapers and Magazine (18)	Local	17	20	229	36,618.00
Total			25	36	250	48,368.00

2.2 Services:

1. Journal Indexing: Title indexing of current Journals is regular feature of the Periodical Section. During the year 2023-2024 (169) article (English & Hindi) journals were indexed from the subscribed academic journals. As on 31st March 2024, the journal article database of SLIM contained 18332 article entries. This database is accessible through library OPAC.
2. 1157 press clippings were scanned in the current session. At present total number of clippings in the database is 25941.

3. On the demand of the readers, photocopies of articles published in the periodicals were made available.
4. During the year reference service provided to research students, staff and other readers.

3. Tibetan Section

The Tibetan section of the Shantarakshita Library houses Buddhist literature known as the *Kagyur* (Buddha's word) and *Tengyur* (collections of writings by Indian Buddhist masters on Buddha's words). Several editions of *Kagyur* and *Tengyur* along with *Bonpo* *Kagyur* & *Tengyur* (Tibet indigenous religion) and *Sungbum* (a collected works of Tibetan scholars) are available in this section. Nevertheless, Tibetan medicine (*gso-ba-rig-pa*), Tibetan Astro, linguistics, literature, history, and periodicals all printed in contemporary book format are part of its inevitable collection. At present the section has approximately 11265 titles and 41553 vols/copies in three different format such as book, Deb-chen & Pothi.

List of Employees working in the Tibetan Section

1. Mr Lobsang Wangdu, P.A. (I/C Tibetan Section)
2. Mr Choenga Tsering (Contractual)
3. Mrs Tashi Lhamo (Contractual)
4. Mr Anil Kumar Yadav (Contractual)

The Tibetan section has the following editions of *Kagyur* and *Tengyur*:

- i. ***Kagyur*** - Dege, Ladakh Tog, Lhasa, Narthang, Urga, Comparative edition, and Lung Drima in three different item types (Pothi, Deb-Chen & Book)
- ii. ***Tengyur*** - Dege, Narthang, Miwang Golden edition, and comparative edition in three different item types (Pothi, Deb-chen & Book).
- iii. Pali and Chinese Tripitaka in Book Format.

3.1 Technical Work:

- 1) The implementation of the Tibetan Classification Scheme for Tibetan Books (unclassified), which was launched in September 2020 is near completion. The long-awaited dream of applying subject classification (Call Numbers) to Tibetan books has finally come true. The books placed on the shelves are arranged according to the given call number and its metadata information is updated in the system. Therefore, locating books on the shelf, finding analytical articles from the works of Tibetan scholars (*Sungbum*), and retrieving bibliographic information have become faster and advanced. Likewise, shelving and shelf rectification task can be done professionally.
- 2) Transcription of Call Numbers on books, and other related works like pasting of book pockets, and labeling were carried out tirelessly by the staff of the Tibetan Section.
- 3) Prepared 32 analytical entries of the book.
- 4) Prepared location list of the Pothis and Deb-Chen separately.
- 5) Around eight hundred seventy new books transferred from the acquisition & technical section are processed accordingly.

3.2 Maintenance Work:

- 1) Under the project of the Library, “Gain Experience While Learn Scheme” (GEWLS), the Tibetan section hired three students during summer vacation in May 2023 and carried out the packing of around Seventeen hundred Pothis with new cover cloths and transcribing on its flag, etc.
- 2) As usual, during the summer holidays, the manuscript section was cleaned up thoroughly.
- 3) Keeping books back on shelves after the readers have left them on the table. As per maintenance records around eleven thousand books in this category were registered.
- 4) Took books back to the section from the circulation desk. As per the record, around two thousand five hundred books have been issued from the circulation desk & returned to the section.
- 5) Around two thousand Pothis have been consulted by the readers.

3.3 Intra-Library services:

- 1) Acquisition section: The Tibetan section takes responsibility for checking the duplication of Tibetan books before its new procurements by the acquisition section.
- 2) Coordination work to Multi-Media Section: The Tibetan section provides the documents as per demand from the Multimedia section for digitization.
- 3) Circulation desk: Section Staff Mrs. Tashi Lhamo has been engaged at the circulation desk from time to time during the leave of concerned staff.
- 4) Stock verification of books: Tibetan section staff took part in book verification of the library as instructed by the concerned in-charge.

3.4 Reader Services:

Rendering services to the library users is the first and the utmost responsibility of the library staff, hence in the Tibetan section we have provided the following services to our readers:

- 1) Helping readers to locate books with the Call Numbers.
- 2) To trace out the academic articles from the books with the help of an Indexing catalog.
- 3) Assisted readers to find out text from the Kagyur and Tengyur.
- 4) Bibliographic Services are provided whenever demanded by the readers.
- 5) An online search on the TBRC (Tibetan Buddhist Resource Center) portal whenever necessary.
- 6) Provided shelf guide to help the readers browse through the books on the shelves.

3.5 Others activities:

- 1) The draft of the Tibetan classification schedule has been completed and submitted to the higher authorities for publication on January 2023.
- 2) Conducted Cataloguing training for Mr. Pempa Bhutia, Research Assistant cum Assistant in Tibetan Library (Namgyal Institute of Tibetology, NIT) Gangtok from 13th March 2024 to 01st April 2024 at Shantarakshita Library, CIHTS.
- 3) Assisted the book verification at the RBTR Library, CIHTS in August 2023.

- 4) Sri. Lobsang Wangdu worked as member, Price verification committee of Tibetan Books, Shantarakshita Library, CIHTS.
- 5) Sri Lobsang Wangdu, worked as member, 'Staff Quarter Maintenance Committee' CIHTS,
- 6) Sri Lobsang Wangdu, worked as member, 'Annual Report Committee' CIHTS.

4. Circulation Section

Circulation Section of the library, enrolls and renews the library membership and manages the Issue, Return, Reservation and other related processes, the section also maintains usage statistics of the library.

List of Employees working in the Circulation Section

- (1) Mrs. Tenzin Kalden, Contractual (Upto Feb. 2024)
- (2) Miss Ngawang Lotso Lama, Contractual (Upto Feb. 2024)
- (3) Mrs. Shivani Tiwari, Contractual (From March 2024)

Details of Registered Users in the Library during FY 2023-24

Students	302
Staff	52
Casual & Request Members	21
Departmental	07
Guest Members	01
Direcrot chamber	01

Total	384

- 4.1 During the year total 145 new members, including 38 Students, 05 Staff, 11 Non-Regular members, 12 Departmental and 79 Temporary members were enrolled in the library and 74 No-Dues certificates have been issued.
- 4.2 Total 37529 circulation transactions have been done during the financial year which includes Issue, Return and Reservation etc.
- 4.3 Total 4397 documents had been issued and 4480 documents returned by the library users during the year.
- 4.4 Total 36583 users visited the library during the year 2023-24.
- 4.6 **List of Employees working Circulation Section**
 1. Mrs. Tenzin Kalden, On Contract (working on circulation desk **till Feb 2024**)
 2. Ms. Ngawang Loto Lama, On Contract (working on circulation desk **till Feb 2024**)
 3. Mrs. Shivani Tiwari, On Contract (Joined from March 2024)

5. Stack Section

List of Employees working the Stack Section

1. Ms. Tenzin Rigsang, (Professional Assistant)

ANNUAL REPORT 2023-2024

2. Mr. Vijay Kumar Patel, (Library Attendant)

3. Muhammad Mumtaj, (Library Attendant)

General Stack section provides user services based on documents of other than Tibetan languages and special collections. The section is housed in two floors and the documents are arranged subject-wise based on Colon Classification Scheme 6th ed. Details of Services and maintenance works done by the Stack Section of the library during the year are as hereunder –

5.1 Services

1.	Number of users visited (Based on number of requisition slips)	258
2.	Number of Documents taken from shelves (Based on number of requisition slips)	398
3.	Number of Reading Room services (General stack)	29215
4.	Number of User Services based on Special Collection	22

5.2 Additions and Maintenance

1.	New additions	493
2.	Documents sorted out & sent for technical rectification	368
3.	Documents received after technical rectification	197
4.	Shelf rectification	V, W
5.	Number of documents transcribed/re-transcribed	1221
6.	Documents sorted for binding	398
7.	Documents received after binding	427

6. Multimedia Section

The Multimedia Section is well equipped with the latest ICT infrastructure to create and edit various digital documents. Since its inception, the multimedia section has been engaged in the work of Audio and Visual recordings of important teaching and lecture within and outside of the Institute as well as digitization and converting rare Buddhist text and manuscripts to contemporary formats to ensure their future preservation. The section procures, manages, and provides services based on microfiches, microfilms, Audio Cassettes, CD, MP3, DVD and digital documents. Currently, the resources of the multimedia section include various editions of digital manuscripts, rare text, and tens of thousands of hours of lecture and teachings by many learned scholars. The recordings that were originally done in audio cassettes and video cassettes are now being digitized, edited, and made available to the users. The Section also provides reprographic services such as photocopying, scanning, and printing services to the scholars and users of the library.

List of Employee in the Multimedia Section

1) Mr. Tenzin Dhonyoe, On Contract, Incharge

- 2) Mr. PaldenTsering, On Contract
- 3) Mr. Dorjee Boom, (Left Job on November 18, 2023)
- 4) Mr. Kalden Gurung, On Contract
- 5) Mrs. Tenzin Kalden, On contract
- 6) Mr. StanzinTonyoe, On Contract
- 7) Mr. Rakesh Gupta, On Daily Wage

6.1 Documentation of Still Images, Audio and Video and LIVE webcast

During the year 2023-2024, the section recorded following academic events of the Institute, which were recorded in video form, edited and added in the library collection and made available for reader/user.

1. 1st April 2023 : Recorded, edited, and exported a glimpse of a video titled workshop for teachers on the topic “Pedagogy of Modern Subject through Dialectics”.
2. 7th April 2023 : Recorded, edited, and exported video titled “Musicorum-2023 Pt. Ravi Shankar”.
3. 12th April 2023 : Recorded, edited, and exported video titled “International Buddhist Confederation G20 2023” (Faculty and staff members of CIHTS watched the inaugural session of a conference arranged at the A.P. Guest House of the Institute).
4. 19th April 2023 : Recorded, edited, and exported video titled “Resource Talk on ‘Effect of Climate Change on Availability of Drinking Water & Its Remedies”.
5. 25th May 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled “Cultural Cum FWD Area Tour: Higher Defence Orientation Course”.
6. 5th May 2023 : Recorded, edited, and exported video titled ‘Budha Jayanti Samaroh’.
7. 21st June 2023 : Recorded, edited, and exported video titled ‘International Yoga Day Celebration’ organized. Recorded, Edited and exported video titled ‘Valedictory Session of International Yoga Day’ organized by CIHTS.
8. 30th June 2023 : Recorded, edited and exported video titled ‘Valedictory Session of International Yoga Day’ organized by CIHTS.
9. 4th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “By Doing Extra, Ordinary People Start Becoming Extra Ordinary” lecture by Shri Hrishikesh Sharan.
10. 6th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “Program on His Holiness the 14th Dalai Lama’s Birthday Celebration”.
11. 15th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “National Seminar on ‘The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutual Cordiality”.
12. 21st July 2023 : Recorded, edited and exported a glimpse of video titled “Kagyur Recitation”.
13. 28th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “Inaugural Session of Summer Camp for Fresher Students of the Institute.
14. 28th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “Introduction on the Four Great Schools of Buddhism and Bon” by Ph.D. Student Dekhang Tashi.

ANNUAL REPORT 2023-2024

15. 28th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “The methods of learning a language and its importance” by Dr. Dawa Sherpa.
16. 28th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “The methods for training in the basics of writing” by Ph.D. Student Lobsang Choedak.
17. 28th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “The way to add annotations related to the way of book reading” by Ph.D. Student Jampa Lhundup.
18. 29th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “Virtual Tour of CIHTS Campus” by Dr. Mahesh Sharma.
19. 29th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “The Methods for Speech Delivery” by Dr. Nyima Tsering.
20. 29th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “How to Write a Students’ Article” by Ph.D. Student Jamyang Dhondup.
21. 29th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “How to practice Buddhism in daily life” by Prof. Wangchug Dorjee Negi (Vice Chancellor, CIHTS).
22. 29th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “How to study regularly” by Ph.D. Student Sonam Dorjee.
23. 30th July 2023 : Recorded, edited and exported video titled “Address to the Members of the Institute Family” by His Excellency Sikyong Mr. Penpa Tsering, CTA.
24. 11th August 2023 : Recorded, edited and exported Video titled “Meri Maati Mera Desh” (Amrit Mahotsav, Govt of India).
25. 5th September 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled “Teachers Day Celebration” organized by IQAC Cell, CIHTS.
26. 6th September-2023 : Recorded, edited, and exported video titled "Art and Culture under the Kashi Sansad- Sankritik Mahotsav".
27. 7th September 2023 : Recorded, edited, and exported video titled “Kashi Sansad: Sankritik Mahotsav”.
28. 10th September 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled “Art and Culture under the Kashi Sansad Sanskritik Mahotsav”.
29. 15th September 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled ‘Prevention and control of Communicable Diseases’.
30. 16th September 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled “Kashi Sansad- Sanskritik Mahotsav”.
31. 16th September 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled ‘Sanskrit Week celebrations’.
32. 27th September 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled ‘Celebration of National Sowa Rigpa Day’.
33. 28th-30th September 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled ‘National Sowa Rigpa Day’.
34. 30th September 2023 : Recorded, edited, and exported video titled “Puraskar Vitran evam Kavi Sammelan” (Samapan Smaroh)”.

35. 4th-16th October 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled “Capacity Building Programme ‘Interdisciplinary Framework for Foundations of Education (Inaugural Session)’ for Young Faculties & Researchers.
36. 26th October 2023 : Recorded, edited, and exported video titled “Prof. Jampa Samten’s message to CIHTS Alumni regarding His Holiness Long Life ceremony”.
37. 5th November 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled “The celebration of the 84th Birthday of the most venerable Kyabje Prof. Samdhong Rinpoche Lobsang Tenzin”.
38. 4th November 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled “Introduction on Life and Activities of Prof. S. Rinpoche on the occasion of the 84th Birthday of the most venerable Kyabje Prof. Samdhong Rinpoche Lobsang Tenzin” by Prof. Jampa Samten.
39. 5th November 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled “Education Day” celebrating the auspicious 84th birthday of His Eminence Prof. Samdhong Rinpoche”.
40. 29th November 2023 : Recorded, edited, and exported video titled “Yuva Sangam (Under Ek Bharat Shrestha Bharat) An Initiative by Government of India to Strengthen People to People Connect Especially Among Youth Across the Nation”.
41. 4th December 2023 : Recorded, edited, and exported a video titled “Assumption of office by Prof. Wangchuk Dorjee Negi as Vice Chancellor of CIHTS, Sarnath, Varanasi”.
42. 4th December 2023 : Recorded, edited, and exported video titled “Welcome ceremony of newly appointed Vice Chancellor Prof. Wangchug Dorjee Negi ji”.
43. 4th December 2023 : Recorded, edited, and exported video titled “Address by Vice Chancellor Prof. Wangchug Dorjee Negi Ji at Felicitation ceremony”.
44. 12th December 2023 : Recorded, edited, and exported video titled “Ph.D. Six Months Report Submit Presentation”.
45. 29th Dec 2023 - 1st Jan 2024 : Videography of teaching and longlife prayer of His Holiness Dalai Lama at Bodhgaya.
46. 1st Jan 2024 : Recorded, edited, and exported a video titled “CIHTS Alumni and Students’ Meet with H.E. Prof. Samdhong Rinpoche” at Bodhgaya. Organized by Alumni Association of CIHTS.
47. 30th January 2024 : Recorded, edited, and exported a video titled “Welcome and felicitation ceremony of Honourable Lok Sabha MP Shri Jamyang Tsering Namgyal”.
48. 17th February 2024 : Recorded, edited, and exported a video titled "Dialectics Workshop and Training for Primary School Students (Opening Ceremony)".
49. 17th February 2024 : Recorded, edited, and exported video titled "Dialectics Workshop and Training for Primary School Students - Speech Delivered by Director of CTE, CIHTS Dr. Himanshu Pandey During the Inaugural Session”.
50. 17th February 2024 : Recorded, edited, and exported a video titled “Dialectics Workshop and Training for Primary School Students - Geshe Lobsang Gyatso’s speech related to dialectics.”

ANNUAL REPORT 2023-2024

51. 17th February 2024 : Recorded, edited, and exported a video titled “Dialectics Workshop and Training for Primary School Students - Speech by Ven. Tenzin Thekchok, Philosophy teacher from Selakui Tibetan Children Village School.”
52. 17th February 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Dialectics Workshop and Training for Primary School Students - Education Director of CTA, Mr. Ngodup Tenpa presents a brief introduction of the programm”.
53. 17th February 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Dialectics Workshop and Training for Primary School Students -Short Speech Delivered by Registrar of the Institute Dr. Sunita Chandra during the Inaugural Session”.
54. 19th-21st Feb 2024 : Recorded, edited, and exported a video titled “Workshop on Development of Competency-based Course curriculum and Syllabus for second professional B.S.R.M.S.”
55. 22nd Feb 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Workshop on Tibetan Mandala in Traditional Painting & Tibetan Woodcraft”.
56. 27th Feb 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Inaugural session of senior students’ winter campaign”.
57. 29th February 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Dialectics Workshop and Training for Primary School Students - Speech by the chief guest, the Honorable VC Professor Wangchuk Dorjee Negi”.
58. 19th February 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Keynote Address by the Chairman of National Commission for Indian System of Medicine (Development of Competency-Based Course Curriculum & Syllabus for Second Professional BSRMS)”.
59. 19th February 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Special Address by the Chief Guest of the Event Director of Institute of Medical Science, BHU (Development of Competency-Based Course Curriculum & Syllabus for Second Professional BSRMS)”.
60. 19th February 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Introductory Remarks by the President of Board of Unani, Siddha & Sowa-Rigpa (Development of Competency-Based Course Curriculum & Syllabus for Second Professional BSRMS)”.
61. 19th February 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Felicitation Address by the Registrar of Central Institute of Higher Tibetan Studies (Development of Competency-Based Course Curriculum & Syllabus for Second Professional BSRMS)”.
62. 19th February 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Hon’ble Vice Chancellor Prof. Wangchuk Dorjee Negi Presenting Falicitation Address (Development of Competency-Based Course Curriculum & Syllabus for Second Professional BSRMS)”.
63. 22nd February 2024 : Recorded, edited, and exported a video titled “Workshop on Tibetan Mandala in Traditional Painting & Tibetan Woodcraft (A Glimpse)”.
64. 29th March 2024 : Recorded, edited, and exported a video titled “Address of His Eminence Prof. Samdhong Rinpoche to the members of the Institute.”

65. 29th March 2024 : Recorded, edited, and exported video titled “Welcome address by Hon. Vice Chancellor Prof. Wangchug Dorjee Negi during the address by His Eminence Prof. Samdhong Rinpoche.”
66. 29th March 2024 : Recorded, edited, and exported a video titled “Vote of thanks by the Registrar Dr. Sunita Chandra during the address of the H.E. Prof. Samdhong Rinpoche.”
67. 30th March 2024 : Recorded, edited, and exported a video titled "His Eminence Professor Samdhong Rinpoche performed the consecration and blessing ceremony 6 for the statues of the Lord Buddha and his five disciples."
68. 31st March 2024 : Recorded, edited, and exported video titled "His Eminence Professor Samdhong Rinpoche graciously performed the Bhoomi Pujan for the construction of a new dining hall called 'Migarmata' for the students."
69. 31st March 2024 : Recorded, edited, and exported video titled "His Eminence Professor Samdhong Rinpoche gave a teaching to the students on the topic 'The Responsibilities and Methods for Students in Fulfilling the Objectives of the Institute' and various student organizations presented books they had published to His Eminence Professor Samdhong Rinpoche."
In addition to the above major events, many lectures and talks delivered by distinguished scholars on various topics in the Institute during the year have also been photographed, recorded, processed and added to the library collections. The section is also documenting the Still Images of every event happening in the Institute for reference and record.

6.2 Digitization of Audio cassette Tapes

During the year, 194 Audio cassettes, bearing 76 Titles of 291 hours had been digitised and saved in MP3 format.

6.3 Digitisation Work of Rare Manuscript & other Documents

1. 24 books containing 7886 pages were scanned during the year
2. Scanned 14 boxes (11139 folios) of Microfiche containing reports on the Buddhist sector by Archaeological Survey of India.

6.4 Online access to the Audio & Video Collection:

1. 257 video files video-graphed and edited by the section were uploaded on the social media online platform YouTube during 2023-2024 and are available for users to watch online at the institute's YouTube channel www.youtube.com/centraluniversityoftibetanstudies
2. 80 video files edited by the section were uploaded on the social media of CIHTS's Facebook page during 2023-2024 and are available for users to watch online
3. Uploaded 396 posts including 48 photo albums of various activities of the Institute during 2023-2024 were publicised by uploading on the social media online platform Facebook www.facebook.com/CIHTS
4. Uploaded 215 posts of various activities of the Institute during 2023-2024 on the social media platform Instagram www.instagram.com/cihts_sarnath/

ANNUAL REPORT 2023-2024

5. 265 tweets of various activities of the Institute and 294 retweeted during 2023-2024 on the social media platform Facebook https://twitter.com/CIHTS_SARNATH

6.5 Readers Services

During the year 2023-2024, the following reader services were provided to the members of the Institute and visitors.

1. Provided copies of still photos to various departments as per their requirement.
2. A total of 26752 pages were photocopied/ printed and 5700 pages were scanned for academic and official purposes.
3. 24 sets of spiral binding were done for official purposes.
4. The section also deals with reprographic services of both physical (hard copy) and digital (soft copy) to the users/ readers on minimal payment. A total amount of ₹62376.00 was collected during the year from the reprographic services such as scanning, printing, photocopies, and duplication of audio-visual documents available in Shantarakshita Library's collection.
5. Provided current awareness services, Consultation, Reference, and reader services.
6. Maintenance of collection and ICT equipment.

6.6 Other Activities

1. In pursuance to office order no. CIHTS/Admn-I/Web.committee/2023 Mr. Tenzin Dhonyoe was deputed as a member of "Publication & Media Cell" of the Institute and was given a responsibility to look after uploading and sharing the post of Institute's activities on the Institute's Social Media platform.
2. With direction from Institute authorities Mr. Kalden Gurung created ID cards for all the students of the Institute and handed over to SWA members in October 2023.
3. Mr. Kalden Gurung took classes for three weeks of graphic design and AV editing using computer program software such as Adobe Photoshop and Premiere Pro for four members of 51st SWA in the month of August to September 2023.
4. Concerning the order no. TU/SA/52/23 Mr. Stanzin Tonyot was deputed as a member of the Audit team for the annual audit of 52nd GSWC from 17th October to 19th October 2023.
5. Concerning the order no. TU/SA/71/2023 Mr. Stanzin Tonyot was deputed as a member of arrangements of boarding and lodging for students of the Institute during the teaching program of His Holiness the Dalai Lama at Bodhgaya from 17th December 2023 to 5th January 2024.
6. Concerning the order TU/SA/58/2024 Mr. Kalden Gurung and Mr. Stanzin Tonyot were an auditor member of the 42nd Mess Management Committee audit for the FY 2023-2024 from 27th Feb 2024 to 6th March 2024.

7. Concerning the office order no. CIHTS/ADMN-1/DR/Acad/HHDL visit/2023 Mr. Tenzin Dhonyoe and Mrs. Tenzin Kalden were deputed to handle the charge of Multimedia projection and Exhibition to be displayed as part of the Institute outreach program during the teaching and long-life prayer of His Holiness the Dalai Lama at Bodh Gaya from 23rd December to 3rd January 2024.
8. Concerning the office order no. CIHTS/Admn-I/Bodhgaya/conf./2023 Mr. Tenzin Dhonyoe, Mr. Palden Tsering, and Mr. Stanzin Tonyot were deputed for the execution of videography and photography during the teaching and long life prayer of His Holiness Dalai Lama at Bodh Gaya from 23rd December to 3rd January 2024.
9. Mr. Tenzin Dhonyoe assisted the Website Development Committee with photography and editing the photos for the Institute website.
10. Mr. Tenzin Dhonyoe and Mr. Kalden Gurung designed and prepared many Digital banners and posters for the Institute's Programs.
11. Input and edited the Final edition of books no 3 to 4 of the Accession Register books of "List of the microfiche and microfilm box in multimedia section with the addition of Tibetan Wylie".
12. Mrs. Tenzin Kalden has been engaged at the circulation desk of the Library from the month of September 2022 and continued to assist till 30th September 2024.

7. Computer Section

List of Employees working in the Computer Section

1. Mr. Nirankar Pandey, On-Contract
2. Mr. Ojas Shandilya, On-Contract
3. Mr. Nand Lal, MTS

Major work undertaken during the April 01, 2023 – March 31, 2024 are underneath: -

1. Conducted CCA/DCA Course – 24 theory & practical classes per week and other tasks related to CCA/DCA course for the academic session 2022-2023 & 2023-2024.
2. Computer Section personnel participated as a resource person in a 15 Days Induction Programme for Sowa-Rigpa Professional First Year for the Academic Year 2023-2025.
3. Managed Campus Wide Network for Internet and allied services.
4. Section handled the Google workspace services for the institute and provides email IDs to the staff and students as per the Email Policy of the institute.
5. Provided Computing facility to the students & members of the Institute.
6. Undertook the job of Word Indexing, Library Database Backup, Client Installation, etc. related to Library Management Software (SLIM).
7. Handled the data management over LIMBS portal and also provided support over the UGC UAM Portal.
8. Maintenance/Management of data on the Institute's website.
(<http://cihts.ac.in>)

9. Maintenance/ Management of CCTV installed in Institute's Campus.
10. Carried out the tasks related to Maintenance of H/W & S/W.
11. Section is actively participated in conducting webinars/ online meetings and effectively handed it.

7.1 Institute's Website Development and Management: -

Institute has a website <http://cihts.ac.in> developed by external agency, which runs in Hindi, English and Tibetan languages separately. The sections look after the domain name renewal, webspace, AMC of the website and related tasks.

7.2 Internet Services:-

Internet connectivity – BSNL provided Fibre connectivity to Institute with nearest NKN (National Knowledge Network) node under NMEICT (National Mission of Education through Information and Communication Technology) supported mainly through the MHRD, New Delhi, continued for Web Access. The Internet Services utilized through the Staff Members as well as students of the Institute in the Library and in other networked Departments of the Institute. Section supported the facility of Internet connectivity and management during the aforementioned year.

7.3 Library Database & Software (SLIM THUMI): -

During the year Computer Section supported and was involved in the installation of client software, word indexing & database backup, and other necessary support related with rectification/removal problems occurring in the operation of SLIM THUMI Library software.

7.4 Google Workspace: -

In the year 2022-23 Google Workspace services were subscribed by the institute. Starting from the implementation of the Google Workspace section has been providing its services, like providing access to different applications provided by the Google Workspace, Google Classroom, Google Meet (for online meetings, conferences, etc.) etc. Section also provided email services to the staff and students of the institute as per the Email Policy of the institute.

7.5 Hardware/Software Maintenance: -

During the year Computer Section supported the Library as well as other Departments/Sections of the Institute in the maintenance and installation of Computer and related Hardware & Software. Further, SLIM THUMI software of the Library were in the annual maintenance contract during the aforesaid year. Furthermore, Computer Section supported the activities of procurement of computer and related items during the year.

7.6 Computer Course: -

The Computer Section has been conducting a "Diploma of Computer Application/Certificate of Computer Application" course for the students since the academic session 2006 -2007. During the period of April 01, 2023 – March 31, 2024, 24 theory and practical classes per week were conducted for the students who joined the CCA/DCA course. Computer section Personnel of

Computer Section took classes for ICT (B.Ed./B.A. B.Ed.) too. Computer personnel also engaged in exam related activities for the course were performed by the section.

7.7 Government Portals:

Data management on following government portals (in context of Institute) was handled by the section and also provided the support accordingly:

1. **LIMBS (Legal Information Management and Briefing System):** Related to the court cases of the institute.
2. **GLIS (Government Land Information System):** Details of land owned by the institute along with satellite map has been updated over the portal.
3. **S.A.P. (Swachchata Action Plan):** Support is provided by the section whenever required.
4. **UGC UAM Portal:** Coordinated with the officials to provide relevant data to UGC University Activity Monitoring Portal.

7.8 Computer Services and Users: -

In addition to regular services of Internet and Computer Course, Section supported the resources for text composing, document printing & WEB-OPAC. Further, Section supported to the users for their problems related to use of Internet, text composing etc. throughout the year. The prominent users are the regular students and staff of the Institute including research students, students from different committees, staff from the other departments and other members of the Institute.

Also, Computer Section actively participates in conducting webinars/online meetings and effectively handles it.

Other Assignments of Library Officials

1. Documentation Officer, Mr. Rajesh Kumar Mishra:-

- I. Supervised the functioning and reporting of all the sections of the library under Library In-Charge.
- II. Worked as Member Secretary of the Book Selection committee and Nodal officer for INFLIBNET services.
- III. Initiated and managed to get the **Samarth eGov Suite** (Beta) - Designed & Developed by University of Delhi as an Initiative by Ministry of Education, Govt. of India.
- IV. Working as Nodal-Officer for SAMARTH e-Gov ERP.
- V. Initiated and managed to get Installed Google Workspace for Education Fundamentals (Free Edition). Managed to create domain name-based email ids of all the Institute members.
- VI. Worked as **Officer in-Charge (Recruitment) since 9.9.2022**. Implemented Samarth Recruitment portal and advertised 37 teaching positions through the portal and initiated the recruitment process for the same.
- VII. Worked as Nodal Officer for RTI On-Line web portal & Suo-Motu Disclosure w.r.t RTI.

ANNUAL REPORT 2023-2024

- VIII. Worked/working as Member of the NAAC Committee, Rajbhasha-karyanvayan Samiti, website development committee, MACP committee and Chairman/Member of some other ad-hock committees of the Institute.
 - IX. 12th May 2023 : Attended a meeting on Website Development & ERP as External Resource person at Jan Nayak Chandrashekhar University, Ballia.
 - X. 16-17 May 2023 : Attended NAAC preparation meeting as External Resource person at Nav Nalanda Mahavihar, Nalanda.
 - XI. Attended Library Fest-2023 organized by Ministry of Culture, GOI at New Delhi.
 - XII. Addressed the participants of Exchange Program and Induction programs of the Institute.
- 2. Mr. Lobsang Wangdu, P.A,** working as member of ‘Staff Quarter Maintenance Committee’ and ‘Annual Report Committee’.
- 3. Mr. Ravikant Pal, P.A.** worked as Member Secretary of the Purchase and Procurement Cell of the Institute, and handed NAD portal and making ABCID of Student.

5. ADMINISTRATION

The Administration of the Institute consists of General Administration, Personnel Administration, Academic Administration, Financial Administration and Publication Unit. The major activities of the administration of the Institute are organized as per the following chart:

VICE-CHANCELLOR					
REGISTRAR					
Administration Section I	Administration Section II	Examination Wing	Maintenance Wing	Accounts Wing	Publication Wing
- Handling & record keeping of all service matters related to all teaching and research staff. - Conferences, Workshops & Seminars - Supervision of Purchase and Procurement service through P&P wing - Correspondence with the UGC - Academic & Research Projects/Proposal Schemes - Correspondence with other Academic Bodies/Regulators - Secretarial support for matters relating to Academics and Research - Other administrative functions	- Handling & record keeping of all service matters related to all non-teaching staff - Personnel policies - Casual labourers - Temporary/ Adhoc engagement for all categories - Service contracts - Legal matters - Correspondence with MOC - Staff canteen - Staff welfare - Security - Transport - Standard forms of ad printing thereof - Miscellaneous administrative matters	- Documentation for conduct of exam - Appointment of Examiners/ moderators - Tabulation - Question papers - Result - Issue of certificates and marksheets - Any other matter related to Examination Wing	- Maintenance and sanitation of campus - Electricity and water - Guest House allotment - Civil and electricity maintenance - Horticulture - Central stores and inventory - Annual Maintenance contracts - Other matters relating general maintenance of Institute	- Budgeting - Auditing - Payment of salaries & wages - Payments of bill and all other financial matters.	- Publication of Research work on Tibetan Buddhism in accordance with the objectives of the Institute - Proof reading of proposed Publication - Sale of Publication

List of Non-Teaching Regular Employees:

S.No.	Name of Employee	Designation	Category
1.	Prof. Wangchug Dorjee Negi	Vice-Chancellor	A
2.	Dr. Sunita Chandra	Registrar	A
3.	Dr. Himanshu Pandey	Dy. Registrar	A
4.	Shri Pramod Singh	Assistant Registrar (Admin.-II)	A

ANNUAL REPORT 2023-2024

5.	Sri Sunil Kumar	Assistant Registrar	A
6.	Sri R.K. Mishra	Documentation Officer	A
7.	Shri Lobsang Wangdu	Professional Assistant	B
8.	Smt. Tenzin Rigsang	Professional Assistant	B
9.	Shri Manoj Kumar Kushwaha	Assistant Engineer (Civil)	B
10.	Shri K.N. Shukla	Section Officer, Account	B
11.	Shri J.P. Vishwakarma	Section Officer, Admin.-I	B
12.	Shri Kapil Dixit	Junior Engineer (Electric)	B
13.	Shri Kunsang Namgyal	Senior Assistant	B
14.	Shri M.L. Singh	Senior Assistant	B
15.	Shri K.N. Singh	Professional Assistant	B
16.	Sri Ravi Kant Pal	Professional Assistant	B
17.	Shri Anand Kumar Singh	Senior Assistant	B
18.	Shri Rajiv Ranjan Singh	Senior Assistant	B
19.	Shri Deepankar	Steno-Typist	C
20.	Shri Pradeep Kumar	Senior Clerk	C
21.	Shri Dorjee Boom	Junior Clerk	C
22.	Shri Raja Ram	Plumber	C
23.	Smt. Meena	Library Attendant	C
24.	Md. Mumtaj	Library Attendant	C
25.	Shri Vijay Kumar Patel	Library Attendant	C
26.	Shri Phoolchand Balmiki	Cook	C
27.	Shri Mishri Lal	Cook	C
28.	Shri Laxman Prasad	MTS	C
29.	Shri Lalman Sharma	MTS	C
30.	Shri Gopal Prasad	MTS	C
31.	Shri Ramesh Kumar Maurya	MTS	C
32.	Shri Ram Kishun	MTS	C
33.	Shri Uma Shanker Maurya	MTS	C
34.	Shri Nirmal Kumar	MTS	C
35.	Shri Vijay Kumar (M)	MTS	C
36.	Shri Mahendra Prasad Yadav	MTS	C
37.	Shri Sanjay Maurya	MTS	C
38.	Shri Munna Lal Patel	MTS	C
39.	Shri Surendra Kumar Verma	MTS	C
40.	Shri Bhaiya Lal	MTS	C
41.	Shri Sumit Balmiki	MTS	C
42.	Shri Shyam Narayan	MTS	C
43.	Shri Hausila Prasad	MTS	C
44.	Shri Subhash Chandra Gautam	MTS	C
45.	Shri Prakash	MTS	C
46.	Shri Virendra Kumar Gaur	MTS	C
47.	Shri Rajendra Prasad	MTS	C
48.	Sri Shiv Bachan Sharma	MTS	C

ADMINISTRATION

49.	Shri Nand Lal	MTS	C
50.	Shri Ganesh Prasad	MTS	C
51.	Shri Om Prakash	MTS	C
52.	Smt. Neelam Devi	MTS	C
53.	Shri Lalman	MTS	C
54.	Shri Ashraf	MTS (Safaiwala)	C
55.	Shri Habib	--do--	C
56.	Shri Pradeep Kumar	--do--	C
57.	Shri Ishrail	--do--.	C
58.	Shri Lala Ram	--do--.	C
59.	Shri Ram Kishan	--do--	C
60.	Shri Nand Lal	--do--	C
61.	Shri Yaseen	--do--	C

List of Non-teaching Contractual/fixed employees

S.N.	Name of Staff	Designation	Contractual /Fixed	Dept./Unit
1.	Dr. Vinod Kumar	Dr. (Part-time)	--do--	Dispensary (Padmasambhav Boys Hostel)
2.	Sri Sarwajit Singh	Lower Division Clerk	--do--	Registrar Office
3.	Sri Nandalal Yadav	M.T.S.	--do--	Library
4.	Sri Narendra Bhardwaj	Office Asst. cum Software maintenance	--do--	Account Section
5.	Ms. Tsering	Office Assistant	--do--	Account Section
6.	Sri Jigmet Olden	Office Assistant	--do--	Account Section
7.	Sri Kunwar Ravi Shanker	Office Assistant	--do--	Exam. Unit
8.	Shri Abhimanyu Bhandari	Office Assistant	--do--	Exam. Unit
9.	Sri Penpa Tsering	Office Assistant	--do--	Exam. Unit
10.	Sri Gopesh Chandra Rai	Office Assistant	--do--	Exam. Unit
11.	Sri Tashi Sithar	To assist in the work of the M.M.C.	--do--	Exam. Unit
12.	Sri Mahesh	MTS	--do--	Maintenance Wing
13.	Sri Chander Pal	Office Attendant (New Delhi)	--do--	New Delhi for DOC/MOC related Institute work
14.	Sri Chandrika	MTS	--do--	Maintenance Wing
15.	Sri Paras	MTS	--do--	SASU

ANNUAL REPORT 2023-2024

16.	Sri Dinesh Yadav	MTS	--do--	Maintenance Wing
17.	Sri Vinod Kumar Singh	MTS	--do--	Maintenance Wing
18.	Sri Virendra Kumar Maurya	Vehicle Driver	--do--	Maintenance Wing
19.	Sri Manish Pal	Vehicle Driver	--do--	Maintenance Wing
20.	Sri Ram Naresh Gupta	MTS (Safai wala)	--do--	SASU
21.	Sri Tenzin Donyoe	Semi Professional Asst.	--do--	Library
22.	Sri Nirankar Pandey	System Manager	--do--	Library
23.	Sri Ojas Shandilya	System Manager		Library
24.	Sri Palden Tsering	Multi media Project work	--do--	Library
25.	Sudhriti Biswas	Office Asst.	--do--	SASU
26.	Sri Chonga Tsering	Casual Worker	--do--	Library
27.	Sri Kalden Gurung	Casual Worker (Multi media)	--do--	Library
28.	Sri Stanzin Tonoyot	Casual Worker (Multi media)	--do--	Library
29.	Sri Nawang Lotso Lama	Casual Worker (Multi media)	--do--	Library
30.	Ms. Tashi Lhamo	Casual Worker (Multi media)	--do--	Library
31.	Smt. Dikky Dolma	Semi Professional Asst.	--do--	Library
32.	Sri Tenzin Chhundak	Semi Professional Asst.	--do--	Library
33.	Smt. Tenzin Kalden	Casual Worker (Multi media)	--do--	Library
34.	Smt. Shivani Tiwari	Office Asst.	--do--	Library
35.	Sri Ashok Kumar	Carpenter	--do--	Library
36.	Sri Anil Kumar Yadav	MTS	--do--	Library
37.	Md. Aslam	MTS (Safai wala)	--do--	SASU
38.	Sri Asgar Ali	MTS (Safai wala)	--do--	--do--
39.	Sri Laturi	MTS (Safai wala)	--do--	--do--
40.	Sri Ramesh Chandra	Office Asst.	--do--	Dictionary Dept.
41.	Sri Chhotelal Yadav	MTS (Vehicle Driver)	--do--	Maintenance Wing
42.	Sri Shahid Ahmad	MTS (Safai wala)	--do--	SASU
43.	Sri Mohit Kumar	MTS (Safai wala)	--do--	--do--

ADMINISTRATION

44.	Sri Amit Kumar Sharma	MTS	--do--	RBTRD
45.	Sri Daya Shanker	MTS	--do--	Publication Unit
46.	Sri Kashmir	MTS (Safai wala)	--do--	SASU
47.	Sri Mohan Yadav	MTS (Watchman)	--do--	Maya Devi Girl's Hostel
48.	Sri Inayat Ali	MTS (Safai wala)	--do--	SASU
49.	Sri Shrawan Kumar	MTS (Safai wala)	--do--	SASU
50.	Sri Mahmood	MTS (Safai wala)	--do--	SASU
51.	Sri Kashi Nath Prajapati	MTS	--do--	Sowa Rigpa Dept.
52.	Sri Lav Kumar Singh	MTS	--do--	--do--
53.	Sri Shiv Shanker Yadav	MTS	--do--	--do--
54.	Sri Brij Mohan Bhardwaj	MTS	--do--	--do--
55.	Sri Subash	MTS	--do--	--do--
56.	Sri V.K. Patil	Pathological	--do--	--do--
57.	Smt. Kelsong Wangmo	Technical Asst./P.A.	--do--	--do--
58.	Dr. Nawang Kunchen	Pharmacopeia Asst.	--do--	--do--
59.	Sri Karma Therchin Gurung	Pharmacy Asst.	--do--	--do--
60.	Sri Gandhen Tashi	Project Associate (Tawang Project)	--do--	--do--
61.	Sri Sangye Wangchuk	MTS (Tawang Project)	--do--	--do--
62.	Sri Sonam Phunstok	Watchman (Tawang Project)	--do--	--do--
63.	Sri Tenzin Chundey	MTS (Tawang Project)	--do--	--do--
64.	Dr. Tsewang Sangmo	R&D Asst.	--do--	--do--
65.	Dr. Sangye Khando	Medical Officer (Therapy wing)	--do--	--do--
66.	Dr. Nyima Samdup Gurung	Medical Officer (Therapy wing)	--do--	--do--
67.	Dr. Wangyal Dorjee Thakuri	Medical Officer (OPD/IPD)	--do--	--do--
68.	Sri Mast Ram	Cashier	--do--	--do--
69.	Sri Yangchen Sangmo	Dispenser	--do--	--do--

The Institute is a Deemed University registered under the Society Registration Act and it receives Grants-in-Aid from the Ministry of Culture, Government of India.

ANNUAL REPORT 2023-2024

There are Society, Board of Governors, Academic Council, Planning and Monitoring Board and Finance Committee. Vice Chancellor is the Principal Executive Officer who is assisted by the Registrar.

Important Bodies of the Institute:

CIHTS Society

It is the apex body of the Institute headed by the Chairman. The Secretary, Ministry of Culture, Govt. of India, is the ex-officio Chairman of the Society. The list is given in Appendix-II.

Board of Governors (BoG)

The BoG of the Institute has the Vice Chancellor as the ex-officio Chairman with the nominees of the Ministry of Culture, Government of India, and His Holiness the Dalai Lama. The list is given in Appendix-III.

Academic Council

The Academic Council of the Institute is the apex authority of the Institute in academic matters. It is headed by the Vice Chancellor. The list of members of the Academic Council is given in Appendix IV.

Finance Committee

For scrutinizing accounts and budget estimates and to make recommendations on financial matters, the Institute has a Finance Committee headed by the Vice Chancellor with nominees from the Ministry of Culture, Government of India. The list of members of the Finance Committee is given in Appendix V.

Planning and Monitoring Board

The list of members of the Planning and Monitoring Board is given in Appendix-VI.

Grants made to the Institute

The administrative and support services at the Institute consists of sections and wings dealing with General and Personnel Administration, Academic Administration, Examination, Maintenance and Accounts and Financial matters. The Institute received the following Grants-in-Aid from the Ministry of Culture, Government of India, during 2023-24 of which the entire grant in the same financial year has been spent in the following manner:

S.No.	Particular	Receipt Grant	Spent	Balance
1.	Grant-in-aid General (31) +Interest earn	₹ 5,80,15,674.00	₹ 4,75,91,827.90	₹ 1,04,23,846.10
2.	Grant-in-aid Capital Creation Assets (35)	₹ 16,20,68,664.00	₹ 12,04,61,906.00	₹ 4,16,06,758.00
3.	Grant-in-aid General Capital Creation Assets (35)	Nil	Nil	Nil

ADMINISTRATION

	(on Project Sowa-Rigpa)			
4.	Grant-in-aid Salary (36)	₹ 30,34,27,079.00	₹ 26,82,26,801.00	₹ 3,52,00,278.00
5.	Grant-in-aid SAP (96-31)	₹ 2,00,000.00	₹ 1,98,720.00	₹ 1,280.00

Publication Unit

Publication Unit of CIHTS publishes research works on Buddhology and Tibetology in accordance with the objectives of the Institute, as one of the principal means for propagating and promoting Buddhism in general and Tibetan studies in particular. Initially, CIHTS had commenced its publishing works with two booklets of seminar papers in 1972 but regular publication work came to commence in 1983 after its establishment as a separate Unit.

The main source of materials for CIHTS publication is the research works of restoration, translation, editing and independent Projects undertaken and duly completed. In addition, it also accepts to publish research works by eminent scholars that meet the standards set by the Institute. Most of the books published so far are of high standard and research value for advanced studies in the field of Tibetan and Buddhist studies.

At present, Publication Unit of CIHTS is publishing books under twelve general series along with a Rare Buddhist Texts Research Journal, that was launched in 1986, and dictionaries together with reference books under the Kosha Series. In year 2012 a new series called “Neyartha–Nitarth Series” has also been added.

Publication Unit Staff

1. Prof. Pema Tenzin Publication In-charge
2. Shri Pema Choeden Assistant Editor
3. Smt. Chime Tsomo Publication Assistant (Senior)
4. Shri S.P. Singh Publication Assistant
5. Dr. Lalit Kumar Negi Publication Assistant
6. (2 Vacant Posts) (1 Editor and 1 Publication Assistant)

The titles of the series are as under:

1. Bibliotheca Indo-Tibetica Series

Edited, Restored and Translated from Tibetan works of ancient Indian scholars of Nalanda and Vikramshila tradition such as Nagarjuna, Chandrakirti, Asanga, Vasubandhu, Shantarakshita, Kamalashila, Dipankar Shrijnana etc. are brought out under this series.

2. The Dalai Lama Tibeto-Indological Series

Works of ancient renowned Tibetan scholars of the four Tibetan Buddhist tradition including Bon tradition are brought out under this series.

3. Samyak Vak Series

A collection of seminar papers is brought out under this series.

4. Samyak Vak Special Series

Important works of late Prof. A. K. Saran have been brought out under this series.

5. Lecture Series

Eminent scholars are invited by the Institute to deliver talks on specific topics and later subsequently published under this series.

6. The Rare Buddhist Texts Series

Rare Buddhist Texts Research Department has a team of scholars working on rare Buddhist manuscripts which mainly relate to Tantra texts. The works of the team are published under this series.

7. Avalokiteshvara Series

A number of teachings of His Holiness the 14th Dalai Lama were translated into Hindi from Tibetan or English, published under this series.

8. Miscellaneous Series

Works, mostly original writings by modern scholars are published at the recommendation of subject experts and the Publication Committee of the Institute and such books are brought out under this series.

9. *Dhiih*: A Rare Buddhist Texts Research Journal

Dhiih is an annual research journal of Rare Buddhist Texts Research Department. This journal includes papers, articles and small edited texts related to tantra. It was started in 1986 and since then it has been regularly published under this series.

10. Kosha Series

The *Tibetan-Sanskrit Dictionary* with sixteen volumes in the first stage, a single volume of *Dharmasamgrah-Kosha* in second stage and in the third stage a single volume of *Concordance of Tibetan and Sanskrit Texts* of this series were brought out.

11. Tibeto-Mongolian Series

A catalogue of Collection of Tibetan Manuscripts and Xylographs “Chos Grwa” compiled by Andrew Bazarov are brought out under this series.

12. Neyartha-Nitartha Series

A new series has been introduced from the year 2012. It is an editing project on Tsongkhapa’s “Neyartha-Nitartha Subhashitsar” in Tibetan under which other commentaries by Tibetan scholars and related texts will be edited and published.

Nature of Works of CIHTS Publications

The nature of CIHTS publications is mainly like what is given in the following, apart from any special publication:

(a) Critically edited scholarly works.

ADMINISTRATION

- (b) Sanskrit restoration of lost Buddhist Sanskrit texts.
- (c) Translations of Buddhist Sanskrit texts and original or commentaries of Tibetan scholars into Hindi/Tibetan/Sanskrit vice-versa.
- (d) Editing seminar papers related to Buddhism and Tibetan studies.
- (e) Original scholarly works in the field of Buddhism, Tibetan studies and related subjects.

Language of CIHTS Publications

CIHTS publications are generally brought out in the following languages, apart from any special circumstances in which a publication may be made in any other language that is not mentioned below:

- (a) Sanskrit language
- (b) Hindi language
- (c) Tibetan language
- (d) Pali language
- (e) English language
- (f) Multi-language (two or more languages mentioned above)

However, the publications brought out so far are mostly of a multi-lingual nature.

Till now CIHTS has published about 264 standard titles under 10 general series.

Dhiih, Journal of Rare Buddhist Texts Research Department, has reached to its 63 volume. The Dictionary Department has so far published 18 volumes under the first of Kosha Series.

Many old publications have gone out of print and some of them were repeatedly reprinted. The Institute is also trying to bring out some revised editions of few titles to meet the demands of scholars, students and general readers interested in advanced studies in Buddhism.

New Publications of the Year

The following new publications were brought out during current academic year:

1. **DHIIH: Volume 63**
2. **Carak Samhita, Vol. 4**, Maharsi Agnivesa (in Sanskrit & Tibetan) Translated into Tibetan and edited by Prof. Lobsang Tenzin & Dr. Dawa Sherpa.
3. **Carak Samhita, Vol. 5**, Maharsi Agnivesa (in Sanskrit & Tibetan) Translated into Tibetan and edited by Prof. Lobsang Tenzin & Dr. Dawa Sherpa.
4. **Carak Samhita, Vol. 6**, Maharsi Agnivesa (in Sanskrit & Tibetan) Translated into Tibetan and edited by Prof. Lobsang Tenzin & Dr. Dawa Sherpa.
5. **Carak Samhita, Vol. 7**, Maharsi Agnivesa (in Sanskrit & Tibetan) Translated into Tibetan and edited by Prof. Lobsang Tenzin & Dr. Dawa Sherpa.
6. **Carak Samhita, Vol. 8**, Maharsi Agnivesa (in Sanskrit & Tibetan) Translated into Tibetan and edited by Prof. Lobsang Tenzin & Dr. Dawa Sherpa.
7. **Carak Samhita, Vol. 9**, Maharsi Agnivesa (in Sanskrit & Tibetan) Translated into Tibetan and edited by Prof. Lobsang Tenzin & Dr. Dawa Sherpa.

8. **Gender and the Soteriology Debate in Buddhism: Is a Female Buddha Possible in Non-Esoteric Buddhism?** (in English) by Dr. Karma Sonam Palmo.
9. The New Tibetan Translation of **The Meghadutam of Kalidasa** (in Sanskrit & Tibetan) Translated & Critically Edited by Dr. Dorjee Kyab.
10. **Sricatuspithamahatantrarajah Vol. I** (in Sanskrit & Tibetan) by Prof. Kameshwarnath Mishra.
11. **Nagananda Natakam Harsa Vardhana** (in Tibetan) Annotated by Geshe Beri Jigme Wangyal.
12. **Arya-Sandhinirmocananamamahayanasutram** (in Tibetan, Sanskrit & Hindi) Restored and Edited by Prof. Pema Tenzin.

Regarding above books, the members of the section complete the processes of computerization, proof reading, revision, editing, formatting, soft and hard camera copies of the Hindi, Sanskrit, English and Tibetan book, preparation of printing works etc.

Besides, a good number of manuscripts are under progress for publication during the next year.

Revenue from the Sales of Publications

By the end of the financial year 2023-2024 the Publication Unit has earned a total revenue of Rs. 7,52,855.00 (seven lakh fifty two thousand eight hundred fifty five only) from the sale of publications during the year.

Exchange of Publications

The published texts of the Institute are being exchanged with national and foreign publications. Under the 'Publication Exchange Programme', we have received several useful publications at the national and the international level. These publications are preserved in Shantarakshita Library from where a number of research scholars are being benefited. Thus, CIHTS publications have reached the international level and have acquired a wide reputation.

The following institutions are currently exchanging our publications:

1. Der Universitat Wien, Austria
2. International Institute for Buddhist Studies, Tokyo, Japan
3. Indica et Tibetica, Verlag, Germany
4. Hamburg Universitat, Hamburg, Germany
5. Drepung Loselling Library Society, Mundgod, Karnataka
6. Gaden Shartse Library, Mundgod, Karnataka
7. Adyar Library and Research Centre, Adyar, Chennai
8. Tibet House, New Delhi
9. I.G.N.A.C., New Delhi
10. Central Institute of Buddhist Studies, Choglamsar, Leh Ladakh. It has been started from the year 2012.

ADMINISTRATION

11. Songtsen Library, Centre for Tibetan and Himalayan Studies, Drikung Kagyu Institute, Kulhan, Sasastradhara Road, Dehradun (UK). It has been started from the year 2014.
12. Sera jey Library & Computer Project, Sera Monastic University, Bylakuppe-571104, Dist. Mysore, Karnataka South India. It has been started from the year 2017.

Besides the exchange of general publications, we also have exchange of a number of international and national journals.

The following are the titles of the journals that are received on basis of exchange:

1. East & West, (Rome, Italy)
2. Harvard Journal of Asiatic Studies (Cambridge, U.S.A.)
3. Dharma World (Tokyo, Japan)
4. Dreloma (Mundgod)
5. Bulletin of Deccan College (Pune)
6. Indian Philosophical Quarterly (University of Pune) Bulletin of Deccan College (Pune)
7. Journal of Oriental Institute (Oriental Institute, Baroda) Indian Philosophical Quarterly (University of Pune)
8. Prachi Jyoti (Kurukshetra University, Haryana) Journal of Oriental Institute (Oriental Institute, Baroda)
9. "Bulletin of Tibetology", (Sikkim Research Institute of Tibetology, Gangtok, Sikkim)
10. "Anviksha", (Jadavpur University, Calcutta)
11. "Shodh Prabha", (Sri Lal Bahadur Shastri National Sanskrit Vidyapeeth, New Delhi)
12. "Annals of the Bandarkar Oriental Research Institute" (Bandarkar Oriental Research Institute, Pune)
13. "Bulletin d' Etudes Indiennes", (Association Francaise, Paris)

Publication Committee

The Institute has constituted a standard Publication Committee including few expert members from outside to consider and recommend the publication of manuscripts submitted by scholars for publication. The Committee also considers and looks after various problems regarding the publications. The Vice Chancellor serves as the Chairperson of the Committee.

Additional Jobs

As usual, the Publication Unit also has undertaken certain extra works such as printing Annual Reports, Journal Bodhiprabh etc. of the Institute, and many other miscellaneous printing works of the various Departments of the Institute.

6. ACTIVITIES

Academic Events and Programmes in the Campus during 2023-24

The Institute has carried out the following academic activities in the academic session 2023-24 :

I. Workshops, Conferences and other Programmes:

V.C. Handover to Prof. W.D. Negi

The charge of Vice Chancellor was officially handed over to Prof. Wangchuk Dorjee Negi by Prof. Geshe Ngawang Samten on 13th April, 2023. This official development took place in pursuance to the letter of Ministry of Culture (BTI Section), New Delhi, dated 11.04.2023, conveying the approval of Hon'ble Culture Minister, directing Prof. Wangchuk Dorjee Negi (Professor Mool Shastra) to be entrusted the additional charge of the post of Vice Chancellor with immediate effect.



Shastrarth (Philosophical Debate)

10 April, 2023 : As part of the wholesome academic development of the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, students across the classes and curricula, participated in 'Shastrartha', the philosophical debate sessions in the Atisha Hall.

Atisha Hall buzzed with intellectual energy as students engaged in vibrant philosophical debate sessions, part of the Institute's educational development initiative. Participants passionately explored profound questions, challenging each other's viewpoints on ethics, existence, and knowledge. Under the guidance of faculty mentors, they honed their critical thinking and public speaking skills, fostering a culture of inquiry and respect. The atmosphere was electric, filled with animated discussions and moments of deep reflection. This event not only enriched the students' academic experience but also strengthened their connections to one another, reinforcing the value of collaborative learning.

**G20 Essay, Debate and Painting Competition**

19 April, 2023 : Under G-20, a debate competition, essay competition and painting competition were organized among the students at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi. As per the decisions of the jury, the students who got first, second and third positions were awarded. The members of the jury were Dr. Anurag Tripathi, Assistant Professor, Hindi, Dr. Suchita Sharma, Assistant Professor, Department of Traditional Tibetan Painting and Dr. Prashant Kumar Maurya, Assistant Professor, Economics.

Initially, an essay writing competition was organized from 10-11.30 am. The first prize was won by Tashi Namange, B.A. B.Ed., 1st year, the second prize was won by Lobsang Phande, B.Ed., 1st year, the third prize was won by Kunchok Dorje, Acharya, 1st year and Dorje Kalzang got consolation prize.

After essay writing, a debate competition was organized from 11.30 to 1.00 pm, in which first prize was won by Namange Khandu, Shastri 1st year, second prize was won by Lobsang Phande, B.Ed., 1st year and third prize was won by Jamba Sange, Shastri 3rd year.

Additionally, a painting competition was organized from 3.00 pm, in which students of Fine Arts department participated. In this painting competition, first prize was bagged by Tashi Dorje, Uttaramadhyama, 1st year, second prize was awarded to Yungdrung Rabte, BFA, 3rd year and third prize went to Sherab Gurmay, BFA, 3rd year.



ANNUAL REPORT 2023-2024

Swachh Bharat Abhiyan

25 April, 2023 : The Institute proudly observed 'Swachh Bharat Abhiyan' demonstrating its commitment to cleanliness and hygiene. Students and faculty gathered for a day dedicated to community service, participating in cleanliness drives around the campus and nearby areas. Armed with gloves and trash bags, they collected litter, raising awareness about the importance of sanitation. Workshops on waste management and sustainable practices were also held, encouraging eco-friendly habits. The event fostered a sense of responsibility and unity among participants, reinforcing the message that a cleaner environment starts with individual actions and collective effort, inspiring a lasting impact on the community.

Yoga Day Celebrations 2023

21 June, 2023 : On the occasion of International Yoga Day, a yoga training camp was organized in two sessions from 18 June to 30 June 2023 under the able leadership of the Institute's sports coach Dr. Tenzin Samphen at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi. The students, employees and their family members participated enthusiastically in this yoga camp. On June 21, International Yoga Day, falling in the middle of the above camp, all the members of both the sessions of the training camp participated in the yoga training session organized in the Atish Auditorium of the Institute along with the Registrar of the Institute, Dr. Sunita Chandra.

On this occasion, a large number of students of the Institute along with the staff and employees of various offices of the Institute and their family members were present.



Motivation Talk by Shri Hrishikesh Sharan

4 July, 2023 : The Central Institute of Higher Tibetan Studies hosted a lecture organized by the IQAC, featuring Shri Hrishikesh Sharan, a retired IRS officer, writer, and speaker. His insightful presentation, titled "By Doing Extra, Ordinary People Start Becoming Extraordinary," emphasized the importance of core values in enhancing institutional quality. Drawing from his own extensive experience, he outlined practical measures to foster improvement in academic and administrative functions. The event took place in the Atisha Hall and was well-attended by teaching faculty, research scholars, department heads, staff, and students. Shri Sharan's engaging lecture inspired attendees to adopt a proactive approach in their respective roles, promoting a culture of excellence and continuous growth within

ACTIVITIES

the institution. The session concluded with an interactive Q&A, enriching the overall experience.

The Buddhist Value System in the Indian Civilization and Mutual Cordiality – A Seminar

15 July, 2023 : A seminar on 'Buddhist Lifestyle and Mutual Harmony in Indian Civilization' was organized under the joint aegis of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi and International Centre for Cultural Studies. Speaking on this occasion, the chief guest of the program, Bhikkhu Revat Mahathero, Chief Sangh Nayak, Mahabodhi Society of India said that the Panchsheel has been the tradition of the ancient Indian Aryans, which has been adopted by Buddhism. Buddhism has a prominent place in Indian civilization; a person should always emphasize the values of compassion, friendship, kindness and humanity. With the message of Buddha, peace is possible in the world instead of war, only through non-violence can friendship be established in the whole world, this is also the message of His Holiness the Dalai Lama.

While presiding over the seminar, the Vice Chancellor of the Institute, Prof. Wangchug Dorje Negi said that Buddhism is the pride of Indian culture. It is simple, understandable and popular, which attracts people due to its emotional elements and moral code. Only through the Buddhist principles of compassion, non-violence and truth can mutual harmony be established throughout the world. Prof. Angaraj Chaudhary of Nava Nalanda Mahavihara University underlined the importance of practicing Buddhist values like Pratityasamutpada and Vipassana. Guest of honour, Prof. Anand Kumar of Jawaharlal Nehru University, New Delhi, emphasized on how greed and fear control our lives and how we should follow the values of non-violence, friendship and compassion towards all. Conveners of the seminar Prof. Amarjeev Lochan and Prof. Harikesh Singh also expressed their views. The objectives of the seminar were introduced by Geshe Dorje Damdul, Director, Tibet House, New Delhi, while Dr. Sunita Chandra, Registrar of the Institute welcomed all the participants.



Akhil Bhartiya Shiksha Samagam

29 July, 2023 : With reference to the letter received from the University Grants Commission, and as per the instructions of the competent authority, the teachers, staffs and students of the institute gathered in Atisha Hall at 10.00 AM, on 29th

ANNUAL REPORT 2023-2024

July, 2024 and watched the live webcast of the inaugural address delivered by Honorable Prime Minister Shri Narendra Modi at the Akhil Bhartiya Shiksha Samagam.



Independence Day

15 August, 2023 : On the auspicious occasion of the 77th Independence Day, 15th August 2023, at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi, the atmosphere was filled with the chanting of 'Bharat Mata Ki Jai' by the students under the leadership of Vice Chancellor Professor Wangchuk Dorjee Negi and Registrar Dr. Sunita Chandra.

At 9 am, after hoisting the flag, the Vice Chancellor of the Institute, Prof. Wangchuk Dorje Negi addressed the Institute family and said that Independence Day is celebrated every year in India with immense joy and enthusiasm.



A cultural program was organized in the institute. Everyone was overwhelmed by listening to the patriotic song. At the end of the program, the Registrar of the institute, Dr. Sunita Chandra, while expressing her views, said that this is not just a national festival but it is a day to walk on the path of auspiciousness with the sweet memories of the past, pleasant joy of the present and bright hopes of the future, this day is also a true tribute to those brave sons who sacrificed everything

ACTIVITIES

to free this country from the British rule. On the said occasion, all the teachers, administrative officers, students of the institute family were present with pride.

Teachers Day Celebration

5 September, 2023 : The Institute held vibrant Teacher's Day celebrations in Atisha Hall, commemorating the birth anniversary of Dr. Sarvepalli Radhakrishnan, a distinguished philosopher and educator. The event began with an opening address that highlighted Radhakrishnan's contributions to education and his vision for learning.

Students organized a series of engaging performances, including skits and musical tributes, celebrating the pivotal role teachers play in shaping young minds. The highlight of the day was the awards ceremony, where dedicated teachers were recognized for their exceptional contributions and unwavering commitment to education.

As students shared heartfelt messages of gratitude, the atmosphere was filled with admiration and respect. The celebration concluded with a collective pledge to honor the values instilled by educators and to strive for excellence in learning. This memorable event not only honored Radhakrishnan's legacy but also reinforced the Institute's commitment to valuing and supporting its educators.



Kashi Sansad Sanskritik Mahotsav

6 September, 2023 : A singing, playing and dancing competition was organized under the 'Kashi Sansad Sanskritik Mahotsav' at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi. About 100 students of the institute participated in the competition. The chief guest was Shri Jawahar Lal Srivastava, ADM of Varanasi. Expressing his views, the Deputy Registrar of the Institute, Dr. Himanshu Pandey said that the objective of the festival is to provide opportunities to the youth and to preserve and propagate the rich cultural traditions of Kashi. The great musicians of Kashi have waved the flag of Indian culture all over the world with their art. The program was presided over by Prof. Dharmadatt Chaturvedi, Chairman of the Shabd Vidya Faculty of the Institute. While blessing the students, he expressed his views and said that the participants have given a beautiful presentation of Himalayan culture and folk art. The program was conducted by Dr. Anurag Tripathi and welcomed by Dr. Suchita Sharma, while Dr. Prashant Kumar Maurya delivered the vote of thanks. Sarnath Ward Councillor, Shri Abhay Pandey also expressed his views. Experts in classical singing and dance of Banaras Gharana, Mr. Ashish Mishra and Mr. Pawan Mishra were present as

ANNUAL REPORT 2023-2024

jury members and Student Welfare Chairman Dr. Nawang Tenphel, Dr. Ravi Ranjan Dwivedi, Dr. Uma Shankar Sharma, Dr. Saurabh Dubey and Dr. Pappu Kumar were also present.



10 September, 2023 : Under the 'Kashi Sansad Sanskritik Mahotsav 2023, on the third day of the Inter-University competition, a dance competition was organized at the Atisha Auditorium of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi.

The purpose of the festival is to discover the hidden genres and enhance their art. Kashi is a mini India in itself, and the culture and art of the whole country including Tibetan, Bhutanese, Nepalese, is contained here. Through its performances in singing, dancing or arts in general, Kashi has been endowed with respect from all over the country. Artists of Kashi have also received many awards and honors like Padma and Bharat Ratna. The above mentioned views were expressed by Shri Ravindra Jaiswal, Minister of State (Independent Charge) for Stamp and Court Fee and Registration, Uttar Pradesh, as the chief guest in the program of dance competition.

As a special guest, Additional District and Sessions Judge, Abhay Krishna Tiwari said that this festival is for the discovery of talent and art, which will strengthen our culture, and coordination of different cultures will be established.

In the dance genre, two dozen contestants from Sampurnanand Sanskrit University, Varanasi, BHU, Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth and Central Higher Tibetan Institute, Sarnath respectively made the entire auditorium resonate with their dance (Kathak, Bharatnatyam, Odissi, Garwa, street play, folk dance, Tibetan dance).

In the said competition, the entire program was conducted by Dr. Shubhra Verma, Dr. Anurag Tripathi and Dr. Suchita Sharma and the vote of thanks was given by Dr. Prashant Kumar Maurya. Dr. Shruti Shaswat Upadhyay, Dr. Abhijit Chakraborty, Dr. Jigme Mingyur, Dr. Amrit were present as judges.



Sanskrit Week Celebrations

16 September, 2023 : Sanskrit Week was duly celebrated at the Institute from 16th September onwards. Prof. Wangchuk Dorjee Negi, Honorable Vice-Chancellor, CIHTS, Prof. Biharilal Sharma, Vice-Chancellor, Sampurnananda Sanskrit University, Prof. Bhagavat Sharan Shukla, Dept. of Vyakaran, BHU, Dr. Sunita Chandra, Registrar, CIHTS, graced the occasion. Prof. Dharmadatta Chaturvedi, Sanskrit Department, CIHTS conducted the programme and welcomed all the scholars and poets by laying garlands on them.

The winners of the verse recitation competition and the students who won the classroom Sanskrit talent test were awarded certificates and the winners of the first, second and third positions received prizes. At the end of the programme, Dr. Sunita Chandra, Registrar of the Institute, thanked all the scholars and students.



Sowa Rigpa Day Celebration

27 September, 2023 : The Sowa Rigpa Day celebrations at the Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, was a vibrant event highlighting the rich heritage of traditional Tibetan medicine. Dr. Tashi Dawa, Head of the Sowa Rigpa Department, delivered an informative talk detailing the innovative treatment methods utilized at Yuthog Sowa Rigpa Hospital. He elaborated on various diseases treated at the facility, including chronic ailments like arthritis, respiratory issues,

ANNUAL REPORT 2023-2024

and digestive disorders. Dr. Dawa emphasized the hospital's holistic approach, which combines herbal remedies, dietary guidance, and therapeutic practices to promote overall well-being.

Following his presentation, an engaging conversation took place between Dr. Tashi Dawa and Dr. Shabnam, Founder and President of Kashi Kala Kasturi. The celebration not only underscored the significance of Sowa Rigpa but also fostered a deeper understanding of its applications in today's medical landscape, encouraging attendees to appreciate and promote this invaluable tradition.



ICSSR Sponsored Capacity Building Programme

4-16 October, 2023 : The Centre for Teacher Education, CIHTS, organized a 14-day Capacity Building Programme in Higher Education sponsored by the Indian Council of Social Science Research, New Delhi. In the inaugural session of the programme, the Chief Guest, Professor Avinash Chandra Pandey, Director, Inter University Accelerator Centre, New Delhi said that there is a need to develop a new vision in the field of knowledge. It is the responsibility of the teacher to develop the capacity of independence in the students. The basic duty of the teacher is to develop knowledge equally in all.



ACTIVITIES

Special Guest Professor Balram Pani, Dean of Colleges, Delhi University, New Delhi and Professor Anupam Nema ji from Institute of Agricultural Sciences, Banaras Hindu University also expressed their views. The programme was conducted by Dr. Huma Qayum and the guests were welcomed by Dr. Himanshu Pandey. The programme was presided over by the Vice Chancellor of the Institute, Prof. Wangchug Dorje Negi and the vote of thanks was given by the Registrar of the Institute, Dr. Sunita Chandra.

Vigilance Awareness Campaign

30 Oct. - 5 Nov. 2023 : During the Vigilance Awareness Campaign, held from 16th August 2023 to 15th November 2023 and Vigilance Awareness Week from 30th October 2023 to 5th November 2023, various preventive and anti-corruption related activities were held.

Several PIDPI standees in Hindi and English were displayed in the five main offices of the CIHTS campus. Anti-corruption slogans were displayed on website & other social media platforms. An Essay writing competition was held on 20th September 2023 among students. Vigilance oath taken ceremony took place with all the staffs on 30th October 2023 in Atisha Hall, aimed at promoting integrity and transparency within the Institute. Faculty and students gathered to reaffirm their commitment to ethical conduct and anti-corruption measures.

A Quiz competition was held on 3rd November 2023 among staff & students. Apart from this, a Poster making competition on anti-corruption was held on 1st November 2023 among the students of the Fine Arts Department. Also, a Debate on anti-corruption was organized on 2nd November 2023 among staffs. The Prize distribution ceremony was held on 9th November 2023 and certificates were distributed to all the winners. The ceremony was presided over by the Honorable VC, Registrar, Deputy Registrar and seniors of the Institute.



V.C. Appointment Prof. W.D. Negi

4 December, 2023 : The Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) extended its heartiest congratulations to Professor Ven. Wangchuk Dorjee Negi on his appointment as Vice-Chancellor by the Ministry of Culture, Government of India, for a five-year term. This esteemed position reflects Prof. Negi's dedication to

academic excellence and his profound understanding of Tibetan culture and education.

CIHTS is confident that under his leadership, the Institute will continue to advance its vision, mission, and core values, promoting the rich heritage of Tibetan studies. We collectively pray for smooth and fruitful years ahead, where innovative projects and initiatives can flourish, enriching both students and the broader community. Prof. Negi's commitment to fostering an inclusive and dynamic academic environment is sure to inspire collaboration and growth. As we embark on this new chapter, CIHTS looks forward to witnessing transformative developments and furthering its role in preserving and promoting Tibetan culture and knowledge.



Laying Down the Vision in a Press Conference

4 December, 2023 : The newly appointed Vice Chancellor, Prof. Wangchuk Dorjee Negi held a press conference shortly after assuming his position. Addressing members of the media, he outlined his vision for the Institute, emphasizing academic excellence, innovation, and community engagement. Prof. Negi expressed his commitment to fostering an inclusive environment that nurtures both students and faculty. He also highlighted plans for new initiatives aimed at enhancing research and collaboration within the academic community. The press conference served as a platform for open dialogue, allowing journalists to pose questions and engage with the Vice Chancellor on pressing educational issues.



Six Monthly Progress Report Seminar organized by R&D Cell

14-16 December, 2024 : The Research and Development Cell, CIHTS organized a one-week long Progress Report Seminar. All the registered Ph.D. scholars made presentations in front of the R&D Cell according to the prescribed format. Before their presentations, the research scholars submitted the new progress reports and PPTs respectively. All the Deans and Department Heads were present, along with the Director, R&D Cell, and the respective members.

The Coordinator, Research & Development Cell, Dr. Mahesh Sharma welcomed all the dignitaries and research scholars and laid out the importance of the event with respect to the timely qualitative assessments of a scholar's research activity. On this occasion of the conference, the dignitaries graced the event by releasing the Research Scholars Handbook. The Presidential remarks were delivered by Director, Prof. Wangchuk Dorjee Negi. Dean, Research, Prof. Jampa Samten presented his remarks, while Deputy Registrar, Dr. Himashu Pandey, delivered the vote of thanks.

H.H. the Dalai Lama Long Life Offering at Bodh Gaya

1 January, 2024 : On the special occasion of "Long Life Offerings and Prayers for His Holiness the 14th Dalai Lama" held in Bodh Gaya, Bihar, the event brought together numerous devotees and well-wishers in a spirit of gratitude and reverence. The gathering featured a variety of enriching activities designed to celebrate and promote Tibetan culture and education.

A notable highlight was the book exhibition, showcasing a diverse array of publications from the Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) in Sarnath, Varanasi. This exhibition provided attendees with insights into Tibetan literature and scholarship, emphasizing the Institute's commitment to preserving and disseminating Tibetan knowledge.

In addition, the display featured works authored, edited, restored, and translated by CIHTS alumni, illustrating their significant contributions to Tibetan studies. A multimedia projection chronicled the history of CIHTS, allowing attendees to appreciate its journey and impact over the years.

Furthermore, the Sowa-Rigpa student council of the Institute organized a free medical camp, reflecting the community's dedication to holistic well-being. This initiative offered essential health services, underscoring the importance of health alongside spiritual pursuits.

The combination of these events created a vibrant atmosphere, fostering a sense of community and devotion. As participants engaged in meaningful activities, they reaffirmed their commitment to the teachings of His Holiness the Dalai Lama, ensuring the continued flourishing of Tibetan culture and knowledge.

Five College Consortium, MA, USA – 31st International Exchange Program 2023-2024

29th Dec. 2023 to 21st Jan. 2024 : The 31st Exchange Program between CIHTS, Sarnath and Five College Consortium (Smith College, Hampshire College, Amherst College, Mount Holyoke College, University of Massachusetts), MA, U.S.A, was held in the campus from 29th Dec. 2023 to 21st Jan. 2024. The group comprising twelve students (7 from Smith and 5 from Amherst) was led by Prof. William Edelglass, Smith College. An intensive program spending an interterm in India, the students

ANNUAL REPORT 2023-2024

study Buddhist philosophy, Tibetan history & culture and Tibetan textual analysis with traditional Buddhist teachers. The two main Buddhist Philosophical treatises studied during the course of the three-week program were Acharya Chandrakirti's Madhyamakavatara and Acharya Shantideva's Bodhicharyavatara.

Besides the 12 lecture seminars on each of these two texts, there were ancillary lectures on Tibetan Culture and History, Tibetan Art, Tibetan Medicine and Astrology etc. The students were taken on tour of historical monuments and temples in and around Sarnath, Varanasi and also a weekend trip to Bodh Gaya, Nalanda and Rajgir. During the group's stay in Bodh Gaya, the group got a rare opportunity to see and receive blessings from His Holiness the Dalai Lama who was in Bodh Gaya at that time. This was indeed a lifetime experience for the visiting faculty and students to cherish throughout their lives. As a part of the exchange program, Prof. William Edelglass, Smith College taught Research Methodology & Academic Writing to Ph.D. students of the Institute in coordination with the Institute's Research & Development Cell.



Celebration of 75th Republic Day

26 January, 2024 : The Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS) celebrated the 75th Republic Day with great enthusiasm. Vice Chancellor Prof. Wangchuk Dorjee Negi addressed the gathering, emphasizing the significance of this historic occasion in fostering unity and patriotism among citizens. He highlighted the values of democracy, justice, and equality enshrined in the Indian Constitution. Prof. Negi encouraged students and faculty to embody these principles in their academic and personal lives. The event concluded with cultural performances, showcasing the rich tapestry of Indian heritage and promoting a spirit of togetherness and national pride within the CIHTS community.

Kashi Sansad Gyan Pratiyogita

27 January, 2024 : Kashi, the cultural city of India, the capital of all knowledge, has been guiding the whole world in education, literature, religion, music, culture and other fields for centuries. Under the inspiration and guidance of the Honorable Prime Minister Shri Narendra Modi, the district administration organized a grand 'Kashi Sansad Gyan' competition in Varanasi with the aim of preserving the

ACTIVITIES

greatness of Kashi and its great history and making the future generation aware of it. The said competition was hence organized among the students of the institute on 27 January 2024, in which more than 100 students participated. Chhering Tashi from the Faculty of Theology and Spirituality, Sonam Tashi from the Teacher Training Center and Padma Angmo from the Sowa-Rigpa Faculty got the first position.

The event was organized under the guidance of the Institute's 'Kashi Sansad Gyan Pratiyogita' nodal officer, Dr. Suchita Sharma and committee members Dr. Nawang Tenphel, Dr. Anurag Tripathi, Dr. Prashant Kumar Maurya and Dr. Raviranjana Dwivedi.

Workshop on Bystander Intervention Against Gender Based Violence

27-28 January, 2024 : Tibetan Centre for Human Rights and Democracy, Dharamsala and the Internal Complaints Committee, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath jointly organized a workshop on "Bystander Intervention Against Gender Based Violence" at the Seminar Hall, A.P. Guest House of the Institute. Thirty students from the Institute participated in the workshop; a few Tibetan students studying in Banaras Hindu University and Amity University also joined the Workshop.

Resource persons for the Workshop comprised Ms. Tenzin Dawa, Director, TCHRD, Dharamsala, Ms. Rasika Sundaram, Imaara Foundation, Chennai, Ms. Jamyang Lhamo, Project Officer and Ms. Aparimita Pratap, MAP CFC Fellow, Migration and Asylum Project, New Delhi. The Hon'ble Vice Chancellor and Registrar of the Institute graced the inaugural and concluding sessions of the Workshop.



Conference on Implementation of NEP 2020

2nd February, 2024 : Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi, represented by a four-member team (Prof. W.D. Negi, Vice Chancellor, Dr. Sunita Chandra, Registrar, Dr. Mahesh Sharma, Coordinator-IQAC, Dr. Tenzin Nyima (Vidya Kumar) Assistant Professor) attended the Central Zone Vice-Chancellors' Conference on "Implementation of NEP 2020" organised by UGC in collaboration with the lead coordinator of the Central Zone at Vikram University, Madhav Bhawan, University Road, Madhya Pradesh.

Workshop on Dialectical Debate Skills for Students

17 to 29 February, 2024 : A "Workshop on Dialectical Debate Skills for Students," was organized by CIHTS in collaboration with the Department of Education, CTA, Dharamsala. In the inaugural session, where all the faculties, staff, and students of the Institute were present, the Vice Chancellor, Prof. W. D. Negi, addressed the participants, emphasizing the importance of dialectical thinking in fostering critical analysis and effective communication. He encouraged students to engage deeply with diverse perspectives, promoting intellectual curiosity and respectful discourse.



The Registrar, Dr. Sunita Chandra also shared her insights, highlighting how debate skills can enhance academic and personal growth. She underscored the role of such workshops in preparing students for real-world challenges, equipping them with the tools necessary for constructive dialogue.

The workshop's aim was to cultivate a culture of debate among students, empowering them to articulate their thoughts clearly and confidently. All the participants eagerly looked forward to enriching discussions and skill-building exercises throughout the program.

Workshop on “Development of Competency Based Course Curriculum & Syllabus” for Second Professionals BSRMS

19-21 February, 2024 : A “Workshop on Development of Competency Based Course Curriculum and Syllabus for Second Professional B.S.R.M.S” was organized by the Board of Unani, Siddha and Sowa-Rigpa, National Commission for Indian System of Medicine at Central Institute of Higher Tibetan Studies from 19th February to 21st February 2024.

Respected Registrar of the institute, Dr. Sunita Chandra delivered her felicitation address at the inaugural session of the workshop. The hon'ble chief guest of the event, Prof. S. N. Shankhwar, Director of the Institute of Medical Sciences, BHU delivered his special address at the inaugural session. The Chairman of NCISM, Govt. of India, Dr. Jayant Deopujari delivered his keynote address. The President of the Board of Unani, Siddha and Sowa-Rigpa presented his Introductory remarks.

ACTIVITIES

Afterwards, Hon'ble Vice Chancellor, Prof. Wangchuk Dorjee Negi presented his felicitation address at the inaugural session, where he emphasized the importance of aligning educational programs with industry needs, fostering student engagement, and enhancing learning outcomes for a more effective educational experience.



Thangka (Mandala) Painting Workshop

22 February, 2024 : The Department of Traditional Painting, Central Institute of Higher Tibetan Studies organized a workshop on 'Thangka' (Mandala) Painting from 22 February, 2024 to 4 March, 2024. Ven. Lobsang Lhondup of Dharamshala, Himachal Pradesh trained the students in the workshop. In the opening session of the workshop, the Vice Chancellor of the Institute, Prof. Wangchug Dorje Negi, while addressing the students, said that the Tibetan Thangka Mandala is a sacred art form in Tibetan Buddhism, which is often used for meditation and spiritual practices. The Mandala is a geometric representation of the universe and the enlightened mind, which symbolizes the interconnectedness of all things. Dr. Dorje Damdul, Dean of the Faculty of Traditional Painting, Dr. Suchita Sharma, Head of the Department of Traditional Painting, Shri Kunga Nyingpo, Lobsang Sherab, Dorje Chopel, Chhering Sandup and students were present at the inaugural ceremony.

Tibetan Woodcraft Workshop

22 February, 2024 : The Department of Traditional Woodcraft, Central Institute of Higher Tibetan Studies organized a workshop on Tibetan Woodcraft from 22 February, 2024 to 4 March, 2024. Shri Karma Yeshe from Dharamshala, Himachal Pradesh trained the students in the workshop. Addressing the inaugural ceremony of the workshop, the Honorable Vice Chancellor said that Tibetan woodcraft is a rich and living tradition, which expresses the cultural and spiritual essence of Tibetan culture. It is rooted in centuries-old craftsmanship. Dr. Dorje Damdul, Dean of the Faculty of Traditional Painting, Dr. Suchita Sharma, Head of the Department of Traditional Painting, Mr. Kunga Nyingpo,

ANNUAL REPORT 2023-2024

Lobsang Sherab, Dorje Chofel, Tsering Samdup and students were present in the inauguration ceremony.

A seven-day special lecture series on the subject of 'Hindi Grammar and Literature'

4-12 March, 2024 : A seven-day special lecture series on the subject of 'Hindi Grammar and Literature' was organized by the Department of Classical and Modern Languages (Hindi). Dr. Ramsudhar Singh, Dr. Avinash Kumar Singh, Prof. Shraddha Singh, Prof. Awadhesh Pradhan, Prof. Satyapal Sharma, Prof. Shraddhanand and Prof. Baburam Tripathi delivered lectures on various topics such as the history of Hindi literature, devotional poetry and human love, words and sentence ideas, Hindi novels and Buddhism, Modern Hindi poetry, punctuation marks and gender and number.

Launch of the Institute's New Trilingual Website and Official Language Magazine 'Bodhiprabh'

29 March, 2024 : The Institute's new trilingual website, which was prepared in Hindi, English and Tibetan languages, and the Institute's official language magazine 'Bodhiprabh' were launched by the renowned educationist and Buddhist philosophy scholar, Prof. Samdong Rinpoche. Addressing the Institute family in the Atish Auditorium, Prof. Rinpoche said that this Institute is a unique organization which is different from other educational institutions. The preservation and promotion of Tibetan knowledge and Buddhist tradition of Nalanda origin has been at the center of the establishment of this Institute. This tradition includes Buddhist philosophy, logic, 'Pramana' and sadhana-process as well as other significant knowledge systems such as medical science, art, astrology, literature, poetry. He also remarked that at present, one of the special reasons of hope is that the Official Language Section of the Institute is sincerely working towards the widespread promotion of the official language and to fulfil this objective, 'Bodhiprabha' is being published every year.

Consecration of Buddha's First Sermon Replicas at CIHTS

30 March, 2024 : The Institute gathered for the esteemed and significant consecration ceremony, marking a momentous occasion in the revered history of CIHTS. Members of the Institute, including faculty, students, and staff, participated in morning prayers near Nalanda Bhawan, creating an atmosphere of reverence and unity.

Following the prayers, the highlight of the day was the installation of the statues of Lord Buddha Shakyamuni Delivering His First Sermon, alongside his five disciples, on the Institute campus. This installation symbolizes the profound teachings of Buddhism and the commitment of the Institute to promote spiritual and academic growth. The event was attended by esteemed guests and local dignitaries, who shared their insights on the significance of Buddha's teachings in today's world.

As the statues were unveiled, attendees expressed their hopes for the Institute to be a beacon of wisdom and compassion. This ceremony not only celebrated the rich heritage of Buddhism but also reinforced the Institute's dedication to fostering a culture of understanding, dialogue, and enlightenment among its community members.

Followed by the consecration ceremony, the entire CIHTS family, comprising the staffs and students was present in attendance for the 'Bhumi Pujan' ceremony for

ACTIVITIES

the construction of the 'Mrigarmata Bhojnalaya' (the new Mess), behind Padmasambhava Hostel.

Alumni Association of CIHTS 2023-2024

31st December, 2023 to 2nd January, 2024 : Organised fifth Congregation of CIHTS Alumni at Bodh Gaya, Bihar. About 200 alumni of CIHTS from various parts of the world attended the congregation and actively participated in the following activities.

- A.** On this occasion, grand ceremony of 'Long-Live Prayer Offering' (Tenshug) to the H.H. the Dalai Lama was organised jointly by the CIHTS and Alumni Association of CIHTS. The Long-Live Prayer/Offering (Tenshug) to the H.H. the Dalai Lama is an important religious practice for the Longevity of the life of H.H. the Dalai Lama in Tibetan Buddhist tradition. About one lakh people following the teachings of H.H. the Dalai Lama, participated in the Tenshug Offering Puja. All the financial expenses for the said Tenshug offering were taken care by the financial contributions received from the Staffs and Alumni of CIHTS.



CIHTS Alumni & Students with Offerings of Holy Scriptures and other items.



Offering Silver Mandala to H.H. the Dalai Lama.

- B.** 1st January, 2024 : Organised CIHTS Alumni & Student's Meet with Professor Samdhong Rinpoche. The President of CIHTS Alumni Association briefed the programs of 5th congregation of CIHTS Alumni and presented a copy of "A Report of the Brief History and Achievements of Central Institute of Higher Tibetan Studies from its inception in 1967 to 2023" and "List of Books & Research Papers Authored, Edited, Restored and translated by the Alumni of Central Institute of Higher Tibetan Studies" compiled by the 5th Executive members of the CIHTS Alumni Association.



CIHTS Alumni & Student's Meet with H.E. Professor Samdhong Rinpoche at Bodh Gaya



CIHTS Alumni & Student's Meet with H.E. Professor Samdhong Rinpoche.

- ༩༩། ཁྱི་མོ་ ༡༩༩༡ ནང་ལུ་ཁྱི་མོ་ལོངས་ལུ་ཡུལ་མ་གོན་ཚུ་དང་ལུ་ཡེན་བཅུ་
མཁི་བ་ཚུ་ལོ་མ་ཚེ་བ་ནུམ་ལྷ་རྩ་ཆ་ལྷི་དུལུམ་ཤོད་ཀྱི་ཆེས་མ་མེད་གཞུང་ལག་
ཚུ་བ་གཞིར་ཁང་གསར་པ་ལྟོན་ལ་ཁྱད་ལ་རྩམ་
ཁྱི་མོ་ ༢༠༡༡ ལང་ཁྱི་མོ་རྒྱལ་ལྷན་པོ་
- ༡༠༡༩
- ནུ་ཆ་ཚུ་བ་དྲུང་ཆོག་མ་ཡི་རྒྱལ་མ་ལུ་ཡི་རྒྱལ་ལམ་ལྷན་ཆོག་མ་ནས་ཤོག་མ་ལྷི་བ་ཆུང་།

B. Compiled “*List of Books & Research Papers Authored, Edited, Restored and translated by the Alumni of Central Institute of Higher Tibetan Studies.*” (ལྷ་རྩ་ཏི་སྤྱི་དབུས་ཤོད་ཀྱི་གཙུག་ལག་སློབ་གཉེར་ཁང་གི་སློབ་མཉམས་ཀྱིས་འབྲི་ཚུལ། བསྐྱར་གསོ། བྱེད་ཀྱི་དང་མཁ་བསྐྱར་གནང་བའི་དཔེ་དེབ་དང་དབུད་ཚུལ་སྟོན་ལྟར།)

C. Teachings & Lectures of Prof. Samdhong Rinpoche delivered in last over five decades are preserved in Audio & Video format, but, they are scattered all over the world. These teachings and lectures of Prof. S. Rinpoche is a ‘mini-compact Encyclopaedia of Buddhist and Tibetan Studies’. Keeping in view the increasing demands and interest in Prof. Rinpoche’s Teaching & Lectures, we have taken the task of collecting all the Teaching & Lectures available in audio & video format. We are happy to present the interested students, alumni and academicians, the largest of collections of Prof. S. Rinpoche’s Teaching preserved in Samsung SSD 10TB.

A Teachings & Lectures on Buddhism and Buddhist Philosophy (ནང་དོན་རིག་པའི་ཆོས་
སྐོར་དེ་སྟོན་དང་གཞུང་ཆན་གྱི་འཆད་ཁྲིད།)

B Lectures on Education Policy of Central Tibetan Administration (ཤེས་ཡུལ་སློབ་དཔུང་)

C Lectures relating to Tibetan Socio-political issues (ཆབ་སྲིད་དང་ལྷན་པའི་གནད་དོན་སློབ་)

ACTIVITIES

- D Lectures on H. H. the Dalai Lama, J. Krishana Murti and Gandhian Philosophy (གན་ཉིད་ལྟ་སྒྲུབ་དང་འབྲེལ་བའི་བཀའ་སློབ་གསུང་བཤད།)
- E Lectures and talks on matters/issues relating to CIHTS (ལྷ་ཆ་དབུས་བོད་གཙུག་ལག་སློབ་གཉེར་ཁང་དང་འབྲེལ་བའི་བཀའ་སློབ་གསུང་བཤད།)
- F Talks relating personal life story of Prof. S. Rinpoche. (ཡུམ་བས་རྩེ་ཟམ་གདོང་རིན་པོ་ཆེ་ཉིད་ཀྱི་སྤྱི་ཚེ་ལོ་རྒྱུས་དང་འབྲེལ་བའི་གསུང་བཤད།)
- H Miscellaneous topics (གོང་གསལ་གང་དུང་མ་གཏོགས་པའི་ཆོས་ཚན་སྣ་ཚོགས།)



Catalogue of Teachings & Lectures of Prof. Samdhong Rinpoche in Audio & Video



Teachings & Lectures of Prof. Samdhong Rinpoche in Audio & Video collected and preserved in these 10TB external hard drives.

5th Executive Committee Members of the Alumni Association of CIHTS elected in the general meeting of CIHTS Alumni held on 07.02.2023.

Sr. No.	Name	Designation
1.	Prof. Jampa Samten, Varanasi	President
2.	Ven. Dr. Lobsang Dorjee Rabling, Varanasi	Vice-President
3.	Ven. Dr. Lhakpa Tsering, Varanasi	General Secretary
4.	Miss Tenzin Tsomo, Varanasi	Assistant Secretary
5.	Mr. Chenga Tsering, Varanasi	Treasurer
6.	Mrs. Kelsang Wangmo, Varanasi	Assistant Treasurer
7.	Mrs. Chime Tsomo, Varanasi	Member
8.	Prof. Penpa Dorjee, Bylakuppe	Member
9.	Dr. Tashi Topgyal, Canada	Member
10.	Ven. Dr. Ngawang Yeshe, Ladakh	Member
11.	Dr. Dechen Dorjee, Canada	Member

(II) ACTIVITIES OF RAJBHASHA KARYANVAYAN SAMITI

Organization of Hindi Workshop

15 June 2023 : As per the orders of the Honorable Vice Chancellor, the Official Language Implementation Committee of Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi organized an Official Language Workshop on 15 June 2023 from 2.30 pm. The said workshop was chaired by Registrar Dr. Sunita Chandra. In the workshop, Dr. Satya Prakash Pal, Hindi Department, Banaras Hindu University,

ANNUAL REPORT 2023-2024

Varanasi delivered a lecture on the topic Hindi as Official Language: Problems and Solutions राजभाषा के रूप में हिंदी: समस्याएँ एवं समाधान. Similarly, in the second session, Dr. Vichitrassen Gupta, Senior Rajbhasha Officer, Banaras Hindu University, Varanasi had a pointwise substantial discussion on the Quarterly Report, Annual Report and Questionnaire of the Committee Of Parliament on Official Language तिमाही रपट, वार्षिक रपट एवं संसदीय राजभाषा समिति प्रश्नावली related to official language. In the meeting it was also discussed that compliance of Section-3(3) of Official language Act-1963 is mandatory and there is no relaxation. Program was conducted by Dr. Anurag Thripathi, member, OLIC and vote of thanks was delivered by Shri Deepanker.

Meeting of Official Language Implementation Committee

27 June, 2023 : A meeting of the Official Language Implementation Committee was held. In the said meeting, there was a comprehensive discussion on the Official Language Annual Program - Year 2023-24 issued by the Ministry of Home Affairs and the Honorable Vice Chancellor ordered to achieve the targets. Along with this, there was an extensive discussion on various items of the Official Language Quarterly Report and the questionnaire of the Committee of Parliament on Official Language and the Honorable Vice Chancellor directed to make a comprehensive program to achieve the set target. Along with this, all the officers / employees of the institute were directed to ensure official work in Hindi.

Hindi Diwas and All India Official Language Conference

14-15 September, 2023 : Hindi Diwas and Third All India Official Language Conference was held in Pune (Maharashtra). In which Dr. Anurag Tripathi, Member Secretary, OLIC and Shri Bhagawan Pandey, Rajbhasha Consultant participated from the Institute.

Organization of Official Language Week Celebration-2023 (From 25 September, 2023 to 30 September, 2023)

The Institute generally organizes Official Language Week Celebration from Hindi Diwas i.e. 14 September. But as per the direction of the Ministry of Home Affairs, Rajbhasha Vibhag, Hindi Diwas and Third All India Official Language Conference was organized on 14-15 September, 2023 in Pune (Maharashtra). Thereafter, the Official Language Implementation Committee of the Institute organized the Rajbhasha Week celebration in the Institute from 25th September, 2023 to 30th September, 2023 under which the following programs were organized.

Inauguration and Seminar of Official Language Week Celebration-2023

25 September, 2023 : Honorable Vice Chancellor Prof. Wangchug Dorjee Negi inaugurated the Rajbhasha Week. On the said occasion, an official language seminar was organized, in which Prof. Harikesh Singh, former Vice Chancellor, J. P. University, Chhapra was the chief guest. In the seminar, Dr. Ram Sudhar Singh, Ex Head of the Department, Hindi Department, U.P. College, Varanasi, was the main Orator on the topic 'International Format of Hindi and Challenges 'हिंदी का अन्तराष्ट्रीय स्वरूप एवं चुनौतियाँ' and Shri Rajesh Gautam, Program In-charge (Akashvani and Doordarshan) Varanasi as special speaker expressed their views. While presiding over the program, the Honorable Vice Chancellor said that the use of Hindi is progressing on the path of development and in today's era of marketing, Hindi will soon emerge as a world language. The welcome address in the program

ACTIVITIES

was given by the Registrar of the Institute, Dr. Sunita Chandra, conducted by Dr. Anurag Tripathi, Member Secretary, OLIC and the vote of thanks was given by Mr. Dipankar.

Organization of Rajbhasha Workshop

26 September, 2023 : An official language workshop was organized under the chairmanship of Deputy Registrar Dr. Himanshu Pandey. On the said occasion, as the keynote speaker, Mr. Chandra Mohan Tiwari, Retired Rajbhasha Officer, CSIR, Lucknow, discussed the Problems and Solutions in the Use of Official Language (राजभाषा के प्रयोग में आने वाली समस्याएँ एवं समाधान) and as a special speaker, Prof. Niranjana Sahay, Hindi Department, M.G. Kashi Vidyapeeth discussed in detail on the topic of "Historical Perspective of Official Language Policy" (राजभाषा नीति का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य). The topic was discussed in detail and both the speakers gave information regarding adopting the popular basic words of other languages by transliterating them as per the situation. While presiding over the program, Deputy Registrar Dr. Himanshu Pandey mentioned that working in Hindi is easy, only practice is required. The program was conducted by Dr. Sushil Kumar Singh, welcome address by Shri R. K. Mishra and vote of thanks was given by Shri Bhagwan Pandey.

Meeting of Official Language Implementation Committee

27 September, 2023 : A meeting of the Official Language Implementation Committee was held on 27 September 2023 under the chairmanship of the Honorable Vice Chancellor Prof. W. D. Negi. In the said meeting, the Registrar of the Institute Dr. Sunita Chandra welcomed the newly constituted OLIC members. There was a comprehensive discussion on the Official Language Annual Program - Year 2023-24 issued by the Ministry of Home Affairs and the Honorable Vice Chancellor ordered to achieve the targets. Along with this, there was an extensive discussion on various items of the Official Language Quarterly Report and the questionnaire of the Committee of Parliament on Official Language and the Honorable Vice Chancellor directed to make a comprehensive program to achieve the set target. All activities discussed through PPT by Rajbhasha consultant Mr. Bhagawan Pandey.

Organization of Debate Competition

28 September, 2023 : Under the chairmanship of the Registrar of the Institute, Dr. Sunita Chandra and under the decision of Dr. Ramsudar Singh, Dr. Ramesh Chandra Negi and Shri Pramod Singh, a debate competition was organized on the topic "Is it in the Interest of the Country to have the Medium of Higher Education Completely in Hindi or not?" (For/Against)

The employees of the institute participated enthusiastically in the said competition and first, second, third and consolation prizes were announced. The program was conducted by Dr. Sushil Kumar Singh, welcome address by Shri Bhagawan Pandey and vote of thanks delivered by Shri Pramod Singh.

Organization of Oral Quiz Competition

29 September, 2023 : Under the chairmanship of Dr. Sunita Chandra, Registrar and under the judgeship of Dr. Himanshu Pandey, Shri R. K. Mishra and Dr. Tashi Dawa an oral quiz competition was organized. In which questions related to official language Hindi, the Institute as well as questions on contemporary topics were

ANNUAL REPORT 2023-2024

asked by Shri Bhagwan Pandey, Official Language Consultant and the first, second, third and consolation prizes were decided. Program was conducted by Dr. Sushil Kumar Singh, welcome address by Shri Bhagwan Pandey and vote of thanks was delivered by Dr. Shuchita Sharma.



Prize distribution and Kavi Sammelan

30 September, 2023 : Prize distribution and Kavi Sammelan was organized under the chairmanship of Prof. W.D. Negi, Honorable Vice Chancellor and under the chief hospitality of Prof. Anand Vardhan Sharma, Director, Human Resource Development Centre, Banaras Hindu University. He stressed on respect for all languages and emphasized on the use of the official language. In his presidential address, Honorable Vice Chancellor emphasized on enriching Hindi by adopting words from other languages and fulfilling the target set in the annual program. In the program, personnel who secured positions in various official language competitions were awarded.

On the occasion of the closing ceremony of the week celebration, a grand Kavi Sammelan was organized, in which Dr. Ashok Singh, Dr. Prakash Uday, Dr. Shabnam, Dr. Nasima Nisha and Shri Ramayan Dhar Dwivedi recited poetry. Welcome address in the said program by Dr. Anurag Tripathi, Conducted by Prof. Ram Sudhar Singh and vote of thanks was given by Dr. Himanshu Pandey.

Meeting of Official Language Implementation Committee

27 December, 2023 : A meeting of the Official Language Implementation Committee was organized under the chairmanship of Honorable Vice Chancellor Prof. Wangchug Dorjee Negi, in which the targets were set for the Official Language Annual Program 20223-2024. The items of the quarterly report and the items of the questionnaire of the Committee of Parliament on Official Language were discussed through power point presentation. The Chairman ordered to complete the targets soon. The program was conducted by Dr. Anurag Tripathi, welcome address by Dr. Sushil Kumar Singh and power point presentation was delivered by Shri Bhagwan Pandey.

Organization of Hindi Workshop

10 January, 2024 : On the occasion of World Hindi Diwas, the Official Language Implementation Committee, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi organized Rajbhasha workshop under the chairmanship of Honorable Vice Chancellor Prof. Wangchug Dorjee Negi in Atish Auditorium. On the said occasion, Prof. Rajesh Lal Mehra, Chairman, Public Service Commission, Madhya Pradesh as the keynote speaker and Mrs. Madhuri Yadav, Research Officer, Tribal

ACTIVITIES

Affairs Department, Indore as the special speaker expressed scholarly views on the subject of making Hindi the language of public opinion, without forgetting their mother tongue. Welcome address in the program was given by Dr. Himanshu Pandey, Deputy Registrar, Subject Introducer Dr. Ramsudhar Singh, Ex. Head of Department, Hindi Department, U.P. College, Varanasi, conducted by Dr. Anurag Tripathi, Member Secretary OLIC and vote of thanks was delivered by Mr. Deepankar, Private Secretary, Vice Chancellor.

Organization of Hindi Workshop

23 March, 2024 : Official Language Implementation Committee, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi organized an Official Language Workshop. The said workshop was inaugurated and chaired by Registrar Dr. Sunita Chandra. On the said occasion, Prof. Prabhakar Singh, Hindi Department, Banaras Hindu University gave a scholarly lecture on Official Language Hindi: Inclusive Culture of Language and Shri Bhagwan Pandey, Rajbhasha Consultant delivered a lecture on "Official Language Rules: Act and Statutory Provisions". The workshop was conducted by Dr. Sushil Kumar Singh, welcome address by Dr. Anurag Tripathi and vote of thanks by Shri Dipankar.

Meeting of Official Language Implementation Committee

27 March, 2024 : A meeting of the Official Language Implementation Committee was organized under the chairmanship of Registrar Madam. In the said meeting, there was a detailed discussion on the official language annual program issued by the Home Ministry and the Registrar ordered to achieve the targets. Along with this, there was a serious discussion on various issues of the official language quarterly report and the questionnaire of the Parliamentary Official Language Committee. Registrar ordered to prepare a comprehensive program to achieve them. With this, there was a discussion regarding the publication of the Annual Official Language Magazine Bodhiprabh, which is to be published by the institute.

Academic Visits and Activities of the Vice Chancellor

Prof. Wangchuk Dorjee Negi

1.	20-21 April, 2023	Participated in the Global Buddhist Summit organized by the International Buddhist Confederation, New Delhi.
2.	02 May, 2023	Attended the meeting of Expert Advisory Committee, BTI, New Delhi.
3.	03-04 May, 2023	His Holiness the Dalai Lama gave special audience to the Hon'ble Vice Chancellor at Dharamsala (H.P.).
4.	20-22 May, 2023	On the invitation of the Hemis Culture & Welfare Society, the Hon'ble Vice Chancellor visited Leh Ladakh and Shared his experience in developing a syllabus and curriculum for the upcoming school.
5.	11-13 September, 2023	Participated and delivered a keynote address in the National Conference on Nalanda Buddhism organized in Kalimpon (W.B.) by the Indian Himalayan Council of Nalanda Buddhist Tradition.
6.	18 September, 2023	Attended review meeting with Joint Secretary, MoC (P.Arts)

ANNUAL REPORT 2023-2024

		on the functioning of CIHTS in Puratattva Bhavan, New Delhi.
7.	21 November, 2023	In the meeting held in New Delhi, discussions were held with Hon'ble Secretary, Ministry of Culture and Private Secretary to Hon'ble Minister of Culture.
8.	15 December, 2023	Participated in the meeting of Hindi Advisory Committee held under the Chairmanship of Hon'ble Minister of State for Culture, New Delhi.
9.	20-23 December, 2023	Participated in the International Sangha Furum 2023 organized by International Buddhist Confederation, New Delhi at Bodhgaya.
10.	29 Dec. 2023 to 01 January, 2024	Attended the Teaching and Long Life Prayer for His Holiness the Dalai Lama in Bodhgaya, Bihar.
11.	02 February, 2024	Participated in the Central Zone Vice Chancellor's Conference on "Implementation of NEP 2020 held at Vikram University, Ujjain.
12.	05 February, 2024	Participated in the meeting on Culture specific Vision@2047 held in Vigyan Bhavan, New Delhi.
13.	12 February, 2024	Participated as a Chief Guest in the Seminar "Exploring the Essence and Teaching Philosophy in Indian Languages" organized by M.G.K. Vidyapith, Varanasi.
14.	14 February, 2024	Participated as a Chief Guest in the Pratibha Samman Ceremony organized by SAAR Sansthan at Phase-2 Premchand Nagar, Pandeypur, Varanasi.
15.	15 February, 2024	Participated as Chief Guest in the Golden Jubilee Festival of Yogasadhana Kendra organized at Banaras Hindu University, Varanasi.
16.	25 February, 2024	Participated in the "International Dhamm Chhaya Samagam on Peace & Non-Violence" on the occasion of unveiling of the statue of Buddhist Monk Dhamm Chhaya at Ara, Bihar.
17.	Year 2023-24	Authored books: 1. Collection of Articles (Tibetan language) ISBN: 978-81-944714-8-6 No. of Pages: 402 2. Collection of Articles (Hindi language) ISBN: 978-81-944714-9-3 No. of Pages: 324 3. Garlands of Pearls (Question & Answer) ISBN: 978-81-944714-7-9 No. of Pages: 320

Academic Activities of the Registrar

Dr. Sunita Chandra

1. 15 June 2023 - Chaired the workshop on "Hindi as Official Language: Problems and Solutions" and "Quarterly Report of Official Language, Annual Report and Questionnaire of Parliamentary Official Language Committee".

ACTIVITIES

2. 27 June 2023 - Participated in the meeting of Rajbhasha Implementation Committee.
3. 03 August, 2023 - Attended a Review Meeting held in the Ministry of Culture, New Delhi chaired by Director, BTI regarding functioning of CIHTS.
4. 18 September, 2023 - Attended the Review Meeting chaired by Joint Secretary, BTI, Ministry of Culture to take a review of the issues related to Central Institute of Higher Tibetan Studies.
5. 25 September 2023 – Delivered the welcome address of the seminar, 'The Global Identity and Challenges of Hindi' during the inaugural ceremony of 'Rajbhasha Saptah' 2023.
6. 27 September 2023 - Participated in the meeting of the Rajbhasha Implementation Committee.
7. 28 September 2023 - Presided over the debate competition on the topic "Is it in the national interest or not to have the medium of higher education completely in Hindi? (For/Against)" organized as part of the Rajbhasha week celebrations.
8. 29 September 2023 - Presided over the oral quiz competition organized during the 'Rajbhasha Saptah'.
9. 30 September 2023 – Participated in the closing ceremony of 'Rajbhasha Saptah' celebrations.
10. 27 December 2023 – Participated in the meeting of the Rajbhasha Implementation Committee and expressed views regarding promotion of the use and spread of Rajbhasha.
11. 01 January, 2024 - Attended the Long Life Prayer Ceremony for His Holiness Dalai Lama held in Bodh Gaya as CIHTS representative.
12. 10 January 2024 – Delivered the address in the workshop organized on the occasion of World Hindi Day on the topic "Making Hindi the language of public opinion, without forgetting the importance of their mother tongue".
13. 11 January, 2024 - Held a meeting with Chairman, Madhya Pradesh Public Service Commission in CIHTS.
14. 26 January, 2024 - Chaired the Flag Hoisting Ceremony at the DARE Shelter Home, Mawaiya, Sarnath, Varanasi.
15. 30 January, 2024 - Attended the Foundation Day Ceremony of the DARE Shelter Home, Mawaiya, Sarnath, Varanasi as Chief Guest.
16. 27 March 2024 – Participated in the meeting of the Rajbhasha Implementation Committee.

Academic Activities of the Deputy Registrar/Director (I.c), CTE

Dr. Himanshu Pandey

Publications

1. Graphene Scaffolds: A Striking Approach to Combat Dermatophytosis.
Nanomaterials 2023, 13(16), 2305.

ANNUAL REPORT 2023-2024

Inspection/Review Meeting Carried out:

1. Inspected various Pharmacy colleges as per requirement of Pharmacy Council of India, Ministry of Health & Family Welfare, Govt. of India.
2. Conducted the review meetings of CPCSEA, Govt. of India.

Additional Administrative Responsibility

- Director (I/c), Centre for Teacher Education, CIHTS.
- Librarian (In- charge), CIHTS, Sarnath, Varanasi
- Sub Appellate Authority, CPGRAMS Portal, CIHTS
- Nodal Officer, New Website Committee, CIHTS

Other Activities

1. Course Director, Capacity Building Program (CBP) sponsored by, ICSSR, New Delhi.
2. 22 July 2023 : Delivered invited lecture on 'Nano-particulate ophthalmic system for controlled drug delivery to the anterior segment of eye' during ISFCP Dialogue Series, ISF College, Moga, Punjab.
3. Delivered invited lecture at M.L.N. Medical College, Prayagraj.
4. Organizing Secretary, #G20#Civil20 India 2023 program at CIHTS.
5. Served as a member of Selection Committees.

Recruitment Cell

During the year 2023-24 following 13 advertisements have been released for temporary recruitment on 24 positions. Recruitment process of all the advertised positions have been completed and 24 temporary/contract employees joined the Institute during the year 2023-24.

Sr. No.	Advertisement no.	Name of the position	No. of positions	Name of the Department	Date of advertisement
1.	CIHTS/Acad./Rectt./02/2023	Guest Faculty	1	Kargyud Sampradaya Shastra	14.06.2023
2.	CIHTS/Acad./Rectt./03/2023	Guest Faculty	2	Gelug Sampradaya Shastra	15.06.2023
3.	CIHTS/Adm./Rectt./05/2024	Nurse	1	Sowa-Rigpa	11.01.2024
4.	CIHTS/Adm./Rectt./06/2024	Research Assistant	1	Dictionary	19.01.2024
5.	CIHTS/Acad./Rectt./04/2024	Guest Faculty	1	Education	31.01.2024
6.	CIHTS/Adm./Rectt./07/2024	Office Assistant	3	Administration	04.03.2024
7.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	Guest Faculty	3	Sowa-Rigpa	05.03.2024
8.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	Medical Officer	4	Sowa-Rigpa	05.03.2024
9.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	Nurse	2	Sowa-Rigpa	05.03.2024
10.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	Dispencer	2	Sowa-Rigpa	05.03.2024
11.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	Office Assistant	1	Sowa-Rigpa	05.03.2024

ACTIVITIES

12.	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	Therapist	2	Sowa-Rigpa	05.03.2024
13	CIHTS/Rectt./SR-09/2024	Ward-Boy	1	Sowa-Rigpa	05.03.2024
Total			24		

Sorting of application forms and preparation for organising screening committee meetings for the 37 permanent posts advertised wide CIHTS/Acad./Rectt/01/2023 was also done during the year 2023-24.

Name of officers and employees of Recruitment cell-

1. Shri R.K. Mishra, Officer-in-charge (Rect.)
2. Shri M.L. Singh, Senior Assistant (Recruitment cell)
3. Shri Amit Kumar Vishwakarma, Office Assistant (Recruitment cell)
4. Shri Mantosh Kumar, MTS

IQAC

As per National Assessment and Accreditation Council (NAAC) guidelines, every accredited institution should establish an Internal Quality Assurance Cell (IQAC) as a post-accreditation quality sustenance measure. Since quality enhancement is a continuous process, the IQAC becomes a part of the institution's system and works towards the realization of the goals of quality enhancement and sustenance.

To fulfil the noble vision of NAAC, Internal Quality Assurance Cell (IQAC) at CIHTS has been established as a post-accreditation quality sustenance measure for performance evaluation, assessment and accreditation and quality up-gradation of the institute since 15th April, 2010.

OBJECTIVES

- The Prime objective of the IQAC is to develop a system for conscious, consistent and catalytic action to improve the academic and administrative performance of the institution.
- IQAC cell is determined to ensure fruitful collaboration among all the stakeholders for the development of a better teaching-learning experience.
- The cell also works as a potential Grievance Redressal mechanism with various other cells associated with it.

OFFICE OF THE IQAC

1. Dr. Mahesh Sharma	- Coordinator, IQAC
2. Dr. Jasmeet Gill	- Member Secretary, IQAC
3. Mr. Amit Kumar Vishwakarma	- Office Assistant, IQAC

IQAC Annual Activity

1. 20 April, 2023 : Delivered training lectures for the preparation of at IQAC, Vasanta College, Varanasi
2. 06-09 May, 2023 : As per the guide lines and standard approved format of the Institute, the Student Feedback was taken.
3. 15-16 May, 2023 : Delivered various training lectures for the teaching and non-teaching staff at IQAC, Nav Nalanda Mahavihar University, Bihar

ANNUAL REPORT 2023-2024

4. 04 July, 2023 : Shri Harikesh Sharan special lecture & Motivational talk on the topic “By doing extra, ordinary people start becoming Extra Ordinary”
5. 29 July, 2023 : Delivered a lecture on “The Introduction to Various Departments of CIHTS and IQAC” at Freshers’ Summer Campaign at CIHTS organized by SWA.
6. 11 August, 2023 : APAR reports are collected from all the faculty members.
7. 30 August, 2023 : Action taken report was prepared on Students feedback.
8. 05 September, 2023 : Teacher’s day celebration festivities were organized by IQAC in Atisha hall. Best teachers’ awards were given to the faculty members.
9. 05 September, 2023 : Talk was organized on teacher’s day by Professor Harish Chandra Singh Rathore on “Teachers as Leaders”.
10. 16 January, 2024 : Online Investor Awareness programme organized by IQAC in Atisha hall.
11. 2 March, 2024 : Organized a talk on Digital Humanities by Professor Jann Ronis, the Executive Director of the Buddhist Digital Resource Center (BDRC) in Atisha Hall, CIHTS.

Research and Development Cell (R&D)

Established according to the UGC guidelines and NEP 2020, the Research & Development Cell at Central Institute of Higher Tibetan Studies focuses on systematic, fact-based, and action-oriented research that creates a creative and productive environment of high-end research production towards social welfare. It undertakes various initiatives such as promoting faculty members for writing proposals to government and agencies for projects, conducting skill development programmes for students based on innovation and building inter-disciplinary research activities. It links the four research departments with the research courses offered at the Institute.

- Prof. Wangchuk Dorjee Negi - Director R&D, CIHTS
- Dr. Mahesh Sharma - Coordinator and Convener

Annual Activity

1. 14 December 2023 : Six-Monthly Progress Report Open Conference.
2. 14 December 2023 : Releasing of Ph.D. Scholar Code of Conduct handbook by Vice-chancellor in Atisha Hall.
3. 11 May 2023 : R&D cell 4th meeting.
4. 07 August 2023 : R&D cell 5th meeting.
5. 18 January 2024 : R&D cell 6th meeting.
6. 2-17 January 2024 : Organized a two-week long workshop for the research scholars on “Research Techniques and Academic Writing” by Professor William Edelglass.

ACTIVITIES

Right to Information Act

The central institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi is committed to provide information to the public on the line of RTI-Act 2005. Institute has made all desired provision to set out the practical regime of Right to Information for citizens to enable them to access the information under the control of Institute in order to promote transparency and accountability in the working of the Institute. Transparency Audit of Disclosure under Section 4 of the RTI Act of the Institute for 2023-24 has been done in the month of May, 2024. Details of RTI officials are given below.

Part-1 Nodal Officer

Sl. No.	Name of Public Authority	Name & Designation	Tel. No./Mobile No./Fax No.	e-Mail Address	Full address for correspondence
1.	Mr. Rajesh Kumar Mishra	Documentation Officer	0542-2586515 7080276699	rkmishra@cihts.ac.in	Shantarakshita Library, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi-221007

Part-2 First Appellate Authorities (FAAs) and Central Public Information Officer (CPIOs)

Sl. No.	Name of Public Authority	Name & Designation	Tel. No./Mobile No./Fax No.	e-Mail Address	Full address for correspondence
1.	Dr. Himanshu Pandey	Deputy Registrar & FAA	0542-2585149 8318287410	droffice@cihts.ac.in	Deputy Registrar Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi-221007
2.	Mr. Sunil Kumar	Assistant Registrar & CPIO	0542-2581031 7007270180	cpio@cihts.ac.in	Assistant Registrar, Central Institute of Higher Tibetan Studies, Sarnath, Varanasi-221007

Part-3 Dealing Office Assistant - Shri Sudhriti Biswas

Details of RTI Applications received are follows-

1.	No. of RTI Application received	-	20
2.	No. of RTI Application disposed	-	20
3.	Reply denied	-	00

Details of First Appellate Authorities RTI Applications received are follows-

1.	No. of FAA Application received	-	02
2.	No. of FAA Application disposed	-	02
3.	Reply denied	-	00

Engineering Section

Section Officer & Staff

1. Dr. Himanshu Pandey - I/c, Engg. Section
2. Sh. Manoj Kumar Kushwaha - Assistant Engineer (Civil)
3. Sh. Kapil Dixit - Junior Engineer (Electrical)
4. Sh. Rajeev Ranjan Singh - Sr. Assistant

Details of Executed Civil Works during 2023-2024

1. Football ground fencing work of the Institute.
2. Boundary wall work behind the basketball court of the Institute at Mavaiya village.
3. Buddha and five disciple idol inauguration in the Institute.
4. Type I quarter sewage line repairing work in the Institute.
5. Construction of Mrigarmata Bhojanalaya Project assigned to CPWD by the Institute.

Details of Executed Electrical Works during 2023-2024

1. Testing of Electrical leakage of type 3 (one building) & type 4 (one building) in the residential colony of the Institute.
2. Repair & servicing of Water Dispensers of the Institute.
3. Repair & servicing of Air Conditioners of the Institute.
4. Servicing of Batteries Installed with UPS system in the Institute.
5. Main Distribution panel of the Institute repair work.
6. Procurement of electrical material and accessories for the repair of the wiring and appliances/equipments.
7. DG maintenance & servicing work under AMC.
8. 1000 KVA 33KV/415V Transformer maintenance & servicing work under AMC.
9. Installation of roof top LED lights with GI poles at the roof of Maya Devi hostel new building.
10. Repair of Mess cum Kitchen Elevator of the Institute.

Students' Activities

1. Students' Welfare Association (SWA)

The Students' Welfare Association was first established in 1972. Since then, SWA has predominantly constituted a new horizon to bring better environment regarding the development of students' education and health. The active members of SWA are being elected democratically by the students of the Institute for one year tenure. The chosen members were:

Sl.No.	Name	Designation	Class
1	Tenzin lhundup	President	Ach 1 st
2	Sangey Dakpa	Vice-President.	B.ed 1 st
3	Tenzin Seldon	Secretary	Ach 1 st

ACTIVITIES

4	Samten Sherap Tamang	Treasurer	Ach 1 st
5	Ang Dorje Sherpa	Asst. Treasurer	Sha 3 rd
6	Phurbu Dorje	Educational	Ach 2 nd
7	Nima dorje dolu	Sport In-Charge	Ach 1 st
8	Tsering Tashi	Medical In-Charge	Ach 1 st
9	Tsering yumtso	Cultural Secretary	Ach 1 st
10	Wangchin Gompo	P.R.I.	B.A.Bed 3 rd year

The main objectives of the SWA are:

- to equip resource materials and accessories for students to gain intellectual wisdom.
- to provide an educational platform by organizing extra-curricular events such as classes, debates, campaigns, education tours etc.
- to invite reputed scholars from India and abroad and organize talks and teachings.
- to provide medical preventive and precautionary talks and campaign services for the students.
- to provide required assistance and competent care for treatment of diseases.
- to disseminate awareness amongst students on the uses of internet, education, health, technology etc.
- to gather suggestions and thoughts from students with regard to the improvement of the educational and environmental level of the Institute.
- to organize sports tournaments such as football, basketball etc. and facilitate necessary amenities in both outdoor and indoor games.

Activities:

1. 1st April, 2023 - The 51st Students Welfare Association of Central Institute of Higher Tibetan Studies has begun our service.
2. April, 2023 - Peace March by students and faculties of Central Institute of Higher Tibetan Studies to stand for His Holiness the 14th Dalai Lama. As the media baselessly accused His Holiness.
3. 25th April, 2023 - On the birth anniversary of His Holiness the Panchen Lama, S.W.A posted 3 videos on H.H The Panchen Lama's life history and influential movements.
4. 28th April, 2023 - The senior students' farewell ceremony was successfully conducted under the supervision of S.W.A.
5. 20th May - 21 June, 2023 – 5 students sent to Nepal, Odisha and Kollegal settlements to teach the students of primary and secondary schools for one month.
6. 14th June, 2023 - Successfully installed 8 hot & cold Dispenser, 11 water Dispensers were repaired.
7. 6th July 2023 - Commemorated the birth anniversary of His Holiness the Dalai Lama. S.W.A. organized a drawing competition based on his holiness

ANNUAL REPORT 2023-2024

achievements and life history. Student basketball tournament was successfully organized by S.W.A.



8. 21st July 2023 - On this very auspicious day of Buddha's first sermon of the Four Noble truths to his five disciples widely known as Dharma Chakra. S.W.A along with Mess Management organized a speech by Geshe Beri Jigme on the "Importance of Kagyur and Tengyur".
9. 28th-29th July 2023 - Two days fresher's Summer Campaign was organized for the new students of 2023.
10. 8th-15th August 2023 - L. M Joshi football tournament was successfully organized under the supervision of S.W.A.
11. 18th August, 2023 - As per request from members of S.W.A, along with students of Nyingma Sampradaya Ven. Palsang Dhargay conducted class on Research Methodology and citation methods for several days.
12. 21st Oct to 4th Nov, 2023 – Senior Educational tour to Kalimpong, Darjeeling and Sikkim.
13. 5rd November, 2023 – To commemorate the Birth anniversary of H. E. Samdong Rinpoche and to express our gratitude S.W.A organized Drawing competition, poetry writing. And along with the Alumni Association of CIHTS, organized 'A Student Symposium on Three Fundamental Texts on Secular Ethics by H.H. The 14th Dalai Lama: A Conceptual Analysis.
14. 21st-22nd Nov, 2023 – S.W.A. in collaboration with Tibetan Cancer Society organized a fruitful Cancer Awareness cum Detection Camp.
15. 28th Dec 2023 - 1st Jan, 2024 – under the supervision of S.W.A students of C.I.H.T.S attended the religious sermon of H.H. the Dalai Lama.
16. 15th-26th Jan, 2024 – S.W.A. organized interclass football competition as a celebration of Indian Republic Day.
17. 10th Jan, 2024 – S.W.A. organized a speech on 'Himalaya and Tibet' by Tibetan freedom fighter Mr. Tenzin Tsundue.
18. 22nd Jan, 2024 – S.W.A. in collaboration with Riglab Association organized a talk on Tibetan Grammar by Zongsar Prof. Telnak Lodoe Palsang and

ACTIVITIES

Department of Tibetan Literature's Phd scholar Mr. Dorjee Kyap at Sambodh Bhavan.

19. 25th Jan, 2024 – S.W.A. in collaboration with Riglab organized a talk on 'Introduction to Tibetan novel and its evolution' at Sambodh Bhavan by Tibetan Literature Prof. Acharya Tashi Gyalpo of Central Institute of Buddhist Studies, Ladakh.
20. 4th Feb, 2024 – 'Tibetan Handwriting class' guided by B.S.R.M.S. Prof. 4th year student Lhakpa Dorjee Lama was organized in Sambodh Bhavan.
21. 6th Feb, 2024 – S.W.A. organized a tuition on 'Enriching the Rhyming Scheme and Vocabulary of Tibetan Poetry Writing' by Tibetan Literature Scholar Ven. Lobsang Choedak.
22. 16th Feb, 2024 – S.W.A. organized a talk Prof. Laurence Wuidar on the 'Interpretation of Dream in the Greek Literature' in Atisha Hall. It was all possible through the kind invitation of Prof. Beri Jigme Wangyal.
23. 17th-29 Feb, 2024 – The CTE Senior Students Educational Tour to Delhi, Agra and Rajasthan was successfully wrapped under the supervision of S.W.A.
24. 27th-29th Feb, 2024 – The Annual Seniors' Winter Campaign was successfully organized.
25. 1st March, 2024 – A Drawing Competition on 'Tibet and Himalayan Culture' was organized to empower the creativity of students.
26. 7th March, 2024 – Acharya student, Padma Chokdup gave a talk on the etymology of 'Boe-yig and B-ti'.
27. 10th March, 2024 – S.W.A. along with R.T.W.A. and T.Y.B.A. of Varanasi commemorated the 65th Tibetan Uprising Day. Organized talks by Dr. Jasmeet Gill of Shabda Vidya Department, B.Ed. student, Dawa Kyap and Shastri Pema Choekyi.
28. 15th March, 2024 – Students' Welfare Association along with We the students organized Senior Student presentation on western ideology 'ISM'.
29. 16th March, 2024 – S.W.A. organized a one-week, 'History of Hindi Literature' workshop by Prof. Ram Sudar Singh.
30. 21st March, 2024 – S.W.A. Education Secretary organized a typing speed test in Tibetan, English and Hindi Language.

2. Mess Management Committee of Student Body

Introduction

At the Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS), there are two main student bodies: the Students' Welfare Association (SWA) and the Mess Management Committee (MMC). The primary role of the SWA is to organize and provide various opportunities for students related to education and sports.

The MMC plays a crucial role in managing the institute's mess services. The committee consists of ten executive members, each with specific roles and responsibilities. The tenure of these executive members is one year, and at the end of each tenure, a new set of executive members is elected in front of the Sampradaya's Abbot and the Dean of Students. The election process involves the five different Sampradayas (Sakya, Nyingma, Gelug, Kagyu, Yungdrung Bon) and

ANNUAL REPORT 2023-2024

the B.Ed section. Two members are elected from each of the four major Sampradhayas, one from Yungdrung Bon, and one from the B.Ed section.

Management of the mess for the entire campus was carried out by the Mess Management Committee comprising 10 members representing various sections of the student community. The current committee is the 43rd. The committee attempted to manage the Mess and its related activities. The members of MMC are:-

Sl.No.	Name	Designation	Class
1	Karma Tenzing Bhutia	Treasurer	Shastri 3 rd
2	Namgey Khandu	Assistant Treasurer	Shastri 3 rd
3	Ayushi Devi	Secretary	Acharya 1 st
4	Tenzin Zimba	Assistant Secretary	Shastri 3 rd
5	Vikarm Jeet	Kitchen In-charge	Shastri 3 rd
6	Yarphel Basnet	Quotation In-charge	M.F.A1 st
7	Gonpo Tsering Gurung	Member	BSRMS PRO2 nd
8	Dawa Pamo	Member	Acharya 1 st
9	Lobsang Choton	Member	Acharya 1 st
10	Tenzin Norsang	Member	B.A. Bed3 rd

The main objectives of MMC are as follow:

- To arrange nutritious and healthy food to all the students residing in the hostel.
- To ensure the cleanliness of the hostel, and its premises.
- To regulate proper rules and conducts of the institute to all the students.
- To allot hostel rooms annually to all the students.
- To organize the annual Tibetan New year to all the students and staffs.

Activities:

1. 21st July 2023 : On this very auspicious day of Buddha's first sermon of the Four Noble truths to his five disciples widely known as Dharma Chakra, S.W.A. along with Mess Management Committee, organized a speech by Geshe Beri Jigme on the "Importance of Kagyur and Tengyur".
2. 23rd-24th January, 2023 : The election of the new 42nd MMC members took place in front of the Sampradayas' Abbot and the Dean of Students. The election process involves the five different Sampradayas (Sakya, Nyingma, Gelug, Kagyu, Yungdrung Bon) and the B.Ed section.
3. 10th-12th Feb 2024 : The Institute celebrated the grand Tibetan festival of Losar (New Year). The MMC provided various important facilities including making special food available to all the students including staff. We also invited some students from BHU to join with us during the festival.

ACTIVITIES



4. 27 Feb. to 6 March 2024 : The Annual Mess Audit was conducted which aimed to assess the overall quality, hygiene, and efficiency of mess operations. The audit focused on food safety standards, cleanliness, inventory management, and adherence to dietary guidelines. Detailed inspections were carried out across multiple mess facilities, with recommendations provided for improvements in food preparation, and storage practices.
5. 11 March 2024 : The 41st MMC announced the finalization of the audit report prepared in collaboration between 41st and 42nd MMC members in front of the Honorable Dean of Students and all the students.
6. 28th March 2024 : During Ven. Prof. Samdhong Rinpo's visit, the 42nd MMC members arranged a special lunch for all delegations from outside, staff, and students.

3. Publication of Riglab, a Students' Journal and the Organization of a Workshop

Varnai-Riglab is an independent students' Editorial Board which is aimed for the development of the students' academic skills and the preservation of the Tibetan culture and Language. Every year, we organize the workshop, essay competition and publish a yearly journal.

The current members of Varnai-Riglab are as follows:

Sl.No.	Name	Designation
1.	Sonam Chokey	Editor
2.	Tenzin Lhundup	Assistant Editor
3.	Tenzin Norsang	Secretary
4.	Lhakchung Gurung	Treasurer
5.	Tshultim Sherap Lama	Assistant Treasurer
6.	Tsering Tashi	Board Member
7.	Tashi Gompo	Board Member
8.	Sarita Devi	Board Member

ANNUAL REPORT 2023-2024

Activities:

1. 4 November 2023 : As part of the birthday celebrations for His Eminence Professor Samdhong Rinpoche, a talk was organized by Gen. Lobsang Choedak on the topic, "The Kindness of Kyabje Lupon Samdhong Rinpoche in the efforts towards preserving Tibetan Education in exile." This talk was shared via video.
2. 13 January 2024 : Announced the recruitment for the members of the current Editorial Board of Varnai-Riglab.
3. 22 January 2024 : A talk on Linguistics was organized in collaboration with the Students Welfare Association.
4. 25 January 2024 : In collaboration with the Students' Welfare Association, Acharya Tashi Gyalpo delivered a talk on "The Nature and Evolution of Tibetan Long Fiction."
5. 31 January 2024 : A talk was organized on "The Content of Tamgyud Sertang and the Purpose of Its New Editing." Professor Lobsang Dorjee Rabling delivered the lecture to students from across the classes.
6. 11 March 2024 : Under the organization of the Riglab, History Professor, Shawo Tamding delivered a talk on the "Introduction to the Great Historical Documents of the Tibetan Empire and Methods of Editing Ancient Texts."

4. Students' Association of Performing Arts (SAPA)

The Students' Association of Performing Arts (SAPA) is a small committee founded by students with the primary goal of preserving the costumes and culture of Tibet. SAPA provides opportunities for students to practice and learn about their cultural heritage. The committee frequently presents cultural shows at various significant events, not only to entertain the audience with their talents but also to educate them about the culture of Tibet. Furthermore, SAPA has proudly represented their institute in numerous cultural competitions hosted in different regions, earning several awards for their performances.

The community consists of five members who are elected through voting among the junior students from Purva Madhyama to Uttar Madhyama.

The members were as follows:

SI. NO.	Name	Designation	Class
1	Mr. Namgyal Khandu	President	Shastri 2 nd
2	Ms. TseringTsomo	Vice-President	Shastri 2 nd
3	Mr. Tenzin Norsang	Secretary	Shastri 2 nd
4	Mr. Bair Burulov	Treasurer	Shastri 2 nd
5	Ms. Tenzin Pema	Asst. Treasurer	BRMS 2 nd

Activities:

1. 2nd September 2023 : The SAPA hosted the Great Cultural Competition among the Madhyamika students.

ACTIVITIES

2. 3rd September 2023 : The Association held the 'CIHTS Got Talent Show' to give an opportunity for all the talented and interested students to showcase their talents.
3. 9th–29th September 2023 : Participated in the *Kashi Sansad Sanskritik Maha Utsav*. We performed various types of performances (solo song, group dance, group songs etc.)
4. 3rd January 2024 : Welcomed His Holiness the 14th Dalai Lama during Bodhgaya's teachings by presenting the Tibetan culture dance ('Tashi Shopa') and we also offered white scarf ('khata') by wearing the traditional of Tibetan, Himalaya and foreign' costumes to represent our institute.

5. Activities of the Voluntary Community for Social Service (VCSS)

VCSS was founded in 1986 by the late Professor Lobsang Norbu Shastri and it has been 37 years since its formation. The members of this session were 37 in number comprising an advisor as well.

The members are as follows:

Sl.No.	Name	Designation	Class
1	Namgey Khandu	President	Shastri 2 nd
2	Gurmey Gurung	Treasurer	Shastri 1 st
3	Shanti Subba	Secretary	Shastri 1 st
4	Migmar Dolma	Asst. Treasurer	Shastri 1 st

Brief history

As our institute is located in an area where most of the people are addicted to cigarettes, drugs and alcohol so our late professor thought that it could influence the student so he found this committee. Under the approval of His Eminence Samdhong Rinpoche, this community was founded in 1986.

The main objective of this committee is to:

- 1) provide social responsibility to the students of the institute.
- 2) provide social activities.
- 3) protect the environment.
- 4) discourage the people who take drugs, alcohol and cigarettes.

Activities:

1. 1st October 2023 : Paid tribute to the father of our nation, Mahatma Gandhi, by cleaning the Sarnath temple and actively contributed to environmental conservation by collecting waste plastic bottles and other recyclable items for recycling.
2. 20th January 2024 : The VCSS successfully conducted an exchange programme between esteemed colleges of USA with our students. During this meet, the fellow students from different colleges of USA and CIHTS exchanged thoughts and made presentations on various topics.

ANNUAL REPORT 2023-2024



In one year tenure we almost cleaned every Sunday, trying our best to keep our campus neat and clean.

6. Varna Voluntary Committee for Animals (VVCA)

This committee was founded by one of the students of Shastri 2nd Aangdorje Sherpa along with some of his classmates by the advice of the alumnus Mr. Rinchen Lanzey in the year 2018 during the Golden Jubilee of the Institute. The main aim of VVCA is medical treatment and care of animals like stray dogs and others. Overall this committee works for the welfare of animals. The advisor of this committee is Geshe Ngawang Tenphel.

Members of VVCA:

S. No.	Name	Position	Class
1.	Jangchup Tsomo	President	Shastri 1 st
2.	Pema Tashi	Member	B.A.B.ED 2 nd
3.	Tenzin Choeying	Member	Shastri 1 st
4.	Tsering Wangchuck	Member	B.A.B.ED 2 nd

7. Regional Tibetan Women Association (RTWA)

Members:

1. Tenzin Choesang	President
2. Jangchup Tsomo	Secretary
3. Sonam Choekey	Treasurer
4. Dolma Tsering	Vice President

Activities:

2 November, 2023 : On the second of November, we had the honour of welcoming our dedicated mister Jamyang Tenzin, who has travelled extensively to raise awareness about Tibet and its current situation. His journey, undertaken entirely by bicycle, includes stops in places such as Varanasi and Bodh Gaya.

10th March 2024 : On the occasion of Tibetan uprising day, the Regional Tibetan Women's Association (RTWA) of Varanasi, along with students from the Central Institute of Higher Tibetan Studies (CIHTS), participated in a peace rally. The march aimed to spread awareness and remind the world of the sorrowful events that took place on this historic day. Through our actions, we hope to continue raising attention to the ongoing struggles faced by Tibetans and to honour the memory of those who stood against oppression. We also lit candles to pay tribute to the brave heroes and heroines who sacrificed their lives through self-immolation in the struggle for Tibetan freedom.

12 March, 2024 : To honour the memory of those women who stood against oppression by Chinese rule we lit a candle for those women who sacrificed their precious life for the freedom of Tibet country. After that, we also held a quiz competition among the class to spread awareness about Tibetan Women's Uprising Day to the students. We distributed prizes to the winner of the quizzes as an appreciation.

Monthly Circle Dance for Tibetan Cultural Preservation

On the second and third Wednesday of each month, we host a Circle Dance at the basketball ground to celebrate and preserve Tibetan culture. This gathering serves as an opportunity for the community to come together, share our rich heritage, and pass it on to the younger generation. Along with enjoying traditional dance, participants engage in a fun and active way to stay connected to our roots while promoting physical well-being. The event strengthens community bonding and keeps our cultural traditions alive for future generations.

8. Sowa-Rigpa Students Council (SSC)

As per MSE & MSR Gazette notification of NCISM, Ministry of Ayush, GOI, it is mandatory to constitute a Sowa Rigpa Students Council (SSC) consisting of an advisor and a five-member students' committee for each academic session. The members of SSC are being elected democratically by the students of the Sowa-Rigpa Department.

The main objectives of SSC are:

- to equip resource materials and accessories for students to gain intellectual wisdom.
- to provide an educational platform by organizing extra-curricular events such as special classes, debates, campaigns, educational tours etc.
- to invite reputed scholars from India and abroad for talks and teachings.

ANNUAL REPORT 2023-2024

- to provide medical preventive and precautionary talks and campaign services for the students of the Institute.
- to collect suggestions and opinions from students to improve the educational standard of the students.

The first term elected members are:

1.	Dr. Chime Dolker	Advisor	Guest Faculty
2.	Ven Sangye Jigme Loday	Chairman	BSRMS 4 th year
3.	Ven Lhakpa Chete Lama	Secretary	BSRMS 3 rd year
4.	Miss Tsewang Youdon	Member	BSRMS 4 th year
5.	Mr. Tenzin Tsewang	Member	BSRMS 2 nd year
6.	Mr. Tenzin Urgen	Member	BSRMS 1 st year



Activities of the SCC:

- 1) 12 April 2023 : Dr. Stephen Kloos, Ph.D (Medical Anthropologist specialised on Asian health industries and the acting director of the institute for social anthropology Austria) was invited for an interactive session with all the BSRMS, interested teaching staffs and Ph.D. candidates in the smart class, PGRH hall.
- 2) 17 April 2023 : SSC Organized a chart display in front of the main gate to celebrate the World Haemophilia Day
- 3) July 2023 : One month Phur-nye classes for BSRMS Professional 4th year students from 10th July 2023 onwards in Yuthog Sowa-Rigpa hospital.
- 4) 17 July 2023 : An essay writing session to all the kachupas in their respective classes for Dutsi Sorig journal was organized.
- 5) 9 October 2023 : An acupuncture learning session for the students of BSRMS Professional 4th students by Dr. Nyima Samdup Gurung in the Yuthog Sowa Rigpa hospital.
- 6) 9-23 October 2023 : The Department of Sowa-Rigpa and SSC jointly arranged a 15 days [9th October – 23rd October 2023] Induction Programme for BSRMS freshers at the PGRH hall, Sowa-Rigpa, CIHTS.
- 7) Election of 2nd term SSC members was held on 4th December 24 in Sambhot Bhawan and declared new elected members of Sowa-Rigpa Students Council [SSC] as under:

S.No	Name	Designation	Classes
1.	Dr. Dawa Tsering	Advisor	Guest Faculty
2.	Mingma Tshering Sherpa	Chairman	BSRMS IV
3.	Lhakpa Dorjee Lama	Secretary	BSRMS IV
4.	Sonam Paldon	Member	BSRMS IV
5.	Kunga Norbu	Member	BSRMS II
6.	Jangchup Tsomo	Member	BSRMS I



ACTIVITIES

- 8) **Free medical Camp :** A free medical camp service for pilgrims was organized by Sowa Riga Student Council, CIHTS from 27th December 2023 to 3rd January 2024 at Bodh Gaya, near Kalachakra ground VIP gate, Bihar with help of the doctors and volunteers of the Sowa Rigpa Department of the Institute.



APPENDIX-I

**LIST OF CONVOCATIONS HELD AND HONORIS CAUSA DEGREES
CONFERRED ON EMINENT PERSONS BY CENTRAL INSTITUTE
OF HIGHER TIBETAN STUDIES, SARNATH, VARANASI**

Convocations	Eminent Personalities on whom <i>Honoris Causa</i> Degrees were Conferred	Dates of Convocations & Degrees Awarded	
Special	H.H. the Dalai Lama	14.01.1990	Vachaspati
1 st	1. Shri P.V. Narasimha Rao	19.02.1990	Vakpati
	2. Ven. Labugama Lankananda Mahathera, Srilanka	"	Vakpati
	3. Ven. Khenpo Lama Gaden, Mongolia	"	Vakpati
2 nd	1. Dr. Raja Ramanna	15.07.1991	Vakpati
	2. Prof. G.M. Bongard Levin, Russia	"	Vakpati
3 rd	1. Dr. G. Ram Reddy, Chairman, UGC	08.04.1993	Vakpati
	2. Acharya Tulsi Maharaja	"	Vakpati
4 th	1. H.H. Sakya Trizin Rinpoche	16.04.1994	Vakpati
5 th	1. Dr. S.D. Sharma, President of India	21.08.1996	Vakpati
	2. Prof. K. Satchidananda Murty	"	Vakpati
	3. Prof. Ralph Buultjeen, Sri Lanka	"	Vakpati
6 th	1. Dr. A.R. Kidwai, Governor of Bihar	15.01.1998	Vakpati
	2. Prof. G.C. Pande	"	Vakpati
7 th	1. Dr. Karan Singh	27.12.1998	Vakpati
	2. Dr. (Mrs.) Kapila Vatsyayan	"	Vakpati
8 th	1. Prof. Ramsharan Sharma	31.10.1999	Vakpati
	2. Prof. Ravindra Kumar	"	Vakpati
9 th	1. Prof. D.P. Chattopadhyay	25.12.2000	Vakpati
	2. Acharya S.N. Goenka	"	Vakpati
10 th	1. Prof. Vishnukant Shastri, Governor of Uttar Pradesh	29.12.2001	Vakpati
	2. Prof. U.R. Anantha Murthy	"	Vakpati
	3. Gaden Tri Rinpoche Losang Nima	"	Vakpati
	4. Dr. Kereet Joshi	"	Vakpati
11 th	1. Prof. M.M. Joshi, Union HRD Minister	09.03.2003	Vakpati
	2. Prof. David Seyford Ruegg, England	"	Vakpati
12 th	1. Mr. B.R. Nanda	18.02.2005	Vakpati
	2. Justice J.S. Verma	"	Vakpati

APPENDICES

13 th	1. Dr. A.P.J. Abdul Kalam, Ex. President, Government of India	06.03.2008	Vakpati
	2. Prof. Suluk Sivaraksa	"	Vakpati
14 th	1. Ms. Meira Kumar, Speaker, Lok Sabha	17.03.2012	Vakpati
	2. Prof. Robert Thurman	"	Vakpati
	3. Prof. Lokesh Chandra	"	Vakpati
15 th	1. Ven. Thick Nhat Hanh, Vietnam	25.10.2018	Vakpati
	2. Vidyashrishatirtha Swami Maharaj (D. Prahladacharya)	"	Vakpati
	3. Smt. Jetsun Pema	"	Vakpati

APPENDIX-II

LIST OF MEMBERS OF THE CIHTS SOCIETY AS ON 31.03.2024

Sl.No.	Name & Address	Capacity
1	Secretary Ministry of Culture Govt. of India, New Delhi	Chairman
2	Vice-Chancellor CIHTS, Sarnath Varanasi - 221007 (U.P.)	Member
3	Joint Secretary (BTI) Govt. of India MoC, New Delhi,	Member
4	Prof. Rajaneesh Kumar Shukla V.C., M.G.A.H.V., Wardha (Maharashtra)-442001	Member
5	Prof. Baidyanath Labh V.C., Nav Nalanda Mahavihar Nalanda (Bihar)	Member
6	Prof. Bhaicung Tshering Bhutia Associate Prof., Dept. of Bhutia, Central University of Sikkim	Member
7	Prof. Lallan Prasad Singh 142, Maharaja Aptmnt. Plot No. 25, Sector 12, Dwarka, New Delhi	Member
8	Dr. Namita Nimbalkar Asstt. Professor, Dept. of Philosophy, University of Mumbai	Member
9	Shri Mrutyunjay Behera Economic Advisor (CU & Admn.), Ministry of Education, Shastri Bhawan, New Delhi	Member
10.	Geshe Lhakdor Director Library of Tibetan Works & Archieves, Dharmasala (H.P.)	Member

APPENDICES

11	Geshe Dorjee Damdul Director Tibet House, New Delhi	Member
12	Shri Naveen Srivastava Addl. Secretary (E.A), Ministry of Ext. Affairs, GOI, New Delhi	Member
13	Prof. Tashi Tsering (S) CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member
14	Dr. Anirban Dash Associate Professor, CIHTS, Sarnath	Member
15	Dr. Lhakpa Tsering Asst. Professor, CIHTS, Sarnath	Member
16	Registrar, CIHTS, Sarnath, Varanasi	Non-member Secretary

APPENDIX-III

LIST OF MEMBERS OF THE BOARD OF GOVERNORS AS ON 31.03.2024

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1	Vice-Chancellor CIHTS, Sarnath, Varanasi U.P. 221007	Chairman
2	Geshe Lhakdor Director, Library of Tibetan Works & Archives Gangchen Kyishong Dharamsla-176 214 Distt. Kangra (H.P.)	Member
3	Jt. Secretary (BTI) Govt. of India Ministry of Culture, New Delhi.	Member
4	Shri Naveen Srivastava, I.F.S. Addl. Secretary (East Asia) Min. of E Affairs, New Delhi	Member
5	Financial Advisor/or His representative Ministry of Culture Deptt. of Culture (IFD) Room No. 328, C – Wing, Shastri Bhawan New Delhi-110001	Member
6	Prof. Rana Purushottam Kumar Singh, Head of the Department of Buddhist Studies, NNM, Nalanda (Bihar)	Member
7	Prof. Rajiv Kumar Sinha Head of Deptt. of History T.M. Bhagalpur University Bhagalpur (Bihar)	Member
8	Prof. Amarjiva Lochan Associate Professor Ancient Indian History & Culture	Member

APPENDICES

(Shivaji College)
University of Delhi
Delhi- 110007

9	Prof. D.D. Chaturvedi Prof. in Sanskrit CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member
10	Prof. Tashi Tesiring (S) Prof. In Sakya CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member
11	Registrar CIHTS, Sarnath, Varanasi	Non-Member Secretary

APPENDIX-IV

LIST OF MEMBERS OF THE ACADEMIC COUNCIL AS ON 31.03.2024

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1.	Prof. W.D. Negi Vice Chancellor, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Chairman
2.	Prof. Lalji Shrawak Department of Pali & Buddhist Studies BHU, Varanasi.	Member
3.	Prof. J.S. Tripathi Department of Kaya Chikitsa Faculty of Ayurveda, IMS, BHU, Varanasi.	Member
4.	Prof. U.C. Singh Professor in Ancient History CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
5.	Prof. D.D. Chaturvedi Professor in Sanskrit & Head Deptt. of Sanskrit & Modern languages CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
6.	Prof. Tashi Tsering (S) Professor in Sakya & Head, Deptt. of Sampradaya Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
7.	Ven. Tenzin Norbu Head, Deptt. of Mool Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
8.	Ven. C.G.S. Phuntsok Nyima Head, Deptt. of Bon Sampradaya CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
9	Dr. Himanshu Pandey Centre for Teacher Education CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
10.	Ven. Lhakpa Tsering Head, Deptt. of Tib. Languages & Literature CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member

APPENDICES

11.	Dr. Amit Mishra Head, Deptt. of Social Science CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
12.	Dr. Tashi Dawa Head, Deptt. of Sowa Rigpa CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
13.	Dr. Jampa Chopel Head, Deptt. of Bhot Jyotish CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
14.	Dr. Shuchita Sharma Head, Deptt. of T.T.P. CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
15.	Dr. Dorjee Damdul Associate Professor Department of Sowarigpa CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
16.	Geshe Lobsang Wangdrak Assistant Professor Department of Mool Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
17.	Ven Dakpa Senge Associate Professor Department of Sampradaya Shastra CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
18.	Dr. Anurag Tripathi Assistant Professor Department of Classical & Modern Languages CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
19.	Dr. Urgyen Assistant Professor in Tib. History CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
20.	Dr. Tashi Tsering (J) Associate Professor in Bhot Jyotish CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
21.	Dr. Mahesh Sharma Assistant Professor in English CIHTS, Sarnath Varanasi.	Member

APPENDIX-V

LIST OF MEMBERS OF THE FINANCE COMMITTEE AS ON 31.03.2024

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1	Vice Chancellor CIHTS, Sarnath, Varanasi	Chairman
2	Director/Dy. Fin. Adv. (IFD) Ministry of Culture, GOI Shastri Bhavan, New Delhi	Member
3	Representative BTI Section, Ministry of Culture, GOI II Floor, D-Block, Puratattva Bhavan, GPO Complex, INA New Delhi – 23	Member
4	Dr. S. P. Mathur, Registrar, IIT BHU, BHU, Lanka, Varanasi – 221005	Member
5	Registrar, CIHTS, Sarnath, Varanasi	Member Secretary

APPENDIX-VI

LIST OF MEMBERS OF THE PLANNING & MONITORING BOARD AS ON 31.03.2024

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1.	Vice-Chancellor, CUTS, Sarnath, Varanasi-221007	Chairman
2.	Joint Secretary Government of India Ministry of culture, Shastri Bhavan, New Delhi	Member
3.	Financial Adviser Ministry of Culture Shastri Bhavan, New Delhi	Member
4.	Prof. L. Tenzin CUTS, Sarnath, Varnasi-221007	Member
5.	Prof. Baidyanath Labh Vice-Chancellor, NNM Nalanda, (Bihar)	Member
6.	Prof. Bjuvan Chandel Centre of Civilization Studies New Delhi	Member

APPENDIX-VII

LIST OF MEMBERS OF THE PUBLICATION COMMITTEE AS ON 31.03.2024

Sl. No.	Name & Address	Capacity
1.	Vice Chancellor, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Chairman
2.	Registrar CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
3.	Prof. Lobsang Tenzin CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
4.	Prof. Pradyumna Dubey B.H.U., Varanasi.	Member
5.	Prof. P. P. Gokhale CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
6.	Prof. R. K. Dwivedi S.S.U., Varanasi.	Member
7.	Librarian Shantarakshita Library, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
8.	Editor Translation Department, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
9.	Editor Restoration Department, CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member
10.	Shri Sangay Tender Head Tibetan Publication, LTWA, Dharamsala, H.P.	Member
11.	Publication In-charge CIHTS, Sarnath, Varanasi.	Member Secretary



केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान
Central Institute of Higher Tibetan Studies
 (Deemed to be University)

Sarnath, Varanasi-221007, U.P., India
Tel. No.: 0542-2585148, Fax No.: 0542-2585150
E-mail: registrar@cihts.ac.in